

कविनामावली ।

(श्री)
श्रीधर (प्राचीन)
श्रीधर (बाबू साफ्ता)
श्रीपति
श्रीलाल
(श्र)
अमरेस
अहमद
अजबेस
आलम
आनद
आनदघन
(ई)
ईस
ईसर
(ड)
ऊधव
उदेनाथ
उदेस
(क)
कविन्द्र
कमम
कमलापति (हनुमानकविकेमित्र)
कासीराम
किशोर
केसोदास
कन्हलाल
(ख)
खुमान
खूबी
(ग)
गनेस (काशीराज के कवि)
ग्वाल
गुलाब (काशिराज के कवि)
गिरधारी
गिरधरदास (हरीचन्द के पित
गोकुलनाथ (रघुनाथ के पुत्र
गंधर
गंग
गोपीनाथ (गोकुलनाथ के पु
(घ)
घनस्याम
घासीराम
(च)
चन्दन
चिरजीवी

कविनामावली ।

कृपाकर	देवमनि
छितिनाथ ७२ संस्कृत	देवकीनदन
छेम	देवकीनदन सिंह
(ज)	दौलत
जयदेव	(ध)
जलेस	धनेस
जवाहिर	धनीराम (ठाकुर के पुत्र)
जसवन्त (महाराजजोधपुर प्राचीन	धुरंधर
(ठ)	(न)
ठाकुर	नरोतम
ठगउ ाकुर	नबी
(त)	नवीन (नाभा के क०)
तरङ्ग	नदलाल
तारा	नागर
तेही	नाथ
तोष	निवाज
तोषनिधि	नीलकंठ
(द)	नूर
दयानिधि	नैन
दयादेव	नेही
दामोदर	नन्दन
दत्त	नृपसंभु
द्विज (मन्नालाल शर्मा)	(प)
द्विजदेव(महाराजमानसिंहअवधेस)	परमानन्द
द्विजराज	पदमाकर
दूलह	परसराम
दिनेश	परवत
देव	परसाद

कविनामावली ।

परताप
परमेस
पहलाद
पुण्डरीक
पूखी
पण्डित
पण्डितप्रवीन
प्रवीन
(ब)
बलदेव
बलभद्र
बल्लभ (कुमारमणि के पु०)
बालचन्द
ब्रह्म (राजाबीरबल)
बन्दी
बिद्यानन्दजी पं०
बीर
बिधाता
बेनी
बेनीप्रबीन
बेदनिधि
बंशीधर
(भ)
भगवी
भगवंत
भूप
भूषण
भूधर
भौन
भोलानाथ
भंजन
(म)
मनसा
मनिकंठ
मकरन्द
मतिराम
मनिजू
मणिदेव (काशिराज के
महाकवि
महबूब
मनराम
मान
मदनगोपाल
मीरन
मिश्र
मोतीराम
मोहन
मुबारक
मुकुन्दलाल (रघुनाथ के गु
मदन
मनिराम
मंचाराम
(र)
रघुनाथ (बीरबन्दीजनार्दन
रघुनाथ (कालिदास के ब०
रसरंग

॥ शृङ्गारसुधाकर ॥

७२
संपदा

श्रीगणेशायनमः ॥ दोहा ॥ सकलसिद्धिसहजहिँमिलत उपजतनीकोज्ञान ॥ धरुमनजुगलकिसोरके जुगुलचरनकोध्यान ॥ १ ॥ गलबाँहींदोऊदिये विहरतसुमननिकुंज ॥ मोरमनोरथमंजुवर तेपुजवहुछविपुंज ॥ २ ॥ आलंबनसृंगारके राधामाधवदेव ॥ विनउनकृपान पाइयत उज्जलरसकोभेव ॥ ३ ॥ श्रीधृपभानसुलाड़िली मानप्रियाहरिकेरि ॥ प्रथमतासुनखसिखकरत मैं रसग्रंथनहेरि ॥ ४ पुनिपाछेसब्भेवजुत कहिहौं हावविभाव ॥ जिहिंपढ़िरसिनकेहियें हूँहैपरमउछाव ॥ ५ ॥

॥ अथ घनाक्षरी कवित्त—चरन वर्णन ॥

कैधौं मानसरकेविमलकमलदोऊ सोहैंजपाजावकसुरंगअनुहारीके ॥ कैधौं सुरतरुकेसुपल्लवविमलराजैं कैधौं येविराजैं भानुभ्रमतमहारीके ॥ द्विजकहैकैधौं रतिपतिकेमुकुटवारो लालमनिमानिकअमितगुनभारीके ॥ लोभितरहतमनमोहनकोजामैं ऐसेसोभितचरनवृषभान

कीदुलारीके ॥ १ ॥ सुमननिकेतलालजावकसमेत कीनकौनसुखदेतमानकरतनिहोरीके ॥ ललितअनूपमविराजैं वलदेवकवि विमलसकलकमलनिछविछोरीके ॥ मेहँदीसुरंगरँगेनखरुचिचंदजगे पनेगजमनिगतिहंसनकीजोरीके ॥ अंकुसपताकाचारुरेखनललितलसैं वसैमनमेरोजुगचरनकिसोरीके ॥ २ ॥ कैधौं यहकोमलअमलताकीरंगभूमि कैधौं यहआँगनहैसोभाकेसदनको ॥ अरुनदलनपरकीनोकैंतरनिकोप जीत्योकैधौं रजोगुनराजिवकेगनको ॥ पलपलप्रनयकरतकीधौं केसोदास लागिरह्योपूरवानुरागपियमनको ॥ एरीवृपभानकीकुमारी तेरेपायसोहै जावककोरागकीसुहागसौतिजनको ॥ ३ ॥ कोहरऔबिंबइन्द्रवधूकेवरनजीते मेहँदीकेमीजनकीझलकसहलकी ॥ सहजैसुरंगदारजावककेरंगभार होतन सँभारउरभारतीकीललकी ॥ श्रीधरअरुनछविछायछहरायजाय छितिपैंविछाईमनौपाँखुरीकमलकी ॥ ज्यों ज्योंप्यारीमंदमंदपायनधरतआवै पौंघसीपरतिआवैत्यों त्योंमखमलकी ॥ ४ ॥ प्यारीकेपगनपाईएतीअरुनाई जामैंमुगधवधूनदिनसाँझकरिभाख्योहै ॥ वागव्हैकढति जाकेसिसिरलतानहूके किसलयतोरविकोमनअभिलाख्योहै ॥ चिन्तामनिआयेंजाकेचाँदनीविछौनापर लालमखमलकोविछौनाजनुनाख्योहै ॥ चरनधरतजाके ।मनफटिकचंद मानोलालविद्रुमदलनिवौंधिराख्यो ५ ॥ तेरेपगमांझकैधौं जावकदमोहैलाल कैधौं पाँ-

यपस्योहैसोहागसौतिजनको ॥ कहैसंभुराजकैधौं किस-
लैललितपर विछ्योहैपरागआइजपाकेसुमनको ॥ कै-
धौं पाककोहरथैधूककेदलनमूदे ताहूपरउपमानआवैम-
नतनको ॥ जानिनिधिवासमेरेजानकरिआसवस्यो कं-
जआसपासअनुरागलुब्धनको ॥ ६ ॥ कामकेतुनीरवि-
थिपल्लवपटीरकीधौं विद्रुमकीपीठपरवारिजवरनहैं ॥
जानुजुगनालफूलेसु दरसरोजदोऊ अतिहीसुदेसमहाम-
नकेहरनहैं ॥ उन्नतअँगूठानखआभाआँगुरीनपर चं-
दकलाआईकीधौं राहुकेडरनहैं ॥ हौं हूं बलिहारीरीझर-
सिकविहारी हंसगतिअनुसारीकीधौं प्यारीकेचरनहैं ॥७॥
अरुनकमलनखचंदहैंसमीपतातें जोन्हकोप्रकासफैल्यो
अद्भुतधरनिमै ॥ सौतिनकेभालकोतखतरिझवारकहैं दे-
खेदुतिहोतजातबिद्रुमबरनमै ॥ चाँदनीकीचादरबनात
केबिछौनाहोत चलैअलबेलीछबिछायाकेपरनमै । भ्यो
अनुरागयासुहागकैसोबागखिल्यो चलनसकतचितचु-
भ्योहैचरनमै ॥८॥ मंदहीचपतइन्दबधूकेधरनहोत प्या-
रीकेचरननयनीतहूतैंनरमै ॥ सहजललाईबरनीनजा-
यकासीराम वाकीगतिदेखिदेखिमेरीमतिभरमै ॥ ए-
डीठकुराइनकीनाइनगहतिजब ईंगुरसोरंगदौरिआवै
दरबरमै दियोहैंकिदीवेहैंबिचारैसोचैबारबार बावरीसी
है रहीमहावरीलैकरमै ॥ ९ ॥ अरुनकमलअरुणोदय
परममित्र तिनहूं कोलालीतेंलजावतहैअंगतू ॥ उदैना-
पईंगुरगुलालगुडहरलाल निदरतलालऐसेकरतप्रसंग

तू ॥ याजतननूपुरकहतचरननछुछै जामैसुखपावैहरि सोईकरिढंगतू ॥ पायनमैमेहँदीलगाईराधेकौनकाज सहजललाईकोबिगारैजनिरंगतू ॥ १० ॥

॥ पदआँगुरी वर्णन ॥

कैधौं विधिजावककेरंगसों रँगीनकरि सुधासों सुधारि कलाराखीसुधाकरकी ॥ सोभाकेसमुद्रमाझविद्रुमलता सीलसै पेखियतपल्लवप्रभानपटतरकी ॥ सूधीसूधीसुन्दरसुभाइहैसुरंगअंग कंजकलिकासीसुभसोभसरवरकी ॥ प्यारीतेरेपाइजुगआँगुरीविराजैं मानोपंकजनिखंगसरपाँतिपंचसरकी ॥ ११ ॥ अरुनकमलपगपाँखुरीकीपाँतिलसैं सरससघनसोभामनकेहरनकी ॥ दीरघनलघुताईपातरीसुहावनीहैं देखेदुतिहोतजातविद्रुमवरनकी ॥ नखकीनिकाईनीकीआरसीसीसोहतिहै जामैदेखोजातिसोभासौतिकेसरनकी ॥ भरमीसुकविकहिआवतिन मेरीमति पाँगुरीभईहैलखिआँगुरीचरनकी ॥ १२ ॥ दसहू दिसाकीमानोदेवतासीसोभियत कैधौं दिगपालन कीछरीहैंसुहावनी ॥ कैधौं दसौं इन्द्रिनकेबाँधिवेकीकलकोऊ कैधौं दसदिसाकीयेउपजीवसावनी ॥ कैधौं मनमथिवेकीमथनीअनाईकाम कैधौं पदआँगुरीहैंचितललचावनी ॥ कैधौं काममुकुटकेसोभितकँगूराचारु कैधौं तरकसभरीतिकुलीहैंभावनी ॥ १३ ॥ रूपकीअवधिमानोकंजकिसलयसद छबिचितचौकनीनमाखन कीओटहै ॥ पियअनुरागकेनिवासकोनवीनभास आ-

भाअरुनाईकौंतिमानकानजोटहै ॥ पाँगुरीभईहैमति अँगुरीनिहारिचारु उपमानआनऐसीबुद्धियोंचपेटैहैं ॥ देखिपदनखनउजालीतेरीमेरीआली आजपरीचाँदनी धरनिपरलोटैहैं ॥ १४ ॥

॥ अथ गुलुफ वर्णन ॥

करैगीकहातूं हगअंजनदैराधे पगमंजनकैहरीबुद्धिनंदकेदुलारेकी ॥ लालनखलालअँगुरीनलखिलीनभयो लालीलखिलालवाकेचरनकिनारेकी ॥ तरवासुरंगएडी ईंगुरकेरंगरंगी छविहैतरंगअंगवारेचटकारेकी ॥ गोरी तेरेगोरेगोरेगोलगुलफनपर नजरनिगोड़ीगड़ीजुलुफन वारेकी ॥ १५ ॥ चरनकमलकरहाटककीसोभादेत परीमनिमानोलटनागिनीउलुफकी ॥ रंभातरुउलटिकपूरपूरराखिवेकी कोठीहैंजुगुलसमकामकेकुलुफकी॥राजतसुदेसगोठिगिरीहैदिनेसकैधौं रेसमरसेकीरूपभूपकेसुलुफकी ॥ एड़िनसों आइराजैपायनदुहूं थिराजै अति छविछाजैलालगोरीकेगुलुफकी ॥ १६ ॥

॥ अथ पिंडुरी वर्णन ॥

सारघनसारकोलैकेसरकनकचूर सानिसुधासलिलसँवारीहैकिसोरीकी ॥ चीकनीकरजहीसों करीहैथिरंचिपुनि तातेंतैसीभईहैजुगुतिनाहिंधोरीकी ॥ रंभाछविछीनलीन्हीरंभाछविछीनकीन्ही चिन्तामनितिलोत्तमारतिमतिभोरीकी ॥ जेहरिकेउरबसीजेहरिसोंअतिलसी ऐसीगोरीगोरीगोलपींडुरीहैंगोरीकी ॥ १७ ॥ कैधौं वैसवे-

लिवेकीवेलनयनायोविधि सांभाधरसुधरसकलसुखदाइकी ॥ कोमलअमलदलकेतकीकेकलिकाकी केसरकलाईमानोमनमथराइकी ॥ कैधौं वलिभद्रसाधिसकलसोहागगुन सुचिरुचिरचीसचीपींडीद्वै बनाइकी ॥ आभासौतिखंडनकीऐपनसौं माड़ीतातें कैधौं पदमिनितेरी पिंडुरीसुभाइकी ॥ १८ ॥

॥ अथ जंघ वर्णन ॥

भायमहानैनमनभायमैनकुंभकार पायेकोटिरंगअंग कंचनचमेलीके ॥ सेवकभनतपटवाहिरकढतआव महतावजाविधिफनूसरंगमेलीके ॥ वरनिनजायअतिसोभनिसुभायकढ़ी कालिंदीसों न्हायसंगसोहनीसहेलीके ॥ गौनकोंकरतिपरगौनकों हरति ऐसेकीनेविधिकीन्हेजंघजुगुलनवेलीके ॥ १९ ॥ सकुचसमेतहू कैसुंदरसमेटि सुंड़ गाहतहीरहततड़ागवनकोनेके ॥ करभकहानीकहाअतिहीअसारसेत सानेतरुकलिकेलुकानेडरहोनेके ॥ भनतदिनेसअतिकोमलजुगुलजंघ हेरतहीहोतजैसेवस मनटोनेके ॥ मोहनीमहलसुखछायनकेहेतुमानो कारीगरमदनबनायेखंभसोनेके ॥ २० ॥ कोमलकमलसुखीतिरयेजुगुलजान्हु मेरेवलवीरजूकेमनहीहरतहैं ॥ सौरभसुभायसुभरंभाकोसदनअरु केसधकरभहूकोसोभा निदरतहैं ॥ कोटिरतिराजसिरताजव्रजराजकीसौं देखि देखिगजराजलाजनिमरतहैं ॥ मोचमोचमदरुचिसकलसकोचसोच सुधिआयेसुंडनकोकुंडलीकरतहैं ॥ २१ ॥

मोहनकेमनकेहैंयहीअवलंबआली चित्रमैलिखेनेजात चकितचितेरेहैं ॥ कंचनकेखंभनकेदंभदूरकरिवेकों कीन्हेकरतारऐसेकहूं कहूं हेरेहैं ॥ रूपहीकीइंडुरीहैपिंडुरीदिनेसजामे लघुनविसालढालचाहिभयेचेरेहैं ॥ सूखीसवसौतिमनसोचनसकोचनतें सोचमदमोचनजुगुलजानुतेरेहैं ॥ २२ ॥ रूपरसआसनकैकामकेसिंघासन हैं केलिकलाकौतुककीजीतमनआनिये ॥ सौतिनकेगरवगयेहैंदेखिदेखिजिन्हैं कदलीकेखंभदोऊउलटिप्रमानिये ॥ भरमीसुकविगजसुंडसकुचनलागे सोगुनीकरभहूतेंसोभासरसानिये ॥ सुघरसुढारयेसँवारेहैं विरंचि कैधों जंघजलवेलीकेअनूपजुगजानिये ॥ २३ ॥

॥ अथ नितंब वर्णन ॥

अंगनमेंकैधों जंघअंगनगरवगांठ कुचगिरिहेतदोऊहितमदचालके ॥ कटिरथचक्रकीआकृतियामेपाइयत केलिकलाघैठकयेरसिकरसालके ॥ विपरीतमंडितजघन खंभनिम्भकैधौं लाहकीगिरदगादीमैनमहिपालके ॥ अमृतसों सानीकीधौं सोनेकीसरसपीडी सोहतहैंसुंदर सुभगश्रोनीबालके ॥ २४ ॥ लालरंगवारेघेरदारघाघरे सों घिरे नेकनउघारेभारेसुखमासमूलहैं ॥ जगजीतवारे पतिप्रीतरीतिवारेकैधों कामकेनगारेउलटारेफ़ूपेफूल हैं ॥ उपमाअतूलयापिछाड़ीमतिभूलचेत मनसाकहे तेंकरेकयिनकबूलहैं ॥ निरखेनितंबनीकेयानितंबनीके मानो जुगजंघकंदलीकेयंमयूलमूलहैं ॥ २५ ॥ चहू

औरचितचोरचाकचकचकमनि सुंदरसुदरसनदरसन होनेहैं ॥ दितिसुतसुखनिघटाइवेको सुखरुख सुरनव-ढाइवेको केसवप्रवीनेहैं ॥ सबहीकेमननिहरनकरिह-रिहूके मनमथिवेको मनमथहाथलीनेहैं ॥ रुचिसुचि सकुचिसकेलिकेतरुनितेरे काहूनयेचतुरनितंबचक्रकीने हैं ॥ २६ ॥ पियरतिसमताकेथमिवेकीठौरकीधौं रूप केनगारेमैनउलटिकैराखेहैं ॥ कैधौं काममालताकीना-लसीसिखतसिखी कैधौं पीठिदेवीताकेसुद्धघरभाखेहैं ॥ कैधौं चक्रचतुराईताहीकहैंआगेधरे कोविदकेमारिवेको नूरअभिलाखेहैं ॥ सोभासबजगकीसँवारिकैधरीहैकैधौं तरुनीकेनीकेयेनितंबरचिराखेहैं ॥ २७ ॥ कैधौं द्वारमार जूकेदोऊचारुचौतराहैं कैधौं चक्रवाकचितचोरसुरना केहैं ॥ चामीकरचक्रचीन्हेजातइहिंचिन्तनातें चितयें चपलनैनीजौनकरनीकेहैं ॥ रतिकेसहायकहैंतोपसुख-दायकहैं राखिवेको लायकअगरवरनीकेहैं ॥ संबरा-रिरागीजूकेराजततमूराकैधौं मैनहीकेतंबुकैनितंबतरु-नीकेहैं ॥ २८ ॥ घनअतिजघननितंबपृथुपेखियत क-टिघटिकेहरिकुमारकेसोमापहै ॥ बिंध्यकेसेसिखरउभ-रेहैंउरोजउर मानोबलिभद्रआचरजकैसोलापहै ॥ मि-टवेदविधिवालापनकोबिनोदसब कलदईविग्यरसनाकी अनुलापहै ॥ सोनिनकीगुरुतासुलघुताईलंकभयो बा-रहैंबरिसगुरुसिंहकोमिलापहै ॥ २९ ॥ सोतनमनोजही कीफौजहैसरोजमुखी हावभावसायकरहेहैं सरसायके ॥

तापरसलीनीतैरेवसहैगोविंदप्यारो मैनहूकेवसभयेते-रेढिगआयकै ॥ तिनहूगोविंदलैसुदरसनचक्रएक की-न्हेंयसभुवनचतुर्दसयनायकै ॥ काहेनाजगतजीतिवेको मनराखैमैन दुर्लभदरसद्वैनितंवचक्रपायकै ॥ ३० ॥

॥ छुद्रघंटिका वर्णन ॥

रागिनीकीमंडलीरचीहैकामदेवकैधौं रागिनीसमेत रचनाहैचितचोरीकी ॥ कैधौं नाभिकूपकीरहटघरीरूप भरी ढरीअनढरीहैविचित्रभाँतिभोरीकी ॥ कैधौं हैदि-नेसअलियेसकोऊमीहनीको मोहनकोमोहैमनवेनुधुनि घोरीकी ॥ कैधौं वरबाजनेविराजतनितंबाढिग छाजत छबीलीछुद्रघंटिकाकिसोरीकी ॥ ३१ ॥ कैधौं नाभिसरके निकटहीसुधाकेहेत समरखरेटीगुंजिरहीमालसीगुही ॥ कैधौं संभुराजकेडमरूकेकमरबीच सैलतनयाकीबाँधी घुघुरूसुधामुही ॥ प्यारीजूकेकिंकिनीकोडोलनिवजनि सो वखानैजोइध्यावैगनपतिसारदातुही ॥ कलपलता पैयसीजानिकैप्रभातमनो बोलियोलिनाचतीकनककी चुहचुही ॥ ३२ ॥ कैधौं छुद्रघंटिकारतनकीललितसंभु राजतझलझलातराधिकाकेधरपर ॥ घाघरोमढीकेपर किंकिनीकनककी कलसतरलसैंकैधौं रूपरूपघरपर ॥ चलतहलसकैधौं पीनतंडुलततातें बोलियोलिउचरतीहैं आयआपअरपर ॥ पींजरेजराऊटंगौंछुलछुलजलमानो झरलायराखीहैनिकटनाभीसरपर ॥ ३३ ॥

॥ अथ कटि वर्णन ॥

कीन्होकमलासनकलानिधिवदनतेरो सकुच्योकमल सारवासरनिसरिगो ॥ भयोहैउतालरचिवेकोतिहिंका-लवाल वाहसविडरिवाकोसाहसनिसरिगो ॥ टेढ़ीकी-न्हीमों हैं कचकीन्हेकुटिलौं हैं फेरि कलिकाभयेतेंवाको आसनखसरिगो ॥ गोपजनिजानोख्यालजगतजनायो यह यातेंवाकों कटिकोवनाइवोविसरिगो ॥ ३४ ॥ भू-तकीमिठाईजैसीसाधुकीझुठाईजैसी स्यारकीढिठाईऐ-सोछीनछहू रितुहै ॥ धीराकैसोहासकेसोदासदासीकैसो सुख सूरकै सीसंकअंकरंककैसोवितुहै ॥ सूमकैसोदान महामूढ़कैसोज्ञान गौरीगौराकेसोमानमेरेजानसमुदि-तहै ॥ कोनेहैसँवारीवृषभानकीकुमारीयह तेरीकटिनि-पटकपटकैसोहितुहै ॥ ३५ ॥ सिंहिनीकीकरिहांतेंछीन कंजनालकसी कंजनालहूतेंनागवेलिऊनघटिहै ॥ नाग-वेलिहूतेंछीनजानोगुनवंतगुन गुनहूतेंछीनवरवारकसी वटिहै ॥ वारहूतेंछीनतारचंदनविचारकर तारमकरी कोरच्योसूछमनिपटहै ॥ मकरीकेतारहूतेंचारुसुकुमा-रमति करीकरतारयातियाकीछीनकटिहै ॥ ३६ ॥ सु-नियतकटिसोतोसुछमनिपटतेही प्रगटदरसकहोंसपनेन पेखिये ॥ पचिहारेचतुरचितेरेहूविचारिसव वाकोस-हीचित्रकेहू कहुऊनलेखिये ॥ कहैंसोमदेहनाहिं देहमैं सँदेहनाहिं गिराअनुमानतातें मनअवरेखिये ॥ कहूँटी गहिन्यायरह्योयिधिललचाइआइ विधिहूनदेख्योताहि कौनविधिदेखिये ॥ ३७ ॥ सुमनमैयासजैसेंसुमनमैंआ-

वैकैसें नाहींकह्योजातनाहींहांकह्योचहतहै ॥ सुरसरि सूरजामैसरस्वतिसोहैजैसे वेदकेयचनयोंवेसींचेनिवहत है ॥ परिवाकेइन्दुकीकलाहैजैसेंअंबरमे परवाकोंअच्छ परतच्छनालहतहै ॥ जैसें अनुमानतेंप्रमानपरब्रह्मतैसें कामिनीकीकटिकविमीरनकहतहै ॥ ३८ ॥ हारीहारभारउरभारत्योंउरोजभार यौवनमरोरजोरदावेदलियतुहै ॥ परगपरगपरयहैजियहोतसंक टूटिनापरतकौनपुन्यफलियतुहै ॥ कोऊकहैखरीखीनकोऊकहैकटिहीन मदनगोपालऐसेंचितचलियतुहै ॥ काहूकोनमानैसांककहतहो आईनाक ऐसेखीनेलाँकपैंउलाँकचलियतुहै ॥ ३९ ॥ तारसोलगासोबारलीकसोलुकंजनसो जादूकोसोछंदकहिवेमैछलियतुहै ॥ चितैनापरतिचौंकिजातिहैचितौनि जहाँ नैननकीगतिकोगुमानदलियतुहै ॥ पगनधरतधरकतहियोवलिभद्र डगनिभरतडगडगहलियतुहै ॥ कचकुचभारचीरवीरनकेभारोभार ऐसेखीनेलोंकपैनिसाँकचलियतुहै ॥ ४० ॥ लरकीलरकपरभौंहकीफरकपर नैनकीढरकपरभरिभरिढारिये ॥ हरिकेसअमल कपोलविहँसनिपर छातीउकसनिपरवेसकनिहारिये ॥ गहिरोहीगतिपरगहिरोहीनाभीपर हौंनयरजतिप्यारे नेकानिरवारिये ॥ एकप्रानप्यारीजूकीकटिलचकीलीपर ढीलीढीलीनजरसँभारिलालढारिये ॥ ४१ ॥

॥ अथ नाभी वर्णन ॥

अंधकारमध्यमुनिमैनकीगुफाहैकैधौं रूपठगकाजहेरु

घोचतमकूपहै ॥ सामरीतमाललताकोहैआलबालकैधौं ब्यालकोविवरअतिसुभगसरूपहै ॥ चिन्तामनिकैधौंनी- लमनिकोसुभसोपान धौंधिभूमिग्रहरव्योमनसिजभूप है ॥ अतिहोगँभीररोमराजीकेनिकटकैधौं तरुनीकी नाभीकुंडलसतअनूपहै ॥४२॥ कैधौं यहपरमअनूपरूप सरिताको भ्रमतभँवरजोरभवैपियमानहै ॥ सहजसिं- गारकीगुफाहैजहाँमैनबैठि ऐसेमंत्रजपैसंभुदंभदेविकान है ॥ कैधौं मनिकंठयहआनदभवनगेह जाहिदेखियेही प्रानसौतिकोनिदानहै ॥ वारीहौंतिहारीवड़भागमैंनि- हारीढारी कैधौं प्रानप्यारीतेरीनाभीनिरमानहै ॥ ४३॥ सोभाकीतरंगनीकेतोयकोभँवरकीधौं सोनेकीभूमिम- ध्यसदनकीटकीनोहै ॥ पियनैनगोलककेखेलकोखलेछ कीधौं वलिभद्रपारखोसुलाखकामदीनोहै ॥ राख्यो करिअचलसचलताबिसारिसब हेरिचितचंचरीकरंधर- सभीनोहै ॥ नाभीतेरीतरुनीनिवासकीधौं मोहनीको मेरेमनमोहनकोमनहरलीनोहै ॥ ४४॥ राजतगँभीररू- मावलीबनतीरमन तीरपहु चेतेभूलेत्रिवलीडवरमै ॥ भूरिभीरभारीछविछलकसिँगारपानी कालिदासदेखत भँवरक्यौं नभरमै ॥ ऊचीनेकहीमैडूबिगईलरिकाईतातैं रहियेछपायसखीयाहिरनगरमै ॥ चंचलगोपालखेलैंगो- कुलकीगलीबीच बड़ीकरयरतेरीनाभीसरवरमै ॥ ४५ ॥ सिसुताकेभाजिबेको गहिरीगुफाहैकैधौं रसकीतरंगि- नीमैंभौं रमभ्रधारको ॥ लच्छनवतीसहूकेसोभाकोभँ-

डारयह सौतिनकोगरधगयोहैएकबारको ॥ कैधौं सुधाकुंडदेखिगहरेगईहैमति उपमानआवतिनपावतिविचारको ॥ रूपकोनगरकामभूपनैबसायोतामैं नाभीरसकूपमनमोहैरिझवारको ॥ ४६ ॥

॥ उदर वर्णन ॥

कोमलअमलदलकमलनवलकैधौं कीनोहैविरंचिसुचिछविकोसहेटहै ॥ उदितप्रभाकरकोदुतिआनछाई कैधौं चमकतचारुखातलोचनरपेटहै ॥ सुंदरथलीहै भलीमदनविराजिवेकी जाकेसमकीन्हेहोतउपमांतरेट है ॥ चीकनोपरममखमलतैंनरमऐसो प्यारीजूकोपेट लेतमनकौं लपेटहै ॥ ४७ ॥ नूररसछलकैसुनाभीभौंरझलकै निहारिलाललककैलग्योधौं लोभसरहै ॥ त्रिवलीतरंगहैरमावलीसिंवारसंग मकरअनंगकहैंनागरी सुनरहै ॥ मुखसुधासरमध्यमनिट्टगदेखिदेखि भरकै परसकोसरसवारिधरहै ॥ हंसकुचकोलहारमोतिनकी मालगरें उदरकृसोदरीकोमानोमानसरहै ॥ ४८ ॥ कोमलविमलकामभूपकीसुरंगभूमि पानकोसोदलचलदल कैसोपातहै ॥ मोहनकेमनकेमनोरथकीमोहनीकै सौतिकेसताइवेकीसोभासरसातहै ॥ नाभिरसकूपकीसुघाटमिलिसीढीडारी टरतनडीठनीठनीठदरसातहै ॥ भरमीसुकविरोमराजीकीविराजीछवि उदरअनूपऐसोसुभगसोहातहै ॥ ४९ ॥ प्यारीनैननटनकेनाटकोअखारोनूर थंसदुतितामैरोमराजीअभिरामको ॥ सुरतिसिंगारर-

सताहीकोपलनकीधौं सेवतहैजाहिअभिलापलाखवा-
मकी ॥ रूपरासमंडलमैमूरतिमनोजकैसी राखीहैवसा-
यसोभात्रिवलीत्रिधामकी ॥ लालमनमृगकोविलासवा-
सवेलिमूल प्यारीतेरेपेटकीअखेटभूमिकामकी ॥ ५०॥
ललितवलितलोटैंपरीजाकेवीचकैधौं लहरैंवढावतस-
रूपपारावारहै ॥ नाभिसरतटन्हानजानकौंविमलहेम
सीढ़ीधैंधवाईमैननृपतिउदारहै ॥ लीलाधरदरसपरस
सुखकारीजामै वरसिवरसिछविछलकप्रचारहै ॥ मुंदर-
तिवारोऐसोउदरतिहारोरचें कुदरतवारोकहियतकरता-
रहै ॥ ५१ ॥

॥ अथ त्रिवली वर्णन ॥

कैधौं मैनभूपतिकेरथकेसुचक्रचले तिनहींकीलीकैं
उरभूपैंजानतीनहै ॥ कैधौं मनठगकीयेगलीभलीठगि-
वेकी कैधौं रूपनदीहूतिधारकियोगौनहै ॥ ऐसीछवि
देखितेरीमोहैमनमोहनजू यातेंमैंहूजानीयहीमोहिवेकी
भौनहै ॥ एकवलीसवहीकौंवसकरिराखतहै त्रिवलीजो
करैवसअचरजकौनहै ॥ ५२ ॥ अमलअनंगकेअनंदकी
उदितभूमि जीतिपियवाजीदगावाजीसीपसारीहै ॥ क-
नककेपानसेउदरमैउदिनदुति त्रिवलीतिहारीमैनिहा-
रीमतिहारीहै ॥ रूपगुनचातुरीसोंसुरनरनागनके जी-
तिमनिकंठविधिसोहैरेखसारीहै ॥ सौतिमुखउतरैकोपि-
यप्रेमचढिवेकौं कुंदनकीप्यारीपैरकारीसीसँवारीहै॥५३॥
पारावाररूपकोतरंगतुंगवलिभद्र यौवनजहाजजलजि-

यहिलिजातहै ॥ ग्यानिनकेग्यानयोगध्यानिनकोध्याननछूटे मुनिमनसाऊडांडाडोलीडगुलातहै ॥ जामेतीनोलोकनकेतरुनीकीसोभासब सहजसलिलगामैनीलली समातहै ॥ बाँधिकरबल्लीकीत्रिबल्लीतेरीतियकैधौं छीनकटिजानिदीनीकंचनकीपातहै ॥ ५४ ॥ अंगगोरेगोरेभाँतिदेखिझिलिमिलीकाँति कछुउठीरोमपाँतिवेनीकोसीझाँईहै ॥ रघुनाथतनमनमानोनितनितनई नैननकीकोरकानओरलगिआईहै ॥ कंजकलीकैसेकुचअलिकैसोकुसलोक त्रिवलीकीतीनोरेखसरलसुहाईहै ॥ सिसुताउतरिबेकी यौवनकेचढ़िबेकी मानोकामकारीगरसीढ़ीसीबनाइहै ॥ ५५ ॥ मनहंसबसिबेको रूपकीनदीमेकैधौं निकसीपुलिनपाँतिकाँतिहेमलोनेकी ॥ सैसवसो लरिबेको यौवनमहीपकैधौं कीनीमेड़मोरचेकीसाधजीतहोनेकी ॥ नैनबसकरिबेको कहैकविरघुनाथ त्रिवलीतियाकीकीधौं तीनरेखटोनेकी ॥ कुचभारधरिबेको देखिअतिछामकटि कैधौं कामबाँधीहैबनायदामसोनेकी ॥ ५६ ॥

॥ अथ रोमराजी वर्णन ॥

यौवनसरोवरमेंअलकझलककैधौं नेहनववेलीनाभीकूपतेंबिराजीहै ॥ खंजननयनहरिबाँधिवेकोबल्लीकैधौं राजतसुदेसमहाबाँकीछबिछाजीहै ॥ उदरअभूतनिकसतस्यामसूतमुख महाअभिरामकामकीनोकैधौंधाजीहै ॥ राखीअबरेखहियेमोहनीदिनेसदेखि रोम-

रोमराजीतातेंनामरोमराजीहै॥ ५७ ॥ कैधौं यापा-
नपरवसीकरनमंत्रलिख्यो देखिछबिमोहैकोनबिद्याप-
चसरकी ॥ हृदयसरोवरसिंगाररसजलकैधौं उमड़ि
चल्योहैनाभीकुंडिकागहरकी ॥ छोटेछोटेआखरनअ-
वलालिखायेयातें आपनीसवलताईसुरतिसमरकी ॥
जिन्हैदेखिनैननकीगतिमतिभाजी यहतेरीरोमराजीकै-
धौं वाजीवाजीगरकी ॥५८॥ कैधौं कामवागवानवो-
ईयासिंगारवेलि सींचकैवढ़ाईनाभीकूपमनमोहिये ॥
कैधौं हरिनैनखंजरीटनकेखेलिवेकी भूमिकेलोदासन-
खपंकरेखरोहिये ॥ कैधौं चलदलपातपियकोकपटज्व-
र छूटियेकोमंत्रलिखिलोचननिजोहिये ॥ सुंदरउदरसु-
भसुंदरीकीरोमराजी कैधौं चितचातुरीकीचोटीचारुसो-
हिये ॥ ५९ ॥ चिन्तामनिचौकीस्याममनिकेमयूपनकी
झांईसीझलकतमसोभाएकसाजीहै ॥ अंगनतेयालपन
गुननिकारेसोई आयनूरुछरीकोसीछबिदिव्यछाजीहै॥
अमलरतनहाररजोतिउरनाभिगुफा पैठिबेकोंअंधकार
धारमानोभाजीहै ॥ तैसेआभरनमनिदीपनकेदीपतिसी
काजरकीरेखसीयिराजीरोमराजीहै ॥ ६० ॥ कैधौं का-
मचोपदारकेसरिकीभूमिपर छरीआयनूसकीधरीहैप्या-
रीजीयकी ॥ कैधौं मंत्रमोहनीकोपैतिहैसुवेपक्रीधौं मर-
कतरेखपाटीकंचनजरीयकी ॥ कहैकविरघुनाथअसत
नरेलभारी डारीहैजरीयनापियेकीरसरीयकी ॥ हियघर
छोड़िदारिकाहूंभागीताकीराह राजतिहैलोसीरोमरा-

जीकैधौं तीयकी ॥ ६१ ॥ मेरुमध्यमदनमलंगकोयसन
नील कनककीसिलापैभुजंगिनीविराजीहै ॥ मिटीमुग-
धईताकीमध्यसेखरेखरही त्रुक्कीविरहागिकीधौं मगछ-
यिछाजीहै ॥ रसराजकैधौं वैरपूरवविचारिचित काम
चधिवेकोंहरऔंगसँगसाजीहै ॥ कैधौं कूचविहँगसिका-
रकोतुफंगताने कैधौं रमनीकीरमनीयरोमराजीहै ॥६२॥
विषकीलतासीविनपानिभ्रानुदुहितासी आसीविषअ-
लपासीभामिनीकीभाँतिहै ॥ कुचचकडोरीकीकिडोरी
मंखतूलकीकि ताकिअमीघटनिचढीपिपीलिपाँतिहै ॥
जठरअगिनिआभाडोरीनाभिकूपकीकि चतुरचितौनि
मैचिहूंटिअहटातिहै ॥ अलपउदरपरतेरीरोमराजीकै-
धौं यलिसद्रयानीकीविपंचीहीकीतौतिहै ॥ ६३ ॥ सो-
गीकेरेजोगीऔवियोगीसत्रभोगीकरे रोगीकरेसाधुंग्या-
नधोमद्योवारिकै ॥ खगमृगमीनसंभुनागऔअसुरसुर
हारेतीनोपुरसोसकलजीतिफ्कारिकै ॥ तेरीरोमराजीमन
मोहिवेमेराजीहोत जाकीरुचिताजीमेमधुपरहेहारिकै ॥
दैकैजगतापनिजभुजनिकेदापमानो राखीकामचापपर
पनिचउतारिकै ॥ ६४ ॥ सोनजुहीचंपकक्षनककीबन-
करंग कुंकुमतनकभावलियेंजाके अंगको ॥ संभुराजरा-
धारचीरूपहीकीनिधियाहि विनकरिसकेसुरतरुभान-
भंगको ॥ वड़ वड़ मोतिनकेहारनकेवीचवीच रोमरा-
जीलसतिवखानैवहिरंगको ॥ मानोवढ्योदिननजगाजै
फूटिकढ्योएक अंडनकेमंडलनवालकभुजंगको ॥ ६५ ॥

गवनिगयंदगूजरेटीगुरुगुननकी गलीमैंमिलीज्योदेि
वेकोतरसानोहै ॥ कहैरघुनाथवाकेमुखकीमरीचीअ
चिलकजोन्हाईकीनचंदसरसानोहै ॥ चारुकुचकलि
ललितरोमराजीराजी साजीकविसमताविनोदबरसा
है ॥ उरछविसागरमैंसिंधुरधर्स्योहैमैन वूड़िगयोधरवे
रकुंभखुल्योमानोहै ॥ ६६ ॥ जंगकरिवेकोठानठानी
अनंगराख्यो अंगनाके अंगनिसिलहखानोकरिकै ॥
सिकातुनीरलखेकेसरिकेतीरसंभु भृकुटीधनुपजैवेले
प्रानहरिकै ॥ सूलसेनयनहैंनितंबचारुचक्रकैसे ढाल
उरोजराख्योएकफूलधरिकै ॥ रोमराजीसजिऐसोरथ
कछूजज मानोधरीगजकरिकैतुपकनाभीभरिकै ॥ ६७
कोऊहेमसोंगेचढ़ीवानिसकसीसेकहै कोऊनाभीयां
व्यालीविपमकढ़ीसोहै ॥ कोऊछविसागरतेसरितासि
गारयारी तरलतरंगैंचारुसुखमाधढ़ीसोहै ॥ उपमारसीप
रोमराजीकीरसिकछवि छीटिछीटिकविमतिहायनग
ढ़ीसीहै ॥ लिखीहेमपट्टिकापेंपातिमंत्रमोहनीकी जादू
गरकामधनेफूंकनपढ़ीसोहै ॥ ६८ ॥

॥ कुच तरहटी वर्णन ॥

घनकीघटामीनीटकंचुकीघट्टकिरही मोतिनकीमाल
सुरसरीठाटहैहटी ॥ कविमकरंदरोमपांतियमुनाकीभांति
घनीनाभीकुंडस्वैनुदीठिदिसिकैलटी ॥ परमपुनीतभमि
रचीहैविधानायह त्रिविराजकामदेवतपकाजहैहटी ॥
कुचनिकेनीचेनीचेकैमीछविराजति है जैसीकट्टराजति

मेरुकीतरहटी ॥ ६९ ॥ अटकेललनरूपहटकेसकोचनमैं लटकेबिरतरीझिझूझियौं परतहैं ॥ छबिसों छबीलीडीठिचितैहरिओरफिरि चातुरीकीडोरीचकडोरीसीभरत है ॥ नीलकंठअंगरातअंचलकेफहरात छबिछंतियामैं कछुऐसीउघरतहैं ॥ गंगाजलभीतरसुमेरुकेसमीपकैसी मेरेजानिकनककीभूमिपसरतहै ॥ ७० ॥

॥ अथ कुच वर्णन ॥

जोबननृपतिजाकेपरसपुनीतभयो दरसतेंजाकेसरसतचितचेतहै ॥ कालिदासआसपासअमलअनूपसोहै पानिपकोपूरोमहाछबिकोनिकेतहै ॥ दिनदिनदूनीभई ओपकीउमंगहेरि जाकीरचनाकीरचियेकोंहरिहेतहै ॥ तनिकसीगुटिकासों कनककलसभये आलीतेरोउरकैधौं सांचोकुरुखेतहै ॥ ७१ ॥ पारदकेगुटिकासंवारेकामसिद्धजूने धातुबेधिबेकीकहागातवेधिजातहैं ॥ नेकहूछुएतेंअंगअंगरंगऔरैहोत दोऊगुनपूरनसुरूपसरसातहैं ॥ भरमीसुकबिकोऊधनितूंरसाइनीहैं जाकेउरविद्याफल ऐनदरसातहैं ॥ तेरेकुचदेखेरुचिमोहनकेबाढ़तिहैं मेरे जानिआलीतेरोरूपउफनातहैं ॥ ७२ ॥ मुकुलसरोजकेद्वै उलहेहियेमैकैधौं उपजेमनोजहींकेचौजयेकछुकसे ॥ कंचनकलसकरीकुंभहूकहाहैंकोक आनंदभरेसेआछेकबिनकेतुकसे ॥ कैधौं महामोहनीकिमठहीबनायेबिधि भौंचकहूरहेहेरिसुरमुनिसुकसे ॥ अबहींटुलहियाकेनेककरलावतही कंदुकसेउरमेउरोजआनिउकसे ॥ ७३ ॥

हैं ॥ चिन्तामनिठौरठौरआपनोदुहाईफेरि अंगीप्रतिपछकतेसिगरेउडासेहैं ॥ नूतनवहिक्रममेनूतनमगटभये उरमैउरोजऐसेसुखमासौं भासेहैं ॥ निधिसेनिरखिचिन्हअनुपमलच्छभरे मानोविविक चनके कलसनिकासेहैं ॥ ७८ ॥ कैधौं विविनीलकंठवसतसुमेरपर मधुकरमातेकै धौं स पुटसरोजहैं ॥ उलटेअछिद्रतालश्रीफलरसालकैधौं जोवनके वालेजुगजनेएकरोजहैं ॥ पियचौगानकेनिसानकैधौं ताराकवि । तूं ग्रातखनाईसंघुतरिवेकौं चोजहैं ॥ कुंजरके कुंभकै कलसजुगकंचनके मदनकेमठकैधौं कठिनउरोजहैं ॥ ७९ ॥ श्रीफलसरोजकैधौं कोमलकरारेकुच कलिकाकुसुमकैधौंभरेरसमैनके ॥ आनंदकेकंदकैधौंजोबनकेमैयाबंधु नारंगोसुरंगकैधौंसंभुसुखदेनके ॥ कंचनकेढारकैधौंसोनेकेपहारपरे चक्रवाकीताकेकैधौं छत्रपतिमैनके ॥ गाढ़े गढ़िलंककैधौंसोभितहियाकेबीच दौलतजतीकेकैधौंमौनीदिनरैनके ॥ ८० ॥ सोनेकोसैंधोराकैधौंश्रीफलसरोजकैधौं सोनेहीकेकलस पियूषरसभरेहैं ॥ कैधौंकरिकुंभकैधौंसंभुजुगस्यामकोधौं कनककेतरयेउतारायिघिधरेहैं ॥ सोहतसुमेरुपेसुभगश्रि विकंचनके कंचनकीफूलीबेलिकंचनकेफरेहैं ॥ सूरजविमोहीयेगुरुजसेउरजदेखि मोहिकौनगनैमुनिहू क्रेमनहरेहैं ॥ ८१ ॥ कीधौंमनोहरमनिहारदितिसुतखेलैं यौवनकलसकुंभसोभनंदरसहैं ॥ मोहनीकेमठकीधौंइंदिराके मंदिरकी इंदीयरइन्दमुखीसौरभसरसहैं ॥ आनंदके

कंदकीधौंअ गद्व अनंगहीके याढ़तजुकेसोदासग्ररसग्ररस हैं ॥ एरीप्रानप्यारीसुकुमारीतेरे कुचकीधौं रूपअनुरूपजातरूपकेकलसहैं ॥ ८२ ॥ कैधौं रतिजंगकेसुभट जुगराजसोहैं कंचुकीसुरंगकसे उन्नतअमानेहैं ॥ दृगकमनैतके कटाच्छसरछाड़िवेकों मानोयेथिरांचरचेरुचिरनिसानेहैं ॥ कैधौंद्वै कलिन्दीकूलकोकसुभसोभकीधौं उरजउतंगलखिकान्हमनमानेहैं ॥ जायनमहीपअंग आगमसुगमजान मदनफरासकैधौंतंबूजुगतानेहैं ॥८३॥ सोहतसुरंगमुखरंगमैदुरंगसोहै जिनरंगसोहैंरंगकोहै नारंगीपके ॥ सुकविरतनसरवसीभरेउरवसी तरवसी करैंउरवसीकेसमीपके ॥ चमकनिचोकनेकपूरमनिकैसीओप लोपतविलोकतविवेकज्ञानदीपके ॥ सरसंसरोजमुखीतेरेयेउरोजमूगा मोरमसलंदीमानोमदनमहीपके ॥ ८४ ॥ कै धौंउरआनदके मंदिरसिखरबंद कैधौं कामकीरतिलताके कंदजानेमैं ॥ कै धौंचितचाहके चुगुलकढ़िहियमतें यौवनजवाहिरीके संपुटसमानेमैं ॥ एरीतियतेरेअतिउन्नतउरोजकीधौं दुंदुभीयुगुलधरेभूपतिकेथानेमैं ॥ कै धौंसालूढाँपेहेमकुंभद्वै गुलावभरेमदननवावजूके आबदारखानेमैं ॥ ८५ ॥ इन्दिराके मंदिरअमंददुतिकंदुकसे बंधुरविनोदभरेजुगधौ विरदके ॥ तारापतिललितलताके स्वच्छगुच्छकीधौं श्रीफ-
...निअनहदके ॥ कैधौं चक्रवाकआनि

सुभगसरोजसे उरोजतेरेओजभरे ॥ केधौंमीरफरसमनोजमसनदके ॥ ८६ ॥ रूपकीनदीतेंनिकसतमंदमंदकैधौं जोवनगयंदरूपसोभनसरसहैं ॥ दुंदुभीदिनेसकरिक घनके कारीगर उलटिधरेहैंदोऊदेखतदरसहैं ॥ सुमनके गुच्छनके स्वच्छदुतिदोनाकैधौं कामकाछीधरेप्रानप्यारीके परसहैं ॥ उन्नतउरोजकैधौ मुद्रितसरोजजुग सिखरसुमेरुके कै सोनेके करसहैं ॥ ८७ ॥ स्यामताईजटाजालसुरसरीमोतीमाल ॥ ससिकलाभालनखभ्योलके संकालेहैं ॥ मलयविभूतिस्यामकचुकीसोरघुनाथ फरटीकफनीके गजखालगरेघालेहैं ॥ यनकंचिलोकियैंप्रीवरनैंकहांलौंपर एतिकंकहतसेवैंताके बड़ तालेहैं ॥ पालेहैंमनोजइन्हैंप्रेमकरिआलेप्यारी सकरसौंतेरेकुंचर्सकरेनिरालेहैं ॥ ८८ ॥ आंगीरातीलोललितयनतचहुंओर लागी कारचोपदैकीउमगतउमगाइकै ॥ श्रीपतिसुकविछविसोचेके भंझारढारे कारीगरयौवनसँवारेचितलाइकै ॥ जाहिदेखिअमरिभजतदुखखलदल भूपरूपहरखितसुखसौंअघाइकै ॥ जीतिकै सकलजगउरजविजेनगारे मदननगारचीधरेहैंऔघाइकै ॥ ८९ ॥ कैसेकहौं कोकवेतोसोकमहीरहतनिसि चेतोससिमुखीसदाआनदसोंहेरेहैं ॥ कैसेकहौं करिकुंभवेतोकोरेकरकसयेतोचारुचीकनेसुहारहीसोंघेरेहैं ॥ कैसेकहौं कौलवेतोपकरेविधुरिजात चेतोगोरेगाढ़े आछेठाढ़े आपनेरेहैं ॥ याहीहैप्रमानतोपउपमानआनप्यारी तरुनाईतरुताके

हैनीलकंठकेतेदेखेअनदेखेपैन काहूरूपवतीनिजरूपदै छुड़ायोहै ॥ निपटकठिनठौरफायतनजापैजोर ऊँचो चहुंओरकाहूमारगनलायोहै ॥ कौनसोगुनाहप्यारीमेरो मनमनमथ तेरेकुचगढ़ग्वालियरपैचढ़ायोहै ॥ १५ ॥ कै-सेरतिरानीकेसिँधोराकविश्रीपतिजू जैसेकलधौतकेस-रोरुहसँवारेहैं ॥ कैसेकलधौतकेसरोरुहसँवारेकहि जै-सेरूपनटकेवटासेछविधारेहैं ॥ कैसेरूपनटकेवटासेछ-विधारेकहि जैसेकामभूपतिकेउलटेनगारेहैं ॥ कैसेकाम भूपतिकेउलटेनगारेभारे जैसेप्रानप्यारीऊंचेउरजतिहारे हैं ॥ १६ ॥ कैसेकरिकुंभजैसेकंचनकेकुंभ कैसेकंचनकेकुं-भजैसेगिरिसृंगओजहैं ॥ कैसेसृंगओजजैसेसंभुराजजोग कैसे संभुराजजोगजैसेकाममठखोजहैं ॥ कैसेमठखोज जैसेश्रीफलकेचोज कैसेश्रीफलकेचोजजैसेचक्रवाकमो-जहैं ॥ कैसेचक्रवाकमोजजैसेहैंसरोज कहोकैसेहैंसरोज जैसेप्यारीकेउरोजहैं ॥ १७ ॥ लाललालरेसमकीडोरसोंय-नाइजाल बाँध्योतकसीरचंदजानिकैसरासरी ॥ फटिक कीभूमिमांहैंदैदैमाखोवारवार ज्योंज्योंवाउछारेत्योंत्यों सीसपैपरापरी ॥ तऊऐसोनिलजयिचारैनहींहारजीत कुचनकोसमतामैनजरखराखरी ॥ नैननसोंहेरिहेरिकहू-तहैयेरयेर गेंदद्दमारोफेरकरिहैयरायरी ॥ १८ ॥

॥ कुचपर लालिमा की समता वर्णन ॥

सरदके घनमैज्योंअरुनउदोतद्युति सतोगुनमाझहू-पैराजसकीछलकै ॥ फटिकपहारनमैसंध्यासीझलकरही

सुरसरीमाहिंसोभासारदकेजलके ॥ झीनीसेतकंचुकीमें अरुनउरोजआभा जाहिदेखिपूखीमनलालनकोललके॥ कैधौंहांसअंतरअनूपअनुरागराजै कैधौंसेतसारीमेंकुसुंभरंगझलके ॥ ९९ ॥ कैधौंउदयाचलउदोतराकायौवनको अस्ताअस्तकीधौंसिसुताईभानुगतिहै ॥ अंतरको रागकीधौंवाहरप्रगटभयो कैधौं मुखरागकीझलकझलकतिहै ॥ कैधौंवंदधंदनकीवंदनगयंदकुंभ कैधौंउन्नैभालराजैशिवकीसकतिहै ॥ कैधौंवलिभद्रजामीमूरिद्वैसजीवनकी ऐसीकुचअग्रताकीलालिमालसतिहै ॥१००॥ संकरकेमुखमैहलाहलकीडरीमानो करिकुंभमधुहेतुभौंर लपटानोहै ॥सोनेकेवटामैस्याममनिसीजरीहैमानो यौवनवुरुजमैसिंगारकैसोथानोहै ॥ नीलकौलपाँखुरीको रंचकसुभगभाग मुखचकवानकेसनेहकरिभानोहै ॥ तेरे कुचअग्रऐसीस्यामतालसतनीकी सिखरसुमेरपियमन कोनिसानोहै ॥ १०१ ॥ अवलंवअलिननलिनहीकेकोरिकाकी अमीकुंभऊपरअनंगछापदीनोहै ॥ कैधौंसितिकंठकंठराजतिगरलदुति कनकगिरिनमनिमंजरीनवीनीहै ॥ सिसुताकीतनुतातनकतनधरितन तामसकी रीतितेतरुनितेजकीनोहै ॥ स्यामाकेअनूपकुचअग्रनकी स्यामताई कैधौंवलिभद्ररसराजछविछीनोहै ॥ १०२ ॥ कैधौंगिरिराजकेसुहायेविविसृंगकैधौं सुधाकेकलस भरेकंचनकेरंगके ॥ कैधौंसंभुराजफूलेश्रीफलललित कैधौं ऐंठेमदगलितसिपाहीरतिजंगके ॥ कैधौंप्यारी

कुचनपैस्यामतालसतकैधौं मरकतमनिके कलसऊंचे सुंगके ॥ कैधौंकंजमंजुपैमधुपआइअरेकैधौंसरआर गड़ेभटूलटूहैअनंगके ॥ १०३ ॥ कैधौंतेरेकुचनपैस्याम-तासुहाईप्यारी कैधौंसिद्धजरायौंध्योवारनसमेटिकै ॥ कैधौंसंभुश्रीफलमेविपकैकनूकाधरे कैधौंकंजऊपरम-धुपरहेसेटिकै ॥ कंचनकलसकैधौंसारसरपोसमूंदे याहू तैंसरसलसैउपमानमेटिकै ॥ कैधौंरोमराजीतारहद्दकै चढ़ायोमंजु सुरनमिलायोचारुखूंटिनलपेटिकै ॥ १०४ ॥

॥ अथ कंचुकी सहित कुच वर्णन ॥

कैधौंसिसुताइकेपयानसामियानेताने सुंदरसुधार पटकुटिकाहैलाजकी ॥ कोकसालाकपकीकिकामहींकी सुखशाला वलिभद्रकोमलकुलहब्राजकामकी ॥ मोहनी केंडारीहैअँध्यारीमनमथमानो ऐसिहीविराजैकीधौंजो बनगजराजकी ॥ गोरेगोरेगोलकुचतेरेनीलकंचुकीमैं पहिरेसिलहरतिरनकेसमाजकी ॥ १०५ ॥ कैधौंगिरि सृंगनिमैंतासकेवितानतने जरीबानपोसमूंदिराखेखर बूजासे ॥ कैधौंविविश्रीफलनकनककटोराढाँपे कंच-नमठनकेकरतसंभुपूजासे ॥ पदुमकेपातकैधौंपोरेभेप-रागलगि ताकेतरदविरहेचक्रयाकचूजासे ॥ कुचनपैकं-चुकीकरेरीकरिकसीकैधौं कनककेकागदनकामकंदकू-जासे ॥ १०६ ॥ कोऊकहैलाजनतेकंचुकीमेकुचमूंदे को-ऊकहैबाँधिराखेबटाद्वैमलयके ॥ कोऊकहैकुंभिनकेकुं-भपैअँध्यारीडारी संभुराजभारीजेअवधिहैंवलयके ॥

कंचनके संपुटनमूदेहरकहैकोऊ पहिरेसिलाहकेयेभटट्ट
दलयके ॥ जैसेंसिवतीजोभालनैनमूदिराख्यो मेरजान
काममूदेबिबिलोचनप्रलयके ॥ १०७ ॥ आईजलकेलिकै
नवेलीरतिरंगभरी अंगअंगभूपनअनंगरंगरसतें ॥
कहतकिसोरमुखधोयपोंछिआंचरसों टाढ़ीभईतीरपैंछ-
बीलीउरजसतें ॥ भुजउलटायकैंधापरव्हैओंगोबंद
गहिरहिगईदेखिलाललाजयसतें ॥ सनमुखसबलवि-
लोकिरनधीरमानो खैंचतसुभटवीरतीरतरकसतें ॥ १०८॥
घनकीघटासीपटयिज्जुललतासीआय छविकेछटासी
उचटतअंगअंगतें ॥ अमीकीसीझीनतमीपतिकेब-
रनबेल बिबरनहोतसुबरनतनअंगतें ॥ प्रातकेपहर
अलसानीठाढ़ीमंजनकों जागीसबरैनिसुखपागीपिय
संगतें ॥ कचुकीकेबंदतियखोलतिहैआपकर मानो
पंचसरसरखैंचतनिखंगतें ॥ १०९ ॥ पियमनकामना
कोंसंकरबिराजमान देखियेकठोरताकेश्रीफलसेवारे
हैं ॥ चितहितखेलिवेकोंगोलाचौगानकेहैं चंचरीकचो
पिवेकोंपंकजयिचारेहैं ॥ कहैसिवदीनमोहिवेकोंमन
यचक्रम कंचुकीकेसंपुटरतनउरधारेहैं ॥ धारेहैंसुभ्र-
तिगर्वसौतिनविदारेरहैं ऐसेछविधामयामउरजतिहा-
रेहैं ॥ ११० ॥ मानोकामलतासीसँवारीकामनीहैनूर
नूर्केनअनूपताकेपातसरसतहैं ॥ कैधौंसिवसीसपरअं-
इके सदादिनरैनचैनकामवरसतहैं ॥ निप-
नगढ़केसमानकुच तिनकेकँगूरनकीछविप-

रसतहै ॥ कंचुकीके ऊपरविराजतहैंचंदकीधौं मदनमहीपके निसानदरसतहैं ॥ १११ ॥ प्यारीसुकुमारीताके उरजग्रहतआवैं सुखसरसावैंसुकुमारजलजन्ताके ॥ कंचुकीकसतनैसीसुखमालसततातें कहैकवितोपचनस्याममनरत्ताके ॥ नीकेहैंबरोरुखड़ेबाहकसजोरुतनं अतिहीकठोरहैंबधैयाकामकत्ताके ॥ सिसुताग्नीमके निकासिवेके काजआये टोपीदारएलचीसुजीवनचकत्ताके ॥ ११२ ॥

॥ अथ भुज वर्णन ॥

कंचनलतासीचपलासीनाहनेहफाँसी मदनविलासी कामकेलिबेलिबाढ़ीहै ॥ परसतकोमलअमलमखमलहूतें दरसतलागतदिनेसदुतिगाढ़ीहै ॥ हीरामनिलालकी अँगूठीअँगुरीनराजै मोहनकेसाथमहामोहनीसीठाढ़ी है ॥ भुजनिनिहारिअनुहारिलैमृनालनकी सुभगसँवारिकैमनोजजनुकाढ़ीहै ॥ ११३ ॥ पीतमकोमनतेरेहाथन अयोईरहै अंकउरजौनीरसबेलिसरसतहैं ॥ कोकनदनालदोऊरूपकेसरोवरमैं देखिदेखिसौतिनकेमनतरसत हैं ॥ भरमीसुकविजैचिविधिनेबनाईतोकों व्याकुलस-

चेऊंचेआसनवनायेकरियसहैं ॥ तेरेभुजमूलतूलतरुनी नकोउभूल तातेंलाललालचीरहतप्यारीबसहैं ॥ ११५ ॥ संनतरुवरकोउभयसाखावलिभद्र संुदरसुढारअतिगोल समतूलहैं ॥ सोचेभरिढारेविधिदामिनीके दोऊटूक द-मकतिदुतिनाहींदुरतदुकूलहैं ॥ सुखकेसरोंवरकेपोखेहैं मृनालमानो फूलेकरअग्रकोकनदकैसेफूलहैं ॥ कामकुंद हेरेभायकुन्दनकनकदंड कैधौं भोरीभामिनीकेगोरेभुज-मूलहैं ॥ ११६ ॥ हरनैनआगिजरेमैनकोजिआवैयेतो वे-तोविरहोकों देखेमरनकेदानीहैं ॥ अतिहीअमलअंसमूल इनकोहैयेतो पंकमेंभयेहैंयहसवजगजानीहै ॥ वामवा-हुयदनसुधाधरमरीचीसोंची कनकसरूपकामलतामैन मानीहै ॥ कैसेकरिसरिपावैउनकीमृनालवेलि विपज-[illegible] ॥ ११७ ॥ गोरीगोरीगोल [illegible] रूपरससानीदोऊविधिनाथ-[illegible] ॥ चलतहलतकोटिकोटिप्राणदानदेत सुधाकी [illegible] ॥ कान्हकामसूरतिकेकन्धेपरहो-[illegible] मयकहैंपुहुपकमानसीचढ़ाईहै ॥ ताकीउपमाहै कौन्हीकविनअभिमेजान याहीतेंमृनालनालउलाजनन-याईहै ॥ ११८ ॥ कैधौंहैंयेकमलकीललितमृनालनाल [illegible] ॥ कौनिनसोंसुहाग [illegible] नाकीयाहदंदविधिकीन्होसोभा [illegible] ॥ कैधौं [illegible] कैआई मृगजा-[illegible] ॥ [illegible]

हारीनके तवतनप्रानकीपरतिकछूआसहै ॥ ११९ ॥ राधिकाके भुजनकीभूरिदुतिलखोलाल सवतेंविसालजाकीजोतियोंरहीहैव्है ॥ केसरिकनकसोनजुहीचंपाकोन काज संभुराज जाकोरंगदेखतचलतच्वै ॥ कोऊकहैसाखा हरिचंदनकीचंदनकी मंदनकीमतियाकीउपमासकतहै ॥ मेरेजानरसकीतरंगिनीके तरिवेकों कंचनकीतरिनीमैं बाँधीकिलयाँरैहैं ॥ १२० ॥

॥ पय कर वर्णन ॥

कमलकीसोभासोसमाइरहीप्यारीसुनि लालीनवदलनकीआनिसरसाईहै ॥ रेखागनगनितकीगनिहाथकरी छवि अंगअंगनिसोभाभावतीकोंभाईहै ॥ करिकैपरेखोकहावैठतिहैपीठदैदै साहिवीसोहागकीलिखाइनूर लाईहै ॥ सौतिनकेआगेयोंसिंगारजनिकरैप्यारी जगत कीसोभासवतेरेहाथआईहै ॥ १२१ ॥ ईंगुरअगिनजरै कंजअरुनाईढरै गिरिगिरिपरतबँधूकसमताईकों ॥ यिद्र मकटावतगहावतउपायओप सानहू चढेते पकरतन ललाईकों ॥ देखिदेखिलालीउरदाड़िमदरकिगयो तवहू नपायोनेकरंगहूकलाईकों ॥ ऐसेतेरेकरनकीकौन पटतरदीजै जपायेंवसौहैजासुपावैंमहिमाईकों ॥ १२२ ॥ पावैजोपरसताकोहोतहैसरसभाग पायनदरसजाकोजानोअनुसारहै ॥ रमनीयवेपनकीलीलाधरपेखनकी ललितसुरेखनकीप्रगटीपसारहै ॥ वहिक्रमवूढीकरिचिन्ताचिंतगूढीकरि रचनाऊढूंढीविधिविविधविचारहै ॥

कथनकथेरीलोकचौदहौंमथेरी परतेरीयाहयेरीकौनपाईअनुहारहै ॥ १२३ ॥ कंचनकेपल्लवमैछोटोवड़ीलीक
मानो लिख्योहैउचाटमंत्रविधिमोहसोंमयो ॥ सुधाकी
स्रवतमनिमानिकलसतसोहै अँगुरीकिरनज्योंप्रभाकर
उदैभयो ॥ मेहँदीरचितनखकैधोंमैनपंचबान खरसान
धरेसोनोपानीतिनकों दयो ॥ अँचरकीओटतेंअचानकहीडीठपरयो तेरेहाथदेखेमनमेरोहाथतेंगयो ॥ १२४ ॥
नूतहूकेनूतनसरससुकुमारपात जातहैंलजातजेवैनिपट
उपरके ॥ कोसमकीकोसमकरतकिसलयकहा होतना
वराबरीनयीनपातघरके ॥ कहैसंभुराजदूजोसमकोंनदेख्योओर पेखिपेखिरेखासोललितप्यारीकरके ॥ जावकसरसयिधिपारसीहरफलिखे कंजकदलनमैप्रबंधपंचसरके ॥ १२५ ॥ लालकरतलकरगहिकै नवेलीके सु देखतसहेलीकोऊपरमसयानीहै ॥ कालिदासकौनसकै सुजसबखानिकर इन्दिराकीखानिसोतोहमपहिचानीहै ॥
पतिकोनगेहलिख्योस्यामसोंसनेहसुनि सखीके वचनविधुमुखीमुसुकानीहै ॥ एरीठकुराइनिसुतेरीयाहथेरीबीच
भौतिचेरीलिखींसबरेखनितेजानीहै ॥ १२६ ॥ देखेअनचितेहरित जतनअंकतेरो विमलमयंकमुखीमोहेकोटिनि- ॥ कालिदासरीक्रिरीक्रिकरतसराहप्यारो वर्पीन
... लागैथेरिनिकोंविपत्रौं ॥ लालकुविंदअरविंद
द्वंद्वयघ्यो विद्रुमललाईनीचेकरिरालीइगुलौं ॥ तेरे
करनसकीयन्त्रकोंबिलोकिउठै मौतिनकेमनसकीआ-

गिनखसिखलौं ॥ १२७ ॥ हाथहैंसिदीन्हेंभीतिअंतरपर-
सिप्यारी हाथसाथछकीमतिनायकप्रवीनकी ॥ निक-
स्योक्तरोखाव्हैकैविकरयोकमलजैसे ललितअँगूठीतामें
चमकचुनीनकी ॥ कालिदासतैसीलालीमेहँदीकेबुंदनकी
चारुनखचंदनकीलालअँगुरीनकी ॥ तैसोछबिछलकत
छापकीछलानहूकी कंचनचुरीनकीजराऊपहुंचीनकी
॥ १२८ ॥ सुंदरसुरंगगोलसोभाकरपल्लवकी कैधौंइंद्र
गोपआनिबैठीबीचबालके ॥ कैधौंलोलकुंदनकीअधि-
कअमोलतामें स्वातीकीसीबूँदैंबहरानीहैरसालके ॥ कैं-
धौंनगपाँतिनकीकैंतिदुतिसोहतकी मदनकीमालहुल्ल
दच्छिनकीचालके ॥ भरमीसुकविछबिबरनीनजातिमो-
पै कामिनीके नखकैनगीनाकामलालके ॥ १२९ ॥ मा-
नोअधिगुंजिकासेचंचुकचकोरचख चायकचमकचीज
विद्रुमतमालके ॥ चेटकके चिन्हकैधौंनाटकके सुखकैधौं
हाटकके हुल्लदेसदच्छिनकीचालके ॥ जटितजरायमध्य
नायकअमोलमोल गोलगोलमोतीमानोमनिहैंबियाल
के ॥ अँगुरीअनीकीनीकीकनककनीसीकैधौं कामि-
नीके नखकीनगीनाकामलालके ॥ १३० ॥

॥ अथ पीठ वर्णन ॥

आरसीबिमलपरनारीसीसँवारीकैधौं रूपकेप्रवाह
कामभूपचल्योजातहै ॥ कैधौंकलधौतकीसीभूमिसुर-
मारगमैं मानकोसुभावकैधौंकदलीकेपातहै ॥ कैधौं
यहमोहरके तखततिलौंछिपरे भरमीसुकविकोऊउप-

मानआतहै॥ सरससुघाटसुखआनदकीघाटकैधौं प्यारीतेरीपीठिदेखिदीठिनसमातहै ॥ १३१ ॥ कैधौंयहके-संभेसरसकीनरेसवाके देसकीसुदेसभूमिसोभारसभीनीहै॥ कैधौंयहमदनकीपाटीमंत्रपढ़िवेकी सूरतसुकविबनीहाटकनवीनीहै ॥ जोबनकेमंदिरकीभाँतिहैसुढारकैधौं राजरतिराजरुचिसौंबनायकीनीहै ॥ एरीमेरीतेरीयहपीठनेकदीठपरी देखतहीईठसबहीकोंपीठदीनीहै॥१३२॥ जोवनमहीपतिकोसेयकमदनतोहि तियतनवसिवेकोंजगहबनाईहै ॥ चिन्तामनिजानतसोनंदकेकुमारजाते भईअँगअंगमैअनंगकीदोहाईहै ॥ रूपकीसँवारीचारुराधिकाकीपीठपत्र तातैंवेनीवरवरनावलीलिखाईहै ॥ दुहूंओरयाकेढिगपारसरहततातें मेरेजानसोनेकीसोहाईदरसाईहै ॥ १३३ ॥ कैधौंहैत्रिगुनरूपकनककीपाटीलिख्यौ कैधौंकामभपरथसावगीसुभाईहै ॥ कैधौंयहवेनीजूकोवारापारदेखियत कैधौंकोलिकैमैनाकीसीविसुखदाईहै ॥ कैधौंमैनमूरतियहकियाहैविचित्रचित्र कैधौंमैनकाकीदेहथापनासुहाईहै ॥ कधौंयहगीरीकीजुसेजसुभराजतिहै पीठिकेलिपत्रदुतितमकीदुराईहै ॥ १३४ ॥ साँचेतेनिकारीभारिप्यारीकीललितपीठि नीठिविधिईठकीसुधारिकैरिगढ़ीहै ॥ कैधौंतोपपुरटकीपाटीहैअनूपजामैं परमप्रवीनताईपंचवानपढ़ीहै ॥ तैसीछविवरनीनजातमुखकरनीके हरिनीनयनपरजेतीछविवढ़ीहै ॥ तैसीसुखदेनीवेनीभली

हैरलीसनेह मानोनागललीकदलीकेदलचढीहै ॥ १३५ ॥

॥ अथ ग्रीवा वर्णन ॥

सुखकोसदनदेखिमदनमुदितहोत, वारिजबरनसुभ नालसीयिसेखिये॥ चारोंरीतिनबोंरसहावभावकीप्रतीत छविसीलपेटिहेमपींडीकैउरेखिये ॥ कैधौं मनिकंठतीन लोककीतरुनिजीति द्युतितेहीभाँतिभाँतितीनोरेखलेखि-ये ॥ कनककेकंबुकमनीयंताकिअंबुभेटे आनंदकीसीवके अमोलग्रीवदेखिये ॥ १३६ ॥ सुंदरसुडौलआछीभाँतिसों सुधारिकरी हरिकरकंबुसोभावारिफेरिडारिये ॥ को-किलपारावतहूकरिनसकतसरि जगमेनऔरउपमानसो विचारिये ॥ सोभाकीसीसीयनूरकहियरनतभेव रा-तोदिनपीतमरहृतचितधारिये ॥ जाकेकंठमध्यपीकद्यु-तिऐसीसोहियत जैसेसीसीमाहिरंगजावककोढारिये ॥ १३७ ॥ तेरेमुखगावतगोपालजूकेगुनगन सारदाहूर-हतिहैउरमेंउरेखिये ॥ जिनकेवैमंडनफटिकमालेहार हँस हियेपरतेईवेसिंगारकरिलेखिये ॥ तेरेनेकबोलसा-तोंसुरकोसुहागकोऊ मीठेरागसुनिरीझिरीझिकरितेखि-ये ॥ तोरिडारीतीनोतेंतिमेरेजानिबीनकीतैं प्यारीते-रेगरमैवेतीनोलीकलेखिये ॥ १३८ ॥

॥ अथ मुख वर्णन ॥

सुधाकेपयोधिकरिमज्जनअरुनअंग केसरिकेरंगकी बनकजयगहैगो ॥ सुकविधुरंधरसकलरूपसागरकी सो-भाकोसकेलिकामकेलिपुनिलहैगो ॥ सोरहोंकलानिपूरि

पूरनकलंकयिन निसदिनसदा एकरूपजयरहैगो
चंदसरदकेराधेकेबदनसम [illegible]
कहैगो ॥ १३९ ॥ अ [illegible]
छोटाहीतें मोहनकेमानसकोंचोरैहै ॥ दूजोतैसोरा
कोंचाहतबिरंचिनित ससिकों बनावैअजौं मनकोंन
रैहै ॥ फेरैहैसानआसमानपैचढ़ायफेरि पानिपचढ़ा
कोंधारिधिमैधोरैहै ॥ राधिकाकेआननकेसमनाबिलें
यातें टूकटूकतोरैपुनिटूकटूकजोरैहै ॥ १४० ॥ कोमल
कंजतें गुलाबतें सुगंधलैकै चंदतेंप्रकासलैकेउदितउजे
है ॥ रूपरसिआननसोंचातुरीसुजाननसों नीरलैबिधा
मनमोंकौतुकनिबेरोहै ॥ ठाकुरबिचारकैबनायोबिधि
कारीगर रचनानिहारिकोनहोतचितचेरोहै ॥ सोनेमैं
सुरंगलैगयाद्दलैसुधाको बसुधाकोसुखलूटिकैबनायोमु
खतेरोहै ॥ १४१ ॥ गोरीमुखगोलहरे हँसतकपोलयहै [illegible]
[illegible]ऊजेनीलिपेलाजपर ॥ छोभाएगेलालह
[illegible]वरसाँ [illegible] गोभामेंउठमदपगोभाकिसमाजप
र ॥ [illegible]दायनकिनारी [illegible]
[illegible]जपर ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ १४२ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

रीकोंबनायविधिहाथधोयेताकोरंग जमिभयोचंदहाथ-
क्तारेभयेतारेहैं ॥ १४३ ॥ सुखमाकेसिंधुकोंसिंगारमनम-
न्दरते मथिकैसरूपसुधासुखसोंनिकारेहैं ॥ करिउपचा-
रताकीस्वच्छताउतारतामैं सौरभसुहागगुनहासरसडा-
रेहैं ॥ कबिरसरंगताकोसारजोनिथाख्योतासों राधिका
बदनबेसबिधिनेसँवारेहैं ॥ सुघरसँवारिकैजोहाथधोइ
डारे सोईजलभयोचन्दहाथझारेभयेतारेहैं ॥ १४४ ॥ को-
ऊकहैहैकलंककोऊकहैसिंधुपंक कोऊकहैछायाहैतमोगु-
नकेभासकी ॥ कोऊकहैमृगमदकोऊकहैराहुरद कोऊ
कहैनीलगिरिसोभाआसपासकी ॥ भंजनजुमेरेजानचं-
द्रमाकोंछीलिविधि प्यारीकोबनायोमुखसोभाकेबिला-
सकी ॥ तादिनतेंछातीछेदभयोहैछपाकरके वारंपार
दीखतहैनीलिमाअकासकी ॥ १४५ ॥ सुंदरबरनराधेसो-
भाकीसदनतेरो बदनबनायोचारबदनबनायकै ॥ ता-
कोरुचिलेनकोंउदितभयोरैनपति राख्योमतिमूढनिजक-
रबगरायकै ॥ कहैकबिचिन्तामनिताहिनिसिचोरजानि
दईहैसजायपाकसासनरिसायकै ॥ यातेंनिसिफेरैअम-
रावतीकेआसपास मुखमैकलंकमिसिकारिखलगायकै
॥ १४६ ॥ घूंघुटखुलतअयेउलटव्हैजैहै देव उद्धतमनोज
जगजुद्धजूटिपरैगो ॥ ऐसीनसरोकासियेकोकहैअलोक
बात लोकतिहूंलोककीलुनाईलूटिपरैगो ॥ देयनदुराय
मुखनतरुतरैयनकी मंडलतेमटकिचटाकछूटिपरैगो ॥
तोचितैसकोचिसोचिमोचिमृदुमूरछिव्है छोरतेंछपाकर

छतासोटूटिपरंगो ॥ १४७॥

॥ अथ मुखराग वर्णन ॥

केसौदासरागरागनीनकोकिअंगराग कैधौंद्विजसेवतहैं संध्याभलीभोरकी ॥ अरुनरदनबहुरतनकीखानिकैधौं तिनकीझलकछलकनिचहुंओरकी ॥ कैधौं रेखाभूपनकै मनिनकीचाकचक्क चोरलेतिचित्तचालतेरचितचोरकी ॥ लागिरह्योअनुरागकैधौंनाहनैननिको कैधौंरुचिरांचीतेरेतरुनीतमोरकी ॥ १४८ ॥ कैधौंकमलाकेगेहकमलकी लालमाल दिवाकरताकीताकिझलकतरंगहैं ॥ कैधौंअनुरागरह्योफैलिबानीरानोजूको जबकाहूकाहूप्रतिकरतप्रसंगहै ॥ कैधौंआलीतेरेलालओठनकीलालीछाई मन भाईमेरेचनमालीजूकेसंगहै ॥ मोहतअनंगकैधौंसोभाकोसुभगअंग कैधौंप्यारीतेरेमुखपाननकोरंगहै ॥ १४९ ॥ कैधौंअनुरागरागराजसकोरूपनिज कैधौंप्रानपंकजपरागद्विजन्हायेहैं ॥ तनतरुनाईकीअरुनताउदोतकीधौं श्रीकेगेहसिरीखंडकुसुमेबिछायेहैं ॥ सोभाहीतेसोभियतदेखिमनमोहियत तीनोलोकनारिनिनिरखिनैननायेहैं ॥ तियतेरेवदनलमोलरुचिराचीकैधौं बलिभद्रबानीकोबसनपहिरायेहैं ॥ १५० ॥ हरीसारीसोहताकिनारीवारी नेहभीनी देहकैबरनसुबरनद्युतिपीरीकी ॥ कलानिधिउदीओं गोकुचउचकनओंवी कंचनकेभारलचैकटिज्यों [illegible]की ॥ मासेहीकीनथगजमुकतातमासेहीकेनासि- [illegible] ॥ लहलहीलालीआली

अधरनपाननको फाबीरीनिकाईतेरे दसननधीरीकी १५१

॥ अथ,हांसी सुख्काल वर्णन ॥

कोकनदकलीजैसेखिलतबयारलागें मंदमुसुकानउ-सकानहै चमेलीकी ॥ आरसीमैभानुकेप्रकासकोउजास होत जैसेदीपमालदिपैदीपतिहवेलीकी ॥ प्ररमीसुकवि दुतिदामिनिसीकौंधतिहै चाँदनीसीचहूँओरघातमैसहेलीकी ॥ चंद्रकीचमकचकचौंधतिदसनदुति पियमनवसनहसनअलबेलीकी ॥ १५२ ॥ गुलगुलकंदकैसुमंदकरिदाखनकों देखहुदु चंदकलामन्दकीकमाईसी ॥ कहै पदमाकरत्योंसाहर्षासुधाकीसये प्रजप्रसुधामैसोकहाँ धौंपरीपाईसी ॥ खारिकखरीकोमधुरीकोमाधुरीकोस्वच्छ सरदासिरीकोमिसिरीकोलूटिलाईसी ॥ साँवरीसलोनीकेसलोनेअधरानहोमैं मंजुमुसक्यानभरीमंजुलमिठाईसी ॥ १५३ ॥ कोमलकमलकोसकमलायसतोके भूपतकीजोतिकीधौंजगतप्रकासीहै ॥ कैधौंचपलाकेचख चौंधियेकोंदयानिधि कीन्हीतुवनैननिजुगुतिअतिखासी है ॥ कैधौंमहिमोहनीकेमोहिवेकोंमोहमई चतुरविरंचि नईचातुरीनिकासीहै ॥ कामकोंसुधासोचलचिन्नकों फाँसीकोधौं एरीमानप्यारीयामधुरतुवहाँसीहै ॥१५४॥ मदनमहीपतिकीकैधौंजयकीरतिहै कैधौंप्रियप्रेमतरुअंकुरकीसीचिका ॥ कैधौंमुखचन्द्रचारुचंद्रिकाप्रकासमान कैधौंरूपकुंडलकेरसकीउलीचिका ॥ कैधौंअतिचारु सुधारसकेसरोवरकी जोबनसमीरकैपरसमृदुवीचिका ॥

भारतीयसनसुखरासयिलसनमुख, राजैमंदहँसनसुदसन मरीचिका ॥ १५५ ॥ रसनाललितकळयानीजूकोआस- नहै दसनळसनकीनसकतथखानिहै ॥ फालिदासलाल अधरनपरधारोलाल लसतिअमोलमृदुबोलनिकीयाति है ॥ सुघरगोविंदकेरिझाइवेकोंइ दुमुखी रचीएकरच- नाअनंगविधिआनिहै ॥ कैसोमुखमाहिंखुलीसुखमाकी खानि जहाँमहामोहमईनिरमईमुसुकानिहै ॥ १५६ ॥ ओठनकेबीचछबिदंतनकीझलकत कमलकेकोसचप- लासीचारुलसीहै ॥ मंदमंदजोतिहोतिउदितअनेकभां- ति कलाकलानिधिमुखमानोलौटिवसीहै ॥ ऐसीसेत अंचलमैंतीकीछयिलसैनूर सरदकेचंद्रऐनचंद्रिकासीरसी है ॥ व्हैहैयतरानेकहाकौनजानैएरीबीर नेकमुसुकाने भईसौतिनकीहैंसीहै ॥ १५७ ॥ सिवसिरगंगजैसेंजलकी तरंगजैसें उडगनभंगजैसेंकरतपयानहै ॥ मोतिनकीमा- लजैसेंदामिनीकीधारजैसें ओपीतरवारजैसेंतजतमिया- नहै ॥ दीपनकीमालजैसेंपावककीज्वालजैसें मांझिवे कोंलालमननिपटसयानहै ॥ तारजरजरीकैसेफूलफूल झरीकैसे जुगनूज्योंजरीकैसेतेरीमुसुकानहै ॥ १५८ ॥

अथ मुखसुबास वर्णन ॥

कैधौंपाइप्रानपतिहृदयकमलफूल्यो ताकोगंधबंधुकैसु-
गंधसुखमुखको ॥ १५९ ॥ पूरिपरिमलमलयाचलउरोज-
निकौ निजनिरहारीहैकमलपदपानिको ॥ धुनिधुनितप
नहैगंधफलीनासिकाको अधिकअमोदरदकुंदकलिकानि
को ॥ धूपलौंअनूपआवैबोलेतेंबदनबास बलिभद्रदईतैं
मधुपसुखदानिको ॥ सौंधेभीजीभारतीगुलाबसेप्रसेद
कन तेरोमुखदीपतसुगंधनिकीखानिको ॥ १६० ॥ याही
मुखबासकमलनकीप्रतीतिदेति याहीमुखबासकेतकीसो
मधुमंतहै ॥ याहीमुखबासबेलिमालतीकोमारैमान या-
हीमुखबासकामीहोतजनसंतहै ॥ याहीमुखबासननवे-
लीतनकैसोफूली याहीमुखबाससखीसोहतीअनंतहै ॥
तेरेमुखबासहीसोंसकलसुबासिरह्यो बारहौंमहीनाभौं-
रमानतबसंतहै ॥ १६१ ॥

॥ अथ दसन वर्णन ॥

कैधौंकलीवेलाकीचमेलीसीचमकपरैं कैधौंकीरकम-
लमेंदाड़िमदुरायेहैं ॥ कैधौंमुकताहलमहावरमेराखेरंग
कैधौंमनिमुकुरमेसीकरसुहायेहैं ॥ कैधौंसातौं मंडलके
मंडनमयंकमध्य बीजुरीकेबीजसुधासींचिकैउगायेहैं ॥
केसोदासप्यारीकेबदनमेंरदनछबि सोरहौंकलाकोंकाटि
बत्तिसबनायेहैं ॥ १६२ ॥ कैधौं मित्रमित्रमेंबसाईहैकि-
रिनताते फूल्योईरहतअनुमानयहपायोहै ॥ कैधौंससि-
मंडलमेंऊडुमंडलकी कैधौंहौंसरसनिजनगरबसायो
है ॥ दसनकीपांतिकुंदकलिनकोभांतिआछी सोहतिहै

कैंतिगुनकोविदनगायोहै ॥ मानहुँ विरंचितेरीग्रानीको चतुररानी दोलरकैमोतिनकोहारपहिरायोहै ॥ १६३ ॥ कैधौंद्विजराजीद्विजराजजूकोसेवतहै कैधौंयहसारदास-रूपदरसतहै ॥ कैधौंइंदिराकेचारुहारकीअरुनमनि चि-न्तामनिइन्दिराकेघरमैलसतहै ॥ कैधौंविधुमंडलमैदा-मिनीबिराजतिहै ॥ ऐसीकछूसुखमासमूहनिकसतहै ॥ वि-मलबदनबीचदंतनकीदुतिकैधौंजुकमलकैकोभ्रबीचदाखो बिलसतहै ॥ १६४ ॥ कैधौंकुंदकलिकाकीअवलीअनूप कैधो बानीकीविपंचीकेसुधारधरेसारहैं ॥ स्वौं साकेस-दनससिसिसुआयेश्रीकेकाज कैधौं मुखवारिजमैवारिज कैवारहैं ॥ झलकतरुचिरबतीसहीरबलिभद्र चमकतचा-रुबीजुरीकेअनुहारहैं ॥ अमृतकेकनतपोधनकेविमलमन तेरेयेरदनचंदवदनमझारहैं ॥ १६५ ॥ कैधौं मुकताहलहैं पहलकेआबदार जावकरँगायअरविन्दमुखभरेहैं ॥ कै धौंलालविद्रुमअमोलमनिमानिकके दामनजवाहिरीड-वामैखोलिधरेहैं ॥ दाड़िमकेबीजकैधौंसुधामेसिरायेहंस सदनसुधाकरकेमंदिरमेभरेहैं ॥ प्यारीकोवदनकैधौं का-मकेसदनमाहिं मदनजरियानेजवाहिरसेजरेहैं ॥ १६६ ॥ सुधाकोसमुद्रतामैदुरेहैंनछत्रकैधौं कुंदकीकलीकीपाँति बीनबीनधरीहै ॥ आलमकहतअैनदामिनीकेबीजबये वारिजकेमध्यमानोमोतिनकीलरीहै ॥ स्वाँतिहीकेबुंद विंबविद्रुममैवासलीनो ताकीछविदेखिमतिमोहनकीह- ॥ तेरेहैंसेदसनकीऐसीछविराजतिहै हीरनकीखानि

मानोससिमाहिंकरीहै ॥ १६७ ॥ फूलिफुलवारीरहीउप-
मानजातकही कैसेकैसराहौंतामेजोतिअधिकानीहै ॥
आलमकहतहैरीमोतिनकीपाँतिधरी हीरनकीकाँतिछ-
बिदेखिकैलजानीहै ॥ दाड़िमदरकिगयेइनकेसमनभये
रविकेकिरिनकैसीघमकयखानीहै ॥ तनिकहसनमेंदसन
ऐसेदेखियत दीपतनछमानोदामिनीदुरानीहै ॥ १६८ ॥

॥ अथ रसना वर्णन ॥

गूढ़गुनग्रंथकेप्रकासकीकरनहारि भूँठसाँचकहेदेत
सबकेमनसकी ॥ नादभेदवेदकेउचारदेतआखरनि को-
मलरसालजातघसुधाकेबसकी ॥ भरमीसुकबिपियम-
नकीहरमहारि सुधासोंसुधारीजानगानहारजसकी ॥ र
सनाकीउपमानहीतकोटिरसनाते मनकीसचौटीकीक
सौटीबतरसकी ॥ १६९ ॥ ईंगुरगुलालहूकोहारीप्रभुता
औरजेतीहौंगनाईअरुनाईकोतुमनसो ॥ रोरीलालाफूल
जाकीसमतानतूलइन्हैं कहापरीभूलभयोविधिकोकुम
नसो ॥ संभुराजकहैयाकीउपमाकहाँलौंकहौं ध्यानहूवे
खोजेनहींपायतहैमनसो ॥ आननअमलबीचरसनावि
मलदेखो मानहुकमलकोसजपाकेसुमनसो ॥ १७० ॥ दे
खीनापरतिदेवदेखिवेकीपरीयानि देखिदेखिदूनीहिर
साधउपजतिहै ॥ सरदउदितइन्दुबिन्दुसोलगतलखें मु
दितमुखारबिन्दइन्दिरालजतिहै ॥ अद्भुतपियूषसीम
धुरबानीसुनिसुनि श्रवननिसुखहोतभूखसीभजतिहै ।
मंत्रीकछोमैनपरतन्त्रीकछोचैननिकीं बिनातारतंत्रीजो-

भजंत्रीसीवजतिहै ॥ १७१ ॥ कोकफलापढ़िवेकीपोथीसी वनाईकाम कैधौंनवोंरसनकीभूमिउपजाईहै ॥ परमप्रवीनरूपभारतीहैमेरेजान कंठतेंनिकसिमुखवारिजमैआईहै ॥ प्रेमकोसोजंत्रहैमयंकमुखसंपुटमै पूछेकहियोलैनूर एतीप्रभुताईहै ॥ रानीपटरसनकीसुबरनउरमानी एते रससानीतऊरसनाकहाईहै ॥ १७२ ॥ कैधौंविधिरसनाकी रचीहैकसौटीयह अरुनवरनअचरजमनमैगह्यो ॥ कैधौंतेरीवानीठकुरानीमनमानीताकी रातेफूलतेजरंग जानतकछूकह्यो ॥ सूरतसोकीधौंवोलरतनअमोलदान दै दैसवहीकोंसुखदुखसवहीदह्यो ॥ नेकहूवखानिसकैकाहूकोसुवसनाजो रसतेरीरसनासोंरसनाकहूंलह्यो ॥१७३॥ सप्तस्वरसागरकीनौकासीवनाईविधि कैधौंसुधारसपान करैकीपतूपीहै ॥ आगमनिगमइतिहासऔपुरानसव काव्यव्याकरनकोवखानतचिद्रूपीहै ॥ विद्यागुनधनभयो चुपताराल्योतहाँ खोलिवेकीतारीजोभउदरपियूपीहै ॥ नूरकहैयाहीसवअंगकीसिरोमनिहै सदाँहरिजसभापैमधुरमहूपीहै ॥ १७४ ॥ कमलवदनमाझकमलाकेकाजछवि राखीहैकमलदलतलपसँवारीहै ॥ कैधौंवलिभद्रपट तंत्रनकीलिपियहै कैधौंपटस्वादनकीपरखनहारीहै ॥ ललिततमोररंगगुनकीकसौटीमनो मंत्रनकीमूरिपरमारथकीप्यारीहै ॥ रसिकरसीलीप्यारीतेरीमृदुरसनाकी ·····रसनकीरसअनंदकारीहै ॥ १७५ ॥

॥ अथ वानी वर्नन ॥

ामकीदुहाईकीसुहाईसखीमाधुरीकी इंदिराकेमं-

ादरमर्म्फाईंउपजतहै ॥ सुरनकीसुरीकैधौंमोदकीमहो-
दरीहै घातुरीकीमातुऐसीबातनसजतिहै ॥ रागराज-
धानीअनुरागनकीठकुरानी मोहैदधिदानीकेसोकोकि-
लालजतिहै ॥ ऐरीमेरीव्रजरानीतेरीबरबानीकैधौं बा-
नीहीकीबीनसुखमुखमैबजतिहै ॥ १७६ ॥ सौतिनकों
होतदुखसखिनकोंसुखसुनै होतगुरुजननिकोंगुनकोगरूर
है ॥ कहैकविदेवलाखलाखभाँतिअभिलाप पीकेउरउ-
मगतप्रेमरसपूरहै ॥ तेरोकलबोलकलभापनिव्है स्याँति-
वुन्द जहाँजायपरैतहाँतैंसोईसरूरहै ॥ व्यालमुखविष
औपियूपज्योंपपीहामुख सीपमुखमोतीमुखकदलीकपू-
रहै ॥ १७७ ॥ सुधाकेसमुद्रकीलहरसीकढतिरहै याही
कोंसुनायलालकीनोतैंअधीनहै ॥ बनउपबनबैठिआप
होंदुरावैयातें मेरेजानयहैकलकंठकंठहीनहै ॥ बलदेव
ऐसीनरचीहैनरचैगोविधि मोतिनकोउपमाकरनलागी
झीनहै ॥ कमलकेंकोसपैठिगुंजरतभौंरकैधौं बानीमाक
ानीजूव्रजाईमानोबीनहै ॥ १७८ ॥ सहजझरोखामा-
झबोलतरसीलीतेरे सुधाकीसोधारधीरहरमैघसतिहै ॥
चिखरेसुनतप्रवीनलोगबीनजानि कहतगवेलेइहाँ
किलबसतिहै ॥ कालिदासमुखतेंबरनमुकताहलसे
सरतजवैरसरंगबरसतिहै ॥ एरीमेरीरानीहरिजूकेम-
मोहिबेकों नेहकीनिसानीतेरीबानीबिलसतिहै ॥ १७९ ॥
रानीकोबोलिबोसिखायोसखिकौनेतोहि सीखिबेकों
तिसरस्वतीहूकीमतिहै ॥ कुधरैकुहुकिसबहीतेंसरकस

पिक पयोवरकसकरकसअतिरतिहै ॥ केकीकोककलरव लागतविकलरव अलिअलखोंहैंधुनिसुनिभयेनतिहै ॥ एरीमेरीरानीरीझिमोहिदधिदानी तेरीवानीआगेवीना हूकमीनासीलगतिहै ॥ १८० ॥

॥ अथ अधर वर्णन ॥

समलअरुनअरविंदबिंबआभादेत सहजसुवासरी- झमाधुरीसमरहैं ॥ सौतिकौंतिवारीपियमतिमतवारी होत पूजेनयवारीसोसँवारीसोभाधरहैं ॥ मनिकंठसूछ- मसुरेपहैंबँधूकफूल बरुनीकेचिन्हपियलोचनडगरहैं ॥ कैधौं लोकसीसुगतिदीनेविधुकोककला सुन्दरिसुलोच- नीकेसोभितअधरहैं ॥ १८१ ॥ कैधौं विधुजपरबँधूक केकुसुमधरे कैधौं बिंबपाकेपरेयौवनजनायेहैं ॥ विद्रु- मयरनविंबसारकदिनेसकैधौं पल्लवप्रसूनकेकिसोभासर- सायेहैं ॥ अधलनुरागभागऊपरसुहागरूप राजतरुचि- रकोधौंअमृतकनायेहैं ॥ यौवनकेरंगकेप्रसंगलालवि- धिदोऊ अधरमधुरसुधामारसौंयनायेहैं ॥ १८२ ॥ केस- रिनिकाहूंकिसलयकीरताईलिये गाढ़ेनाहजिनकीधर- तआनकनहैं ॥ दिनकरमारयीतेंकैसेनीकेदेखियत अधि- कललारकीकर्णानेंअरकनहैं ॥ लालकीलसनितहूँहीरा कीहैंमनिराजै नैनगिरमनहरमनआगकनहैं ॥ जानेंन- गगावहारिलालहिटगननेंर लालमालअधररसालफल- कनहैं ॥ १८३ ॥ जाहीमधुराईहैंसुधाईसुरलोकरुपी ऊ-

[illegible]

जड़रूपअरु विंवमतिहीनभयेजिनकेडरनिमै ॥ पानअं-
गपातरोभयोहैतवहीतैंपेखि एरीव्रजरानीअवरहैकोस-
रनिमै ॥ सूरतसुकवितिन्हैसकैकोवरनिप्यारी तेरेअधर-
नकीनउपमाधरनिमै ॥ १८४ ॥ विंवऔप्रवालहूवँधूकक-
विवरनत सोतोयहउपमानमानोकाहूकेदिये ॥ जपारो-
रीईंगुरकीगुरुतासकलमली दाड़िमकलीनहूकेमानभंग
कोंकिये ॥ ललितललाटहूतेंलटैंयोंलरकिरहीं दुहूंओ-
रअधरकेकोरनकोंहैंछिये ॥ मेरेजानतायतललितलाल
हीकोसंभु गुह्योमखतूलसोचिराजैससिकेहिये ॥ १८५ ॥

॥ अथ चिवुक वर्णन ॥

कनकवरनकोकनदकेवरनऔर झलकतझाँईं तामै
वसनरदनकी ॥ कीनीचतुराननचतुरऐसीरचिपचि अ-
लपसीचौकीचारुआसनमदनकी ॥ अंगलसेवाकेउपमा-
नकोअघघिसव सुमिलिसोपानमानोश्रीयकेसदनकी ॥
सुंदरसुढारहैचिवुकनवनायकाकी मानोंवलिभद्रवाद-
साहीहैवदनकी ॥ १८६ ॥ कैधौंअरविंदमकरंदरसपान
माते ढिगअलियाररहेकोधौंअलसाइकै ॥ कैधौंपियप्रे-
मकोपियूपभरोनारँगीमै वेंदीस्यामसुमननिसानसोव-
नाइकै ॥ कैधौंहैसिँगाररसमगनमनोजमन लालचलल-
किमनिकंठलाग्योआइकै ॥ सीतिकेविरहसुहागसोहै
गोदनाकी लेतचितचारुतेरोचिवुकचोरायकै ॥ १८७ ॥
कंचनकेथानेमैजटितनीलमनिकैधौं संपुटमैसूछमसरू-
पस्यामलोनाहै ॥ सुमुखसुखेतरचौजथ्थ्रोनाकै

कलिसमैकामजूकोखुलतखिलौनाहै ॥ रामकहैंतियमन मोहनकेमोहिवेकों कठिनकुहूमेंपढ़िराख्योठोंकटोनाहै ॥ कमलकलीपैअड़िबैठ्योअलिछौनाकैधौं कामिनीतिहारोचारुचिबुकडिठौनाहै ॥ १८८ ॥

॥ अथ कपोल वर्णन ॥

कैधोंनैननटुवाकेनाचिवेकीरंगभूमि सोभागृहआँगनअनंगअंगलोलहैं ॥ कैधौंहैंअनंगअंगवेलिकेविपदखेत देखेंसुखदेतदुतिअमलअमोलहैं ॥ पियमनमल्लकेअखारे कैधौंनीलकंठ वारेजिनऊपरमुकुरगोरेगोलहैं ॥ कैधौं कौलमुखीमोहमंत्रतेंकलितश्रौन भूपनफलितत्तेरेललितकपोलहैं ॥ १८९ ॥ चपलाकीनाईचारुचमकैंहैंछविपुंज छेदिनिसरतझीनेघूंघुटनिचोलहैं ॥ कालिदासआसपासतरनितरुनैननिकी जोतिकिरनावलीललितअतिलोलहैं ॥ कान्हअवलोकतबदनप्रतिबिंबनिज कनकसरूपमानोमुकुरअमोलहैं ॥ लेतमनमोलकरैंदृगनिकोतोल ऐसे गोरेगोरेगोलस्वच्छप्यारीकेकपोलहैं ॥ १९० ॥ सोहतहैंचिन्तामनिनगनजटितदिव्य कंचनकीवेलीकैसेसुंदरनवेलीके ॥ सकलजगतमाहिंएकसुकृतीहौतुम नायकनवलऐसीनायिकानवेलीके ॥ एकठौरदेखोछविआपनीओउनकीजू प्रतिबिंबआपरूपआनदकीकेलीके ॥ सुबरनआरसीसेसीसेसेअमोलकैसे गोरेगोरेगोलहैंकपोलनलबेलीके ॥ १९१ ॥ कैधौंरूपधरनीमैराजतजुगुलसं- - मीनकेतनकेमकरसदारहैं ॥ कैधौंहरिलोचन

तुरंगनकीलीलाथल कैधौंसरसीरुहकंदलद्वै निहारेहैं ॥ परसरामकोमलमधूकसेचंपकसे चारुचीरचंद्रमाकोंकोरि कैनिकारेहैं ॥ प्यारीतेरेगोलगोललिलितकपोलस्वछ नीठि नीठिरचिकैविरंचिकरन्यारेहैं ॥ १९२ ॥ हरिअच्छलच्छ करतलनिसमानस्वच्छ राजतरुचिरतातेंनाहींटारियतहै ॥ चंद्रमासेचारुअतिकोमलकमलहूतें दुखनिदिनेसदेखि मींड़िमारियतहै ॥ ऊपरसुहागढिगभागअनुरागरूप बिं-नादेखेहृगनिउपासपारियतहै ॥ लागियेरहतिमुसकानि तातेंलोलदोऊ बिमलकपोलपैंमुकुरवारियतहै ॥ १९३ ॥ कैधौंहरिमनोरथरथकीसुपथभूमि मीनरथमनहूंकीगति नसकतछ्वै ॥ कैधौंरूपभूपतिकोआसनरुचिररुचि मि-लीमृगलोचनमरीचिकामरीचीव्है ॥ कैधौंश्रुतिकुंडलम-करसरकेसीदास चितयेतेंचितचकचौंधिकैचलतच्वै ॥ गोरेगोरेगोलअतिअमलअमोलतेरे ललितकपोलकैधौं मैनकेमुकुरद्वै ॥ १९४ ॥ सुखमाभरतभरेप्रेमकैसेसांचे ढरे सुधालौंसुधारधरेदर्पनसुदेसहैं ॥ आभाकीनिकाई हैकेदारकैधौंकांतिनके तीनोपुररूपपरिजनकेनरेसहैं ॥ रपटतलोचनचिलकदेखियलिभद्र झलकतचौंधेकिलंक-निकेनतेसहैं ॥ गोरेगंडमंडलअखंडजोतिवंततेरे छबिके छपाकरकीदुतिकेदिनेसहैं ॥ १९५ ॥

॥ अथ कपोलतिल वर्णन ॥

कैधौंरूपरासिमैंसिंगाररसअंकुरित कैधौंतमकनसो-हैतड़ितजुन्हाईमें ॥ कहैपदमाकरकैधौंकामकारीगर नु-

कतादियोहैहेमफरदसुहाईमै ॥ कैधौंअरविंदमैमलिन्द सुतसोयोआय ऐसोतिलसोहतकपोलकीललाईमै ॥ कै- धौंफस्योइन्दुमैकलिन्दिजलविन्दुअरु गरकगोबिन्दकै धौंगोरीकीगोराईमै ॥ १९६ ॥ फूलेपारिजातमैलखात हैमधुपकैधौं सुखमासरोवरमेरसराजपैठोहै ॥ रतिकैमु- कुरपैधरीहैनीलमणिकैधौं कामिनीकेवदनपरमछविजे- ठोहै ॥ श्रीपतिरसिकराजसुन्दरगुलाबबीच मृगमदविन्दु रूपपरमपरेठोहै ॥ कोमलकपोलपरतिलहैअमोलमानो पूरनमयंकमैनिसंकसनिवैठोहै ॥ १९७ ॥ वदनसरोरुहके संगहीजनमजाको अंजनसुरंगसमतानपरसतहै ॥ म- हारूखेमुनिनकोमनचिकनाइजाइ सेनापतियाहिजसमे- कदरसतहै ॥ रूपछिवढावैरसिकनहूं केमनभावै नेह उपजावैपैनआपविनसतहै ॥ आलीवनमालीमनफूलमै वसायोतेरे तिलहैकपोलसोअमोलमिलसतहै ॥ १९८ ॥ वांकीभी हैंसोहैंबांकीचितवनिमनमोहै बांकोमोतीवेसर अधरपरफरको ॥ कहैकविगंगतेरेउचकिउचकिकुच ग- तिनरहतनिरखतभराभरको ॥ आननकीउपमातेस- कलथिकलभई भलीसोभालैरह्योतिलकपोलपरको ॥ पं- कजकैबीचआलीअलिगोसमाइ तहैंमानोरीविछुरिछो- नायैछोमधुकरको ॥ १९९ ॥ सोभनसिंगाररसकीसीछी- टसोहैफीक कामसरकीसीकही जुगुतिनजोरिजोरि ॥ राहकोसोरदनरह्योहैघिभिचंद्रमाहि [illegible]

रह्यो केसोदासलेतचितयंतेंचितचोरिचोरि ॥ तनिकक-पोलतिलतेरेपरमेरीआली वारोंहारितरुनिखिलोत्तमासी कोरिकोरि ॥ २०० ॥ कैसोसुधासरमांझफूल्योहैकमलनो-ल जैसोयंकअंकमैंमयंकमुखहेरोहै ॥ कैसोयंकअंकमैंम-यंकमुखहेरोकह्यो जैसोमैनमुकुरमैंमोरचाकरेरोहै ॥ कैसो मैनमुकुरमैंमोरचाकरेरोकह्यो जैसोअलिकमलमैंगहतं घसेरोहै॥ कैसोअलिकमलमैंगहतघसेरोकह्यो जैसोरीक-पोलपैंअमोलतिलतेरोहै ॥ २०१ ॥

॥ अथ श्रवण वर्णन ॥

कीधौंहैंअतिथिप्रियवचनकेरसराज कीधौंमिश्रलो-चनकेभ्रिमलविसेखिये ॥ सानेकेधौंदोनेरतिकामअंग कीवेकाज सुधाधरआसपासधरेसोइदेखिये ॥ पूरन मुदितशिवपूजनकरतचंद कनकअरघताकेदुहूंओरपे-खिये ॥ तीछनकटाच्छसरगतअवरोधकीधौं सुन्दरीके सुन्दरश्रवनजुगलेखिये ॥ २०२ ॥ पियगुनआसनसरोज केसिंघासनहैं कीधौंविविधासनसनेहरससरेहैं ॥ सांच भ्रंठतौलिवेकोंतुलाकेपलाहैंकैधौं किंसुककेपातसेलप-टिपाछेपरेहैं ॥ कैधौंबिविचक्रसहचक्रकेसुधारेकैधौं कुं-डलकलाकीनिधिविधिकरधरेहैं ॥ करनकेछिद्रकैसछिद्र छबिगायेकवि कंचनकेसीपकीधौंमुकतासेंजरेहैं ॥ २०३ ॥

॥ अथ नासिका वर्णन ॥

सोभाकोसकेलिऊंचीयेलिवोंधीवछिभद्र राख्योसम लोचनकुरंगनिकोरोसहै ॥ दी- [illegible]कोदीपककोमुख-

कोसुमेरु मृदुमुखसारसकोसिफाकंदजोसहै ॥ कलप तरोवरकीकलीकैधौ गंधफली उपमाअनूपनिकोयिषिघनिसोसहै ॥ तिलकोसुमनहैकीनासिकातरुनितेरी सुरनकीसरनकीसौरभकोकोसहै ॥ २०४ ॥ सुंदरसहजसुमननकोसुगंधजाकी निरमोलनासिकानिकाईतेंसँवारीहै ॥ पीतमसरीरमाहिंधीरनधरतदेखि सकुचकीमीरकीरबिपिनविहारीहै ॥ कैधौ कलधौतमहामुनिकेकुसुम जीति मैनचैनसिंधुसुखसेतसीनिहारीहै ॥ मुकतालतिकैवलितमनिकंठमनि छबिकीतरंगथिरनासिकातिहारीहै ॥ २०५ ॥ केसवसुगंधस्वाससिद्धनकीगुफाकैधौ परमप्रसिद्धसुभसोभनसुकासिका ॥ कैधौ मनमथमनमीनकीकुवेनीकैधौ कुंदनकीसीवलोललोचनविलासिका ॥ मुकतामनिनकीहैमुकतपुरीसीकैधौ कैधौ सुरसेत्रतहैंकासीकीप्रकासिका त्रिभुवनरूपताकोतुंगतोयनिधिताके तोयकीतरंगकैतरुनितेरीनासिका ॥ २०६ ॥ तिलकोकुसुमताकीसमकहाकीजियत कहासौं जदीजियतकोरफलमूजीकी ॥ कामकेतुनीरकोजखालीबरनत आली ताकीकहाचालीजाकीबातयिनपूंजीकी ॥ संभुराजकहैलाडिलीकेअंगबरनत पावतनथाहहोतिगिरा गतिलूंजीकी ॥ मानोरूपनिधिसोयदनरचिविधिराखी नासिकासुलुफदैकुलुफयिबिकूंजीकी ॥ २०७ ॥

॥ अथ नासाभूषण वर्णन ॥

केकीनमुनिहोतवसमे ॥ कहैसंभुराजलसैमुकताविसाल एक ताकेचीचलालहुरीफूलतअरसमे ॥ चेलिफूलचाप मूठिकलीदेगुलावसर केसरकोफरगाझोजयकेसुजसमे ॥ कुचजानिहरमेरेजानपंचसर ततकालतीरतानिराख्योनासातीरकसमै ॥ २०८ ॥ कैधौं पियनेहमईकीरतिहसन लैकै फूलेहेमफूलेफूलेध्यानसमरथके ॥ कीधौं मीतमनखगफंदातामेमित्रवस वैठिकविकुजसोमथानेमनमथ के ॥ ऐसीभांतिदेखियेरीमोहेमनमोहनजू सूरतवखाने करौं कहांलौं अकथके ॥ भूलेज्ञानगथकेसुलोकलाजपथकेसु कौननैननथकेनिहारेतेरीनथके ॥ २०९ ॥ चदनसुराहीमैछविलीछविछाक्योमद अधरपियालेछिन छिनमैगहतहै ॥ अलसायपीढतकपोलपरजंकपर कबहूं गजकंजानिचाखनचहतहै ॥ प्रेमनग्रसाथीयेतोसदारहैंअंकभरें छक्योईरहतकोऊकछूनाकहतहै ॥ कुकिपरैवातकेकहेतेघनखातधारे चेसरकोमोतीमतवारो ईरहतहै ॥ २१० ॥ छाझोजलसागरविधायोतनआप आय अधरकेवीचरहैऔरनाचहतहै ॥ विधिकेसंजोग वसआनिपर्योवेसरमैं वन्योहैयनावसोभाअद्भुतगहत है ॥ पूरनप्रतापचंदपायोहैमुखारविंद एतोकहांलहैकंत जेतोतूलहतहै ॥ प्यारीकेवदनपरमदनकोमदपिये मोतीमतवारोसदाँझूमतोरहतहै ॥ २११ ॥ प्यारीतनभूमि तामैरूपजलसागरहै जोवनगंभीरजो रसोभाकोंघरतहै ॥ दीपततरंगनैनवारिजसेडोलैंतहाँ उरगसीवेनीजियदेखत

डरतहै ॥ आलमकहतमुखकहूरगहरराजे तामैंमनमें यहदौरिकैपरतहै ॥ बेसरकोमोतीमानोकरहैसिकंदर बारबारझूमिझूमिमनैसोकरतहै ॥ २१२ ॥ नीचेकौंते हारतनगीचैनैनअधर दुचीचैपरैस्यामारुनआभाअट कनको ॥ नीलमणिभागव्हैकैविद्रुमसुराग पुखरागरें रहतविध्योछटाछटकनको ॥ देवयिहँसतदुतिदंततजु ड़ातिजोति निर्मलमुकतहीरालालगटकनको ॥ थिर किथिरकिथिरयानैपटतानैतोरि बानैबदलतनथमोती छटकनको ॥ २१३ ॥

॥ अथ नैन वर्णन ॥

मैनमदछाकेराजैमोहनकलाकेऐन कंजउपमाकेदेन चैनभरताकेहैं ॥ पटअँचलाकेचोटकरननिसाँकेयाँके कामचंचलाकेनाकेदेखतहीझाँकेहैं ॥ सुन्दरप्रभाकेभरेमधुरसुधाकेमीन मृगभैंवराकेगुनछीनवाकेपाकेहैं ॥ ताके गमताकेहेरियाकेपैनताकेकहूं ताकेनैनयाँकेप्रपमानकी सुताकेहैं ॥ २१४ ॥ कंजदुतिभंजनहैंखंजनकेगंजनहैं रंजनकरनजनमंजनसँयारेहैं ॥ सोभाकेसदनकोटिमोहत मदनमीन मदकेकदनमृगदूरकरिडारेहैं ॥ लाजगुनगे मेहयरमेअछेह देहनसँभारिजातजग्रतेनिहारेहैं ॥ रिआनियाँझपकारे ग्तियारिरतनारेप्यारी ननिहारेहैं ॥ २१५ ॥ हियहरिलेतहैंनिकाईकेनिके मि देनहैंसहेननिरखनकरिमैनहैं ॥ छीनाहरिनीकेहूते हरतदरदयाँकरतचित्तचैनहैं ॥ चाह·

तनअंजमरसिकमनरंजनहैं खंजनसरंसरसरागरीतिऐ-
नहैं ॥ दीरघंठरारेअनियारेरतनारेप्यारी कंजसेंनिहारे
कजरारेयारेनैनहैं ॥ २१६ ॥ पानिपकेपानिपसुघरताई
केसदन सोभाकेसमुदसाघधामानमेजके ॥ लाजन
केयोहितपुरोहितप्रमोदनके नेहकेनकीचक्रवर्त्तीचित
चोजके ॥ दयाकेदिवानपतिप्रतहूकेपरधान नैनयेमुबा-
रकविधाननवरोजके ॥ मृगनिकेमहाराजसफरीकेसि-
रताज साहयसरोजकेमुसाहयमनोजके ॥ २१७ ॥ छवि
यालयरसोलसाहयकेघरपिय मनमीनसरसरकामदेवत-
नके ॥ चातुरीकेमारहैंसिंगारकेकुमारकैधौं खंजनके
अवताररंजनसंचनके ॥ रथमनोरथहीकेवाहनसेअैन
मैन नीलकंठऐसेनैनकोसुकैयरनके ॥ भौंरनकेभूपचारच-
क्कवैचकोरनके हरिनकेहाकिमकुटुंबीकमलनके ॥ २१८ ॥
परमप्रवीनमीनकेतनकेमीनकैधौं सुखकेसरोजहैंफुलाये
पियभानके ॥ सरदकेखंजनमिलेहैंमुखचंदकोकि जा-
रेहैंकुरंगरथवाहनसमानके ॥ वालातेरेनैनकीविसाल
सालसीतिनके वलिभद्रसामेहैंसुहागखरसानके ॥ मुनि
नकेमनउपजावतअनेकभाव मेरेजानयेइहैंविधातापं-
चयानके ॥ २१९ ॥ करतकलोलश्रुतिदीरघअमोललो-
ल छुयेहृगछोरछविपावततरौनाहैं ॥ नाहिंनसमानउ-
पमानआनसेनापति छायाकछुछुवतचकितमृगछौना
हैं ॥ स्यामहैंयरनज्ञानध्यानकेहरनमानो मूरतज्योंधा-
रेवसीकरनकेटोनाहैं ॥ मोहतहैंकरिसैनचैनकेपरमऐ-

न प्यारीतेरेनैनऐनमैनकेखिलौनाहैं ॥ २२० ॥ काजरतेंकारेअनियारेडोरेमतवारे कमलढरारेकैधौंअमृतकेदोनाहैं ॥ खंजनसँवारेकैधौंखंजखरसानधारे कैधौंमनमोहनकेमनकेहरौनाहैं ॥ रूपजलप्यारेरसवारेडगमगतहैं नवलदुलारेकैधौंमृगनकेछौनाहैं ॥ मदननिहारेपंछीसीखदेनहारेआली तेरेनैनऐनमानोमैनकेखिलौनाहैं॥२२१॥ झूमतझुकतभरेमदकेअरुननैन मानोमैनतूनहैंकढ़तजातेंसरहैं ॥ हावकिलकिंचितसरूपधरेनाथकैधौं सोहन वसीकरउचाटकेअमरहैं ॥ कैधौंमीनपैरतसहावकेसरोवरमें मानिकजटितभूमिखंजनसुधरहैं ॥ कैधौंअनुराग फौलपेटिकैसिंगारवैठो कैधौंकौलपाँखुरीमैंडोलतभँवर हैं ॥२२२ ॥ राजैंरतनारेहगभूपरउँजारेभारे प्रेममतवारेपियमैनसुखदैनहैं ॥ गंजनकमलमृगमीनमदभंजन हैं अंजनलखेतेंनरहतउरचैनहैं ॥ नंदनसुकविनंदनंदनपै हरनेक रोसभरेदेखेयातिकहेकछुवैनहैं ॥ ऐसेदेखेमैनमैन [illegible] प्यारीतेरेअजवगुलावीरंगनैनहैं॥२२३॥ [illegible] भूपमीनकेतनकेकेतन ॥ नेहभरेमदनसदनकेप्रदीपकैधौं रसराजघा[illegible] ॥ सुनतसुदेसकेसुवेससेमहीपकैधौं [illegible]इन्दिरीनादिसिदसके ॥ लगेहियऔनकस[illegible]धौं प्यारीतेरेनैनतीरमैनतरकसके ॥ २२४॥ [illegible] छलतामेमीनकलता ॥ प्रेममेघकोरघोरनेमकेनियाहिवेमें करै

रघुनाथठगठगिधेमैसैनके ॥ डसिधेकोंभौंरडींठिफसि-
धेकोंबंसीचेन गसिबेकोंजंत्रहेतचैनहू अचैनके ॥ यामे
भूंठीहैनप्यारेहीमेआइलगियेकों प्यारीजूकेनैनऔनतो-
खेबानमैनके ॥ २२५ ॥ खंजनकेप्रानपियबिरहतिमिर
भान मीननकेमानधनबानमनगथके ॥ सोभाकेसिंगार
रूपधारकेढरारमोती सीलसरदारफौजदारप्रेमपथके ॥
श्रीपतिसुजानलोनेलोचनगुमानभरे सुघरयहलवानर-
तिरानीरथके ॥ रसबहुरंगजालजोतिकेकुरंगमाल कंजसे
बिसालमहिपालमनमथके ॥ २२६ ॥ सुखमाकेघरपूरे
पानिपकेसरवर आसनअनूपहररूपबिसरामके ॥ चा-
तुरीकेचारकलाकेलिकेअपार हावभावकेभँडारपायइ-
न्दीबरदामके ॥ रतिकेरतनजालमोहनकेमूलमाल रा-
जतरसालहैंबिसालनैनबामके ॥ मीनकेमहीपतिहैंखंज-
नप्रभाकेपति मृगकेसलामतसलावतहैंकामके ॥ २२७ ॥
बारिजबिकानेलखिखंजनखिसाने मृगमीनमुरझानेबन
हूनठहरातहैं ॥ भौंरभहरानेआनउपमानआने कवि
हेरिहेरिहारमानिहियहहरातहैं ॥ अतिहीबिसालवाँके
प्यारीकेअनूपदृग कहतकछूपैरोमरोमथहरातहैं ॥ मेरे
जानआनदसोंबारोंचक्कुजीतिधेकों भूपमकरध्वजकेध्व-
जफहरातहैं ॥ २२८ ॥ पाइयेनखोजखंजरीटनमेरचकहूं
लोचनतिहारेयेछिनैयागतिमीनके ॥ कंजदलगंजनकुरं-
गमानभंजनये रंजनहैंरंगमनरसिकप्रवीनके ॥ मधुपधि-
चारेहियहारेहीरहतबन अतिसुखदायकसहायकसखी-

नके ॥ तीखेनीरकामकेनदेखेकामयामके
रीनकेनरीनकिन्नरीनके ॥ २२१ ॥ ऐसेन
ऐनसैनके जगैयादिनरैनके जितैयासीतिसी
मलकुलीनकेमुकलितकरनहार [illegible]
रँगीनके ॥ मनतकवीन्द्रभौवतीकेनैनचायक
नपायकसेनायकनवीनके ॥ सोंचेहैं [illegible]
मीनके यखानैकोमृगीनके खगीनपन्नगीनके
रुचीमारहतअरविन्दनकीआभा महयूबीमृ
कीडामकरियतहै ॥ दूधीयनबीधिनचकोरघार
मगृधीगुरगनकीगमामकरियतुहै ॥ दूधीजल
[illegible]भीरमगरीयदनामकरियतु है
[illegible]नकीअजूबीप्यारी [illegible]
[illegible]करियतुहै ॥ २२२ ॥ [illegible]
[illegible]जलहियेपरी ॥ [illegible]
[illegible]मीननउर्धान[illegible]
[illegible]बिहारी [illegible]
[illegible]हियेपरी ॥ आहृंचंचला[illegible]
[illegible]हियेपरी ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

रीटनकीखूबीहै ॥ २३३ ॥ बरुनीबघंबरमेगूदरीपलक
दोऊ रातेकोयेबसनभगोंहैंभेखभखियाँ ॥ बूड़ीजलहीमें
दिनजामिनहूजागतिहैं धूमसिरछायोबिरहानलबिलखि
याँ ॥ आँसूत्योंफटिकमालललाल डोरेसेलीसजे भईहैंअके-
लीतजिचेलीसंगसखियाँ ॥ दीजियेदरसदेवकीजियेसं-
जोगिनये जोगिनव्हैबैठीहैंबियोगिनकीअँखियाँ ॥२३४॥
बंधुबिधुकोरमैचकोरकैसोजोराबैठ्यो कैधौंमृगमीन
बालहितकैबढ़ायेहैं ॥ कैधौंकामराजकेजुगलमीनजं-
गजुरे खंजरीटराखिमानोपींजरापढ़ायेहैं ॥ मिलतजि-
याइबेकोंबिछुरनमारिबेकों बानिकपियूषबिषबोरिकै
कढ़ायेहैं ॥ कैधौंबिधिपूरनमयंकमुखपूजाकरी अलि-
नसहितमानोनलिनचढ़ायेहैं ॥ २३५ ॥ अंजनसुरंगजी-
तेखंजनकुरंगमीन नेकनकमलउपमाकोंनियरातहैं ॥
नीकेअनियारेअतिचंचलढरारेप्यारे ज्योंज्योंमैंनिहारे
त्योंत्योंखरेललचातहैं ॥ सेनापतिसुधासेकटाच्छनबरखि
ज्यावैं जिनकोंनिरखिहियोहरखिसिरातहै ॥ कानलौंबि-
सालकामभूपकेरसाल बालतेरेदृगदेखेमेरोमननअघात
है ॥ २३६ ॥ रसभरेजसभरेकहैकबिरघुनाथ रंगभरेरू-
पभरेखरेअंगकलके ॥ कमलानिवासपरिपूरनसुवासआ-
स भौंरबनेकेचंचरीकलोचनचपलके ॥ जगमगकरतभ-
रतदुतिदीहपोखे यौवनदिनेसकेसुदेसभुजथलके ॥ गा-
इबेकेजोगभयेऐसेहैंअमलफूले तेरेनैनकमलअमलबि-
नजलके ॥ २३७ ॥ जीतेजिनतामरसअलिकुलमीनकुल

नके ॥ तोखेनीरकामकेनदेखेकामग्रामके गनायकोप-
रीनकेनरीनकिन्नरीनके ॥ २२९ ॥ ऐसेनैनमैनकेनदेखे
ऐनसैनके अगैयादिनरैनकेजितैयासीतिसीनके ॥ क-
मलकुलीनकेमुकलितकरनहार काननकीकोरनलौंकोरन
रँगीनके ॥ मनतकविन्दभौवतीकेनैनचायकसे देखेमै-
नपायकसेनायकनवीनके॥ सींचेहैंअमीनकेअमीनमानी
मीनके बखानैकीमृगीनकेखगीनपन्नगीनके ॥ २३० ॥
ऊबीसीरहतअरविन्दनकीओभा महबूबीमृगछौनन
कीछामकरियतुहै ॥ डूबीवनवीथिनचकोरचारुताई म-
नसूबीतुरगनकीतमोमकरियतुहै ॥ डूबीजलजोरनसों
मीनवरजोरीसोभ भौंरमगरूरीवदनामकरियतुहै ॥ दे-
खिदेखितेरीअँखियाँनकीअजूबीप्यारी खूबीखंजरीटन
कीसोमकरियतुहै ॥ २३१ ॥ देखेंअरुनाईकरुनाईलगै
कंजनपैं मृगनगुमानतजिलाजलहिवेपरी ॥ तोपनिधि
कहेअलिखंजनहूछीनताई मीननअधीनव्हैगरीबीगहि-
वेपरी ॥ चरचाचकोरनकीकोरनसोंकोरिहारी कविनक-
बीसताकीहारिकहिवेपरी ॥ आईचंचलाईजबराधिका
कीअँखिनमैं खासेखंजरीटनखराबीसहिवेपरी॥२३२॥
पीकेप्रानप्यारेप्रेमपरमसुजानजीके नीकेनयनैननकी
आवअवऊबीहै ॥ कान्हकमलेछनकोमानोमनमोह-
नीहै कामकमलेछनकीहुकुमहबूबीहै ॥ तरलत्रिवेनीकी
तरंगजुगजाहिरहै जोबनजवाहिरकीअजबअजूबीहै ॥
मीननकीमदीडूबीवदीडूबीकंजनकी भौंरनकीभूलखंज-

तिटनकीखूबीहै ॥ २३३ ॥ बरुनीयचंबरमेगूदरीपलक
दोऊ रातेकोयेबसनभगौंहैंभेखभखियाँ ॥ बूड़ीजलहीमे
दिनजामिनहूजागतिहैं धूमसिरछायोबिरहानलबिलखि
यौं॥ आँसूज्योंफटिकमाललालडोरेसेलीसजे भईहैंअके-
लीतजिचेलीसंगसखियाँ ॥ दीजियेदरसदेवकीजियेसँ-
जोगिनये जोगिनव्हैबैठीहैंबियोगिनकीअँखियाँ॥२३४॥
बंधुबिधुकोरमैचकोरकै सोजोराबैठयो कै धौंमृगमीन
बालहितकै बढ़ायेहैं ॥ कै धौंकामराजकेजुगुलमीनजं-
गजुरे खंजरीटराखिमानोपींजरापढ़ायेहैं ॥ मिलतजि-
याइवेकोंबिछुरतमारिबेकों बानिकपियूषबिषबोरिकै
कढ़ायेहैं ॥ कै धौंबिधिपूरनमयंकमुखपूजाकरी अलि-
नसहितमानोनलिनचढ़ायेहैं ॥ २३५ ॥ अंजनसुरंगजी-
तेखंजनकुरंगमीन नेकनकमलउपमाकोंनियरातहै ॥
नीकेअनियारेअतिचंचलढरारेप्यारे ज्योंज्योंमैनिहारे
त्यौंत्योंखरेललचातहै ॥ सेनापतिसुधासेकटाक्षनबरखि
ज्यावैं जिनकोंनिरखिहियोहरखिसिरातहै ॥ कानलौंबि-
सालकामभूपकेरसाल बालतेरेदृगदेखेमेरोमननअघात
है ॥ २३६ ॥ रसभरेजसभरेकहैकबिरघुनाथ रंगभरेरू-
पभरेखरेअंगकलकै ॥ कमलानिवासपरिपूरनसुबासआ-
स भौंवनेकेचंचरीकलोचनचपलकै ॥ जगमगकरतभ-
रतदुतिदीहपोखे यौबनदिनेसकेसुदेसभुजबलकै ॥ गा-
इवेकेजोगभयेऐसेहैंअमलफूलै तेरेनैनकमलअमलबि-
नजलकै ॥ २३७ ॥ जीतेजिनतामरसअलिकुलमीनकुल

कारेकजरारेसोहैंपियसुखदैनके ॥ जीतेजिनखंजनऔ मुकताढरनिजीती जीतेहैंचकोरकैधौंदीपकहैंरैनके ॥ कमलढरारेकैधौंप्रेममदमतवारे तेव्रनसुहायधरेजागेसुखसैनके ॥ मृगहैंभँडैतकैधौंपायकखँडैतदोऊ प्यारीतेरेनैनकैधौंजोधाऔनमैनके ॥ २३८ ॥ कज्जलकवचकियेंबरुनीकेसरलियें भौंहैंधनुतानेजैतवारजगऔनहैं ॥ बाँकीसूधीचितवनिदोऊतरवारबाँधें करैंआधौंआधप्रान मारतडरैंनहैं ॥ इनकीकजाकीआगेकछुनकजाकीचलै दोऊहाथमलैंयेतोवाहूदुखदैनहैं ॥ ऊधबकहतऐंठेबैठे सेरहतनित कामपातसाहकेसिपाहीतेरेनैनहैं ॥ २३९ ॥ याजीचपलाईतामेमैनअसवारगाढ़ो तरकसबंदबरपलकैंसुधारिहैं ॥ तांहीतेकटाच्छबानभरेबेइंनोकदार जाकेतनलागैसोईलगनबिचारिहैं ॥ कहैद्विजराजभौंहैंचोपसोचढ़ायेजनि कह्योमानुप्यारीएतोअबैघटपारिहैं ॥ घूंघुटनखोलतेरेनैनहैंनिपटयोके घरिकमेघेरिकाहूघायलकैडारिहैं ॥ २४० ॥ खंजनखिजातजलजातहूलजातहेरे हरिनोहिरानमुकतानग्रहगनहैं ॥ पंचसरकीनेरद भौंरनकेभूलेमद नटमेथिरचित्रचितहीमेहहरातहैं ॥ दीपकमलीनदीनमीनलागेमेरजान दीनेतीनरगपातैंअति इतरातहैं ॥ परयतप्यारेमानप्यारीजूतिहारेहग मारत निसंकनकलंकाहिढेरानहैं ॥ २४१ ॥ रातिकेउनीदेअ- दुनाने ते राजैकजरारेहगतेरेसुहातहैं ॥ नअैकोरेलैनकाद्विजप फंतेनपेघायल

औके तेतलफातहैं ॥ ज्योंज्योंलैसलिलचखसेखधोवैबा-
रबार त्योंत्योंबलचुंदनकेबारझुकिजातहैं ॥ कैवरके
भालकैयौंनाहरनहनवाले लांहूकेपियासेकहापानीतेंअ-
घातहैं ॥ २४२ ॥ प्रेमरगमगेजगमगेजागेजामिनीके
यौवनकीजोतिजागिजोरउमगतहै ॥ मदनकेमातेमतवा-
रेऐसेघूमतहैं झूमतहैंझुकिझुकिझँपिउघरतहैं ॥ कहै
कविआलमनिकाईइननैननकी पांखुरीपदुमपैभँवरथि-
रकतहैं ॥ चाहतहैंउड़िवेकोंदेखतमयंकमुख जानतहैं रैनि
तातेताहीमेरहतहैं ॥ २४३ ॥ मृगकैसेमीनकैसेखंजन
प्रवीनकैसे अजनसहितसितअसितजलदसे ॥ चरसेच-
कोरसेकिचोखेखैंाड़ेकोरसेकि मदनमरोरसेकिमातेरातेमदसे ॥ नवीकविऐनासेकिऔरनैनवैनासेकि सियरस-
लोनासेकिआछेमृगमदसे ॥ पयसेपयोधिसेकिऔरसोंधे
सोधसेकि भारेकारेभौंरसेकिप्यारेकोकनदसे ॥ २४४ ॥
कमलनफीकेहैंसँवारेसुघरीकेहैंजु सुंदरतासीकेहैंसती
केहैंरतीकेहैं ॥ खंजनवनीकेहैंकिगजनमनीकेहैंकि रं-
जनघनीकेहैंकिभंजनअमीकेहैं ॥ ऐसेहरनीकेहैंनऐसे
हरिनीकेहैंन राजरमनीकेहैंनकामकमनीकेहैं ॥ नैनमै-
नजीकेहैंकिवैनवैनजीकेहैंकि सोभामूलहीकेहैंकिप्यारे
प्रानपीकेहैं ॥ २४५ ॥ भृकुटीकुटिलराजैमूठिसीविराजैवर
पलकमियानपुंजपानिपरसालहैं ॥ कज्जलकलितदोऊ
कोरमेदुधारेधारे डोरेरतनारेजेवजौहरकेजालहैं ॥ गो-
कुलबिलोकिनिजनायकसनेहसनी स्वच्छहैंकटाच्छकाट

करतकरालहैं ॥ कमनीयकामनीके रमनीयनैनकै धौं कामिनके मारिवेकोंकामकरवालहैं ॥ २४६ ॥ सुखमामलिंदके अलिंगअरविंदहैं कविंदहैंनरिंदक लगेहैंवरयरुके ॥ श्रीपतिप्रवीनरूपसरके ललितमीन हरिननवीननेहकाननसरसके ॥ एरीमेरीप्रानप्यारीलोचनतिहारेप्यारे सुरजसुखारेपियविरहतमसके ॥ रतिरनवीरहैंसिंगार गुनधीरहैं सँवारेआछेतीरहैंमदनतरकसके ॥ २४७ ॥ दूरहीतेंसोहीचारअचलहैंसोहीवड़ी भौंहनके संगसोही सुभगनवेलीकी ॥ आयोजबढिंगतबसुयरनवेलीपर लीन्हीअनुहारहैसुखंजजुगकेलीकी ॥ पुनिअधखुलीइंदीवरकीकलीसीदीसी परीहैनिरीछीडीठिग्रचिकैसहेलीकी ॥ विविधिकटाच्छभाँतिमैनसरपाँतिपाँति वनीऐसीअँखियाँअनूपअलबेलीकी ॥ २४८ ॥ झूमतझुकतउझकतफेरझूमतहैं घूमिघूमिझूमिउठैंकाजरतेंकारेहैं ॥ ऐंड़ायल ऐंड़दारऐंड़तअड़तअति अगड़परतेंनेकटरतनटारेहैं ॥ गहगहगुननगहीलेगरवीलेमहा श्रीपतिसुजानमैनपरम सुखारेहैं ॥ पियप्रानप्यारेसुखभाँतिनसुधारेप्यारी लोचनतिहारेकैधौंगजमतवारेहैं ॥ २४९ ॥ भारेकजरारे दोऊकाजरसौंलालडोरे मैंदुरमौंचीनअनिराजतसुपम के ॥ मतिजूकहनपाँपैंयकलोजैंजीरटारि करतकटाच्छ गमिडोलहूमनयके ॥ पूनगिमहावनयिगजैआइनासिकासु मीनमकेप्यारेपालिपेहैंजगगयके ॥ मोहनकेमोहनहैंमोहिनीविमारियेकौं नैनानेरेदोऊगजमानिमनमथ

के ॥ २५० ॥ अचलखरंगअंगसुंदरताजीनतापैं काजर यरपाखर्लेआपहाथसाजीहैं ॥ लाजहैलगामचितवनि तेजंगामचाल भृकुटीकुटिलतापैंकं लगीसुसाजीहैं॥ पूत-रीसँवारिसुभलियेचाहचाबुकसी देखिकैकटाच्छखुरीभये लालराजीहैं ॥ नाचैंमुखकंजनकीथारीमैंसुभारीअति प्यारीतेरेनैनमैनभूपतिकेंबाजीहैं ॥ २५१ ॥ दीरघढरा-रेआछेडोरेरतनारेलागे कारेनहैंतारेअतिभारेजेसुरंग हैं ॥ कहैकविगंगजनुदूधहीसोंधोयेपुनि कोयेविकसित सितअसितदुरंगहैं ॥ पारदसरिसचोरथिरमैंथिरकिजा-त तिरिछेचलतमानोकूदतकुरंगहैं ॥ खैंचेनरहतअनुराग हूकेबागवर प्यारीजूकेनैनके धौंमैनके तुरंगहैं ॥ २५२ ॥ सोहतसजीलेसितअसितसुरंगरंग जीनसुचिअंजनअनू-परुचिहेरेहैं ॥ सीलभरेलसतअसीलगुनसाजदैके लाज कीलगामकामकारीगरफेरेहैं ॥ घूंघुटफरसतामैंफिरत फबीलेफूले लोककविग्वालअवलोकिभयेचेरेहैं ॥ मोर वारेमनकेखौंपनकेमरोरवारे स्योरवारेतरुनीतुरंगदृग तेरेहैं ॥ २५३ ॥ पलकैंअमोलतापैंबरुनीकझवालसत ला-जधारीकोरैंपगपरमसुढंगहैं ॥ श्रीपतिसुकविलोनेपाख-रघनेहैंकीने रचिपचिविधिनासँवारेसबअंगहैं ॥ जापैं चढ़िरूपकेसुभटप्रेमराजकाज बिरहगनीमनसोंजीतलेत जंगहैं ॥ दिनरैनपियमनबीथिकामैंनाचतहैं प्यारीतेरे नैनकैधौंमैनकेतुरंगहैं ॥ २५४ ॥ भूपतिहैप्रेमलालडोरेहैं निसानतेई चंचलताचतुरतुरंगभोरभारीहै ॥ देखिवेअ-

नकभांततइअसवारखर काजरसमीइकरीकोरसीसँवा
रीहै ॥ थरुनीबँदूकनकीपैंतिसीलईहैपिय विरहगनीम
मारिवेकोंपैजधारीहै ॥ सूरतसुकबिस्वच्छस्यामरँगवा-
गेवने प्यारीतेरेनैननिमैनीकीअसवारीहै ॥ २५५ ॥ यौ-
घनप्रबाहतामैजलकीतरंगउठैं भौंहकीमरोरनसोंभौंरम-
तवारेहैं ॥ बालमकीमूरतिमलाहमाझबैठिरही छूटेलाल
डोरेतेईगुनरतनारेहैं ॥ पूतरीहलनिसोईपतवारीऊधो
राम लाजबादबानपालबरुनीसँवारेहैं॥रूपकेसरोवरमेपैर
पैरडोलतहैं अँखियांनहीइंयेतोकामकेनिवारेहैं ॥ २५६॥
पाटलनयनकोकनदकेसेदलदोऊ बलिभद्रबासरउनीदी
देखीबालमै ॥ सोभाकेसमुद्रमेहैआभावड़वानलकी देय
धुनिभारतीमिलीहैपुन्यकालमै ॥ कामकैवर्तकके धौंना-
सिकाउड़पबैठरो खेलतसिकारतरुनीकेरूपतालमै ॥
लोचनसितासितमेलोहितलकीरमानो बांधेजुगमीनला-
लरेसमके जालमै ॥ २५७ ॥ आनदके मंदिरमेके धौं
रुचिमानिककी कैधौंअनुरागलताअंकुरबिराजहीं ॥ कै-
धौंरतिनाथजूके हाथकीछबीलीछरी जाकेइतमामतेत-
मामदुखभाजहीं ॥ कैधौंतरुनाईअरुनोदयकिरिनराजै
तारेकारेघनचपलासीसुखसाजहीं ॥ लालमनबांधिवेकों
[illegible]गींलालरंगडोरे कैधौंबालडोरेतेरेनैननिमैछाजहीं
[illegible]५८ ॥ कैधौंरूपसागरमैआचवड़वागिनकी बिरहं
[illegible] है ॥ कैधौंदलपंकजकेऊ-
[illegible] कैधौंनेहदीपककीअरुनसिखासीहै ॥ गो-

रीतेरेनैननिकेबीचलालरखैंतेतो रेखैंअनुरागहीकीप्रगट प्रकासीहै ॥ कैधौंअनियारेअतिकारेबटपारेइन तारन कीफाँसीपियजियव्है निकासीहै ॥ २५९ ॥ आननकीदुति आगेचंद्रदुतिमंदहोति ओठनकीपाँतिपैंपवारिछबिवारी है ॥ उन्नरोहैंउरजपैंआँगीसेतफबीखरी काननकनकम-निगरमालन्यारीहै ॥ ऐसीबालआजुलौंनदेखीनंदनंदन मैं मैनमनमानिरुचिरतिकीबिसारीहै ॥ लालडोरेनैन-निमैंऐसेनीकेलागैंमानों खंजनचपलफंदेकामफंदवारी है ॥ २६० ॥ तामरससोहैंतरुनीकेवरनैनयोर तामैत-मनिसाकीबसीठोमानोआयोहै ॥ कैधौंअनुरागजाल डाखोमैनसैनसर गोलकहैंताके ताकोऐसोभावभायोहै ॥ खंजनधरेहैंमुखजंबूफलमेरेजान उपमानआननूरऐसो ठहरायोहै ॥ तरुनीकेस्यामतारेऐसेमैंनिहारेलाल चं-दपैचकोरनहलाहलसोछायोहै ॥ २६१ ॥ फटिकके संपुट मैसोईसालिग्रामसिला कमलदलनिपरभौंरसेनिहारेहैं ॥ मृगमदबिन्दुकेलसतप्रतिबिंबकैधौं दीपतदृगनपरक-ज्जलकेबारेहैं ॥ कैधौंमरकतमणिमुकुतसुकुतपर कैधौं रतिनायकनैसायकबिसारेहैं ॥ पियमनतारिबेकोंअव-तारेतारेभारे तरुनीकेबारमानोतरुनीकेतारेहैं ॥ २६२ ॥ हरिननिहारिजकिरहेहियहारमानि बारिचरबारिजकी बानिकथिकातीहैं ॥ हातीहोततियपछितातीकरछाती देदे धीरमनरंजनके खंजनजमातीहैं ॥ दीबेकोंसमानेउ-पमानइनदृगनकी कबिनकेमनकीउकतिजधिकातीहैं ॥

प्यारीकअनोखेअनियारेइंछनछनछूँछै तीछनकटाच्छनतें फटिकटिजातीहैं ॥ २६३ ॥

॥ अथ भृकुटी वर्णन ॥

येधिनपनिचविनकरकीकसीसविन चलनइसारेयहजिनकोप्रमानहैं ॥ ओखिनउद्दतआयउरमैकरतघाय परतनदेखीपीरकरतअमानहैं ॥ वकअवलोकनकीवानि औरइंविधान कज्जलकलितजामेजहरसमानहैं ॥ तासों वरवसवेधैंमेरेचितचञ्चलकों प्यारीतेरीभौंहैंकैसीकहरकमानहैं ॥ २६४ ॥ सौरभसुगंधस्वासचंपकलीनासिका को कैधौंअलिऊरधतेंअघ्रानकरतहैं ॥ कैधौंमुखचंद्रधरयो वाहनकुरङ्गकन्य जुवामरकतनिकोमनहोंहरतहैं ॥ कैधौं बलिभद्रभालकंचनकेभाजनमैं दीपजुगनैननिकोकाजर परतहैं ॥ भामिनीकीभौंहैंकैधौंकामकीकमानसोहैं जिन्हैं देखिसौतिनकेप्रानविसरतहैं ॥ २६५ ॥ अमलकमलपैभैंवरनकीपाँतिजुग प्रेमकेतुलाकीसुभडाँड़ीजोहियतहै ॥ कैधौंमनिकंठहावभावकेवकीलयेहैं कामकीकमानपियमनमोहियतहै ॥ तनकमयंकअङ्कलोचनचपलगति ऊरधकोंअञ्जनकीआड़रोहियतहै ॥ सोभारसभासनसिंगाररसआसनकी कैधौंमनभाँवतीकीभौंहैंसोहियतहै ॥ २६६ ॥ कैधौंरतिनायककीकुटिलकृपानकैधौं विरहभुजंगमकेअंकुसविमलहैं ॥ कैधौंवालअलिनकीअवलीललितलसैं रङ्ग [illegible] पियैं [illegible]नअमलहैं ॥ कैधौंनैनचातिकपैऊनी [illegible]अंबुदकी लालमनछलिवेकोंकैधौंछलवलहैं ॥ कैधौं

भोरीभामिनीकीभृकुटीविराजैंबंक कैधौंयेसिंगारवेलि हीकेदोऊदलहैं ॥ २६७ ॥ प्यारीरूपदेखिविधिहियमैंसरेखि कछू लिखिवेविसेखिसोकलमहाथगहिगो ॥ भागनतेंपूरी होउरूपअतिरूरीहोउ गुननकीकूरीहोउवैनऐसेकहिगो ॥ संभुराजकहैभींहैंजानतेनरचीसो अजानहीमेएककछूऐसोयावबहिगो ॥ दाससिकरिवेकोंकलमचलाईहोती चंदकीवड़ाईएकआँकलिखिरहिगो ॥ २६८ ॥

॥ अथ भाल वर्णन ॥

रुपकीनदीमैपारपाइवेकोपारोहैकी कामकोअखारोहैकीरतिकोभँडारहै ॥ लाजकोमहलप्यारेमंडनकीआँखिनके पैठिवेकोपैंड़ोहैकिप्रेमरससारहै ॥ राहूजानिवारनकेभारनडेरानोयातें चंद्रमाकोमानोअधखंडअवतारहै॥ यौवनकोद्वारकैनिकाईकोनिकार भोरीगोरीकोलिलार कैधौंसोभाकोसिंगारहै ॥ २६९ ॥ केसवअसोककीधौंसुन्दरसिंगारलोक कनककेदारकीधौंआनदकेकंदको ॥ सोभाकोसुभावकीधौंप्रभाकोप्रभावदेखि मोहेहरिरावसखि नंदनसुनंदको ॥ चमकतचारुरुचिगङ्गाकीपुलिनकैधौं चकचौंधैचितमतिमंदहूअमंदको ॥ सेजहैसुहागकीकि भागकीसभासुभाग भामिनीकोभालकीधौंभागचारुचंदको ॥ २७० ॥ वेंदीभानुतखतकेरूपकोवखतयह संभुराजलखतभँडारकाममालको ॥ आनदकोकंदकैधौंसरदकी चंदलसै दामिनीअमंदकैकिनारोसुधातालको ॥ मोहिवेकोजंत्रकैधौंकामरूकीमंत्र विधिरच्योहैस्वतंत्रमनहरन

गोपालको ॥ अतिहीविसालकैधौंजोतिनकोजालयह प्यारीतेरोभालहैहरैयालालसालको ॥ २७१ ॥ करतउचाटपाटमंत्रनकोमंत्रमनो ललितलिलाटतेरोहरतहियानहै॥ कालिदासविलसतसेंदुरकोविंदुचारु सुंदरगोविंदमनमोहनजियानहै ॥ सोनेतेंसलोनेभालफलकमैंसुंदरीके जगमगोदियोलैंतिलकसखियानहै ॥ राहुपैंचलायोहैमयंक जमधरसोतो रहिगयोमेंरजानउरमैंमियानहै ॥ २७२ ॥

॥ अथ अलक वर्णन ॥

सोनेसोसरीरतापैंआसमानीरङ्गचीर औरैओपकीनीरविरतनतरोनाद्वै ॥ सोमनाथकहैइंदिरासीजगमगै वाल गाढ़ कुचठाढ़ मानोंईसजुगमौनाद्वै ॥ कारीघुंघुवारीमंदपवनझकोरलागें फरहरैंअलककपोलनकेकोनाद्वै ॥ सोछविअमंदमानोपानसुधावुंदकरि इन्दुपरखेलतफनिन्दनकेछौनाद्वै ॥ २७३ ॥ तैसीचखचाहनचलन उतसाहनसों तैसोविधिविधिग्राहनथिराजतविजैठोहै ॥ तैसो भृकुटीकोठाटतैसोईदिपैलिलाट तैसोईविलोकिवेकोंपीकोप्रानपैठोहै ॥ कहैकविनीलकंठतैसीतरुनाईतामे जोबननृपतिसोफिरतऐंठोवैठोहै ॥ छूटोलटभालपरसोहै गोरेगालपर मानोरूपमालपरब्यालऐंठिवैठोहै ॥ २७४ ॥ आजुलखोललनालयङ्गलतिकासीलोनी अङ्गनतेंजाके [illegible]है ॥ खरीहीसरोवरपैठेंकरसखीनसङ्ग [illegible] ॥ मोतिनकीमालघाहकुचपैं[illegible]तनापैं परीमुखऊपरलैंलटसुकुमारहै ॥ मा-

मोसम्भुसीसपैंनिहारगंगजूकोंमिलै चलीचन्द्रबिंबतेंक-
लिन्दजाकीधारहै ॥ २७५ ॥ छोटीछोटीजुलफैंद्वै ओरन
मरोरराखीं कैधौंमुखकंजमैंमधुपअरूभानेहैं ॥ कैधौंच-
न्दमण्डलमैंपीवनपिपूषआये नागिनकेछौनामृगमदल-
पटानेहैं ॥ कैधौंकामकुञ्जरकेअंकुससुभगबने भूलिकैध-
रेहैंरैनिराजपहिचानेहैं ॥ कैधौंसिसुस्यामकेसिपाहीदो-
ऊऔनखूनी खैंचिखैंचिखञ्जरयेकौनपैरिसानेहैं ॥ २७६ ॥
निकसीससंकितकलङ्करेखछीनव्हैके बदनससीमैंदृगदेखें
अटकतहै ॥ कैधौंअलिबालपाँतिचलीथंकिकंजढिंग अ-
धरअमीकोंनागिनीसीछटकतहै ॥ पतिमिलिवेकोंभुज
जामिनीपसारीकैधौं सौतिचितचाहकीचटकचटकतहै ॥
नैननटनागरलकुटमनिकंठकैधौं कारीसटकारीप्यारील-
टलटकतहै ॥ २७७ ॥ देखेंमुखचन्दद्युतिमन्दसीलगतअ-
ति लोचनबिलोकेमृगसावकसरफहैं ॥ सोनेकैसेपातगा-
तदेखतलजातजात मैनकानकहीजातरूपकीतरफहैं ॥
मोतीमोरबेसरकोलसैलालओठनपै जैसेंमनिबिंबढिग
बुन्दनबरफहैं ॥ अतरनभीनीलटलटकैंकपोलनपैं मानो
चिविआरसीपैंफारसीहरफहैं ॥ २७८ ॥ दृगमीनबांकि-
वेकीवंसीयेसचीहैंकैधौं नागिनबचीसीपीवैंअमृतअमन्द
हैं ॥ प्रेमकेकपाटखोलिवेकीअँकुसीहैंकैधौं कैधौंयेप्र-
शादमनफांसिवेकेफन्दहैं ॥ रूपकेजहाजबीचलङ्गरलगे
हैंकैधौं मोहनीमहलपरलसतकमन्दहैं ॥ चन्दकीचट-
कपरराहुकीसटककैधौं रहीहैंलटकिलटप्यारेकेपसन्दहैं

॥ २७९ ॥ सरससिंगाररससारहीकीधारयह अंकहीकी राजनिमयङ्कमीड़डारीकी ॥ सीसफूलसीसपैदिनेसमारतण्डताकी सूछमसुताकीरुचिराजतपनारीकी ॥ चोटी चारुचित्रितसुहागिनीकीभागभरी लटकीमयूरमुखनागिनहैकारीकी ॥ केसहीकीहलकझलकझलकतलखि लगतिनपलकअलकप्रानप्यारीकी ॥ २८० ॥ सरससुगन्धघालिसीसतेंअन्हायबाल रोरीबिन्दुभालकीविसालछबिजोईहै ॥ धारीसेतसारीसोकिनारीजरतारीकोर रसिकबिहारीप्यारीसुखमैसमोईहै ॥ भीजीलटैंलोंबीआय चिपटीउरोजनपैं हेरियहउपमाअनूपउरगोईहै ॥ सीतभीतआतपमैमानोगिरिऊपरयों ठौरठौरपन्नगीपसार पोंछसोईहै ॥ २८१ ॥

॥ अथ पाटी वर्णन ॥

कैधौंवेनीपन्नगीकेफनदुहूँओरकैधौं मृगहगरोकिवेकीरूपभूपघाटीहै ॥ मुखबिधुतानेहैवितानजुगमेरेजान कमलनऊपरसिवारनकीटाटीहै॥कैधौंकरतलरसराजराखेमाथेदोऊ दीपतिदिनेसतातेंललितलिलाटीहै॥एरीआगेमोहनमयूरसेंनिरखिनाचैं घनपटलीकीपरिपाटीतेरी पाटीहै ॥ २८२॥ रातेसेतफूलनकीउटहीललितपाँति कैधौंचारुजोवनमहीपतिकीबाटीहै॥ कालिदासआसपास विलसैसलोनीश्याम कैधौंकामकुटिलबहलियाकीटाटी है ॥ एरीमृगनैनीहरिमनभटकायवेकों कैधौंपाटपूरिवेनीघाटहीकीघाटीहै । प्रेमरसपाटीसोहैप्यारीतेरीपाटी

कैधौं चारुवरमंत्रबीजबोइवेकोपाटीहै ॥ २८३ ॥ कैधौं रसनायकविहङ्गमकेजुगपच्छ कैधौंप्रतिपच्छसौतिजनके समोदके ॥ कैधौंतमपूरिद्वैकलाधरतेंछप्योआय कैधौं विप्रबालकदिवाकरकेगोदके ॥ परसरामकैधौंस्यामवेदके अनूपखण्ड कैधौंकामनटकेखिलौनामनमोदके ॥ पाटी केविभागसोहैंपियकेअटलभाग नीरभरेमानोचारुपटल पयोदके ॥ २८४ ॥ कारीनीकीनिपटसँवारीनेहचिकनाई सनिबनवारीकीबनीहैप्रेमपथकी ॥ बसनलपेटिकरमुर-लीमुकुटधरि डोरीकरिजगतमनोरथकेरथकी ॥ नूरचो-पनिपटहैताकेवलिगयोमन तहींकोभयोहैतानंगावैताके गथकी ॥ चढ़े तौचढ्योहैबाटपावैनाउतरिवेकी प्यारीते-रीपाटीकैधौंघाटीमनमथकी ॥ २८५ ॥

॥ अथ मांग वर्णन ॥

पहिलेहीललनानवेलीअलबेलीरची रचनासिमंतकी सहेलिनकेसङ्गहै ॥ कालिदासकैसीपाटीपारतबनीहैबनी अलकैंअनूपघनोबंदनकोरङ्गहै ॥ देखिमनसुंदरगुविंदको मगनभयो कैसीबनिआईमनमोहनीकीमङ्गहै ॥ लैचल्यो दुसाखाजनुदीपकजगायवेको जोबनतमीपतिकेआगेह्वै अनङ्गहै ॥ २८६ ॥ रेसमरसमसमसिररुहसुंदरीके सघन घटाकीस्यामताईअहटातहै ॥ तापैंदुहुंओरकरतलनसँ-वारिपाटी पियमनपारिवेकीघाटीदरसातहै ॥ गुम्फित गुननिगजमोतिनसँवारीमाग ताकीउपमाकोंमतिमेरी अकुलातहै ॥ तमकचमकतमपुंजकेचमूनचीर मानोचा-

रुचंद्रमाकीचौकीचलीजातहै ॥ २८७ ॥ तमकेविपिनमैं सरलपन्थसात्विकको कीधौंनीलगिरिपरगङ्गजूकीधार है ॥ कैधौंयनवारीबीचराजतरजतरेख कैधौंचंदकीन्हो अन्धकारकोप्रहारहै ॥ मापतसिंगारभूमिडोरीहास्यरसै कीकि वलिभद्रकीरतिकीलीकसुकुमारहै ॥ पयकीपसा- रचनसारकीअसारमाग अमृतकीआपगाउपाईकरतार है ॥ २८८ ॥ पाटिनमैंमागसोहैउपमाकहैसोकोहै तातें एकहियेबीचउपचारकीन्होहै ॥ वदनसरोवरमैंगालकेग- ड़ारेसौत नितरूपजलवढ़िजोवननवीनोहै ॥ नथजलभ- रिकैसरोवरउछरियुग कानकुंडउभकिकैकूपपूरिलीन्होहै॥ नेहहूैप्रवाहचल्योउचटिजोमैंनमाली ताहीलेसिंगारबा- रीमाहिकाटिदीन्होहै ॥ २८९ ॥ दुतियाकीचंदकीधौंतमके पखोहैपाले कैधौंवेनीनागजीभसुधाकोंनिकारीहै ॥ कै- धौंरतिकामदोऊकंगरिकैआपुसमें सुखभूमियोंटिहेमसी- मायोंचढारीहै ॥ कैधौंप्रेमतौलिबेकोहैंडांडीसीयनाईविधि कैधौंचंदकोपिराहुपरचोटमारीहै ॥ कैधौंसुधाधारचली नागिनकेआननतें कैधौंमागनागरीकीसखिनसुधारीहै ॥ २९० ॥ तामसीनमांगुनकीजानिकैसतोगुनधीं रूपेकी मलाकानासुऊपरचलाईहै ॥ कैधौंजगजीतकामसौंगसं- दलीपैधरी कैधौंसुधाधारराहुमदनमैंआईहै ॥ कैधौंका- उरिपिनाकीमनलाहैमेरेजान होमधूममध्यमानोआनि उरकाईहै ॥नूरकहैनिपटअधीनहोतलालमेरो प्यारीसि- रनीगीमागमोहमायनाईहै ॥ २९१ ॥ निपटनवेलीयाछ

सुघरसहेलीलाल रचिपचिसीसमागसुंदरचनाईहै ॥ ईंगुरकीचहकारीसोधीलीकलहकारी ताकीदुतिदेखिनूरउपमासुपाईहै ॥ दुहूं ओरपाटीमानोयमुनाकीछविठाटी ताकेबीचसारदाकीधारसीसुहाईहै ॥ स्यामघटामध्य मानोत्रिज्जुछटाकीसीरेख कैधौंस्यामगिरिपरधूहिपाँति छाईहै ॥ २१२ ॥

॥ अथ सीसफूल वर्णन ॥

अंगअंगभूपनजराऊकेजगमगात चौकीचमकतिछविछाजेभालगंडकी ॥ सारीजरतारीकीकिनारीसुकुमारीकीहै पसरीकिरिनरुचिराजतप्रचंडकी ॥ भागकेतखतबैठग्रोसोहतसुहागताको छत्रहैछबीलीलटलागेदुतिदंडकी॥ सीसफूलसीसदेसराजतदिनेसकेस घनघनऊपरउदैज्यों मारतंडकी ॥ २१३ ॥ कैधौंस्यामघनमैप्रकासहैप्रभाकर को कैधौंअँधियारीरैनिमधयआभाइन्दुकी ॥ कैधौंगुरुगिरिकेसिखरआनिदीयाधरयो यमुनाकेजलपरफाँईअरविंदकी ॥ कालीकेकपालपरकेसयकोपदुमपद पन्नगकेमाथेकैधौमनिहैफनिंदकी ॥ तेरेमीससीसफूलऐसोसोभा देतआली मानिनीकेपाँयँपरीमूरतिगोविंदकी ॥ २१४ ॥ जगरमगरहोतजमुनाकेजलकैधौं कोकनदकमनीयपूरनप्रभानिको ॥ सुकवितनकैधौंराजतरतनपर कारीकुंडलीसीफनिऊपरफयनिको ॥ कैधौंसुरभानुपरभानुभोर होकोकैधौं ऊग्योभौमतरदेतअनुभयतरनिको॥कैधौंप्रानप्यारीकोसैंवारिपारीपाटिनमैं सोहतसुभगसीसफूल

लालमनिको ॥२९५॥ सीससीसफूलसोहैत्रिभुवनमनमोहै उपमाकोंकविटोवैथ्रनतनत्रानको॥कंचनघटितमनिमानिकजटित लागेस्यामसेतपीतनगथ्रिथ्रिधथ्रिधानको॥ प्यारीकीसँवारीपाटीरुचिरअनूपकारी नूरमतिअनुसारीज्ञानअनुमानको ॥ स्यामगिरिथ्रिरपरप्रबलप्रचंडकर मेरेजानप्रातहींउदोतअंसुमानको॥२९६॥ याद्ररसालपरदामिनीकोख्यालकैधौं चंपककीमालसीलसतबाललालपै ॥ रतिकेमुकुरपैभुअंगिनिलसतिकैधौं कैधौंकारीलटलटकतगोरेगालपै॥द्विजराजश्रीपतिरसिकमनिसीसफूल उचकिउचकिकैपरतआछेभालपै ॥ मेरेजाननखतसमेत रविनटवर प्यारीथ्रालीभरिनाचीकालीकेकपालपै॥२९७॥

॥ अथ केस वर्णन ॥

कारेसटकारेफटकारेषटकारेनेकु धूपदैसँवारेसुखमासमूहबसिगो ॥ कोकिलाकुहूकीसोदुहू कोकियोमैलोमन कासीरामभौंरनिकोभावनीकेनसिगो ॥ सावनकेघनथनसघनतमालतरु तरनितनूजाताहिहेरिहियोहँसिगो॥ तेरेतनरूपकीतरङ्गिनीतरनमम पैरिधारपारनसेवारनिमेफसिगो॥२९८॥ कारेकजरारेसटकारेघुंघुवारेप्यारे मनिफनियारेभौंरपायनलौंउटेहैं ॥ घासेहैंफुलेलतेंनरममखतूलऐसे दीरघदराजथ्यालथ्यालिनलौंजूटेहैं ॥ घासीरामघारुचौंरयमुनासिवारवारौं ऐसीस्यामताईपैंगगनघनलूटेहैं ॥ छाइजैहैतिमिरविहायरैनिआइजैहै झारिबाँधिअजहू सँभारयारछूटेहैं ॥ २९९ ॥ गराकिगुलाबनीर

चीरसोंलपटिकरै आपअङ्गरङ्गरंगेआभाअतिअगरे ॥ जावकजयानमिलिछाजतछवानछबि जिनकीदयानघनभौंरहाहिडगरे ॥ मृगमदकज्जलकलिन्दीतमधूमधार कासीरामयारिबेकोंओरस्यामसगरे ॥ नैनपाइबेकोफल हांनदेरीपूरीमतवोधिप्यारीजूरोतूरहेदैबारघगरे ॥ ३००॥ रेसमलछारेरसराजरँगिढारेतिन्हैं उपमासुधारेसोहैंमति नगुनीनके ॥ प्यारीतेरेबारमेंरेजानहैंरचेबिरंचि संचि करिकारेरंगसकलदुनीनके ॥ देखिकेसिमंतवंतविधुरेसनेहवंत धुद्धिवंतकैसेरहैंगुननगुनीनके ॥ लेतस्यामताई कालकूटहूकीआइपुनि ताकीप्रभुताईमनमोहतमुनीन के ॥ ३०१ ॥ लैंावेसुललितलहकारेसटकारेकारे कंचनके खंभफैलेपन्नगकुमारहैं ॥ मधुकरभारमखतूलकैसेतारकैधौं मरकतमनिछबिदारतमधारहैं ॥ राजैंमनिकंठरसराजके कुमारकैधौं सुखमासरोवरकेसुधरेसिवारहैं ॥ अंजनके सारपियमनकेहरनहार कैधौंयाछबीलीकेछबीलेछूटेबारहैं ॥ ३०२ ॥ लैंावेलहकारेसटकारेसुकुमारेकारे मृगमद धारेमखतूलकैसेतारहैं ॥ तमकेनिवासकैधौंतामसप्रकास के सिंगारकेसरोवरमैसुधरेसिवारहैं ॥ मारसिरमौरकेमुबारकयेभौंरकीधौं चातुरीकेचोरमनिमैचककेसारहैं ॥ ससिकेसमीपकैधौंराहुकीरसनसोहै नागिनकेबारकैसुहागिनकेबारहैं ॥ ३०३ ॥ मरकततारकैधौंकालीकेकुमारकैधौं तमगुनहारकैधौंलतिकासिंगारहैं ॥ कुहूकीकिरिन धारकैधौंकोपकलाचार सनिकीकतारकैधौंउठीधूमधार

हैं ॥ स्याममखतूलतारसोभितसिवारकैधो चमरसिंगार
कैधोंमोहकेपसारहैं ॥ खैंचिमृगमदसारडोरीग्रटीकैधों
मार मारअवतारकेधोंदारतेरेवारहैं ॥ ३०४ ॥ कैधोंकर
तारतारसरससिंगारहीतें कीन्हेहैनिकारतातेंसुखमाअ-
पारहैं ॥ कैधोंमारपटहारनिरवारिझारझार सोईमख-
तूलतूलसोभितसुधारहैं ॥ सुखकेउदारूपतारकेसेवारकै-
धों कीधौंतापकान्हरकुमारजूकेप्यारहैं ॥ सटकारसुकु-
मारमनकेहरनहार कीधोंयेजरवदारदारतेरेवारहैं ॥३०५॥
जोग्रनसरोवरकेकोमलसिवारमूल कामतनतूलमखतूल
केसेतारहैं ॥ पंचसरसिन्धुरकेस्यामचौंरभौंरकीधों कैधों
सरसहजसिंगाररससारहैं ॥ माथेमारमरकतमनिकेमयूप
कीधौं कीधौंधरेचंदपरतिमिरकोंवारहैं ॥ लौंयेलौंयेजा-
मेज्योतिलताकेयितानकेधौं कैधौंस्यामघरनछग्रीलेछूटे
यारहैं ॥ ३०६ ॥ मरकतसूतकैधौंपन्नगकेपूतकैधौं राजत
अभूततमराजकेसेनारहैं ॥ मखतूलगुनग्रामसोभितसरस
स्याम काममृगकाननकेकुहूकेकुमारहैं ॥ कोपकीकिरनि
कैधौंनीलनलिनीकेतंतु उपमाअनन्तचारुचँवरसिंगारहैं॥
कारेमटकारेभीजेसौंधेसौंसुगंधयाग ऐसेयालिभद्रनयबा-
लानेरेवारहैं ॥ ३०७ ॥ कोमलकुटिलनीलमनिकीमिरासे
चम यिमलविमालचारुचीकनेनगारिके ॥ सुंदरउदारकच
नूपुरसैंजानिलागे उनयेमघनमानोंगृषमार्गोभरिके ॥
[illegible] गोपालहोर्ये मोहनदिनेसमनमां-
र्के ॥ भौंरनकेभारमखतूलनकेनारदेरे हांसनि-

सियारछूटेबारयेकुंवरिके॥ ३०८॥ सोंधेसुकुमारकेसिवार तंतुतारकीधौं मेचकचँवरचारुकामनरनारिके॥कैधौंमा- याजलजोगजामीमरकतभूमि मनअभिलापउखरसेरस वारिके॥ निधिनीलमंजरीमयूपप्रतिबिंबकैधौं सुंदरवि- सदस्यामलोंबसमतारिके॥ तमीतमतारकेअगारधूमधार कैधौं छूटेबारवारवृपभानकीकुमारिके ॥ ३०९ ॥ कैसेहैं सिवारजैसेस्याममखतूलतार कैसेहैंसुतारजैसेअहिकेकु- मारहैं॥कैसेहैंकुमारजैसेमोरपखवारकहि कैसेपखवारजै- सेअलिनकेद्वारहैं ॥ कैसेहैंसुद्दारजैसेकामचौंरवारवार क- हिकैसेचौंरवारजैसेसघनसुधारहैं ॥ कैसेहैंसुधारजैसेखो- ढसिंगारकहि कैसेहैंसिंगारजैसेप्यारीतिरेवारहैं॥ ३१०॥

॥ अथ वेनी वर्णन ॥

लौंबीलहकारीअतिकारीसुकुमारी सखियाँननैसुधा- रीमत्तमधुपकीसेनीहै ॥ डारतकलंकहिकलानिधिनिचो- रिकैधौं कैधौंमनधीरजबिदारिबेकीछैनीहै ॥ नागरिस नालमुखकंजसीलगीहैकैधौं कैधौंकारीनागिनिनिपटसु- खदेनीहै ॥ कीनोतमपानकीतमीपतिकेपाछेपरी कैधौं अंधकारधारकैधौंयहंबेनीहै॥ ३११ ॥ लौंबीलहकारीबहु पेचनकीभारीओर गरकसोंधेसारीसोन्याभेअतिभोक की ॥ बरनोकहाँलौंओपमदनकीतोपकैधौं इन्द्रकरि कोपतररानीएकओककी ॥ नटुवाकीसाटिकैधौंआलम सुधायबेकी कहाँलौंबखानोहौंपद्मयोनविधिकोककी ॥ नागिनकैतिमिरछपाकरमैछायरह्यो कटिपरबेनीकैनि-

सेनीसुरलोककी ॥ ३१२ ॥ कैधौंमुखकमलचलोहैअलि
मालमिलि कैधौंकामभूपकीकृपानहरलेनीहै ॥ चाखन
अधरअमीचढ़ीनागनागिनीसो मुखानिरखिरहीआधे
मगगैनीहै ॥ कैधौंलालसीसफूलसूरजसुताकीधार कै-
धौंरसरासनदीजातिअतिपैनीहै ॥ पावसकीरैनीनैनचा-
तकनंदनीसुख कैधौंमृगनैनीकीयनायगुहीबेनीहै॥३१३॥
नीलमनिमईमनमथकीनिसेनीकीधौं मधुकरश्रेनीहैमल-
तासोंरसतिहै ॥ हाटकचटीतेंकैधौंकज्जलकीधाराधसी
पीठिपरपाछेकीधौंजनमरसतिहै ॥ कैधौंछबिछायाहै
छपाकरकेमध्यकीधौं नागवधूपीछेआनिपगपरसतिहै॥
लालसेतगुनगुहीसबसुखदेनीकीधौं बेनीदृगएनीकीत्रि-
बेनीदरसतिहै ॥ ३१४ ॥ कंचनकीपाटीपरकाजरकीधार
मानो रूपमालऊपैंअलिमालल‌टकतिहै ॥ कैधौंरतिना-
यककेपीठपैंसिंगारलीक देखिकबितानकीसुमतिअटक-
तिहै ॥ श्रीपतिभनतकैधौंकेसरिकेखंभपै सदंभभईमर-
कतलरीछटकतिहै ॥ कारीलहकारीबेनीपीठिपैसजति
मानो रँगीरङ्गपाटीपैभुजङ्गीसटकतिहै ॥ ३१५ ॥ यारन
कीरचनारचीहैप्रानप्यारीएरी भलीतेरीपूरयजनमकछू
देनीहै ॥ पीठिपरमोहतयोंसुघरनभूमिपर दीनीधौंसिं-
गाररूपरगकीधरेनीहै ॥ चिन्तामनिमानोअङ्गसहजसु-
बासबास कनककलनामिलपटानी अलिस्रेनीहै ॥ माल-
तीकेफूलनललितलालगुनगूंथी बेनीमोलसतिमगनैनीति-
रीबेनीहै ॥ ३१६ ॥ चंदनचढ़ायचारुकुंकुमलगायपीठि फो-

धैंनिसिनाथनिसिनेहसोंदुराईहै ॥ कीधौंयंदीवंदनछि-
रकिछीरसापिनिसी अलिअवलीसमीपसुधासुधिआईहै॥
केसोदासहासरसमिलिअनुरागरस सरससिंगाररसधार
धराधाईहै ॥ मेलिमालतीकीमाललालडोरीगोरीगुहि बे-
नीपिकवेनीकोत्रिवेनीसीबनाईहै ॥ ३१७ ॥ कैधौंससिका-
लिमाउतारिमेलिपाछेधरी कैधौंअँधियारीकारीनागिन
केकूलकी ॥ कैसीकरधारकीधौंकुहूकीकुमारकीधौं कालिं-
दीकीधारकीधौंसुधारसमूलकी ॥ आननमैंअंबुजअसि-
ततननागिनसी मनिसीविराजैमाथेसोभासीसफूलकी ॥
रङ्गरूपरेनीघनस्यामसुखदेनीकीधौं अलिकुलश्रेनीसोहै
वेनीमखतूलकी ॥ ३१८ ॥ वेनीनवबालकीबनायगुहीअ-
लिभद्र कुसुमअरुनपाटमनमोहियतुहै ॥ कारीसटकारी
नीकीराजतिनितंबनिपै पन्नगकेनारिनकीदुतिदहियतु
है ॥ सात्विकसिताईअसिताईत्तेजतामसकी राजसरिताई
मिलिरूपरोहियतुहै॥त्रिगुनवपुधारधिभुवनजीतिवेकों
मानोमहामायाकोसरूपसोहियतुहै ॥ ३१९ ॥ मोहनोकि
अजिरमैंपरीकेधौंखेलिवेकी मारछोहराकीछरीचितअ-
वरोहिये ॥ फनकलतापैहै कैलरक्योहैकालीकेधौं चांदिनी
केपोछेतमपुंजधरजोहिये ॥ सुखमात्रिधामकीलगीहैपा-
छेरसराज तामैंकै धौंकालिकाकोरूपमनमोहिये ॥ मान
गृहहेमपाटपैधौंमरकतश्रेनी कैधौंगोरीपाटीपरचोटी
चारुसोहिये ॥ ३२० ॥ पीठितनताकतहोंदोठिडसिलेतफे-
रि फैलिकै विपमविपरोमरोमछावतो ॥ छिनकमैंऐसे

हालकेतनकेहोतेतब एतेकोऊगारुडोकहूँतेंढूँढ़िलावतो॥ ईस्वरदुहाईजोपेहोतीवाकेऐसीव्याली कालीकोनथैया कान्हकाहेकोंकहावतो॥ मुरिमुसकानिमंत्रजानतीनराधे तो यावेनीकेडसनव्रजवसननपावतो ॥ ३२१ ॥

॥ अथ जूरा वर्णन ॥

कैधौंनागगिंडुरीदैफनउकसायबैठ्यो कैधौंकामअंकुससँवारिवेकोपूराहै ॥ कज्जनकोगुटिकासोपाटीपारिवेकोराख्यो कैधौंसालिग्रामकोअनूपरूपसूराहै ॥ कैधौं सनिकरततपरयातीरकालिंदीके वृंदाकोसोफलदेखियत मनरूराहै ॥ चीकनोचटकचटकारोकारीस्यामहूतें ऐसो सीसप्यारीकेविराजमानजूराहै ॥ ३२२ ॥ अचरजकला कलाधरराखीपीछेकैधौं कैधौंसुरभानुजानिकरवैरको- ध्योहै ॥ कैधौंकंजकोसढिंगअलिपुंजगुंजरत मंजुलमनो- जमृगजानिसरसँध्योहै ॥ कैधौंअहिकारेलहकारेतेलहर यारे सुधाकरजानिकैनवीननेहनाध्योहै ॥ चीकनेचिकु- रचारुचहचह्योजूरोरयाम ऐंठिग्वैंठिलटनिलपेटमनबाँ- ध्योहै ॥ ३२३ ॥ कैधौंपुरहूतधारीघाटिकाकोनारियर दे- खिनोपअद्भुतलायतजहूराहै ॥ कैधौंमहकरतारधारिको भटाउदार कैधौंकामयामधामछबिकोकँगूराहै॥कैधौंनी- लकंजकोकलीहैकपनालहीकी यालकोवदनआगेतेंसांधि- धुपूराहै ॥ मूराहैगढराकैसिंगारहीकोक्रूराकैधौं मार कोमदूराकैधौंप्यारीतेरोजूराहै ॥ ३२४ ॥

इतिश्रीशृङ्गारसुधाकरेनखशिखवर्णनोनामप्रथमःमयूखः॥

॥ अथआलंबनविभावनायिकालक्षण ॥

दो० । मनमनोजअसहोतहठि जाकोनिरखतरूप ।
ताहीतियकोंनायिका वरनतसुकविअनूप ॥ यथा॥

लाजभरीभागभरीसुंदरसुहागभरी रागभरीरतिमैंपियाकोसुखदायिका ॥ राजैरतिरूपखरीसीलभरीसोभित है गुनगनआगरीकरतिहायभायिका ॥ भौनकविकहत बिलोकतहीजासुअंग प्रगटैअनंगरसराशिउपजायिका ॥ चैनमनभायिकामनोरथसहायिका सुचितचोपचायिका बखानैताहिनायिका ॥ १ ॥ जगरमगरजरबाफियेबसनसाजे जवरजराऊझक्कझलकप्रमानकी ॥ अंगअंगरंग रंगअमलतरंगमई अमिलउमंगहैनऐसीओपआनकी ॥ ठाकुरनिहारीयेरचनकविनोदवारी भारीभीरसोहैसंगसुंदरीतियानकी॥भलीभाँतिकरतिप्रकासितगलीहैयह आयतिचलीहैलालीहैंत्रपभानकी ॥ २ ॥ आईबरसानेतें बुलाईवृषभानसुता निरखिप्रभानप्रभाभानुकीअथैगई ॥ चकिचकवानकेचुकायेचकचोरानसों चौंकतचकोर चकचौंधीसीचकैगई ॥ नंदजूकेनंदनकेनैननिअनंदमई नंदजूकेमंदिरनचंदमईछैगई ॥ कंजनकलिनमईकुंजन अलिनमई गोकुलकीगलिननलिनमईकैगई ॥ ३ ॥ फटिकसिलानसोंसुधाखोसुधामंदिर उदधिदधिकैसीअधिकाईउमगेअमन्द ॥ भीतरतेंबाहिरलौंभीतिनदिखाईदेत दूधकैसोफेनफैल्योआँगनफरसबन्द ॥ तारासीतसनि

तामैठाढ़ीझिलिमिलिहोति मोतिनकीजोतिमिलिमहि
काकोमकरन्द ॥ आरसीसेअंवरमैआभासीउजारीलगै
प्यारीराधिकाकेप्रतिबिंबसोलगतचन्द ॥ ४ ॥ चारुचाँ-
दनीमैसाजिसोनेकेसिंघासनपै बैठीपैन्हिपरमपोसाक
जरतारीकी ॥ जटितजवाहिरातजगरमगरसाजे जेवर
तमामइतमामअधिकारीकी ॥ पानखातिपंखाहोतहँस-
तिसखीनसंग दूरखरीपौरिपासपौंतिप्रतिहारीकी ॥ चा-
होचलिचाहौचोरीघोराबाँधिरैहौचाहि ठाकुरठसकठकु-
राइनहमारीकी ॥ ५ ॥ छूटेछएछवालौंछबीलेघुघुवारे
वार खंजनसेलोचनबदनसुधाधरसो ॥ पीनकुचछीन
लंकनिबिड़नितंबनाभी त्रिवलीजघनमहामोहनीकेघर
सो ॥ पंकजसेपानिपाँयँबेलीसीभुजाहैंजापै द्विजजूगोरा-
ईकोघुमड़िघनबरसो ॥ चाहनसोंपैइनकेपासहीरहोगे
जहाँराधाठकुराइनकोरूपरंगदरसो ॥ ६ ॥ लगतसमीर
लंकलहकैसमूलअंग फूलसेदुकूलनिसुगंधबिथुरयोपरै ॥
चंदसोबदनमंदहाँसीसुधाबिंदु अरबिंदनमुदितमकरंदन
मुरयोपरै ॥ ललितलिलारश्रमझलकअलकभार मगमै
धरतपगजावकघुरयोपरै ॥ देयमनिनूपुरपदुमपदहूपरछै
भूपरअनूपरंगरूपनिचुरयोपरै ॥ ७ ॥ चंद्रप्रतिबिंबऐसो
जानिपरैजाकेआगेंनापउचिआननअनूपप्रह्लरानीके ॥
लोचनकुरंगजलजातमीनखंजनके रंजनरसीलेमदभंज-
नप्रवानीके ॥ औरसबअंगकोनिकाइमैकहाँलौंकहौं पा-
यनकोओरकोनराधाठकुरानीके ॥ प्यारीकेचलतऐगैल-

सतधरामैजैसे पॉवड़े परतहैंयनातसुलतानीके ॥ ८ ॥ छ-
हरैछबीलीछटाछूटिछितिमंडलमैं उमगउजेरीमहाओज
उजयकसी ॥ कबिपजनेसकंजमंजुलमुखीकेगात उपमा
दिखातकलकुंदनतबकसी ॥ फैलीदीपदीपनलौंदीपति
दिपतजाकी दीपमालिकाकीरहीदीपतिदबकसी ॥ रहति
नताबदेखेंमुखमहताब जबनिकसीसितावमहतावकेभ-
भकसी ॥ ९ ॥ आजुमुखचंदपररोषनरुचिरभाल कौन
व्रजचंदकीबिकाबनिसिताबकी ॥ छाजतिछबीलीछबि
बरनीनजातिमोपै हरिनीहितूजनकेहियकेहिताबकी ॥
रसिकीनरंभाकीनसचीउरबसीहूकी धारिवारिहारियत
उपमाकिताबकी ॥ गालियगुलाबकीनपंकजकेआबकी
रहीनआफताबकीनतावमहताबकी ॥१०॥ जोबनउज्या-
रीप्यारीबैठीरंगरावटीमैं मुखकीमरीचीयोंदरीचीबीच
फलकैं ॥ भूधरसुकबियौंकोभौंहैंमनमोहैंखरी खंजनसी
आँखैंबनीसुमनसीपलकैं ॥ सीसफूलबेनीबेंदीबीरीऔर
बंदनकी चंदनकेचरचाकीचारुछबिछलकैं ॥ कोरवारी
चूनरिचकोरवारीचितवनि मोरवारीबेसरिमरोरवारीअ-
लकैं ॥ ११ ॥ सुघरेसँवारिवारसेंदुरसोंमागभरे सीसफूल
जोतिसबजोतिनतेंआगरी ॥ सारीजरतारीकीपैंकिरिन
किनारीभाल रोरीआड़बिंदियाजटितरत्नीलागरी ॥ बड़े
नैनछोटीनथगोरेमुखपानरच्यो मेहँदीचुवतदयानिधि
अनुरागरी ॥ गरबगहेलीछबिपैंबनतेंपेलीदेखु हेलीया
नवेलीअलबेलीकोसोहागरी ॥ १२ ॥ कुन्दनसेअङ्गनवजो-

घनसुरंगठठे उरजउतंगघनप्यारोपरसतहै ॥ सोहतकि
नारीधारीतनसुखसारीदेष सीससीसफूलअधखुल्योदरस
तहै ॥ मेंदियाजराऊयहै मोतिनसोंनीकीनथ हँसतितसों
ननिमेंरूपसरसतहै ॥ गोरीगजगौनीलोनीनयलदुलहि
याके भागभरेमुखपैंसोहागयरसतहै ॥ १३ ॥ भूपनज
रायनकेपॉयनअनोटओट कंचनअनूपरूपसॉचेहीकीढ
रीसी ॥ घूंघुरूपायलपरजेहरविराजेओर छाजेछुद्रघं
टिकानिहारिमतिहारीसी ॥ कंठकंठमालमाथेबेंदीलाल
लालकीहै भालकीदिनेसदुतिदेखेंलागैतारीसी ॥ मनिम
यधारीनखसिखउजियारीनिसि कारीनीलसारीजगमग
तदियारीसी ॥१४॥ सुंदरसुरंगनैनसोभितअनंगरंग अंग
अंगफैलततरंगपरिमलके ॥ वारनकेभारसुकुमारिकोल
चतलंक राजेपरजंकपरभीतरमहलके ॥ कहैपदमाकरवि
लोकिजनरीझैंजाहि अंबरअमलकेसकलजलथलके॥को
मलकमलकेगुलावनकेदलकेसु जातगड़िपायनविछौन
मखमलके ॥ १५ ॥ हारहीकेभारउरभारनासँभारैनारि
अलपअहाररसवासकोअहारहै ॥ सीरेतेंसिरातितातेंता
तीव्हैव्हैजाति डोलैपौनकेपरसप्यारीपानकैसोढारहै ॥
कहैकविआलमनरतिहूनरंभाहून मैनकाघृताचीऐसोरूप
कोअपारहै ॥ वानकविचित्रओनचित्रमैनऐसीकोऊ चित्र
त्रलिखिपूतरीजिआईकरतारहै ॥ १६ ॥ नाइननवेलीलाई
पाइनकोंजावकयाँ एहीसुखदाइनकुसुमरसऊपरत ॥
केसरगुलावसानिआन्योआलीलेपनसो तनतनकाहूपैन

परस्योकहू परत ॥ अगरकीधूपधारधारनघसाएसोभ धारुअंगभारसोभभरिभ्रमेभूपरत ॥ बालकेप्रबालऐसेकोमलकरन फूल मालकेछुवतलालरंगचपिचूपरत ॥ १७ ॥ धरनधरैनभूमिबिहरैजहाँहींतहाँ फूलेफूलफूलनबिछाई परजंकहे ॥ भारकेडरनिसुकुमारिचारुअंगनमे अंगना लगावैरागकेसरकोपंकहे ॥ कबिमतिरामलखिबातायन बीचमुख आतपमलिनहोतग्रदलमयंकहे ॥ कैसेंसुकुमारिवहबाहिरबिजनआवे बिजनबयारलागेंलचकतलंक है ॥ १८ ॥ पलिकातेंपायजोधरतिधायधरनीमे छालेपरैं पगमाक्रपैंडकगवनतें ॥ लीलैजोतमोलतौतोतापआवै धलिभद्र होतिहैअरुचिपानपीकअचवनतें ॥हारनकभारओरचीरहूकेतनभार यातेंनहींबामहोतिबाहिरभवन तें ॥ लागेजोसमीरतौतोखुरेपरैंसौतिनके फूलज्योंउड़त प्यारीपंखाकेपवनतें ॥ १९ ॥ लहलहीलहरैंलुनाईकीउदितअंग उघकेकुचनकैसीकंचुकीयोंगचकी ॥ मंदपगधरतिमरूकरिगयंदगति चंदमुखीचोदनीचकितचाहसचकी ॥ कैसेंघनस्यामबहधामबनधामआवै धामकेलगेतें कामलताजातिपचकी ॥ अतिसुकुमारसिसिकतिभारहारनके धारनकेभारकैयोबारलंकलचकी ॥ २० ॥ जमुना केआगमनमारगमेभारतन भौंरनिकीभीरनिपेटीसीलखिपायोहे ॥ संतनसुकबिसुखखानिपदमिनितेरे रूपके तरंगनिअनंगदरसायोहे ॥ बाहिरकढ़नकहैतोसोंसो अयानीकौन लैहैमदनामीघेरघरघरछायोहै ॥ पटकील-

पटलपटतितादिनातेआज मानोउनगलिनगुलाबछिर कायोहै ॥ २१ ॥ मौलसिरीरासतेंनमालतीहुलासतें गुलाबघरदासतेंनमानखसखासतें ॥ बेलाकेबिलासतेंजुही केपरगासतें निवारिहूकीआसतेंनसेवतीउजासतें ॥ चंपकचिकासतेंनकेवरेनिकासतेंन सेवकप्रकासतेंमलैकेउजुवासतें ॥ लाड़िलीकेहासतेंरुअंगकीसुवासतेंसु छैरह्योसुबासितअवासआसपासतें ॥ २२ ॥ फूलेहैंनसरद सरोजइहिसमेकहूं फूलेहैंनफूलफैल्योसौरभकहांतेहै ॥ चंपकथलीनमिलिमालतीहूअवलीन केसरिपरासिपौन आयोनतहांतेहै ॥ तोलयोहैनघनसारखोल्योनाकुरंगसार सौरभअपारपारावारकोजहांतेहै ॥ वल्लभरसिकहमजानीलपटानोप्यारी आईरंगमहलमैंमिलनउहांतेहै ॥२३॥ रोहिनीरमनकीमरीचीसीसुखदसीरी सोहनीसरसमहा मोहनीकैथलसी ॥ श्रीपतिसुकबियालारयिकेकिरिन ऐसी मदनमुकुरसीअमलगंगाजलसी ॥ ग्वालिगरबीली जाकेगातकीगोराईआगे चपलानिकाईऐसीलागतसहल सी ॥ माखनमहलसीपरागकेचहलसी गुलाबकेपहलसी नरममखमलसी ॥ २४ ॥ चोपकरिचिरचौविरंचिरूपरासिकैसी कोककीकलासीचारुचातुरीकीसालासी ॥ चंद्रमाकीचांदनीसीधामीकरचपलासी पीतमसुधासीछोति मोतिनकीहालासी॥कहामंजुघोषाउरबसीऔमुकेसीद जाकीछविआगेवारियतमैनवालासी ॥ चंपककीमा ... रितुसिसिरदुमालाहोतिग्रीषममैं

पालासी ॥ २५ ॥ आवतिहींदेखेआजुयलिगईघलिदेखो
रगुनाथठाढ़ीएकपटदीन्हेद्वारियै ॥ एतिकसुगंधफैल्यो
गलीमानोछिरकिके तरकीन्हीअतरगुलाबकीदैफारियै ॥
घरनोकहांलौं नखसिखकीसकलसोभा परएतेरूपकीय-
नाईविधिग्वारियै ॥ देवनकेऔनवारीदेवदेवसैनवारी
एहोलालजावैयालमैनवारीवारियै ॥ २६ ॥ गोरेतन सेत
सारीसोभितसुगंधधारी कुंदनकीवेलीपरमानोगंगआ-
कासी ॥ मैनवधूमैनकातिलीत्रमासोंजीतिजीति चारु-
तासोंचहूं घाचलावतिहैसाकासी ॥ कहैशिवकविकरैमंद
हासकोप्रकास द्यौसचारचाँदनीऔंधेरीरातिराकासी ॥
नीरेहोतनेसुककरतिसरिहगमहा कमनीयकामिनीकपूर
कीसलाकासी ॥ २७ ॥ आजुएकललनाअन्हातमैनिहा-
रीलाल पीनपयोधरबीनग्रानीछीनलंकहै ॥ जमुनाके
जलबीचकंठकेप्रमानपैठि पोंछैजोलिलारलाग्योमृगमद
अंकहै ॥ मुखअरुपानिकोपरसभयैरघुनाथ ऐसीआनि
लसीसोभापरमअसंकहै ॥ वारिजकोनातोमानिधौलक-
रियेकोंमानो कौलकलानिधिमेकोधोयतकलंकहै ॥ २८ ॥
रातपियचांदनीविलोकिवेकोंरनिवास सिगरीबुलाईमो-
दमंदिरमेभरिगो ॥ रघुनाथतासमैकीसोभाकोसमाजदेखि
रीझरह्योमोपैनबखानकछूकरिगो ॥ घूंघुटखुलतहीदुल-
हियाकेआननतें दसहूं दिसानमेप्रकासयोंबगरिगो ॥ द-
रिगोगुमानसबसौतिनकेजीकोभटू तारनसमेततारापति
फीकोपरिगो ॥ २९ ॥ पीतसितमिश्रितसुकेसनललितसा-

री॰ जंगितजवारीजोतिमोतिनजगीपरै ॥ हीरनकेप्रद प्रकासप्रतिबिंबतापैं पगपगमगजगमगउमगीपरै ॥ मकेतमनिनचन्द्रिकानचकचौंधैकौंधै पजनप्रियाकेअंगअद्भ तपगीपरै ॥ वरुकसुगंधचंदनादिकमहकमूक पावक लहकक्षाकिदहकदगीपरै ॥ ३० ॥ तनकीसुबासआसपासरासमंडलमैं भौंरनकीभीरभारीदेखियतओरतें ॥ संतनकहतलोनेलौंककीलोनाईलखि लचकनिविपुलनितंबक्षककोरतें ॥ पौंवनतेलखिदरदावनकिनारी गजमोतिनसोंसारीजरतारीओरछोरतें ॥ स्यामघनघटनतैंनिकसिनिसंकमानो चंदमुखचपलनिघेरयोचहुंओरतें ॥३१॥ गोरीगरबीलीउठीऊंघतउघारेगात देवकविनीलपटलपटीकपटसी ॥ भानुकीकिरिनिउदैसानकंदरातेंकढ़ी सोभछविकीन्हींतमतोमपैंदपटसी ॥ सोनेकीसलाकास्यामपेटीतेंलपेटीकढ़ी पन्नातेंनिकारीपोखराजकेक्षपटसी॥ नीलघनतड़िनसुधायधूमधुंधुरित धायकरधसोदायांपायकलपटसी ॥ ३२ ॥ वालाकोऊसेयकविसालाइहिंघरमाक्ष मालारूपरंगकीसीचित्तमैचढ़तिहै ॥ नखसिखनजरिनआयेचखघो धनिसों जगमगमाचेमोदमंत्रसोंमढ़तिहै ॥ ऐसीदिव्यदीपनिनदेखोकहूं औरठौर ठौरठौर फौरिझौनप्रागिसीघढ़तिहै ॥ आगिसीकढ़तियढ़ग्रागि सोंकढ़तिदाया दागसीकढ़तिकामलागसीकढ़तिहै ॥३३॥ सुखमासदनभूरिभूषितबदनजाको गोहृसघटोनोबारु चंदहूतेंचोखोमों ॥ छाढ़िकुंजमंजुरहेघेरिभौंरपुंजपाय

अङ्गग्रारीसौरभसमूहअनजोखोसो॥ बचनबिलासबेसजाकोहनुमानकहै रातैं।दिनरहतपियूषहूपैरोखोसो॥ छबिसों अपारबैठीभौनदेकिवारतऊ बारबारहोतबीरबाजुरीको धोखोसो॥ ३४॥ जाकेअवदातकलकुंदनसेगातआगे नेकहूनदीपतिहैदीपतिचमेलीकी॥ मुखसुखमाकीकहूं उपमानपाऊं जासुपायनकीलालीकंजलालिमादबेलीकी॥ दीपतिमसालसीहैबालहनुमानजासों हूरहीबिसालसोभाऔरहीहवेलीकी॥ सङ्गमैसहेलीसबैसोहतीनबेलीतऊ राजतिअकेलीछटाछूटीअलबेलीकी॥ ३५॥ चंदद्युतिवृंद कौंनिचोरिकैबनायोकैधौं भानुछबिछोरियोंबिलोकिसगरोपरै॥ सेवकअनतकोटिकुंदनतपेकोरूप रोचकलैबिरचि बिरंचिअगरोपरै॥ बीजुरीकेसारकैदवागिनकेभाररच्यो राधेकेबिचारमैंपाकक्षगरोपरै॥ मदनउमङ्गनतैंरङ्गनके सङ्ग प्रतिअङ्गनतेंजाकेछबिपुंजयगरोपरै॥३६॥ दन्तनकी दमकद्यबैद्युतिहीरनकी अधरप्रबालनतेंअतिअगरोपरै॥ मंजुलकपोलनकोकलकमनीयतासों अनुपममुकुर सरूपरगरोपरै॥ निरखोनखनकीनिकाईद्विजऐसीभाँति उपमानजिनतेंसहमिसगरोपरै॥ अमितउमङ्गनतेंकहिये कहाँलौं प्रतिअङ्गनतेंजाकेछबिपुंजयगरोपरै॥ ३७॥

दोहा०। तीनभाँतिसोनायिका बरनतसबकबिराय॥
स्वकियापरकीयाबहुरि सामान्यासुखदाय॥

तत्र स्वकीया लच्छन।

दोहा। बचनकायमनतेंजुतिय राखतिपतिमैप्रेम॥

सीलसुधाईलाजजुत यहस्वकियाकोनेम ॥ यथा॥
रँगीप्रेमरङ्गमैविविधरङ्गअङ्गअङ्ग चातुरीचपनगुनजामैअतिलाजहै ॥ सत्यकेसलिलमाझविहरैनवीननित्य नीतिछमतोनकीझकोरैंविविपाजहै ।.मंदहाँसरसकोविलासमृदुताकीरास सुहृदप्रकासभरीसुखमासमाजहै ॥ सीलवादवानकेपवनसोंगवनमंद पतिव्रतसागरकीसुन्दरीजहाजहै ॥ ३८ ॥ पानिचरनोदकलैउदककरतपान परसैपियूपपानिअसनग्रहेस्वरै ॥ पुहुमीपरसपदसरस सनेहहग दीठिकरैपाँवड़ेविमलसरचेस्वरै ॥ लीनलौंदरस रीझबूझनछरसएक रसहीयरसवीतेध्याइधरमेस्वरै ॥ आनतिगनेस्वरैनमानतिमहेस्वरैसु जानतिहैप्यारीप्रानपतिपरमेस्वरै ॥ ३९ ॥ सोभितस्वकीयागनगुनगनतीमै तहाँ तेरेनामहीकीएकरेखारेखियतुहै ॥ कहैपदुमाकरपगीयोंपतिप्रेमहीमै पदमिनितोसीतियातूहीपेखियतुहै ॥ सुबरनरूपजैसोतैसोसीलसौरभहै याहीतेंतिहारोतनधन्यलेखियतुहै ॥ सोनेमेसुगंधनसुगंधमैसुन्योरीसोनो सोनोऔसुगंधतोमैदोऊदेखियतुहै ॥ ४० ॥ सौंहीहोतिकयहूं नकयहूं रिसोंहीहोति भौंहनिहसौंहीमनआलिनलयेरहैं॥ सानुकेंडसानुनिमरनिसरमिजमुखी सलजसलोनीसील सुंदरसयेरहैं ॥ भागभरीललितसुहागअनुरागभरी भारे भरघूंघुटघनेरोमोदयेरहैं ॥ लोचनजुगुलजसबंतनित प्रानिजाके पतिपदपङ्कजकेभैंयरभयेरहैं ॥ ४१ ॥ मानकरैमीनवौंपानरतिर्भानवौं जुयानसखिवौनवौंजेप्रगं-

टैछमाजरी ॥ लीलाधरहासकोनिवासदंतथासलौं वि-
लोकनिविलासपगन्यासलौंरुचैखरी ॥ दूसरोपुरुपअ-
भिलापकरिबेकोंतेवे कैसेकरिकरैंकुलवधूरूपआगरी ॥
देखियतचित्रकोंजोदूजेकेभरम फिरिजातीफिरछिनक-
फिरह्वैकैसीपूतरी ॥ ४२ ॥ श्रौनसखियानकेवचनरचनाके
भौन गौनपरजंकपरपाटीपरसतहै ॥ हासकेप्रकासको
निवासअधरनलगि लोचनविलासबरुनीलौंबरसतहै ॥
चाइचितचाहमउछाहनउछाहसोभ नाइकेसनेहसुखसी-
लसरसतहै ॥ जैसेंभागीरथकेपरमपथलाग्यो यडमा-
गीभागीरथीकोप्रवाहदरसतहै ॥ ४३ ॥ दीपसमदी-
पतिउदीपतिअनूप निजरूपकेसरूपरतिरूपहिहरतिहै ॥
कहैपरतापकरिमंजनसरसमन रंजनपियाकेदृगअञ्जन-
धरतिहै ॥ ताहीसमैदूतीदिखरायोआनिभौंरलिखि नि-
पटउदासह्वै उसासनभरतिहै ॥ सारसविलोचनिविचा-
रचितचेत राजहंसनकेयंसकीसिपारसकरतिहै ॥ ४४ ॥
दो० । सोस्वकियाहैतीनविधि मुग्धाप्रथमहिलेखि ॥
पुनिमध्याप्रौढ़ाकही मैंसबग्रंथनपेखि ॥

अथ मुग्धा लक्षन ।

दो० । झलकतआवैतरुनई अंगअंगप्रतिजासु ॥
तासोंमुग्धाकहतहैं सबकविसहितहुलास ॥ यथा ॥
दुरीद्वैकमलकलीजैसेंजलदीसतिहैं तैसेउरजनउरदी-
न्हीहैदेखाईसी ॥ गंगकहैसोंझसीसोहाईतरुनाई आई
लरिकाईमाझकछूमैनलखिपाईसो ॥ स्यामाकोसलोनो

तनतामेदिनद्वैकमाफ फिरीहीचहतिमनमथकीदुहाईसी सीसीमेसलिलजैसेंसुमनपरागतैसें सिसुतामेझलकतिजोयनकीझाँईसी ॥ ९५ ॥ थापतिसीचातुरीसरापतिसीलंक अरुआपतिसीपारतिअरीअजानपनमे ॥ कहैपदमाकर सुओपदरसावतिसी लावतिसीनेसुकउँचाईउरजनमे ॥ लाजहिबुलावतिसीसखिनरिझावतिसी नावतिसीप्रीति अतिपीतमकेमनमे॥ आँखिनअसीसतिसीदीसतिसीमंद मंद आवतिचलीयोंतरुनाईतियतनमे ॥ ९६ ॥ फरकन लागीआँखिढरकनकाननलौं हरकनलागीलाजपलकैंसु चैनीकी ॥ भरलाग्योपरनउरोजनमेरघुनाथ राजीरोमराजीभाँतिकलअलिसैनीकी ॥ कटिलागीघटनपटनलागीमुखसोभा अटनसुबासलागीआसस्वासपैनीकी॥अंगनमेदुतिचारुसोनेसीजगनलागी एहिनलगनलागीबेनी मृगनैनीकी ॥ ९७ ॥ बासनकीसेवकसुबासनकीघाटीरुचि भूपनबिलासनकीदेखीरीतिआनमै ॥ व्हैरहीनितंबनकों पीननताकछुकनातें व्हैरहीमधुरधुनिपानपगपानमै ॥ उरमैउँचाईलघुनाईकटिहूमैआई चितचतुराईसुनिपाईसखियानमै ॥ सैनमैचितौनहँसिदैनमैकमीसीलागी बैनमै [illegible]मीनैनथहियहिकानमै ॥ ९८ ॥ फीकोलागैअपनओ [illegible] लीकोलागैसोनोओनमोनजुहीजूट [illegible] ५८ देखेंसुधादीधिमोभागईफूटमी ॥ कहैरघुनाथजगजोतिकोजुराय चाहनहैयाकेएकबारबाँधिमूटमी ॥ जोबनअयाई

ओपओरैअँगछाइ देखु मेरेजानपाईहैगोराईगोरीलूटसी॥ ४९॥ मृगनकीमीननकीचंचलाईचखनमें मोतिनकीहीरनकीजोतिहैरदनमें॥ ओठनमेंआईहैमिठाईसवसिमिटिकै दाखमेनऊखमेनस्वादसरदनमें॥ महाकवि वालमकेखुलेहैंथिसालभाग रातीदिनराजतिमसालसीसदनमें॥ विधिनागुलाबकेसोअतरउतारिमानो चदकी निकाईराखीप्यारीकेबदनमें ॥ ५० ॥ खेलतिरहतिसब कौससंगसखिनकै दौरतिथलतिगतिलीन्हेछरकीलीसी॥ उपरैनीओढ़तिनमानतिसिखापनकी धायजोरिसायती नहीसिहरकोलीसी॥ गोकुलकहतनवलाकेअंगसंगलखो एतीतरुनापनकोआयकलामेलीसी॥ भूलीसीरहतिकछु फूलीसीउरोजछवि अँखियाँरसीलीभईंभौहैंभभरीलीसी ॥ ५१॥ कछुउभरीसीलगैंछतियाँउरोजनतें लागीकरैबतियाँसलोनीसखियानमें॥ कटिपतरानीभरुआनेसेनितंवनेकु नेसुकचढ़नलागीलालीनखियानमें॥ हेरिहनुमान सबसौतियोंबिहालभईं धारिबिनहोतिगतिजैसीकखियानमें॥ आईतरुनाईचलीभाजिलरिकाई अबछाईकछू खंजनकीखूबीअँखियानमें॥ ५२॥ ढरकतचंदमुखमन्दमुसकानिसुधा वाढ़ीरसआनदकीचोपचखियानमैं ॥ तंग होतआँगीज्यौंज्योंउरजउतंगहोत प्रगटीअनंगकायाकंज पखियानमें॥ अंगअंगफैलततरंगनवजोवनकी छकीसी निहारतनवेलीसखियानमें॥ कटिकृसताईऔनितंवपीनताईछाई पाँयँथिरताईचंचलाईअँखियानमें ॥५३॥ दौरि

चलीचरनकुसुमसुकुमारताचरनचलेंगतिगरुवाईकीगथ
नकों ॥ गरुवाईछतियाकोंछतियेंऊँचाईकों उंचाईचल
चिन्नमयबासअरथनकों ॥ जोबनझलकसिसुताईकोचल
चलमें दोरिसौंरिचित्तचल्योलाजकंपथनकों ॥ लाजचली
अँखिनकोंअँखैंचलीकाननकों कानचलेंचेंकलसेचाले
केकथनकों ॥ ५४ ॥ चैंकिचलीचपलाईचातुरीचरनभूमि
चखनचपेटलीनीचौपटरसनरी ॥ घायकैंधर्सीहेत्योंगमंद
गतिगमनमें मंदमुसुकानपीयप्रेमपरसनरी ॥ मोललंत
मनकोंकपोलनकीकांतिसोभ सोभासरसतसुभ्ररनसरसन
री ॥ अंकुरितउरमैंअनंगलाग्योझलकन अंगअंगलाग्यो
रूपरंगबरसनरी ॥ ५५ ॥ गतिगरुवानीकछूमतिमदसे
ईभई चखनहू चाहीचपलापनकीमायासी ॥ कचकुटि-
लानिअठिलानेसेकहनिवैनयनकन्ननलागोकनककीका-
यासी ॥ गोकुलघटतकटिसटतजघनजानि मदनसदन
करिबेकोकरीदायासी ॥ जोबनदिवाकरसोउदैभयोया-
केअंग छनछनहोतिलरिकाईछीनछायासी ॥ ५६ ॥ बिछु-
रनलागेबालपनकेअयानप सखीनसोंसयानपकीबतियां
गहै लगी ॥ हगलागेतिरछेचलनपगमंदलागी उरमेंकछू
कउकसनसीचहै लगी ॥ अंगनमेआईतरुनाईकीझलक
लरिकाईअपदेहतेंदरेंदरेंकढे लगी ॥ होनलागीकटिअ-
घरुटिकैउदामी द्वैजचंदकीकलासीदिनदीपतिबढै ल-
गी ॥ ५७ ॥ सरदसुधाकरछिप्योसोजातछबिदेखें चाकर
सोहेरियतपंकजानपाँहें ॥ चप्योजातचंपकननैनपान

र्भ्रंचलैत कंपलैतसुघरनदुतिअभिलाखैंहैं ॥ नाथकविजो-
बनजबाहिरमयूषफैलैं अलैंपरैंकोकिलाकीमंदकलभाखैं
हैं ॥ देखोकान्हद्वैदिनतेंघूंघुटमेंमढ़ीजाति चढ़ीजातिभौं-
हैंयाकीबढ़ीजातिआखैंहैं ॥ ५८ ॥ एड़ीअरुनाईअंगओ-
पतिगोराईजंघ जुगलनितंबपीनताईपकरतहैं ॥ कटि
खीनताईलरिकाईलीनताई मुखचंदकीजुन्हाईजोतिजा-
लबगरतहैं ॥ भनतकविन्दपेखिअंकुरउरोजनिके पिय
हियप्रेमकेखजानेसेभरतहैं ॥ कुंवरिकेतनतरुनाईकीअ-
वातीपेखि सौतिनकेमननमेंबातीसीपरतहैं ॥ ५९ ॥ उ-
भरेउरोजहीमैछबनमैछाएकच नैननिमेंकुटिलाईसहित
कराईहै ॥ द्विजजूकहतअधरनिमेंमिठाईभरी रोजरोज
रोचनसीबढ़तिललाईहै ॥ निविड़नितंबनमैमैनजंगजी-
तिबेको मेरेजानआजसेंभरतगरुवाईहै ॥ जोबनअवा-
ईललनाकेलोनेअंगनमे सौतिनकोमानभंगपरतदिखाई
है ॥ ६० ॥ लूटेलेतलंकबंकभौंहनिचढ़ाईधनु काननलौं
लावतिबिसिखऐसेनैनको ॥ अदलबदलिअंगद्वारेहैंअ-
दलकरि दलतअधरक[illegible]तिनकेचैनको ॥ भूपनसुदेस
लनबसनप्रबीनबेनी माधुरीरसनमेंपियाकेसुखदेनको ॥
राख्योहैकिसोरपनजोबनबहालकरि मदनमहीपमानो
वासिलातलैनको ॥ ६१ ॥ इतैचंचलाईथिरताईकीअवाई
उतै जुगुलउचाईतईकोनहलचलको ॥ इतहैअयानउतैं
आवतसयानचलि दोऊकोअयानअभिमानआनफल-
को ॥ रामजूसुकबिकेलिकौतुकनिधानलाल देखिदेखिरी-

झनप्रमानसचचलको॥ बालपनजोबनकोजंगमाचिरह्यो तहाँ अंगअबलाकोजीतखंभदोऊदलको ॥ ६२ ॥ नेकुमंद मधुरकपोलमुसुकानलागे नेकुमंदगमनगयंदनकीचाल भो ॥ रंचऊंचोअंचलउरोजनकेअंकुरनि चंकदीठिनैनजु- गनेसुकविसालभो ॥ मनिरामसुकविरसीलेकछूवैनभए बदनसिंगाररसबेलिआलबालभो॥बालतनजोबनरसाल उलहतलखि सौतिनकेसालभोनिहालनंदलालभो ॥ ६३॥ लहलहीबैसउलहीहैदुलहीकीदेह उग्मैउरोजजैसेंउमग- तपागहै ॥ अनगनेदिननिअनूपदुतिआननकी देखतही उपजैअनूठोअनुरागहै ॥ तैसियैतरलतीखेअनसोखेनैन- नितें निचुरैसनेहसूधोभोवतेकोभागहै ॥ सोनेसेसुरंगनतें चंपाचारुअंगनतें रंगनितेंउठततरंगनिसुहागहै ॥ ६४ ॥ दूनीदूनीबढ़नलुनाईनितगातलागी बातलागीकरनस- खोकेश्रौनजुरिजुरि ॥ मैनसरसानेसुनिबैनसरमानलागी देखिगुरुजननिलज्ञानलागीदुरिदुरि ॥ कहैधनीरामसा- जिभूपनबसनअंग चूकनसखीनतेंलुनाईलागीलुरिलुरि॥ औगनमरालीसीकरनमंदगौनलागो नौनलागीकटिऔ चितौनलागीमुरिमुरि॥६५॥ जानिपयोजोबनजनायो- हैमनोजगुरु जगमगीजोतिअंगबाढ़तनितैनितै ॥ इरैहँ- सिहेरिहरिलियोहरिजूकोहियो हेरतिइरिननैनीहितूसों हितैहितै ॥ सौखीदिनाचारिकतेंसोखीचितबनिप्यारी दे- बकहैदृगभरिदेखतिजितैजितै ॥ आछीउनमीलनीलसुभ- गसरोजननि तरलतनाइयततौरनातितैतितै ॥ ६६ ॥

॥ अथ अज्ञातयौवना लच्छन ॥

दो०। जाकोंजोबनआगमन तनमैनाहिंलखात ॥
सोइअज्ञातयौवनतिया कविकुलबरनतजात॥ यथा ॥
आननकीओपऐसीकैसीउपजीहैधीर बढ़िबढ़िकानन लौंअँखैंपसरतिजाति ॥ तनअलसानोखेलहूतेंअकुलानोमन जानोमैनजातैंगतिमंदसीपरतिजाति ॥ संगसखियानकेकढ़ीओहनुमानकहू तीरतीरमेरेऔरभौरबिचरतिजाति ॥ बारबारपूछौंतूंबतावैबतियान दिनद्वै कहींतें छतियाँधौंकाहेउभरतिजाति ॥ ६७ ॥ कारेचीकनेव्है कछूकाहेकेसआपुहीतें बढ़िबढ़िबिथुरिछबालौंलगेछलकन ॥ बारबारबदनबिलोकनलगीहैसोति औरैनौरसौरभ समूहलाग्योहलकन ॥ कौनसीबलायघसीअंगमेंहमारे ह्मैंहेरिबेकोंकान्हहनुमानलागेललकन ॥ जंघलागीसटन घटनलागीलंक औबढ़नलागीअँखैंरीनितंबलागेदलकन ॥ ६८ ॥ कैसीधौंनिकाईसरसाईतनमेंरे मोहिहेरेबिनहेरीहरिलागेअबअहकन ॥ गतिगरुवानीमतिऔरै सरसानोकछू कैसेनैनकाननलौंलागेग्रीबबहकन ॥ धीर होतिउरमैंनधीरधखोजातमोपैं कौनहेतुलागीहनुमानलंकलहकन ॥आहि आहिकैकैउठैकोंपिकौंपिसोतिकाहें चाहियाहिमोमुखचकोरलागेचहकन ॥ ६९ ॥ जैसियैबताइ दईअंगनिनपोइदई तैसियैबनायदईकौनछलछैहैंमैं ॥ गिरहसोंजौचिलीजैटूटिनसेबैंचिलीजै बाचिलीजैसेअक लिखेकोंनदुरैहैंमैं ॥ एहोठकुराइनजनाइनामहूंकोंभेद

संगकीखेलाइनउराहनोनलैहौंमै ॥ घाचरेकीअटनिचढ़ी सोफेरिदेहु तासोंकंचुकीकोघटनिसुपूरिकरिदैहौंमै ॥७०॥ सखिनकेसंगमैउमंगभरीगोरीभारी जलमैविहारैधारैमं- जुमरकतहैं ॥ रम्यरोमराजीकरपैछातिसिवारजानि उ- रजननिरखिमरमदरकतहैं ॥ जानतनहोनीभरभेटीआ- नपंचसर घरघररूपकोसुजससरकतहैं ॥ चंचलखखन प्रतिबिंबकोंविलखिकहै अंजुलिहमारेजुगमीनफरकत हैं ॥ ७१ ॥ हौसपरयीकेद्यौसपियकेउदितसाथ सखिन नैजमुनाकेतीरन्हानआनीहै ॥ नाथतहोंआभरनबसन उतारिधरे आनपटपहिरनमतिनियरानीहै ॥ पटलीतेंउ- मड़िअसितलोमलतिदेखि घालघिलखानीलखिधायमुस- कानीहै ॥ तेरेनाभितरनप्रदीपकउदितभयो उड़िताकिक- ज्जलकीरेखझलकानीहै ॥ ७२ ॥

॥ अथ ज्ञातयौवना लच्छन ॥

दो० । जबजोबनआगमनजिहिं विदितहोततनआय ॥
ज्ञातयौबनानायिका तासोंकहतसचाय ॥ यथा ॥

पायनललाईदरसाईसरसाईजंघ जुगुलनितंबनगँ- भीरतागहीसीहै ॥ कटिकीकलाहूछीनताईकोलहीहै दिन द्वैकहीतेंकुचनअमीरतागहीसीहै ॥ पंढितभनतजुगबाँ- हैंयेमृनालसीहैं सीखसुनिवेकोमनधीरतागहीसीहै ॥ इ- न्दुदुतिआननत्योंकंजनैनकाननत्यों बैनमगसौरभस- मीरतागहीसीहै ॥ ७३ ॥ कोमलचरनमन्दताइनबदेखि- यत पेखियतपीनतानितंबनसराहिबी ॥ छिनछिनछीन

कटिग्रीपमछपासीहोत त्योंहींहैउरोजनउदोतदिनसाहिवी ॥ प्यारेब्रजईसधरचातुरचपलताई चोरमईचारुचितचखनसुधाहिवी ॥ नयलाकेअंगनमैंनृपतिमनोभवकी सिसुताखवासीकरैजोबनमुसाहिबी ॥ ७४ ॥ काननलौंलागेमुसिकानप्रेमपागेलोने लाजभरेविलसतलोचनअनंगतें ॥ भारुधरिभुजनडोलाघतिचलतिमंद औरैओपउलहतउरजउतंगतें ॥ मतिरामजोवनपवनकीझकोरआयें वाढ़तसरसरसतरलतरंगतें ॥ पानिपविमलकीझलकझलकनलागी काईसीगईहैलरिकाईकढ़िअंगतें ॥ ७५ ॥ आननसिकोरिगुड़ियाननकेखेलनतें सौरभलगायचढ़िचौकीपैंविभातीहै ॥ वारनकोंप्यारीअतिप्यारतेंसुधारि हियेहारनकेधारनकीप्रीतिसरसातीहै ॥ कहैहनुमानसखियानतेंदुराय अँखियँानकोनचैबोलैमुकुरमुसकातीहै ॥ सुभरेसुवासनतेंवासनयनायचारु उभरेउरोजनकोंहेरिहरपातीहै ॥ ७६ ॥ चावसोंचटकरचिरचिकैरुचिरचीर रुचिसोंपहिरिकैविनोदवरखतिजाति ॥ निरखिनिरखिकरपायनकीलाली हनुमानतरुनाईकीनिकाईपरखतिजाति ॥ कसिकसिकंचुकीविमलवैंगलामैंवैसि सौतिनकेसकलसोहागकरखतिजाति ॥ येखेरमुकुरबिलोकतिधरतिफेर आँचरउघारिहेरिहेरिहरखतिजाति ॥ ७७ ॥ छोड़िसंगआलिनकोवैसिचैंगलामैं जाय लायरहीअतरसुगंधवारीतनमैं ॥ देखिकरिहांकोंजुगजंघकोंनिहारिनीके मोदसरसावतिनवेलीहैसुमनमैं॥

कहैहनुमानपानखायकैगुमानभरी देखतिहैजोभकौन वायग्रीवछनमै ॥ धारनकैमोतिनकेहारनकोंप्यारी ला- गीकंचुकीकीकसननिहारैदरपनमै ॥ ७८ ॥ गौनेकोसुं दिनगुनगोरितेरेसासुरते सुभघरीसोधिकैसँदेसोलिखि आयोहै ॥ हालऐसेहालसोंनिहालकरुनाईजाय चाहैसु- निसुनिकैचतुरिचैनपायोहै ॥ कालिहीउघारेसीसफि- रतिसखीनबीच भनतकविन्दआजऔरैरंगछायोहै ॥ आँचरकोकरिबोअचानकहीमेरीआली मैनहींसिखायो तोहिमैनहींसिखायोहै ॥ ७१ ॥ बेरबेरदेखतिहैनैननिकों आरसीलै जातबढ़ेजानिकैबिसारेचिंतबावरी ॥ ओज उरजनकोनिहारिहारिहारिरहै भारननितंबनकोजान- तिहैढावरी ॥ गोकुलबिलोकिलाँकलटतसीनापतिहै फे- रफेरजानतिनबैसकोसुभावरी ॥ सहजसुगंधफैलअंग- नकोमूंघतिगो मृगमदीमृगसीभईसीफिरैबावरी ॥८०॥ उठिआयेउरजउदितमुखचंदभयो मंदलागोचलनबि- सारीगतियारेकी ॥ कोमलबचनबिहेंसौहैंसेकपोलगोल नैननलचौंहैंमेलखनलाजधारेकी ॥ सीखनसिंगारमति तीखनप्रबीनबैनी सौतिनकीनीखनगड़ैहैसुखसारेकी ॥ गासुकीदुलारीगुनरूपउँजियारीयह नबलतियारीभई प्यारीप्रानप्यारेकी ॥ ८१ ॥ केमनकीनबनिनबनिबरु- नीनजोहै भृकुटिमाईकीरिकचकाटैबीजब्यैरही ॥ ना- सिकानबेलीकीअनूपकपर्म मरासि दन्तकीदमकदुखदा- मिनहू दैरही ॥ चंपकमेंगिनकीचरचाचलावैकौन अं-

गकीसुवासछितिछोरनलौंछ्वैरही ॥ पायअसितावीओ-
सितावीनैनरंगनकी आवीअंगअंगकीगुलावीरंगव्हैर-
ही ॥ ८२ ॥ तियननअरुनदिनेसउदयोहैआन सौफसि-
सुताईकेतिमिरसबभागेहैं ॥ फैलरहीअंबरमैचहूंओर
अरुनाई फूलनैनकंजमकरन्द्रसपागेहैं ॥ उदैनाथकंतके
मनोरथहूपथैचले चितचतुरईनजआरसकोंजागेहैं ॥
रूपकेसरोवरमेनाहनैनन्हानलागे सौतिनकेमानतेऊदा-
नहोनलागेहैं ॥ ८३ ॥ आजहोंगईतीवृषभानकेभवनवी-
र राधेकीअनूठीछबिवरनीकितैकितै ॥ ठाढ़ीगेहद्वारचा-
रुसखिन्कीमंडलीमैं खेलतियचायधूरिउड़तिजितैजितै ॥
कहैसिवराजकुंसरुचिरकुसुंभकैसो हरकतमगपगधरति
तितैतितै ॥ बारबारकाहूमिसहरपिहरपिआली मोहन
कौनावलीन्हेदेतरीचितैचितै ॥ ८४ ॥ घिहँसतचलतस-
रोजमुखीहेरिहेरि उकसेउरोजहगफेरिफेरिकानलौं ॥
निकसतदंतकोदमकदुतिदामिनीलौं घिरिआईभौंरनकी
भीरिअधरानलौं ॥ थोरीथोरीभोरीभोरीबातनसिहा-
तिसखी भावतहैंभोलानाथभौंवतेकेप्रानलौं ॥ कंचुकी
कसतिसकुचतिसिसिकीसीलेति जानतिअजानलौंनजा-
नतिसुजानलौं ॥ ८५ ॥

॥ अथ नवोढ़ा लच्छन ॥

दो०। अतिहरलाजदुहूं नतें जोनचहतपियसंग ॥
तिहिंमुग्धातेंसकलकवि कहतनवोढ़ाअंग ॥ यथा।
दाताब्रम्हसुखकीयिधाताघनेभावनकी नातानेमन-

तिसोंविहितसबकालामे ॥ भायैभूरिभूतिसोंयतायैकोन दानाधन्य जानाग्हैटूग्हिीदुरितभयजालामे ॥ पायपुन्यगुरुतेंलगायलईउरमाफ छायगईसुखमाअपारचल चालामे ॥ जागिसूनेसालामैभजैकैरतिआला पूजैकामहरमालामेकिनीलवरबालामे ॥ ८६ ॥ बेटीमनोकामकीलपेटीहावभावनसें फेटीरंगरीतिमेसमेटीनेहनतिकी ॥ छानीब्रम्हसुखकीसलोनीप्रानसेवकहि होनी अंगउमगकहैयागूढ़गतिकी ॥ जागीलाजडरकीनरागी दिनदूकहूकी स्रमकीसमाजपागीलागीमैनमतिकी ॥ पूरतिहैसीसीसैसतूरतिछनक ऐसीमूरतित्रिलोकिमेंाढे सूरतिसुरतिकी ॥ ८७ ॥ ज्योंज्योंहोतिभृकुटीकुटिलधनुऐनमैन त्योंत्योंमृगनैनलखिकाननपरातहैं ॥ ज्यों ज्योंउरसिजअनुसरैहरमूरतिलौं त्योंत्योंमनसिजबानगुनमैंसमातहैं ॥ ज्योंज्योंनीलकंठकटिसिंहछीनहोतित्यों त्यों जंघनगयंदपीनताकोंसरसातहैं ॥ ज्योंज्योंमुखहोतबिधुफाँईकीफकोरफख त्योंत्योंहरिलोचनचकोरहातजातहैं ॥ ८८ ॥ पियमनभावनिनवेलीसुखदानिनिज रूपकीछटानिरतिरंभैनिदरतिहै ॥ सुन्दरसरूपतनसहजसिंगारनसें अंगनअनूपदुतिटूनीठघरतिहै ॥ कहै परतापमनिमंदिरमयंकमुखी मुखकैमलीनउरसंकहि धरतिहै ॥ पीठिदैलोगाइनकीदीठिहिंयचाय ठकुराइनसुनाइनकेपाइनपरतिहै ॥ ८९ ॥ जोराबरीबलतेंउठावतचलायतहू देहरीमैपांवदैदैगिरतिपछारके ॥ रोइरो-

इमचलैचलैनपैनजातमन खुलिखुलिजातअंगदामिनी द्वारेके ॥ फूटेजातमुकतासितारेंचंदटूटेजात लूटेजातसेवकसुनतझनकारेके ॥ छाईबालत्रासरसोंउसाससोंसमाइकहै पासजैहैंमाइकेनपासजैहैंप्यारेके ॥ १० ॥ नवलनवेलीफूलीचंपकचमेलीऐसी खेलतसहेलिनमेंसानी सुखसाजहै ॥ आवतविलोकिप्यारेपुंडरीकपीतमकों भाजीभौनकोनज्योंचकितगजराजहै ॥ अंचरउड़तफहरात कामबैरखलौं पियडरदौरबेनीगहीब्रजराजहै ॥ मानो द्विजराजकोंग्रसतअहिराजजान पूँछगहिखैंचतमनोज महराजहै ॥ ११ ॥ आलीछलबलकरिल्याईकेलिमंदिर लौं प्यारेपेखिपकरीउतरिपरजंकतें ॥ भनतकविंदकैसे थिररहैथोरीबैस पारदकीरदकीचपलताइ संकतें ॥ नीवीं करधारिरहीझनकचगारिरही झलकपसारिरहीचदनमयंकतें ॥ लालभुजभरीबालऐसेंतरफरीहाल जालकी सीमछरीउछरिपरीअंकतें ॥ १२ ॥ चंदसोंदुचंदमुखचंदकीचटकअंग सोहैसुकुमारत्योंसिरीपहूकीमालातें ॥ ल्याइकैसहेलीघरचमकत्रनाइकै नवेलीकोंमिलायोजहाँ चातुरीकीसालातें ॥ संकरबखानिधनिजीवनसफलमानि प्यारेकंठलायोगतिअतिहींउतालतें ॥ चौगुनीचटकचपलातेंचारुचौंकि घनस्यामसोंछुड़ायभजीबालाचित्रसालातें ॥ १३ ॥ झमकझरोखेरुचिपुंजअनजोखेदेखि लोखेतारतेसुईसुगंधचलचालामें ॥ सेवकभनतवैसीभूपनकीकलधुनि सुनिसुनिआनिगहीऊपरउतालमें

मे ॥ भाजिकेहूँ करतेंविराजरहीयाहीठौर लाजिरहीमो मतिमगनभ्रमजालामे ॥ दीपनकीमालामेमिलैनद्युतिआ· लामे सुजानीजातिबालानविसालाचित्रसालामे ॥ १४ ॥ भूपनकेचायसूनेसेवकजूपाय मीठीबातनिलगायजिनला· योकछूलसुहै ॥ फेरतहीपानिजानैपाईसकुचानि तबछौ· ड़ीमृदुबानिजानियामेंसरवसुहै ॥ सुरतिकेढंगकेहू लागे अंगअंग मचीमदनउमंगरंगठानतउससुहै ॥ तेईपुन्यजं· सुतिनहींकेधन्यअसु जिनपायोकसमसकैनवेलिनकोरसु है ॥ १५ ॥ गौनेचालिआई नई दुलहीसुहावभरी भाव भरीवेलीसुबरनकीसुमोरीसी ॥ कहैसिवरामरतिमंदिरलौं ल्याई सखी बातनलगाई गुनगननकीगौरीसी ॥ देखि भजीप्यारेगहिदौरिलीन्हीचंचलासी तासमैनिहारीभई प्यारीछबिऔरीसी ॥ कंपितश्वसितकुम्हिलानीअकुलानी परीकेहरिकीकौरीमेकुरंगिनिकीकौरीसी ॥ १६ ॥ पाई ए· कतकछकिछलनछयीछेछैल छरकतछुवतछुवावतनगात है ॥ कहाकहौंनाकीद्युतिदलतगुलाबआब चमकतचंपक दजातजलजातहै ॥ जोरतनहगमुखमोरतप्रसन्नमन म· हबूबसूबप्रेमपनअधिकातहै ॥ ज्योंज्योंभारिअंकपियप· कारिनिनकत्योंत्यों छुजुछुजेलंकयारीलफिलफिजातहै १७ कोटिनउलनपामलनयोलाई आम रतिकीहियेमेरागि मनिकीमजेजपर ॥ देकरिचुकाईयंदयौंधिबैठीरघुनाथ लागीमगमटकैकटूहरैकटूनेजपर ॥ मूराछिनस्हैहै जानि छूटियेसीहाहारबाति हायकहिमनरानिपीरनकीरेजपर ॥

दैयादैयाकरतिअनेकसौंहैंधरति नयनआँसूभरतितरफर-
तिसेजपर ॥ ९८ ॥ कैयोछलबलकैसोआईसखियाँनसंग
नीठिपरीनीदिसुधिभूलीरतिसंककी ॥ धकधकछतियाँछु-
वतहीगिरिधारी अतिहीमलीनदुतिवदनमयंककी ॥
नीवीकेविमोचतहीउचकिउचकिचैंकी प्यारीभरीअंक
लालचकनिलंककी ॥ जकरिजकरिजैंघैंरहीधरीचारि-
कलैं पकरिपकरिपाटीप्यारीपरजंककी ॥ ९९ ॥ नवलउ-
मंगछबिनिसरतिअंगअंग सरलतरंगभरीसोहैबालअंक
मे ॥ सेवकभनतपटभूषनसौंभूषितहै रतिगतिससकि
बिलोकैबानिवंकमै ॥ धीरजसोहारीतोरससरातोमदमातोका-
न्ह मानिसुखसातोज्योंज्यों देतभरुलंकमै ॥ नकरिनकरि
जंघजकरिजकरिस्यौंत्यौं पकरिपकरिफिरैपाटीपरजंक-
मै ॥ १०० ॥ कुंदकीकलीसीदंतपाँतिबिरलीसीताके बो-
बरीबमिसीरेखलीसीज्योंगरकिजाति ॥ बोरीत्योंरचीसी
तियसोहतिसचीसी तिरछीसीआँखियाहूसफरीसीवेफर-
किजाति ॥ रसकीनदीसीदयानिधिकीनदीसीथाह लच-
तछरीसीरतिदरीसीसरकिजाति ॥ फंदमैफसीसीभरिभु-
जमैकसीसी जाकेसीसीकरियेमेसुधासीसीसीढरकिजा-
ति ॥ १०१ ॥ लाईकेलिमंदिरभुलायभोरीभामिनीकों फू-
लगंधकैफबसकीन्हीपौनरुखतें ॥ कंचनकलितकसतनर-
तिरमणीय लीन्हीगहिपीतमप्रसूनसेजसुखतें ॥ भनप-
जनेसभुजभरतहहाकैहरैं सोहिकैसमेटस्वाँसनीबीदाबि
दुखतें ॥ आहकरिउछरिसचोटपन्नगीसीऐंठि उमाठि

अरीरीमैंमरीरीकढ़ीमुखतें ॥ १०२ ॥ हेरिहेरिहेरीहरिना-
खिवोहयालहाल हायतूँहँसनिहीमोहहरिहहरिउठै ॥
छपाकिछुटैज्योंछकिछातीमोंछवीलोछली छनकछटासी
छविछहरिछहरिउठै ॥ कहैमणिदेयलाललोलव्हैलखैन
कछू लोभलगोलोनोलंकलहरिलहरिउठै ॥ कामकीक-
लानमाहिंकोविदकुँवरकान्ह कोमलकमलमुखोकहरिक-
हरिउठै ॥ १०३ ॥ लोचनसजलमकरन्दभरेअरविन्द खुले
खुलीवुन्दपाँतिमधुपकिसोरकी ॥ स्वेदकनओसपीरी
हीरंगरघुनाथ स्वासासोवयारवहैसोरझकझोरकी ॥ ?
पनकेमोतीसेपभेपसीहैंतारागन सुसकानिधुनिकछूचिरि
नकेसोरकी ॥ प्यारीजूकेवदनपैंमदनविनोदभेपी देखे
आजुभोरहींसकलसोभाभोरकी ॥ १०४ ॥

॥ अथ नवोढ़ा की सुरतान्त यथा ॥

लायेंनीवीकरलागीगावतकियासोंवैठी लागेनखनि-
रखैउरोजयुलहिनिके ॥ हियेमैविसूरैबराओरीप्रानप्यारे
जूकी छूटेयारटूटेहारसीपउलहिनके ॥ काँपतअधरगिरैं
आँसूबुंदघूंघुटमैं लखेरघुनाथसुधिवुधिभुलहिनके ॥ हरें
हरेंआउदावैपाँवमैंदिखाऊँतोहि कैसेभावबनेहैंवनावदु-
लहिनके ॥ १०५ ॥ ढँकिंआइअंचलजहाँकितहाँयाकेहाय
ताकेअजौंताकेअंगमदनमसेजमैं ॥ टूटिगयेभूपनसुछूटि
गयेअंगराग फूटिगयेकंकनकितेकोरंगरेजमैं ॥ वलिजाँ-
उँसेवकसुखीहैकहाँथलिजाउँ छलवलदाउसोंकरीयोंक-
छितेजमैं ॥ डीठिकीडरीसीवालमूठिकीमरीसीव्हैकै सीसी
यिनसिथिलपरीसीपरीसेजमैं ॥ १०६ ॥

॥ अथ वियरधनबोढा लक्षण ॥

दो०। कछुकछुटैडरसकुचअरु पतिसोंकछुकपत्यात ॥ सोयिस्त्रबधनबोढ़तिय कबिकुलबरनतजात ॥ यथा

प्रथमसमागमसुकंपितसरोजमुखी दुखीसीरहतिउरप्रीतिनाचहतिहै ॥ बालनमैंभोरीबोरोदिननकीथोरीगोरी नीबीकोसबैंधीहोरीयोंरीनिबहतिहै ॥ परपरबीनदिनबूड़े प्रानघूढ़िआवै सासुकोंबुलायधायपायनगहतिहै ॥ याहीभ्रममाहींपियनाहींगहोवेंाहीं हमनाहींहमनाहींपरछाँहींसोंकहतिहै ॥१०७॥ कान्हचतुराईकरिद्वारमैंबिछाइंसेज जानिमनिमंदिरमैमनभाईबामकों ॥ कालिदासरसिकाई जानिकैचुपायरहे आईजबसुंदरिसिधाईनिजधामकों ॥ चंचलचतुरछरकायलछबीलीबाम अंचलछुवैनदीन्हो स्यामअभिरामकों ॥ पाटीपगधरिगईचेटकसोकरिगई नटोलौंउछरिगईछरिगईस्यामकों ॥ १०८ ॥ नैननिनिद्रारजानीरंभारतिमानजानी उरजानीआईअतिआनदकी जफरी ॥ मागतबिरीकेमुसक्यातभजिबेकेघात दबतसकातिचलीपीतमतरफरी ॥ धाइघरलीनीलाईउरमैप्रबीनबेनी कहैंलौंगनाऊंअघकौतुककेदफरी ॥ नाहींकरैंपिकजानीयैंहींधरेंबीजुरीसी अंकभरेजानीपरजंकमाहिंसफरी ॥ १०९ ॥ मुखोरुखमोरेदेतिघूँघुरूनछोरेदेति चूमिहूँनभोरेदेतिबदनमयंककी ॥ लाजनतेंचूनरीलपेटितनगोवै हरेंहरेंगरेरोवैमिटैहिलिकीनअंककी ॥ भनत कबिंदलालकरकोपरसहोत धरकोमिटैनसरसाईबालसं-

ककी ॥ जकरिजकरिजांघैंसरकिसरकिपरै पकरिपकरि पानिपाटीपरजंककी ॥ ११० ॥

॥ अथ मध्या लक्षण ॥

दो० । जिहिंतियतनमेंहोतिहै लज्जामदनसमान ॥
ताहीसोंमध्यासकल कबिबरकरतबखान ॥ यथा ॥

मेरीकुलपूज्यसदारानीठकुरानीतुही तोहिनितआँखिनमैंहियमैंभरतिहौं ॥ तेरहीसैंजोगहितूदच्छिनरसीले अंग मानिमानिआलिनकीसीखनिदरतिहौं ॥ आनिबन्यो जोगअबमेरेबड़ेभागनतें याहीतेंअधीनतालैदीनताकरतिहौं ॥ हेरनदेनेकुमानपीतममुखारबिंद हाहालाजआजतेरेपाँयनपरतिहौं ॥ १११ ॥ चित्रमैंबिलोकतहीलाल कोबदनबाल जीतेजिहिंकोटिचंदसरदपुनीनके ॥ मुसकानिअमलकपोलनमैंरुचिबृंद चमकतखोननकीरुचिरचुनीनके ॥ पीतमनिहाखोयाँहैंगहतअचानकही जानैमतिराममनसकलमुनीनके ॥ गाढ़ेगहिलाजमैनकंठह्वै फिरतबैन मूलछैफिरतनैनबारबरुनीनके ॥ ११२ ॥ ललनालजीलीउरकामहीतेंकीली नीलीसारीमेलसैंज्योंघटाकारीबिचदामिनी ॥ कहैब्रजचंदहुतीसंगमैसहेलिनके हेरतिहँसतिथतरातिहंसगामिनी ॥ तौलौंतहाँगेहमैं सुनाहआयोनेहभरो बैठिगयोताकौलखिबैठिगईभामिनी ॥ कंतहेरैंसौहिंतयअंतहेरैइन्दुमुखी अंतहेरैकंत तौनअंतहेरैकामिनी ॥ ११३ ॥ बारिधखोदीपकझिलमि- ... सेजकेसमीपछहरान्योतमतोमसो ॥ दु-

लहैदुराइआलीकेलिकैमहलगई पे लिकैपठाईम्रघूसूरद कोसोमसो ॥ अंकभरिलीनींगहिअंचलकोछोरदेत्र जोरकै जनावैनवजोयनकीजोमसो ॥ लालके अधरयालअधरनि लागिलागि उठीमैनआगिपधिलानोमनमोमसो ॥ ११४ ॥ आलीकेलिमंदिरकेअ।सपासठाढीसुनें प्यारीबनमाली कीयनकबतियानकी ॥ कालिदासपरमहुलासनमैंअंक भरे लालत्रीनीआसनमेनवलालजानकी ॥ अतिअल-बेलीकीनवलरतिकूजसन सुनिचलीअवलीकिलकिसखि-यानकी ॥ मचीएकवेरहीभ्रनकचुरियानकी घनकघुघु-रूनकीभ्रनकबिछियानकी ॥ ११५ ॥ मुखसोंलगतमुख सौंहैंनकरतिरुख लाजकामसमताम्रपुपमेपगीरहे ॥ रति केबिलासउरअंतरबसावैपे प्रकासनकरतिरंगप्रेमकेरँगी रहे ॥ केलिकथाकेतकहैऊतरनदेतिताको भ्रूठेंनेनमूदे हौससुनंकीजगोरहे ॥ प्यारेकोजगोहैंजानिपौढ़ेपटता-निताानि लगीरहैउरजौलौंपलकलगीरहै ॥ ११६ ॥

॥ अथ मध्या की बिपरीत यथा ॥

राजैबिपरीतिरचैंरमनीरमनसंग बाजैकिंकिनीमनो मनोजकीफिरतिहै॥बिहँसिलजायलोलनैननचाय सत-रायसोंहैंलायखोलैभावकीबिरतिहै ॥ द्विजजूउतंगकुच परहूमुकतमाल घनस्यामजूकेउरऊपरफिरतिहै ॥ मा-नोदीयहरतेंद्विधाह्वैसुरसरिधार मरकतमनिकीसिलाप रगिरतिहै ॥ ११७ ॥ मोतिनकीमालहियहालिहालिउठै ज्योंज्यों तिरछेंनिहारबालतनपरसतहै ॥ मैनमदओप

मन्योरागनअनुरागमन्यो मागमन्योनुन्दरतुहामकर
है ॥ उँनजूयन्यानिकोथिकोदिबिनगीननमै उचारितनु
एकोनैदरमनहै ॥ प्यारीकोपदननातैंयनकेचुनतपु
मानोनमीपनिपनेंअमोयरत्तनहै ॥ ११८ ॥ रतिविंल
मृगनैनीकोपिराजैथनी कनकउतापैज्योंमुजगोलइग
है ॥ न्येदकनगिरतकपोलपैंनुकुन्दलाल मानोतमदालिड़
अमीछडरनहै ॥ छुटलासमेतराजैलोलचलदलदलचंक
नैननप्यारीज्योंज्योंयहरतहै ॥ नेजथरद्दारचंदनंतनल·
गायमानो दुहूं औरकामकीकतूहफहरतहै ॥ ११९ ॥ रति
विपरीतमेंरमनिमृगनैनीताकोथैनीलूरैपोठितुसदनोल·
नुमानतें ॥ हिलेमुखअलकगिलैमोराहुचंदमानो गिरउ·
ठिगिरैनिमापाछेपरीमानतें ॥ सेवकललकिलपटानिना
लजीलीकैचौं नायकजुवाकोकचाचलतावियानतें ॥ कै
थौंभ्रमसंमुकेकसेहैंकुचकंचुकीमै काढिवेकोंकामयन्दका·
टतकृपानतें ॥ १२० ॥

॥ अथ सुरतान्त यथा ॥

आइंकेलिकरिकैनवेलीसंगपीतमके राजतविप्रसअं·
गआलसघनेरपै · टूटेहारछहरैंछवानलगिछूटेयार लूटि
गेसिंगारमेनसमरदरेरमै ॥ सेखरसलोनीजानिजागेगुर·
सुनआगे वैठिगईमकुचिसखीगनकेघेरमै ॥ गोरेगात
[illegible] नरमैगोय [illegible] गरकगईहै मनोबीजुरीअँधे·
[illegible] १२१ ॥ गातनसेंयारतसहेलीनिठुराइंगहें लाल·
औंयहाईकरैंभागकी ॥ सुधारतचीरपीकपोंछ·

तिकपोलनकी छलकातछबिरदछदनकेदागकी॥ अंगि-
याकीतनीकसिदूखतहैंनखछत उफनातअंगनउमंगअ-
नुरागकी ॥ आरसौदेखावतलजातमुसकातबाल छह-
रिछहरिउठैंलहरिसुहागकी ॥ १२२ ॥

॥ अथ प्रौढा लच्छन ॥

दो० । पतिसँगकेलिकलानिमैं जोप्रबीनतियहोय ॥
तार्कोंप्रौढाकहतहैं कबिकोबिदसबकोय ॥
रतिप्रीताएकजानिये एकआनदसंमोह ॥
दुबिधभेदप्रौढाकहीं पुराचीनमतजोह ॥
रतिसौंजाकीप्रीतिहै रतिप्रीतासोबाम ॥
छकीसुरतिआनंदसों आनदमत्तानाम ॥ यथा ॥

नेहकेनिहोरेनाहनेकुआगेकीन्होंचाहैं छोंहूँकेछुवत
नाहींनाहींसीकरतिहै ॥ पीतमकेपानिपेलिआपनीभुजा
सकेलि धरकिसरकिहियेगाढोकैधरतिहै ॥ सेखकहै आ-
धेयैनबोलेकरिलोचनैन हाहाकरिपीनमकेमनकोंहरति
है ॥ केलिकेअरंभनिजखेलहियढाइवेकों प्रौढाजोप्रबी-
नसोनबोढाहूँ ढरतिहै ॥ १२३ ॥ प्यारीपरजंकमैप्रमोद
भरीपीकोमन प्रेममैपगावैपरीमदनखिलौनासी ॥ चं-
चलासीचपलचलाकचखचोटैंकरै चायभरीघायलचला-
यडीठटोनासी ॥ थोरीरसगातनउरोजअतिगोरेगोरे चो-
रैलेतिसेखरअनूपछबिसोनासी ॥ अंकमैभरतेंकरैसीबी
भरिसंक मानोनीबीकेछुवतेंपरैछूटिमृगछौनासी ॥ १२४
कुंदनकीछरीआबनूसकीछरीतेंमिली सोनजुहीमालकी

धौंकुमलयहारसों ॥ कैधौंचद्रचंद्रिकाकलंकसों कलित
इं कैधौंरतिललितबालिनभईमारसों ॥ कालिदासबै
माहिं दामिनीमिलीहैकैधौं अनलकीज्वालमिलीकैधौं
मधारसों ॥ कलिसमैकामिनीकन्हैयासोंलपटिरही
धौंलपटानीहैजुन्हैयाअंधकारसों ॥ १२५ ॥ भाँतिनअने
कसोंमनोजकीकलानमाहिं लोलहू कैरतिकेकलोलकेंद
रनिहैं ॥ छोड़भरीछैलकीबिलोकनिबिलोकित्योंहीं कसि
कैभुजासों कटिमोदसों भरतिहै ॥ कहैहनुमानमदमाती
रीछबीलीबाल रतिकोंनिदरिविपरीतिमैंअरतिहै ॥ ज्यों
ज्योंछतिमैंमैछपटायमुखचूमैलाल त्योंत्योंनैनमूंदिसि
सिकीसकी करतिहै ॥ १२६ ॥

॥ प्रौढ़ा की रति यथा ॥

छतिमैंछबीलीकोंलगाईनंदनंदनजू चंदमुखचंदते
अतंबहिमेभारिभरि ॥ जंघनजुगुलदोऊजंघनसोंजोरि
जोरि ४रतनिसंकअंकछोड़ैनहींकरिकरि ॥ कहैकवि
पेमस्वंवगहिसकरनदोऊ मीडतहैकठिनउरोजनकों धरि
धरि ॥ मानोगंगाजलअतिपावनमैंसभुजूकी मूरतिअ
न्हातताभरापनसोंहरिहरि ॥ १२७ ॥ राजैपरजंकपरको
मलकनकलता लताद्वै कनकगिरिबनकविसालहैं ॥ क
हैकविदूलहसुअंगनसहिततामैं तरुनतमालछलकतछ
॥ कमलकेनालजुगतापरउभयरंभा रंभाद्वै
...लसनाल है ॥ कमलपैकुरबिंदकुरबिंदप
...रसदै चारुबालतमरालहैं ॥ १२८ ॥ दंपति

करसंरतिसुन्दरसरसअति यारो रतिरतिपतिकयकसहस कों ॥ लालकोभुजानपरललनाकीजान्हुलसे गाढे गहि ग्रीयपीयैअधरकरसकों ॥ तासमैप्रियाकेपाँयपीकोकरिहौं पैआय रहेहैंउचायऐसेंआँगुरीनदसकों ॥ मेरेजानपंचयानपंचपंचयानहीके दुहू ओरघाँधिचढरोदुहू तरकसकों ॥ १२९ ॥ रगमगीसेजपरजगमगीसोभाचारु मनिमय मंदिरमयूपनअयाहकी ॥ उदेनायतापैप्रानप्यारीप्रान प्यारोलाल कोककीकलानिकेलिकरतसराहकी ॥ कङ्कन सुकिङ्किनीरनूपुरनिनादसुनि सौतिनकेयदतियिसालपीरदाहकी ॥ त्रिभुवनजीतिकैउछाहकीयजतमानो नौय सरसोंलीकामदेवपातसाहकी ॥ १३० ॥ सङ्गमैसलोनी नयलाकरसयसह्वैके यिविधयियानयारोरतिसुखदीन्हेहै ॥ फरिकैअधरपानताहूकोंरायफेरि कहैहनुमानयरआनदकोंभीन्होहै ॥ पङ्कजनकोंजोरिलालकैसनिपैरासिकर प्यारीकोयदनचाहुयीचकरलीन्होहै ॥ मानोतजियैरराहुदंदसेयघायर्को चंदकोंसरोजनमृनालमध्य कीन्होहै ॥ १३१ ॥ प्यारीरसयसह्वैकेलागीरतिसुखलेन झूमिझूमिपैनभरीचुंयनकरतहै ॥ परसिकपोलनिकोंकरतअधरपान हियेहनुमानसुरसौगुनोभरतहै ॥ ललनाकीआनहूर्यीचलालकुचऊपरयों झुकिरहिगयोऐसोउपमाधरतहै ॥ पैठिकदलीनमध्यकीयकोप्रसन्नआजु मानोंफूमसंभुजूकेपाँयैनपरतहै ॥ १३२ ॥ अन्धकारधमदारि छ्रीरिरिछूटेयार यिथुरोयिराजैरनिजन्तसेजपरमै ॥

भौंकुचलयहारमों ॥ कैधौंचदचंद्रिकाकलंकसोंकलितम्‌ हैं कैधौंरतिललितयलिनभईमारसों ॥ कालिदासमेघ माहिंदामिनीमिलीहैकैधौं अनलकीज्वालमिलीकैधौंधूमधारसों ॥ कैलिसमैकामिनीकन्हैयासोंलपटिरह्री कै धौंलपटानीहैजुन्हैयाअंधकारसों ॥ १२५ ॥ भाँतिनअनेकसोंमनोजकीकलानमाहिं लोलहूंकैरतिकेकलोलकोंदरनिहै ॥ छांड़भरीछैलकीबिलोकनिबिलोकित्योंहीं कसिकेभुजासोंकटिमोदसोंभरतिहै ॥ कहैहनुमानमदमातीरीछबीलीबाल रतिकोंनिदरिबिपरीतिमैंअरतिहै ॥ ज्यों ज्योंछतियांमेंछपटायमुखचूमैलाल त्योंत्योंनैनमूंदिसिसिकीनकोंकरतिहै ॥ १२६ ॥

॥ प्रौढ़ा की रति यथा ॥

छतियाँछबीलीकोंलगाईनंदनंदनजू चंदमुखचंदते अनंदहियेभरिभरि ॥ जंघनजुगुलदोऊजंघनसोंजोरि जोरि भरतनिसंकअंकछोड़ैनहींकरिकरि ॥ कहैकबि देयस्वेदमाहितकरनदोऊ मीड़तहैंकठिनउरोजनकोंधरि धरि ॥ मानोंगंगाजलअतिपावनमैंसमुजूकी मूरतिअन्हातकामतापनसोंहरिहरि ॥ १२७ ॥ राजैपरजंकपरकोमलकनकलता लताद्वैकनकगिरियनकबिसालहैं ॥ कहैकबिंदूलहसुअंगनसहिततामैं तरुनतमालछलकतछबिजालहैं ॥ कमलकैंनालजुगतापरउभयरंभा रंभाद्वै कमलजुतसोभितसनालहैं ॥ कमलपैंकुरबिंदकुरबिंदपरचंद चंदपरचढ़ेचारुश्रीलतमरालहैं ॥ १२८ ॥ दंपति

करतरतिसुंन्दरसरसअति वारो रतिरतिपतिकैयकसहस
कों ॥ लालकीभुजानपरललनाकीजान्हुलसै गाढ़े गहि
ग्रीवपीवैअधरकरसकों ॥ तासमैप्रियाकेपाँयपीकीकरिहाँ
पैआय रहेहैंउचायऐसेंआँगुरीनदसकों ॥ मेरंजानपंच-
बानपंचपंचबानहीके दुहू ओरबाँधिचढ़योदुहू तरकसकों
॥ १२९ ॥ रगमगीसेजपरजगमगीसोभाचारु मनिमय
मंदिरमयूपनअथाहकी ॥ उदैनाथतापैप्रानप्यारीप्रान
प्यारोलाल कोककीकलानिकेलिकरतसराहकी ॥ कङ्कन
सुकिङ्किनीरनूपुरनिनादसुनि सौतिनकेबढ़तिविसालपी-
रदाहकी ॥ त्रिभुवनजीतिकैउछाहकीबजतमानो नौब
तरसीलीकामदेवपातसाहकी ॥ १३० ॥ सङ्गमैसलोनी
नवलाकिरसबसह्वैकै विविधिविधानवारोरतिसुखदी-
न्होहै ॥ फिरिकैअधरपानताहूकोंकरायफेरि कहैहनुमा-
नवरआनदकोंचीन्होहै ॥ पञ्जनकोंजोरिलालकसनिपैं
राखिकर प्यारीकोबदनबाहुवीचकरलीन्होहै ॥ मानो-
तजिवैरराहुदंदनैंबचायवेकों चंदकोंसरोजनमृनालमध्य
कीन्होहै ॥ १३१ ॥ प्यारोरसबसह्वैकैलागोरतिसुखलेन
झूमिझूमिचैनभरोचुंबनकरतहै ॥ परसिकपोलनिकोंक-
रतअधरपान हियेहनुमानसुखसोगुनोभरतहै ॥ लल-
नाकीजान्हुवीचलालकुचऊपरयों झुकिरहिगयोऐसोउ-
पमाधरतहै ॥ येठिकदलोनमध्यकोयेकोंप्रसन्नआजु मा-
नोप्रेमसंभुजूकेपाँयनपरतहै ॥ १३२ ॥ अन्धकारधूम-
दारि छाँरिछूटैधार विथुरीविराजैंरतिअन्तसेजपामै ॥

कान्दिासकामरूपस्यामसङ्गसोहैश्याम कामकामनीकिरू-
पंकामकेलिघरमै ॥ नयलाकीनाभीकान्हटिहुनीदैकुच
गहि चोयंजोयेजटितअँगूठीसोहैकरमै ॥ मैरजानवेंा
वीतेंनिकसिकारोनाग फनराख्योमनिमंडितसुमेरकेसि-
खरमै ॥ १३३ ॥ दंपतिस्रमितह्वै कैपौढ़े परजङ्कचारु रहे
लपटायस्यामगरभुजडारोहै ॥ रसिकबिहारीकुचबाड़ी
चुटकीसोंचापि सोयरेसुरसतेंउरोजकरधारोहै ॥ हीरा
जरीसोहतिअँगूठीस्यामआँगुरीमै जगमगजोतिकोप्र-
कासउरभारोहै ॥ मुखमेंद्वायभृंगफनकोंपसारिमानो
सोयेहेमगिरिपैंफनिंदमनिवारोहै ॥ १३४ ॥

॥ यथा विपरीत यथा ॥

आसनबिधानकैन्हवायोप्यारोस्रमजल परिमलच-
न्दनचढ़ायोरसरीतसों ॥ लीलाधरअच्छुतनखच्छुतअर-
पिउर टूटेमोतीहारबहुपुहुपसमीतसों ॥ अधरमधुरसु-
धारसनैवेद्यताकी घंटाछुद्रघंटिकाघजावतसुरीतिसों ॥
पूजापरिपाटीबिपरीतिमैप्रगटकरि कीन्होपतिदेवप्या-
रीपूजिपूरीप्रीतिसों ॥ १३५ ॥ छपाकरछत्रमोतीझालर
नछत्रमानो पलिकाप्रकासघोसिंहासनसोसाजको ॥ कहै
कविलालचारुचौरनंकीव्यारचलैं बिखरतहाराहियेअछि-
लइलाजको ॥ सरसअलापउचरतउच्चमंत्रवेद किंकिनी
सबदसुरनौवतअवाजको ॥ कीनोब्रजराजबिपरीतकी
समाजकीधौं राजअभिषेकमनमथमहराजको ॥ १३६ ॥
आजुअलबेलीअलबेलेसङ्गरङ्गधाम रतिबिपरीति दंपति

तिसोंकरतिहै॥ उकाकिउकाकिकुकिकुकिलचकीलीलङ्क अतिहीअसङ्कअङ्कप्यारिकोंभरतिहै ॥ गिरधरदासउभैउ- रजउनङ्गसांहैं उपमाकहतयानीलाजहिं मरतिहै ॥ मानो दुहुतुंबराखिछातीकितरेतरुनि सुरतिसमुद्रवेप्रयासहिंत- रतिहै ॥ १३७ ॥ आगेह्वैकुकेहैंदोऊजंघनजमातदार ल- टकैंलटकअरबरछीकेरङ्गके ॥ सीसतेअलिनव्है मलिनफूल झरैंमानो परैंविविधिविसिखअनङ्गकेनिखङ्गके ॥ अञ्चल ध्वजाजोफरहरतपरतमोती अङ्गरागरङ्गरँगेगोलनकेढङ्ग के ॥ कंचुकीकेभङ्गदोऊउरजउतङ्गराजैं छूटेज्योंमतङ्ग विपरीतरतिरङ्गके ॥ १३८ ॥ मानीहैमजानमोदमंजुलवि- मलकेलि ठानीस्यामसङ्गविपरीतरतिहोनेकी ॥ चालैचा- रुकिङ्किनीसुहालैपरजङ्ककीनो लालहिनिहालबालमाल उरझोनेकी ॥ अङ्गनअलिङ्गनकेगूढ़गुनगासनको वरनैन- वीनकामनीसुमुखमोनेकी ॥ नीलमकेपत्रपैमुसव्यहमनो- जमानों काढ़ीआवदारमेहरावथिरसोनेकी ॥ १३९ ॥ छ- किविपरीतरहीमानिकमहलबीच अङ्गअङ्गआनदअनन्द अनुसारिमें ॥ कविलछिरामस्यामसुन्दरसुजानसङ्ग रो- कोरहीरसवसरूपरतनारिमें ॥ सराबोरस्वेदअलकावली उरोजनपैं समगनसीमासोधियावरीविचारिमें ॥ वारिहै मुनीसनकेमदनसँवारेमोज मञ्जनकरतस्यामघनकेफुहा- रेमें ॥ १४० ॥ उंछलिउछाहनसोंऊधमअनोखोनाधि वरसो अनंदमनभावनकेमनपर ॥ कहैपदमाकरकपोलनपैंआये ढरि छायेकनस्वेदकेसुहायेउरजनपर ॥ हारिमानिप्यारी

विपरीतकेबिहारलगि सिथिलसरीररहीसाँवरकंतनप
मानहु सकेलिकेलिकेतिकोकलाकीकरि थाकीहैचला
चंचलाकीघोरघनपर ॥ १४१ ॥ प्रीतिबसदोऊबिपरीत
रमैहैंजहां पाँयँपरिपैजनीसुमौनमुखलैरही ॥ कहैपद
माकरत्योंकरतकुलाहलन किङ्किनीकनारकामदुन्दुभीरे
दैरही ॥ छायोमुखप्यारीकोबिहारीकेसुआननपैहारजु
वारनकीआभाइमिवैरही ॥ तारनकेफेरचाँपचंदैचहुँ
ओरमानो इंदीवरऊपरकलिंदीकेलिकैरही ॥ १४२ ॥ बहत
सुगंधमन्दसीतलसमीरजहाँ अलिपुंजगुंजतनिकुंजकेकु
टीरमैं ॥ दम्पतिसप्रीतिरचीरतिविपरीततहाँ झुकिझूमि
झुमिझूमिकीरतिलहीरमैं ॥ कहतबिजयनन्दबिधुरि
केसबस बगरतियाकेगोरेसुन्दरसरीरमैं॥ जनुकनकारबि
न्दलुलितसिवारनसों मन्दमन्दडोलतकलिन्दजाकेनीर
मैं ॥ १४३ ॥ सिमकतसाँसैंभरैबीथेवैंहपासेभरे रसभरे
रसिकरसीठीचितचोजकी ॥ कहैपदमाकरसुदाउबिपरीः
तमाह महमहीमौजैंमंजुमंजुलमनोजकी ॥ रंगरसभीनो
झीनीकंचुकीसखुजफोरि निकसिलसीहैअनीजुगुलउरो
जकी ॥ मानोरूपसागरमैंउन्नतअनोखीस्वच्छ आईकदि
काईफोरिकलिकासरोजकी ॥ १४४ ॥ फैलिरहेचहूं दिसि
चिकुरसमूहघन बरखतसलिलसुमनबृंदभारीहैं ॥ टूटिउ
छलतमुकताहलबलाकदल भूपनमयदमोरचोरअनुकारी
हैं ॥ प्रफुलितगातसबललितकदंबनब दन्तनकेअङ्कइंद्र
बधूबिकारीहैं ॥ जानबितानमईलतीउलहतिमानो

प्यारीविपरीतरतिपावसनिकारीहै ॥ १९५ ॥ साजिसेज केलिकेमहलमैउमङ्गभरी पियमरलागिकामकसकमिटा- येलेति ॥ हरीचंदउझकिउझकिरतिगाढ़ीकरि जोमभरी पियहिझकोरनहरायेलेति ॥ ठानिविपरीतिप्यारीमैनके मसूसनिसों सुरतिसमरजयपत्रलिखवायेलेति ॥ यादकरि पीकीसवनिरदयघातैंआज प्रथमसमागमकोवदलोचुं- कायेलेति ॥ १९६ ॥ कङ्कनखनकपगनूपुरठनक कटिकि- ङ्किनीझनकघनीघूमघहरानहैं ॥ कुचकीउचकपरजङ्की मचक लघुलंककीलचकहियेंहारलहरातहैं ॥ भनकवि मानविपरीतकोझलक हिलैवेसरिअलकछविछूटिछह- रातहैं॥ सुन्दरीकेकाननमेपानयौंनरफरात मानोपुञ्जयान केनिमानफहरातहैं ॥ १९७ ॥ वनितासहितवनताकेवीच वनमाली करतविलासपूपीरसकेघमंडकों ॥ रीतिविप- रीतकीनिसीथमैरुचीहैरुचि पञ्चसरजीतिलहिआनदअ- खंडकों ॥ वेनीक्योंहू उलटिपरीहैकुचकुंभवीच लोलहू छु- वतिलाछवदनप्रचंडकों ॥ महावलवंडरतिराजकोवितुंड झुकि मानोसुंडादंडसोंलपेटेमारतंडकों ॥ १९८॥ कंचन कलसपरपन्नगकुमाररराजैं आछीआरसीपैरूपमुकतामः चतुहै ॥ विंवपरकीरकीरऊपरकमल तापैंमनमथधनुहा- वभावसोंसचतुहै॥ द्विजराजश्रीपतिपरमअचरजयेह मु- निहू कैमनप्रेमवेलिविचरतुहै॥ घनपरविज्जुविज्जुऊपर सरदचंद चंदपरराहुतापैसरजनचतुहै ॥ १९९ ॥ जौतिर- तिकामहिँकरतिरसरीतिजहाँ पीतमलेंटुहू रचीविपरीति

प्योपरोनसीवीप्रेमपरखै ॥ मुखतेंउचटिस्वे दवुंद्रपरैंकुच-
नपैं मानोईंदुईसपैंसुधाकेवुंदञरखै ॥ १५४ ॥ लागीहैर-
चनविपरीतरतियालवह्न मानिकैंग्रचनप्रियवालमसपथ
को ॥ कोककीकलानमाहिशिवकविप्रमग्रस पूरनम-
नोरथकरतिमनमथको ॥ खसितउपमाकिफुकिस्रवनस-
मीपनतें जटितजवाहिरतरौनावहुगथको ॥ मानहुअ-
कासतेंप्रकासकरिआसपास टूटनोटूकहैद्वैचक्रचन्द्रमाके
रथको ॥ १५५ ॥ जोमभरीजोबनअनपरूपरासिराधे र-
च्योरङ्गरङ्गनअनङ्गभावभारोसो ॥ भौंवतीभुजानकानसङ्ग
यिनकानिकीन्हीं रतिविपरीतमोदमखरखग्रारोसो ॥ क-
विसरदारहारिफूमतफ्रुकत लटकतलटलोललीकललक
अखारोसो ॥ छूटपग्योसीसफूलफूलमुकतातेंमानो टूट
पग्योतरनितरैंयनतेंतारोसो ॥ १५६ ॥ सजिग्रजभूपनके
भूपनवसनअङ्ग राजीरतिरङ्गसङ्गसुंदरसुजानके ॥ कहै
पदमाकरसुपेचपगरीकेखुले टूटेकलकुंडलकलोलनमेकान-
नके ॥ ढरकिकपोलनतें अरुफ्रेउरोजनमैं मंजुमकराकृत
बड़ेरीमुकतानके ॥ मानोंछलछंदनसोंछीनकैंछपाकर
ने सौंपेआनिईसकोंनिस नपंचबानके ॥ १५७ ॥ रति
विपरीतिरचोदंपतिगुपतअति मेरेजानमानभयमनमथ
नेजेतें ॥ कहैपदमाकरपगीयोंरसरङ्गजामैं खुलिगेसुअङ्ग
सबरङ्गमेजरेजेतें ॥ नीलमणिजटितसुवेंदाउच्चकुचपर
पग्योटूटिलालितटिलाटकेमजेजतें ॥ मानोगिग्योहेमगिरि
संगपैंसुकालिकारि कढ़िकेकलंककलानिधिकेकरेजेतें १५८

रचोबिपरीतिजोतियेकीगेतिगहेंप्यारी चपलासेचपलन-
रितभरेअङ्गहैं ॥ फाँकिफैफरीसँदे खुगोकुलकिसोरदोऊ
सुरतिसमयकेसयानेरतिरङ्गहैं ॥ मलयमुकुतमालमंडितउ-
रोजनपैं परेकेसपासलोललागेउतमंगहैं ॥ सङ्करकेसीस
तेगिरतिगङ्गधारमानो कारेबिषधारिपरपैरतभुजङ्गहैं १५९
छूटतलपटिलपटतिफेरछूटनहैं थकतनदोऊबिहरतच-
ड़ीबेरके ॥ लंकलचकतिअंकभरतनिसंक परजंकपरराखे
मुकतानकरिढेरके ॥ तासमैकहतसंभुगोरीकेगरेतेंटूटि
छूटिरह्योसुरतिकरतफेरफेरके ॥ कुचबीचअटक्योबिरा-
जतहैहारमानो धसीगङ्गधारफेरिसिखरसुमेरके ॥ १६० ॥
रतिबिपरीतरङ्गरसिकबिहारीसङ्ग अङ्गदेखिप्यारीकेअनंग
हरपतहै ॥ आसनबिधानकेबिवेकनबलितबाल त्योंहीं
लालकोककीकलानकरखतहै ॥ भनतकविन्दहारटूटश्रम
जलछूटे सौतिनकेभीजतसुहागसरखतहै ॥ मागमोती
मालच्छैच्छैस्यामपैंसुढारगिरैं इंदुमानोतमपरतारेबर-
पतहै ॥ १६१ ॥ सजलजलदपरदामिनीलसतिकैधौं का-
मनीकोरूपजदुपतिसोंहिलतुहै ॥ मदनमुरतपियमुखसों
जुरतकैधौं कोमलकमलसोंकलानिधिमिलतुहै ॥ मंडन
कहतयाहीश्रमतेंसलिलहोत अंगतेंप्रगटकैधौंनेहपघिल-
तुहै ॥ टूटिटूटिमोतीसीसफूलतेंझरतकैधौं मेरजानितर-
नितरैयाउगिलतुहै ॥ १६२ ॥ प्यारीप्रानप्यारेसंगकरति
अनंगऐसे घिरतचहूँघाँबासफूलनकेढेरकी ॥ उदैनाथ
सुकबिसोहाईसखीश्रौननकी किङ्किनीझनककामनीय-

तकेजेरकी ॥ मोतिनकोहारचारूलटकरोकुचनपर अट-
कोयोंडोलैकरैसोभाघनघेरकी ॥ पैंतिपोतिहू करनछत्र
सबदेतमानो पून्यहेतुपूरनप्रदच्छिनासुमेरकी ॥ १६३ ॥
दंपतिसुरतिबिपरीतमैंरमतगन कोककीकलानिकेअखि-
लअघढ़ारैहैं ॥ भनतकविन्दविहँसोहैंयतराति सतरोंहैंदृ-
गदोऊकेअनंदमहाभारैहैं ॥ उलटेलिलारतेंसहितबेंदामा-
गमोती भरेकेसपासनमेंपरेउरफ्मारैहैं ॥ बदननछत्रप-
तिछत्रपतिहुकुमतें कूदेमनोतमपैंकतारैयँ।धितारैहैं॥१६४॥
रतिबिपरीतमैंरमतिअलबेलीलफि कुंदनकीबेलीसोसि-
सिकैसिकुरिजाति ॥ बेनीकबिकहैविहँसतियतराति बि-
ज्जुछटालौंछहरिघनस्यामतनजुरिजाति॥ मोतिनकीलरैं
अलकावलीकेतरेलसैं उघरैंजुरेईमुखचंदछबिदुरिजाति॥
मानोससिपीछेडारिआगेपाँतितारनकी तमकिजमाततें
उभरिलरिमुरिजाति ॥ १६५ ॥

॥ प्रौढ़ा रतिप्रीता यथा ॥

अरसोहैंनैनकरिसरसोंहैंमुसकाति त्यौंत्यौंअकुलाति
ज्योंज्योंहोतआलीप्रातरी ॥ दोऊवेपरसपरपीवतअधर
रस चूमिचूमिचटकीलामुखजलजातरी ॥ भनतकविंदभ-
रिभरिअंकहैंनिसंक नेहभरेफिरिफिरिदोऊयतरातरी ॥
छिछुरनकरतद्दुहू केगातयोंतेंदुवौ लपटिलपटिजातनेक-
नअघातरी ॥ १६६ ॥ कोककीकलानयारीसोककीदल-
निनिसि फीनीसयघातैंघातैंसौतिगरदनकी ॥ आनदमग-
मसोंप्रवीनबेनीप्यारेपास भूलिगईबिपदामनोजकरदन

की ॥ बिलखीविकलऐसीनभमैंललाईलखि आवनसुरति लागीदीनदरदनकी ॥सीतसोंसभीतसीसमीरकेबहानेगो-री छोरदीनीडोरीदोरदरपरदनकी ॥ १६७॥ चिरियाचुहुचानीत्योंरजनीबिहानीसुनि प्रगटीप्रभातबानीगोपिनके गीतमैं ॥ कालिदासऔंचकहीसेजतेंउतरिप्यारी आँचसी लगायचलीचित्तनवनीतमैं ॥ उठीअँगिरातिजमुहातिअ-लसातितन भाँवतोतज्योनजातमिसिरकेसीतमैं ॥ फेरप-रजंकपरअंकभरिप्यारो पीतपटमैलपेटिलपटाइगईपीत मैं ॥ १६८ ॥ छकिछकिदोऊछुकिछुकिमुखचूमेंघूमें जैसेंलागेवातजलजातजुरिजुरिजात ॥ बेनीकबिरसिकरसीलेरसमसेदोऊ दैदैगलबाँहींहँसिहँसिमुरिमुरिजात ॥ छूटे बारटूटेकंठसिरीतेंसुढारमोती ऐसेंदुहूकुचबीचलोलढुरिढुरिजात ॥ मनोतमतमकिनिहारिहारितारेदुहूं गिरि कीदरीमैंदौरिदौरिदुरिदुरिजात॥१६९॥ रचतिसुरतिसोप-लटिविपरीतिफेरि रतिरसआनदकोभाँवतेसोंललचाय ॥ गहिगहिगाढेचूमिलोचनअधरमधु प्यावैप्रानप्यारेकों पियतआपुनाअघाय ॥ सौंफहीतेंगोकुलअनंगरंगरातीभई भोरलौंबिलोकीचैनचायचढीसरसाय ॥ छूटिबोनभावैछिनछैलछतियामें मैनमदछाकसोंछबीलीछपटातिजाय ॥ १७० ॥

॥ चामंदमत्ता यथा ॥

सीमफूलमरि निसुहायनेलिलारलाग्यो लामीलटैंलटकिरोटैंकटिलामपर ॥ ब्रिजदेबन्योंहीफहूहलसिहियमें

हेलि फैलिगयोरागमुखपंकजललामपर ॥ स्वेदसीकरन सरायोरहै सुरंगचीर लालदुतिदैरहीसुहीरनकेदामपर ॥ केलिरससानेदोऊयकितविकानेतऊ हाँकीहोतकुमुकसुनाकोधूमधामपर ॥ १७१ ॥ कामकीकलानकीकुसलतासों चारोंजाम सुरतिसुरससोंछकायछकीपियसों ॥ भईमोद मईलईअंगनसिथिलतई तऊनअनंगकीउमंगघटैजिय सों ॥ गोकुलकहतउमहतभाँतिभाँतिनसों चावचढ़ैवैस केस्वभावसवतियसों॥ सँभ्रतलैभोरलौंनिहारीमोदमतवारी नेकऊनन्यारीहोतिभौवतेकेहियसों ॥१७२॥ भुजनि सोंकसिकसिआलिंगनदीन्होचारु चुंबनअनेककीन्हेमुख अरुनैनको॥दैकरकपोलनिमैंदैातरघुनाथ कुचछुयेबहुभांतिलायेनखछतपैनको ॥ रतिसोंपलटिविपरीतिरचीरची फेर रतिविपरीतसोंसँवारोप्यारोचैनको॥भोरतकलाकोऐसोरंगवनिताकोसखीअंगसवथाकोपैनमनछाकोमैनको॥

॥ अथ मौढ़ा को सुरतान्त यथा ॥

अंगअरसोंहैंछविअधरनसौंहैंचढ़ी आलसकीभौंहैंधरेआभारतिराजकी ॥ सुकविकलसतैसेलोचनपगेहैंनेह जिनमैनिकाईअरुनोदयसरोजकी ॥ आछीछविछाकिछाकिमंदमुसुकानलागी विचलविलोकीतनभूपनकेफौज की ॥ राजैरदमंडलीकपोलमंडलीमैमानो रूपकेखजानेपरमोहरमनोजकी ॥ १७४ ॥ कोकनदनैनीकेलिकरिप्रानपतिसंग उठीपरजंकतैंअनंगजोतिसोकीसी ॥ भूपनसकलदलमलहलचलभये विनलालभालफैलीकाँतिरविरोकी

सी ॥ छूटिरहींगोरेगोलगालपैअलकस्वच्छ कुसुमगुलाब केज्योंलीकअलिदांकीसी ॥ मोतीसीरु फूलतेंविथुरिफैलि रहेमानो चन्द्रमातेंछूटोहैनछत्रनकोचोकीसी ॥ १७५ ॥ भोरभयेंजागीअनुरागीप्रेमपागी गलेपीतमकेलागीबड़ भागीभागभरेंहैं ॥ सुथरेबदनपरविथुरेविराजैंबार मधुर सेलागैंमनोपंचसरकरेंहैं ॥ पूखीमृगनैनीबालभूपनसंभा- रतही मोतीमागटूटिउरकंचुकीपैंपरेंहैं॥ चंदकोगहनदेखि राहुकेडरनमानो संभुकेसरनएसितारेंआनिपरेंहैं॥ १७६ ॥ रैनिकीउनीदीप्यारीसोवतिहैभोरभयें झीनोपटतानप- रीपाँयनलौंमुखतें ॥ सीसतेंउलटिबेनीभालहूकैउरछ्वैकै जानुहूछवानहूकैलागीसूधेरुखतें ॥ सुरतिसमैमैंरतिजो- बनकेमहाजोर जीतिभगवंतअरसायराखीसुखतें ॥ हर कोंहरायमःनोमारमधुकरनकी धरीहैउतारिजीहचंपाके धनुपतें॥ १७७ ॥ प्यारीपरजंकपैनिसंककरिकेलिसोई कं- चुकीदरकिनेकऊपरकोसरकी॥ अतरगुलाबकेसुगंधकीर- मकपाय भईउड़िआवनिकहूँतेमधुकरकी ॥ बैठनोकु चबीचनीचउड़िनासकतकेहू रहीअवरेखसेपदुतिदुपहर की ॥ मानहु समरमैंसुमिरवैरसंकरको मारीसंबरारिफों- करहगईसरकी॥ १७८ ॥ कुन्दनसेअंगनवजोबनतरंगराजै उरजउतंगलंकछीनछबिदेतहै ॥ बादलाकीसारीदरदाव- नकिनारीदार बदनकीजोतिमानोहुसनसमेतहै ॥ सोम- नाथनिरखिसुजानऔगिरानप्यारी दोऊकरजोरिमुखमो- रिहितचेतहै ॥ मदनमलाहकेसलाहसोंउछाहभरी मानो

रूपसागरकीठाढ़ीथाहलेतहैं ॥ १७९ ॥ कररितिरंगपतिसं-
गतेंसलोनीप्रात उठीअँगिरातिओपउलहीअपारहैं ॥ भ-
नतकविंदटूटेसकलसिंगारहार सौतिमुखहारहैनिहारेटू-
टेहारहैं ॥ फबिरहीकलितकपोलनपैंपीकलीक ललितन-
खच्छ्नउरोजनअगारहैं॥ मुरिरहीबेसरिसिकुरिरहीसारी
अंग भरिरहेआलसबिथुरिरहेबारहैं ॥ १८० ॥ रातिरति
रंगमैरसीलीअरसीलीबैठी सेजमैबिलोकैसौंहैंआदरसध-
रिकै ॥ बेनीकबिबेनीकेखुलेहैंकचमेचकवै ऐंचिपेचछरा
मुखमंडलपगरिकै ॥ तिनमैअरुझोसीसफूलसोअतूलछ-
बि प्यारीसरुझायलीन्होऐसेंकरकरिकै ॥ बँध्योतमबंध
नबिलोकिदिनकरमानो प्रातअरविंदनछुड़ायोबंधुलरि
कै ॥ १८१ ॥ रतिबिपरीतकैनबेलीरसरंगभरी बैठीपरजंक-
सोहैसुखमाअपारसों ॥ मंजनसरसकरिपहिरिचुनोटीचीर
र लागीलचकनफेरभूपनकेभारसों ॥ केसनकोंझारिटा-
रिमुखदरसायोइमि प्यारीहनुमाननिजहाथनसुढारसों ॥
आछेअरविंदआनिहियरेअनंदआज मेरेजानिचंदकोंनि
कास्योअंधकारसों ॥ १८२ ॥ रातिरतिरनमेंरहेजेपतिसन
मुखतिन्हैयकसीसरीझिदीन्हीहैयकसिकै ॥ करनकोंकंकन
उरोजनमुकुतमाल कटिमाझकिंकिनीठईहैअतिरसिकै ॥
सेखकहैआननमैआनदसोंपानदियो नैननिमैअंजनबि-
राज्योमनबसिकै॥बैरीयरबारजेरहेरीथकिपाछे यातेंबार
बारबाँधेआलीबारबारकसिकै ॥ १८३ ॥ भालपायोति-
लकबिसालदृगअंजनहूं मंजनकपोलद्युतिबीरनलसतहैं॥

नासिकासुवेसरतमोलओठमालकुच भुजवरबीनपानिप-
हु'चीसजतहैं ॥ प्रानकविकिंकिनीललितलंकजानुपट नू-
पुरसुभटचितचाहिकैचहतहैं ॥ क्योंनकसेजोयँकचकाय-
रयेकामिनीके समरसमैमेसदाँपाछेहीरहतहैं ॥ १८४ ॥
इतिश्रीशृङ्गारसुधाकरे द्विजकविकृते मुग्धामध्याप्रौढ़ा-
वर्णनोनाम द्वितीयमयूषः ॥ २ ॥

अथ धीरादि भेद लच्छन ।

दोहा । पियकोंलखिअपराधजुत चतुराईगहियाम ॥
व्यंग्यवचनमैंप्रगटरिसि करैसोधीरानाम ॥
व्यंग्यवचनबिनुप्रगटरिसि करैअधीराजौन ॥
व्यंग्यअव्यंग्यलियेंकहै धीराधीरातौन ॥

॥ मध्याधीरा लच्छन ॥

कपटलियेंआदरकरै व्यंग्यवचनकहिजौन ॥
द्विजकविबरननकरतहै मध्याधीरातौन ॥ यथा ॥
कौनकहैतुमकौंकलङ्किनमैंछलआज जागेकहूँरैनि
छाईलालिमाचखनमै ॥ आयेहौप्रभाततऊसुखसरसात
मेरो नाहकमकातअरमातहौसुमनमै ॥ कहैहनुमानय-
हअञ्जनअधरवारो भालजोलगायवेसुहातितोसजनमैं ॥
भायतेअधिकमरसायतेमनोजओज जावकलगायवेजो
लालअधरनमैं ॥ १ ॥ फूंटोयेहैंप्यारेतुमैंदोपजेलगाय-
तोहैं तुमैंसबसाधुनमेंमरसायिसेव्यियत ॥ रातिकोंनोआ
यनहैंहोतजेहैंचोर तुमआयतहौभोरयातेंसाहनमेंलेखि-

यतु ॥ नैनहैंनलालयेमहाबरोनभालयह आंठनमेंकाज-
रकीरेखऊनपेखियतु ॥ आरसीलौंनिर्मलयेरावरेकेअङ्ग
तामे मेरोचारुचूनरीकोप्रतिबिम्बदेखियतु ॥ २ ॥ तुम
कहाकरोकहू कामतेंअटकिपरे तुम्हेंकौनदोससोतोआप-
नोईभागहै ॥ आएमेंरभौनबड़ भोरउठिप्यारहीतें अति
हरबरनबनायबैंधीपागहै ॥ मेरेहीवियोगरहेजागतस-
कलराति गातअलसानमेरोपरमसोहागहै॥मनहू कीजा-
नीप्रानप्यारेमतिराम इननैननहींमाहेंपाइयतुअनुरागहै
॥ ३ ॥ जैसेहींअधरपरअधिकसुसोभादेति अञ्जनकीलीक
तैसीमोहियेलगाइये ॥ जैसेडगधरतडगतफेरथहरात तै-
सीलालचालहालहमहू सिखाइये ॥ कविहरिजनजैसेबो-
लतकछूकीकछू आवतननीकेताकोभेदसमुझाइये ॥ जैसे
लाललाललाललोचनरँगाएहाल तैसीलाललालबालचू-
नरिरँगाइये ॥ ४ ॥ मेरेनैनअञ्जनतिहारेअधरनपर सो-
भादेखिगुमरयद्यावैंसबैसखियाँ॥मेरेंअधरनपैललाईपी-
कलालतैसी रावरेकपोलगोलनोखीलीकलखियाँ ॥ क-
बिहरिजनमेरेउरगुनमालतेरे बिनगुनमालरेखसेखदेखि
कखियाँ॥देखोलैमुकुरदुतिकौनकीअधिकलाल मेरीला-
लचूनरीतिहारीलालअँखियाँ॥ ५ ॥ गुञ्जरतभौंरनकेपुञ्ज-
ननिकुञ्जनतें आयेहौभयोहैश्रमआयतऔजातको ॥ आँ-
खिनतेंउलहीललाईपरैआलसको अङ्गनतेंउमगैधकेलो
अङ्गरातको॥ भनतकविन्दघामग्रीपमदुपहरीको सीखन
लग्योहैतनपरिमितवातको ॥ पङ्कजकेपातनकीपौनकरों

प्रानप्यारे पीढ़ोपरजङ्कमैंपर्सानामिटैगातको ॥ ६ ॥ मर-
गजेहारचेसुमारचारुनीकेचस आघेआघेआखरसुएहूभाँ-
तिजपने ॥ कहैपद्माकरसुजैसेईरसीलेअङ्ग तैसियैसुगंध
कीझकोरनकोझपने ॥ जैसेचनिआएआपुर्तसियैचनावो
मोहि मेरोअभिलाखलाखएहूभाँतिधपने ॥ लालदृगको-
रनमेंमेरेनैनचोरोलाल कैतोइननैननिचोरे।नैनअपने
॥ ७ ॥ चाँदनीमहलफैल्योचाँदनीफरससेज चाँदनीवि-
छायछविचाँदनीरितैरही ॥ वैठीसजिसुंदरिसहेलिनस-
माजचीच चदनपैंचारुताचिराककीचितैरही ॥ कहैपर-
तापआएमोहनरँगीलेस्याम नखसिखदेखिकरिआनन
छितैरही ॥ सुघरिविचारिकलानिधिकोंनिहारि मनुहारि
करिफेरिमुखपीतमचितैरही॥ ८ ॥ अनलसिखामैंकरीधू-
ममलिनाईतैसें आबरनकाईकेविमलचारिचरमैं ॥ को-
मलकमलनालकंटकटिहारोकीन्हो जलनिधिखारोयोंनि-
हारीभूमितलमैं ॥ चैनसुनेजगतकुबोलीठहरैहैं धनीराम
कोऊकाहूकेनजानैकहूंमरमैं ॥ बङ्कविधिबुद्धिकोनिसङ्क
कहियतकान्ह पङ्ककीन्होसरनिकलङ्कसुधाधरमैं ॥ ९ ॥
पीतमकेसङ्गहीउमङ्गिउड़िजैवेकोंन एतीअङ्गअङ्गनपरिन्द
पखियाँदई ॥ कहैपदुमाकरजेआरतीउतारैं चौंरढारैंश्रम
हारैंजेनऐसीसखियाँदई ॥ देखिदृगद्वैहीसोंननेकहुअघैये
इनऐसीझुकाझुकमेंझपाकाखियाँदई ॥ कीजैकहाराम
स्यामआननविलोकिवेको विरचिविरञ्चिनअनन्तअँ-
खियाँदई ॥ १० ॥ सुघरसिरोमनिसुजानसुखदानमेरे तुम

सोकोजानैंयातसुरसकिताबकी ॥ केसोछबिछाजैनेकुमु-
कुरबिलोकीलाल धारीदुतिअँखियाँअनूपमसहाबकी ॥
अत्ररजएकसोसुमेरहरीसाँचीकहौ काहेतैंलगतिमोहिआ-
भाआफताबकी॥खूबीमुखसुखमाकोछाईयाअजूबी जी-
तिकहँ।तैंलैआयमहवूबीमहताबकी ॥ ११ ॥ सखीकेस-
कोचनतैंतुमसेंानसकीबूझि बिनबूझेएकजामभयोजाम
मनसो ॥ जबवैगईहैंटरितबतुम्हैंबूझतिहौं रघुनाथदी-
जियेबुझायमेरेमतसो ॥ उपटीबिसालमालऐसीसोकहा
हैलाल केसरिकलितकुचताकेदागदतसो ॥ रावरेकेहिय
आजुमोहतहैमहाएहो पियकहौकहाँयहलाग्योनखछत
सो ॥ १२॥ चन्दनविभूतिनखचन्दमोतीमालगङ्ग अल-
कैंभुजङ्गध्यानउरमैंधरतहैं ॥ जलहलकंचुकीप्रवाहजल
पूरतही स्यामतागरलताकीउपमाधरतहैं ॥ हरपिङ्गर-
पिकरकञ्जनसेंापूजिपूजि निसदिनयाहीभाँतिजातबिह-
रतहैं ॥ कामकेडरनआयेप्यारीकेसरन सखीआजकाल
कान्हसेवासम्भुकीकरतहैं ॥ १३ ॥ बारिबारिदीपकसँवा-
रिसेंाधेमन्दिर सुधारिजरीपाँवड़ेगलीनलगुडारेमैं ॥ बे-
नीकबिछयिधौंछपाकरकोरीझेतुम खोजेकहूं ख्यालधौं
सखानकेजयारेमैं ॥ चढ़िरहौंभौंहैंसौंहैंहोतोंनअजौंलौं
औखैं गरमतैंस्वेदसनेलाड़िलेबिचारेमैं ॥ सीरीकरौअौं-
खैंचलोफूलीफुलवाईकाहे प्यारेकांलैआइंभरेहौजकेकि-
नारेमैं ॥ १४ ॥ झिलिझिलिवृन्दनगुलाबअरबिन्दनके
फुंदनकुमोदिनिकेमोदअनुकूलहौ॥ कहूं अनकूलेकहूं डो-

लेहौसुंघसंघसि कहूं रसलीनकेसुभायलागिफूलेही ॥ सौ-रभसुजातिअधरातिमालतीनमिलि सरसमोहागअनुरा-गअङ्गफूलेहौ ॥ कैसेयहसेवनसुगंधतजिसेयतीको कौन भ्रमबेलिनभौंवरआजभूलेहौ ॥ १५ ॥

॥ अथ मध्या अधीरा लक्षण ॥

दो० । कपटलियेंआदरकरै व्यंग्यवचनकहिजौन ॥
सुकविहतहैंजानियो मध्याधीरातौन ॥ यथा ॥

जागीहैंतमासेमैंकिपागीरोसरासेमैंकि लागीमित्रया-सेचित्तचाहचितचाहेतें ॥ भनतकविन्दइन्दुत्राहनगरबके घौंगाहनकोंदौरीहैंउमाहनउमाहेतें । जावकजवानमेन नाविककवानमेन पावकप्रभानउपमानअवगाहेतें ॥ ला-लहूतेंलालऔगुलालहूतेंलालआज आँखैंलाललालयेभ-ईहैंलालकाहेतें ॥ १६ ॥ सौनेकोजरावकौनजान्योंजात मोतिनको हीरनकोपन्ननकोकाहेकोबनायोहै ॥ देवको चढ़ायोकैदिवारीकोपढ़ायोकान्ह गुनीकोमढ़ायोबिनगु-नगरआयोहै ॥ कविमनराजराजउरतेंउतारदीजै मेरेहा-थदीजैऐसोमोहूमनभायोहै ॥ छलकोछलासोइंद्रजालकी कलासोएजू हाहाकहौमोसौंऐसोहारकहाँपायोहै ॥ १७ ॥

पीकपलकनतें ॥ १८ ॥ औरयनिताकेओरमूलेहूनदेहीं मन तुमजोकहतआएसोहँसीरीतातीमे ॥ ताकोअवकरिबोनिबाहमोदेखाजैतुम्हें रघुनाथदेखोदेहँआपनीविभातीमे ॥ रदलाग्योगालदेखोजावकसोभालदेखो जागे नैनलालदेखोआरसीसोहातीमे ॥ अधरकेबीचलागीकाजरकीलीकदेखो पलकनपीकदेखोनखछतछातीमे ॥१९॥ औगुननएकोअवलोकिअंगरावरके रोमकूपव्याजकरेपूरननवीनेहैं ॥ तेईचारुचतुरनवेलीअलवेलीवाल भाल विधिरेखलेखमेटिजिहिंदीनेहैं ॥ पुलकितगातजातदेखि उनमानकियो अवजसवन्त्योंबखानतनपीनेहैं ॥ पूरन कैआलवालप्रेमबीजबोइमानो सींचश्रमवारिदोपअंकुरितकीनेहैं ॥ २० ॥ घूंघुटकपटतनमनओटपटखोलि उरसोंलगायइतनेपैअरसातहो ॥ याकोअपनायअपनेसों हूँउपायकरि भएअपनेनसपनेहूंनाथिरातहो ॥ काधौं किहिंगैलछैलछतियाछिपायजाके विरहवोरानेदेववोलसनवातहो ॥ प्यारेपरजंकहूमेमोमुखमयंकहूमे सैंसैं लैससंकअंकहूमेअकुलातहो ॥ २१ ॥ भूलेसेभ्रमेसेकाहि सोचतश्रमेसे अकुलानेसेविकानेसेठगेसेठोकठाएहौ ॥ कहैंपदमाकरसुगोरेरंगबोरेहग थोरेथोरेअजवकुसुंभीकरिल्याएहौ ॥ आगेकोधरतडगपीछेकोपरतपग भोरहीतेंआजकछुऔरैछविछाएहौ ॥ कहँआएतेरेधामकौन कामघरजानि उहाँजाओकहाँजहाँमनधरिआएहौ॥२२॥

॥ अथ मध्या धीराधीरा लच्छन ॥

दो० ॥ व्यंग्यवचनकछुपियहिकहि रोसजनावहिरोय ॥

मध्याधीरअधीरतिय ताहिकहतसबकोय ॥ यथा ॥
आयेनदलालबालदेखतनिहालभई सोचनसकोचन
केख्यालनदलीगई ॥ सेवकप्रनामनिकरतिगुनग्रामनिसों
भावअभिरामनिज्योछलनछलीगई ॥ देहुरीदवायकों-
ऊअरुनसिखाकोंजाय योंफिरसुनायदियोसहमिभलीग-
ई ॥ साँवरेकेअंगसंगरंगमहलतेंकढ़ि चित्रमहलैहैसीस
महलचलीगई ॥ २३ ॥ कोईकहैआदरसआदरसरूपमैन
चैनउमगायमनभाइमधुएपरत ॥ कोईबारिजातपारि-
जातफलकोईकहै हारिजातमदनउदोतनउएपरत ॥ को-
मलअमलउपमानपसवंतऔर नेसुकनिहारिनेकुदीठिन
छुएपरत ॥ चंद्रमासोबदनत्रिलोकियतलालयातें चंद्रम-
निऐसेदृगदेखतचुएपरत ॥ २४ ॥ कोमलविमलतुमगाह-
तयिकटकुंज यढ़िआयेग्रमविन्दुअपअपअपकन ॥ पौ-
ढ़ियेपियारेसोमसुमनसजतिसेज लोचनउनींदेलागेझप
झपझपकन ॥ हहरिहियेतेंकोपानलकोझरपउठी तिय
तचिअंगलागेतपतपतपकन ॥ स्यामअधरानपैनिरखि
तनस्यामरेख अमलकमललागेटपटपटपकन ॥ २५ ॥
एअलिकहौहौकिनकाकहतकंतअरी रोसतजुरोसकैकिधौं
मैंकाअचाहेको ॥ कहैपद्माकरयहैतोदुखदूरिकरी दी-
[illegible] ॥ तोयेंहूतरोयतिकहाहैक-
[illegible] मेरेईजुआगेकिएलोचनउमाहेको ॥ कोहौं
[illegible] हमागैप्रानप्यारी आजुहौंतौजीपियारीतौ
परीनाकहौकाहेको ॥ २६ ॥

॥ अथ प्रौढ़ा धीरा लच्छन ॥

दो० ॥ परगटआदरकरतिपै रतिमैंरूखीहोय ॥

प्रौढ़ाधीरानायिका ताहिकहतसबकोय ॥ यथा ॥

वैसीमृदुबोलनिविलोकनिमधुरवैसी कोकनिकथारसमैवैसियैफसतिजाति ॥ वैसेईसुधासेसींचेसुंदरसुभाय सब वैसेहावभावनमेरसबरसतिजाति ॥ वैसियैसुहिलिमिलिवैसोपियसंग अंगमिलतनकेहूं मिसपीछूंउससतिजाति ॥ वैसियैलसतिजातिवैसीहुलसतिजाति विहँसतिजातिप्यारीकंचुकीकसतिजाति ॥ २७ ॥ जगरमगरदुतिदूनीकेलिमंदिरमैं बगरबगरधूपअगरबगाखोतैं ॥ कहैपदमाकरत्यें।चंदतेंचटकदार चुंवनमेंचारुमुखचंदअनुसाखोतैं ॥ नैननिमेंवैननिमेंसखीऔरसैननिमे जहाँ देख्योतहँप्रेमपूरनपसाख्योतैं ॥ छपतछपाएतऊछलनछबीलीआजु उरलगिवेकोवारहारनउताखोतैं ॥ २८ ॥ वैसहींचितैकैमेरेचितकोचुरावतिहौ वोलनिहौवैसहींमधुरमृदुबानिसों ॥ कबिमतिरामअंकभरतमयंकमुखी वैसहींरहतिगहिभुजलतिकानिसों ॥ चूमतिकपोलपानकरतिअधररस वैसेहीनिहारीरीतिसकलकलानिसों ॥ कहाचतुराईठानियतप्रानप्यारी [illegible] तकरवी मुखमुसकानिसों ॥ २९

टीमे [illegible]

[illegible]

अंगउमगतिहै ॥ ह्वै करिनिसंकश्यांमयंकमुखीबाल पर-
जंकपरजातिपियअंकनलगतिहै ॥ ३० ॥ लालआंगुरी-
नसेंनपरसोहमारेपाँय नैननतखूंदोमेरेनैनरसखूंदेको ॥
मालिनसमारोमालमलगजोदेखोकहा ललितविलोकेचा-
रुनूतनसुगूंदेको ॥ ग्रमितहौआजुतातेंग्रमकेनकीजेकाज
दयालखिहोतयसवन्तयारिखूंदेको॥कामरसभोजेफूलेता-
मरसकोनकाम सामरसलीजेजाइतामरसमूंदेको ॥ ३१ ॥

॥ अथ प्रौढ़ा अधीरा लक्षन ॥

दो० ॥ पियकोंडरुअरुमारदे जोरिसकरैप्रतच्छ ॥
प्रौढ़अधीरानायिका जानिलेहुइहिलच्छ ॥ यथा ॥
भोरभयेआयेरतिरंगसरसायेसोभ अंगअरसायेरुचि
रूपउजियारेकों ॥ बैनअरसायेलालनैनदरसायेकहूं प्रे-
मपरसायेपेंचपागकेसम्हारेकों ॥ प्रानतरसायेअभिलाप
झरसायेहिय आनहरसायेकह्याकीजेकान्हकारेकों ॥ अ-
सितअमितउरसासितसकलसिख त्रासतितरुनिफूलछरी
लेकेप्यारेकों ॥ ३२ ॥ रोसकरिपकरिपरोसतेंलिवायघरें
पीकोंप्रानप्यारीभुजलतनिभरेंभरें ॥ कहैपदमाकरनऐसो
दोसकीजोफिरि सखिनसमीपयोंसुनावतिखरेंखरें ॥ प्यौ-
छलछपावैबातहँसिबहरावैतिय गदगदकंठदृगआँसुन
झरेंझरें ॥ ऐसीधनधन्यधनीधनहैसुऐसोजाहि फूलकी
छरीसोंखरीहनतिहरेंहरें ॥ ३३ ॥ जाकेअंगअंगकीनिका-

हमीजियतुहै ॥ जःकेबिनदेखेनपरतिकलतुमहू कों जाकि
बैनसुनतसुधासोपीजियतुहै ॥ ऐसेसुकुमारपियनंदकेकु-
मारकोंयों फूलनिकीमालनकीमारदीजियतुहै ॥ ३४ ॥

॥ अथ प्रौढ़ा धीर अधीरा लच्छन ॥

दो० ॥ रतिरूखीव्हैनायकहिं जोहरदेयजनाय ॥
प्रौढ़ाधीराधीरतिहिं द्विजकविकहतबनाय ॥ यथा
हरयेभयेहोहरिताकेक्योंनजाहुजाके हराकेहिंडोरेम-
ध्यनायकह्वैफूलेहो ॥ इतैगलवैंहांडारिहोतगरपरे बकि
बकिगरपरेतातेंमानत्रिनतूलेहो ॥ भनतकविंद्रभारसोंप
होनिपटकारे टेढ़े ह्वै परसकोलेनाहिंअनुकूलेहो ॥ सोब-
ननदेतहमैंआनदुखदेत सौतिहारीकेसिखाएसौतिहारी
तुमभूलेहो ॥ ३५ ॥ हेरतहींसौहैंलालजानैअरुसोंहैंतऊ
तिन्हैतकिकामबानलागतअनैसेहैं ॥ रसभरेलालतैसेए-
ऊरसभरेलाल भौंरठौरदेखियततारकानितैसेहैं ॥ इतनो
अचंभोमोहिंआवतहैवीरकवि जानौनहींकयतेंसुभाइग-
हेऐसेहैं ॥ रैनिरहैंखुलेदिनदेखिमुदेआवतहैं रावरीसोंरा-
वरेकमलनैनकैसेहैं । ३६ ॥ छबिछलकनिभरीपीकपल-
कनित्योंही श्रमजलकनअलकनिअधिकानिव्है ॥ कहैप-
दमाकरसुजानरूपखानितिया ताकिताकिरहीताहिआ-
पुहीअजानिव्है ॥ परसतगातमनभावनकेभावतीकी ग-
ईचढ़िभौहैंरहीऐसीउपमानिव्है ॥ मानोअरबिंदनपैंचंद
कोचढ़ायदीन्हो मानकमनैतबिनरोदाकीकमानिव्है ॥ ३७॥
बदनबिचित्रबन्योप्रथमहीताकोजोइ सोइपलिकापैंरहो

नीकेनहींदरसो ॥ करैगीप्रतीतितिवैहंजासेंहीसरसतुम र-
घुनाथतासोंयेथनाइग्रातैंग्ररसो॥ सोंहकरियेकोअग्रपाइ-
नकीओरपानि तुमजीचलायतहीवेरग्रेरसरसो ॥ मानो
गेअनैसोजोकहींगोकछुकहरोमानो परैगीअन्है येमोहि
मोहिमतपरसो ॥ ३८ ॥

॥ अथ ज्येष्ठा कनिष्ठा वर्णन ॥

दो० ॥ ज्येष्ठकनिष्ठानायिका प्रियव्याहीतियहोय ॥
प्यारीपियकीज्येष्ठहै घटप्यारीलघुसोय ॥ यथा ॥
बैठीएकसेजपैसलोनीमृगनैनीदोऊ आनितहींपीतम
सुधासमूहब्ररसे ॥ कविमतिरामढिगबैठरोमनभावन दू-
हूकेअरविंदहियेमोदवृंदसरसे ॥ आरसीदैएकसोंकहरो
योंनिजमुखलखौ जामेविधुवारिजविलासब्ररदरसे॥ द-
रपसोंभरीजौलोंदरपनदेखैतोलों प्यारेप्रानप्यारीकेउरो-
जहरपरसे ॥ ३९ ॥ दोऊछविछाजतींछबीलीमिलीआ-
सनपै जिनहिंबिलोकिरहरोजातनजितैजितै ॥ कहैपद-
माकरपिछौंहैंआयआदरसों छलियाछबीलोछैलतयासर
वितैवितै ॥ मूंदेतहाँएकअलवेलीकेअनोखेदृग सुदृग-
मिचायनीकेव्यालनहितैहितै ॥ नेसुकनवायग्रीवाधन्य
धनदूसरीको औचकअचूकमुखचूमतचितैचितै ॥ ४० ॥
एकपलिकापैबैठीसुंदरिसलोनीदोऊ चाहिकैछबीलोला-
लआयोरतिकेलिघर ॥ चिंतामनिकहैआनिबैठोढिग
पीतमपै काहूसोंकछूनकहिसकतदुहूकेडर ॥ सुखकेम-
नाइबेकोंएककोंदिखायोनाह विपरीतिरतिकोस्वरूपलि-

खिचित्रवर ॥ जोलौंवहसकुचनिऔंखैंमूंदिरहीतौलौं प्या-
रेप्रानप्यारीकेकुचनिपरराख्योकर ॥ ४१ ॥ दोऊसोतैंबै-
ठीजहँातहँाप्रानप्यारोआयो आपआदरसएकलीन्हेवे-
डे ओजको॥ एकचनितांकंहाथदीन्हेकहि ऐसेयामै आनन
दिखाईदेतटूपकसरोजको ॥ ओटह्वै चिलोक्योमैनिखोट
एहोरघुनाथ मोपैकहयोजातहैनजसइहिंचोजको ॥ नैन
भटकायअटकायदेखिवेमैदीन्हे आपदूसरीकेकीन्हेपरस
उरोजको ॥ ४२ ॥ इति श्रीसृङ्गारसुधाकरे द्विजकविकृ-
ते धीरादि जेष्ठाकनिष्ठा वर्णनोनाम तृतीयमयूषः ॥ ३ ॥

॥ अथ परकीया लच्छन ॥

दो० ॥ गुप्तप्रेमपरपुरुषतैं करैजोरसवसवाम ॥
परकीयातासोंकहैं सकलसुमतिकेधाम ॥
सोहैदोयप्रकारकी चतुराईकीखानि ॥
प्रथमअनूढ़ामानिये दूजीऊढ़ाजानि ॥

॥ अथ अनूढ़ा लच्छन ॥

दो० ॥ अनव्याहीतियकरतजव रसिकपुरुषसनप्रीत ॥
ताहिअनूढ़ाकहतहैं कविकोविदमनचीत ॥ यथा ॥
मुखतेंनमोहनकीचरचाचलावैकहू मनैमनराखिहिय
दीपकदिपावैहै॥ नैननमैंह्वै कैकोऊनेकनपिछानैकान्ह नी-
चौकरिदीठिसौतिमदकोंखपावैहै ॥ लोकलाजअंबरकी
ओटधरिअंगनकों सबैगुरुलोगनकेभ्रमकोंलिपावैहै ॥ ऐ-
सेहितपीतमकोचितमैंछपावैजैसें रंकचितपायकरछिति
मैंछपावैहै ॥ १ ॥ करनतिहारेनकोकोमलताचाहिचि-

त नितएकपाँयथितरहैंजलजालते ॥ हारिमानिमानि
फिरगुननग्रथाइआन हाजिरपरसिवेकोपनयहहालते ॥
सोकविप्रबीनबेनीतेरेऊपरमभाग जासोंअनुरागलागि
रहीअतिग्रालते ॥ आजहींस्वयंवरमैकमलयिसालनकी
लालनकेगरेमेलिदीजैयहमालते ॥ २॥ खेलमिहीचनी
कोमचायोनंदमंदिरमै लुकिवेकोंकोठनिअटारिनमैध-
सिजाति ॥ नूपुरकोधुनिसुनिरीझतिहैमहरेठी खोलति
नयातेंजवतबआपुगसिजाति ॥ रघुनाथदौरतमैदामि-
नीसीलसतिहै घाँघरीसोंफसतिलरखरातिखसिजाति ॥
घेरिघेरिआनदसोंहियमैसनेहसखी चेरघेरमोहनकीओर
हेरिहँसिजाति ॥ ३ ॥ अलकैंबिसालहैकैलंकलहरान
लागी लंकतेंपरानलागीदुतिपनबालकी ॥ लालीमहरे-
ठीकेअधरसरसानलागी अधरनबानलागीवतियाँरसाल
की ॥ रघुनाथछातीकुचहचिदरसानलागी कुचछहरान
लागीछबिमनिमालकी ॥ रीझिअँखैंआनिलागीआँखैं
बढ़िकानलागीं काननसुहानलागीचरचागोपालकी ॥४॥
सपनोकीसौतुकहोसोवतकीजागतही जानीनापरतिरोम
रोमररकतरी ॥ वंकहृगवदनमयंकवारेअंकभरि अंगएस-
संकपरजंकथरकतरी ॥ देवगतिगूढ़ढिंगढूंढ़तमपायेपिनु
मृगज्योंमृगीकेदृगआँसूढरकतरी ॥ याहीछिनछोभभरी
छतियाँबिछोहयाके करधरदेखतूकरेजेकरकतरी ॥ ५ ॥

॥ अनूढाया सुरति यथा ॥

सहजयुलाइचित्रसारीदेखिवेकोमोहि छलसोंपछारी

सोधिकलबिललातीहौं ॥ लागतिनमयाउरउपजैनदया
तांहि हौंतोदुखसागरमेबूड़िउतरातीहौं ॥ धीरसोंनजात
धरिधीररोदआवतुहै रघुनाथसुनेकोउऐहैहौंडेरातीहौं ॥
छोड़िदेहहारेजोवलेतहैकहारे निरदईघटपारेदईमारेम-
रीजातीहौं ॥ ६ ॥ वलियाँवनायछलवलकैलैवायगयो
कुंजभौनबीचमहेरठीगोकुलरैया ॥ प्रथमसमागमकेदुख
कोनजानतही रचीकामकलारघुनाथनिधिसीपैया ॥ रति
कीजरवगतिलागतिमैमुरछाइ जागतिरघोंतरफरायऔं-
सूभरलैया ॥ मसकेउरोजउरकसकैसिकोरिनाक कहति
ससौंकऐसेंहायहायएदैया ॥ ७ ॥

॥ अनूढ़ाया सुरतान्त यथा ॥

तजीकुंजभौनतेंसुकबिरघुनाथप्यारे बिबिधबिनोद-
नसोंजीतपंचसरकों ॥ छूटिरहेवारटूटिगयेहारफटीऑं-
गी सारीमेसलौटपरीकरीसोभावरकों ॥ निहारतिनख
लागेउरमेंउरोजनपैं पागेक्रोधमनदाबेदेंतनिअधरकों ॥
हगमगपगहगमगधरतिडरनभरी डबरायेंलोचनडगरचली
घरकों ॥ ८ ॥

॥ अथ ऊढ़ा लच्छन ॥

दो० ॥ औरपुरुषब्याहीजुतिय करैऔरसोंप्रीत ॥
ऊढ़ाताहिबखानहीं कबिकुलसकलसुचीत ॥ यथा॥
गहिबोअकासपुनिलहिबोअथाहथाह अतिबिकरा-
लब्यालब्यालहिखिलायबो ॥ सेलसमसेरधारसहिबोप्र-
हारवान गजमृगराजदोऊहाथनलरायबो ॥ गिरितेंगिरन

पंचज्वालमैंजरन अरुकासीमैंकरोततनहिममैंगरायवो॥
पीवोबिपविपमकचूलकबिनागरपै कठिनकरालएकनेह
कोनिबायवो ॥ ९ ॥ पाखहूनवोल्योचालिआएहमैंपी-
हरतें नीकेकैनजानीसासुननदजिठानीहै ॥ कहैशिव-
रामऐसेकैसेनिबहैगीवीर घरघरफूटहींचवायरीतिठानी
है॥कौनमिलीअँखेंअँखकाकोतनमनमिल्यो कौनका-
हिमोहयोकौनकाकेमनमानीहै ॥ ब्रजकोबघूनमिलिचौ-
चँदमचायो हमकानहूँ सुनीनकहूँ कान्हकीकहानीहै॥१०
गोकुलकेकुलकेगलीकेगोपगाँवनके जौलगिकछूकोकछू
भारतभनैनहीं ॥ कहैपदमाकरपरोसपिछवारनके द्वार-
नकेदौरिगुनऔगुनगनैनहीं ॥ लौलौंचलिचातुरसहेलीया-
हिकोऊकहूँ नीकेकैनिचोरैताहिकरतिमनैनहीं ॥ हौंतौ
स्यामरंगमैचुरायचितचोरावोर बोरततोबोर्योपैनिचोर-
तवनैनहीं ॥ ११॥ रोपसरीननदरूखेंवैठिमूदेमेरे लो-
चनभिखारिनकोचोखाजजप्रानसो ॥ चढ़तअटारीगारी
सैकरनसासुदेति जेठीबोलैबोलसोसैंवारोखरसानसो ॥
कालिदासकैसेकैनिहारोंवनमालीआली प्रेमकीलगनि
मानआवैउफनानसो ॥ देवरानीनेवरकोआहटलियेहीं
रहै लागोरहैदेवरदुवारेदरवानसो ॥ १२ ॥ तुमतौरसि-
करसवादमेरहतनित औसरनजानोजियसहजसुभायहै॥
हमपैंखिजतिसासुननदजिठानी बिनाजानीबानकरैंजो-
रिजोरिकैंचवायहै ॥ कविहरिजनपासवसतिपरोसिनसो
सवपरखतिनापैंकैसेकैछपायहै ॥ लखिजैहैकोऊतौवजै-

हैगालग्वालनमे आलिनमेंबैठिब्रोहमारोउठिजायहै १३
कछूनासोहायविनदेखेपैरहग्रोनजाय हियोअकुलायहाय
चेटकसोकरिगो " पौनहूँ मैंपानहूँ मैंचंदहूमैं चाँदनीमैं फू-
लनदुकूलनदवागिनसीभरिगो ॥ नीलकंठरुचिरसोहाती
चितवनिवाकी यातीसीहसनिमेरीछातीपरधरिगो ॥ क-
हैंतेंहाँआईदुखहाईपनिघटमाई कहाँतेंकन्हाईमेरीआँ-
खिनमेपरिगो ॥ १४ ॥ पलनालगतिपलएकौपलनाकेबी-
च कलनापरतिकलधौंतकीहवेलीमैं ॥ वीरिकालिंदीको
तीरतीरसोलगतअब लागीसोदवागिफूलीवेलिननवेली
मैं॥ छनकछकायछविछाकनछवीलेछैलछीनलीन्होचित
वितचालअलवेलीमैं॥ संगनसहेलीहेलीकहिएैकहातेंआजु
कुंजनअकेलीगईचुननचमेलीमैं ॥ १५ ॥ सूखीसीश्रमी
सीभ्रमीव्याकुलसीवैठीकहा नजरलगीहैत्रिनतोरितोरि
नाख्योमैं ॥ चैनीकविभोरहीतेंभोरीभईदोरतिहौं राजक-
रोजायगृहकाजअभिलाख्योमैं ॥ ललकैहमारोजियबो-
लैनयिलोकैकाहैं मुखआँखैंमूंद्दिरहीयातेंद्दीनभाख्योमैं ॥
पलकैंउघारोंकैसेकढिजायआँखिनतें कोऊ्नकरैचित-

थोलोछलआजुभोरयाहीगैल अतिहोरंगीलीभाँतिओंच-
कहीआइगो ॥ घटकमटकभरीलटकिचलननीकी मृदु
मुसकानिदेखेंमोमनथिकाइगो॥ प्रेमसेंलपेटीकोऊनिप-
टअनूठीतान मोतनचितइगाइलोचनदुराइगो ॥ तबते
रहीहींघूमिझूमिझुकियाथरीहूं सुरकीतरंगनिमेंरंगबर-
साइगो ॥ १८ ॥ कयासुनिबेकोंयैठीपियसंगगोठिजोरि
हिएकुलकानिलोकलाजनकियोकरैं ॥ कालिदासतहाँ
बैठोपासमेंगुविंदआछे रुचिमधुपानसोंछयीलोछकियो
करै ॥ घटनटनागरकीमूरतिममायरही घूंघटकीओरए-
कटकटकियोकरै ॥ अटकोतियाकोमननवलसुजानसंग
चापुरीपुरोहितपुरानथकियोकरै ॥ १९ ॥ एहीहियद्वार
केकदीमदरवानदोऊ इनकोंछपायकाहूऊपरीलयोहैरी॥
मैंतोइनद्रोहिनकेपहरेरहीतोसोय चारीखेतखायोयहउ-
लटोभयोहैरी ॥ ठाकुरकहतबूझेंओंसूझरिभरिदेत तन
कोनसोधदेतकौनकोंदयोहैरी ॥ मेरोमनमेरीआलीमोहि
यहजानपरी दृगबटपारनकेभेदमेंगयोहैरी ॥ २०॥ आ-
जुहरिपकरिकदंबकीललितडार खरेजमुनापैकलानिधि
ऐसेवैरहे ॥ रघुनाथन्हायबेकोंआलिनकेसाथआई अप-
भानललीपंथसौरभसोंभ्वैरहे ॥ देखादेखीहोतभयोकौतु-
कउदोतभटू राधेकेनयनऐसीभाँतिघरीद्वैरहे ॥ कंजनसे
व्हैकेफेरिखंजनसेहूकै फेरमीनऐसेहू करिचकोरऐसेहै
रहे ॥ २१ ॥ रातिकैबोलाईप्यारीऔंनदीअकेलीआई दे-
खिकैकन्हाईआपुलेनआगेचरिगो ॥ चिहँसिगरेसोंलागि

मिलीरघुनाथकला अंगनिकोगुनरूपऐसेविसतरिगो ॥ बसतबसन्तबीचबनमेसुबासजैसे। तैसोआसपासबनबी-थोकेपसरिगो ॥ अतिहीअँधेरोकुंजभौनताकेबीचभट्ट तिलहेरोपाइयेउजेरोऐसोभरिगो ॥ २२ ॥

॥ ऊढ़ाया सुरति यथा ॥

परीरतिरीतिकीऊनीतकुञ्जधामबीच दम्पतिसोरघु-नाथकहीनापरतिबात ॥ तूहू देखिआयदबेपाँयभायब-निताके बैसकेसुभायकैसेप्रगटहूँ सरमात ॥ सोकहतिजी-भिसिकुरतिनाकचढ़ीभौंह बिहँसतिअधरकपोलपुलकि-तगात ॥ ललचातलोचनविलोकिवेकोंपीब रहेलाजनि सोंसुँ दिखुलिखुलिमुदिमुदिजात ॥ २३ ॥ बिरचीसुरति रघुनाथकुञ्जधामबीच कामबसवामकरैऐसेभावथपनो ॥ जह्नुनसोंमसकैसिकोरैनाकससकै मरोरैभौंहँहँसकैसरीर डारैकपनो ॥ आँखिनसोंआँखिनमिलावैलचकावैलङ्क भुजाखैंचिलावैअङ्कछोड़िकरैजपनो ॥ ज्योंज्योंजीमैआ-वैत्योंत्योंरीझरसअधरको आपुपियैपियकोपियावैपियै अपनो ॥ २४ ॥

॥ ऊढ़ाया विपरीत यथा ॥

सेजसौंउकसियामस्यामसौंलपटिगई होतिरतिरीति विपरीतिविसतारकी ॥ सिन्धुसौंसुधानिधिकोंगहिआहि कोन्हेंउद्ध उपमाविसुद्धयोंविराजीमुखचारकी ॥ एही रघुनाथकछूगाइनयताइआइ ऐसीचतुराईमैंनिहारीओ-टडारकी ॥ एककरदोन्हीअधऊरधकोगतिधारि किंकि-नीकोझनकारधुनिननकारकी ॥ २५ ॥

॥ ऊढ़ाया सुरतास्त यथा ॥

जीतिरतिकामघनश्यामसौंपिंदाहू चली छोड़िकुंज धामवामबिसरामवरको ॥ अरुझानेबारहारसरुझावैं रघुनाथ ऐसैंमनावतिनिवारनलाजडरको ॥ परैनपह-रचरनायुधकरैंनसोर पसरैनप्राचीओरकरदिनकरको ॥ जमलौंहौंपहु चौंमैंचोरभई घरआजु एहोदईतयलौंनजा-गैकोऊघरको ॥ २६ ॥

दो० । सोपरकीयाहौंनिहै पटविधिपरमसुजान ॥
गुप्तादिककभेदते हौंतिहिंकरसवखान ॥
गुप्ताप्रथमाहिंजानिये वहुरिविदग्धामान ॥
तीजीतीयसुलच्छिता चौथीकुलटाजान ॥
पँचईंमुदितातियनमे जानिलेहुसबकोय ॥
अनुसयनाछठईंकही मैसवग्रंथनजोय ॥
गुप्ताअनुसयनाहु के तीनतीनविधिलच्छ ॥
जुदेजुदेतिहिंलिखतहौं करतनकाहुइपच्छ ॥

॥ तत्र गुप्ता लच्छन ॥

गो।पैभूतभविष्यअरु वर्तमानरतिजौन ॥
ताकोंगुप्तानायिका बरनतहैंमतिभौन ॥

॥ भूतगुप्ता यथा ॥

हारलाइवेकोंहौंनीगईहीसँवारेआजु सोगईहौंहारी [illegible] रियो [illegible] जाइमै ॥ देखोदुखहाइनकोदेखादेखीदो-खेत पैठिकोन्हीखनाअनसोसजायपाईमै ॥ कहैकवि [illegible] अयकवौंजाइहौंनजायपछि-

ताईमै ॥ भाईकीसोंहौंनजानीहोयगीहैंसाईहाय ला-
यलगोजायऐसीकुसुमचुनाईमै ॥ २७ ॥ मोतिनकीमाल
तोरिचीरसबचीरिडारे फेरनाहिंजैयोआलीदुखधिकरा-
रेहैं ॥ देवकीनंदनकहैधोखेनागछौननके अलकैंप्रसूननने-
ऊनोचिनिरुवारेहैं ॥ जानिमुखचंदकलाचोंचदीन्हीअ-
धरन तीनोएनिकुंजनमेंएकैतारतारेहैं ॥ ठौरठौरडोलत
मरालमतवारे तैसेमोरमतवारेत्योंचकोरमतवारेहैं॥२८॥
आलीहौंगईहीआजुभूलिबरसानेकहूं तापैतूंपरैहैपदमा-
करतनैनीक्यों ॥ ब्रजवनितावेवनितानपैंरचैहैंफागु ति-
नमेंजुउधमिनिराधामृगनैनीयों ॥ घोरिडारीकेसरिसु-
वेसरिबिलोरिडारी बोरिडारीचूनरिचुचातरंगरैनीज्यों॥
मोहिझकझोरिडारीकंचुकीमरोरिडारी तोरिडारीकस-
निविथोरिडारीवेनीत्यों ॥ २९ ॥ कहाकहौंबीरबिनकहे
नारहतबीर सिसिरसमीरजमुनाकेतीरजाग्योरी ॥ अध-
रनखंडितहैदेहदुखदंडितहै बसनविहंडितअनीतिरीति
राग्योरी ॥ हौंनकरौं गौनकाहूकौतुकलगौंनभौन भीत-
ररहौंगोपरमनप्रेमपाग्योरी ॥ मंजुफूलवारीभौंरगुंजसु-
नियेकों गई केतकीकेकुंजनपरागपुंजलाग्योरी ॥ ३० ॥
घरघरघाटनमेंडोलतनिठुरयहु तिनकेडरनडोरएैयतग-
हरमे ॥ जेठकोकठिनघामसूनोलखिनिजधाम जानिकै
अकेलीबामघेरीदुपहरमे ॥ बीधिडारीचोलीचारुतोरि
डारयोहियहार शिवनाथकौंप्योलनधहरघहरमे ॥ सुनो
होजिठानीरानीअयतोनजैयोपानी बानरविकटवृंदाब-

नकीडगरमे ॥ ३१ ॥ कौनजानैकितहू कैआयोवहसेजमेरी लाजहूकोयैरोउपहासजगजोयोहौ ॥ रसखानऔगूनजान्योसोभलोईभाग गयोकछूनाहिंसुभघरीयाइजोयोहौ ॥ मानिहौंजनमलगितेरोउपकारयहो आनिकैजगाईनातोपतिव्रतखोयोहौ ॥ भूलिभईपकस्योनचोरयटपारहौकी ठगहौकिलंगरहौकौनआनिसोयोहौ ॥ ३२ ॥

॥ भविष्यगुप्ता यथा ॥

स्यामरंगधारिपुनिवौंसुरीसुधारिकर पीतपटपोरियानीमधुरसुनावैगी ॥ जरकसीपागअनुरागभरेसीसयाधि कुंडलकिरीटहूकीछविदरसावैगी ॥ याहीहेतखरीअरीहेरतिहौंवाटयाकी कैयोवहुरूपियोंकोप्रीधरभुरावैगी ॥ सकलसमाजपहिचानैगोनकेहूभाँति आजयहग्वालब्रजराजवनिआवैगी ॥ ३३ ॥ आजुतेंनजैहौंदधिवेचनदोहाई खाउं मैयाकीकन्हैयाउतठाढोइरहतहै ॥ कहैपदुमाकरत्योंसाँकरीगलीहैअति इतउतभाजिवेकोदाउँनलगतहै ॥ दौरिदधिदानकाजऐसोअमनैकतहो आलीवनमालीआयवेहियँगहतहै ॥ भादौंसुदीचौथिकोलख्योमैंमृगअंकयातें झूठेहू कलंकमोहिलागनचहतहै ॥ ३४ ॥

॥ वर्तमानगुप्ता यथा ॥

हौंरीवरजोरावरीजोरीमेंटिवेकोंयारु छूटतिनकेहूछिनछोरछुटकारेसों ॥ केसरअतरअरगजानिअवीरमुख मंडितकरतवनैसोभगुनभारेसों ॥ ऐसेअवसरवीचऐयोअटयेलेको क्यौंवदनदुरैयोयनैप्रेमरतनारेसों ॥ सौंहैक-

रिलोचनयनैनतिरछौंहैंमोहि मिलतैअन्योरीमनमोहनपि-
यारेसों ॥ ३५ ॥ एकदिनएकछनजनमदुहू कोभयो उ-
मगेअनंदयाजेबाजनबधाईके ॥ एकसेसँवारेविधिरूपरं-
गअंगसब मिलतसुभायमैरेचलजूकेभाईके ॥ भनैअमरे-
ससुखसंपतिसमानआन भेदहैनकोऊभेदलोगऔलुगाई
के ॥ माईयहकैसोतैंकहीकीतनजोरी तनजोरीनापिवेमे
हांतिगरलौंकन्हाईके ॥ ३६ ॥ कैपकउराहनसुराहनदि-
येतेसबै अतिइतरातीसतरातीयतरातीहैं ॥ सोइबेकोसो-
घलैसिधारेसूधरीसोजानि अतिहूनसूधीवेनिकाइननि-
कातीहैं ॥ अमरेसब्रजकीगलीतेंउफनातीसोती काहूस्व-
किपाकेप्रानऊपरदिखातीहैं ॥ ऐसीकौनहैसोधीरपुरुष
परायेसंग बारबारदेखोहमैपारपारजातीहैं ॥ ३७ ॥ गें-
दमेनलईगिरधरकीतिहारीसौंह योंहींरारिठानतहमैनऐ-
सोभावती ॥ छोड़तनढांठजसुमतिलाड़िलोकियोहै हँस-
तीकहाहौदईआयनछहावती ॥ फटिगईअँगीछटिगई
चूरचूरह्वैके लटिगईहैंतोनातौलालहिरिझावती ॥ दे-
खतीजोऔरएसैलखतीकहाधौंहिये भागनतेंअटूतमजो
नइतैआवती ॥ ३८ ॥ आँनतेंनआयोयाहीगोंवरेकोजा-
योमाई वापुरोजियायोप्याइदूधधारेयारेको ॥ रसखान
सोऊपहिचानिहूनमानतहै लोचनलजैयाऔनचैयाद्वारे
द्वारेको ॥ बचाकोसोंसोघककूमटुकीउतारेकोन गोरस
केढारेकोनचोरचोरढारेको ॥ यहैदुखभारीगहैडगरह-
मारो माखनगरहमारेग्वारबगरहमारेको ॥ ३९ ॥

॥ अथ विदग्धा लच्छन ॥

दो०। होतविदग्धादुविधहै वचनविदग्धाएक ॥
क्रियाविदग्धादूसरी सचक्रविकियोविवेक ॥
वचननकीरचनानितें जोसाधैनिजकाम ॥
वचनविदग्धानायिका ताहिकहतमतिधाम ॥

॥ वचनविदग्धा यथा ॥

धिगरियोलायेंनितआवसीछोकौनकाज जानतीवखत नाहिंदिनकीनरातिकी ॥ मुखपरऔरैकछूपीठिपाछेंऔरैकछू हितकोकहौनकहीअंतसमेघातकी ॥ कहैपरताप आयकरतीवखानअति परीकोनयानिउरमाफउतपात की ॥ हमसों हमारोपतिकसोजोरहततोपै तुमको परीहै कहापरघरबातकी ॥ ४० ॥ ननदजिठानीअनखानीरहैं आठौजाम वरवसबातनबनायआयअरती ॥ रचिरचि वचनअलीकबहुभैंातिनके करिकरिअनखपियाकेकानभरती ॥ कहैपरतापकैसेबसियेनिकसियेक्यों मौनगहिरहियेतऊननेकुडरती ॥ निजनिजमंदिरमेंसाझतेंसबैदेदीप मेरेकेलिमंदिरमेदीपकौनधरती ॥ ४१ ॥ पासपरिचारिकानकोऊजोकरैबयारि महलटहलमेंरीकहलमिटावरे॥ राधकहैबातनसुहातीतिऊहौतीकरी छातीतेंछुवायअति आनदबढावरे ॥ एरेमीतपौनतूंपरसिमेरोअंगआय तेरोइतें आइबेकोमेंरचितचावरे ॥ रातिमहीसिरतेंकिंवार रखोलिनेकाज एरेमेरेमंदिरमेंमंदमंदआवरे ॥ ४२ ॥
आवनगोपालदेखिएहोकविरघुनाथ पाइकैनिकटसखी

साधिनिजोयारेकी ॥ बिलखोंहैंबदनकैतासों यों कहन लागी जीवतिवृथाहैंजेहैंबामबनिजारेकी ॥ लादिगयो पतिहैंसीपलिनीओकेलीछोडि रातिमेंनसुनियेपुकाररखबारेकी ॥ चोरनकोडरघरगाँवकेकिनारेआजु तापैगिरीमीतधिरीभीतपिछवारेकी ॥ ४३ ॥

॥ अथ क्रियाविदग्धा लच्छन ॥

दो०। जोतियकोऊकरिक्रिया पियहिजनावैभाव ॥
क्रियाविदग्धानायिका ताहिकहतकविराव ॥

॥ क्रियाविदग्धा यथा ॥

मणिमयमंदिरकेआँगनअनोखीबाल बैठीगुरुलोगनमेसोभासरसायकै ॥ गरकगुलाबनीरअरकउसीरनके राखेंबहु औरनसुगंधबगरायकै ॥ कहैपरतापपियनैनकेइसारातिनि सारतिजनाईमुखमृदुमुसुकायकै ॥ बोलीनहिं बोलकछूसुंदरिसुजानरही पुंडरीकसुमनसोहाथोदिखरायकै ॥ ४४ ॥ बंजुलनिकुंजनमेमंजुलमहलमध्य मोतिनकीझालरैंकिनारिनमेकुरविंद ॥ आइगेतहाँईपदमाकरपियारेकान्ह आनिजुरेचौचँदचबाइनकेवृन्दवृन्द ॥ बैठीफिरिपूतरीअनूतरीफिरंगकैसी पीठिदैमबीनीदृगदृगनमिलैअनंद ॥ आछेअवलोकिरहीआदरसमदिरमे इंदीवरसुंदरगोविंदकोमुखारविंद ॥ ४५ ॥

॥ अथ लच्छिता लच्छन ॥

दो०। परपतिप्रेमसखीनको जाकोजाहिरहोय ॥
ताहिलच्छिताकहतहैं कबिकोबिदसबकोय ॥ यथा

काकरेजं।कंचुकीसुकेतीकसयौंधीतऊ म्यानतहीअंग रंगक्षत्रकसखीपरै ॥ ओठनअँगोछिलालीउठतअनूप ऐसी ललितकपोललोग्रदलिनचखीपरै ॥ नूतननवेली वेलीफूलनसोंगुहीवेनी नूतनचमेलीहारदलितनखीपरै॥ केतीचतुराईसोंदुराईप्रीतिप्यारेकीपै नैनकरुवाईजमुहा- ईसोंलखीपरै ॥ ४६ ॥ लैकरिसुवासवारिविमलसुवासि- तकै मंजनकियोहैननअधिकउमाहेतें ॥ केसरिकपूरक- सतूरीओअतरलैकै अंगरागअंगनिलगायोचितचाहेतें॥ कहैपरतापसाजिसकलसिंगारतन भूषनविभूपनसकलअ वगाहेतें ॥ कवकीनिहारतिहौंनैननिमोंकंजनैनि वेसरि वनैनआजपहिरतकाहेतें ॥ ४७ ॥ कोकरतिमंत्रनकेअ- मितउपायनसों चायनयहायभूरिभायनभरतिहै ॥ कहै परतापजीतिमीनमृगखजनऔ कंजनचकोरनकोआभा निदरतिहै ॥ रसवरसायअनुरागसरसायकरि प्यारेमन मोहनकोहितलहरतिहै ॥ भृकुटीकमानतानमैनविरदैती भरे नैनकमनैतीआजकौनपैकरतिहै ॥ ४८ ॥ सीससारी सिकुरतिअलकैंमुकुरिरही झलकैंकपोलनिअनूपछवि- छाईहै ॥ वदनवदलिगयोखौरिसिरचंदनकी अंजनकी रेखदेखविधुरसुहाईहै ॥ देवयोसोहागभागअनुरागउ- मगत कचुकीदुरुखकैसेदुरतिदुराईहै ॥ करिरतिरंगमन मोहनसोंसाधेराधे आजुमधुवनतेंविहानहोतआईहै ४९ वेलाकानचाहैजुहीजदपिसुगंधजुही सोरभीनिवारीकों निवारिदेतरेलातें ॥ सेवतीगुलावकीनआवखुसवोइमा-

ऊजराहूकाऊकढ़ कंटकझनेलाते ॥ सोनाओसुगंध
ारीकारीसोंनमालतीतूं मानिसिखमेरीहीनलागुदरफ्र-
ाते ॥ है फकैकहीमैमधुकैफकेमजेमेकहू रेफलगजाय-
ोद्विरेफअलबेलातें ॥ ५० ॥ चाख्योकैपियूपअभिला-
पोकै अमंदउर भाख्यानाघनतई मऔरैजोकपटमै ॥ घ-
तकहूं कोपेंायपरतकहूं कोजाय करतकलातूं भायजैमी
हींमटमै ॥ जाननदुरायतूंअजाननदुरायभले मेरेजा-
आइआजुकारेकीझपटमै ॥ कालिंदीकेनीरतूं अकेली
जमीरथीर लेनगईनीरभरिल्याईनेहघटमै ॥ ५१ ॥
इकैकहूं तेमैयसीनइहिंगाउंकहूं छोहिइहिठौंवहींग-
हितपुनकै ॥ मेरेआगेआईनरुनाईतेरेअंगनमे रघु-
पमोसांसीसेग्रंथगरुगुनकै ॥ मोहनकीप्रीतिरीतिमो-
योंदुरायतिहै मैनकहाजानतिहैंभिदएदुहुंनकै ॥ तूहै
पमालतीमधुपमनउनकोहै तेरामुखचंदहैचकोरहग
कै ॥ ५२ ॥ मैतोसहयामिनिमहेलीहौंतिहारीप्यारी
ांक्यों छपायतिहैयाननकेअरमै ॥ घालिघालिघूंघु-
अतिअनखायआय यातनयनायबैठेआलिनकेपर
कहेहनुमानगोरीकाहेकों करनिभागी नेहभरीआे-
रीतूं ताहि अतरमै ॥ जैमीकालिसाहातिहीमालनंद-
गरे तैमीआजगाजतिहैमालतेरेगरमै ॥ ५३ ॥ ला-
इकालिहीतूं माइकेतेंएरीआली कौनविधिकैमोमि-
इआलनाख्योंनूं ॥ मेरेजानईसुप्यारोरूपकीनयूप
यघनापियूपकैपीमृदुहैंमिताख्योंनूं ॥ कीन्होनुम-

चारकीधौंऔरहीयिचारसुतो तहींनिरधारचारुसुखअभिलाख्योतूं ॥ एरीअरविंदननीपिकबैनीमोरहीतें गोकुलकेचंदकोंचकोरकरिराख्योतूं ॥ ५४ ॥

॥ अथ कुलटा लक्षण ॥

दो० । कुलटाकोंयांसुकविसब बरनतहैंकरिनेम ॥
बिनधनधनजोकरतिहै बहुपुरुषनतेंप्रेम ॥ यथा

फेरतिअनोटपाछेहेरतितिरीछेबाल गैलमैकरतिफैलछैलकौलखायकै ॥ बातकहियेकेमिससजनीकोठांढीकरै रजनीमिलापकोठिकानोठहरायकै ॥ भनतकविंदसासुननदकेआगेऐसी सूधीह्वै रहतिमानोऊंधीहैउपायकै ॥ नैननकेडोरेखैंचिजोबनकेजोरे मनलेलिहैमरोरेकुचकोरैदरसायकै ॥ ५५ ॥ कबौंपटसीससेंसमेटिढौंपिलेतिनीकें कबौंअंगअंगनदिखावतखुलासाहै ॥ एकनसोंहांसीकरिहैंसिबतरायजाय एकनसोंसैनचैनबोलतदिलासाहै॥ मगमैंचरतपगकूमतझुकतजात अतिइतरातमोरिमोरिमुखनासाहै ॥ कनककीपूतरीसमासाकरैताकेताक तरुनपतंगहोतदीपज्योंप्रकासाहै ॥ ५६ ॥ लोचननचायनटुवासेचोपचायचढी धनमनमानिकथिलोकतहोलतिहै ॥ कुचगिरिसानुपासमदनअमानमेव राखतिहैदेखतहींधरतिअनेतिहै ॥ द्विजजूकरतिसैलछैलगैलगांवनमेमीतप्रीतिपालियेकीमोतिमेसचेतिहै ॥ मैनमदपानिपसोंभरीघाटबाटनमे रतिरसप्यासेनकोंपीसरासोदेतिहै५७ मोहनलगावैडीठिडारैमेमिर्फासीगर गरकोगहेहैकाजको-

जरकदनके ॥ घानसमकरतकटाच्छघनेघायनको घूमे जाहिलागैगैलछूटतसदनके ॥ कहैरघुनाथमनमानिकसो मगिलेत मानैनमगजमातिकाननहदनके ॥ रूपरसरास पासपथिकपिंडारेऐन नैनएनिहारेदगठाकुरमदनके ५८ जेतेसबतरबरतरलथिलोकियत बाटिकाबिटपलताजेती सुखकारीहै ॥ करतोजोदईदयाकगिकेहमारेहित रचनान-योनकरोंयिनयपुकारीहै ॥ मेटतीहियेकोतापलपटिलप-टिआपु कहैशिवराजसखीसपथतिहारीहै ॥ फरतेपुरुष जेनिकरतेसुमनमत्र होतीतौसुफलमनकामनाहमारीहै ॥ ५९ ॥ कामकेकुमारसेकन्है पासेकलाधरसे कोककोक-लानिसोंकलितकरिधरतो ॥ नटवरवेपरेखभौनतकिसो-रथेस भूपनथिसेपअंगजोनिभौंनिभरतो ॥ होतोकोऊ चतुरचितेरोजोमयीनचेनो कोठरीकेचित्रितचरित्रअनु-भरतो ॥ रैनिमैसजीवहोतेणीवहोतेमेरीबीर ऐसीविधि बाकेकरकरामातकरतो ॥ ६० ॥

॥ अथ मुदिता लक्षण ॥

दो० । चितचाहीयातैंसुनत मुदितहोतितियजौन ॥
मुदितातासोंकहतहैं जेकबिकबितामौन ॥ यथा ॥
पतिफुलवारीबसैननदनिरालीरसै सासुऔंधियारीसी उजारीलखैगोदमैं ॥ पौरियापुरानिकेपलकझुकैंपुहुमीमैं पाहरूअमलछाक्योआसवबिनोदमैं ॥ सोभसुनिखबरउ-रोजउमगनलागे उदितमनोजओजअम्बरकेओदमैं ॥ बाढ़ीछबिनईउनईसीअभिलापघटा प्रमुदितमुदिताकि-

रतमहामोदमै ॥ ६१ ॥ वृंदावनवीथिनविलोकनगईही जहाँ राजतरसालवनतालतरुमालको ॥ कहँपद्माकर निहारतवन्योईतहाँ नेहिनकोनेमप्रेमअद्भुतख्यालको॥ दूनोदूनोबाढ़तसुपूनोकोनिसामेअहो आनदअनूपरूपकाहूब्रजबालको ॥ कुंजतेकहूकोसुनिकंतकोगमनलखि आगमनतैसोमनहरनगोपालको ॥ ६२ ॥ सामुरेकोमालिनअसीसकैसुहागभाग पहिरायोचौंसरचमेलीकोउनतही ॥ रावरेमहलकेपरोसकोसुमेरोबाग त्योंसबीते वाकेमोहिफूलनचुनतही ॥ सुचितसकेतभौनकेतिकोनिकटसर सानोसुखवन्दताकोगुननगुनतही ॥ माइकेके बिरहकीजरदीरदीकैंमुख लालीचढ़ीवालकेखुस्यालीके सुनतही ॥ ६३ ॥ माइकेकेबिरहमयंकमुखीदुखीदेखि भेदताकेसासुरेकीमालिनबतायोहै ॥ मोपैठकुराइनहुकुमकरियोईकरो खिजमतकरियोहमारेबाँटआयोहै ॥ भौनमेतिहारियागताकोंहौंहाँसियलोहौं तामेतहखानोसूनो अतिहीसोहायोहै ॥ ताकीकोठरीनकीअँध्यारीभारी सुनकरि दुलहीदुलारीकेमहामोदछायोहै ॥ ६४ ॥ बैठीयहमोचकगिसुंदरिनकोचभरि- कैसेकैबिलोकोहरिकरीकौनछलछंद ॥ दूसरीभईहैदेहकछनपरतगेह सहित सनेहतौलौंग्रोलीयोंजिठानीनंद ॥ आजदधिबेचनतू जाइनंदगाँवमधि सुनतमयीनयनैनीउमग्योअनंदकंद ॥ कसिआईकंचुकीउकसिआयेदोउकुच गसिआईचलिया

दुखपौनभयो भौंनभयोभायेकोसमानसिधिमागीके ॥ चैनभईसौतियाअचैनचैनमाइकीभे सेवकमिलैनमति मैनकीसवैंगीके ॥ हूकभईनेगिनपियाकेकामकूकभई सूकभईसासुसुनिसन्नदनहँगोके ॥ सूकभयोसामनेअचूकअभिलापभये टूकभयेसुदिनछटूकभयेअँगीके ॥ ६६॥ झाँकीफूलवागकेझरोखेअनुरागभरी देखेतहाँआयऐसेचरितविहारीके ॥ कहैकविदूलहवखानतवनैनकछू लहलहेलोचनललितसुकुमारीके ॥ फूलेअंगअंगउठेउरजउतंग वादीछविकीतरगअंगअंगउजियारीके ॥ ज्योंज्योंपियलेतपरनारीभरिगोद त्योंत्योंहोतहियेपरमप्रमोदप्रानप्यारीके ॥ ६७ ॥

॥ अथ अनुसयना लच्छन ॥

दोहा । अनुशयनाहैतीनविधि प्रथमभेदतहँएह ॥
मिलौकेलिथलजानिकै होतखेदजिहिदेह ॥

॥ प्रथम अनुसयना यथा ॥

केलिकेवगीचेलौंअकेलीअकुलायआई नागरिनवेलीवेलीहेरतहहरपरी ॥ कुंजकीअवासतहाँगुञ्जरतभौंरभीर सुखदसमीरसीरेनीरकीनहरपरी ॥ देवतिहिंकाल गूंदिलाईमालमालिनिसो हेरतविरहविपव्यालकीलहरपरी ॥ छाहभरीछरीसोछवीलीछितिमाह फूलछरीकेछुवतफूलछरीसीछहरपरी ॥ ६८ ॥ लागतिहैनीकीनाहिं अवलीअलीनहूकी अतिहीमलीनभईधीरनाधरतिहै ॥ खानअरुपानपरिधानहू विहायकोऊ पूछतजौतासोंक-

हिओरहीलरतिहै ॥ कहैहनुमानयातीयिनस्योंसंकेतदू-
जो मिलिहैर्थोकैसोऐसीभावनाभरतिहै ॥ मोचनकरति
वारिलोचनतेंहाय परीक्रोचनपैवालयाहीसोचनमरतिहै
॥ ६९ ॥ भयोपतझारपतझारमैंउधरिगयो होतोजीन
कलिकुंजकालिदीकिनारामे ॥ कहैगिरधारीसोविलोकत
विहालभई वालथहरानीमुकताहलज्योंयारामे ॥ बूटी-
दारकंचुकीकलितकुचकोरनमै सुखमाबढीयोंतासुउपमा
विचारामे ॥ डारिमेघडंवरवधंवरअनूपमानो संभुकेसरू-
पद्वैअन्हातछिन्नधारामे ॥ ७० ॥ सूनेघरपरमपरोसीके
सुजानतिया आईसुनिसुनिकैपरोसिनमनोअराति ॥ क-
हैपद्माकरसुकंचनलतासीलचि ऊंचीलेतिसाँसयोंहिएमे
त्योंनहींसमाति ॥ जाइआइजहांतहांवैठिउठिजैसेतैसे
दिनतौविताघोवघचीततिनकेहूराति ॥ तापसरसानीदे-
खेंअतिअकुलानीजऊ पतिउरआनीतऊसेजमेविलानी
जाति ॥ ७१ ॥ गेंदागुलदावदीगुलावआवदारचारु चंप-
कचमेलिनकीन्यारीकरीवारीमै ॥ हौसनवंधायरौसरौ-
सनकीरौसेंजहाँ सकलसिंचायसीरेनीरहूसँवारीमै ॥ क-
हैपरतापजिन्हैदूसरेमुकामराखि दीन्हेप्रतिजामजामज-
नरखवारीमै ॥ मेरीउरअधिकजरावनलग्योहै कौनआ-
वनलग्योहैनितमेरीफुलवारीमै ॥ ७२ ॥ आईरितुपा-
वसअकासआठौदिसनमे सोहतसरूपजलधरनिकीभीर
को ॥ मतिरामसुकविकदम्बनकीवासजुत सरसवहावैर-
~परससमीरको ॥ भौनतेंनिकसिवृषभानकीकुमारिदे-

रयो तासमैंसहेटकोनिकुंजगिरोतीरको ॥ नागरिके नैननिमैनीरकोप्रवाहवाढ्यो देखतप्रवाहवाढ्योजमुनाकेनीरको ॥ ७३ ॥ सूखतसरसरंगदूखतसकलअंगभूपननभावैचितचिन्ताधुनियतुहै ॥ रूखेलागैंउदितमयूपनिधिपूरन मयूषैंमहामंडलीनछातीधुनियतुहै ॥ हेरतहरनरुखसोभनपरुपभये भूखननकरजनचोपिचुनियतुहै ॥ भूपनपियासकीअदूखलागोवालमन नगरनिकटआजऊखलुनियतुहै ॥ ७४ ॥

॥ द्वितीय अनुशयना लक्षण ॥

दो० ॥ होनहारसंकेतको जाकेतनपरिताप ॥
सोअनुशयनादूसरी कविनलिखीकरिथाप ॥

॥ द्वितीय अनुशयना यथा ॥

विचकिलवल्लिकाकीमाधवीकोमल्लिकाकी एलाकीलवंगकीललितन्यारीक्यारीहै ॥ चंपककीचंदनकीमौलसिरीवृंदनकी वलितलतनसोंमिलितसाखसारीहै ॥ भनतकविंदमतखेदकरेमृगनैनी तेरेहेतलीन्हीहमखवरिअगारीहै ॥ गहगहेगुलवारीसुंदरसुगुलवारी तेरेसासुरेमेसुनीकैयौफुलवारीहै ॥ ७५ ॥ सासुरेचलतअच्छस्वच्छनभरतकाहें चिन्ताक्योंकरतदौसआयेअनुकूलेहैं ॥ जानवालविकलरसालवैनबोलीसखी हूजियेखुसालमोहिसुनदुखमूलेहैं ॥ ऐसीओछीवातननिवारफूलवारिनको नाहकधिसूरेजहांभैंवरनफूलेहैं ॥ तेरेपियसदननिकटकहियतआली वेलीउहांअजवसघनवनफूलेहैं ॥ ७६ ॥ चालै

हिओरहीलरतिहै ॥ कहैहनुमानयातोंयिनस्यांसेकेतदू-
जो मिलिहैथींकैसोऐसीभायनाभरतिहै ॥ मोचनकरति
वारिलोचनतेंहाय परीकोचनपैंयालयाहीसोचनमरतिहै
॥ ६९ ॥ भयोपतझारपतझारमैंउघरिगयो होतोजोन
केलिकुंजकालिंदीकिनारामे ॥ कहैगिरधारीसोविलोकत
विहालभई वालयहरानीमुकताहलज्योंयारामे ॥ बूटी-
दारकंचुकीकलितकुचकोरनमै सुखमाबढ़ीयोंतासुउपमा
विचारामे ॥ डारमेघडंबरवघंबरअनूपमानो संभुकेसरू-
पद्वैअन्हातछिन्नधारामे ॥ ७० ॥ सूनेघरपरमपरोसीके
सुजानतिया आईसुनिसुनिकैंपरोसिनमनोअराति ॥ क-
हैपद्माकरसुकंचनलतासीलचि ऊंचीलेतिसाँसयोंहिएमे
त्योंनहींसमाति ॥ जाइआइजहाँतहँ।वैठिउठिजैसेतैसे
दिनतौवितायोवघुबीततिनकेहूंराति ॥ तापसरसानीदे-
खेंअतिअकुलानीजऊ पतिउरआनीतऊसेजमेंविलानी
जाति ॥ ७१ ॥ गेंदागुलदावदीगुलाबआवदारचारु चंप-
कचमेलिनकीन्यारीकरीवारीमैं ॥ हौसनवंधायरौसरौ-
सनकीरौसैंजहाँ सकलसिंचायसीरेनीरहूसँवारीमैं ॥ क-
हैपरतापजिन्हैं दूसरेमुकामराखि दीन्हेप्रतिजामजामज-
नरखवारीमैं ॥ मेरोउरअधिकजरावनलग्योहै कौनआ-
वनलग्योहैनितमेरीफुलवारीमैं ॥ ७२ ॥ आईरितुपा-
वसअकासआठौदिसनमे सोहतसरूपजलधरनिकीभीर
को ॥ मतिरामसुकविकदम्बनकीवासजुत सरसबढ़ावैर-
सपरससमीरको ॥ भौनतेंनिकसिरूपभानकीकुमारिदे-

ख्यो तासमैंसहेटकोनिकुंजगिरवोतीरको ॥ नागरिक नैननिमैंनीरकोप्रवाहयाढ्यो देखतप्रवाहवाढ्योजमुनाकेनीरको ॥ ७३ ॥ सूखतसरसरंगदूखतसकलअंगभूपननआवैचितचिन्तावुनियतुहै ॥ रूखलागैउदितमयूपनिधिपूरन मयूवैंमहामंडलीनछालीधुनियतुहै ॥ हेरतहरनरुखसोअनपरुपभये भूखननकरजनचांपिचुनियतु है ॥ भूपनपियासकीअहूखलागोवालमन नगरनिकटआजऊखलुनियतुहै ॥ ७४ ॥

॥ द्वितीय अनुशयना लक्षण ॥

दो ० ॥ होनहारसंकेतको जाकेतनपरिताप ॥
सोअनुशयनादूसरी कविनलिखीकरिथाप ॥

॥ द्वितीय अनुशयना यथा ॥

विचकिलवल्लिकाकीमाधवीकीमल्लिकाकी एलाकी लवंगकीललितन्यारीक्यारीहै ॥ चंपककीचंदनकीमौलसिरीवृंदनकी वलितलतनसोंमिलितसाखसारीहै ॥ भनतकविंदमतखेदकरैमृगनैनी तेरेहेतलीन्हीहमखवरि अगारीहै ॥ गहगहेगुलवारीसुंदरसुगुलवारी तेरेसासुरेमेसुनीकैयौफुलवारीहै ॥ ७५ ॥ सासुरेचलतअच्छस्वच्छनभरतकाहे चिन्ताक्योंकरतदशौसआयेअनुकूलेहैं ॥ जानयालविकलरसालवैनवोलीसखी हूजियैखुसालमोहिसुनदुसमूलेहैं ॥ ऐसीओछीवातननिवारफूलधारिनको नाहकविसूरेजहाँभँवरनभूलेहैं ॥ तेरेपियसदननिकटकहियतआली वेलीउहाँअजवसघनवनफूलेहैं ॥ ७६ ॥ याते

क्योंनचंद्रमुखीचितमेंसुचैनकरि तितबनबागनघनेंअलिघूमिरहे ॥ कहैपद्माकरमयूरमंजुनाचतहैं चायसोंचकोरिनचकोरचूमिचूमिरहे ॥ कदमअनारआमअगरअसोकथोक लतनसमेतलोनेलोनेलगिझूमिरहे ॥ फूलिरहेफलिरहेफैलिरहेफबिरहे झपिरहेझलिरहेझुकिरहेझूमिरहे ॥ ७७ ॥

॥ तृतीय अनुशयना लच्छन ॥

दो० ॥ पियसहेटजातीयको प्रथमपधास्योजानि ॥
विकलहोतिसोतीसरी अनुशयनाउरआनि ॥

॥ तृतीय अनुशयना यथा ॥

पीतपटचटकमुकुटकीलटकदेखि देखिछबिजाइमनभाईगुंजमालकी ॥ इंदीबरनिंदतत्रिभंगअंगप्रेमरासि देखिगतिनिंदनरँगीलीगजचालकी ॥ खंजरीटनिंदनबिसाललालनैनदेखि देखिकैसेंकेतऔनमंजगीरसालकी ॥ धीरधरिधाईसोचितौनिमैचितौनिगड़ी नीरभरिआईब्रड़ीआँखैंव्रजबालकी ॥ ७८ ॥ साँकरीगलीकेउतैकबिरघुनाथघनी वहजोकदंबखंडीगिरिकेखलारहै ॥ तहाँआजुसाँझसमैसाँवरेसलोनेजाइ बाँसुरीबजाइगाईसुघरमलारहै ॥ तानआनिपरीकानवृषभाननंदिनीके तच्योउरप्रानपच्योबिरहअलारहै ॥ आँखिनतेंकुचपरयोंपरीसलिलधार सींचतज्योंयारुनीकेकलसकलारहै ॥ ७९ ॥ तवहीतैंआँसूआँखियानकेरहेनकोए लोहेकेसेतावसींहैंभौं-

तरिसातिचीन्हचीन्हतंतकालके ॥ फिरकीसीफिरैगिरैह्वै थरहरैउठै छहरीसीछोहीसीचिंछोहीनेहहालके ॥ लाल केगरेमेंदेखीमोलसिरीमालहाल वहैमालसालह्वै लगीहैउ-रवालके ॥ ८० ॥ साँझसमैमतिरामकामवमवंसीघर वं सीवटतटमेंवजाईजायवाँसुरी ॥ सुमिरिसहेटवृपभान कीकुमारिउर दुखअधिकानोमयोसुखकोविनासुरी ॥ स-रसोसमीरलाग्योसूलसीसहेलीसव विपसोविनोदलाग्यो वनसोनिवासुरी ॥ तापचढ़िआईतनपीरोपरिआई मुख आँखिनकेऊपरउमगिआयेआँसुरी ॥ ८१ ॥ लपटैंसुगं-धनकीआवैंगंधवंधनमैं भ्रमनमदंधभौंरसरसविरावके ॥ परतपरागपुंजसाँवरेवदनपर मंजुछविछैलनेछवीलेभूरि भावके ॥ समयकीचूकहूकसालतिप्रवीननकों मौसरन आवैवैनऔसरजयावके ॥ चखनचुवनलाग्योप्यारीकेगु-लावनीर देखिवलवीरसीससुमनगुलावके ॥ ८२ ॥ आ-पअंगअंगरंगरीझभरीसखीसंग वारिजवदनकटिलचक-नवारसी ॥ वैठीपानखातहीसखीसोंमुसकातही सुवां-सुरीवजाईसेखमोहनमहारसी ॥ चितचल्योताननकों आँखैंचलीकाननकों चपलाईआननकोंरहीनासँभारसी ॥ लागीदेहकाँपनरहीनसुधिअपन सुढापनकोंदखैमुखभू-लिगईआरसी ॥ ८३ ॥ कछुपरैंभूमिझूमिकूपमैंरपटिक-छू कछुकलपटिलागीलैंवोलैंवोलटमै ॥ जेलऐसीजेव-रीसमेटिकरीदोऊकर भरेअनभरेघटपरेपनघटमै ॥ वो-लतनवैननैनजलकेप्रवाहवहे गहेठाढ़ीसखियैंप्रवीनवे-

नीतटमैं ॥ हंसीसीबिकलजटुयंसीमैंचहोहैप्रान गंसीसी लगीहैवाजीवंसीवंसीवटमैं ॥ ८४ ॥ सुनिसुनिआनदम- योहैसवहीके तेरेक्योंमुखप्रसेदवुन्दमोतीसेछरकिपरे ॥ सेवकभनतहौंहींजान्येपैनजान्योभेद खेदकैसेकेओठअ- धरफरकिपरे ॥ तैसेईकरेंरेकुचकलसतरेरेत्योंहीं तेरेईंतु- रंततनीतारऊनरकिपरे ॥ साँसुरीनमानजियसाँचरीकहै रीकाहे वाँसुरीसुनतअँगीआँसुरीढरकिपरे ॥ ८५ ॥ ते- रेविनदरसविकलहौंमैंप्रानप्यारी जवहीतेंमोहनव्रजाई याउकतिहै ॥ तवहीतेंवाकोंघरआँगनसुहातनाहिं वार वारधायकुंजओरहितकतिहै ॥ कहैहनुमानवृक्षेंआँसूम- रिभरिलेत वावरीलौंओरहोकीओरहीवकतिहै ॥ साँ- सुरीनआवतपैआँसुरीवहत तानवाहीवाँसुरीकीपोंसुरी मैंकसकतिहै ॥ ८६ ॥ इतिश्रीसृंगारसुधाकरे द्विजकवि कृते अनूढादिपरकीयाभेदवर्णनोनामचतुर्थमयूषः ॥ ४ ॥

॥ अथ गनिका लच्छन ॥

दो० ॥ प्रीतिकरतिजोसवननतें धनधनहीकेहेत ॥
गनिकाताहिवखानहीं कविकुलसुमतिनिकेत ॥
चटकमटकसृङ्गारकी तालतानमेदच्छ ॥
दीनवचनसवसोंकहै रहैलब्धिमेअच्छ ॥ यथा ॥

उज्जलउँज्यारीसीफ़ूलमलातिफ़ीनीसारी फ़ाईसी दिखाईदेहेंदीपतिविसालसी ॥ जोवनकीजोतिनसोंही- रालालमोतिनसों नखतेंसिखलोंमिलिएकहैमहालसी ॥ ... मंदचलनिचितौनि चाहताईचतुराईचित

चोगिवेकोंचालसी ॥ सगमेंसहेलीसोनवेलीसीनवेलीया-
ल रगमगेअंगजगमगतिमसालसी ॥ १ ॥ छलकतछवि
छितिछोरनिलौंछूटीछटा छरहरीछैलनिछकायेहीरलति
है ॥ छोरधिकीछाहरीकीछायासीप्रवीनवेनी छपामैंछ-
पाकरकीछानीमैसलतिहै ॥ छलाछापछाजतछराकेछो-
रछिटकत छिगुनीछ्वतछनदुतिसीचलतिहै ॥ छामक-
टिछोटोसीछवीलीसोछटंकभरी छायछलछंदछितिपा-
लनछलतिहै ॥ २ ॥ आरससोंआरतसम्हारतिनसीसपट
गजबगुजारतिगरीबनकीधारपर ॥ कहैपदमाकरसुगंध
सरसावैसे बिथुरिबिराजैंबारहीरनकेहारपर ॥ छाजत
छबीलेछितिछहरिछराकेछोर भोरउठिआईकेलिमंदिर
केद्वारपर ॥ एकपगभीतरसुएकदेहरीपैधरे एककरकंज
एककरहैकंवारपर ॥ ३ ॥ सोहैपेसवाजहैअसावरीको
दीप्तिमान ओढ़नीकिनारीबारीदुतिततद्धितानकी ॥ जेब-
रजराऊजगमगिरहेदूत्तकवि लुरकतलरैंतैसीगजमुकता-
नकी ॥ हरैसुबरनसुबरनसुबरनचारु कोटिकक्लाप्रवी-
नरतिसुखदानकी ॥ मानोचन्द्रमराडलतैंआइमहिमराडल
मै मरिडतकैबैठीमराडलीमैगनिकानकी ॥ ४ ॥ लाल
भालटीकोछायोछोरओढ़नीकोमुख चन्दरोसनीकोरस-
यैनउगिलतिहै ॥ हीरनकेहारऔहमेलआछीहीरनकी ज-
गमगेजोबनजवाहिरजगतिहै ॥ तनगाछीपेसवाजकटि-
छीनपरतैसे उहिकरैनाहींकरैसिसकीखगतिहै ॥ पाय-
जेबपायनकिनारीदरदावनसो सूधनकीलावनिसोहाव-

निलगतिहै ॥ ५ ॥ नाचतिहैगावतिहैरीझतिरिझावति
है लीवेहीकीघातवातसुनतिनवियकी ॥ तनकोंसिंगारै
नैनकज्जलसुधारैअति वारवारवारैप्रानऐसीरीतितिय
की ॥ गुन्यरसुकविहेतधनहींसोंवारवधू औरनविचारै
कछूयहैवातजियकी ॥ लालचाहैजियसोंकीवालमेंरहिय
लागै वालचाहैहियसोंकैमाललीजैपियकी ॥ ६ ॥ अघ·
रमिलायलाललालललीजियतुन्याइ सालधिरकाइउरसाल
करदेतीहौ ॥ वेनीकविमालमुकतानकोछुवायउर मालमु·
कताकीकवुलायवोइचेतीहौ ॥ तिलकइजारमुखतिलक
हजारचखि लेतीहौविचारकरोयौंअनीतिएतीहौ ॥ अ·
तनुहकारोतनहनतविचारोमन मानिकहमारोकौनहोइ
परलेतीहौ ॥ ७ ॥ हँसिहँसिमुरिमुसकानिसानवानिन
सों ताननिसोंनीकेरागरागिनीनगाएँलेत ॥ खञ्जनसीथि·
रिकिथिरिकिचारोंओरनतें फिरिकिफिरिकिरागपुञ्जउप·
जाएँलेत ॥ गायनकोंगाइसाथहायनवताइभाव हावज·
सवन्तचारुचितचिहुंटाएँलेत ॥ भौंहनिनचायसमुहाये
उचकायेकुच लोचनलचाएलोलमनललचाएँलेत ॥ ८ ॥
आयोप्रानप्यारोघनदानीगुनभारो भयोरूपउजियारोल·
खिमूरतिमहलमैं ॥ उमगिउमगिकुचकलसभिरनलागे भु·
जाभरनलागेरमकौटहलमैं ॥ आनदकेऔमूऔखिपा·
नतेंझरनलागे प्रेमयैनझरलागेथहलपहलमैं ॥ अतरन
सरकरीआछेअरगजाभरी फूलनकीसेजसाजीसीसाकिम·
हलमैं ॥ ९ ॥ कैसेनीकिलमनअचलचलनैनमृदु मादक

मनीमत्यीमिहमाबिभातिकौ॥लरिकाईतरुनाईबैसस-
यौंसोहाई ऐसीवारब्रधुनमैटूसरीदिखातिको ॥ भरि
योजोवनउभरिआयोरूपयाको ऐसोहालहैहैलालरा-
ोविसातिको ॥ मरेविनभाखेएहोकविरघुनाथरीझि
खैंतुमदैहौकहेंराखोंएकरातिको ॥ १० ॥

॥ गणिकाया नवसंगम यथा ॥

तारतारकीन्हीफारऔंगीहारतोरिडारि वारवारअं-
भरोनकरोगईकों ॥ डोरछोरनीवीकीचुननिझकझो-
ाक कुचनिमरोरिकैदिखावोजवरईकों ॥ ज्योंज्योंहा-
वातिभईमूरछितजातिएहो कविरघुनाथगहोरयोंत्यों
तईकों ॥ गाजपरोगाजमेरेलोगनपैंआज सौंपीसंप-
ककाजजिनतासेनिरदईकों ॥ ११ ॥ रचीकामकलावा-
ूनवलासोंरीझि प्यारेकमलापतिवेअनगनेदामदे-
॥ छोरतइजारब्रन्दवन्दकेवनावनमें रचतिअनेक
ुकामकीकलानमेय ॥ ऊरुउरझावैमुखचूमतवचा-
देतनखकुचहारैकरनसोंकरहेय ॥ आसनकेकसत
हिकहैऊहिमुड़ तावहुपकारिहगयारिभरिभरिलेय
२ ॥ मोतिनकीमालसालवकसोसलैकैब्राल सोईसंग
हालभोईमहासुखसों ॥ रघुनाथकोकनीतिलीन्हेर-
तिरीति वैसकोसुभावयोंप्रकासैचावरुखसों ॥ लं-
कावैभरेसिसिकीछपावैकुच चूमतकपोलनिवचा-
दुखसों ॥ अधखुलेनैननिनिहारैरूपभाँवतेको चि-
हारैननकारैटारैमुखसों ॥ १३ ॥ रघुनाथभाँव-

..सौंदामलैसुरतिरची परमप्रर्यानबालकामकलाबक्रमै। आनदसोंमगनअँगनएंसेहाब्रभाब प्रगटैउपायबसीकरनअसक्रमै ॥ औठनिअमेठतिनचावतिन्यन नाकसिकोरतिसीफहिलचकडारैलक्रमै ॥ छोड़िछोड़िछोड़िकै बिहँसिबिहँसिलरै झपटिझपटिभरेभाबतेकोंअक्रमै॥१४॥

॥ गणिकायाः विपरीत यथा ॥

वृक्षिबारबधूकोंसुकबिरघुनाथप्यारे दरसपरसमेंसरसमैनकातीसों ॥ चावभखोवैसकोसुभावदेखिलाखनदेरतिबिपरीतरचीरीझिरङ्गरातीसों ॥ अचलबिलोकिचलदीबेकोंदिवावैसौंह जबतबगतिअधऊरधसुहातीसों ॥ भौंहनिनचाइसतराइएकदूकैलैकै बिहँसिलजायलपटायजाइछातीसों॥ १५ ॥ मोतिनकीमालजबदीन्हीलालतबवाल रतिबिपरीनरीझिनुरतसुरुहीकी ॥ तमकतिदमकतिदामिनीसीरघुनाथ राजतिरुचिरहिरुचिस्वेदफूहीकी ॥ लेतिअधउरधकीगतिदेतिचुंबनकों योलसीवदनसङ्गदेहछबिछूहीकी ॥ वैठ्योसतिऊपरसँभारनसकतभार वेलीमनोलहकैनचेलीसोनजूहीकी ॥ १६ ॥

॥ गणिकाया सुरतान्त यथा ॥

भोरहोतकीन्हीबिदाकबिरघुनाथप्यारे सकलमनोजकलाकरिचाहीमनकी ॥ आँसूभरेलोचनचिकुरछूटेटूटेहार आँगीफटीफैलीछातीसोभास्वेदकनकी ॥ ऐसोभयोभायबारबधूकोसुभावतऊ तज्योनातनकलालसाके ... ॥ चलतेपलँगपैतेजरीकेरुमालैलीन्हे प्यारे

केदुसालैलीन्हेमालैमुक्तनकी ॥ १७ ॥ लोचनकलिलनीं-
दयलितकपोलदन्त दलितउरोजनखलीन्हेछविछमको ॥
रघुनाथमेंवितेसोंभोरभयेंबिदाभई भूपनसुधारिसवअ-
ङ्गनिकेसमको ॥ चलतेंसखीसोंआपुसिखैयोंकह्यो हम
राखनीहैंहियेप्रेमरावरेउतमको ॥ जरीकोरुमालएकसारी
अरुसालएक मोतिनकीमाललालपठैदोजोहमको॥ १८ ॥
इतीश्री शृङ्गारसुधाकरे द्विजकविकृते गनिकावर्णनो
नाम पञ्चम मयूषः ॥ ५ ॥

॥ अथ अन्यसुरतिदु खिता लच्छन ॥

दोहा । निजपतिकेरतिचिन्हजो औरतरुनितनहेरि ॥
अन्यसुरतिदुखितासुवह लेहजनावैफेरि ॥ यथा
आईअनमनीव्हैवदनपियराईछाई सुधिनरहीहैकहू
आपनेपरारेकी ॥ कहतिकछूहैमुखकढ़तकछूकोकछू दे-
खतिहोंआजतेरीगतिमतवारेकी ॥ नेकथिरह्वैकेबैठिराई
लोनवारोंतोपे तूतोहनुमानमेरीसाथिनहैबारेकी ॥ व-
जरपरोरीमोपैपठईकहाँतितहीं नजरलगीरीतोहिजुलफ-
नवारेकी ॥ १ ॥ याहीकोंपठाईबडोकामकरिआई यही
तेरियैबड़ाईलखेलोचनलजीलेसों ॥ साँचीक्योंनकहैकछू
मोकोंकिधौंआपुहीकों पायचकसीसल्याईवसनछबीले
सों ॥ मतिरामसुकविसँदेसोउनमानियत तेरेनखसिख
अङ्गरूपकंटीलेसों ॥ तूतोहैरसीलीरसवातनयनायजानै
मेरेजानआईरसरासिकैरसीलेसों ॥ २ ॥ नातोनभचरको

..सौंदामलैसुरतिरची परमप्रवीनवालकामकलावढ्कमें ॥ आनदसोंमगनअँगनऐसेहावभाव प्रगटैउपायप्रसीक-रनअसढ्कमें ॥ औठनिअमेठतिनचावतिन्यन नाकसि-कोरतिसीकहिलचकडारैलढ्कमें ॥ छोड़िछोड़िछोड़िकरै बिहँसिबिहँसिलरै फ्रपटिक्रपटिसरेभँावतेकों अढ्कमें॥१४॥

॥ गणिकाया विपरीत यथा ॥

बूक्तिचारवधूकोंसुकविरघुनाथप्यारे दरसपरसमेंसर-समैनकातीसों ॥ चावभरयौवैसकोसुभावदेखिलाखनंदै रतिविपरीतरचीरीफ्तिरढ्गातीसों ॥ अचलविलोकिचल दीवेकोंदिवावैसौंह जवतवगतिअवऊरघसुहातीसों ॥ भौंहनिनचाइसतराइएकद्वैकलैकै बिहँसिलजायलपटाय जाइछातीसों ॥ १५ ॥ मोतिनकीमालजवदीन्हीलालत-वद्याल रतिविपरीतरीफ्तिनुरतसुरुहीकी ॥ तमकतिद-मकतिदामिनीसीरघुनाथ राजतिरुचिरहियेरुचिस्वेद फूहीकी ॥ लेतिअधउरधकीगतिदेतिचुंवनकों योंलसी वदनसढ्देहछविछूहीकी ॥ बैठोसिसिऊपरसँभारनसक तभार वेलीमनोलहकैनवेलीसीनजूहीकी ॥ १६ ॥

॥ गणिकाया सुरतान्त यथा ॥

भोरहोतकीन्हीविदाकविरघुनाथप्यारे सकलमनोज कलाकरिचाहीमनकी ॥ आँसूभरेलोचनचिकुरछूटेटूटे हार आँगीफटीफैलीछातीसोभास्वेदकनकी ॥ ऐसीभ-योभाववारवधूकोसुभावतऊ तज्योनातनकलालसाकै हियेधनकी ॥ चलतेंपलँगपैतेजरीकेरुमालैलीन्हे प्यारे

केदुसालेलीन्हेमालैमुकतनकी ॥ १७ ॥ लोचनकलितनीं-
दघलितकपोलदन्त दलितउरोजनखलीन्हेछविछमकी ॥
रघुनाथमैंावतेसोंभोरन्ययेंविदाभई भूपनसुधारिसबअ-
ङ्गनिकेसमकी ॥ चलतेंसखीसोंआपुसिखैयोंकहायो हम
राखनीहैंहियेप्रेमरावरेउतमकी ॥ जरीकोरुमालएकसारी
अरुसालएक मोतिनकीमाललालपठैदोजोहमकी॥ १८ ॥
इतीश्री सृङ्गारसुधाकरे द्विजकविकृते गनिकावर्णनो
नाम पञ्चम मयूपः ॥ ५ ॥

॥ अथ अन्यसुरतिदुःखिता लच्छन ॥

दोहा । निजपतिकेरतिचिन्हजो औरसरुनितनहेरि ॥
अन्यसुरतिदुखितासुबद्द तेहजनावैफेरि ॥ यथा
आईजनमनीव्हैवदनपियराईछाई सुधिनरहीहैकहूं
आपनेपरारेकी ॥ कहतिकछूहैमुखकढ़नकछूकोकछू दे-
खतिहौंआजतेरीगतिमतवारेकी ॥ नेकथिरहूं कैबैठिराई
लोनवारोंतोपै तूतौहनुमानमेरीसाथिनहैवारेकी ॥ व-
जरपरोरीमोपैपठईकहाँतितहाँ नजरलगीरीतोहिजुलफ-
नवारेकी ॥ १ ॥ याहीकोंपठाईबडोकामकरिआई यहौ
तेरियैबड़ाईलखेलोचनलजीलेसों ॥ साँचीक्योंनकहैकछू
मोकोंकिधौंआपुहीकों पायकसीसल्याईबसनछबीले
सों ॥ मतिरामसुकविसँदेसोउनमानियत तेरेनखसिख
अङ्गहरपकटीलेसों ॥ तूंतोहैरसीलोरसबातनबनायजानै
मेरेजानआईरसराखिकैंरसीलेसों ॥ २ ॥ नातोनभचरको

विचारचारुचन्दकुंजे संजुतविनोदमोदगोदबैठाखोहै ॥ सम्भुसीसभूपनयिराजैसम्भुसीसहीपै सोतोसबजोगहेतु लोगनविचाखोहै ॥ ईस्वरकहतपैअजोगइतनोहीतीय भौंरएकानिठुरकठोरमनधाखोहै॥ मधुपकहायकुलैकालि- मालगायहाय वारिजविहायआयविद्रुमविदाखोहै ॥३॥ स्वेदकनजालीअंसुमालीकीतपनिआली सुकीजानिखंदे तोअधरबिंबवूझंहैं ॥ बेनीजानिसाँपिनीसुचूँथीहैकला- पिनीनै बावरीचकोरीकोंकपोलैंचंदसूझेहैं ॥ रामजीसुक- बिमैपठाईतूतहाँनगई बंदकंचुकीकेकाहूझारनअरूझेहैं॥ उरजउँचेहिंएस्वयंभूजानिकिंशुकसों कुंजनकेकोनेआजु कोनेइन्हेपूजेहैं ॥ ४ ॥ कंटकतेंअटकिअटकिसबआपुहीतें फटिगेवसनतिन्हैंनाकेकैवनायलै ॥ बेनीकेबिचित्रबार हारनमेआयआय अरूझेअनोखेतेतेवैठिसरुझायलै ॥ कहैशिवकविदविकाहेकोरहीहैवाम घामतेंपसीनाभयो ताकोंसियरायलै ॥ बातकहिवेमेनंदलालकीउतालकहा हालतीहरिननैनीहफनिमिटायलै॥ ५ ॥ छूटिगयोचंदन सकलकुचमंडलको अधरनचोचरहीरंचकललाईना ॥ अं- गनमेरोमउठेजलकनछाइगये नैननमेकज्जलकीरेखहूसौ हाईना ॥ धनीरामबंधुजनपीरतूनजानैदूति भूठिकहि बेकीबानिरंचबिसराईना ॥ बावरीकेन्हानकोंइहांतेगई बावरीतूं प्रानप्यारेअधमसमीपहिसिधाईना ॥ ६ ॥ धाँ- यगईकेसरिकपोलकुचगोलनकी पीकलीकअधरअमो-

नकंपदेहपुलकनछाईहै ॥ वादमतिठानैफूंठवादिनिभई रीअव टूतपनोछोडिघूतपनमेसमाईहै ॥ म्राइंतोहिपी-रनपराईमहापापिनितूं पापीलोंगईनकहूँचापीन्हाय आईहै ॥ ७ ॥ घहरतअंगअंगछहरतजलबुंद लहरतरो-मनिकेऊपरनिकाईहै ॥छूटीजातवेनीतनीटूटीजातकंचु-कीकी लूटीजातअधरनअधिकललाईहै ॥ गहगहीसारी मैसुगंधमहमहीतैसी चहचहीअँखियनछविधोईधाईहै॥ कहियेकछूतोतुमकरतीकछूकाकछू पापीपैंपठाईतूंअन्हा-यआपीआईहै ॥ ८ ॥ छूटिगयोचंदनउरोजनिकीओ-रनतें छूटीनैनकोरनतेंकाजरकराईहै ॥ भनतकविंदकंट-कितदुनिदेहभई छूटिगईनईअधरानतेंललाईहै ॥ पोरी परिगईहैकपोलनकीपली अलकनजलकनकीअजोलौं अधिकाईहै ॥ जितैमैपठाईताविसासीपैगईनदीसी और कितहूतैंतूंनदीसोन्हायआईहै ॥ ९ ॥ किनअटकायोमेरे मनकोमहीपलाल मेरेमनयाहीतौखरकखरकतिहै ॥का-लिदासकौनधौंभईहैसौतिसहजेहीं देखीसुनीनाहिंतऊ छातीदरकतिहै॥मोसोंबनमालीसोंवियोगभयोआलीआ जु कौनकेधौंभागनमेभईथरकतिहै ॥ मेरीअँखियाहि-नीलगोहैफरकनआजु कौनवामकीधौंअँखियाँ फरक-तिहै ॥१०॥ आईछलछंदसोंगोविंदसंगखेलिफागु केस-रिकेरंगकीसुअंगछविछ्वै रही ॥ कहैकवितूलहनजानिप-रीकौतुकमे पाछिलेपहरकीरजनिघरीद्वैरही ॥ धायघर जायन्हायनूतनवसनसाजि आरसीलैहेरैमुखटूनीदुति

ज्वैरही ॥ बेसरकेमोतीबीचरहोहैगुलाललाली आलीव-
हलालीसोहमारीसौतिह्वैरही ॥ ११ ॥ पहिरेपरोसिनकौ
पहिलेपहिलदेखि एहोरघुनाथछोड़िपासगुरुतियको ॥
घूंघुटमैनैनसैनदेकरलयाइगई प्यारीचित्रसारीमैछपायै
कोपजियको ॥ एकपासवैठिलागीवूझनअमैठिभौंह
साँचीकहोमोसौंकैकपटदूरिहियको ॥ आईहैकहाँतेकौहै
कौनतूकहावतिहै कहाँपायोकैसेपायोहारमेरेपियको १२
आपअपवातनकेनारीसवजहाँतहाँ मिलिमिलिसजनीस-
माजनभरतिहैं ॥ कालिदासकाहूकहैफरकतिआँखिमेरी
एरीआजुमोको कछुजानीनापरतिहै ॥ वांईहैकिदाहि-
नीयौंबूझतिसहेलीवात विपकेसीवेलिकैसीयातवितर-
तिहै ॥ वाँईआँखिबूझआपरोसिनकीमेरीभटू मेरीआँ-
खिदाहिनीसदाहीफरकतिहै ॥ १३ ॥ प्यारेपासपठईअ-
वासतेंयोलाइवेको वीतेजामजामिनिसखीनदासीघरकी
एहोरघुनाथगईआईघरीचारिकमें छाईछविअंगनय-
नाईपंचसरकी ॥ घूंघुटमेहेरिघेरिकोपकियेरातेनैन विल-
खीयिसारिचैनप्यारीलाजधरकी ॥ कज्जलसमेतचलेआँसू
बुंदभाँतिऐसे कोकनदमैतेजैसेपाँतिमधुकरकी ॥ १४ ॥

॥ अथ गर्विता लक्षण ॥

दो० । प्रेमरूपकोजोतिया करतिरहतिअभिमान ॥
तिहिंअनुमारसुगर्विता एहुरसिकपहिचान ॥

॥ प्रेमगर्विता यथा ॥

मेरेहैंमेहैमनुहैंमेरेयोंऐयोंतुहैं मोहियेकोजानतुहैंन-

नधनप्रानुरी ॥ कविमतिरामभौंहेंटेढ़ीकियेहैं।सीहूमैं छो-
ड़िदेतभूपनवसनपानीपानुरी ॥ मोतेंमानप्यारीप्रानप्या-
रेकेनऔरकोऊ तासोंरिसकीजैकहोकहँ।कोसयानुरी॥मै-
नकामिनीकेमैनकाहूकेनरूपरीझैं मेनकाहूकेसिखाएआ-
नोमनमानुरी ॥ १५॥ घरघरघाटनमैंबाटनमैंकुंजनमैं क-
हैरूपगुंजोअनुरूपकहोंडोलेंमैं॥ वेनीकविगातनमैंवस्यो
गुदनाकेमिसि रिसकरिप्रातनमैंकहँ।कहँ।छोलेंमैं ॥ मस-
किमसूसनिसों मारोंमनकीलौं कोऊहितूनाहमाराजातें
विलगनवोलेंमैं॥ मूदोंस्यामपूतरीउधारें।देखोंसाँवरोजो
मेरोअपराधऔंखैंमूदीं कीधौंखोलों मैं॥१६॥पाहरूसेभौंम
केफिरतचारोंओरखरे पौरियासेपौरिपासमोदसोंमयेरहैं॥
मोखनझरोखनमैंझाँकिबेकेंमेरोआस चाहिवेकीचोपच
ढ़ेलोचनदयेरहैं ॥ बाँसुरीवजायमेरीरीझकोसुनायतान
कमलापतिआठोंजामवेउमहेरहैं ॥ मोहनकेप्रेमकीकहा-
मैकहौंएरीभटू मेरेमुखपंकजकेभौंरसेभयेरहैं ॥ १७ ॥

॥ पय रूपगर्विता यथा ॥

नेकुजोहैंसौंतोहोतिलालमालहीरनकी नेकुजोलखौं
तौहियेंनीलमनिझलकी ॥ जोहौंमुखधोइवेकी अंजुली
भरोंलैझारी सखिननिहारीरालीसोभाहोतिजलकी ॥
जोहौंरचौंचीरनचिलकदुरैजोवनकी मेरेदेखिवेकोंआँखैं
गुंधरकोललकी ॥ आँगनकढौंतोभौंरभीरनअँधेरोहोत
पाँवजोधरोंतौमहीहोतिमखमलकी ॥ १८ ॥ अंगअंग
भूपनविभूपनविरचिजोति जोवनजवाहिरकीजाहिरज

गाईतें ॥ चहचहेचोवाचारुचंदनअरगजाऔ अंगराग-
हेतकलकेसरिमगाईतें ॥ कहैपरतापदुतिदेहकीदुरंगहो-
ति सुरंगकुसुंभीऐसीचूनरिरँगाइतें ॥ रीझिवारीएरीसु-
नुसुंदरिसुजानवारी भालक्योंनवेंदीमृगमदकीलगाइतें
॥ १९ ॥ कंचनकोरंगरीनजानोजातआँगुरीन तैसीखरी
खुलीछविछापऔछलानकी ॥ कहाकहौंनाइनकोंपाइ-
नमहावरदै एड़िनकीलालीआलीअतिहीमलानकी ॥ रू
पकोसदनमेरोवदनविलोकिकाहि लागतभलाईनीकीसो
रहकलानकी ॥ जादिनतेंलालनलुनाईलखीलोयननि
तादिनतेंआनिकरीआनअवलानकी ॥ २० ॥ मेरोमुख-
चाहएकचिनगीचुगतआगे धावैंएकपीछेंचेनीगहनकेदा-
वरी ॥ एकनकेसासनउसासमलेनपावतना गुंजेंआसपा-
सहोनजानोगुनचावरी॥ तूतोपरीगोहनकैवेगिचलोमोह-
नपै मानिमेरीवातएतीअधिकउपावरी ॥ वावरेचकोर-
नकोंदईमारेमोरनकों मंदमतिभौंरनकेंढूकिरिझावरी-
॥ २१ ॥ छूटेछपेछवालौंविलोकिवारवारिदसे गगन-
भरोसोजातमोरनकेसोरसों ॥ सहजसुवासकेमधुपमत-
वारनसों इहाँलौंतोआइयेभयोहैयहजोरसों ॥ द्विज-
जूनिकुंजनिलौंचलियेवनेगाकैसें चौंचदमच्योहैवनथी-
थिनतेंपौरिसों ॥ दौरिदौरिवैग्नहूँहेरिमेरेआननकों जा-
निकैसुधानिधिचकोरचारोंओरसों ॥ २२ ॥ पैंडैपरेरह-
मपछेरनगहनपायो कयरीकदापिनकोगतिमतियंदकी ॥
भूपरचरनधरनूपुरमधुरधुनि धूपरनघमृगीमरालआवि-

दकी ॥ सोभकविसौरभसकलअंगअंगनतें उमगोगँभी-
रभीरम हितमलिन्दकी ॥ चिन्ताचढ़ीचखनचितैवोचि-
तचोरओर चौकीरहैंभरतचकोरमुखचंदकी ॥ २३ ॥
व्यालीसीविषमवेनीआलिनअनाईजिन तिनसोंमघोनवे-
नीलीजैकछूकरुहै ॥ औरमेरीरानीमुखचंदकीकहानीसुनो
दिनहींनेकीन्हेंदेतचाँदनीपसरुहै ॥ कैसेकढ़िसकोंवढ़ि-
कोठरीकीपौरिआगे लिखदीनोकरमविरंचियाहीघरुहै ॥
तुमवनआमनविहारकरोमेरीवीर हमैउहाँमोरनचकोरन
कोडरुहै ॥ २४ ॥ चौथतेचकोरचारोओरैंजानिचंदमुखी
रहीवचिहरनिदसनदुतिदंपाके ॥ छीलजातेअरहीविलो-
किवेनीवनिताकी गुहीजोनहोतीतोकुसुंभसरकंपाके ॥
पूपीकहैजोपैढिगभौंहनाधनुपहोते कीरकैसेछाड़तेअध-
रविंवकंपाके ॥ दाखकैसेझौंराफ़लकजोतिजोचनकी चा
टिजातेभौंरजोनहोतीरंगचंपाके ॥ २५ ॥ एकैआनि
नीरजकेदलआँखियाँनवाल देखतिनिहारपैपरैनपौंवैंपल
कैं ॥ एकैआनिदाड़िमदसनदुतिमानएकै श्रीफलउरो-
जानिमिलावैंकोकफलकैं ॥ मोतीलालमूदेंमैसकुचभुजमू-
लतऊ दावेऊअनोखीछविगुनीकीछविछलकैं ॥ कहाँते
हौंआइइहिंओरभूलिमाईमोहि देखिदेखिव्रजकीलुगाईं
लेगललकैं ॥ २६ ॥ आजुहीगईतीसंभुन्योतेनदगाँयतहाँ
साँसतिवड़ीहैरूपवतीवनितानकी ॥ घेरिलियोतियनत-
मासोकरिमोहि लखैंगहिगहिगुलुफलोनाईतरवानकी ॥
एकैकलघोलिघोलिओरनदिखावैरीझि रीझिकुवराईअ-

रुनाईमेरेपानकी ॥ घूंघुटउघारिएकैमुखदेखिदेखिरहैं एकैलगींनापनवडाईअँखियानकी ॥ २७ ॥ मौनैमौनबेनी मुकतानसोंसँवारीवेंदी भालछविवारीकेलखेतेंमोदमदि गे ॥ मंजनकरायनैनअंजनलगाय ज्ञासोंखंजनकेगरव गुमानगंजगढ़िगे ॥ रुचिरचिहारचीरचुनिचुनिओपदार संकरदुहूंकेपहिरायेनेहबढ़िगे ॥ चरनसरोजदैमहावरके हेत यहकहतैंपियाकेतोतियाकेत्योरचढ़िगे ॥२८॥ मुखकों मयंककहैंसोतोहैकलंकभरो लंककहैंकेहरिजकैंनापशुजान कै ॥ गातकोंकहतजातरूपकीसमान उपमानपंकजातकर चरनप्रमानकै ॥ भनतकविंदइहैऔगुनहैमोमें कहौं सुनि रहौंकहौंकछुवचननकानकै ॥ सुंदरसलोनेमेरेअंगनकों नाह वेतोनाहकबखानतनजानतबखानकै ॥ २९ ॥

॥ अथ मानवती लक्षन ॥

दो० ॥ मानईर्षाजीतरुनि पियपतेंठानैमान ॥ मानवतीतासोंकहत कोविदसुकविसुजान ॥ यथा पानविनअधरअंजनविननैनवडे हारविनउरकछु औरैभेपभेपिरहयो ॥ सारीमलगजीनाकनयविनछूटेबा र चढ़िरहीभौंहैंअरुमनमहातेखिरह्यो ॥ आननरुपाई छाईपियराईरघुनाथ औरैतियकोमिलापजियअयरोसि रह्यो ॥ धरीचारपरमसुजानपियप्यारीरीझि माननम नायोमाननीकोमानदेखिरह्यो ॥३०॥ कौनमानैअदघद यैयेंकौनदेखिहीसें कौनदिठजोहेंकरकरतयखानसों ॥ कोनभिरनायेकौनऔरिनलगायेकहो कोकोनायद्यावैंम

रधिनयविधानसो ॥ कहैनीलकंठचितचोपचोपभटषप-
चोपलूसीकोनकरैसाहचसुजानसो ॥ कोनतसलीमकरले
तभरिजीमेसुनु प्यारीतेरोमानवादसाहीफरमानसो॥३१॥
दोंऊकरचोपदारतोराइतमामको तमामआगेजोबनकी
ओरकोरपैठीहै ॥ नैनमुतसद्दीसोतोआलमनिसंकजोर को
रकोकचहरीइहिबिधिअमैठीहै ॥ स्यामजूसलामचाहैंका
मकीतलबमाफ मतलबकढ़तनाहिंभ्रूकुटीतनेठीहै ॥ करव
रसोनामगरूरीमसलंदपर आजप्यारीमानकोंदिवानक-
रिवैठीहै ॥३२॥ जोरतनदीढ़िढ़सिवैठीहैंसिपीठिदैकै कौ-
नयहदेवस्यामसामुहेंचहनदै ॥ जोवननबेलीअलवेलीतूं
समुझिसोच सौतिनगुमानभरीवातैंनकहनदै ॥ ठाड़ोपिय
पासमनमिलिवेकीआसधरें ताहिसखरूखोनवियोगतेंदह-
नदै ॥ होइकैनिसंकभरिअंकमनमोहनकों आजरातमान
कोंअमानतरहनदै ॥३३॥ करतकलोलकीरकोकिलाकपोत
केकी चंदकेवधाईवाजीजानैजिनछिनधुनि ॥ सुकवि
सुमेरमीनमृगनमरालमन मुदितमयूरन्यातिमैनकासकल
मुनि ॥ केहरीकँदूरीकोककदलीकदंवफूले चाइनसोंसौ-
तिनरचेहैंचीरचुनिचुनि ॥ कहापटतानिप्यारीपौढ़ीहौवि
लोकोआनि चारोंओरचौचँदमच्योहैतुमैंरूसीसुनि ॥३४॥
अंगअंगऔघटनघाटहैमनाइवेको मोहनकोंतृपाहैअध-
रमधुपानकी ॥ भौंहकीमरोरानिमैंभौंरसेपरतजात त्रिव
लीतरंगयक्रोनिपटनिदानकी ॥ जंघनगहिरमानउतरन
पावैथाहगरवगहीलीयाहठीलोवृषभानकी ॥ रिसकी

प्रत्राहरसकूलनदवायेंजात नदीसीउमड़िचलीमानिनीके मानकी ॥ ३५ ॥ जोपैमोसोंअपराधतुहीसाधवीकीसाध तौपैसिद्धसाधनसहजदंडदानमैं ॥ मंदमुसुकानयुततू नवोलीवदनतें रिसकेसदनकहावैठीमढीमानमैं ॥ अज्ञाहमैरावरीप्रतिज्ञासमपुहुमीमैं जिज्ञासालगीहैतेरीनजरविधानमै ॥ भेटकुचकलससमेठिलेहिसबसुख बाँधिलेइप्यारीमोहिभुजलतिकानमैं ॥ ३६ ॥ तेरियैबड़ाईलखीलाखनलोगाइनमैं लालनलैतेरेपदपंकजमैंनायेहैं ॥ तूतौतऊकान्हकोकहरोनकरैमेरीभटू केतीमानवतीहैंपै मानतीमनायेहैं ॥ नैनसेतिरीछेवैनवैनसेतिरींछेनैन देहधरितेरेमोहिआजहीजनायेहैं ॥ हियसेंकठोरकुचकुचसेकठोरहियो हियकुचतेरेविधिएकसेवनायेहैं ॥ ३७ ॥ कवकेविहारीचलुकरतहहारीइतैं करतकहारीरोसमीसरविचारिये ॥ जगकीजियारीदयादेवघटाभारीउठी आयेवनवारीतूंकहैतोपगधारिये ॥ जिन्हैदेखिहारीवेविचारीमृगनारीसारी कामकीकटारीसीवेप्रेममतवारिये ॥ करिकजरारीउजियारीअनियारी झपकारीरतनारीप्यारीअँखैंइतडारिये ॥ ३८ ॥ गगनधरालौंजलधाराधारेधाराधर पथिकनकीन्हेपरदेसतेंपयानरी ॥ पिकरोकदंबनमैंगुंजतमलिन्दवृन्द चौंपचारुचापसोंचढायोपंचवानरी ॥ वैनीकविप्रियविधिमर्मकोगयनतैंसें ऐसेमैहठीलीहठऱहैकोमयानरी ॥ दीजैइतकानरीनकीजैआनकानरी मूमैरोकहरोमानरीरहैगोनाहिंमानरी ॥ ३९ ॥ गहि-

रीगीराइसींप्रथमचूरजामीकर चंपककेऊपरयहुरिपाँव रोप्योहै ॥ तीखरेअखिलअरविंदआभावसकरि हँसित-रिताकोंहायतोयदमैंतोप्योहै ॥ भनतकविंदतेरेमानसमै सोतैंकह्यो सुरवनितानकोगुमानजातलोप्योहै ॥ आली आजमेरेजानऐंड्भ्रखोतेरोमुख भौहैंतानिसौहैंरीकला-निधिपैकोप्योहै ॥ ४० ॥ ऊखरसकेतिकमयूपरसनीरसोहै जानैकोपियूपरसफेरकौनेचाख्योहै ॥ कनकसोतनतामैं तनकीसोलोंकसोहै सनकसेमुनितेरोरूपअभिलाख्योहै ॥ कहैकविगंगतैंतौनंदलालमोललयो एरीमहामोहनीमधुर मुखभाख्योहै ॥ मुखकीनिकाईदेखितामरसतरेपख्यो ता-रापतितरुनितरैयाकरिराख्योहै ॥ ४१ ॥ चकईविछुरि मिलीतूं नमिलीमोहनसों सेपकहैएतोमानकीनोक्योंअ-ठानरी ॥ अथयेनछत्रससिअथईनरिसतेरी तूंनभईमुदि-तउदितभयेभानरी ॥ तैनखोल्योमुखखिलीपंकजकीक-लीभली तूंनचलीचलीनिसिभयोहैविहानरी ॥ कैसीवुद्धि आगरीनजानैंहानिलाभरी भौदीपकमलीननमलीनतेरो मानरी ॥ ४२ ॥ लोचनलहेकोफलसफलहमारोकरु एरी प्रानपतिकोंसनेहरसलीनकरु ॥ तैंईपाईपरमनिकाइकी अवधि वृपभानकीकिसोरीलूतोएतीअरवीनकरु ॥ हा-हातूंउघारिमुखटारिपटघूंघटकों निजतनपानिपमैंपीको मनमीनकरु ॥ कंजछविछीनकरुससिहीमलीनकरु सौ-तिनकोंदीनकरुप्यारेकोंअधीनकरु ॥ ४३ ॥ चाँदनीके आँगनविछौनाविछेचाँदनीके फैलरहीचाँदनीसुहाईदेव

भूमिभूमि ॥ तोहिबिनुफीकोईलगतचलुचंदमुखी तेरेई चरनचरचतमुखचूमिचूमि ॥ देखुचलिआलीकैसोराख्यो हैचैंदोंवातानि तामैसुखदानतोबिरहगिरैघूमिघूमि ॥ झीनीझीनीझाँईएजुन्हाईकीझलकतैसी झिलिमिली झालरैरहीहैझुकिझूमिझूमि ॥ ४४ ॥ सोनजूहीसेवती निवारीसोंविराजीभये राजीभयेनिरखिमुलामीमुखतेरी है ॥ फूलीफुलवारीवीचराजैचारुचन्द्रिकासी सघननिकुंजकीअँधेरामैंउजेरीहै ॥ सहजसुवासछविपानिपकेपुंजभरे रावरानासुकविहजारनमैहेरीहै ॥ मानसिखमेरी एरीमालतीनमानकरु तेरेमकरंदपैमलिन्ददेतफेरीहै ॥ ४५॥ ओसरहीपरिवेसोंअँसूरहेढरिवेसों निसागईबीति अजहूंनरिसतूडरी ॥ पंथीचलेपथकोंपैतूंनउठिचलीअली पच्छीलगेबोलनपैतूंनबोलीसुंदरी ॥ आलमकहैदोऊत्र-कईचकवाऊमिले तूनमिलीमोहनकोंजौहौंपॉयलैपरी ॥ चंदछोड़ीआभापैनतैंनैछोड्योजीकोहठ कौंलविकसेपैतेरोकौंलविकस्योनरी ॥ ४६॥ मलगजेबागेपेन्हेबदनमलीनकीन्हें पानबिनपीकेओठछोडेसबजपनो॥रघुनाथभूमि रेखाकरतिनयायेंग्रीव मनमैंबिसुरतिबिचारसुखसपनो॥ घरीचारमानवसदेखिरहीछुवद नि फेरिपैसहयोनगयो पीयकोकलपनो ॥ मुसकानिसहितपसारिपानिएरीमटू आगेधरदीन्हेंआपपानदानअपनो ॥ ४७ ॥
इतिश्री शृङ्गारसुधाकरे द्विजकविकृते अन्यसंभोगदुःखिता गर्वितादि मानिनीवर्णनोनाम षष्ठम मयूपः ॥ ६ ॥

॥ अथ दस नायिका वर्नन ॥

दो ०। प्रोषितपतिकाखंडिता कलहंतरिताग्राम ॥
बिप्रलब्धउत्कंठिता वासकसज्जानाम ॥
स्वाधिनपतिकाकहतहौं अभिसारिकाप्रसच्छ ॥
बहुरिप्रवत्स्यतप्रेयसी आगतपतिकालच्छ ॥
येसबदसबिधिनायिका कहीकबिनसुखधाम ॥
आगमिष्यपतिकाहुमै कहतग्यारहींग्राम ॥

॥ तत्र प्रोषितपतिका लच्छन ॥

दो ०। पियबिदेसजाकोगयो प्रोषितपतिकासोय ॥
लखिउद्दीपनवस्तुकों बिकलतासुतनहोय ॥

॥ मुग्धा प्रोषितपतिका यथा ॥

बैठीमौनकौनमैंमसूसनिगहेंरीमौन याकोकहाकोजैअ लिउचितउपावरी ॥ खानपानभूलीसखियानहूं लौंआ- वैनाहिं ऐसीकछुरतिपतिडारीकरियावरी ॥ औधिलौंयौं कैसेप्रानराखिहैनवेलीमोहि बूझिनपरतिद्विजतूंहींनाय तावरी ॥ दरदकहैनबालबिरहकरदवारी डारतिजरदकि- येसरदबिभावरी ॥ १ ॥ बोलतिनकाहूसौंत्रिलोकतिन- काहूओर बैठीदिनरैनगुनगनलपियाकेरी ॥ आवनकी- कोकहैनपातीहूपठाईअलि ऐसेकछूकान्हभयेकठिनाहि- याकेरी ॥ देखोद्विजमै हूं तोबियोगिनबिकलकेती पैन- ऐसेहालहेरेकाहूस्वकियाकेरी ॥ सोचनसकोचनकेमोच- नकरैनऔंसू रोचनसेहूं रहेबिलोचनतियाकेरी ॥ २ ॥ मा गिसीखनौदिनकौन्यौतेगेगुबिंद लियचौदिनसमानछि-

भूमिभूमि ॥ तोहिबिनुफीकोईलगतचलुचंदमुखी तेरेई चरनचरचतमुखचूमिचूमि ॥ देखुचलिआलीकैसोराख्यो हैचैंदोंवातानि तामैसुखदानतोबिरहगिरैघूमिघूमि ॥ झीनीझीनीझाँईएजुन्हाईकीझलकतैसो झिलिमिली झालरैरहीहैझुकिझूमिझूमि ॥ ४४ ॥ सोनजूहीसेवती निवारीसोंविराजीभये राजीभयेनिरखिमुलामीमुखतेरे है ॥ फूलीफुलवारीबीचराजैचारुचन्द्रिकासी सघननि कुंजकीअँधेरीमैंउजेरीहै ॥ सहजसुबासछविपानिपकेपुं जभरे राधरानासुकविहजारनमैहेरीहै ॥ मानसिखमेरी एरीमालतीनमानकरु तेरेमकरंदपैमलिन्ददेतफेरीहै ॥ ४५॥ ओसरहीपरिवेसोंअँ।सूरहेढरिवेसों निसागईश्रीति अजहूं नरिसतूडरी ॥ पंथीचलेपथकोंपैतूंनउठिचलीअली पच्छीलगेबोलनपैतूंनबोलीसुंदरी ॥ आलमकहैदोऊच- कईचकवाउमिले तूनमिलीमोहनकोंजोहौंपाँयलैंपरी ॥ चंदछोड़ीआभापैनतैनेछोड्योजीकोहठ कौलविकसेपैतै- रोकौलविकस्योनरी ॥ ४६॥ मलगजेबागेपेन्हेंबदनमली नकीन्हें पानयिनपीकेओठछोडेसबजपनो॥रघुनाथभूमि रेखाकरतिनयायेंग्रीव मनमैंबिसुरतिबिचारसुखसपनो॥ घरीचारमानबसदेखिरही।हुखद नि फेरिपैसहरौनगये पीयकीकलपनो ॥ मुसकानिसहितपसारिपानिएरीभट्ट आगेधरदीन्हेंआपपानदानअपनो ॥ ४७ ॥

इतिश्री शृङ्गारसुधाकरे द्विजकविकृते अन्यसंभोगदुःखि- ता.गर्विताादि मानिनीवर्णनोनाम षष्ठम मयूपः ॥ ६ ॥

॥ अथ दस नायिका वर्णन ॥

दो ० । प्रोषितपतिकाखंडिता कलहंतरिताग्राम ॥
विप्रलब्धउत्कंठिता वासकसज्जानाम ॥
स्वाधिनपतिकाकहतहौं अभिसारिकाप्रतच्छ ॥
बहुरिप्रवत्स्यतप्रेयसी आगतपतिकालच्छ ॥
येसबदसबिधिनायिका कहीकबिनसुखधाम ॥
आगमिष्यपतिकाहुमै कहतग्यारहींग्राम ॥

॥ तत्र प्रोषितपतिका लच्छन ॥

दो ० । पियबिदेसजाकोगयो प्रोषितपतिकासोय ॥
लखिउद्दीपनवस्तुकों विकलतासुलनहोय ॥

॥ मुग्धा प्रोषितपतिका यथा ॥

बैठीमीनकोनमैंमसूसलिगहेंरीमौन याकोकहाकीजैअलिउचितउपावरी ॥ खानपानभूलीसखियानहूंलौंआवैनाहिं ऐसीकछुरतिपतिडारीकरिबावरी ॥ औधिलौंधौंकैसेप्रानराखिहैनवेलीमोहि बूझिनपरतिद्विजतूंहींनायतावरी ॥ दरदकहैनबालबिरहकरदवारी डारतिजरदकिमेसरदबितावरी ॥ १ ॥ बोलतिनकाहूसोंबिलोकतिनकाहूओर बैठीदिनरैनगुनगनतपियाकेरी ॥ आवनकीकोकहैनपातीहूपठाईअलि ऐसेकछूकान्हभयेकठिनहियाकेरी ॥ देखोद्विजमैंहूंतोबियोगिनबिकलकेतीं पैनऐसेहालहेरेकाहूस्वकियाकेरी ॥ सोचनसकोचनकेमोचनकरैनआँसू रोचनसेह्वैरहेबिलोचनतियाकेरी ॥ २ ॥ मागिसीखनौदिनकीन्यौतेगेगुबिंद तियसौदिनसमानछि-

नमानिअकुलावैहै ॥ कहैपद्माकरछपाकरछपाकरतें वदनछपाकरमलीनमुरझावैहै ॥ वूझनजुकोऊकैकहारी भयोतोहि तबऔरहीकीऔरैकछूवेदनवतावैहै ॥ आँसू सकैमोचनसकोचवसआलिनमें उलहीविरहवेलिदुलही-दुरावैहै ॥ ३ ॥ जादिनतेंपीतमविदेसकोंगमनकीनो ता-दिनसोंललनाअनंदसोंछरीरहै ॥ अहमदकेहूमिसिहेरैह-रे चहूं दिसि आँगुरीनछालेपरेगनतवरीरहै ॥ सोचनस-कोचनतेंवतियांदुरावतिहै मोचनचहतप्रानऔषधकरी रहै ॥ इन्दुमुखीजंभालागीसुरतिअचंभालागी कंचनके खंभालागीरंभासीखरीरहै ॥ ४ ॥ जादिनसोंचलेहैंविदे-सभईतादिनसों रघुनाथऐसीदसालाजभरीतियकी ॥ भ-लयोखानपानभूल्योपटपरधारनभूल्यो सुनिवोसहेलि निसोंतानप्यारीजियकी ॥ दैकरिकित्रारीचित्रसारीमे बिलोकैगैल ठाढ़ीखिरकीसोंओटकरिकैसखियकी ॥ पू जाकरिवेकोंदेवादेवकीमनौतीकरै नितसगुनौतीधरैआ इवेकोंपियकी ॥ ५ ॥ लखिलखिललनाकोमुखआले आसपास ढारतोंगुलाबपासचंदनउसीरलै ॥ बेनीकवि हीतलसँवारिहारमालतीके नीकेढिगढारतीहैंसीतलपटी रलै ॥ विजनसमीरनीरअतरनतरफूल पाँखुरीनझारि रचैसेजवरचीरलै ॥ तऊअंगअंगनलडायतीकेपीरलै तु-नीरलैअनंगहनिखालीकरेतीरलै ॥ ६ ॥ तनतोयानिधि वड़वागिसीविरहवाल दहियोकरैपैनकछुककहियोकरै ॥ सीतलसरी[illegible]ननकोसजतिसेज लञ्जितव्हैगातननि

गाढ़ेगाहियोकरै ॥ उमगिउमगिगरीसारभारआवपनि न-
नकरिलाबैदिनदाहदहियोकरै ॥ तापकीतरंगनिमैप्यारे
केप्रसंगनिमैं जानतअनंगप्यारीजैसेंरहियोकरै ॥७॥ घो-
रैंघनसारऔरैऔरैवारवार सीरेसीरेकरनीरलैपटीरवपु
घसैहैं ॥ लाजतैंकरैनअवलाजुवहैलेपसाज सिगरेइला-
जलाइलाजह्वैकैलसैहैं ॥ भनतकविंदवाकेतनकीअतन-
व्यथा जानिवेकोंजतनसखीहूकेनकसैहैं ॥ जानैवहैवा-
मकैतोजानतहैकामकैतो जानैघनस्यामजेबिदेसजायव
सैहैं ॥ ८ ॥ विरहसतापनतैंतपनहिरानोचेत ऊबिऊ-
बीसोंसैंलेतिनैननीरभरिभरि ॥ करपूरधूरनतेंचंदनकेचूर
नतें तामरसमूरनउपायथाकीकरिकरि ॥ घेरिरहींघरकी
नैगरकीडगरआय देखिदेखिभापैंसवैभ्राहिभ्राहिहरिहरि
अंगअंगसूकेबैनमूकेसेवधूकेउर भभकिभभूकेमैनजूके
उठैंवरिवरि ॥ ९ ॥ ऐसीबालछाड़िकरभयेक्योंविदेसी
लाल वाकोहालभारीजालवारीअखियाननैं ॥ सीरेउपचा
रकरिकरिधरिधरिनीरे लेपनलगावैबालजानीसखिया
नैं ॥ भनतकविंदपटतानिपौढिरहैप्यारी विरहविथा
रीमगटैनलखियानतैं ॥ उलहैउसासभाँतिभीजैअँसुवा-
नछातीवातीवारलीजैवाकीतातीअँखियानतैं ॥ १० ॥

॥ अथ मध्यामोषितपतिका यथा ॥

आहिकैंकराहिकेंपिकसलनबैठीआइ चाहतिसखी
सोंकहिवेकोंपैनकहिजाय ॥ फेरमसिभाजनमगायोलि-
खिवेकोंकछू चाहतकलमगहिवेकोंपैनगहिजाय ॥ एने

मैउमगिअँसुवानकोप्रवाहआयो घाहतिहैघाइलहिवेको पैनलहिजाय॥ दहिजायगातग्रातयूकतैंनकहिजाय.ब-हिजायकागजकलमहाथरहिजाय॥ ११ ॥ जादिनतेंपि-यपरदेसगयोतादिनतें ऐसीदसाप्यारीनितआगमनचे-तिहै ॥ चंदनसोंचौसरसोंचंद्चादनीसों रघुनाथकीदो-हाईआपुसदैंभैंसमेतिहै ॥ फूलीअमराइनमेचाइनसमे-तभटू जवजवकोइलकुहू कैकूकदेतिहै ॥ कहाकहौंतबत-बसखिनकीओरहेरि फेरिकैलजोहौं आँखैंआँसूभरिलेति है॥ १२ ॥ चंदकोउदोतहोतनैनचंदकांतिकंत छायोपरदेस देहदाहनिदहतुहै ॥ उसिरगुलाबनीरकरपूरपरसत बिरह-अनलज्वालजालनिजगतुहै ॥ लाजनितैंकछूनाजनावैका हूसखिनसों उरकोउदारअनुरागउमगतुहै ॥ कहाकहौं मेरीबीरउठीहैअधिकपीर सुरभीसमीरसीरोतीरसोलग-तुहै ॥ १३ ॥ वेईबनबागवेईबगरसभागवेई सरिततड़ा-गनवनीरअवगाहेतें ॥ वेईसबबसनअभूपनअसनसोभ रसमैरसनधुनिधीरचितचाहेतें ॥ वेईबीनवारीबेसुगंधन नबीनवारी सजनीनबीनवारीलीनीलोकलाहेतें ॥ अंग अंगदूखीजातरैनदिनरूखीजात जानियेनससिमुखीसूखी जातिकाहेतें ॥ १४ ॥ सीतलकरैनउपचारप्यारीलाजन तैं औधिवीतेहीतलमैधुंधरसीधसीहै ॥ आनसोंकहाहै सखियाँनसोंनभानैभेद कैसोमनकैसीबिथाकासोंदेहबसी है॥ भनतकबिंदपंथयानआँचतप्योतन कंचनकीपूतरी निरूतरीज्योंलसीहै ॥ नाहबिनअबलाबिरहबसीऐसेत्र-

सी पूरनससीकीकलामानोराहुग्रसीहै ॥ १५ ॥ बैरिनि निगोडीलाजप्यारिकैचलतआजु कीन्होहैअकाजज्योंसि- खाईगुरुजनकी ॥ अंकभरिभेटननपायोजोभुलाकैस्या म रहिजातीचाहतैंउँचाईउरजनकी ॥ भनतकविंदविर- हानलसरोसीभई जरैंजनिकोसीसीपरोसीपुरजनकी ॥ आरतीसम्हारिकैनिवारिलेतीनाहैजानि आईजौनहो- तीआनकानिगुरजनकी ॥ १६ ॥ जवनहौंडूबतहौंडगत हौंडोलतहौं योंउतनकाहेप्रीतिरीतिनरितैचले ॥ कहैप- द्माकरत्योंउसासिउसासनसों औसूखेअपारआयआं- खिनइतैचले ॥ औधिहीकेआगमलौरहतयनैतौरहौ यों- चहीक्योंग्रैरीयदवेदनवितैचले ॥ एरेमेरेप्रानप्रानप्यारे कीचलाचलमै तवनौचलेनअवचाहतकितैचले ॥ १७ ॥

॥ अथ प्रौढा प्रोषितपतिका यथा ॥

लागतवसंतकेसुपातीलिखीपीतमकों प्यारीपरवीनकै हमारीसुधिआनिवी ॥ कहैपद्माकरइहांकोयोंहवालवि रहानलकीज्वालसोंदवानलतैंमानिवी ॥ उवकीउसासं- नकोपूरोपरगाससोतौ निपटउदासपौनहीतैंपहिचानवी॥ नैननिकोढंगसोअभंगपिचकारिनतैं गातनकोरंगपीरेपा- तनतैंजानिवी ॥ १८ ॥ जान्योजामजामिनिकेजुगसेज- गायेजागि आगिसीजगावलटसामनकीहूकहूँ ॥ गग- नकेउडगनगनतहीगयेलखि लगनसोलाग्योउडगनप- तिहूकहूँ ॥ देवसुखदानोविनकोदुखघटावैआनि केतेदु- खदानिपरेसोवैंमुखमूकहूँ ॥ सखियाँद्वैमेरीमोहिऊँखि-

यौँनसींचतीतौ याहीरतियाँमैजातीछतियाँछटूकहूँ ग्र
विपसोवगरलागैबोलतवरहिउर बाढ़तबिरहसोअजावै
सुधिजीहाकी ॥ घरकतछातीज्योंमुसलघोरबरखत च-
पलावियोगिनकेवअकेसमीहाकी ॥ तीरसोसमीरनटगा-
लसोलगतनीर ' झिल्लीभूरिभीरझनकारअङ्कईहाकी ॥
जीउउड़िगयोचाहैपीउपरदेससुनि पीउपीउआलीअध-
रातकपपीहाकी ॥ २० ॥ बिरहतिहारेलालबिकलभईहै
वाल नींदभूखप्यासनिगरीविसारियतुहै ॥ चोरीकीसी
बातचंद्रमाहूँ सोंछिपाइयतु बसननतानिकैबयारिबारि-
यतुहै ॥ कहैमतिरामकलाधरकीसीकलाछीन जीवनवि-
हीनमीनसोनिहारियतुहै ॥ बारबारसुकुमारफूलनकी
मालऐसी मारकीमरोरनिमरोरिमारियतुहै ॥ २१ ॥ बा-
लमबिरहजिहिंजान्योनाजनमभरि बरिबरिउठैज्योंज्यों
बरसैबरफरानि ॥ बिजनडुलावतिहैंसखीजनसीतहूमें स
गकैसरापतनवापनितरफराति ॥ देखकहैसौंमनहींअँ
यांसुवनमुख निकसैनबातऐसेंगिमकीमरफराति ॥ स
टिलेटिपरनिकरीटवटपाटीलैकै सूखैजलसफगेज्योंस
वैफरफराति ॥ २२ ॥ परदेउमीरकैपटोरनीरनीरकरि क
मिमृगीमरिमेंकरैउपचारहै ॥ पंकजकेपातनतेंढोर
पवनगरी ज्योंज्योंबिथाबिरहकीबाढ़तिअपारहै ॥ मन
सकीचंद्रमाअनेककोंधैंदगीकोऊ कहाँजायआलीजहाँ
दूकोकुमारहै ॥ अंगनकोंकारलागैमेहगृहैअंगनकी दे
खागैसिंदूरअंगोंजामचनसारहै ॥ २३ ॥ कंचनमेंओगा

इचूनोचिनगारीभई भूपनभयेहैंसबदूपनउतारिले॥बालमबिदेसऐसोत्रैसमैनलागीआगु बरिबरिह्वियोउठैबिरहैयारिले ॥ एरीपरघरकितमागनकोजैहैंआली आगनमैचंद्लैअँगारीचारझारलै ॥ सैंझभयेभौनसँझ्याती क्योंनदेतआली छातीतेछुवायदियाबातीक्योंनबारिलै२४ घहरिघहरिघनसघनचहूंघाघेरि छहरिछहरिबिषबुंदबर साबैना॥द्विजदेवकीसांअबचूकमतदावअरे पातकीपपीहातूं पियाकीधुनिगाबैना ॥ फेरऐसोऔसरनऐहैतेरेहाथएरे मटकिसटकिमोरसोरतूमचाबैना ॥ हौंतोबिनप्राणप्राणचाहततज्योईअब कतनभचंदतूंअकासचढ़िधाबैना ॥ २५ ॥ मूलमलयजकेसमूलजरिजैयोअरु गुनगरिजैयोयासुगंधसरसाईको॥कटिजेयोभूतलतेंकेतकीकमलकूल हूजियोकतलअलिकुलदुखदाईको ॥ मोतीरामसुकबिमनोजमालतीकेहूजी पूजाजनिआसबिरहीजनहैंसाईको ॥ राजहंसबंसनकेबंसनिरबंसहूजो अंसमिटिजैयोपाकलानिधिकसाईको ॥ २६ ॥ बिरहकीजारीमनमथकीमरोरमारी अबलाबिचारीजानैमारगभलाईको॥ अतिसुकुमारऐसीकौलनैनीकुलवधू गाबैंगुनदेवबधूजाकीसुभताईको ॥ ऐसोनिरदईदईदाहैनिनहूकोसीखो सिगरेउपायधींकहैंतिपतिताईको ॥ भाईयेदराजकोअमृतसाईनामपाइ याम्हनकहायकःमकरतकसाईको ॥ २७ ॥ सिंधुकोसपूतसुतसिंधुतनयाकोबंधु मंदिरअमंदसुभसुन्दरसुधाईके ॥ कहैपदमाकरगिरीसकेबसेहौसीस तारनके

ईसकुलकारनकन्हाईके॥ हालहीतूयिरहयिचारीब्रजयाल हीपैं जालसेजगावतजुयालसोजुन्हाईके ॥ ऐरेमतिमंद चंदआयतनलाजतोहि कैकैद्विजराजकाजकरतकसाई के ॥ २८ ॥ साँझहीतेंआवतहिलावतकटारीकर पाइकै कुसंगतिकसानदुखदाईको ॥ निपटनिसंकह्वै तजीतैंकुलकानि खानिऐगुनकीनेकहूतुलैनवापभाईको ॥ एरेमतिमंदचंदआवतनलाजतोहि देतदुखबापुरेवियोगीसमुदाईको ॥ ह्वैकैसुधाधामकामविषकोवगारैमूढ ह्वैकैद्विजराजकाजकरतकसाईको ॥२९॥ मेरीमुहँछविकोवरनि करियाहि अपसरनहस्योहैवातेंयाकीमतिगईहै ॥ दूसरे हमारेअँखियाँनकेहरायल कुरङ्गहूप्रचारिकैकुमतिपुनिदईहै ॥ वाहीवैरआयोहैकलंकविषवाँधिकै धुरंधरविरंचि हूकहाधौंनिरमईहै ॥ आपुनमरतमोहिमारिवेकोंअरत सुधाकरकरतयहनईवम्हनईहै ॥ ३० ॥ भवनभयानकसे भानुकेसमानदीप सेपसुनिनिसदिनमीडेमारियतुहै ॥ विरहविहारीविनवैरीचांदवैरपस्यो वरतअकासआगसो निहारियतुहै ॥ कृतअघकुटिलकलंकीकलाहीनऐसो पीरनपराईजानैंजारेजारियतुहै ॥ कहाकहौंयातराहुकायर कीवारवार ऐसेकूरगिलिकैउगिलिडारियतुहै ॥ ३१ ॥ ग्रीषमकेआवनकोऔधिमनभावनकी तौलौंयहउन्हैंकहौकैसेकैमिलतिहै ॥ फूलेवनवागनमेभूलीसनीसौरभसों चैहरचहैगीतौनकौनपैंझिलतिहै ॥ गोकुलवसंतरतिकंत ... मारिवेकोमेरेजानपहिरीखिलतिहै ॥ कू-

कसुनेकोकिलकीहूकऐसीपरीदेखि मरीसीडरीहैमेकहल-
कहिलतिहै ॥ ३२ ॥

॥ अथ परकीया प्रोषितपतिका यथा ॥

जादिनतेंजदुनाथमथुरासिधारेआली तादिनतेंहगन
दवागिनिसीदैगये ॥ कहनमुकुंदलालसबव्रजवासिनके
सकलअनंदसुखमाथलाइलैगये ॥ सुभगसुहावनेजेभारी
मनभावनेते विविधविछावनेडेरावनेसेकैगये ॥ फूलेफू-
लेफूलनमेजमुनाकेकूलनमे देहकेदुकूलनविसासीविसवै
गये ॥ ३३ ॥ फूलेसुभसुमनबिछायोपरजंकचारु नीचे
चारुचौनराबिछौनाबिछेसुखदानि ॥ झिलिमिलैंझाल-
रैंचहूंघामजुमोतिनकी राख्योरचितापरत्यैंमंजुलवितानि ॥ कहैपरनापदेखिआवतमयंकमुखी अंकभरी
पीलमनिसंकप्रानप्यारीजानि ॥ समुझिसयानीमनसुंद-
रसलोनीवाम सेजतेंउनरिदूजीसेजपरबैठीआनि ॥३४॥
एरेनीचजंहवसवासीतेंरऐसेकाम ऐसेहीजियोतोतेरो
जीवोकौनलेखेतें ॥ तबहठिहटकेतैंप्रीततोकरीती अब-
सहलमीजानिरहेआनकेपरेखेतें ॥ हेमहंमनबलसनेही
जिन्हैबिछुरतें संगासंगछांडिआयेकौनकेसरेखेतें ॥ फाटि
हियअंतसतेंनिकसैनकाहेजीव हायकेलिमंदिरमैसूनीसे-
जदेखेतें ॥ ३५ ॥ एरेबीरपौनतेरोचहूंओरगौन तेरेस-
मकौनमेरेबैनसुनिकानदै ॥ जगतकेप्रानबडेछोटेकोस-
मान घनआनदनिधानसुखदानदुखियानदै ॥ रूपउजि-
यारेगुनवारेवेसुजानप्यारे अबहूअमोहीयठेपीठकेउ-

यानदै ॥ बिरहब्यथाकीमूरिअँखिनमैराखौंपूरि हाहा तिनपायनकीधूरिनेकआनिदै ॥ ३६ ॥ रावरेगुननियाँ-धिलियोजानप्यारेयाहि यहैपैअचंभोछोरदीनोजोसुरति है ॥ उघरिनचायआपुचायमैरचायहाय क्यों करचाय दीठियौंकरदुरतिहै ॥ तुमहू तेन्यारीहैतुमारीप्रीतिरीति जानी ढीलेहूपरेते गरेंगोठिसीघुरतिहै ॥ कैसेघनआनंदअदोसिनलगैयेदोस लेखनिलिलारकीपरेखनिमुरति-है ॥ ३७ ॥ साहससयानग्यानताकततुमैंसुजान तयहीस-बनतजीअबहींकहातजौं ॥ रावरेहीराखेंप्रानरहेपैदहेनि-दान यौंहींकैनिकाजकाजबिनहीखरीलजौं ॥ ऐसीकै-बिसारीगौंतिहारीनानिहारीपरै आनदकेघनहौअमोही जोअजौंधजौं ॥ कौनबिधिकीजैकैसेंजीजैसोबतायदीजै हाहाहोबिसासीदूरभाजततजभजौं ॥ ३८ ॥ जेदृगनि-रायेघनआनदढरसरस तेअबअमोहीदुखज्वालजारिय तुहै ॥ तोपैहितपोपेलितजेईप्रानराखेसाथ तेईकैअकेले यों अनाथमारियतुहै ॥ कौनकौनबातकोपरेखोउरआ-नियेहो जानप्यारेकैसेंबिधिऔंकटारियतुहै ॥ घाती-लैतिहारीप्रीतिछातीपैंबिराजिरही हेरिहेरिआँसुनस-मूहढारियतुहै ॥ ३९ ॥ रातिद्यौससङ्कटसजेहीरहैंसहैंदुख कहाकहौंगतियाबियोगबजमारेकी ॥ लियोघेरिऔचक-अकेलोकैबिचारोजीव कछुनबसातयोंउपायबलहारेकी॥ जानप्यारेलागोनागुहारतोजुहारकरि जूझिहैंनिकसिटे-कगहेंपनधारेकी.॥ हेतखेतधूरिचूरचूरह्वैमिलैगोजब ब-

लैगीकहानीघनआनदतिहारेकी ॥ ४० ॥

॥ अथ गनिका प्रोषितपतिका यथा ॥

बिरहनभूरिहोउप्रेमचकचूरहोउ अंगअंगक्रूरिहोउदरदचढाऊंगी ॥ बसनबिसारोंआछेअसननधारोंसोभ भूपननिवारोंगीतप्रीतमकेगाऊंगी ॥ सौरभबहायद्वारदेहरीपैजाय हगमिरिचिलगायआँखिआँसुनिबहाऊँगी ॥ दुखीजानिनिजजनमोहिमोहजैहैमन ऐसेजोगजतनबहुतमालपाऊँगी ॥ ४१ ॥ आवतिहीं देखेप्रारबधूकीविरहदसा आपनोमलीनसबभेपराख्योकरिकै ॥ खातिहैखबायेंपानीपीवतिपिवायेंसत्रै सुधिविसरायेंराखीवेसुधिसाकरिकै ॥ जबकबहू कसुधिमनीहोततबसुनो एहोरघुनाथगावतकियापैपरिकै ॥ भाँवतेकीमूरतिकोध्यानआँखैंलावतिहै आँखैंमूंदिगावतिहैआँखैंआँसूभरिकै ॥ ४२ ॥

॥ अथ खण्डिता लच्छन ॥

दो० ॥ भोरऔरनियसुरतिके चिन्हसहितहीधाम ॥
आवैजाकोप्रानपति वहैखंडितावाम ॥

॥ अथ मुग्धा खण्डिता यथा ॥

देखुआयसखीप्रानप्यारीजूकीदसाआजु लख्योप्रामप्यारोभरोअपराधगुरमे ॥ रघुनाथताकीओरपिठीदियेंबैठी कियेलोचनसजललाएँआपनेमुकुरमे ॥ पलकमेपीकलीकअधरमेअंजनकी [illegible] ॥ भालथीत्रलागयोपरतियकोसोहागदेखै [illegible] दागदेखैउरमे ॥ ४३ ॥ बैठीपर [illegible]

अंजनकेदागेरी ॥ पेचअलबेलेहारउघटेनवेले छाकिछा-
किरसरेलेकरिकेलिअनुरागेरी ॥ घूमिघूमिपरैंसोअभूमैप-
गधरैंझूमि झूमियतरातपरप्यारीप्रेमपागेरी ॥ नाखिन
सकातिउरराखिनसकति यड़ीआखिनतैंअँसुवाझरझला
नलागेरी ॥ ४८ ॥ जावकलिलारओठअजनकीलीकसौं-
हैं खयैनअलीकलीकलाजनविसारियें ॥ कविमतिराम
छातीनखक्षतजगमगै डगमगैपगसूधेमगमैनधारिये ॥
कसुकैउघारतहौपलकपलकयातें पलिकामैपौढ़िश्रमरा-
तिकोनिवारिये ॥ लटपटेपेंचसिरबातनकहतयने लटप-
टेपेंचसिरपागकेसुधारिये ॥ ४९ ॥

॥ अथ प्रौढ़ा खंडिता यथा ॥

मलगजेबागेअंगरागजहाँतहाँलागे जागेनींदपागेनैं-
नगहैंअलसानकों॥ रघुनाथएसेभेपधरैंप्रानप्यारेआ-
ये। प्रातकहूँवसिरातदीन्हैरतिदानकों ॥ देखिरिसिभोई
दोहदुखसोंसमोई गुनउनकेदिखाइबेकोंउनकेलजानको॥
मुखसोंकह्योनकछूपरमसुजानप्यारी आगेधरउानिदर-
पनपानीपानकों ॥ ५० ॥ प्रातरगमगेबनेआगेसगबगे
कुचचिन्हजगमगेउरउपजअपारसो ॥ त्रिनगूथेहारन
विहारवकसीसलाये , करमनुहारआयेवदनवहारसो ॥
बोलैंतुतरातछलहूदैउतरात रतिरातदरसावैंकरीमंगलसु-
द रसो। जावककोधारसोअपारसोसुछबिलसै लालैल-
खिआरसोदिखाईप्यारीआरसो ॥ ५१ ॥ केसरिकेरंगमे
अनेककरिलायेरंग सैननिमैमैनकीतरंगनिकोसोतहै ॥

कहैभालानायअंगअंगनअनेकभांति देखेप्रतिबिंबको-
ऊआपकीनपातहै॥ रीझभीजैमलीकीनीहोरीखेलिआयें
उहां प्रानप्यारेकीनेइहाँप्रातहीउदोतहै ॥ लालकीन्हे
जलजप्रबालपैमधुपकीन्हो मेरीइनआँखिनगुलालनीको
होतहै ॥ ५२ ॥ खायेपानबीरीसीबिलोकनिबिराजैआ-
ज अंजनअँजायेंअधअधराअमीकेहैं ॥ कहैपदुमाकरगु-
नाकरगोबिन्ददेखो आरसीलैअमलकपोलकिनपीकेहैं ॥
ऐसोअवलोकिवेईलायकमुखारविंद जाहिलखिचंदअर-
बिंदहोतफीकेहैं ॥ प्रेमरसपागजागिआयेअनुरागियातें
अबहमजानीजूहमारेभागनीकेहैं ॥ ५३ ॥ काननतेंभोर
भयेआयेहौसुजानकान्ह आननकीआभाआनभांतिपे-
खियतहै ॥ बिनगुनमालउरउघरीगोपाललाल लालला-
लआँखैंकौनलेखेंदेखियतहै ॥ सुंदरअधरपरपीककीलस-
तलीक बीचकारेकाजरकीरेखरेखियतहै ॥ एतेपरक-
हतकीदेखोतबकहोयेजू आगिलागीकोऊकादियालदेखि-
यतहै ॥ ५४ ॥

॥ अथ परकीया खंडिता यथा ॥

पीकहीकीलीकउरलीकसीलगीहैउर लीकमेटिमेरीतु-
मऔरैलीकपागेहो ॥ आरसीलैदेखोनेकआरसीभयेहौ
कत आरसीलगतमुकरतमेरेआगेहो ॥ कपटीमहाउर
महावरतेंजानियत पाँयपरसोनजायजाकेपाँयलागेहो ॥
भोरहीतेंभोरबनभौंरबनिआयेमोहि- कौनपतनीकेपति-
नीकेनिसिजागेहो ॥ ५५ ॥ एकनसोंइंठीएकमिलतबसी-

ठीमीठी एकनसोंचीठीएकजुरीकानांयातीहैं ॥ गयेजहाँ बसनपलटिआयेबसन सुबसनबसातीतेऊबसनबसाती हैं ॥ भोरबनउनकेतीताकेभोरबनहमै आयेभौरबनहम यातेंअनखातीहैं ॥ सोयेनाहिंसोयेमानोमोयेहैंमहाउर-मैं लालळालकोयेलालकोयेकरिजातीहैं ॥ ५६ ॥ नीचीदीठिनीकीकछुमोसोंरँगभीनी प्रानप्यारेसोंरिसहैऐसोको हैजगबावरो ॥ मेरोमनसूधोकछूजानैनछपाँचसाँच नैं-नहींआपुचायकीनोचितचावरो ॥ रावरीरुखाई देखिरू-खीभईइनतेहीं गोकुलकेचंदजूअनोखोउरभावरो ॥ दे-खननदेहौंइन्हैंयोंहींतरसैहौंअबहियेहीकीआँखिनदिखैं-हौंरूपरावरो ॥ ५७ ॥ कहूंरतिमानिआनिभौंवतीगली मैंकढ्यो भोरआजभौंवतीसोंभेटआँचकाभई ॥ नैनसै-नदैकैउन्हैबाहिरहीठाढोकियो आपुकैचपलगतिदहली-जमैगई ॥ कहाकहौंभटूनखसिखलौंनिरखिचिन्ह मन-हीमैंरघुनाथऐसीकोपसोंतई ॥ मुखसोंनकह्योकछुहाथ कीइसारतिसों गारीदैकेआपनीकिवाँरीदोनोदैलई॥५८॥ कहाकहौंप्यारेकछुकहिबेकीबातनहै बातनबनाइमनधी-रलाइयतुहै॥ आठहूं पहरहरिहहरिहियेमैहम रावरेप्रवी-नबैनीगुनगाइयतुहै॥ थाहजोनदीहैतामैनावकोउपावक-हाँ अथहनदीमैंपरपारपाइयतुहै ॥ आपनीहमारीयहस-मुझनदेखोबूझि जहाँरैनचाहैतहाँभोरआइयतुहै ॥ ५९ ॥

॥ अथ सामान्या खण्डिता यथा ॥

ओठनिमैंअञ्जननिरञ्जनभयेहैंनैन पलनमैपीकैंभाल

जावकथनककों ॥ डोरीबिनकोगिहारकानेपहिरायेआनि हियेमैथहारभरेभोरनतनककों ॥ भननकविन्दभाँवतेकों पेखिभोरसमै वालाबारबधूछोभकीन्होननकको ॥ ता- किहगबङ्कनिकलङ्कनिकीकालिमादै करतेंकरखिलीन्हो कङ्कनकनककों ॥ ६० ॥ गाथनहाँबैठोदेख्योआयतछबी- लोछैल आसवभरायोसाथमनिमईझारीमै ॥ आनंद सोछाईऐसीथासनाथसाईजिय कीजैरतिरातस्वच्छआज कीउजारीमै ॥ निकटकेआयेलायेसुरतिकेदेखेचिन्ह ए- होरघुनाथऐसीभरीकोपभारीमै ॥ सखीसोसिखायदीन्हे बतरसलायआप देकरकिवारीजायसोईचित्रसारीमै ६१ नीकेरमनीकेउरलागेनखछतअरु घूमतनयनसबरयन- जगायेहो ॥ आयेपरभातवारबारहौजँभात सेनापतिअ- लसातनऊमेरेमनभायेहो ॥ कहाहैसकुचमेरीहौतोहौति- हारीचेरी मैतौतुमैनिधिनीकेधनकरिपायेहो ॥ आवत ताआयेसुधिताकोहैकिनाहीं जाकेपायकेमहावरकीखौ- रिकरिआयेहो ॥ ६२ ॥ गोसपेंचकुण्डलकलङ्गीसिरपेंच पेंच पेंचनतेंखैंचबिनबेचेवारिआयेहो ॥ कहैपदुमाकरक- हाँवामूरिजीवनकी जाकीपगधूरिपगरीपैंपारिआयेहौ ॥ वेगुनविमागिऐसेवेगुनकेहारअब मेरीमनुहारकोगृथाही धारिआयेहौ ॥ पासासारखेलिकितकौनमनिहारिनसौं जितमनिहारमनहारहारआयेहो ॥ ६३ ॥

॥ अथ कलहन्तरिता लक्षण ॥

दोहा । जोतियपियअपमानकरि पुनिपाछेपछताय ॥

कलहन्तरितताहितें कहतसुकविसमुदाय ॥

॥ अथ मुग्धा कलहांतरिता यथा ॥

सुरतिकेचिह्नभोथतेकेआलउरलखे कोपभरेजोवनके
औपभरेतनमें ॥ कलिकेमहलसोंयहानोकरिवैठीआय ए·
हारघुनाथहूँउदानगुरजनमैं ॥ कहाकहौंभटूउठीइतनेमे
घनघटा घगनकोपाँतिसोदेखाइंदीन्होघनमे ॥ तयतो
अयानयसकोन्हेमानगुनगोरि अयसुखदानपछितानला-
गीमनमै ॥ ६४ ॥ कैसोतूसुमतितोसोंवूझतिहौंयारयार
करिनिरधारकहिभौंहनअमेठोक्यो ॥ मैंतोतोहिजानति
होगरयोगुननकोरो करयोनऐसीतोहिमनउरपैठोक्यो ॥
इंसमानप्यारेसोंरोनाहकहोकैसोजइं सौतिकोकहरोतेंमा-
निएतीआनिऐंठोक्यो॥ मजलिसयोचजासोंपावैयाहचा-
हकरि ऐसेप्राननाहसोंगुनाहकरिवैठोक्यो ॥ ६५ ॥ कहत
नकलहकथानसखियानसङ्ग अङ्गअङ्गभरोसोमयेनगुनरा-
हमै ॥ पतिहिमनाइनसकतसमुहाइ हगलज्जिनटजाइ
अङ्गताकिपरवाहमै ॥ लाग्योभालोनोझरवेरगोनचनघटान
पर मलयपवनसरछूटतउमाहमै ॥ उदिउथिआयेमहा-
दूथिदूथिमनमाझ डूयिडूथिजायमोहनागरअयाहमै ६६
सखिनमकोचगुरुलोगनकोसोच मृगलोचनिरिनालोड
नेकहूँसङ्गयोगात ॥ देवयेसुमाहमुनुसायटलिगयेइ
सकिंससकिनिसिरोइखोइंपायोप्रात ॥ जानैकोरि
नयिरहीविरहपीरहायहायकरिपछितानिनर
यड़ेयड़ेनैननितेऔंसूभरिभरिढारि गोरेकेरे

सेयिलातजात ॥६७॥लुकतीहीकोनमीनगहेकहेझुकतीहो गहेतेंसखिनकेतिरीछीतैंसीतातीही ॥ छिगुनीछुवेतेंयलि जौंउँकैसीहोतिहीजू चपलासीचमकचितीतचौंकिजाती ही॥ सोवतीनसङ्गअङ्गगोवतीयितौतीनिसि सोकयिप्रयो- नवेनीससकसकातीही ॥ मानतीनकेहू ठनगनऐसेठान- तीही रूसिगयोपीवअवकतपछतातीही ॥ ६८ ॥

॥ यथ मध्या कलहान्तरिता यथा ॥

देखुआइसखीप्रानप्यारीजूकीदसाआजु प्यारेकेमना- इवेकोंकहतिलजातीहै ॥ पेन्हतिनहारजोसँवारिधरेफूल- निके पानपानदानभरेधरेसोनखातीहै॥ रघुनाथटरीजा- तिसुखकीघरीसोयूझि गगनकीओरहेरिनिरखतिरातीहै॥ देखिकैसदोपतयभौंहैंएं ठीकोपकरि कहाकहौंअवआप बैठीपछितातीहै ॥६९॥ पोढ़ीपटतानेअवहोतकहापछि- ताने मानसीव्यथानैकरिआनसीदिखाईहै ॥ भनतकवि- न्दसखियानसोंनभनैभेद भूलीखानपानैतनआनैताप- छाईहै ॥ लाजकीविरहकीगिरहपरीवाकेहिय जानैकोइ- लाजखोलिवेमेचतुराईहै ॥ जानतमुरारीकैधौंजानैसम्व- रारि कैधौंजानैवहनारिजौनरारिकरिआईहै ॥ ७० ॥ झा लरनदारझुकिझूमतवितानविछे गहवगलीचाअरुगुलु- गुलीगिलमें ॥ जगरमगरपदमाकरसुदीपनकी फैलो- जगाजोतिकेलिमंदिरअखिलमें ॥ आवततहाँईमनमो- हनकोंलाजमैन जैसीकछूकरीतैसीदिलहीकीदिलमें ॥
[illegible] रहीरिहायमिलिमें॥

प्रभाकीझिलमिलमैं ॥ ७१ ॥ बैठीरतिमन्दिरमेंसुन्दरिबि-
नापैपेप जाकेरूपसोंहैं रतिरूपहूनिदरिगो॥आयोलहाँला
लजासोंबोलीनहिंबालनेकु ऐसोकछुअकसअखारोआनि
अरिगो ॥ एतेमाहिंहँसिहनुमानमनभावनगो लागीप-
छितानप्रेमपुञ्जयोंपसरिगो ॥ काननतेंपैठिहियेंबस्योहो
जुमान सोईहायइनआँखिनतेंअँसूव्हैनिकरिगो ॥ ७२ ॥

॥ अथ प्रौढ़ा कलहान्तरिता यथा ॥

आलीहैतिहारेसमकोऊनाहमारोहितू हँसिबनमाली
हालीहमतेंजुदेभयो ॥ बीतीद्वैकजामरैनिपरतनचैनकेहूं
दूजोहैनबैरीमेरोमनहींखुदेभयो ॥ कहैहनुमानकीन्हेमा-
नघोंकहाँलैहाय आजुसबसौतिनकेमनकोमुदैभयो ॥ बि-
नपियप्यारेरीदिवाकरसमानमान आकरकलेसकोनिसा-
करउदैभयो ॥७३ ॥ एअलिइकंतकंतपायनपरेहैआय हौं
नतबहेरीयागुमानबजमारेसों ॥ कहैपदमाकरबेहँसिगेसु
ऐसीभई नैननतेंनींदगईदाहकेदवारेसों ॥ रैनदिनचैनहै
नमैनहैहमारेबस ऐनमुखसूखतउसासअनुसारेसों ॥ प्रान
नकोहानिसीदेखानिसीलगीहैहाय कीनगुनजानमानकी-
न्हेप्रानप्यारेसों ॥७४॥ दोनोमनरंचऊनचोठिनबसीठि-
नमैं कीनोकानिकान्हकोनदीदीनअरजनिमैं ॥ द्विजदेव-
कीसोंजऊहारीवैसिखाय तऊसुमुखिसखीनकीसुनीनबर
जनिमैं ॥ एरीमेरीवीरधीरकाधिधिधरैगोहियो चातकी
चवाइनकीचोखीचरजनिमैं ॥ मेचकरजनिमैंकदंबलरज
निमैं सुमेघगरजनिमैंतड़िततरजनिमैं ॥ ७५ ॥

॥ अथ परकीया कलहान्तरिता यथा ॥

उन्हैं नजनायोमैंविलोकिप्रतिअंगनमे सुरतिकेचिन्ह जेप्रगटरहेलसिकै ॥ मोसोंगएरूसिट्रूसिप्रीतिरीतिमेरी मे-रीओरप्यारेरघुनाथहेरिऔंहेंकसिकै ॥ तोसोंनाछिपावतिहोंएरीभटूअपराध इतनीतोकीन्हेजोमैंऐसेंकहरोहैंसिकै॥ भोरहीभईहैभेंटभाँवतेगलीमेआजु अलसानेआवतकहाँतेंरातिवसिकै ॥७६॥ चेरेभयेचेरिनकेमेरेहेतव्हैअचेत फे-रेदेतफिरेवनवीथिनअँधारेमै ॥ रंभासीरमासीरूपरासी जेछमासीतोल दासीभईतिनसेंविलोकेहरिन्यारेमै ॥ मे-रेभरेजैसेजलमीनसेप्रवीनवेनी दीनजैसेचकचकेचंद्रिका उजारेमै ॥ कैसेदोसठायसोरुठायअलिमंदिरतें नाहकरु-ठायदियेऐसेप्रानप्यारेमै ॥ ७७ ॥

॥ अथ गणिका कलहान्तरिता यथा ॥

ससकिससकिउठैकसकिकसकिहियें याहीअफसोसन कढोंनभोनकोनेसों ॥ एकतानलागेमुकतानकेअनेकह यकसतराजकाजरूपेसोंनसोनेसों ॥ भनतकविंदऐसेन सोंगुनाहविना कियोमैविगाररारिटरैकौनटोनेसों ॥ रीमोकुमतितैनेकलहकरायो अवसुलहकरावैकौनसँ सलोनेसों ॥ ७८ ॥ जाकीसरवरिनकरतकामकलाधर सेमनभावनसोंरूसीतासहीदहीं ॥ लाखनकीसौजगई तिरंगमौजगई आननकीओजगईखोजनकहूं लहीं ॥ गो कुलकेनाथवेतोहाथहाथहीमैफिरैं देइजेमिलायऐसेपा ॥ मोहिकहामानसोंअयानभईएरीअब आ

...कथामैकानिसाकहौ ॥ ८९ ॥

॥ अथ विप्रलब्धा लच्छन ॥

...० । जोनियजायसहेटमैं मिलैनपियअकुलाय ॥
ताहिविप्रलब्धाकहैं सकलसुकबिसमुदाय ॥

॥ अथ मुग्धाविप्रलब्धा यथा ॥

...ाजिकैसिंगारससिमुखीकाजसजनीवै ल्याईकेलिमं-
सिखापननिधानसी ॥ कान्हबिनकाननसकेतसूनोदे-
...ई आननकीऔरैदुतिअंगदुतिआनसी ॥ भनतक-
...योलैलाजतैंनकछूबाल बीचखिलीकलिकालगनला-
...नसी ॥ व्यथामृगनैनीकेहियमैंबढ़ीमानसीवै च-
...ढ़ीभौंहैगईंउतरिकमानसी ॥ ८० ॥ खेलिवेकेमिसस-
...लिकेमहललीन्है नवलवधूको गईसुगतिकरिन्दहै ॥
...हैंसतमृगनैनीपिकबैंनीतहाँ देखेनाप्रबीनबेनीयदु-
...दहै ॥ चपरहीचहूँघाँचितैकैचकईसीचकि नैननि
...कैअंचलजलवुंदहै ॥ छकितछकितमानोकमलके
... मुखमकरंददाबेअवलीअलिन्दहै ॥ ८१ ॥ खेलको
...कैसहेलिनकेसंगबाल आईकेलिमंदिरलौंसुंदरिम-
...र ॥ कहैपदमाकरतहाँनपियपायो लियल्योहीतन
...मीपतिकेतेजपर ॥ बाढ़तिबिथाकीकथाकाहूसोंक-
...ी लचकिलतालौंगईलाजवारीलेजपर ॥ धीरीप-
...रिकपोलनपैपीरीपरी धीरीपरीधायगिरीसीरीप-
...र ॥ ८२ ॥

॥ अथ मध्याविप्रलब्धा यथा ॥

...कोतमासोसुनोसोयेगुरुजनजब कीन्हेअभिसार

॥ अथ परकीया कलहान्तरिता यथा ॥

उन्है नजनायोमैविलोकिप्रतिअंगनमे सुरतिकेचिन्ह जेप्रगटरहेलसिकै ॥ मोसोंगएरूसिद्रूसिप्रीतिरीतिमेरी मेरीओरप्यारेरघुनाथहेरिभौंहैंकसिकै ॥ तोसोंनाछिपात्रति हौंएरीभटूअपराध इतनोतोकीन्होजोमैंऐसेंकहगोहँसिकै॥ भोरहीभईहैभेंटभाँवतेगलीमेआजु अलसानेआवतकहाँ तेंरातिवसिकै ॥७६॥ चेरेभयेचेरिनकेमेरेहेतव्है अचेत फेरेदेतफिरेवनवीथिनअँधारेमै ॥ रंभासीरमासीरूपरासी जेछमासीतौल दासीभईतिनसोंविलोकेहरिन्यारेमै ॥ मेरेभरेजैसेंजलमीनसेप्रवीनवेनी दीनजैसेचकचकेचंद्रिका उजारेमै ॥ कैसेदोसठायसोरुठायअलिमंदिरतें नाहकरुठायदियेऐसेप्रानप्यारेमै ॥ ७७ ॥

॥ अथ गणिका कलहान्तरिता यथा ॥

ससकिससकिउठैकसकिकसकिहियें याहीअपसोसन कढौंनभौनकोनेसों ॥ एकतानलागेमुकतानकेअनेकहार वकसतराजकाजरूपेसोंनसोनेसों ॥ भनतकविंदऐसेनाह सोंगुनाहविना कियोमैविगाररारिटरैकौनटोनेसों ॥ एरीमोकुमतितैनेकलहकरायो अवसुलहकरावैकौनसाँवरे सलोनेसों ॥ ७८ ॥ जाकीसरवरिनकरतकामकलाधर ऐसेमनभावनसोंरूसीतासहीदहौं ॥ लाखनकीसौजगईरतिरंगमौजगई आननकीओजगईखोजनकहूं लहौं ॥ गोकुलकेनाथवेतोहाथहाथहीमैफिरैं देइजोमिलायऐसेपाय ॥ मोहिकहामानसोंअयानभईएरीअब आ

...कथानकानसाकहीं ॥ ८९ ॥

॥ अथ विप्रलब्धा लच्छन ॥

१ । जोतियजायसहेटमें मिलैनपियअकुलाय ॥
ताहिविप्रलब्धाकहैं सकलसुकबिसमुदाय ॥

॥ अथ मुग्धाविप्रलब्धा यथा ॥

॥जिकैसिंगारससिमुखीकाजसजनीवै ल्याईकेलिमें-सेखापननिधानसी ॥ कान्हबिनकाननसकेतसूनोदे-ई आननकीओरदुतिअंगदुतिआनसी ॥ भनतक-ोलैलाजतैनकछूबाल बीचखिलीकलिकालगनला-नसी ॥ व्यथामृगनैनीकेहियेमैंबढीमानसीवै च-ीभौंहैंगईउतरिकमानसी ॥ ८० ॥ खेलिवेकेमिसस-लेकेमहललीन्हे नवलवधूको गईसुगतिकरिन्दहै ॥ हेसतमृगनैनीपिकवैनीतहाँ देखेनाप्रवीनयेनीयदु-दहै ॥ चपरहोचहू घाँचितैकैचकईसीचकि नैननि हैअंचलजलबुंदहै ॥ छकितछकितमानोकमलके मुखमकरंददावेअवलीअलिन्दहै ॥ ८१ ॥ खेलको कैसहेलिनकेसंगबाल आईकेलिमंदिरलौंसुंदरिम- ॥ कहैपद्माकरतहाँनपियपायो तियत्योहींतन मोपतिकैतेजपर ॥ वाढतिविथाकीकथाकाहूसोंक- । लचाकिलतालौंगईलाजवारीलेजपर ॥ धीरीप-रकपोलनपैपीरीपरी धीरीपरीधायगिरीसीरीप-र ॥ ८२ ॥

॥ अथ मध्याविप्रलब्धा यथा ॥

कोतमासोसुनोसोयेगुरुजनजब कीन्हेअभिसार

तयसाधिकैरमलसो ॥ रघुनाथमनमैमनोरथकीसिद्दिजा-
नि नूपुरग्रजनलागेपाइँमंदमलसो ॥ केलिकेमहलबीच
प्यारेसोंनभेटभई ऐसीदसाभईमनोखायोहैअमलसो।
भोरकेसमैकोऐसोप्यारीकोग्रदनरहेग्रा एरीभटूफेरग्रयोसैं
झकेकमलसो ॥ ८३ ॥ सजिकैसिँगारहारजालगजमोति-
नके सुन्दरिछबीलीछविजैसीकछुरतिहैन ॥ मनकेमनोर-
थकेरथपैमगनभई पहुचीसहेटजहाँहैननन्दनन्दऐन ॥
चैनरायवाकेउरमैनकेमरूराउठे मीनज्योंविनाइंनीरला-
जतेंनबोलैवैन ॥ फूलतगुलाबसीगईतीपियपास अब
लागोचमकावनगुलाबचुटकीसीदैन ॥ ८४ ॥ स्वायगुरु
लोगनकोंसोंधेसोंअन्हायभूपे भूपनजराइनकेपहिरेबसन-
वर ॥ मन्दमन्ददाबेपाँयँआइकेलिमन्दिरमै घूंघुटमैहेर-
तउछाहभरीलाजभर॥ द्विजजूविलोकिसेजसूनीह्वैचकि-
तरही चारोंओरचाहतिमृगीसीभूरिभरीडर॥ ऐसीभ-
ईविकलबिसूरिव्यथाबाढ़ीजैसे पथिकनिदाघकोपिया-
सेदेखिसूनोसर ॥ ८५ ॥ सकलसिंगारसाजेसखीगनसङ्ग
राजे मगमैसमाजैउरआनदहितैरही ॥ भनतकविन्दकु-
ञ्जमदिरनिहारिसूनो दूनोदुखधारिकैमनोरथरितैरही ॥
सोचनसोंससकैसकोचनसकैनबोलि रोचनसीअंगरुचि-
जानीनाकितैरही ॥ ठगकीठगीसीरतिजागेकीजगीसी थ-
कीआँचकीमृगीसीचारोंओरनचितैरही ॥ ८६ ॥ पूरअँसु-
वानकोरहेग्राजोपूरिआँखिनमैं चाहतग्रहेग्रापैबढ़िवाहिरो
॥ कहैपदमाकरसुधोंखेहूतमालतरु चाहतगहेग्रा

पैगहवरहू गहैनहीं ॥ कैंपिकदलीलौंयाअलीकौंअवलं-
बकेहू चाहतलहेरापैलोकलाजनिलहैनहीं ॥ कन्तनमि-
लेकोदुखदारुनअनन्ततिय चाहतिकहेरापैकछुकाहूतेंकहै
नहीं ॥ ८७ ॥

॥ अथ प्रौढ़ा विप्रलब्धा यथा ॥

उज्जलसरदचंद्रचंद्रिकाअमंददुति सीतलसुगंधमंदमं-
दपौनफहरैं ॥ मुक्ताअमंदमकरंदकैसेविंदुचारु वदनार-
विंदकीछवीलीछटाछहरैं ॥ साजिरंगरंगनकेअंगनसिं-
गारप्यारो गईरतिभौनदूजेजामिनीकेपहरैं ॥ पेखिपरजं-
कनंदनंदविनसोमनाथ लागीअंगउठनभुअंगकीसीलह-
रैं ॥८८॥ उरजउतंगअभिलाषीसेतकंचुकीहै राखीनाकछू-
कचितचोपरंगरेजेमैं ॥ मोतिनकीमालमलमलवारीसारी
सजें झिलिमिलिजोतिहोतिचाँदनीअमेजेमैं ॥ विहँसिव-
दनविमलासीसोअटापैगई देखेनाप्रवीनवेनीपियसुखसे
जेमैं ॥ गरदभईहैवहदरदयतावैकौन सरदमयंकमारीकर
दकरेजेमैं ॥८९॥ सकलसिंगारसाजिसंगलैसहेलिनकों सुं-
दरीमिलनचलीआनदकेकंदकों ॥ कविमतिरामबालकरत
मनोरथनि देख्योपरजंकपैनप्यारेनदनंदकों ॥ नेहतेंलगी
हैदेहदाहनदहतगेह वागकेविलोकिद्रुमवेलिनकेवृंदकों॥
चंदकोंहँसततबआयोमुखचंद अवचंदलग्योहँसनतिया
केमुखचंदकों ॥ ९० ॥ वारीपाइप्यारीचित्रसारीकोंसिधारी
आपु करिकैसिंगारचारुविविधविधानको ॥ रघुनाथभौं-
वतेसोंभयोनामिलापतहाँ ऐसोहालभयोहालसुंदरिसुजा-

नको ॥ एकतोमिलनसुखहानभयेभयोदुख एरीभट्टूजे भयोदुखअपमानको ॥ कौवेकोंयिकलप्रानकहाकहौंतो- जेआन हियमेलगनलागोवानपंचवानको ॥ ११ ॥ आ ईफागुखेलनगुविंदसोंअनंदभरी जाकोलसैलंकमंजुमख- तूलतागसो ॥ कहैपदुमाकरनहँनताहिमिल्योस्याम छन मैछबीलीकोंअनंगदियोदागसो ॥ कौनकरैहोरीकोऊगो- रीसमुझावैकहा नागरीकोंरागलाग्योविपसोविरागसो॥ कहरसीकेसरकपूरलाग्योकालसम गाजसोगुलाललाग्यो अरगजाआगसो ॥ १२ ॥ आईकामकामिनीसोंकंतपैइ- कंतनहाँ ताहिनविलोक्योअतिव्याकुलहूगौनकी ॥ तास मैतियाकोतनतापतेजतातोछुवै हातीसवसीतलतासरि- ताकेपौनकी ॥ सँासकेसमीरनउसासभौंरभीरनहीं तोरर- हैठाढीमतिधीरऐसीकौनकी ॥ डरपिडरपिचलीसाथकी सहेलीसव झरपिझरपिगईवेलीरंगभौनकी ॥ १३ ॥ आ- वतिनवेलीसाथसुन्दरसहेलीकेली कुंजकीचमेलीसूनीदे- खतहहरपरी ॥ हारनउतारिऔसिंगारनबिगारडारि फा- रिडारिवसनसँभारनिसहरपरी ॥ ऊभीभरैस्वाँसव्है उदा- सचहुं पासआस नैननीरजाततैंतरंगिनिलहरपरी ॥ छ- तियाँछवीलीछोभभरीछीनछनदामै छटकिछटासीछूटि छितिपैछहरपरी ॥ १४ ॥ बदलीदुगुनदुतिकदलीकदंव- नकी अदलीअतनकरसदलीकतनमै ॥ विटपनडोलैंक- रिविविधकलोलैंबोलैं कीरकुलकोकिलगुमानभरेमनमै॥ —नैपरतापसवलखियतऔरैऔर गतिकोगुमानगजरा-

जनकंगनमें ॥ सुखनिअतूलेफिरैंप्रेमरसभूलेफिरैं फूलेफि-
रैंआजमृगराजमधुवनमें ॥ १५ ॥

॥ अथ परकीयाविप्रलब्धा यथा ॥

कैसीहोलगनजामेंलगनलगाईतुम प्रेमकीपगनिके-
परेखेहियेकसके ॥ केतिकोछपायकेउपायउपजाईप्यारे
तुमतेंमिलापकेबढायेचोपचसके ॥ भनतकविंदहमेंकुंज-
मेंबुलायकर बसेकितजायदुखदेकरअवसके ॥ पगनिमें
छालेपरेनाघिबेकोनालेपरे तऊलाललालेपरेरावरेदरस-
के ॥ १६ ॥ जलकेकपटझटपटलैगईहीघट हरिनटनदेख्यो
तहाँपूरनकपटभो ॥ सोचसटपटभयोघरभोनघट चैनचि
तकेउचटकतवाँसुरीकोरटभो ॥ भनतप्रवीनवेनीठटभो-
विधाको कलकटभोपिकीकोपौनपावकलपटभो ॥ जमु-
नातटनिपटउवटअटपटभो घटमेंकुघटऔविकटवंसी-
वटभो ॥ १७ ॥ भादवकीरातिअँधियारीघेरेघनघटा च-
रसेंमुसलधारमोदभरेमनमें ॥ ऐसीसमैंभीजतकुंअरका-
न्हजूकेलीन्हे कुंअरिनवेलीगईपागीप्रेमपनमें ॥ जौनथ-
लमिलनबतायोतहाँपायोनाहिं रघुनाथमदनसतायोता-
होछनमें ॥ जेईबूंदैंनीरकीसुखदलागेधीरछूटे तेईबूंदैंतीर
सीतियाकेलागीतनमें ॥ १८ ॥ गंजनसुगुंजलाग्योतैसोपौ-
नपुंजलाग्यो दोसमनिकुंजलाग्योगुंजनसेंागजिके ॥ कहै
पद्माकरनखेजलाग्योख्यालनको घालनमनोजलाग्यो-
खेतोरसाजिकै ॥ सूखनसुचितलाग्योदूखनकदंबलाग्यो
ोहिनमिलंबलाग्योआईगेहतजिकै ॥ मीजनमयंकला-

ग्योमीतहूनअंकलाग्यो पंकलाग्योपायनकलंकलाग्योब जिके ॥ ९९ ॥ सासुकोंसुचायनंदताहूकेपलोटेपाँय देवरकों दरसायस्वाँगसोइगईको ॥ आधीरातिमादोंकीअँध्यारीमे किंवारखोलि कैसीभाँतिजहाँझरिमच्योमेहमईको ॥ चीरकैचुरेलभीरगैलकोमझाइनीर पहूचीसँकेतनेतवाँघेरी तनईको ॥ एतोकारदेख्योतऊदेख्योमैनप्रानप्यारो न्यारो कछुपैंडोहैरीदईनिरदईको ॥ १०० ॥ चलीमतिरामप्रान प्यरिकेमिलनकाज नेसुकनिहारिकैविसारिकाजघरको॥ पियरेवदनदुखहियरेसमायरह्यो कुंजनमैंभयोनमिलाप गिरधरको ॥ विसरेविलासयोंविलायगयोहास छयोसुंदरि केतनमैप्रतापपंचसरको ॥ तीखनजुन्हाईभईग्रीषमकोघाम भयोभीषमपियूपभानुभानदुपहरको ॥ १०१ ॥ चंदमुखीचपलासीचंपकलतासीमानो झरसरहीहैविरहानलकीदाहमैं ॥ डरपीसृगीसीत्योंठगीसीव्हैचकितरही यूडीसीविकलदुखवारिधअथाहमै ॥ द्विजजूसहेटमैनपायो नंदलालयाल विकीमोविसूरैसुखपूरैमुखआहमैं ॥ उथके सेहगनकोथकीसीविलोकैखरी कालिंदीकेकूलपैकदंबन कीछाँहमै ॥ १०२ ॥

॥ गनिका विप्रलब्धा यथा ॥

सजिकैसिंगारचलीसौझहीकमलनैनी स्रायकैलमल विदाहैयगुरुजनतें ॥ संगलैसहेलिनकीअवलीअनोखी प्यारी लौयेहीकोघानजातपूछतिसयनतें ॥ कहैहनुमान ... हालहीमेजोतोगईमालग्राम

तनतें ॥ हीनभईंधनतें विहीनभईंपनतें सुछीनभईंतन
तेंमलीनभईंमनतें ॥ १०३ ॥ आपनेविदूपकसोंपठयो
हायआपु दिनहंमैमिलयोमैंकितकुंजधामको ॥ करिकैसि
गारचारुगईंअलबेलीआप सापटैसहेलीनिकुंभैनमान
धामको ॥ रघुनाथतहँाप्यारेलालसोंनभेंटभई कहाक
भटूऐसोभयोहालधामको ॥ एकतोसतावेभईकामको
कलमहा दूजेंसुधिआवैंरामअमितइनामको ॥ १०४ ॥ वि
सिभैंपियारीतऊप्यारिपरबीनचाढ़ि मालके मनोरथके
पपैचलीगई ॥ कहेपदमाकरनहाँनमनमोहनसों भेटन
हूंसटकिसहेटतेंअलीगई ॥ चंदनसोंचाँदनीसोंचंदसोंच
मेलिनसों औरघनबेलिनकेदलनिदलीगई ॥ आईहुतीछै
लकेछलैकोंछलछंदनसों छैलतोछल्योनआपछैलसोंछल
गई ॥ १०५ ॥

॥ उत्कण्ठिता लक्षण ॥

दोहा । किहिंकारनआयोनहीं पियसहेटकेधाम ॥
इहिंविधिसोचकरैजुतिय सोउत्काहैबाम ॥

॥ मुग्धा उत्कण्ठिता यथा ॥

भोरीसीभ्रमीसीखमीसूखीसीभ्रिलोकैगैल बावरीसी
मदनमसूसैंमनमारिमारि ॥ द्विजजूकहतभईविकलवि
सूरैसुख रखयायेदूररतिसोजसघटारिटारि ॥ लाजतेंन
बोलियोकहतियोतीओधिजानि ऊचिऊचिभौवतीउसा
सैंलेतिहारिहारि ॥ हेरियारोंओरघेरैंघनकीघुमड़ देति
बड़ीबड़ीअँखिनतेंआँसूबूँदैंढारिढारि ॥ १०६ ॥ उत्को

सतापजुरजपरजनायोवाके औचनसोंआभरनभरकेअनलसे ॥ स्यामनासकेतआयेवृक्षैनासखीसों स्यामा लाजनअरुझीकोनकैधौंलोभललसे ॥ भनतकविन्दअरविन्दसेउदितनैन रुदितनकीन्हेनऊसाँसलीनीअलसे ॥ वालकेकपोलवेअमललालकमलसे पीरेपरिआयेततकालतालदलसे ॥ १०७ ॥

॥ मध्या उत्कंठिता यथा ॥

पलँगबिछायेछायेफूलनिसोंमनभाये हारमगवायेघरवायेचँगेरनमे ॥ सारीदरदावनकिनारीवारीपेन्हीआप भूपनजवाहिरकेभूपेसबतनमे ॥ रघुनाथआँवतोनआयोकेलिमंदिरमै बीतीजामजामिनीअधिकऔधिपनमे ॥ कहतिसकोचतिहैसखीसोंबुलाइवेकों लोचतिहैभटूबैठीसोचतिहैमनमे ॥ १०८ ॥ सरसीसिंगारनिसो जामैजातिजोबनकी बाढ़ीबहुभाँतिनसोंसोभाअभिरामकी ॥ भनतकविंदजेरीसारोकीझलकजामै दूरहीतेंदमकैअँध्यारीजहाँधामकी ॥ ऐंठिमखियानसोंसकोचतेनभाखैकछू प्यारी विरहानलकीकारीहैअनामकी ॥ औधिएकजामकीजगाईचारजामकीसु कामकीभईहैगुलगाईयामजामकी॥१०९

॥ प्रौढ़ाउत्कंठिता यथा ॥

करीअलिकामेपलिकामैनपरनचैन मैनयेघेसरनिमोहरनअरामरी ॥ भनतकविंदरजनीमेउयोगजनीरी ग्रीषमबिरहकोदुमहदुराघामरी ॥ पौंसहै [illegible] [illegible] सरसा [illegible] ॥ औधिय

दिस्यामरीचितायेजुगजामरी बसेधौंकाकेघामरीनआये घनस्यामरी ॥ ११० काहूरूपवतीमैरमेहैंलोभोआलसीव्है ललकतडोलैंचोलैंतजतसुभायेना ॥ काहूसंगसखिनकेरं गमढ़िरहेकैधौं कैधौंउरउडिकैंअनंगघानलायेना ॥ कौ नअमर्मजसप्रबीनबेनीयातेंऔर भोरहोतआलीनललाक लीतैंबतायेना ॥ अथबतइन्दुअरबिंदबनबिकसत गुंजत मलिंदहैंगोविंदगेहआयेना ॥ १११ ॥ सौतिनकेत्रासतें रहेधौंओरबासतें नआयेकौनगाँसतेंप्योकरुतोनलासतें॥ कहैपद्माकरसुबासतेंजवासतेंसु फूलनकीरासतेंजगीहै महासासतें ॥ चाँदनीबिकासतेंमुधाकरअकामतें नराख तहुलासतेंनलाबखसखासतें ॥ पौनकरुआसतेंनजोंउंउ ड़िबासतें अरीगुलाबपासतेंउठावआसपासतें ॥ ११२ ॥ बै ठीरंगरावटीमैहेरीमैपियाकीबाट आयेनाबिहारीभईनि पटअधीरमैं ॥ देवकीनदनकहैस्यामघटाघेरिआई जानो गतिप्रलयकीभयानीभयभीरमैं सेजमैंसदाशिवकीमूरति मनायपूजी तीनडरतीनोकीकरीततबीरमैं ॥ पाखनमैं सांवरोसुलाखनमैअछैवट लाखनमैं लाखनकीलिखीत समीरमैं ॥ ११३ ॥

॥ परकीया उत्कण्ठिता यथा ॥

इनभोनगरकीधौंकाहूसौंझगर कीधौंबीचह्वीवगरका हूयधूबिरमायोहै ॥ लीलाधरगैलमैसुभूल्योनमरेलमैंकि धौंसुकाहूखेलमैसखानअरुझायोहै ॥ दूनीहोसौंडीसभो किमाहीसौंसरोसभोकि कलहपरोसभोसुहेरहरिधायोहै॥

केलिकीनचाहधौंहियेनकैउछाहधौं सुकीनहेतुनाहधौंस-
हेटनहिंआयोहै ॥ ११४ ॥ हमैब्रहरायकैनिकुञ्जमेंपठायठ-
हरायठोकओरसोंअनतकहूं छयेहैं ॥ तजीकुलकानिजिन
काजैत्रिनकाजैजिन टटकेकपटनिकेनेहनिरमयेहैं ॥ अन-
तकब्रिन्दस्यामसजनीभुलायेकाहू अजहूं नआयेसुनेदूने
दुखदयेहैं ॥ कितैयितैजामअधरातियाकैआजुपिया कौन
धौंतियाकेछतियाकेहारभयेहैं ॥ ११५ ॥ जमुनाकेतीरब-
हैसीतलसमीरतहाँ मधुकरमधुरकरतमन्दसोरहै ॥ कवि-
मतिरामतहाँछविसोंछबीलीबैठी अङ्गनतेंफैलतसुगन्ध-
केक्रकोरहैं ॥ पीतमबिहारीकीनिहारिवेकोंबाट ऐसेबहू
ओरदीरघद्दगनकरीदौरहैं ॥ एकओरमीनमानोएकओ-
रकञ्जपुञ्ज एकओरखञ्जनचकोरएकओरहैं ॥ ११६ ॥ अ-
यइतरहिकैकरैंगीकहासूनेकुंज जियकेयचाइयेकोंयेगिघ-
लोयनतें ॥ नातरुघरीमेंकामकोपकरिजानियाम रघुना-
थकीदुहाईचूकिहैनहनतें ॥ आइयेजोहीतोसखीअपलीं
येआयतेई थीतीजामजामिनीअधिकओधिपनतें ॥ आ-
नकाहूधनकेकियेहैंप्रागधनपातें मेरीसुधिउनकेउतरिग-
ईमनतें ॥ ११७ ॥

॥ गर्विता वार्ताकृता यथा ॥

अहलपहलकरिमहलमेंमोरभकी रोकधिरआईलेत्र
छाईसुगन्धनकी ॥ थीतीओधिरघुनाथपौंयलेतानआपी
आपु अकुलानीअरीमटूपागेगुनगनकी ॥ खिरकीसोंखि-
रकीमयनकीमसूमैंनहैं एमेकहैयेरयेमखिनमेंमनकी ॥

पनकरिगयेरातिऐहोंतुमैदेहौंद्वोइ सालयह घनकीओ मालमुकतनकी ॥ ११८ ॥ कौनधौंअनोखोयह नैननिकी थाम जाकिकामवसहू कैसवरेंनिरङ्गरागीहै ॥ भनतकवि न्दऐसीचाहियेनप्रितरीति हमसोंकरीतीतौनिबाहीक्यो नलागीहै ॥ हमैसों ऋसमैलालसारादेनकहीलाल सारी वाकीरैनिसियरायप्रेमपागीहै ॥ इतैविरहानलभभूकै यारियारिकरि यारिभरीअँखैंकैहमारीदेहदागीहै॥ ११९॥ प्रातहोतैंचरितसुनायेहुतेसोवतके छायेहुतेपावकचहूं घाँ तनतेरके ॥ तातें अकुलानीबिलखानीसीदिखानीतोहि पैनमैंभुलानीढिगहोनअवसेरके ॥ वीतीजानिरातितौडे- रातिअनखातिकहा सेवकनभूलेपरेकैसहू करेरेके ॥ हैंन पियरूठेभयेआइहैंअनूठे भयेएरीकहूँ फूटेकहुसपनसवे- रेके ॥ १२० ॥

॥ अथ वासकसज्जा लच्छन ॥

दो० । पियआगमजोहृढकिये साजतिसेजसिंगार ॥
वासकसज्जाताहितें कहनबुद्धिआगार ॥

॥ अथ मुग्धा वासकसज्जा यथा ॥

छूट्योदरभौवतीकोजानिपस्योएरीभट्ट देखिचोराचो- रीआजुलागीहैठहलमै ॥ माइकेकीसखीसोंमगाइफूलमा- लतीके चादरसोंढेपेछाइनोसकपहलमैं ॥ रघुनाथभोंवतेकोपानदानभरवीरी भरीधरीपोथीकोऊकथाकीरहल मै ॥ अतरगुलाबकोछिरकिहेतसौरभके चहलपहलकीन्हें रतिकेमहलमै ॥ १२१ ॥ सोरहसिंगारकैनवेलीकोसहे-

रिनहूं कीन्हेंकेरिम दिरमैकरपितकैरहैं ॥ कहैंपदमाक रसुपासहीगुलाबपास खासेखसखासखुसबोइनकेढेरहैं ॥ त्यौंगुलाबनीरनसोंहीरनकेहौजभरे दंपतिमिलापकाजआ रतीउजेरहैं ॥ चोखीचाँदनीनपरचौसरचमेलिनके चंद नकीचौकीचारुचाँदीकेचँगेरहैं ॥ १२२ ॥ कुचनसुकंचुकीबि भूपनसनाहसाजि झपटिलपेटिकिलिक्लेलिमेलिफंदके ॥ कीजीतरबारकीउपरमारमारमई करजप्रहारदैदैसेवकअ मंदके ॥ छलनिमचायबहुबेधियोबेधायअंग बिछुबाय जाइकैअनंदछलछंदके ॥ मोहरेपरैंगेइहाँतोहरेपियाकेआ जु बाँधतिहौंदोहरेसुबंदसेजबंदके ॥१२३॥ भईहौसयानी तरुनाईसरसानी प्रीतिपीतमपरयानीनिजलाजदूरनाखि यो ॥ कबिमतिरामचामकेलिकीकलानिकरि मोहनलला कीबसकीबोअभिलाखियो ॥ मृदुमुसकायपरजंकपरनिस कजाय अंकभरिआनदअधरसुधाचाखियो ॥ नेबरकीझ नकभनकराखिप्यारीआजु रसनाकीझनकतनकरखरा खियो ॥ १२४ ॥

॥ अथ मध्या बासकसज्जा यथा ॥

केलिकेमहलऊँचीरावटीदैओटपट बैठीदेखिनिपटप सारतमदोपातें ॥ सुंदरीसिंगारनसजतिपियप्यारेहेतु छ जतिप्रबीनबेनीआछीमंजुघोपातें ॥ खोल्योमुखमुदित उदितपरजंकपर सरदमयंकरंकसंभयनधोखातें ॥ देहदुति रलीअलबेलीकीअलेलीअति फैलीद्वीपदीपनलौंझलकझ रोखातें ॥ १२५ ॥ मंजनकियाअगारधूपदैसुखायेबार अ

गरसोंधूंयेगुहीवेनीसटकारीहै ॥ वेंदीविनाआड़वीरींदं-
तनिजमाइन्नीरी पहिरीनथूनीगजमुकतनवारीहै ॥ भ-
नंतकविन्दआजग्रासककीरजनीमै फूलीफूलीफिरतिन-
वेलीनिरधारीहै ॥ लाजसाजैंसजनीसकोचगुरुलोगनको
कामसेजसाजिवेकीकरतितयारीहै ॥ १२६ ॥ मनिमय
भूपनपहिरिनखसिखप्यारी वैठीपीठिपीछेआसरोकैपर-
जङ्कको ॥ कहैरघुनाथपियप्यारेकीविलोकैगैल हीमैक-
छूकछूऐलसौतिनकेसङ्कको ॥ जानिवेकोंनिसिदिसिऊर-
धकोंदेख्योज्योंहीं त्योंहींफैल्योआननप्रकासऐसेअङ्कको॥
भौंरलौंउड़तएकरहिगोकलङ्कयाकी छपिगयोव्योमवीच
मण्डलमयङ्कको ॥ १२७ ॥ धारेलालसारीप्यारीहीरनकि-
नारीवारी अङ्गनअनङ्गदुतिरङ्गचढिआयोहै ॥ दामोदरंक-
हैवालवैठीवाविनोदभरी लालकोंविलोकिवेकोंमोदमढ़ि
आयोहै॥ झँाकीझुकिझपकिझरीखाखोलिघूंघटकों बद-
नविकासकोप्रकासवढ़िआयोहै ॥ जोरिकैनछत्रनविथोरि
घनघोरमानो फोरिरविमण्डलकोंससिकढ़िआयोहै १२८
केसरिकनककहाचम्पकवनककहा दामिनीयौंदुरिजाय
देहकीदमकतैं ॥ कविमतिरामलोनेलोचनलपेटेलाज अ-
रुनकपोलकामतेजकीतमकतैं ॥ पगकेधरतकलकिङ्किनी
नेवरवजि विछियाझनकउठैंएकहीजमकतैं ॥ नाहमुख
चाहचितऔंचकाहेंसत चौंकपरैचन्दमुखीनिजचौंकाकी
चमकतैं ॥ १२९ ॥ वाजनूयिभूपननधारुअङ्गमेरे खगमु-
खरंनिकारुसोरठानिहैंकुराहेको ॥ सेवकजवाहिरीमसा-

हरीलगावैलाइ बाहरीनिबाहरीसनेहउतसाहेको ॥ नैननकेसामनेगरमलगिजैहैदेखि कन्तठगिजैहैसोबिचारिचितचाहिको ॥ भूपरकेफरसीफनूसनिउजेरैसेज ऊपरकेकमलजगावतिहैकाहिको ॥ १३० ॥ सजिब्रजबालनंदलालसोंमिलैकेकाज लगनिलगालगिमैलमकिलमकिउठै ॥ कहैपदमाकरचिराकऐसीचाँदनीसी चारोंओरचौंकनिमैचमकिचमकिउठै ॥ झुकिझुकिझूमिझूमिझिलझिलझेलझेल झरहरीझाँपनमैझमकिझमकिउठै ॥ दरदरदेखोदरीखाननमैदौरिदौरि दुरिदुरिदामिनीसीदमकिदमकिउठै ॥ १३१ ॥

॥ अथ प्रौढ़ा वासकसज्जा यथा ॥

लाइकैफुलेलकरीकंगहीसँवारिपाटी मोतिनसोंपोईआछेअग्रअलकनके ॥ बड़ेबड़ेनैनतैसेकठिनउरोजसोहैं थीरमानोकुम्भकोटिशोभालच्छननिके ॥ उज्जलजुन्हाईमैबिछाइसेजकामिनिके उठनतरङ्गअङ्गअङ्गललकनिके ॥ चित्रकैसीलिखीप्यारीप्रीतमकीबाटहेरै एकटकपाँयदेपसारिपलकनके ॥ १३२ ॥ पामरिनपाँयड़ेपरेहैंपौरिद्वारलगि धामधामधूपनकेधूमधुनियतुहै ॥ मृगमदअतरमुनरघनसारदीप दीपनिहजारनऔंध्यारीलुनियतुहै ॥ मधुरमृदङ्गरागरङ्गकेतरङ्गनमे अङ्गअङ्गगोपिनकेगुनगुनियतुहै ॥ देवसुखसाजमहाराजब्रजराजआज राधेजूकेसदनसिधारेसुनियतुहै ॥ १३३ ॥ भोजनकैभामिनीभवनमैबटाईभई घुनोंबिरचनचारुथीकोरीगामिजदर ॥ पवन

केपानदानपाननकीबोरीभरि नीरीकरदीनीलीनीमनकी मजेजपर ॥ फूलनकेहारभरेभौंरनकेभारदेव आलीपहिरायेतेसुहायेतननेजपर ॥ सौसौसखिकैसोआसपासलैउदैसोकरि आइबैठीसीसाकेमहलसौंधीसेजपर ॥ १३४ ॥ चंद्रमासीआननसुधासीमुसकानिभरी मालमुक्तानकी नछत्रनहँसतिहै ॥ सारीउजियारीसीकिनारीकीचटकचारु पूरनपियूषसौमयूषसीधसतिहै ॥ गोकुलचितौतहीचकोरसेरहौगेलाल भौंवतीकेतनकलाकोटिनबसतिहै ॥ सरदकीचाँदनीमैसरदकीचाँदनीसी चंदनकीचौकीपरबैठी विलसतिहै ॥ १३५ ॥ बैठीरूपरासिरतिमन्दिरमजेजकर सेजपरसौगुनोसुगंधथलकतहै ॥ दसकहैमुखचंद्रचंद्रिकामुदितमोहै मानसकीकहाहैमुनीसललकतहै ॥ जगमगजटितजवाहिरकीजोतिजाल रंध्रजालमैव्हैछबिछाकछलकतहै ॥ रातेकुचसेतकंचुकीमैयोंलखातमानी साफसफसीसनसहाबझलकतहै ॥ १३६ ॥ करमकरमआजुपायोपासप्रीतमको हीतमहरोंगीसजिप्रीतमकीप्रेनीसों ॥ तूंतोगुनवानहैनआनकछूजीमैधरै पानिपकोत्रासगुनैबुद्धिसुखदेनीसों ॥ दलिमलिजायगोहेरायगोसुगथतातें सेवकभुलायगीनबातमृगनैनीसों ॥ जौलौंप्रानप्यारोउरमेरेतेंबिहारकरै तौलौंउरहारतूंबिहारकरुबेनीसों ॥ १३७ ॥

॥ परकीया वासकसज्जा यथा ॥

सोसनीदकूलनिदूरायेरूपरासनाहै बूंटेदारघाघरेकी घूमनिघुमाइकै ॥ कहैपदमाकरत्योंउन्नतउरोजनपै तंग

अँगियाहेतनीतनिनतनाइकै ॥ छज्जनकीछाँहछकिछैल केमिलैकेहेत छाजतिछपामैंयोंछबीलीछबिछायकै ॥ व्है रहीखरीहैछरोफूलकीछरीसीछबि साँकरीगलीमैफूलपाँ खुरीबिछाइकै ॥ १३८ ॥ सकलसिंगारसाजिभूपनजराऊ अंग जाकेरूपरंगकहियोनकामबानीको ॥ मालतीकेसुम-नसँवारीसेजसीकभाँति मिलिबोबिचारिहियेंतोसेसुखदानीको॥गोकुलहौंआइदेखिबलिजातहौंकन्हाइ मेरोकह्यो मानिबोबिचारियेमहानीको॥लालचलोकुंजलौंनिहालभ योचाहिएतो देखिदेखिअभिलापराधाठकुरानीको॥१३९॥ औधआधीरातकीदैआपनोबतायोगेह देखिअभिलाप-मिलवेकोसुपदायके ॥ भूमिहीमैकैयोडारितोसकबिछौ-नाकीन्हे आसपासधरिदीन्हे चौसरबनायके ॥ पानीपा-नअतरनजीकसबराखेलाय गूजरेटीरघुनाथऔरौचित-चायके ॥ खोलिराखीखिरकीबुझाइराखेदीपद्वार लाइ-राखेनैनकानआहटमेपायके ॥ १४० ॥ पूसकीअँधेरीरैन चोरकोबतायडर पीतमैकियोहैदरवाजेद्वारपालहै ॥ न-नदपठाईसंगदासीकेप्रबीनवेनी काहूमृगनैनीकेप्रसूतभ योलालहै ॥ सीतसोंसभीतकरिसासुकरीकोठरीमें आप-हीसनेहीसोंसुनाइराख्योख्यालहै ॥ ऊपरअटारीसजिबै-ठीहैपलँगपर जौनसीअलँगफंदफंदेकीदिवालहै ॥ १४१ ॥

॥ सामान्या वासकसज्जा यथा ॥

सोनेकेपलँगमखमलकेबिछावनकै तकियातमामीके तमामतरकीयके ॥ अंबरअडंबरबखानियेकहाँलौंअंग भू

पनअनूपरूपसेवकसमीपके ॥ रतिसुखदेनीमृगनैनीः
बैठीबाल आवतप्रवीनवेनीनवलमहीपके ॥ पन्नके
नदानदीपमनिमानिकके चंदसोचँदोवामोतीझाल
सीपके ॥ १४२ ॥ करिकैसिंगारभूपेभूपनजराऊसब
केमुखआगेहोतिचंदद्युतिझाँवरी ॥ खंजनसेनैनवैनवो
तिसुधासोंभरे; उरजउतंगकटितंगवलिझाँवरी ॥ गो
ऊनितंबजंघपीनपायपदुमसे मोहनीमईधौंपढ़ीकाम
लाकाँवरी ॥ लाखनकीदेहौमौजताखनविलोकतही
उधारवनिताकीवनकवनावरी ॥ १४३॥ रावरेसौंमि
वेकोंऐसोसाजसाज्योआज राख्योकैमहलमहामहम
धूपतें ॥ विछएविछौनाआछेछोड़दीन्हे जलजंत्र प
दानभरेधरेडालिहैंपुहुपतें ॥ वलिगईचलिदेखोकवि
नाथप्यारे आपुऐसेलसैप्यारीअंगनअनूपतें ॥ मंजु
लिवेतेंमंजुघोषमानीजाति केसदेसतेंसुकेसीजानीज
रंभारूपतें ॥ १४४ ॥ चंदसोवदनचारुचंद्रिकासीसेत
री तैसियैगुराईगसीउरजउतंगकी ॥ हरिकेहियेकोह
हारिनीहरिननैनी हेरैहियेहरपैसखीत्योंसैनसंगकी ॥
नतकविंदसोहैयासकनवेलीनारि वाढ़ीचितचाहजाके
गमउमंगकी ॥ जगरमगरवैठीसेजपैनगरवाल आली
लमोहिवेकोंवालाज्योंअनंगकी ॥ १४५ ॥ सेतसारीसो
उजारीमुखचंदकैसी महलनमंदमुसकानकीमहमही ॥
गियाकेऊपरव्है उलहोउरोजओप उरमतिराममालमा

अँगियाहेतनीतनिनतनाइके ॥ छज्जनकीछाँहछकिछैल केमिलैकेहेत छाजतिछपामेयोंछबीलीछबिछायके ॥ व्है रहीखरीहैछरोफूलकीछरीसीछवि साँकरीगलीमैफूलपाँ खुरीबिछाइके ॥ १३८ ॥ सकलसिंगारसाजिभूषनजराऊ अंग जाकेरूपरंगकहियोनकामबानीको ॥ मालतीकेसुम-नसँवारीसेजसौकभाँति मिलिबोबिचारिहियेंतोसेसुखदा नीको॥गोकुलहौंआइदेखिबलिजातहौंकन्हाई मेरोकह्यो मानिबोविचारियेमहानीको॥लालचलोकुंजलौंनिहालभ योचाहिएतो देखिदेखिअभिलापराधाठकुरानीको॥१३९॥ औधआधीरातकीदैआपनोबतायोगेह देखिअभिलाप-मिलबेकोसुपदायके ॥ भूमिहीमेंकैयोडारितोसकबिछौ-नाकीन्हे आसपासधरिदीन्हेचौसरबनायके ॥ पानीपा-नअतरनजीकसबराखेलाय गूजरेटीरघुनाथऔरौचित-चायके ॥ खोलिराखीखिरकीबुझाइराखेदीपद्वार लाइ-राखेनैनकानआहटमेपायके ॥ १४० ॥ पूसकीअँधेरीरैन चोरकोबतायडर पीतमैकियोहैदरवाजेद्वारपालहै ॥ न-नदपठाईसंगदासीकेप्रबीनबेनी काहूमृगनैनीकेप्रसूतभ योलालहै ॥ सीतसोंसभीतकरिसासुकरीकोठरीमें आपु-हीसनेहीसोंसुनाइराख्योख्यालहै ॥ ऊपरअटारीसजिवै-ठीहैपलँगपर जौनसीअलँगफंदफंदेकोदिवालहै ॥ १४१ ॥

॥ सामान्या वासकसज्जा यथा ॥

सोनेकेपलँगमखमलकेबिछावनकै तकियातमामीके तमामतरकीबके ॥ अंबरअडंबरखवानियेकहाँलौंअंग भू

पनअनूपरूपसेवकसमीपके ॥ रतिसुखदेनीमृगनैनीवनि वैठीवाल आवतप्रवीनवेनीनवलमहीपके ॥ पन्ननकेपानदानदीपमनिमानिकके चंदसोचँदोवामोतीझालरमेंसीपके ॥ १४२ ॥ करिकैसिंगारभूपेभूपनजराऊसव जाकेमुखआगेहोतिचंददुतिफीँवरी ॥ खंजनसेनैनवैनवोलनिसुधासोंभरे उरजउतंगकटितंगवलिभाँवरी ॥ गोकुलनितंवजंघपीनपायपद्मसे मोहनीमईधौंपढीकामकलाकाँवरी ॥ लाखनकीदेहीमोजलाखनविलोकतही ललचावनिताकीवनकवनावरी ॥ १४३॥ रावरेसीमिलिवेकींऐसोसाजसाज्योआज राख्योकैमहलमहामहमहनो धूपतें ॥ विछएविछौनाआछेछोड़दीन्हेजलजंत्र पान दानभरेधरेडालिहैंपुहुपतें ॥ चलिगईचलिदेखोकविरघुनाथप्यारे आपुऐसेलसैप्यारीअंगनअनूपतें ॥ मंजुवोलिवेतेंमंजुघोषामानीजाति केसदेसतेंसुकेसीजानीजाति रंभारूपतें ॥ १४४ ॥ चंदसोवदनचारुचंद्रिकासीसेनसारी तैसियैगुराईगसोउरजउतंगकी ॥ हरिकेहियेकोहार हारिनीहरिननैनी हेरैहियेहरपैसखोत्योंसैनसंगकी ॥ भनतकविंदसोहैवासकनवेलीनारि चाढीचितचाहजाकेआगमउमंगकी ॥ जगरमगरवैठीसेजपैनगरवाल आलीलालमोहिवेकोंवालाज्यौंअनंगकी ॥ १४५ ॥ सेतसारीसोहत उजारीमुखचंदकैसी महलनमंदमुसकानकीमहमही ॥ अँगियाकेऊपरव्हैउलहोउरोजओप उरमतिराममालमालतीदहडही ॥ माजेमंजुमुकुरसेमंजुलकपोलगोल गोरीकी

गोराईगोरेगातनिगहगही ॥ फूलनकीसेजपैठीदीपतिफैलायलाय वेलकोफुलेलफूलीवेलसीलहलही ॥ १४६ ॥ तोमैगौरीदीपकसँवारिमंजुमैनहीतें एमनरचौंगोरंगसाजनखुस्यालमैं॥सुरतिमनाइकैकल्याननिसोंछाइदेहौं बिहरींकेदारनिसुकान्हरेकीचालमैं ॥ मेलिदिव्यदेसनसुनाइदोहासोरठनि सोहनीवसंतकीवहारनकेख्यालमैं ॥ एरीइन्द्रजालसमसेवकसतालआज मोनियैकीमालकरौंमोतियैकीमालमैं ॥ १४७ ॥

॥ अथ स्वाधीनपतिका लच्छन ॥

दो०॥ निसिवासरजातीयके रहैनाहआधीन ॥
स्वाधिनपतिकानायिका ताहिकहतपरवीन ॥

॥ मुग्धा स्वाधीनपतिका यथा ॥

भौरअरविन्दअँखियानकेमलिन्द मुखचंदकेचकोर चौंरहोतचारुताईके॥ चोग्होतसुघरनानिरखिलड़ाइतीके परखिसुभायहोतसेवकसुघाईके ॥ बेनीकविलीनहोतमीनतनपानिपके आतपमैछाँहहोतनाहसुघराईके ॥ घेरे घरहोमेरहैंयकैंबहुतेरलोग घेरेहैंरहैंकान्हरूपमानजाईके ॥ १४८ ॥ दिनदिनदूनीदुतिलखिललचानेरहैं दिनमैप्रवीनबेनीचलैकछूपलना ॥ साँझहीमहलमाहिंपाइमनभाईयह जाकेबिनदेखेतेंपरतकलपलना ॥ अंचलउघारिमुखचाहतसिंगारनकौं रासतिहैचंचलसोअंगनअचलना ॥ अंजनलगनलीनैललकनऔंगुरीन पलकनखोलनिहैलाजनतेंललना ॥ १४९ ॥ अंगमैनयमीसुंदराईकीउ-

मंग बंकताईभौंहभंगमैलसीनग्रसीभालकी ॥ पीनताई अंगमैनखीनताईलंकमैन बदनमयंकमैजुन्हाईजोतिजालकी ॥ भनतकविंदनसुभाइनमैभेदमौन पाइनमेंगरिमागहीनमंदचालकी ॥ मेलीमैनमोहनीअकेलीकहू हेली प्रीति कौनहेतुमोहीसौंलगीधौंलोनेलालकी ॥ १५० ॥ चाहभखोचंचलहमारीचितनौलवधू तेरीचारुचंचलचितौनिमैंवसतहै ॥ कहैपदमाकरसुचंचलचितौनहूतें उभकिउभकिफभकनिमैफसतहै ॥ औभकिउभकिभभकनितें सुरभिवेस वाहींकोगहनमाहिंआनिविलसतहै ॥ वाहीं कीगहनितेंसुनाहींकीकहनिआयो नाहींकीकहनितेंसुनाहींनिकसतहै ॥ १५१ ॥

॥ अथ मध्या स्वाधीनपतिका यथा ॥

जेनीचाहियततेतोसकलसमैकीवस्तु रीझिरीझिकेजोगताकीतयारीकियेरहै ॥ रघुनाथआठौंजामआनदसोंभरेआप. आननकोओरहगआपनेदियेरहै ॥ जैसोकहैतैसोकरैजियमैविचारयह होइनउदासभरेहरपहियेरहै ॥ जादिनसोंगौनोलायेतादिनतेंएरीभटू भावनीकोमनहाथ मोवतोलियेरहै ॥ १५२ ॥ चेतोतजिमोतनकोगोतनकोहाँसीख्याल सोंभहीललकिआवैकेलिकेमहलमैं॥ तूंतोइतलाजनलपेटीवेटीवड़ेनकी कैसेकैसिंगारैअंगचहलपहलमैं ॥ गारिराखेके उरप्रवीनवेनीमृगमद अगरतगरसारचंदनसहलमैं ॥ जौलौंमनभावतीनआवतीअनेकभांति तौलौंलगेरहैलालरावरीटहलमैं ॥ १५३ ॥ जगमगेजोवनअनूप

रूपतेरोचाहि रतिऐसीरंभासीरमासीग्रिसराइये ॥ देखि वेकोंप्रानप्यारीपासखरोप्रानप्यारो घूंघुटउघारनेकचद नदिखाइये ॥ तेरेअंगअंगमैमिठाईऔलुनाईभरी मतिरामकहतप्रगटयहपाइये ॥ नायककेनैननिमैनाइयेसुधासी सबसौतिनकेलोचननिलोनसोलगाइये ॥ १५४ ॥

॥ अथ प्रौढ़ा स्वाधीनपतिका यथा ॥

फूलनसेंबालकीबनायगुहीबेनीलाल भालदईबेंदी मृगमदकीअसितहै ॥ भांतिभांतिभूषनबनायेंब्रजभूषनसु बीरीनिजकरसेंखवाईकरिहितहै ॥ ह्वैकैरसबसलाल लईहैमहावरिकों दीवेकोंनिहारिरहेचरनललितहै ॥ चूमिहाथनाहकेलगाइरहीआंखिनसें एहोप्राननाथयहअतिअनुचितहै ॥ १५५ ॥ अतरलजातमृगमदपछितात घारिजातहारिजातदेखेंसौरभकोतंतहै ॥ श्रीपतिअगारमैअगरउदगारसीहै वगरवगरछविछाजतअनंतहै ॥ हीकरनसुखमुखसौतिनहैंसीकरन पतिहीबसीकरनजीकरनजंत्रहै ॥ मदनजसीकरनरतिमैरसीकरन सीकरनतेरोरीबसीकरनमंत्रहै ॥ १५६ ॥ पुरबधूपरबधूतिनसेंनजोरैदीठि तेरीओरहेरैहेरियतहरषरसो ॥ कंतवेहमारेपरदेसमैबितावैंदिन हौसपूजैकैसेपलबीततपहरसो ॥ धन्यतेरोभागभटूभावतोतिहारो तेरेरंगनिसेंराच्योतजैघरिकोनघरसो ॥ सौतिजनसालतीकोसालसोतिहारेबस लालहूरहयोहैमालतीकीमधुकरसो ॥ १५७ ॥

॥ परकीया स्वाधीनपतिका यथा ॥

ईसकीदुहाईसीसफूलतेंलटकिलट लटतेंलटकिलटि

कंचपैंठहरिगो ॥ कहैपद्माकरसुमंद्‌चलिकंचहूतें भमिभ्र मिभाईसीभुजामैत्योंतमरिगो ॥ भाईसीभुजातेंभ्रनिआ योगोरीगोर:वाँह गोरीवांहहूतेंत्रविचूरिनमेंअरिगो ॥ है खोहरेंहरेंहरीचूरिनतेंचाहौंजोरौं तोलौंमनमेरोहीरितेंर- हायपरिगो ॥ १५८ ॥ ओफ़लअलीनकैखड़ हीन्हायत्रगर ऊचानकहीनृपसंभ्रदेखिनहेंाफसिगो ॥ लटनसोंलटकि- लपटिफ़उपट ग्रौनफूदनतेंलमिभुजमूलनिमैत्रसिगो ॥ कौंलपाँखुरीनसीसुरंगआँगुरीनतें सलोनोकीसरसलोनी गाँठदेतगसिगो ॥ कसनिकोलीककीलुनाईमेलबाढ़ि मन- कंचुकीकिकसनतनीकितरेकसिगो ॥ १५९ ॥ उफ़किफ़रोखा हूं भ्रमकिझुकिफौंकोवाम स्यामकोंविसरिगईखबरतमा साकी ॥ कहैपद्माकरचहूंघाचैनचाँदनीसी फैलिरहीत सियैसुगंधसुबसासाकी ॥ तैसीछबितकतमोरकीतखो- ननकी वैसीछविबसनकीवारनकीत्रासाकी ॥ मोतिन- कीमागकीमुखीकीमुसक्यानहूकी नैननकीनथकीनिहा- रिबेकीनासाकी ॥ १६० ॥

॥ अथ गनिका स्वाधीनपतिका यथा ॥

ऐसेयसायत्रारथूकेकहैंलौंकहौं लाखनकीयकमी- सकीवेंकीअख्योरहै ॥ ध्याहिहनित्रिसारिहैअनन्यएहोरघु- नाथ राल्योंश्रीसवाहीकैमनेहसोंमन्योरहै ॥ मानअपमा- नकोविचारछोड्योकहाकहौं वाकेछोहिवेकोसोनधीरजध खोरहै ॥ फूलकीलपेटिमालमेलैउठिजायवेकी पाँइनिढ केलैनऊपायतेंपख्योरहै ॥ १६१ ॥ बड़ेबड़े खंजनसेनैनमु

खचंद्रमासो उरजउतंगरोमअवलीउडोसीभौर ॥ त्रि-वलीजघननाभिउरूलौंविलोकिमानो भ्रमभूलिजाइयेकों विधिनेबनायोठौर ॥ पंकजसेपानिपायस्वासस्वेदसौर-भसों मत्तमधुकररातौंदिनफयेरहैंचौर ॥ लाखनकोवक-सीसक्योंनकरैप्रानप्यारो रसियानऐसीवारबधूमैविलो-कीऔर ॥ १६२ ॥

॥ अथ अभिसारिका लच्छन ॥

दो० ॥ पियहिबुलावैआपकी पियपैआपुहिजाय ॥
तातियकहेंअभिसारिका कहतसुकविसमुदाय ॥

॥ मुग्धा अभिसारिका यथा ॥

तपनिकोकरिकैबहानोहाथसखिनके गरवायोचंद नकरायोलेपहियकों ॥ आलससुनायविछवायसेजसोई जाय कामकेकलोलमैंवसायेंआपजियकों ॥ एतीचतुराई धौंकहाँतेपाईरघुनाथ हौंतोदेखिरीझिरहीगौनहाईतिय कों ॥ नैहरकीदासीसहवासीताकोंचोराचोरी पठईसो जाइकैबुलायलाईपियकों ॥ १६३ ॥ गावनअआवनजुही हैंकुलगोकुलकी आवनकोंगेहमैननारिनहटकमी ॥ ताही समैलैचलीअटारीदेखिबेकेमिसि आतुरजेठानीजोनचा-तुरचटकसी ॥ रूपकीरसालसीसमेटीआधैअंगनिमें जा-हिदेखिबैठीमेनकाहूकीमटकसी ॥ गौनेकीवधूटीगुनटोने सेकटूककरि सोनेसेलपेटीलियेमानेकीमटकसी ॥ १६४ ॥ मल्लिननिस्वाइनमकोनमोमिवागेप्यारी वारीकामनारी-हकराघरकीकलामो ॥ हरेहरेपगनधरतठठकतपंथ चौं-

किचौंकिपरतिचमकचाहचलासी ॥ उरजउठेंहिंअलबेले भाव्रमौंहेंसनी सौंहेंकरिसौंहेंहोतिसाधेसोभमलासी॥झु- किझुकिझंकतिउझकपरेझाँइ देखि आईरंगमहलअनूप रूपझलासी ॥ १६५ ॥

॥ अथ मध्या अभिसारिका यथा ॥

पांयजेबजुनपाइकोनसुनिललचाइ सहजसुभाइहाव भावहरसतसी ॥ सचीहूतेंसौगुनीसहसगुनीरंभाहूतें र- तिकौरतीकउपमानपरसतसी ॥ सखिनकेभुजभारमोति- नकेहारहियें सोभसुकुमारअंगअंगदरसतसी ॥ रंगअछो पीकोलखिचूनरीसुरंगरंग महलमेंआईरूपरंगबरसत- सी ॥ १६६ ॥ सोयेगुरुजनजबकीन्हेप्रानप्यारीतब आप- नेसिंगारसबचारुअंगअंगके ॥ केलिकेमहलमैंनटहलबि- चारगई चापसौंधरतपायभूमैलाजसंगके ॥ रघुनाथरी- झीदेखिबैसकोसुभावअटू सेवतबिलोक्योसखराखेरतिरं गके ॥ बोलबसमेंवतकेंसकीनाजगाइ लगीपलोटनपाँ- यैंबैठिपैंयैतेपलंगके ॥ १६७ ॥ आजुलौंनदेखीऔनसु- नीअडीजेठिनसों जैसीकछूप्यारीलाजलीन्हैसरसातिहै ॥ बैठेगातमेंयेगुरुजनमेंगुननभरी रूपसीलसाधुताकीसी- बामीलखातिहै ॥ गोकुलसमुझसबसेयेघरवारलोग प्री- तमकोप्रीतिजानियोतोअडोरातिहै ॥ ईरासौगिराभौगौं- नहाईरतिमंदिरकौं मौनकरैंनूपुरकोंगौनकरेंजातिहै १६८ गूजरीललितकटिकिंकिनीकलितधुनि सुनिकलहंसनकी हौसेंरहैसलना ॥ बेनीकविअंगनअनूपछबिछाईयातें छ-

पतिजोन्हाईलखिमैनकाकिकलना ॥ नेवरकीझनकयनक जरीजेंवरकी लालपैचलतिकरैलाजहलचलना ॥ एकहाथलायछतियासोंमापनायछाय अधरनऔं गुरीसिकुरजा यललना ॥ १६९ ॥

॥ अथ मौढ़ा अभिसारिका यथा ॥

पीनमपैचलीप्यारीपौरिहांलौंहारिपरी सेजलौंबौंके सेजैंहैसोचसोकरनिहै ॥ श्रागनकेभारअरुमंडनसिंगारभार हारहाकिभारउरिसाँसनिभरतिहै ॥ जिनहोचलतिअनिनागरिनवेलीप्यारी निनहीमहावरकीछापसीपरनिहै॥ कोअगेकुंवरिरातेकोलक्रीसीपांखुरिन पांवड़े रैडारिडारि पांयनधरतिहै ॥ १७० ॥ ऊपरमहलकेसहनपरजंकपर बैठोपियप्रेमकीपहेलिकापढ़नभो ॥ उमगिअनंगचलीअंगनिचरंगनिके संगपरस्वेदकेसुगंधचसोकढ़नभो॥ निकसिनिसेनीतेंप्रवीनचनेीसुखमुख उमगिउजासनभमंडलमढ़तभो ॥ आनदकोकंदनंदनंदकोपसंदअति मंदमंदमानो मधुचंदसोंचढ़नभा ॥ १७१ ॥ मंदमंदचलीनंदनंदपैअनंदभरी उमगअमंदसंमुमंदमुमकानकी॥ बोलतअलीमोंथिहैंनतललनाके लटकनकीलुरनऔमुरनअधरानकी ॥ फहरातछोरथहरातलहँगाकीछबि गूजरीजपानकीथेजाअकजपानकी ॥ पगनकीलालीपगनखनउजालीआगे जालीसीपरनिजानिआलीमुकतानकी ॥ २५२ ॥ पीछैपरथीनैथीनेसंगकीसहेलीआगे भारडरभूपनडगरडारैछोरिछोरि ॥ मोरैमुखमोरनत्यों चौकतचकोरनत्यों भौरनकी

औरधीरदेखैमुखमोरिमोरि ॥ एककरआलीकरऊपरधरे
ही मंदमंदपगधरैदेवदहंचितचोरिचोरि ॥ दूजेहाथसा-
थलेसुनावतवचन राजहंसनचुगावतमुकुतमालतोरितो-
रि ॥ १७३ ॥ घूंघुटकेघूमकेसुभूनकेजाहिरके फिउमिल-
लीकालरकीफूमिलौंकुचनजात ॥ कहैपदमाकरसुधाक-
रमुखीके होरहारनमैतारनकेतोमरेतुलतजात ॥ मंदमं-
दमोकलमतंगलौंचलीहीमलैंभुजनिसमेतभुजभूषनडुल-
तजात ॥ फूनाकीफकोरनचहूं घाखोरिखोरिनमें खूबखु-
सबोईकेखजानेसेखुलतजात ॥ १७४ ॥ अगरउदारधूम-
धारनयनायेयार स्यामललछारसोअमीजमनमथनी ॥
उन्नतकठोरकुचकंचनकलससोहैं मोहैंदेवनागतिउदि-
तअरथकी ॥ छविहीकेभारकटिलफिलफिजानिलानी
जातीक्योंसहेटमाधसाधेसमरथकी ॥ पूजतीक्योंपैजप्रान
प्यारिप्रेमपथकी नहोतीअसवारीऐसेमनोरथरथकी १७५
सहजसुवानजुनदेहकीदुगुनदुनि दामिनीदमकदीपकेस-
रकनकतें ॥ मतिरामसुकविसिरीखसुकुमारअंग सोहत
सिंगारचारुजोवनयनकतें ॥ सोइचेकोंसेजचलीप्रानपति
प्यारिपास जगनजुन्हाइंजोतिहेमनितनकतें ॥ चढ़नअ-
टारीगुरुलोगनकेलाजप्यारी रमनादसनदबेरसनाकन-
कतें ॥ १७६ ॥ आजगरबीलीसौनिजनकेसुहागनकी सौ-
यैदेहदीपतिकीदौरनदपेठिलै ॥ आलीअभिसारकेस-
माजयैगिसाजि ब्रजकुंजनकीवेलिनकेरंगनलपेटिलै ॥
जोतिनसोंजागिअंखियानअनुरागि इनलागनसोंलागि

मैनलागनलपेटिलै ॥ तारागनसाथलैसिपाहिनकीफौज बीच पैठिरथभाज्योजातचंद्रहिंचपेटिलै ॥ १७७ ॥ सौरभसकलडारिसुमनसेंागूंदेवार भूपनमनिनवारमागमुकतामई ॥ हीरनिकेहोरहारचंदनचढायेचारु सुरसरिताकीधारसुरसरितारई ॥ रघुनाथपियवसकरिवेकोंचलीबाल मुखकीमरीचीजालदिसिमढिकेलई ॥ चावचढे चखनिचकोरनकेचकाचौंधी चंद्रगयोचपिचटकीलीचांदनीभई१७८ लालकेमहलबीचऐसीवनिबैसीबाल लालअरुबालमैंअभेदभावभ्वैरह्यो ॥ रघुनाथऔंवतोवुलायोआयोछविछायो सखिनकेसंगदिनबाकीपलद्वै रह्यो ॥ तहाँऐसोकौतुकभयोसोसुनएरीभटू भीतरनगयोताकितोरनकोंछ्वै रह्यो ॥ जवलौंनमुसक्यानीतबलौंपैंवरिआगे वुद्धिकैथकितह्वैचकितठाढोह्वैरह्यो ॥ १७९ ॥ नूपुरनगारेवाजे कंचुकीकवचसाजे चौकाकीचमकचमकतखग्गधारहै ॥ सौतिनकेदलबलहोतहैंकतलजहाँ साहसउछाहवीरताईकोविचारहै ॥ भनतकविंदरतिरंगफतेपाइतहाँ नौवत बजाइकिंकिनीनझनकारहै ॥ हरवलहारअसवारटूटिपरेरोसाचो समरकोसारकैतोतेरोअभिसारहै ॥ १८० ॥ भृकुटीचढीकमानचलतकटाच्छवान चमकनिचौंकाकीचपलखग्गधारहै॥अंचलनिसानफहरातकुचकुंभनिपें आगेकौपरतपगवीरताकोवारहै ॥ भनतकविंदसूवासौतिनकेमनसूवा मारजातजहाँऐसीमारकोअगारहै ॥ नंदके कुमारकौसौंराधेजैतवार इहसमरकोसारकैतोतेरोअभिसारहै ॥ १८१ ॥

॥ अथ परकीया अभिसारिका यथा ॥

मौलसिरीमंजुनकोकुंजनकीगुंजनकों मेरोसोचनस्याम कहिस्यानकोकथैगयो ॥ कहैपदमाकरअथाइनकोंतजित-जि गोपगननिजनिजगेहकेपथैगयो ॥ सोचमतकीजैठ-कुरानीहमजानी चितचञ्चलनिहारो चढिचाहकेरथैगयो॥ छीननछपाकरछपाकरमुखीतूंचलि वदनछपाकरछपाक रअथैगयो ॥ १८२ ॥ सजलजलदघनउमडिघुमडिआये तैसियैअँधेरीघेरीसूक्ष्मनसंगको ॥ प्यारीबनवारीपैसिधा रीपनवारीमाहिं सालैउरवानपञ्चवानकेनिखंगको ॥ पाँ-यँतरेंद्व्योअहिअहिरहरोपाँयँगहि कहरोनापरततहाँको तुकभुजंगको ॥ लियेलोहलंगरज्योसाँकरसहितछूटैरा जा-लहैमतंगमानोनृपतिअनंगको ॥ १८३ ॥ सोयेलोगघरकेअ गरकेकिंवारखोलि जानिमनमाहनिजगईजुगजामिनी ॥ चुपचापचोराचोरीचौंकतचकितचली पीतमकेपासचित-चाहभरीभामिनी ॥ पहुँचीसँकेनकेनिकेतसंभुसोभादेनि ऐसीबनवीथिनचिराजरहीकामिनी॥ चामीकरचोरजान्यो चंपलताभौंरजान्यो चन्द्रमाचकोरजान्यो मोरजान्योदा-मिनी ॥ १८४ ॥ सूक्षमनगातवीतिआईअधरात अरुसो-येसबजानिगुरुजनजेवगरके ॥ छिपिकैछबीलीअभिसा-रकेकिंवारखोलि छूटिगेसुगंधचारुचंदनअगरके ॥ देव कहैभौंरगुंजिआयेकुंजकुंजनतें पूछिपूछिपाछेपरेपाहरू डगरके ॥ देवताकीदामिनीमसालकैधौंजोतिज्वाल-झ-गरेपरतजागेसगरेनगरके ॥ १८५ ॥ चंपेपैपाँयँचंदमखी

फ़ानेअभिसार नंदनंदकेअगारसनमुखगतिठानीहै॥ क- विपरसादभौंरभीरक्षमकनिबीच देहदमकनिसेनअव- तबखानीहै ॥ दौरिदौरिदुरिदुरिदेखोसबकाहू वड़े भाग- नतेंपैनपरीकेहू पहिचानीहै ॥ तिमिरकोजालजानिजानी हैमसालकाहू काहूघनघटादेखिविज्जुछटामानीहै १८६ भादौंकीअँध्यारीरातितड़िताकरनरात मगमेंअराति अररातिनदीनारीहै ॥ जहाँभीरभारीहैनिसाचरचुरैल- नकी ताकेबीचछरकीमसालसीनिहारीहै ॥ प्रेमपंथपगी तातेंपरीसोउड़ानीजाति भनतकविंदलागीलगनकरारी है ॥ उठेनवघनस्यामजहाँघनघनस्याम तहाँप्यारीश्या- मघनस्यामपैंसिधारीहै ॥ १८७ ॥

॥ अथ गनिका अभिसारिका यथा ॥

मोतिनकीमालऔदुसालरथगथवागी पहिलेहीलैकैव लीरसमरसालभी ॥ कचकुचनिचिड़निलंबनकेभारभरी मंदगतिसिखवैगयंदनकोचालसी ॥ गोकुलडगरतेंनगर कोवगरगई सौरभसमंतमुखसुखमाकीजालसी ॥ दूरहीतें देखिदेखिहोतहैंनिहाललाल रतनजटितवालआवनिम- सालसी ॥ १८८ ॥ साँकहीसिंगारसाजिप्रानप्यारेपासजा- ति वनितावनकयनीवेलीसीअनंदकी ॥ कविमतिरामक- लकिंकिनीकीधुनिवाजै मंदमंदचलनिविराजतिगयंदकी केसरिरँग्योदुकूलहाँसीमैंझरतफूल केसनमैछाईछविकुसु- मसुवृन्दकी ॥ पीछेपीछेआयतअँधेरीसीभँवरभीर आगे आगेफैलतउज्यारीमुखचंदकी ॥ १८९ ॥ करिकैतयारी

प्यारीबैठीकेलिमंदिरमें मादभरीकीबेकोंबिनोदमनमथ के ॥ प्यारेकेबुलाइबेकोंपठईसहेलीएक तासोंकहिदीन्हे एसेंदेसेऐसेपथके॥ देनकहिआयेआपलियेंचलोमेरेसंग ए हारघुनाथआजदोऊ घोरेरथके ॥ ककनाजराऊबूंदीवारी बीरकंठसिरी हारबड़े गथकेओमोतीवड़े नथके ॥ ११०॥ तनकीसुबासबासबहतसमीरतहाँ अलिनकीभीरअवली नछुटिछ्वै रही ॥ नएनएफीकेलगेकिसलयलगनआली पगनकीलालीद्रुमजालनसम्बैरही ॥ सुधासुखसींचीमुखचंदकीमरीचिनतें बीधिनप्रवीनवेनीचाँदनीसीछ्वैरही ॥ उमगेंअनन्तसुखकन्तकोंमिलनजाति आगेआगेबनमैबसन्तरितुह्वैरही ॥ १११ ॥ जटिलजवाहिरकेभूपनसँवारि अङ्ग जरबाफीबसनसुगन्धसरसातीहै ॥ सुमनमलिन्दको सुरसबसल्याइहैरयों नयनचकोरनिमयङ्कमुखरातीहै ॥ अङ्गसङ्गअन्तरचुर्भकीसीलधारचली हीरनकेहारजोउतारिमुदमातीहै ॥ कौनभाँतिरोकैगीपियाकीरतिक्षोंकैंअरी कुचनकीनोकैंतोत्रिलोकेंगड़ीजातीहैं ॥ ११२ ॥

॥ अथ दिवा अभिसारिका यथा ॥

पगनिमैकोसकरिहौसदौसहोकोंचली पियमहबूब मिलवेकीबनीघातिहै ॥ घेरदारजामापायजामापैंप्रवीन बेनी अतिहीसकामावामामुखअरुनातिहै ॥ बाँधेअखतरीपरीकैंाँधेसमसेरफरी लखीनापरीहैकाहूसखिनसकाति है ॥ केसकसपगरीमैबघरीबनायबाल मुगलयचालौंएक पेचासजेजातिहै ॥ ११३ ॥ सारीजरतारीकीझलकझलकत

तैसी केसरिकोअङ्गरागकीनोसबतनमैं ॥ तीखनतरनिकी किरिनहूं तेंदूनीदुति जगतजवाहिरजटितआभरनमैं॥ कविमतिरामआभाअङ्गनअंगारकैसी धूमकैसीधारछबिछाजतकचनमैं ॥ ग्रीषमदुपहरीमैंपियकोंमिलनजाति जानीजातिनारिनदवारिजातबनमैं ॥ १९४ ॥ दिनकैकिवारखोलिकीन्होअभिसारपै नजानिपरीकाव्हैकहांजातिचलीछलसी ॥ कहैपद्माकरननाकरीसिकोरैं जाहिकौंकरीपगनलगैपङ्कजकेदलसी ॥ कामदसीकाननकपूरऐसी धूरिलगै परसेपहारनदीलागतिहैनलसी ॥ घामचांदनीसोलगैचन्दसोलगतरबि मगमखतूलसोमहीहूमखमलसी ॥ १९५ ॥ करनकपूरघसिचन्दनचढ़ायअङ्ग दूसरीनसङ्गआपसोनेकेसलाकासी ॥ कहैसिवरामसारीसोहैजरकसवारी लपटझपटवारीछैलनछलाकासी ॥ ठीकदुपहरनु परिन्दापरमारिसकै प्रेमकीप्रतीतिरीतिकोरिककलाकासी ॥ प्यारेलालदेखोचाहआपकेमिलापकोंया ग्रीषमजलाकनमैंआवतझलाकासी ॥ १९६ ॥ चण्डकरमण्डलप्रचण्डनभमण्डलतैं घुमड़ीपरतिअलीअलिकनकीलहरी॥ केहरिकुरङ्गइकसङ्गबरबैरतजि काहिलकलितपरेसोवैंतरुछेहरी ॥ उरधउसासनतैंसूकतअधरएरी हेरिहेरिछातियाँ हमारीजातिहहरी ॥ गाढ़ीप्रीतिकौनकीहियेमैंआइयाढ़ीजाइ टाढ़ीसिरलेतिऐसीजेठकीदुपहरी ॥ १९७ ॥

॥ अथ शुक्ला अभिसारिका यथा ॥

फरिसेतसाजब्रजराजकेमिलैकेकाज आधीरातिचली

प्यारीनिकसिअवासतें ॥ गगनसनिधिछप्योएहोकविर-
घुनाथ भूपनसमेतचारुआननअभासतें ॥ देखिदेखिपा-
हरूचकितभयेआपुसमे अदभुतजानिसबऐसेकहैंआसतें
ढाँपिकैमयूपनतेंकञ्जनलतापैचढ्यो चन्दचल्योजातदेखो
उनरिअकासतें ॥ १९८ ॥ पहिरेवनायसितभूपनदिनेस
दिव्य केसनकुसुमगजमोतिनकीपाँतिहै ॥ सारीजरतारी
सामैतैसियैकिनारीदुति जातिननिहारीयतीप्यारीजेहि
भाँतिहै ॥ बोलिउठीऔचकाकन्हाईतबजानिपाई ना-
सोएकदीखतिउजारीजैसीरातिहै ॥ रूपकीअन्हाईछीर-
निधिकैसीछाईछवि मैतोजानीमाईकीजुन्हाईचलीजा-
तिहै ॥ १९९ ॥ करिसेतसाजमहारानीराधिकाजूचली मो-
हनपैंजानिहियेराकाअभिरामहै॥ चन्दचपोजातभईचाँ-
दनीचटकऐसी लागतचुनौटीधराधरधराधामहै ॥ गो-
कुलविलोकिपथपाहरूकहतऐसे औरतोनविधिनैवना-
ईऐसीवामहै ॥ मेडकैपियूपसोलपेटिकैमयूपनसों चाँ-
दनीकीमूरतिचलाईमनोकामहै ॥ २०० ॥ अंगनमैअंग-
रागमलैघनसारसेत सारीछीरफेनकैसीआभाउफनाति-
है ॥ राजतरुचिररुचिमोतिनकेआभरन कुसुमकलितके-
ससोभासरसातिहै ॥कत्रिमनिरामप्रानप्यारेसोंमिलनजा
त करिकैमनोरथनिमृदुमुसकातिहै ॥ होतनलखाईनिस-
चंदकीउज्यारी मुखचंदकीउज्यारीतनछाँहौंछिपीजाति
है ॥२०१॥ जरकसीसारीसेतघाघरोसुघेरदार हीरनकेहार
मागमोतिनफलाकीसों ॥ चौंसरचमेलीचारुचंदनचढ़ा-

येअंग सुघरिसुघरकढ़ीकरिकैकलाकीसों ॥ चाहतचकोर चहु ओरनतेंचौंकिचौंकि चमकिचमकिधरैचरनछलाकी सों ॥ अतिहीचतुरचितचायचारुचंदमुखी चाँदनीमेंमिलीचलीआवतचलाकीसों ॥ २०२ ॥ सोंधेकरिमंजनसुधारिकेसपास धूपअगरसुपायगोरोअंगछविछ्वैरह्यो ॥ चंदमुखहाँसीचन्द्रिकामीचाँदनीसोचारु चारोंओरचाहि कैचकोरचितच्वैरह्यो ॥ तेरेबलिआजुअभिसारकेसमाज पर पैजउपमानकीढगनिडगद्वैरह्यो ॥ छत्रपतिछत्रलैचढ़ोहैमनमथआज निरखिनछत्रपनिछत्रछविह्वैरह्यो२०३ फूलनिसोंगुहीमागचंदनचढ़ायेअंग उमड़ीहैमानोगंगसरदकेनीरकी ॥ सोभितहैंसवतनमोतिनकेआभूषन मुकतनकीदुतिसोंमिलीहैजोतिचीरकी ॥ मुसिकातिनीकी अतिदंतनकीदिपैदुति तैसियैगुराईकहिसुंदरसरीरकी ॥ चाँदनीसीबालमिलिचाँदनीमैऐसेचली जैसेछीरसिंधुमेंचलैतरंगछीरकी ॥ २०४ ॥ सारीसेतसरससरीरपैकिनारी दार जालीदारमोतिनकीझालरैंझुलतिजाति ॥ जोर जेबदारजामेजाहिरजवाहिरके जरीदारचादरतेंबादला झरतजाति ॥ ग्वालकबिबिबिधबिलासनबिहारीपास कुंजकोंसिधारीपगमन्दतेंधरतिजाति ॥ चंदचाँदनीकीकरी चाँदनीचटकतापैं चंदमुखीचाँदनीकोंचाँदनीकरतिजाति ॥ २०५ ॥ मालतीकेफूलनसेंगूंदीबेनीबीरऔरगूंदीमागमोतिनसेंदेखियतगंगसी ॥ सेतसारीमानोतन चंदनलगायेचंद हीरनकीजोतिअंगभईएकरंगसी ॥ फू-

लनकेभारसरोजातिव्रजचंदजूपै मंदमंदगतिकोटिसोभा लियेसंगसी ॥ छीरऐसीचाँदनीछटाकिरहीचारोंओर च- लीजातवालछीरनिधिकीतरंगसी ॥ २०६ ॥ कनकवरन वालनगनजटितभाल मोतिनकीमालउरसोहैभलीभाँति है ॥ चंदनचढ़ायेचारुचंदमुखीचाँदनीसी निकसिअवा- सतेंसिधारीमुसकातिहै ॥ चूनरीविचित्रस्यामसजिकैमु- मारखजू ढाँपिनखसिखलौंअधिकसकुचातिहै ॥ चन्द्रमै लपेटिकैसमेटिकैनछत्रमानो दिवसकोंप्रनामकियेरातिच लीजातिहै ॥ २०७ ॥ सजिव्रजचंदपैचलीयोंमुखचंदजा- को चंदचाँदनीकीदुतिमंदसीकरनिजात ॥ कहैपदमाकर त्योंसहजसुगंधहीके पुंजवनकुंजनमैंकंजसेभरतजात ॥ घरतिजहाँईजहाँपगहैसुप्यारीतहाँ मंजुलमजीठहीकेमा- ठसेढुरतजात ॥ हारनतेंहेरेसेतसारीकोकिनारिनतें वा- रनतेंमुक्ताहजारनझरतजात ॥ २०८ ॥ चलीसेतअंब- रअभूपनकैप्यारेपास तटनीकेपासनटनीकीकेलिसाला है ॥ चाँदनीकेवीचसिकतासीझलकति सिकतामैछलकं- तिछविपुलिनविसालाहै ॥ पुलिनकेवीचवीचवेनीजूप्र- वीनकहै जलसीविमलविलसतिवरवालाहै ॥ जलकेसे वीचवीचवीचोसीविलोकियत वीचिनकेवीचवीचमाल- तीकीमालाहै ॥ २०९ ॥

॥ अथ कृष्णा भिसारिका यथा ॥

तैसियैऔंध्यारीरातिकारीघटाघहराति पुरवाईहहरा- तिसूक्षतनसीनोहै ॥ स्यामकेमिलनकोंपहिरिस्यामसारी

स्यामा अंगकरिलीन्होमृगमदसोंरँगीनोहै ॥ कारपलग
निकफननिपगपाँवड़ेदै आजुकीकराईजीत्योकुहूकोक-
रीनोहै ॥ तेरेअभिसारकोतमासोलखिनारीकहा साँचौसा
चमाचरीनिसाचरीनकीनोहै ॥ २१० ॥ घूमिघूमिघनघटा
लेतीभूमिचूमिचूमि झूमिझूमिलताउठैझंझापौनझारीमै॥
मोरनकेसोरझींगुरनकेझनकघोर ठौरठौरदादुररटतनि-
सिकारीमै ॥ शिवकहैऐसीसमैअसितसिंगारसाजि कीन्हे
प्रानप्यारीप्रानदीन्हेयनवारीमै ॥ चीरतचुरैलकीअनीन
कोंवनीनबीच जानिहैफनीनकेमनीनकीउजारीमै ॥२११॥
कारीघटादेखिकारीसारीओढ़िप्रानप्यारी चलीमृगनैनी
बुद्धिगहरीनधाहिंवी ॥ कविमकरंदत्योंबुहारतीचुरैलैगैलै
चमकैअकेलीविज्जुज्योंचिराकचाहिंवी ॥ दसहूंदिसान
घनघोरतनिसानधुनि बोलतमसानमारमारकैसराहिंवी॥
मनिवारेनागपड़ेपाँवड़ेबिछाइकैयो सोहतिहैतेरेअभि-
सारहूमैसाहिंवी ॥ २१२ ॥ मोरमतवारेमहे नाचतपुकारे
बड़े भुजगबिपारेअड़ेमनिनपसारेमै ॥ भंनतप्रवीनवे
नीविहदपनारेनारे सैसेतमभारेनभरैनघनकारेमै ॥ झं-
झापौनवारेदेतमझातेतरुनफारें संझातेंउलककूकयारे
बिकरारेमै ॥ ऐसेधीरधारेधीरबीरनकेहारिजात जाति
पियप्यारेपासआनदअखारेमै ॥ २१३ ॥ उमड़िघुमड़ि
दिगमंडलनिमंडिरहे झूमिझूमिबादरकुहूकीनिसिकारी
मै॥ अंगनमैकीनोमृगमदअङ्गरागतैसो आननउढ़ायलीं-
न्होस्यामरंगसारीमै ॥ मतिरामसुकविमेचकरुचिराजिर-

ही आभरनसाजिमरकतमनिन्यारीमैं ॥ मोहनछबीलेकों मिलनचलीऐसीछबि छँहँलौंछबीलीछबिछाजतअँध्यारीमैं ॥२१४॥ चलीप्रानप्यारीप्रानप्यारेपैंप्रबीनबेनी नखसिखअसितसिंगारनसमेटीहै ॥ रयनअँधेरीस्यामसारीचहुँफेरीतापैं घेरोघनेअलिनअतरकैसीपेटीहै ॥ देहकीदिपतिनछिपतिछिपेजाततम बिपतिबिचारेबनचारिनकोंभेटीहै ॥ देवकैसीधंधरीधमकिधायकुंजनमैं मानोधूमपुंजनमैलपटिलपेटीहै ॥ २१५ ॥ मृगमदलायमृगमदरंगअंगकीन्हे ढाँपिनखसिखदीन्हेसारीस्यामभ्राँतिहै ॥ इन्दीबरकमलकेदलकीगरेमैंमाल पहिरेबिसालनघनककहीजातिहै ॥ केसवगरायलीन्हेआननछपाय मतिकोईलखिजायरघुनाथयौंसकातिहै ॥ भाँवतेसोंमिलिबेकोंऐसीबनिचलीप्यारी मानोदेहधारीकारीभादवकीरातिहै ॥ २१६ ॥ घूंघटकेघेरमैंदबायोमुखजेरकरि दसनउजेरेकोंदबायोरदछदसों ॥ बाजनूबिभूषनदबायेगतिमंदकेरि महकदबाईबनकुंजनकीहदसों ॥ आहटकोंसेबकदबाऊंकौनभाँतिकैसे घेर्योभौंरभीरनअँधेरोकरिनदसों ॥ गहनेजवाहिरकेदाबेपटअंबरीमैं संबरीअरातिदुतिदाबीमृगमदसों ॥ २१७ ॥ कारीनभकारीनिसिकारियैडरारीघटा झूकनबहतपौनआनदकोकन्दरी ॥ द्विजदेवसाँबरीसलोनीसजिस्यामजूपै कीन्हेअभिसारलखिपावसअनन्दरी ॥ नागरीगुनागरीसुकैसेडरैरैनिडर जाकेसंगसोहैं येसहायक

स्यामा अंगकरिलीन्होमृगमदसोंरंगीनोहै ॥ कारिपन्नग निकफननिपगपाँवड़ेदै आजुकीकराईजीत्योकुहूकोक रीनोहै ॥ तेरेअभिसारकोतमासोलखिनारीकहा साँचोसा चमाचरीनिसाचरीनकीनोहै ॥ २१० ॥ घूमिघूमिघनघटा लेतींभूमिचूमिचूमि झूमिझूमिलताउठैंझंझापौनझारीमै ॥ मोरनकेसोरझींगुरनकेझनकघोर ठौरठौरदादुररटतनि सिकारीमै ॥ शिवकहैऐसीसमैअसितसिंगारसाजि कीन्हे प्रानप्यारीप्रानदीन्हेयेनवारीमै ॥ चीरतचुरैलकीअनीन कोंबनीनबीच जानिहैफनीनकेमनीनकीउजारीमै ॥२११॥ कारीघटादेखिकारीसारीओढ़िप्रानप्यारी चलीमृगनैनी बुद्धिगहरीनथाहियो ॥ कविमकरंदत्योंबुहारतींचुरैलैंगैलैं चमकैअकेलीविज्जुज्योंचिराकचाहियो ॥ दसहूंदिसान घनघोरतनिसानधुनि बोलतमसानमारमारकैसराहियो ॥ मनिवारेनागपड़ेपाँवड़ेबिछाइकैयो सोहतिहैतेरेअभि सारहूमैसाहिबो ॥ २१२ ॥ मोरमतवारेमद्देनाचतपुकारे बड़े भुजगविषारेअड़ेमनिनपसारेमै ॥ अनंतप्रवीनवेनीविहदपनारेनारे सैसेतमभारेनभरेनघनकारेमै ॥ झंझापौनवारेदेतमंझातेतरुनफारे संझातेंउलककूकयारे बिकरारेमै ॥ ऐसेघोरधारेघोरबीरनकेहारेजात जाति पियप्यारेपासआनदअखारेमै ॥ २१३ ॥ उमड़िघुमड़ि दिगमंडलनिमंड़िरहे झूमिझूमिबादरकुहूकीनिसिकारी मै ॥ अंगनमैकीनोमृगमदअङ्गरागतैसो आननउढ़ायली न्होंस्यामरंगसारीमै ॥ मतिरामसुकविमेचकरुचिराजिर

ही आभरनसाजिमरकतमनिआरीमै ॥ मोहनछबीलेकों मिलनचलीऐसीछवि छाँहेंलौंछबीलीछबिछाजतअँध्यारीमै ॥२१४॥ चलीप्रानप्यारीप्रानप्यारेपैंप्रबीनवेनी नख सिखअसितसिंगारनसमेटीहै ॥ रयनअँधेरीस्यामसारीचहुं फेरीतापैं घेरीघनेअलिनअतरकैसीपेटीहै ॥ देहकीदिपतिनछिपतिछिपेजाततम बिपतिबिचारेयनचारिनकोंमेटीहै ॥ देवकैसीधंधरीधमकिधायकुंजनमै मानोधूमपुंजनमैलपटिलपेटीहै ॥ २१५ ॥ मृगमदलायमृगमदरंगअंगकीन्हे ढाँपिनखसिखदीन्हेसारीस्यामभांतिहै ॥ इन्दीबरकमलकेदलकीगरेमैमाल पहिरेविसालनयनककहीजातिहै ॥ केसवगरायलीन्हेआननछपाय मतिकोई लखिजायरघुनाथयोंसकातिहै ॥ भाँवतेसोंमिलिबेकोंऐसीबनिचलीप्यारी मानोदेहधारीकारीभादवकीरातिहै ॥ २१६ ॥ घूंघटकेघेरमैदबायोमुखजेरकरि दसनउजेरेकों दबायोरदछदसों ॥ बाजनूबिभूपनदबायेगतिमंदकेरि महकदबाईबनकुंजनकीहदसों ॥ आहटकोंसेवकदबाऊं कौनभाँतिकैसे चेखोभौंरभीरनअँधेरीकरिनदसों ॥ गहनेजबाहिरकेदाबेपटअंबरीमै संबरीअरातिदुतिदाबीमृगमदसों ॥ २१७ ॥ कारीनभकारीनिसिकारियैडरारीघटा भूकनबहतपौनआनदकोकन्दरी ॥ द्विजदेवसाँवरी सलोनीसजिस्यामजूपै कीन्हेअभिसारलखिपावसअनन्दरी ॥ नागरीगुनागरीसुकैसेडरैरैनिडर जाकेसंगसोहैं येसहायकअमन्दरी ॥ बाहनमनोरथउमाहैंसंगवारीस-

खी मैनमदसुभटमसालमुखचन्दरी ॥ २१८ ॥ स्यामसारीसाजिप्रानप्यारीचलीमोहनपै जानिकैअँधेरीअतिसावनकीरातिहै ॥ डोरीगहेंसौंधेकीसखीयोंचलीजातिपाछेसोतोमिलीतमसोंजुदीनजानीजातिहै ॥ द्विजजूकहतबातयसफहरानपट तहाँतहँहोतितनजोतिएहिभाँतिहै ॥ घनतेंगिरीहैवायुवसधरनीपैपरी ठौरठौरसोईछनछटाछहरातिहै ॥ २१९ ॥

॥ अथ प्रवत्स्यत्प्रेयसी लक्षन ॥

दो० । चाहतचलनविदेसकों जिहिंभामिनिकोकंत ॥
ताहिप्रवत्स्यतप्रेयसी कहतसकलवुधिवंत ॥

॥ अथ मुग्धा प्रवत्स्यत्प्रेयसी यथा ॥

कलनपरतकहूं ललनचलनकहयो विरहदवासोंदहदहकैदहकिदहकि ॥ लागीरहैहिलकीहलकसूख्योजातहियो देखकहैगरोभरयोआवतगहकिगहकि ॥ दीरघउसासैंलैलैससिमुखीससकति सुलफसलोनोलंकलहकैलहकिलहकि॥मानतिनवरज्योसुवारिजसेनैननितें वारिकोप्रवाहबह्योआवतबहकिबहकि ॥ २२० ॥ जादिनतेंचलिवेकीचरचाचलाईतुम तादिनतेंवाकीपियाराईतनछाईहै ॥ कहैमतिरामछोड़ेभूपनवसनपान सखिनसोंखेलनिहसनिविसराईहै ॥ आईरितुसुरभिसुहाईप्रीतवाकेचित ऐसेमैचलोतोलालरावरीवड़ाईहै ॥ सोवतिनरैनदिनरोवतिरहतिवाल वूझेतेंकहतिसुधिमाइकेकीआईहै॥२२१॥योलिहूनजानैअवैगौनह्राईकालिहीकी गोदनखिलाईह्लांलड़ैतीयाप

मायकी ॥ सासुऔससुरकीपियारीहैंवाप्रवीनवेनी खेल-
तिहैंसनिहीरहीहैचितवायकी ॥ जवतरुनाईआईअंग-
निसवाईजोति तवपरदेसकीजवाईजदुरायकी ॥ कोमल
कलीसीलाजसोचनमलीसीयह कैसेकैसहैगीव्यथाविरहव
लायकी ॥ २२२ ॥ जादिनसेंसुन्योपियप्यारोपरदेसजैहैं
तादिनसेंऐसीदसादेहकीदहतिहैं ॥ एहोरघुनाथआईव-
दनपैछाई घरीवरीपियराईसरसाईकोंलहतिहै ॥ सुधि
पानीपानकीनऔरोखानपानकीन पठमनमानकीनला-
लसागहतिहै ॥ घूंघुटमेंड्वरायेंलोचनलजानीवैठी गुन
गौरिविकलविकानीसीरहतिहै ॥ २२३ ॥ सावनमैंसुनीक
हूं भावनकेचलिवेकी सखीसेंसलोनीकछूहोनीसीलखा-
तिहै ॥ वोलतिनडोलतिनखोलतिपलकपानी पियैनपि-
यायेंसोखवायेंकहाखातिहै ॥ गोकुलकहोवकोऊजायगु-
रुलोगनिसें दुसहदुलहियाकीदसादरसातिहै ॥ मरीसी
विकलपरीधरीरहैकौनकोसें घरीघरीघरीऐसीवूड़िवूड़ि
जातिहै ॥ २२४ ॥ भापैकछूलाजतेंनसामुहैंसखीनहूं सें
राखैनैनसैनहींमैंमैनहींकोसाखीहै ॥ भनतकविंदगुरुलो-
गनिकेपीठपाछे डीठिकोंवचायचितचिन्ताअभिलाषी-
है ॥ घूंघुटकीओटदैकैचितवैवदनचंद हितवैंहियेकोसुंद-
राईसुधाचाखीहै ॥ लालकोगमनसुनिआगमनगोरीभोरी
चोरीचोरानजरचकोरीकरराखीहै ॥ २२५ ॥

॥ अथ मध्या प्रवत्स्यत्प्रेयसी यथा ॥

जादिनतेंव्रातसुनोनाहकेगमनवारी तादिनतेंसुधि-

खानपानकीविसारीहै ॥ भनतकविंदवैसिंगारआभरन सारे सखिनसोंखेलनिहसनिडारीन्यारीहै ॥ कज्जलकलितकैदृगनहीमैआँसूफिरैं पैरीमनोमीननिकलिंदीधार कारीहै ॥ कौनसोंमरमकहैपरमलजीलीवाल मौनतपसीलौंखरीभौनमैनिहारीहै ॥ २२६॥ प्यारेकेपयानकीपियारीसुनियातलागी बानकेसमानसबअंगअंगताहिरी॥ कहतबनैनबातसहतबनैनसोच रहननधीरजमिलनपरवाहिरी ॥ विकलखनतभूमिलाजघनीघेरीघूम झूमनिदुवीचचितवतचितचाहिरी ॥ बड़ीबड़ीअँखियनबड़ेबड़े अँसूबुन्द भरिभरिआवैपैनआवैढरिवाहिरी ॥ २२७॥ होंहूहितकीकहततूहूचितदैसमुझि विनाप्रानपतिप्रानपतितूनपायहै॥ उनकेगमनकीन्हेतूनगौनकीन्होमूढ़ तोफिरकबजायहैरेजायहैरेजायहै ॥ जोपैतूनजानतजनायकै कहतितोहि विनमनभावनतूभूलिहूनभायहै ॥ जोपैऐसे पीयविनतोहिवनिआइजीव तोपैऐसेजीवविनमोहूबनिआयहै ॥ २२८ ॥ बीतिहैनमासनैनआननिहौकतआँसू योंकहिसवासप्यारेपोंछिगेमुखनिजकर॥ आँगनलौंआवो नीकेमंगलमनावो, कछूदुखजनिपावोहमआयहैंजुहरबर॥ फरकैंहैंअधरनचाहेंनाकमोतीभये अतरुनआयोभरि आयोगहवरगर ॥ एतेपरआलिनरसालकैमगायधरे सुललितमौरनकेपल्लवकलसपर ॥ २२९ ॥ प्यारोपरदेसकों गनावैदिन[illegible] [illegible]सी[illegible] [illegible]लखतलगनलीकखाच तै॥सुनन[illegible] [illegible] प्रानगयोपियलि

सरसकौंचेकौंचतें ॥ सासुकहरोइतेआउरोचनरुचिरला-
उ अतिहीदुखितकरगहरोलाजपैंचतें ॥ धारगयोचट-
किपटकनारियरगयो मुद्राओंटिचौंदीभईविरहकीऔं-
चतें ॥ २३० ॥

॥ अथ प्रौढ़ा प्रवत्स्यत्प्रेयसी यथा ॥

जाहीजुहीमल्लिकाचमेलीमनमोहिनीकी कोमलक-
मोदिनीकीउपमाखरावकी ॥ कहैपदमाकरत्योंतारनबि-
चारनकों ब्रिगरगुनाहअजगैबोगैरआबकी ॥ चूरकरि
चोखीचाँदनीकीछबिछलकत पलकमेंलीन्हीछीनआब
महतावकी ॥ पापरकहतपीयकापरपरैगोआज गरदगु-
लाबकीअबाईआफतावकी ॥ २३१ ॥ मलयसमीरलागे
चलनसुगंधसीरि पथिकनकीन्हेपरदेसनतेंआवने ॥ मति-
रामसुकबिसमूहनसुमनफूले कोकिलमधुपलागेबोलनसु-
हावने ॥ आयोहैवसंतभयेपल्लवजलजजुत यामेलागेच-
लिवेकीचरचाचलावने ॥ रावरीतियाकोसरवरतरवरनि
किसलयजलजहूँहैंयारकबिछावने ॥२३२॥ जोपैकहींरहि-
येतोप्रभुताप्रगटहोति चलनकहौंतोहितहानिनाहींसह-
ने ॥ भावैजोकरहुतोउदासभावप्राननाथ साथहीचलौं
तौकैसेलोकलाजवहने ॥ सोहैंहैतिहारीनेकुसुनोऐहोप्रान
प्यारे चलेहीबनततोपैनाहींलाजरहने ॥ जैसियैसिखा-
वोसोसखतुमहीसुजानपिय तुमहूंचलतजैसीजैसीमोहिक-
हने ॥ २३३ ॥ सौदिनकोमारगतहाँकीबेगिमागीबिदा
प्यारेपदमाकरप्रभातरातबीतेपर ॥ सोसुनिपियारीपिय

फालिहमथुराकोंजात मारिबेकोंकंसकोंचढ़ेहैंतेहतेजपर॥ घरमेंनप्रानरह्योघरलौंबिपतिपरी मरु कंसखिनगहिला· इडारीसेजपर ॥ २४२ ॥ कुटिलअक्रूरकूरबैरीकाहूजनमको चेटकसोलाकैसिरलैकैब्रजमूरिगो ॥ व्याकुलबिहा· लबालबंसीधरलालबिना जानिपरीदीनखीनप्रेमरसक्रु· रिगो ॥ चरनउचायचितवतऊंचेधामचढ़ी चिन्तासोंन कितसई्चैनऔनचूरिगो ॥ धारधारकहतियिसूरिनैनज लपूरि धूरिनाउडतआलीअबरथदूरिगो ॥ २४३ ॥

॥ अथ गनिका प्रवत्स्यत्प्रेयसी यथा ॥

जबसोंसुनीहैप्रानप्यारोपरदेसजैहै गाढ़बेकीकहाच· लीसुनेतेंचिरनिहै ॥ मरगजेबागेपाहिरतिपरीपीरीजाति पानीपानभोजनकोभूलीसोयिरनिहै ॥ द्विजजूकहतगरो· भरेंबैठीमूनेभौन संगकेसमाजिनमेंनेकनाधिरनिहै ॥इय· रायेनैनभूलीचैनमीयिकलसई पोरनफकीरनकोंपूजति फिरनिहै ॥ २४४ ॥ नैननिसोंऔरकोंबिलोकिहौंनकान· नसों सुनिहौंकपानकहू प्रेमकेकहानको ॥ करिहौंनके सेहू सिंगारबिनचाहकरि केरोकेमहौंगीव्यथायहमुसका· नको ॥ जायकैबिदेसमुधिभूलियोनमेरीप्यारे भावनपठै· योपानीलिखिनिजपानको ॥ आवनअवधदिनगनिबे कोंदोजैलाख आपनेगरेकीमोहिमालमुकतानको ॥२४५॥ मंजनक्रियोननजनदियोननैन आधकदिगोनयोंपर· ानमांकि ॥ मनिरामसुकबिनमोलष्टोच्छिबैठी बहु· दरेबनहारमूपलउतारिकै ॥ ऐहैआजुपीयबिदामागन

बिदेसकोंयों नेहकेजनाइबेकीचातुरीबिचारिकै, ॥ गारि राख्योचंदनघगारिराख्योघनसार आगमनसेजसरसिज-सोसँवारिकै ॥ २४६ ॥ हीरादेतलालदेतमोतिनकीमा-लदेत उपमाबिसालदेतकंठलपटातुहै ॥ चलनकहतप्या-रोचलननदेतिप्यारी चलनअनोखेअंगअंगनलखातुहै ॥ नैनकंजनासाकीरओठबिम्बसौंहैंधनु भालइन्दुखंडको उमंड़ैअधिकातुहै ॥ वाकीसुंदराईमनबोध्योहैललाको अली हेरिहेरिमुखफेरिफेरिरहिजातुहै ॥ २४७ ॥ कीबे कोंबिदेसगौनआयेत्रिदाहोनमोसों रघुनाथप्यारेसुनो कहतिमैनेतिहौं ॥ मेरेइनलोगनिकोकाहूसौंपेजाहुलेइ इनकीखबरिसबतुम्हैसौंपेदेतिहौं ॥ बैठोएकदोइलान-जाजबनोसुनिलेहु मेरेपैक्रपाकैअबहींसुधिसमेतिहौं ॥ आये फेरिसाहबकोंमिलोकैनमिलौंहैंन जीवकोभरोसो-याते आजुगाये लेतिहौं ॥ २४८ ॥

॥ अथ आगमिष्यतपतिका लच्छन ॥

दे़ा ०१ जासुपीयपरदेसतें आवनचहननिकेत ॥
आगमिष्यपतिकासुयह बरनतद्विजकरिचेत ॥

॥ अथ मुग्धा आगमिष्यतपतिका यथा ॥

लिखलीनीप्रेमपकेहेलिनकीपोथीउर सीखलीनीब-तियाँसहेलिनकेतंतकी ॥ प्रीतिगुड़ियानकीभईहैछलकी सीरीति सुनतसुहानलागीमदनमहंतकी ॥ अंगअंगरंग रंगबसनप्रबीनबेनी संगसंगमानोरितुराजतबसंतकी ॥ एकहीदिनामैजलधरसीउमड़िआईजोबनकीउमगअवा-

रकतिकरचूरीकरकतिआँगी तनीतरकतिआँखियाँईफर-
कतिहै ॥ २५३ ॥ धाईखोरिखोरितेंत्रधाईपियआगमकी
सुनिसुनिकोरिकोरिमैंवरेभरतिहै ॥ मोरिमोरिवदननि-
हारतिविहारभूमि घोरिघोरिआनदघरीसीउघरतिहै ॥
देवकरजोरिजोरिवंदतसुरनि गुरुलोगनिकेलोरिलोरिपा-
यनपरतिहै ॥ तोरितोरिमोतिनकेहारपूरैचौकनि निछा-
वरिकोंछोरिछोरिभूषनधरतिहै ॥ २५४ ॥ आवनसुन्योहै
मनभावनकोभामिनीसु आँखिनअनंदआँसूढरकिढरकि
उठैं ॥ देवहृगदोऊदौरिजातद्वारदेहरीलौं केहरीसीसाँसैं
खरीखरकिखरकिउठैं ॥ टहलैंकरतिटहलैनहाथपाय रंग
महलैंनिहारतनीतरकितरकिउठैं ॥ सरकिसरकिसैंदर-
किदरकिआँगी आँचकाउंचौंहैंकुचफरकिफरकिउठैं २५५
पन्दर्थाधिवैंघिहारीआरीमैकरीहौं किमितोरितोरिढा-
रतहौसकलसमाजेपर ॥ फरकिफरकिफारिवसननिकारि
जैहो रहिहौनक्येंहूंकहूंकरिकैइलाजेपर ॥ लोपनिधिमें
रेहौनमेरीकेहौमानतहौ लौटतोनजैहौप्रानप्यारेसुखसा-
जेपर॥लाजेरहौहाहाकुचकंचुकीबिराजेरहौ उमगिमिलो-
गेकहादौरिदिरवाजेपर ॥ २५६ ॥ सारीतरमतरकिनारीद
रदावनमैं कंचुकीकुसुंभीकुचकुंभनप्रकासीहै ॥ हीरनके
हारजरतारकारकमकत आजुहीवियोगकीविपतिविधि
नासीहै ॥ बोलतिमधुरमुखमृदुलप्रबीनघेनी कमउकला
निधिनिदरिकीनीहाँसीहै ॥ जबतेंसुनीहैमनभावनकेआ
वनकी तबतेंविमलबालबनीबिमलासीहै ॥ २५७ ॥ धा

यसमिलोकियोलबोलतिहैजोतिपीयों सेनापतिकहेहीन आनदवधावने ॥ हियहुलसतफरकतयोंयेंभुजकुच आ-जुमेरेअंगमोहिलागतसुहावने ॥ मोहिपरतीतइनसोंचेस-गुननकोहै पूजिहैंसकलकाजजेतेमनभावने ॥ जानतिहौं आलीसुखदाईवनमाली मेरेजीवनअधारनिरधारघरआवने ॥ २५८ ॥ आगमनकान्हआगमनकेवधायेसुनि छा-येमगफूलनिसुहायेथलथलके ॥ कहेपदमाकरत्योंआरती उतारिवेकों थारनमैदीपहीरहारनकेछलके ॥ कंचनकेक-लसभरायेभूरिपन्ननके तानितुंगतोरनतहाँईझलाझलके॥ पौरिकेदुवारेतेंलगाइकेलिमंदिरलौं पदमिनिपाँवड़ेपसारेमखमलके ॥ २५९ ॥

॥ अथ परकीया आगमिष्यतपतिका यथा ॥

आलीवहुवासरवितायेध्यानधरिधरि तिनकोसुफलनैनदरसनपावैंगे ॥ होतहैंरीसगुनसुहावनेप्रभातहीतें अंगनमैअधिकविनोदसरसावैंगे ॥ सोमनाथहरेंहरेंव्रति-योंअनूठीकहि गूढ़विरहानलकीतपनिवुझावैंगे ॥ स-वहीतेंप्यारेप्रानप्राननतेंप्यारेपति पतिहूतेंप्यारेव्रजपति आजआवैंगे ॥ २६० ॥ फूलेभुजमूलअंगअंगजोतिजागि उठी कहाकहौंवीरआँखेंसोभाकीसनीनकी ॥ चाहिचा-हिरहैंसवैसुखठकुराइनको अँखियाँचकितहोतघरिकघ-नीनकी ॥ रोमतनउठेसवैआनिनएअंकुरसे स्वेदकनअंग छविछाईज्योंमनीनकी ॥ आवतहैंलालसुनिएकैवेरहो-नलागी करकचूरीनकोओतरकतनीनकी ॥ २६१ ॥

॥ अथ गनिका आगमिष्यतपतिका यथा ॥

चंदनकपूरअरुकेसरिअगरचूर कुंकुमगुलाबमेदमृग-मदगारोंगी ॥ मौलसिरीमालतीकेमाधवीकेहार भाँति भाँतिकेललितचीरचुनिचुनिधारोंगी ॥ हरषहियेकोबाँ-हफरकिजनावतिहै आवतबिदेसीपीयअंगनसमारोंगी॥ अंकभरिप्यारिकोंनिसंकआजभेटतहो देजुगउरोजमैअ-मितमालमारोंगी ॥२६२॥ काहूतेंधनीनएकअदनीसौव-स्तुमेरी बेरीज्योंभईहौंबैठिआपनेभवनकी ॥ तातेहैनि-रासरहीमसकिमसूसनिसों आजतेदिखातरीतिऔरहीठ-वनकी ॥ कबिचिरजीवताकीमहिमाकहैंलौंकहौं ओ-पतिहियेमेआसपीतमअवनकी ॥फरकतिआँखियातेंअ-वसघनैगीबीर हीरकजटितबेसबालियाँस्त्रवनकी २६३

॥ अथ आगतपतिका लक्षण ॥

दोहा । आयोजासुबिदेसतें प्रानपियारोगेह ॥
आगतपतिकानायिका वरपतआनदमेह ॥

॥ अथ मुग्धा आगतपतिका यथा ॥

निकटसखीनकेनिपटमनहारेबैठी पैठीहियेसकुचउ-मेठीमारमारिकै ॥ वेनीकबितहीसमैआवनललाकोका-हू धावनलैआयकह्योद्वारतेंपुकारिकै ॥ नाचिउठेचख कुचऔचकउचकिउठे उठीलचिपचिलाजनीचेनारिनारि कै ॥ जौलौंमिलैंभुजनिपसारिकैमयाकैलोग तोलौंटारि घूंघुटबिलोकैहगढारिकै ॥ २६४ ॥

॥ अथ मध्या आगतपतिका यथा ॥

आयोप्रानप्यारोपरदेसतेंहरषसाथ लायोछायोदेह

प्रानप्यारीसुरजनकी ॥ दूरकरदीन्हीतिनएहोरघुनाथ बिथा बसीहीबसाईजोबिरहदुरजनकी ॥ रोमपुलकित कीन्हेआननउदैकोसोम तपनिमिटाईउरकीऔउरजन की ॥ घूंघटउघारिदेखिबेकीं देखुभटूआज आँखिनसों धाजराखीलाजगुरजनकी ॥ २६५ ॥ आयेपरदेसतेंसुनाये।सखियनदौरि पौरिलौंबिछायेप्यारीपाँवड़ेचखनके ॥ बैनीअँगनामैंगुरुलोगलैलड़ावैं फिरिफिरिगरेलावैंगन आवैंजेसखनके ॥ सखिनसमीपतेंसकोचतेंनउचकति र-चैगृहकाजमिसिव्योंतलौंलखनके ॥ जेवरजराऊमूंदिजे-वरकीओटव्हैकै योंबिलोकिआईपगनेवरनखनके॥२६६॥ बहुतदिननतेंबिछुरिमिल्योप्रानपति सुखसोंतियाकीजा-तिअँगियाँदरकिदरकि ॥ छुवतछबीलीकोंछबीलोतिर-छौंहैंताकि सकुचसोंसेजहीमैंसिमिटैसरकिसरकि ॥ दी-बेकोंउराहनेअनेकपरसादकवि लोनीललनाकेओठउ-ठतफरकिफरकि ॥ गरोगहबरआयोमुखतेनबैनकढ़े परे घड़ेनैननितेंअँसुवाढरकिढरकि ॥ २६७ ॥

॥ अथ मौढ़ा आगतपतिका यथा ॥

आयोपरदेसतेंसुहायोमनभायोनाह अतुलउछाह-छायोहरखितगोतभो ॥ भनतकबिंदऔधिबीतेकेउराह-नेकों पातीचितचाहनेकोचकितसोतोतभो ॥ बारीबिरहा-नलकीप्यारीप्योनिहारीआनि मिलतमहारीऐसेसुखनि कोसोतभो ॥ रबिकीतपतकरीदिनकेछपतमानो कुमुदि-निऊपरकलानिधिउदोतभो ॥ २६८ ॥ गोकुलसुजानप्रा-

नप्यारोआयोपीरिपास बचनसुधासेसुनेसखिसुखदान सों ॥ पुलकसोंपूरिभरीसात्विकसलिलझरी औरैछविछलकततनतनुतानसों ॥ विरहाकेआदरसोंबाहिरैभयोहै सुधासिंधुसोबदनभरोस्वेदबुंदकानसों ॥ मित्रकोमिलाप जानिमानिमित्रआनदसों मेरेजानिपूज्योहैमनोजमुकतानसों ॥ २६९ ॥ जवसोंबिदेसरहेतबसोंबिरहआय बिथाप्रानप्यारीजूकोंमनमानतीदई ॥ मोपैकहीजातिहैन देहनखसिखऐसी देनहीदिखाईजैसीबेलीबदलीनई ॥ एहोरघुनाथप्रानप्यारेकेआवतघर जानियेनरातबोचकौनओपधीलई ॥ अरुनाईसहितमोटाईआईअंगनमै बहुपियराईदुबराईधौंकितैगई ॥२७०॥ अवधिदिवसदेहदूवरीनिहारिप्यारी काहूनीलतियाकीपहिरिअँगियालई ॥ कहैकविदूलहपहिरतहीआयोनाह बरनीनजातमोपैजैसीछविहैभई ॥ सुखकेसमूहदहनदीसीउमगिआई सोभासरसाईछितिछाईछवियोनई ॥ खुलिगईसीवनउकलिमुलकटगयो टूटिगईतनीअँगीटूकटूकव्हैगई ॥२७१॥ बालमबिदेसबिरहाकुलबिहालबाल बाधाबसबेदनबिधाताप्रतिकूलेतें ॥ छिनछिनछीनहोतछोलरकनीरमानो अंगअंगअंतरअनंगबानहूलेतें ॥ मोहनसगुनहेतबायस उड़ावतही काहूकह्योआयोकंतदेवअनकूलेतें ॥ बाँहकी उछाहभरेआधीचुरीकागगरें आधीगईकरककराककरकूलेतें ॥ २७२ ॥

॥ अथ परकीया आगतपतिका यथा ॥

बिरहबिभावरीमैकहैकबिरघुनाथ मुदितव्हैरहरोल-

हयोमनमधुकरदंद ॥ जोरकरिनापैंक्कक्कोरिङाख्योअभिलाप पवनप्रकासकैंदयनकीन्होमोहचंद॥देखुदेखुसखीप्रानप्यारीजूकंउरपर स्वेदकेनसीकरविराजैंमोतीलौंअमंद॥ मित्रकोदरसपाइपाइकैअनंदसोई फूल्योहियकमलअमलताकोमकरंद ॥ २७३ ॥ वीतेवहुवासरअवीतेमिलेमोहन वियोगीअंगविरहकसीटोलगेतपतप ॥ भननवनेस उठलौवनललकिगई अधिकसनेहरहेभूमिभयजपजप ॥ सूनेखोरिसहजसकानेदुवोदुवोदेखि जातनवखानेमुखआखरऊथपथप ॥ नीचोमुखनीचीनारिनीचेनैननीचेचितैं गरेगहवरेपरेऑंसूभूमिटपटप ॥ २७४ ॥

॥ अथ समान्या आगतपतिका यथा ॥

नागरविदेसमैंविताय़वहुद्यौसआयो नागरिकेहियमैंहुलासनकीखानिकी ॥ कविमतिरामअंकभरतिमयंकमुखी नेहैसरसायमतिमोहीसुखदानिकी ॥ सुवरनऔलिकैवतावतिहैसुवरन हीरनिवतावतिहैछविमुसकानिकी ॥ ऑंखिनतेंऑंनदकेऑंसूउनगाइप्यारी प्यारेकोदिखावति सुरानिमुकतानिकी ॥ २७५ ॥ सुमनसोंवेनीकरीमोतिनसोंमागभरी वेंदीधरीभालसोभासोनवनैलिखतें ॥ भनिनकेआभूपनभूपेअंगअंगऐसी लसीहोतिहैंसीउरवसीकीसरिखतें ॥ औरहीकहाँलौंकहौंकविरघुनाथछवि विरहघरफटख्योएकहूनिमिपतें ॥ कंतजूकोआगमवसंतकैसोभयोदेखि फूलिरहीवेलिसीनवेलीनखसिखतें ॥ २७६ ॥ आयेप्रानप्यारीपरदेसीवहुद्यौसनिमैं कियेमनभायवो

ोरहेराहियेचढ़िकै ॥ हियकेउमाइनेउराहनेअनेकदीन्हे
बसरायेऔधिसुधिएजूचितचढ़िकै ॥ माननीव्हैरहोनेक
ट्रिमुखमण्डलकों हियेमनभावनकोमोहेरामोहमढ़िकै॥
तनजटितमालहियेपहिराईलाल आईमनोबालरतना-
रतैंकढ़िकै ॥ २७७ ॥ इतिश्रीसृङ्गारसुधाकरे द्विजकवि
ते प्रोषितपतिकादिएकादसनायिका वर्णनोनामसप्तम
मयूषः ॥ ७ ॥

॥ अथ उत्तमा लच्छन ॥

दो । पियकेअनहितहूकिये हितनतजैजोवाम ॥
ताहीकोसबसुकवियों कहतउत्तमानाम ॥ यथा ॥
आकृतिउरोजनकीरचिरहीउरपर ताहोठौरगचिरही
नगुनमालहै ॥ भोरहोतभाँवतोभुलानोसोभवनआयो
मगेपगनकोहगमगीचालहै ॥ भनतकविन्दओठअ-
पलनपीकैं दीन्हीयोंललीकैलीकैजावककीभालहै ॥
हरभरेलालनीदभरभरे अपराधभरभरेतऊअङ्कभर
हे॥ १ ॥ प्रातओंगरातजमुहातहरिआयेप्यारी पावं-
रछायेतऊद्वारअँगनाईलौं ॥ इतेपंवएतेढीठदीठिदे
नलागे ईठईसेलागेयाहिभईनरुखाईलौं ॥ बेनीकवि
नबयारधीरीदैसँवारि कौतुकनिहारिनकरतचतुरा-
॥ लियेएकलाईलौलिलावैऔरललनाकी ललनाके
ननिहै तिनललाईलौं ॥ २ ॥ रैनिजागिआयेलाल-
ररसायेसाये पलँगबिछायेआपमहलपधारिये ॥ ला

इंधौरघनसारमलयजसुकुमार पवनउदारश्रमस्वेदनिर-
वारियै ॥ रीझिरीझिमनमैपसीजिप्रेमरङ्गनिमै कोरिननि-
हारनिभरतअङ्कप्यारियै ॥ नीकेभरिपानदानवीरीलौंति
लौंगीभरि आसवगुलाबनिछकावैरिझवारियै ॥ ३ ॥ पा
तीलिखीसुमुखिसयानपियगोविंदकों श्रीजुतसलोनेस्या
मसुखनिसनेरहौ ॥ कहैपदमाकरतिहारीछेमछिनछिन
चाहियतप्यारेमनमुदितघनेरहौ॥ विनतीइतीहैहमैसहूह
मैता निजपायनकीपूरीपरिचारिकागनेरहौ ॥ याहीमैमग
नमनमोहनहमारोमन लगनिलगालगिमैमगनघनेरहौ ४

॥ अथ मध्यमा लच्छन ॥

दोहा। हितमैहितकरिमानहीं अनहितहितनहिंजाहि ॥
ताहिमध्यमानायिका कहतसुकविचितचाहि ॥ यथा॥
आयोप्रानपतिरातअनतैबितायबैठी भौंहनचढ़ाय
रँगीसुन्दरसुहागकी ॥ बातनबनायपरयोप्यारीकेचरन
आय छलसोंछिपायछैलछबिरतिदागकी॥ छूटिगयोमा-
नलागीआपहीसँवारनकों खिसेकविमतिरामपेचपियपा-
गकी॥ रिसहीकेआँसूभयेआनदकेआँखिनमे रोसकील-
लाईसोलालईअनुरागकी ॥५॥ आलीलालआयेरीअगा-
धअपराधभरे चीन्हेनपरतचिन्हलीन्हेकाहूबामके ॥ जा
निकैलजोलेबोलढीलेकंठकीलेमनो कहरोस्वामीआइयै
मुकामीपरधामके ॥ प्यारेमनुहारिठानीजानिकैरुखोंहीं
बानी बालहालभेदयोंनिकासेनिजनामके ॥ वेसरिसिकु-
रिरहीसँवरेसुधारीबाकी पागपेचउकसेसुधारेबाहूस्या-

मके ॥ ६ ॥ मन्दमन्दउरपैअनन्दहोकेआँसुनकी बरसीसु चुन्दैमुकनानहीकंदानैसी ॥ कहैपदमाकरप्रपञ्चीपञ्चबानकेसु बाननकीमानपैंपरीत्योंघेरघानैसी ॥ ताजत्रिबलीनपैत्रिराजीछबिछाजीसबै राजीरोमराजीकरिअमितउठानैसी ॥ सोहैंपेखिपीकोंबिहसोहैंभयेदोऊदृग सौंहैं सुनिभौंहैंगईउतरिकमानैसी ॥ ७ ॥

॥ अथ अधमा लक्षन ॥

दोहा ॥ ज्योंज्योंपियहितकोंकरै त्योंत्योंहोतिसरोस ॥ तासोंअधमाकहतजे भरेसुमतिकेकोस ॥ यथा ॥

आयोहैसयानपनगयोहैअयानतऊ नितउठिमानकरिबेकीटेवपकरी ॥ घरघरमाननीहैंमानतमनायोतेवे तेरीऐसीरीतिऔरकाहूमैंनजकरी ॥ कबिमतिरामचोंपरूप घनस्यामलाल तेरीनैनकोरओरचाहैंइकटकरी ॥ हाहा कैनिहोरेहूँ नहेरतहरिननैनी काहेकोंकरतहठहारिलकीलकरी ॥ ८ ॥ तेरेमुखचारनेत्रयोईरहैपीकोमन तूनोकैसे मिसकरैघूंघटकीकोरको ॥ सुरपुरनरपुरनागपुरतोसीकोन रम्भारतिहूकोरूपजोहियेनजोरको ॥ बिनाअपराधतेरेपदअरबिन्दपरे तूक्योंहिनकोनाकरेनन्दकेकिसोरको ॥ तेरीसुन्दराईसीपरेसोंझलकत तामैंरसझलकतयहैओगुनहैओरको ॥ ९ ॥ इतिश्रीसृङ्गारसुधाकरे द्विजकबिकृते उत्तमादिवर्णनोनाम अष्टमंमयूषः ॥ ८ ॥

॥ अथ नायक लच्छन ॥

दोहा ॥ दानासुजसीसूरमा सुन्दररसिकरसग्य ॥
भाग्यमानसुचिसुहृदअति सकलकलाअरचग्य ॥ यथा ॥

लटकिचलनिमन्दहसनिलसनिबेम करनिसुकटिपैं पटूकाजरीदारेकी ॥ बनीबनमालमालतीकेफूलमाल मालसोहनिबिसालमोनोचारुचटकारेकी ॥ राजैगोसपेचपागपेचसिरपेचतामैं जगमगैकँलगीरतनरतनारेकी ॥ तनमनवारोंसबैकारजबिगारी एरीमूरतिनिहारोप्यारेपीतपटवारेकी ॥ १ ॥ जगेदारचोगमैचुनीनकीचमकचारु हारमुकताकेउरपायनलौंपरसत ॥ कुण्डलचटकपीतपटलपटानोंकटि दीपनिदमकदामिनीकोदुतिदरसत ॥ जीयनकोफलछैसुफललोचनिकरो याछबिनिहारिवेकोंकोनजियतरसत ॥ आछमुरगावतबजावनमधुरवेनु कुञ्जनतेआवतरसिकरसबरसत ॥ २ ॥ पीरीपगकोसनकोहोसनिबनीबनक गैसनकरतिकनाकाछनीकमालकी सेवकजनतकटिकाछनीसोंपीतपट पीतपटहूसोंछबिबाढीगुञ्जमालकी ॥ गुञ्जमालहूसोंबनमालदोऊमालनसों आनिछबिबाढीकानकुण्डलबिसालकी ॥ कुण्डलसोंजुलफैंजुलफसोंमुकुटमंजु मुकुटसोंबाढीछबिमोहनगोपालकी॥३॥

चन्दनसचन्द्रिकाचकोरपदकञ्जनपैं मेरोमनमंजुलमलिन्दमलकनपैं॥ चन्नीत्योंबिसाललालअधरअमोलनपैं याँ कुरबिन्ददन्तकुन्दकलिकनपैं ॥ छबिपैंछपाकरप्रभाकरमनापहीपैं वारोंकोटिकामकमनीयअलकनपैं ॥ पल

गोकुमारऔकदम्बिनीसिवारवारां मदनमुरारीकीअमोलअलकनपैं ॥ ४ ॥ गोकुलकीगैलमनमोहनमहरिनन्दकछोयनयैंसुरविजावनकोंनारगहैं ॥ सेवकभनतसुधिबुधिसवभूलिगई फूलिगईकामलतदेखिवेकोंप्यारगहैं ॥ लाजकहाकाजकहागुरुकोसमाजकहा कमसमसाजकहा धाईमैनमारगहैं ॥ बेनीयन्दबारगहैंचोरीहीगहारगहैं ज्यों कौन्योंमुमारगहैंदारकरदारगहैं ॥ ५ ॥ पन्नगीनगीहैंकिन्नरीहैंकीसुरीहैं सौवआनिकैंजुरीहैंहरिसोभालखैंलुकिलुकि ॥ सेवकवखानतमरदवनमाहमानो चक्कुलाहैंचलिन रहीहैंगीनरुकिरुकि ॥ आपनोविरानोदेहगेहपतिभूलिभूलि रतिवहुवेपसोंविराजैंमनोढुकिढुकि ॥ छज्जनिछतीनखिरकीनसिदगीनवाल झांकैंझंझंरोनसांझरोखनसांझुकिझुकि ॥ ६ ॥

॥ अथ नायक भेद कथन ॥

दोहा । पतिउपपतिवैसिकात्रिविधि नायकभेदसुजान ॥ विधिवतव्याहोहोयजो पतिकरिताहिवखान ॥ यथा ॥

गिरिजासोंईमऐसीभाँतिमानप्यारोजुसों प्रानप्यारी प्रीतिनिरवाहियोकरतहै ॥ भूषनवसनझारिधारिवोकरत बेनीगूंदिवेकोंवारनिरवारिवोकरतहै ॥ भनतकविन्द सरसिजनैंनीसुन्दरीको उरतेंनओलकउतारियोकरतहै ॥ रम्भारतिहूकोरूपवारियोकरत मुखसुखमासमूहपैंनिहारियोकरतहै ॥ ७ ॥

॥ अथ पतिभेद वर्णन ॥

दोहा । सबकविनिजनिजग्रन्थमैं चारभेदपतिकीत ॥

॥ अथ नायक लच्छन ॥

दोहा। दानासुजसीसूरमा सुन्दररसिकरसग्य ॥
भाग्यमानसुचिसुहृदअति सकलकलासरबग्य ॥ यथा ॥

लटकिचलांनमन्दहसनिलसनिवेम कमनिसुकटिपैं पटूकाजरीद्वारेकी ॥ बनीबनमालमालतीकेफूलमाल मा-लसोहनिबिसालमोनीचारुचटकारेकी ॥ राजैगोमपेचपा गपेचसिरपेचतामै जगमगकैंलगीरतनरतनारेकी ॥ तन मनवारींसवकारजबिसारी एरीमूरतिनिहारीप्यारेपीतप टवारेकी ॥ १ ॥ जगीदारची गमैचुनीनकीचमकचारु हा-रमुकताकेउरपायनलौंपरसत ॥ कुण्डलचटकपीतपटल-पटानिकटि दीपनिदमकदामिनीकीदुतिदरसत ॥ जीव नकोफललैसुफललोचननिकरो याछबिनिहारिबेकोंको-नजियतरसत ॥ आछमुरगावतबजावनमधुरबेनु कुञ्जन तेआवतरसिकरसबरसत ॥ २ ॥ पीरीपगकोसनकोही-सनिबनीबनकगैसनकरतिकनाकाछनीकमालकी सेवक भनतकटिकाछनीसोंपीतपट पीतपटहूसोंछबिबाढीगु-ञ्जमालकी ॥ गुञ्जमालहूसोंबनमालदोऊमालनसों अति-छबिबाढीकानकुण्डलबिसालकी ॥ कुण्डलसोंजुलफैंजु-लुफसोंमुकुटमंजु मुकुटसोंबाढीछबिमोहनगोपालकी॥३॥ चन्दनखचन्द्रिकाचकारपदकञ्जनपैं मेरामनमंजुलमलि-न्दपलकनपैं॥ चन्सीत्योंबिसाललालअधरअमोलनपैंअ-रोंकुरबिन्ददन्तकुन्दकलिकनपैं ॥ छबिपैंछपाकरप्रभाक-रप्रतापहीपैं वागेंकोटिकामकमनीयअलकनपैं ॥ पक-

गोकुमारजीकदम्बिनीसिबारबारां मदनमुरारीकीअमोलअलकनपैं ॥ ४ ॥ गोकुलकोगोलमनमोहनमहरिनन्दकछ्योबमबैसुरीबजावनकोनारगहैं ॥ सेवकभनतसुधिबुधिसबभूलिगई फूलिगईकामलतादेखिबेकोप्यारगहैं ॥ लाजकहाकाजकहागुरुकोसमाजकहा कमसमसाजकहा धाईमैनमारगहैं ॥ बेनीबन्दबारगहैंबारीहीरहारगहैं ज्यों कान्योंमारगहैंदारकरदारगहैं ॥ ५ ॥ पन्नगीनगीहैंकिन्नरीहैंकीसुरीहैं सौधआनिकेजुरीहैंहरिसोभालखैंलुकिलुकि ॥ सेवकबखानतमरदवनमोहमानी चञ्चलाहैचलितरहीहैंगौनरुकिरुकि ॥ आपनोबिरानोदेहगेहपतिभूलिभूलि रतिबहुबेपसोंबिराजैंमनोढुकिढुकि ॥ छज्जनिछतीनखिरकीनसिदरीनवाल भ्ककैंझंकेरीनसोंझरोखनसोंझुकिझुकि ॥ ६ ॥

॥ अथ नायक भेद कथन ॥

दोहा । पतिउपपतिबैसिकत्रिविधि नायकभेदसुजान ॥ विधिवतब्याहोहोयजो पतिकरितोहियखान ॥ यथा ॥

गिरिजासोंईसएमीभेंतिप्रानप्यारीजूसों प्रानप्यारी प्रीतिनिरबाहियोकरतहै ॥ भूषनबसनभ्कारिधारियोकरत बेनीगूंदिबेकोबारनिरवारियोकरतहै ॥ भनतकविन्द सरसिजनैंनीसुन्दरीको उरलेनओलकउतारियोकरतहै ॥ रम्भारतिहूकोरूपवारियोकरत मुखसुखमासमूहपैनिहारियोकरतहै ॥ ७ ॥

॥ अथ पतिभेद वर्णन ॥

दोहा । सबकबिनिजनिजग्रन्थमैं चारभेदपतिकोन ॥

॥ अथ नायक लक्षन ॥

दोहा। दानासुजसीसूरमा सुन्दररसिकरसग्य ॥
भाग्यमानसुचिसुहृदअति सकलकलापरबग्य ॥ यथा।

लटकिचलनिमन्दहमनिलमनिबेम कमनिसुकटिपै
पटूकाजरीदारेकी ॥ बनीबनमालमालनीकेफूलमाल माल
सोहनिबिसालमोनीचारुचटकारेकी ॥ राजैगोमपेंचपा
गपेचसिरपेचतामै जगमगकैलगीरतनरतनारेकी ॥ तन
मनवारोंसबंकारजबिमारो एरीमूरतिनिहारोप्यारेपीतप
टवारेकी ॥ १ ॥ जगेदारचोगामैचुनीनकीचमकचारुहा
रमुकताकेउरपायनलोंपरसत ॥ कुण्डलचटकपीतपटल
पटानेिकटि दीपनिदमकदामिनीकीदुतिदरसत ॥ जीव
नकोफललैसुफललोचननिकरो याछबिनिहारिवेकोंको
नजियतरसत ॥ आछुसुरगावतबजाबतमधुरवेनु कुञ्जन
तेआवतरंगिकरसबरसत ॥ २ ॥ पीरीपगकोसनकाहीं
सनिबनीबनक गैसनकरतिकनाकाछनीकमालकी सेवक
भनतकटिकाछनीसोंपीतपट पीतपटहूसोंछबिबाढीगु
ञ्जमालकी ॥ गुञ्जमालहूसोंबनमालदोऊमालनसों अति
छबिबाढीकानकुण्डलबिसालकी ॥ कुण्डलसोंजुलफैंजु
लुफसोंमुकुटमंजु मुकुटसोंबाढीछबिमोहनगोपालकी॥३॥
चन्दनखचन्द्रिकाचकोरपदकञ्जनपैं मेरोमनमंजुलमलि
न्दललकनपैं॥बन्सीत्योंबिसाललालअधरअमोलनपैबा
रोंकुरविन्ददन्तकुन्दकलिकनपैं ॥ छबिपैंछप
रप्रतापहीपैं वारोंकोटिकामकमनीयमलकनपैं

गोकुमारऔकदम्बिनीसिवारवारों मदनमुरारीकीअमोलअलकनपैं ॥ ४ ॥ गोकुलकीगैलमनमोहनमहरिनन्दकछोवमयैं।सुरीवजावनकोंनारगहैं ॥ सेवकभनतसुधिवुधिसवभूलिगई फूलिगईकामलतादेखिवेकोंप्यारगहैं ॥ लाजकहाकाजकहागुरूकोसमाजकहा कमसमसाजकहाधाइंमैनमारगहैं ॥वेनीचन्दवारगहैंबारीहीग्हारगहैं ज्योंकाल्योंसमारगहैंद्वारकरदारगहैं ॥ ५ ॥ पन्नगीनगीहैंकिंन्नरीहैंकीसुरीहैं सौभआनिकैजुरीहैंहरिसोभाटखैलुकिलुकि ॥ सेवकवखाननमरदवनमोहमानो चञ्चलाहैचलितरहोहैंगौनरुकिरुकि ॥ आपनोविरानोदेहगेहपतिभूलिभूलि रतिवहुवेपसोंविराजैंमनोढुकिढुकि ॥ छज्जानिछतोनखिरकीनसिदरीनवाल झाकैंझंझरोनसांझरोखनसोंझुकिझुकि ॥ ६ ॥

॥ अथ नायक भेद कथन ॥

दोहा । पतिउपपतिवैसिकात्रिविधि नायकभेदसुजान ॥
विधिवतब्याहोहोयजो पतिकरितोहियखान ॥ यथा ॥

गिरिजासोंइमऐमीभोनिप्रानप्यारीजूसों प्रानप्यारीप्रीतिनिरवाहिवोकरतहै ॥ भूपनवसनझारिधारिवोकरन चेनीगूंदिवेकोंबारनिग्वारिवोकरतहै ॥ भनतकविउरसिजनैनीसुन्दरीकों उरतैंनओलकउतारिवोकरतहै ॥ भारतिहूकोरूपवारिवोकरत मखसखमाखम

पलेयछायपीनपटमैं ॥ जिनजिनजालीहित्रमिलिकैब्री नयेंना तितहीपधारैंलखिध.रैछबिचटमैं ॥ नयतेंव्रजसैं अरंकरीहैसवगोपीमान जवतेंवैभावरैंभरीहैयंमीवटमैंप देखिपद्माकरगुयिंदकोंअनंद्भरी आहंसाजिसाँझहोतें हरोखाहिलोभ्मैं ॥ एहरिहम.रेईहमारेचलोफूलनको हेम केहिंडारनिक्कलानिकेक्ककोरेमै ॥ याचिधिबधूनकेसुवैन सुनिवनमाली मृदुमुसकायकहयोनेहकेनिहोभ्मैं ॥ कालिचलिझूलैंगनिहार्ईनिहारीसोंह आजनुमझूलोहैंयाह मारेहीहिंडोरेमै ॥ १६ ॥

॥ भय इष्ट लच्छन ॥

दोहा । दोपनमानैआपनो गनैनहींअपमान ॥
सिद्धिमनोरथकीचहै धृष्टसुकरहुँ बखान ॥ यथा ॥
वरज्योनमानतहौवारवारवरज्योमैं कौनकाजमेरेइ- तभौननाहिआइये ॥ लाजकोनलेमजगहँसीकोनडरमन हॅसतहँसतआनवातनयनाइये ॥ कविमतिरामनितउठि कलकानिकरो नितझूठीसौंहैंकरोनितविसराइये ॥ नाके पगलागोनिसिजागिजाकेउरलागो मेरेंपगलागिउरआ- गिनलगाइये ॥ १७ ॥ विरसवचनकहैंसुनतेंश्रवनमहैवे- ईफिरपैंड़ गहैडरनडर्योरहै ॥ बाँधेकरहारनसोंमारेफूल मालनसों मजनीप्रतारनकेभारनभर्योरहै ॥ लाजकोन- लेसअनभिनकोअनैसनाहीं कहतमनेमनअरथनिवर्यो र है ॥ मोइगईनींदमैनिहारसपनेमैजागी देख्योपरजंकपा येहै ॥ १८ ॥

॥ अथ सठ लच्छन ॥

दो० । ऊपरतैंहितकीकहै अनहितकरैनिदान ॥
निपटकपटकोखानितेहिं सठकारिकरैंबखान ॥यथा॥
मैनतोकछूनअपराधकखोप्रानप्यारी मानकरिरहीयोंहींकाहेकोंअरसतें ॥ लोचनचकोरमेरेसीतलहैंहोत तेरे अहनकपोलमुखचंदकेदरसतें ॥ कहैमतिरामउठिलागुउरमेरेकिन करतकठोरमनअँसुवावरसतें ॥ कोपतेंकटुक बोलबोलतिहैतऊमोकों मीठेहोतअधरसुधारसपरसतें १९ मोहिएकचुंबनउधारदैपियारीतोको दूनोकरिमोसनतमस्सु कालिखायलै ॥ तनमनधनप्रानसकलजवाहिरजू जामिनचनायमकफूलकरवायलै॥जाहुंछिनमांगिहैचुकाइहौं बिलंबबिन छायकुचसंभुसतसपथकरायलै॥यामेंतेरीहानिनेकुदीसतनकाहूभांति करउपकारमोहिमरतजियाय लै ॥ २० ॥ झांकिझांकिद्वारछिनउझांकिकिवारलागै माहसकैपैठनअगारअलबेलीके॥ बेनीकेविछिनपीछेबांधेदाहिनीघांछिन छिपिआगेआवैओटनेसुकमहेलीके ॥ घातनयनावैयड़ीयेरलौलडावैढिग आवैहरैहरैढीरिअँखियोंनमेलीके॥ संकुचिमलोनीचहरावैज्योंज्योंरतिल्योंत्यों ठहरावैसुरतिमयोनेसोंपहेलीके ॥ २१ ॥ मोरभसुमनयारेहारपहिरावैआनि बारसुरझावैमनमोहैज्योंहठीलीको॥ पटुताकपटकीअनेकप्रगटतनाहिं चाहिमैनचोपैचितजोलौंचटकीलीको ॥ अंजनसोंदेखैदृगयंदनविमेपमांग भननकेचिन्हपेखिप्रेमपिकजीलीको ॥ ढीलीकसीकिंकिनीहै

यलेयछायपीनपटमै ॥ जिनजिनजालीहिलमिलिकैप्रवीनयेनी तिनहींपधारैलखिध रैछविघटमै ॥ नवनेंत्रजमैंबरंकरीहैसबगोपीप्रान जवतेंवैमावरैंभरीहैवंसीवटमैं देखिपद्माकरगोविंदकोंअनंदभरी आईसजिसौंकहातेंहरखिहिलोंमै ॥ एहरिहम रेईहमारेचलोफूलनकोहेमकेहिंडोरनिफलानिकेफकोरेमै ॥ याविधिवधूनकेसुवैनसुनिवनमाली मृदुमुसकायकहगोनेहकेनिहोरेमै ॥ कालिचलिफलैंगनिहारेईनिहारीसोंह आजनुमफूलोहैंराहमारेहीहिंडोरेमै ॥ १६ ॥

॥ अथ दृष्ट लच्छन ॥

दोहा । दोपनमानैआपनो गनैनहींअपमान ॥
सिद्धिमनोरथकीचहै घर[illegible]हंयानितंबजुगजेघराजैं लंबरज्योनमानतहीबार जयतुहै ॥ रावरानासुकविसविभौननाहिआइये ॥ [illegible]लकपोलछविदेखिजोजियतुहै ॥
हंसतहँसतआनवान[illegible]कलकानिक[illegible]परासिअलवेली ऐसीनायकानिवेलीसेंसनहकोजियतुहै ॥ २४ ॥ कंकनकरनकलकिंकिनीकलितकटि कंचनकँगूराकुचकेसकारीजामिनी ॥ काननकरनफूलकोमलकपोलकंठ कंबुककपोतकीरकोकिलकलामिनी ॥ केसरिकुसुमकलधौंतकीकछुनकाँति कोविदप्रवीनवेनीकरिवरगामिनी ॥ कोककारिकासीकिन्नरीनकन्यकासी किलकामकीकलामीकमलासीअहैकामिनी ॥ २५॥
[illegible] सिंगारसाजि जातिरहीका[illegible] ॥ कहैकविद्विजतेरेआननकोऐ

॥ अथ सठ लच्छन ॥

दो० । ऊपरतेंहितकीकहै अनहितकरैनिदान ॥
निपटकपटकोखानितेहिं सठकविकरैंबखान ॥यथा॥
मैंततोकछूनअपराधकखोप्रानप्यारी मानकरिरही-
योंहींकाहेकोंअरसतें ॥ लोचनचकोरमेरेसीतलहैंहोत तेरे
अहनकपोलमुखचंदकेदरसतें ॥ कहैमतिरामउठिलागउ-
रमेरेकिन करतकठोरमनअँसुवाबरसतें ॥ कोपतेंकटुक
बोलबोलतिहैतऊमोकों मीठेहोतअधरसुधारसपरसतें॥१९
मोहिएकचुंबनउधारदैपियारीगेलकी दूनाकरिमोसनत-
मस्तुकालसोयलै ॥ तनमनधनप्रानसकलजवाहिरजू जा-
मिनपत्रायमकेफूलकरवायलै॥जाहीछिनमांगिहैचुकाइहौं
जोरिहा० नातोपतओजुनसपथकरायलै॥यामेंतेरीहा-
खिहनुमानगयोपास परहारिपकारमोहिमरलजियाय
सेमै ॥ हालगुनजालनजकरिकेक्रिकियारलागै माह-
रियालनैनमैनकेमवासेमै ॥ २८ ॥ भौंहनपीछेचोयेंदा-
कतबारबार भयेमतवारेअहोकौनमदचाख्योहै ॥
नरोकेकछूकहतबनैनबैन ऐनमैनबानकोकरेरोपधना-
ख्योहै ॥ कहैहनुमानप्रानप्यारीकेअजबनैन गजबगुजा-
रिकटाकीबोअभिलाख्योहै ॥ बासोंनेकुनिकसिपटासोक-
रिदुरिजात खासोजिनघूंघुटमवासोकरिराख्योहै ॥ २९ ॥
रंजितमहावरसोंकंजसेचरनमंजु जेहरिवजनिअजौंकान
नजगीरहै ॥अंचरउचौहैंकुचसकुचिनिचोहैंलची कंचनसी
देवदुतिदेहउमगीरहै ॥ भूलतिनभाँवतीकीभाँतिरतिरंभा

कैसी सूधीसीसुधानिधिसीसौंधेसांपगीरहै ॥ आँखिन
नदेखेतोलौंआँखिनलगतपल वड़ीबड़ीआँखिनकीआँ-
खिनलगीरहै ॥ ३० ॥ कुंजनकेकोरैमनकेलिरसबोरैंयाग
तालनकेओरैंबालआवतिहैनितकों ॥ सुधामीनिचोरैक-
एथोलतनिहोरैनेक सखिनकेढोरैदेयडोलैजिततितकों ॥
थोरेथोरेजोवनविथोरेदेतरूपरासि गोरेमुहँभोरैहँसिजो-
रैलेनिहितकों ॥ तारेलेतिरतिदुतिमारेलेतिमतिगति छो-
रेलेतिडोकलाजचोरैलेतिचितकों ॥ ३१ ॥ सोनेरंगचीर-
कीसरीरकीदमकधीर भींजीनीरचीरलगेस्वाधीसुरजन-
की ॥ सेवकअपारछविदेखेंवेकरारभयो छूटेयारहारत्रा-
समेटीगुरुजनकी ॥ कछुलरिकाईकछूआईनरुनाई कछु
संकुचभुराईधनिताईपुरजनकी॥ मीनमृगदोछेद्रगपोछेके
कनाछेआजु कोंछेमनकीन्होवालओछेउरजनकी ॥ ३२॥
देखीविज्जुओरिकैअनंगकीकिसोरिकै नसेवकसोंथोरि-
कैसुहावभावमोरिकै ॥ भूपनभ्रकोरिकैसुअंचलवटोरि-
कै कछूककटिलोरिकैचलोकचितचोरिकै ॥ घूंघटकोफो-
रिकैनुकीलेनैनजोरिकै सुवेसरिमरोरिकैसुभ्रासैयनबो-
रिकै ॥ सोहैंकरिकोरिकैसखीनसोंनिहोरिकै गईरीय-
हिखोरिकैलजीलीमुखमोरिकै ॥ ३३ ॥ पावककीज्वाल
तोजुडानीडीठियोनहाल चंचलाउतालक्योंथिरानीठीक
ठेनमै ॥ सेवकरतीनहैरतीनसोतुलनिसम मायाकीमती
नकोनजायाघनचैनमै ॥ कौनकीहैकौनहैकहांतेंआई
कौनभांति कैसीहरीकोकहैमृपामीलगैयेनमै ॥ घूंघटकी

सैनमैमचीरीमहामैनमै गड़रानिजऐनमैकिमैरदोऊनैन मैं ॥ ३४ ॥ खरीखंडनीमरैरैंगोलीरंगरावटीमै तकिता-कीओरछकिरहेरानदनंदहै ॥ कालिदासबीचिनदरीचि-निहैक्कटकनि छविकीमरीचिनकीझलकअमन्दहै ॥ लो-गदेखिनरमैकहाबौंइहिंघरमैं सुग्गमग्योजगमग्योजो-तिनकोकन्दहै ॥ लालनकीमालहैकिजवालनकीजालहै-कि चामीकरचपलाकीरविहैकिचन्दहै ॥३५ ॥ ओखेकरि कोरिकफरोखेकेनजीक लोकलोकठहराइ घहराइ संगस-खियनि ॥ इन्दुसोउवनसुधाबिंदुनिचुवनमुख सुन्दरिदि-खायोमन्दहासोकीकनखियनि ॥ मोतीलटकनकोउतंस सुभ्योचितचाहै हंसउड़िचुन्योमुपसारिप्रेमपखियनि ॥ पोखीदेवमदननतोपीअँसुवनवह दोखीदिखीसाधकी अनोखीप्यासअँखियनि ॥३६॥ सितासितसंगमकेबीचि-नकेबीचबीच जावकमरीचिनकीछविसरसातिहै ॥ कहै कालिदासजोनीसारीजाकीपीठपर सबनकोदीठिसंगलि-येलपटातिहै ॥ जाकेअंगसंगबासबसिऐसेकसिरहे जमुन सुगंगजूकोरंगलियेजातिहै ॥ कोऊमृगनैनीएकबेनीमेन-हान सबनैननिकीश्रेनीजाकीबेनीमेनहातिहै ॥३७ ॥ चन्दमईचंपकजरायजरकसमई आवतगलीकेतीकफम-लमईमई॥कालिदासमोदमदसौदऔविनोनमद महिला केरंगभईबसुधासुधामई ॥ जोबनबनकमईमदनछकाई लरिकाईकानिकाईदेखिलगनलगीनई॥ केलिकोहिलैकर गोपालमोहितैकर सखीकोंदुचितैकरचितैकरचलीगई३८

सुंदरसरससबअंगनिसिंगारसाजे सहजसुभावनिसनेहकछूकैगई ॥ कीन्हेमतिरामबिहँसोंहेंसेंकपोलगोल बोलनअमोलइतनोईदुखदैगई ॥ मेरेललचौंहें चाहिचखमुखफेरिकै लजोंहेंललचोंहेंचारुचखनिचितैगई ॥ निपटनिकटव्हैकेंकपटछुवायअंग लायकैसीलपटलपेटमनलैगई ॥ ३९ ॥ लाजभरीआलसगुमानभरीदूनादून मदभरीजोबनकीछकनछकातीहै ॥ झाईंभरेझीनेमुखऔघरझुकातीकित्ती मोहनअछेहनेहमेहबरसातीहै ॥ खंजनजलजमृगमीनदेखिदीनहोत तीछनमनोजबानहूतेंअधिकातीहै ॥ दोऊबीचव्हैकैपरीकाजरकीरेखें तऊनैननकीनोकेंझोकेंफाँकेंकढ़िजातीहै ॥ ४० ॥ नखनबिलोकसहीनखनबितीतभयो औगुरीनपेखिकछूआढ़ताकराईमै ॥ गुलुफनघायमोरयानहू मझाय पींडुरीनपरजाघजुघोजंघनमोराईमै ॥ भौनकविकहैघाघरेहूमैघुमरिआयो नेकहूमुखोनलंकलचकलराईमै ॥ लूटिगयोलालचीलजीलोमनमेरोहाय उन्नतउरोजवराधरकीतराईमै ४१ जागीपलँगातैंकढ़ीनीनिधिनिगोलआनि करघरिझालीकेकँधापैंयहरातिहै ॥ अंगअरसोंहैंझरकोंहैंसोव्हैरहीभौंहें सरकोंहैंमारीदारीचारीसीकरातिहै ॥ लोचनलजोलेगुरुजनकेसकोचनतें सोचनसिदोंकेमगपगनधरातिहै ॥ प्यारीकीउनीदीयाअटारीउतरनिआजु चढ़तहीचित्तनउतारीउतरानिहै ॥४२॥ अलकनिढारैपटपलकनिपोंछतिहै झलकनिपीकककोकपोलसोहरानिहै ॥ हारप्यारदोरतिछपा·

बतिछनन कों बसनसुधारिमुखघूंघुटकरतिहै ॥ बाजनीबनकगहनेकोबिनबाजनीकै सेवकसिंढीनपगधीरेहीधरतिहै ॥प्यारीकीलजीलीवाअटारीउतरनिआजु चढ़रहीचितनउतारीउतरतिहै ॥४३॥ त्रिकसतजातजाकोग्रारिजग्रदनबेस विविधविनोदवारिभावनभरतिहै ॥ निरखिनखच्छतउरोजनपैलागो परिहासकेसकोचनिचलतिपछरतिहै ॥ कहैहनुमानमनभावनिसुलोचनीके जागेकीखुमारीअँखियानबिहरतिहै ॥ प्यारीकीउनीदीवाअटारीउतरनिआज चढ़िरहीचितनउतारीउतरतिहै ॥ ४४ ॥ तजिरतिभौनचलीमौनगुरुजनपास छूटेकेसपासतेंसुबासबगरतिहै ॥ महतमनोजकेमजानमरगजोमंजु निखिलनचेलिनकीआभानिदरतिहै ॥ कहैहनुमानपगपगपैअरुनजाति भुजउलटायबोंजह्यातिअकरतिहै ॥ प्यारीकीउनीदीवाअटारीउतरनिआज चढ़िरहीचितनउतारीउतरतिहै ॥४५॥ चलीप्रातहोतमंदमोकलगयंदसम मंनमथओंदूजऊपगअखरतिहै ॥ द्विजकहैलाजअंकुसनकेदाबेपाय पायलझनकारबैठिबैठिपकरतिहै ॥ ननदजिठानीबोलिनेजनकेडरकिये नीचियैनजरपगसीढ़ीपैधरतिहै ॥ प्यारीकीउनीदीवाअटारीउतरनिआज चढ़िरहीचितनउतारीउतरतिहै ॥ ४६ ॥

॥ अथ बैसिक लच्छन ॥

दोहा ॥ धनमनहरनीनारसों जोराखतनितप्रीति ॥
बैसिकतासोंकहतहैं सकलसुकविइहिरीति ॥ यथा ॥

जानीनपरतिएहोकविरघुनाथयह वारवधूआईठौन-
हाइकौनेराजसों ॥ आवतहीयाकिवाकेदेखतहीवसमयो
ऐसोगुजरेोआपछूट्योमबकाजसों॥ आपनोरहेरासोदि-
योवापदादेहूकोदियो धनउपज्योनेोदियोमिलिकैसमा-
जसों ॥ रह्योएकवाजोभयेंराजीसोऊदैहैफेर होइगोस-
माजीआपवाजिऐहैलाजसों ॥ ४७ ॥ आगमनचाहिच-
कचौंधिरहेरातवैजय जगरमगरआभरनकेनगनभो ॥
जोबनकेमदरूपमदवाकेमैनमद छकिमतवारे जैसेथकित
पगनभो ॥ कहैमतिरामलोललोचनविमालवाके तीछन
कटाच्छनिसोंछेदिकैलगनभो ॥ वारवारभ्रमिवारवधूचार
भौंरनिमैं मागकीमुकनमालगह्नमैमगनभो ॥ ४८ ॥
दोहा । औरहुतीनप्रकारके नायकभेदवखान ॥
मानीवचनचतुरअरु क्रियाचतुरपुनिजान ॥
दोहा । जोपियनियतेंकरनहै अपनेजियअभिमान ॥
मानीतासोंकहनहैं कविकोविदमतिमान ॥ यथा ॥
घहैसुधिकरोजोनयनमलिन केदलनि सेजसीरेसीरेसर-
सिजनविछाइये ॥ अमलउसीरपूरचन्दनगुलाबनीर क-
हौंलगिउरउपचारनिगनाइये ॥ छलबलवाकोंमैमिलाय
कैजिवाये नेवकविमतिरामअवसाहिबीजनाइये ॥ ऐसो
मनभायोमनभावनगुमानहैजु प्यारीकैमनायवेकोंनुमकों
मनाइये ॥४९॥ कुलिसतेंकठिनमनकमठकठोरहूतें आ-
ह्ननितेंअधिकसुननतेरीबानिये ॥ चैनचितमानीरैनअन
तैविहानी प्रानदईहैदिखाईकविसोअमरसानिये ॥ रुखे

रूखेरुखऔहभावहीनरूपप्रेम नेमतेंविमुखगुनगरबनि-धानिये ॥ अमलकमललालहालहोतसन्ध्याकाल लोचन बिसालकरदेख्योपतिमानिये ॥ ५० ॥

॥ अथ वचनचतुर लच्छन ॥

दोहा । जोनिजबचननितेंकरै चतुराईकोहेत ॥
वचनचतुरताकहँसवै कविकोविदकहिदेत ॥यथा॥

दूसरेकीवातसुनिपरतनऐसीजहाँ कोकिलकपोतन कीधुनिसरसानिहै ॥ छाइरहेजहाँद्रुमवेलिनसोंमिलि मं-तिरामअलिकुलनिअँध्यारीअधिकानिहै ॥ नखतसेफू-लिरहेफूलनकेपुञ्जघन कुञ्जनमेंह्वानरहाँदिनहूमैरातिहै ॥ ताबनकीवाटकोऊसङ्गनसहेलीकहि कैसेंतूंअकेलीदधिवे-चनकोंजातिहै ॥ ५१ ॥ नदीनीरवारेजहाँनारेखारेभारे जहाँ रातिकेअँध्यारेजहाँकासोंहोतगौनहै ॥ फिरैतूंअ-केलीअलबेलीतहाँनिहवस केलीहेतुहेलीजहाँभूतनकोभौ-नहै ॥ भनतकविन्दकोऊसङ्गनसहेलीमेली गुननगहेली नाहींसंकधारेमोनहै ॥ नीठिहूनहेतुजहाँदीठिकोनिवेरो एरी नेरोतहाँसुन्दरिसहायतेरोकौनहै ॥ ५२ ॥

॥ अथ क्रियाचतुर लच्छन ॥

दोहा । करैक्रियामेंचातुरी हेरसङ्गमबनीर ॥
क्रियाचतुरतिहिंसोंकहैं कविकोविदनिरमौर ॥यथा॥

बैठीगुरुलोगनकेपासप्रानप्यारीजहाँ प्यासमिसुआ-योतहाँप्यारोरसिकाईहै ॥ छतियातेंछैलकोंनछोड़वो छबीलीभावै रातिकेसुरतिकीसुरतिउरआईहै ॥ भनत

कविन्दपेखिनारँगीललाकिकर बालहूउचितबागीकीन्हो चतुराईहै ॥ हायलैकैहरदीबदनमेंछुवाइफेरि आँगुरीहि येसोंजोरिकेसमैमिलाईहै ॥ ५३ ॥ उतसोंसखानसजिआ येनदलालइतै राधिकारसालआईवृन्दमैंसहेलीके ॥ खे- लैंफागुअतिअनुरागसोंउमंगतेवै गावैंमनभावैतहैं।बच- नअमेलीके ॥ मारीपिचकारीमंजुमुखपैंठिहारीताके दा- वनबचाइकैअबीरझोलाझोलीके ॥ जौलौंनिजनैननिसों रंगकोंनिवारैप्यारी तौलौंछैलछुभ्जैकपोलअलबेलीके ॥

॥ अथ प्रोषितनायक लक्षण ॥

दो०। जोनायकपरदेसमै प्रियाबिनाअकुलाय ।

ताकोंप्रोषितकहतहैं कविपण्डितसमुदाय ॥यथा॥

वाकीजनिभोगतेंजनतयहछूटैभोग सेवकजुवामैंसो बलितयहबारेकी ॥ वहत.कैऔरनअरन्यनदियाओना- रे यहघरबारिजसीमातुपितुमारेको ॥ जोहिजाकेजुलु- मजवालजियजानिजानि हरिहरहेतुभयोबालतनधारे- को ॥ सधनैबिहायकेहनतनिधनैकों क्रियोकौनेनयेबि- धिनैबियोगवटपारेको ॥५५॥ दईदईदईतीगईसोऔधि आजुमोहि दईक्योंनमनकोंदईजोगतिजचिहै ॥ जगतज- वालकोतयालकेहवालेमैंतो प्यालेसोचविपकोपियेहीरहरी पचिहै ॥ कहाकरोंकैसीकरोंकैसीकहौंकासोंकहौं कैसेकहीं सेवकविपादहिनोमाचिहै ॥ नागिनितेंजोकवौंदवागि- नितेंबाचीसोव कैसेविरहागिनिअभागिनतेंबचिहै ॥५६॥ परीतेरेहीसुमुखसुधाधरकीदुतिजापै लालितकियोरीब-

घनामृतअगाधासों ॥ सेयकत्योंतरेहीउरोजसुधाकुंभनि को परसिप्रसेदपूरपूरिमनसाधासों ॥ एरेमंदपोनगोन करिजैयेयेगि ऐवेहोसुनैयेगोसनेसमेरोराधासों ॥ तेरी गुहीगरजोनहोतीयनमाल तोयधावतोकोमोहिबिरहा-नलकीयाधासों ॥ ५७ ॥ प्यारपगेयचनपियूपपानकरि करि उमगिउमगिहियआनदयिसेखिहैं ॥ कयिमतिराम ललतपनिबुझायजैहैं तयनिजजनमसफलकरिलेखिहैं ॥ हीतलकोंसीतलकरनचारुचाँदनीसी मंदमृदुमुसुक्यानि अनमिपपेखिहैं ॥ हूहैतयनिसामेरेलोचनचकोरनकी ज-यधाकोआननअमलइन्दुदेखिहैं ॥ ५८ ॥ साँझकेसलोने घनसघुजसुरंगनसों कैसेतोअनंगअंगअंगनसताउतो ॥ कहैपदमाकरझकोरझिलीसोरनको मोरनकोमहतनको-ऊमनल्याउतो ॥ काहूयिरहीकोकहीमानिलेतोजोपैदई जगमैदईतोदयासागरकहाउतो ॥ यिरहयनायोतोनपा-यसयनायतो जोपायसयनायोतोनयिरहयनाउतो ॥५१॥ जयतेयिछोहतोसोंभयोहैनयेलोबाल तयहीतेंलालकेयि-हालताईछाईहै॥ खानपानसोरभनगानकीकरतसुधि आ नसायपीलनिहँसनिबिसराईहै ॥ भनतकयिंदस्यामसुं-दरसलोनेजूकों सुंदरितिहारीसुन्दराईयोंसुहाईहै ॥ तेरे हीसुरतिकीसुरतिराखैरातोदिन ताहीकोरसोठीसुमिरत रसिकाईहै ॥ ६० ॥ जौगनमैपैठतहीअंगनसमैहैअंग उ-रकोउमंगरतिरंगनिसमेटियो ॥ चंचलचपलनैनओटटुरे अंचलकी पंचयानचोटरंचरंचकरमेटियो ॥ कंचनक-

लसऐसेकुचउचकोंहिं हियें ललितलगायसोतोसखिनसमेटिवो ॥ जौनदिनकीनह्वै हैसोनोसोसुदिनजामे सोनजुहीयेलीसोंसमेटिभुजभेटिवो ॥ ६१ ॥ चमकनिचौंकाकी औझमकनिआवनकी भायनवतावनकीउपजउमंगकी॥ बाँकीभौंहमोरनकीवड़े हृगकोरनकी गतिलालडोरनकी तानमतरंगकी ॥ बाँहकीडुलनिमुसुकानिग्रीवढोरनकी खिसकनिओढ़नीकीथरकनिअंगकी ॥ भूलतिनभोलानाथलंककीलचनवाकी उचकनिकंचुकीमैउरजउतंगकी ६२ प्रानजौतजैगीविरहानलमैचंदमुखी प्रानघातपापीकौन फूलीहैजुहीजुही ॥ भृंगीकलगानकैधौंमदनकेपांचौयान दच्छिनपवनकैधौंकोकिलकुहीकुही ॥ मधुकोमयंककैमुकुंदलालतरुनाई रजनीनिगोड़ीरंगरंगनछुहीछुही ॥ जौलौंपरदेसीप्यारोमनमैविचारकरै तौलौंतूतीप्रगटपुकारीरेतुहीतुही ॥ ६३ ॥ आलिनकेसंगजलकेलिकीउमंगभरी रंगभरीजातिमुसकातिनियरातीसों ॥ जानिमोहिआतुरचपलनैनचातुरसो चातुरसोंआईकरमिसनसँघातीसों ॥ एकपलहीमैभुजडारिगलहीमै कैकरेजीकलहीमै वतरावनसुहातीसों ॥ छविसोंछकायगईमिलौंकन्नजाय दई आइगईगलीमैलगाइगईछातीसों ॥६४॥ यासनवनायमुखचंदकीउपासनाकै वेनीकोविमलगुनपायजीजियतुहै ॥ उरसाजिमूरतिमहेसजूकीधायकर कमलचढ़ायवे- ... जि ... हे ॥ सुकविधुरंधरकहतकरिहैंकेपर अ- ... चत ... मै ... चतदीजियतुहै ॥ व्हैकरसकामनामवा-

हीकोजपत वाहीअंगनाकेअंगनमैंतपकीजियतुहे ॥६५॥

दोहा । आलंबनहीमेकहे दरसनचारप्रकार ।

सोहँरावरननकरतहौं लच्छननामबिचार ॥

॥ अथ श्रवन दरसन यथा ॥

नंदजूकोनंदनबसतनदगाँव जाकोनावसुनेआनदबिनोदलहियतुरी ॥ सुन्दरगोबिन्दमुखइन्दुअरबिन्दनैन मन्दिरसुधाकोचखचाख्यौचाहियतुरी ॥ प्राननको प्रानसुन्योरूपकोनिधान गुनगाननिसोंकानसमाधानरहियतुरी ॥ बंसीकोबजैयाउरप्रेमउपजैया बलभैयादेव कुवँरकन्हैयाकहियतुरी ॥ ६६ ॥ सीसमोरमुकुटलकुट करपीतपट गरेबनमालपरिकरकटिकसीहै ॥ माधुरीहँसनिबिलसनिबड़ेबडेनैन कुंडलकपोलगोलतैसीछबिलसीहै ॥ चलनिचितौनिचितचोरतप्रयौनिबैनो बोलनिअमोलनिअजोलौंयेसोगसीहै ॥ जादिनतेंसजनीबखानी हरिमूरतितैं तादिनतेंतैसिहीहमारेउरबसीहै ॥ ६७॥

॥ अथ स्वप्नदरसन यथा ॥

छहरिछहरिझीनीबूंदनझिरतमानो हहरिघहरिघटा छाईहैगगनमै ॥ आयकहीकान्हमोसोंचलोआपझूलिबेकों फूलीनासमातभईऐसीहौंमगनमै ॥ चाहतिउठ्योसोउठिगईसोनिगोड़ीनोद सोयगयेभागजागिमेरीवाजगन मै ॥ आँखखोलिदेखोतौनघनहैनघनस्याम येईछाईबूंदेंमेरेआँसूकीदृगनमै ॥ ६८ ॥ आयोरीपरमप्यारोउठि किनदेखैबेगि काहूयहयानकहीआनदनुधामई ॥ केति

कोदिनाकीहांहू तपनयुभ्काइवेकों देखनपरसावप्यारेतुतें तहाँगई ॥ झूठोसुखसपनेकोकरननपायोआली दईनिरदईऐसेतुरतदगादई ॥ जौलौंभरिनैनवहमूरतिनिहारि देखों तौलौंनैनछोड़िनीदबैरिनविदाभई ॥ ६९ ॥ सपनेमेआयोसखिसाँवरोसलोनोवह जिहिँअंगअंगतेंअनंग कोलजायोहै ॥ मोहनीसीवातेंकहिकहिगहिगहियाँहँसिं तिभाँतिहरपहजारउपजायोहै ॥ कविसिवदत्तमोपैंकछूनाकहयोईजाय विरहवियोगविनानाहनाभजायोहैं॥ जौलौंहिंसिहँसिगरेलाऊंरीरसिकलाल तौलौंतौवजरमारेगजरवजायोहै ॥ ७० ॥ भावजकेप्रथमसमागमकीकालिकया देखिकछूसुनिकैउदासरहीताहेतें ॥ जानिपरैसेवक मिल्योहैसपनेमेआइ कीन्होकछूतैसोइसँजोगउतसाहेतें ॥ हिलकीवढीहैहाइदिलकीयतावैकिमि बातपियमिलकीजनाइअयगाहेतें ॥ याहिवाहिमंत्रतऊपाहिपाहि सोवतते आहिआहिकरिकैकराहिउठीकाहेतें ॥ ७१ ॥

॥ अथ चित्रदरसन यथा ॥

समुझैसुनैनसमुझावैनवुझावैकछू गुनैनगुनावैनसुनावैवुद्धिवाधाकों ॥ बोलैनविलोकैहँसैहुलसैनहायहाय धायधायदेखुनचिताईपलआधाकों ॥ टेरुटेरुचेरिनिचितेरिनकोघेरुघेरु हेरुफेरुहेरुहेरुसेवकनसाधाकों ॥ ल्हैकरपवित्रकहापूजैदेवपित्रआज हरिहरिचित्रभोयिचित्ररकराधाको ॥ ७२ ॥ आलसभरेयेहैंगातपरसनजानेजात कहीनसुनतयातजातवातनाकही ॥ सूंघैनसुवाससुमनन

कोसमुक्तपरै टकटकीयड़ेवड़ेदृगनमेउलही ॥ कविमतिरामतोहिनेकपरवाहनाहीं ऐसीभाँतिभईवहतेरेनेहसों नही ॥ एरेचितचोरचलिचाहिचन्दमुखीतोहि चित्रहीमे चाहिचाहिचित्रहीमेहूरही ॥ ७३ ॥

॥ अथ प्रत्यक्षदरसन यथा ॥

टहरतआवैमनमोहनमहरिनन्द ठहरतआवैपुञ्जपरिमलपूरको ॥ सेवकत्योंगहरतआवैज्योंज्योंचाँसुरीसों कहरतआवैमनमेरोमानिदूरको ॥ लहरतआवैगुंजमालवनमालजुग धहरतआवैकानकुण्डलसुनूरको ॥ फहरतआवैअरीपीतपटकैसो सिरछहरतआवैमंजुमुकुटमयूरको ॥ ७४ ॥ लटकिचलनिमन्दहसनिलसनिवेस कसनिसुकटिपैपटूकाजरीदारेकी ॥ बनीबनमालमालतीकीफूलमाल मालसोहतिविसालमोतीचारुचटकारेकी ॥ राजैगोसपेंचपागपेचसिरपेचतापैं जगमगैकलँगीरतनरतनारेकी ॥ तनमनवारसबैकारजविसार एरीमूरतिनिहारप्यारेपीतपटवारेकी ॥ ७५ ॥ मोहनललाकोमनमोहनीबिलोकि बाल कसकरिराखतिहैउमगिउमाहको ॥ सखिनकीडीठिकोंबचायकेबिलोकतिहै आनदप्रवाहवीचपावतनथाहकों ॥ कविमतिरामऔरसवहीकेदेखतहू ऐसीभाँतिदेखतिछिपावतिउछाहकों ॥ वेईनैनरूखेसेलगतऔरलोगनकों वेईनैनलागतसनेहभरेनाहकों ॥ ७६ ॥ आली अपमानकीकिसोरीजूकेसङ्गआज गईहमवृन्दावनवाटवंसीबटकी ॥ साँवरोसलोनोजहाँगैयनचरावैधीर मुरली

घजावैगावैरागिनीसुनटकी ॥ दौरिकैकहीकौमगभूलीहौ इतैहैजाहु तासमैंकीसोभामेरेनैनमैं अटकी ॥ टेरनकपट कीओहेरननिपटकीत्रा फिरनमुकुटकीफरानपीतपटकी ॥ ७७ ॥ मोरकोमुकुटकटिकाछनीलकुटहाथ तैसोपट पीतसोनिपटछबिछायोहै ॥ कुंडलरमालरीनत्रीननग जालमाल भालमैंगुलाललालगतसुहायोहै॥ बाँसुरीब-जावैआपनाचैऔनचावैग्वाल जाकीचखचालमनमैंन उमगायोहै ॥ होरीकेसमाजमैंबिलोकिब्रजराजयलि ब्र-जमैंबसेकोबीरआजफलपायोहै ॥ ७८ ॥ इति श्रीसृङ्गार सुधाकरे द्विजकविकृते नायकभेदरुचतुर्विधदर्शनवर्णनो नाम नवममयूपः ॥ ९ ॥

॥ अथ उद्दीपनविभाव लक्षण ॥

दो०। जासुबिलोकतही तुरितरसउद्दीपनहोत ॥
उद्दीपनसुबिभावहैं कहतकबिनकेगोत ॥
सखीसखादूतीसुरभि उपवनकाननऔर ॥
चंद्रचाँदनीमलयपुनि सौरभआमसुबौर ॥
पटरितुआदिकहूकहे द्विजसिंगाररसहेत ॥
उद्दीपनहीमेंगने सकलसुकबिकरिचेत ॥

॥ तब सखी लक्षण ॥

दो०॥ जासोंजियकीबाततिय नेकुनराखतिगोप ॥
कबिकोबिदसबहीकहत सखीताहिकरिचोप ॥
चारिकामहैंसखिनके जाहिरप्यारीपास ॥

मंडनअरुसिच्छाबहुरि उपालंभपरिहास ॥
मंडनतियहिसिंगारिबो सिच्छाबिनयबिलास ॥
उपालंभसुउराहनो हँसीकरनपरिहास ॥

॥ अथ मंडन यथा ॥

उबटिन्हवाईसोंधेसलिलसोंसूहीसारी पहिराईकंचुकीउरोजनपैलैहरी ॥भूषनजराइनकेचाहेचितचाइनकेभूषेभालचन्दनसोंमांगमुकताभरी ॥ जावकसोंरंगेपायँचखनचखोड़ेलाय भाँवतीकोंगोकुलबिलोकोबसमैकरी ॥ आनदसोंसनीसखीसुखमासमूहदेखि रीझभरीनैननिमैंघीजनकरैखरी ॥ ७९ ॥ बालकेउरोजपरलालकोबनायोकर लिखतिमकरिकाकेमिसुसोभाहारकी ॥ सुरतिचरित्रकोनिहारिकरिचित्रताको लाजतेंतरपिकैउठाईछरीतारकी ॥ भनतकबिन्दउरअन्तरप्रमोदबाढ़ो ऊपरहूदीरीदुतिआनदअपारकी ॥ मारकीलहरिआनितनमैछहरिछाईसखीपैनप्यारीकीसुरतिरहीमारकी ॥ ८० ॥

॥ अथ सिच्छा यथा ॥

मलैकोपवनमंदमंदकैगवनलाग्यो फूलनकेबृन्दमकरंदबरढारने ॥ कबिमतिरामछितिछोरचारोंओरबाहिलाग्योचैतचन्दचारुचाँदनीपसारने ॥ अलिनकीआलीआलीमैनकेसेमंत्रपढ़ि लागीमानलीकेमनकोजुमानझारने ॥ सुमनसमाजसाजिसेजसुखसाजकरी लाजकरेआजब्रजराजपरवारने ॥ ८१ ॥ समुदसीरैनिमैनलहरिकहरभरी यामैरिसबिसबैंधिबूड़िक्योंमरतिहै ॥ हितकेउनत

वैनचैनकोलहतप्यारी रूसिरहेप्यारेसोंकहाधौंनिसरति-
है कमलापतित्यागरीमानकोदुसहदसा सहयेकौमानि
कोसुजानिक्यौंढरतिहै ॥ सुनिसुनिबतियाँचबाइनसोंचौं
चँदकी माहकीझरीमेंकोअरीयोंबिछुरतिहै ॥ ८२ ॥ री-
तिबारीनीतिबारीबैसबारीरघुनाथ गुनबारीमतिगति
जिनकीगुनतिहै ॥ ऐसीऐसीबालतेबेहालपरीब्रजबीच ही
मेंभयोवेहदेहकाठलौंघुनतिहै ॥ कहाइतराइइतउतरि
अटारीआइ एरीहठगहीमेरीकहीक्यौंधुनतिहै ॥ मो-
हनकीबाँसुरीकोसुरहैअहितमहा तोमैंकेतोबितजोतूंचि-
तदैसुनतिहै ॥ ८३ ॥ याहिमतिजानैहैसहलकहैरघुनाथ
अतिहीकठिनरीतिनिपटकुढंगकी ॥ याहिकरिकाहूकाहू
भाँतिसेंनकलपायो कलपायोतनमनमतिबहुरंगकी ॥
औरहींकहींसोएककानदैकैसुनिलीजै प्रगटकहींदैबातबे-
दनकेअंगकी ॥ जबकहू प्रीतकीजैपहिलेतैंसीखलीजै बि-
छुरनमीनकीऔमिलनपतंगकी ॥ ८४ ॥

॥ अथ उपालंभ यथा ॥

पानकीकहानीकहापानीकोनपानकरै आहकरिउठ
तिअधिकउरआधिकै ॥ कविमतिरामभईबिकलबिहा-
लबाल राधिकैजिवायेरेअनंगअवराधिकै ॥ याहीकोंक-
हायोब्रजराजदिनचारिहीमें करिहैउजारब्रजऐसीरीति
नाधिकै ॥ जैसेंतैनेमोहनबिलोक्योवाकीओर तैसैंबैरी
[illegible] ॥ ८५ ॥ पंकजसेपानिपाँ-
[illegible] रंभाकोसोरूपउरुअनुहारियतुहै ॥

पानकेसोपातपेटकलिकासरोजकेसी घनकउरोजकीहि-
येविचारियतुहै ॥ कहाकहौंतुमसोंहौंएहोकविरघुनाथ छ
लकैवुलाईताकेसोचहारियतुहै गौंजीफूलमालसीलसति
सेजपायहाय ऐसीसुकुमारिऐसेंमीजिडारियतुहै ॥ ८६ ॥

॥ अथ परिहास यथा ॥

सखीनकेश्रौनमैंउकतिकलकोकिलकी गुरुजनहूके-
होतलाजकेकथानकी ॥ गोकुलअरुनचरणाम्वुजपैंगुंजपुं
ज धुनिसीचढ़तिचँचरीकचरचानकी ॥ पीतमकेश्रवनस
मीपहीजुगुतिहोत कामतंत्रमंत्रकेवरनगुनगानकी ॥ सौ-
तिनकेकाननमैंहालाहलह्वैहलति एरीसुखदानितोवजनि
बिछुवानकी ॥ ८७ ॥ उठतउरोजनिउठायेंउरऐंठेंभुज
ओठनिअमेठैअंगआठहू अठंगसी ॥ देवमनमोहनकों
डोठिहीमिठानी पीठिदैदेक्योंबठानीनीठिठानीभुवभंग
सी ॥ तेरेईअनूपरूपरीझरिझवारजिन्है झाँईंसोंरिझा-
ईरमारूपकीतरंगसी ॥ गरवीलीगूजरिगोविन्दकोंगनै
नतू गुननिवँधेगगनचढ़ीग्रेंफिरैंचंगसी ॥ ८८ ॥

इति श्रीसृङ्गारसुधाकरे द्विजकविकृते उद्दीपन
विभावान्तरगत सखीवर्णनोनाम दसममयूषः ॥ १० ॥

॥ अथ दूती लक्षन ॥

दोहा । जोतियहैदूतत्वमैं अतिसयपरमप्रवीन ॥
उत्तममध्यमअधमइमि भापतहैंत्रिविधितीन ॥
उभयकाजदूतीनके सबकविकियेवखान ॥

विरहनिवेदनएकअरु संघट्टनसुखदान ॥

॥ अथ उत्तमदूती लच्छन ॥

दोहा । मधुरीबातनकहितिया दोउनदेइमिलाय ॥
तासोंउत्तमदूतिका सयकविकहतसराय ॥यथा॥

भौनमैंरहैतूताकेआसपासफिरैकैसें जैसेंलगीलौनी कोरहतमनयातीमे ॥ झाँकतझरोखेआरबारबीरयावरे लौंटरतनटारेकहिकैतेऽनखातीमें ॥ देवकीनदनसिंह बातेंबूझैतेरीकहै कौलौंकहींवाकीप्रीतिरीतिअधिकाती मैं ॥ कढ़ैकहूप्यारीजहाँपगमगलावैधूरि तहाँकोसुभा- वेलैलगावैछैलछातीमें ॥ १ ॥ गोकुलकीगलिनगलिन यहफैलीबात कान्हैनदरानीवृषभानभौनव्याहती ॥ क- हैपदमाकरयहाँइंस्योंनिहारिचलै व्याहकोचलनवहैसौं यनेसराहती ॥ सोचतिकहाहौकहाकरिहैंचवाइनैयं आ- नदकीअवलीनकहिअवगाहती ॥ प्यारीउपपतितैंसुहा तअनुकूल तुमप्यारीपरकीयातैंस्वकीयाहोनचहती ॥ २ ॥ अलकपैंअलिवृन्दभालपैंअरधचन्द्र भौंपैधनुनैनन पैंकञ्जवारौंदलमै ॥ नासाकीरमुकुरकपोलबिंबअधरन दारयोंवारौंदसननठोढ़ीअंवुफलमै ॥ कंबुकंठभुजनमृ- नालदासकुचकोक त्रिवलीतरङ्गवारौंभौंरनाभीथलमैं ॥ अचलनितंबनपैंजंघनकदलिखंभ लालमखमलवारौं थालपगतलमैं ॥ ३ ॥ गोरेतनसेतसारीमोभायोंबढ़ावै भारी कुन्दनकीबेलीपरमानीगङ्गआकासी॥मैनबधूमैन कातिलोत्समासोंजातिजीति चारुतासोंचहूँघाँचलावति

हैमाकासी ॥ कहैशिवकविकरैमन्दहासकोप्रकास द्यौस
घारुचाँदनीअँधेरीरातराकासी ॥ नीरेहोतनेसुककराति-
सीरदृगमहाकमनीयकामिनीकपूरकीसलाकासी ॥४॥ पै-
न्हेस्यामसारीमनिहारीछविगोरी कारीघनकीघटामैंवि-
ज्जुछटासीजगनिहै ॥ अवनिअकासलौंप्रकासआसपास
छायो अंगनसुवासभौंरभीरउमगतिहै ॥ मैलेलगैंवासरमैं
हीरहारमोतीचारु रैनिमैंसुहीनदेखिचंदमंदगतिहै ॥ ला-
लकीसौंकेतिकोओहारडारदीजैतऊ पालकीमसालकीफ
नससीलगतिहै ॥५॥ जुगलकुहूकेवीचराजैरेखजोन्हईकी
ताकिअधराजैअर्धइन्दुमैंअवनिजात ॥ सावकभुजंगजुग-
जोहतउभयओर जलचरजुगलजलमैंकेनठहरात ॥ रघु-
राजआरनीठैताकेहिगथारिजद्वै ताकेमध्यसोहैसुकली-
न्हेमुखजलजात ॥ विम्बफलभीतरनिहारेहैंअनारबीज
कौतुकसकलससिमंडलमैंदरसात ॥ ६ ॥ कूजतसिखंडिहैं
कलिन्दिनन्दिनीकेतीर याकदम्बखंडिनिकदम्बिनीवि-
हरिकै ॥ ताकेनरेंअदभुतकौतुकहैकृष्णलाल रावरेचलो
तोहौंदिखाऊंजूदबरिकै ॥ ठाढ़ीहैमलतिकापैनागिनिकु-
टिलकारी देखीपौंछछोरछविछितिपैंपसरिकै ॥ कञ्जके-
लिकेहरीमकूपगिरिकम्बुकीर कैरवकलानिधिकौंफनसौं
पकरिकै ॥७॥ एहोव्रजराजएककौतुकविलोक्योआजु भा-
नुकेउदयमेंवृषभानकेमहलपर ॥ विनजलधरविनपाव-
समगनविन चपलाचमंकैचारुघनसारथलपर॥श्रीपति-
सुजानमनमोहतमुनीसनको सोहैएकफूलचारुचंचलाअ-

चलपर ॥ तामेएककीरचोंचदाबेंहैनखतजुग राजैवहफूलस्यामलोहितकमलपर ॥ ८ ॥ प्रेमहंसलीन्हेछौंहैंचित्तऊहरपपायो जाग्योपंचयानजिहिंलखिछविछाईहै ॥ देवकीनदनकहैसारँगगुनीनगायो पाहरूपुकार्योधुनिचटकलगाईहै ॥ हगमुखअधरविलोकिहौंतोरीझीलाल ऐसीव्रजबालएककुंजनमैआईहै ॥ दुपहरकंजअरुइन्दुअंधरातकैसो भोरकैसोरविबिंबतैसीअरुनाईहै ॥ ९ ॥

॥ अथ मध्यमदूती लच्छन ॥

दोहा । कछुकबातहितकीकहै अनहितमिलितकछूक ॥
तासोंमध्यमदूतिका कविद्विजकहतअचूक ॥यथा॥

लहलहीलहरैंलुनाईकीउदितअङ्ग उचकेकुचनऐसीकंचुकीयोंगचकी ॥ मन्दपगधरतिमरूकरिगयन्दगति चन्दमुखीचाँदनीचकितचाहसचकी ॥ कैसेघनश्यामहवामग्रनधामआवै घामकेलगेतेकामलताजातपचकी ॥ अतिसुकुमारसिसकतिभारहारनके बारनकेभारकैयोबारलंकलचकी॥१०॥ चरनधरैनभूमिविहरैतहाँ।इंजहाँ फूलेफूलेफूलनविछायोपरजंकहै ॥ भारकेडरनिसुकुमारचारुअंगनमैकरतिनअंगरागकुंकुमकोपंकहै ॥ कविमतिरामकहैयातायनबीचआयें आतपमलिनहोतबदनमयंकहै ॥कैसेवहयालललबाहिरविजनआवै विजनबयारलगेंलचकतलंकहै ॥११॥ कौलदलपावड़ेनकसकिधरतिपाँय जोपैकहूँजानिमतभागअँगनाईको ॥ तापैतुमकहौयाहिकुंजलगिक्योंनल्यावै भौनहीमैमानैडरभौंरकीअयाईको ॥ औग्गु

नकठिनकहाँलौंकहौंलालवाके वारनेभयोहैदियागातकी लुनाईको ॥ जहाँजहाँमंजुलबदनबिकसातवाको तहाँ तहाँजान्योजातजनमजुन्हाईको ॥ १२ ॥ सौहकरिकहतिहौंएहोकविरघुनाथ आवतिरखायेंवादोउनहींकेघरसों ॥ जैसेवनैतैसेद्यौसआजकोबितीतकीजै अवअकुलाइयेनापागेप्रेमबरसों ॥ जापरगुलालमूठीडारीसोमिलैगीकालि मारीपिचकारीबालप्यारीतौनपरसों ॥ खेलतमैहोरीरावरेकेकरबरसों जोभीजीहीअतरसोंसोआयहै अतरसों ॥ १३ ॥

॥ अथ अधमा दूती लच्छन ॥

दो० १ केप्यारीकैपीयसों कहैरुखोंहेंवैन ॥
अधमदूतिकाताहिसों कहतसकलबुधिऐन ॥यथा॥

कैसेवाहिलाऊंदुतिसेवकदुराऊं पगमगकेधरतजगमगसीमचतिजाति ॥ ऐसोएकऔरहूअँदेसोमध्यलोनी लौंक लफिलफिछीनोलौंसुगंधथिरचतिजाति ॥ लागीकैलगीनकीनीऐसीछीनमीनकेतु परमप्रवीनमहाछविसोंसचतिजाति ॥ होतीनाअवारटूटिजातीएकबारकटि करकुचबारचहूभारसोंबचतिजाति ॥ १४ ॥ सीलभरी खरीकरीआपनेकहेमैआँखैं घरीघरीघरहीमैघूंघुटसँभारिलै ॥ गोकुलमैबसिकुलकानिनिकहाइप्यारी आननछपायहगनीचेकेनिहारिलै ॥ कहैकविकासीरामसीताइन्दुमतीकैसो सतीपारवतीकैसेपतिव्रतपारिलै ॥ जौलौं तेरीदीठिनपरेरीनंदलाल तौलौंगरबीलीगूजरीगमारगा-

लमाशिलै ॥ १५ ॥ जाननकछूपकहाव्रतरसिकराय रयावत्यावअवहींतिहारीयहटेकहै ॥ कूरनकीरीतहैजुडेलऐसोडारिदेन मतिरामचतुराईचतुरलियेकहै ॥ येलीनानवेलीकछूयेलसतरायत्राहि मनसिजओजकासुहानो कछूसेकहै ॥ त्रानकेसुननअंगिरातअलसातगात सोंहैं करिनैनयिहँसोहैं भईनकहै ॥ १६ ॥

॥ अथ दूती पैन कथन यथा ॥

येलिऐसीविधिनासकेलिसयसोम्पारची सचीसोऊ हचीजाकेरूपकेसमानहै ॥ कहैरघुनाथकलासकलप्रबीन रति सोभईअधीनछोडरोगुनकोगुमानहै ॥ ऐसीठकुराइनचैनुमहिमिलाऊंलाल नाइनकहाऊंतोमैंयचनप्रमानहै ॥ चंपकैसोरंगअंगसौरभचमेलाकैसो चंदउपमेयला गैमुखउपमानहै ॥ १७॥ खंजनसेनैनसुधाऐनसोयदनजाको उरजउतंगलंकहोतनलखाईहै ॥ निविड़नितंबपटपातरोवरीटपरो कदलीकेखंभनसीजंघनजुराईहै ॥ गोकुल छवानकोंछुवतकचअंगनमे कंचनसांकरोविधिरचनगोराईहै ॥ छालतुमैंहूनिहींमिलायेयहबाल जौनगांवयीच गूजरकीआइगौनहाईहै ॥ १८ ॥ नाजुकनिपटलचकतकुचकचभार वारहूतेंखीनीकटिलागतिटूटकासी ॥ कहैकयिनैपद्माकेगायपेकीकहाकहीं कंठलेंकदलिरागकोकिलाकेकूकासी ॥ दंतकीदमकचाहिचपैचपलाहूयाकेरियें यनीहैंननीरंजननकामी ॥ भ्रमरिनमानभीरभूरूनापरैगीमोहि भोयतेमिलाऊंनोहिप्यामिनीभभूकासी ॥

१९ ॥ सुघरीसुसीलीसुरसीलीसुजसीलीअति लंकलच-
कीलीकामधनुपहलाकासी ॥ कहैकबितोपहोतीसारीतें
निन्यारीजबै कारीयदरीमैंकढ़ै चंदककलाकासी ॥ लोने
लोनेलोयनपैंखंजनक्रमकधारीं दंतनचमकचारुचंचला-
चलाकासी ॥ साँवरेसुजानकान्हतुमलैंदुराऊंकहा सेज-
पैंसुवाऊंआनिसोनेकसलाकासी ॥ २० ॥

॥ अथ बिरहनिवेदन यथा ॥

चलियेगोबिन्दचन्दचन्दबदनीकेपास कालिदासआ-
सरोघरीनपलआधेको ॥ तुमैदेखिपावैसुखपावैहरभाँति
ताहि दीजैनेकनिरखिनतीजानेहनाधेको ॥ देखनसखी
नकेसुखीनकरिडारीकान्ह देहदुखपायोबिरहानलकेदा-
धेको ॥ पीरोभयोबदनसदनचलिदेखोस्याम मदनसुनार
हस्योसुबरनराधेको ॥ २१ ॥ जादिनतेंदेखेमतिरामतुमै
तादिनतें चढ़िरहीमुसुक्यानवाकिजियराईपर ॥ भावतन
भोजनबनावतनआभरन हैननकरतिसुधानिंबिसियरा
ईपर ॥ चलोउठिदेखोघड़ीआगहैंनिहारिलला मंदिरखो
राधिकैकन्हाईजियराईपर ॥ दूनीदुतिछाई देहआईदु
बराई पियराईलोनवारियेसियाकीपियराईपर॥२२॥ जा-
नीजातिराबरेसैंजोगिनकैसाँवरेजू सुखकेसमाजनसमो-
इयोकरतिहै ॥ देखिबेकीआँखैंतेनखोलतिखोलाइहारी
हियआँखियानमगजोइयोकरतिहै ॥ ठाकुरकहनजागैजो-
गीलौंसमाधिसाधै संगकीअजानैजानैसोइयोकरतिहै ॥
रोइबोकरतिनिसबासरबिकलभई आँसुनकीधारदेहधो

इबोकरतिहै ॥ २३ ॥ दीनकेदयालब्रजबीचअचरजहा-
ल कहियेकहँलौंनहिंमोपैंकहिआवती ॥ कहूँ सुकतुंडतें
दवानलकेघ्यातकुंड सरपरहंसनकीश्रेनीनसुहावती ॥ चं-
पककीदामसूखिरहीनेहघनस्याम कंजनकेठामभौंरभी-
रनलखावती ॥ पंकजकेअंकमैंमयंकसोइरहगोदीन मी-
नतेंकलिंदजाकीतहँधारधावती ॥ २४ ॥ रावरेविरहसु-
नोसाँवरेसलोनेगात जोजोब्रजजाततिन्हैंकौतुकमिलत
है ॥ काकलीनसुनीपरैंकुंजकीगलीकेबीच बिंबमुरझाय
कुन्दकलीनखिलतहै ॥ देखियेअचंभोचलिचंदवंसकेब-
तंस हंसहारिरहेकहू नेकनहिलतहै ॥ कनकलतापैंकंज
सूखिरहगोकृपापुञ्ज तापैंखंजरीटवैठिमोतीउगिलतहै ॥
२५ ॥ अहनखेलावतहैमृगनलरावतहै सुकनपढ़ावत
हैनेनाटरतहैं ॥ कबहूं कैसंखपूरिसंभुजूकीसेवाकरै क-
बहू केकुंडबूड़िसिंचिनिधरतहैं ॥ कबहू केकदलीकेखंभ-
सोंलपेटिजंघ कबहू कैकंजसिरराखिविहरतहै ॥ जादि
नतेंन्हातचारआँखैंभईतादिनतें बावरीसोभाँतिभाँति-
भावनाकरतहै ॥ २६ ॥ छूटलफुहारनफुहारनउसीरतर
सीरनीरचंदनकपूरजहाँसरसैं ॥ सीतलसमीरकसमीरकी-
प्रवीनवेनी हेमतपसारमैंतुसारमानोबरसै ॥ हरीबेली
बागकीहवेलीमैंनवेलीभोर भोरहीतेंगुंजैजूनभानुभौनप-
रसै ॥ ऐसोथलरोचनवै रोचनकोजैसोवास तीसरीत्रिलो-
चनकोलोचनसोदरसै ॥२७॥ आयेमधुबीतिनहिंआयेमा-
धवैगोरीति जेठहूगोभीतिप्यारीविरहव्यथानकी ॥ घम-

क्योअसाढ़पीनसेवकमघायोगाढ़ सावनअपाढ़भौतिबुन्द
बरसानकी ॥ भादौंभरोक्वारजीत्योकातिकउदारवीत्यो
अगहनपूसमाघधकपकमानकी॥हाहाकंतभोरीचलिभौन
खेलोहोरीनतो होरीहोनचाहतिकिसोरीत्रपभानकी॥२८॥
आईतजिहौंतौताहितरनितनूजातीर ताकिताकितारप-
तितरफतितातीसी ॥ कहैपदमाकरघरीकहीमैघनस्याम
कामतोकतलवाजकुंजव्है हैकातीसी ॥ याहीछिनवाही-
सौंनमोहनमिलौगेजोपै लगनिलगाइअतिअगिनअवा-
तीसी ॥ राउरीदुहाईतौबुझाईनबुझैगीफेरि नेहभरी-
नागरिकीदेहदियाबातीसी ॥ २९ ॥ दूरहितेंदेखतिदसा
मैयावियोगिनीकी आईदौरिभाजिहैंगइलाजमढ़िआवै
गी ॥ कहैपदमाकरसुनोहाघनस्याम ताहिचेततकहूं जोए-
कआहकढ़िआवैगी ॥ सरसरितानकोंनसूखतलगैगोबे-
र एतीकछूजुलुमनिज्वालबढ़िआवैगी ॥ ताकेबिरहागि
कीकहौंमैकहावात मेरेगातहिछुवैतोतुमैतापचढ़िआवै-
गी ॥ ३० ॥ आजुबरसानेहौंविलोकिवेकोंगईसुनो नईदे-
सालखीमैअनंगआगिबोरीकी ॥ लूकसीलगतिपहुंचतप
रिसरपास पैठिभौनभीतरजरैकोभौंतिहोरीकी ॥ राजक
रोगोकुलमिजाजजरावरेकोयह अकहकहानीसीकरीहैचि
तचोरीकी ॥ जरिजायहलकफलकपरैंजोठनिमैं बिरह
व्यथाकीकथाकहौंजोकिसोरीकी ॥ ३१ ॥

॥ अथ संघट्टन यथा ॥

फूलभरेअंगनिउमंगनसुबासभीनी कोमलिनवीनीपु-

हीरंगगुनजालासी ॥ जाकेमगआवतघट्टू घाकुकिशोर
परी भौंरनकीभीरपाछेचोरनकेजालासी ॥ वैठोकुंजभो-
नमैविलोकैवाटरावरेकी कोककेविलासकोंसरसनटसाला
सी ॥ देखियेनजायकुम्हिलायउरलाइलेउ लाईहौंलिवाय
लालमालतीकेमालासी ॥३२॥ अतिहीसुदेसमध्यमूठीमैस
मातजाको प्रगटैनगौंसवेसबंदनसँवारीहै ॥ कहैकविटूल
हरँगीनरमनीयहै छटाँक्भरीतौलमानोसोंचेकीसुढारीहै॥
पेठेहैनरमलीजैकरसोंगोविन्दगहि निपटनवेलीपैसमर-
सुखकारीहै ॥ खींचेगुनवानगोसेगोसेसेंमिलैगी मुलता-
नकेकमानकीसमानप्रानप्यारीहै॥३३॥ जाकेरूपआगेरंभा
रतिउरवसीसची हैंचीमानमैनकाकोव्हैगयोकुरीकुरी ॥
औरहौंकहाँलौंकहौंएहोरघुनाथ देखेंकलाकलानिधजूकी
जातिहैघुरीघुरी ॥ ऐसीव्रामकुंजधामरसिकतिहारेलीन्हे
लाईचलोवकसीसकरिकैसुरीसुरी ॥ सुधिनरहैगीफेरयैस
कीलसनिहेरि घुंघुटमैंहँसनिविलोकनिदुरीदुरी॥३४॥आ-
जव्रजजनव्रजबालैंव्रजवालजुरेसुकविप्रवीनवेनीमोदअ-
नुरागोहै ॥ कान्हकियेदूलहसुराधिकादुलहियाकै सजि-
कैवरातप्याहिफेरगौनमागोहै ॥ गौनकरिभौनभरिचातु
रसखीसिंगारि नंदकेलडायतेकोएसोभागजागोहै ॥ कुं-
जअतिगोपिताकोचोपिकैसुहागरैनि फ्रुठोंखेलखेलोजा-
मैसाँचहोनलागोहै ॥ ३५ ॥ लाईसूनेसदनमजाईकहू ओ
रअंग भीतिकहिसारिवफछपायमतिलूटीसों ॥ उवटत
जानुकेउतरिआईओरैजानि ठानिउठेसुरतसलज्जछवि

छूटीसें ॥ सिसकीसुनायिपरदेतिघहराइनीचे धीरेपाँयँ झाँयरीगैवारिगतिऊटीसों ॥ नाह्निलैजूटीरचिआपनी-यहूटी एसैसेवकैमिलाइदीन्होनघलयधूटीसें ॥ ३६ ॥

॥ अथ स्वयं दूती लक्षण ॥

दोहा । करैआपुहीआपने। दूतपनेकोकाम ॥
ताहिस्वयंदूतीकहत सकलसुकविगुनधाम ॥यथा॥

घेराकरिआवतघनेराघहरातघन मोरनकीटेरावरपा कोनिरधारिकै ॥ सङ्गीकौनतेराजोकरेराहूँ चलैगासङ्ग भये तेंअवेराकहिश्रूझियैपुकारिकै ॥ भनतकविन्दद्वारचौंतरो किनारेछायो तापैतूंअरामकररजनीनिहारिकै ॥ भयेतें अवेराआगेगाँवहैननेरा कीजैपथिकवसेराआजईतहीं विचारिकै ॥ ३७ ॥ सहरमेंजातहीपहररातवीतजैहै व-स्तीकेछोरपैसरायँहैउतारेकी ॥ भनलकविन्दमगमाझ-हीपरैगीसाँझ खवरहैउरानीवटोहीद्वैकमारेकी ॥ घर-केहमारेपरदेसकोसिधारियातें दयाकरिवृझीहमरीतराह-धारेकी ॥ करकेनदीकेतटवटकेतरैंतूवसि चौंकिमतचौ-कीतहाँपाहरूहमारेकी ॥ ३७ ॥ भारीतपिभासमानभा-समानजानोयह फैलीमुखचन्दकीसुचाँदनीहँगहरी ॥ सी तलसुगंधमन्दताईवारिहारियत ज्योंज्योंअतिचलतप्रचं-डपोनलहरी ॥ नोदभरिसौयेसवभीतरहीभौननमै कौन काहिपूछतखरीहैकामकहरी ॥ आगेकहाँजातघनस्या-मसुनोवात इहिंदेसअधरातहोतजेठकीदुपहरी ॥३८॥ पं-थअतिकठिनपथिककोउसंगनाहिं तेजभयेतारागनछा

हैंनभयोरयिहै ॥ खगताकेविटपमधुपचलेकल्पनकोंकंजग-
नसकुचिकुमुदिनीमैंछविहै ॥ जोगीहैतोविरहकेजवालाकी
जरीवताव भोगीहैतोकहोकामपीरकैसेदविहै ॥ जोति-
षीजोहैतोकहुपीउघरअहैंकब घरननकीजैघटाजोपैको-
ऊकविहै ॥ ३९ ॥ कोहौजोतिसीहोकछुआगमयखानतहो
धामधामनामजगजाहिरहमारोतो ॥ आवोत्रैठिजावो-
पगच्छावोपानखावोफिर सुचितैसुचित्तव्हैकैगनितनि-
कारोतो ॥ ठाकुरकहतयहप्रेमकीपरिच्छाछानि इच्छा-
कोप्रमानभलीभाँतिनिरधारोतो ॥ मेरोमनमोहनतेला-
गतहैवारवार मोहनकोमनमोतैंलागिहैविचारोतो ॥ ४०॥
इति श्रीसृङ्गारसुधाकरेद्विजकविकृते उद्दीपनविभावा-
न्तरगतदूती वर्णनोनामएकादसमयूपः ॥ ११ ॥

अथ उद्दीपन विभावान्तरगत षटरितु वर्णन तहां प्रथम वसन्त वर्णन।

दोहा० कुसुमिततरुपल्लवसकल कोकिलकलरवबाग ॥
प्रबलअनंगवसंतभनि चँदचाँदनीराग ॥ यथा ॥
जोगलागेचलनवियोगसोंवियोगलागे लोगलागेसे-
वकसँजोगसुखसाजतें ॥ गंधलागेसौरभोद्विरेफहोनअं-
धलागे तरुकेप्रबन्धलागेफूलनकीछाजतें ॥ रीनलागे
विहँगसुपौनमौनगौनलागे होनलागेनाचरागरंगऊसमा
जतें ॥ संतलागेकाँपनअनंतकामतंतलागे अंतलागेसि
सिरवसंतलागेआजतें ॥ १ ॥ बरनबरमतरुफूलेउपवन
बन सोईचतुरंगसंगदलसाजियतुहै ॥ बंदीजिमियोलत

विरदवीरकोकिलहै गुंजतमधुपगानगुनगहियतुहै ॥ आ-
वैआसपासपुहुपनकीसुवाससोई सौंधेकेसुगंधमाभ्कसने
रहियतुहै ॥ सोभाकोसमाजसेनापतिसुखसाजआज आ-
वतवसंतरितुराजकहियतुहै ॥२॥ मलैगिरिमारुतकेमिसि
विरहाकुलनिदिसिदिसिव्यालनकीविषवगरायोरी॥ताप
रकिसोरतैंसोपंचमनवलराग कोककीकलानभीनोकोकि
लनगायोरी ॥ कोनसुनिमोचैमानलोचैकोनमिलनकोंसो-
चैकोनश्यामदेखिनेहसरसायोरी॥आमनकेमौंरलागेअं-
कुरनमौरलागे भौंरलगेभ्रमनवसंतअवआयोरी ॥३॥ अव
नितेंअंवरतेंद्रुमनिदिगंवरतें अपरअडंवरतेंसखिसरसो-
परै ॥ कोकिलकीकुकनतेंहियनकीहुकनतें अतनभ्रमूकनः
तेंतनतरसोपरै॥कहतकिसोरकंजपुंजनतेंकुंजनतें मंजुअ-
लिगुंजनतेंदेखुदरसोपरै वसनतेंवासनतेंसुमनसुवासनतें
वैहरतेंवनतेंवसंतवरसोपरै ॥ ४ ॥ कोकिलाकलापीकू-
जैंयमुनाकेनीरतीर वीररितुराजकोसमाजदरस्योपरै ॥
भनतकिसोरजोरअवनिकदंवनितें मंजुमंजरीनतेंसुगंध
सरस्योपरै ॥ कामव्यथामेटनकोंसुखदसमेटनकों भेटन
कोंपीतमकोंप्रानतरस्योपरै ॥ अवनितेंअंवरतेंद्रुमनिदि-
गंवरतें वैहरतेंवनतेंवसंतवरस्योपरै ॥५॥ फूलनमैंकेलि-
मैकछारनमैकुंजनमै क्यारिनमैकलितकलीनकिलकंतहै ॥
कहैपदमाकरपरागनमैपौनहूमैं पाननमैपिकनपलासनप
गंतहै॥द्वारमैदिसानमैदुनीमैंदेसदेसनमैं देख्योदीपदीपन
मैदीपतदिगंतहै ॥ वीथिनमैव्रजमैनवेलिनमैवेलिनमैव-

ननमैथागनमैवगखोथसंतहै ॥ ६ ॥ तरुपतझारनमैकिस
लितडारनमै रमितपहारनमैदुतिमैदिगंतहै ॥ त्रिविधस
मीरनमैयमुनाकेतीरनमै उदितअधीरनमैझलाझलकंत
है ॥ छायरह्योगुंजनमै अलिपुंजकुंजनमै गाननमैगोपालऐ
सोरुपदरसंतहै॥फूलमैदुकुलमैतड़ागनमैबागनमै डगरमै
वगरमैवगरोवसंतहै ॥ ७ ॥ देसमैदिसानमैलतानद्रुमबे
लिनमै कुंजनमैकंजनमैरंगदरसानोहै ॥ पल्लवमैपौनमै
परागहूमैकिसलैमै कुसुमकलीनअलिगुंजसरसानोहै ॥
हारनमैक्यारिनमैफूलकचनारनमै झारनपहारनमैमोद
सरसानोहै ॥ वागमैवगरमैवनायवनवीथिनमै वेहरमैब
नमैबसंतवरसानोहै ॥ ८ ॥ अवनिअकासअंवुअनिल
अनलआभा औरभाँतिभईजोमनोजमहिमंतकी ॥ कर
जनिमानयादिसानव्हैगईहैमंद मतिव्हैगईहैसबजानज
गजंतकी ॥ कहतकिसोरजोरजरनकुजोगिनकों भोगिन
कौंभावनिवियोगिनकेअंतकी ॥ लहलहीउमंगतेंलखि
लसिरहीतैसी लहलहीलौंदनमैलहरिवसंतकी ॥ ९ ॥ आ-
योरितुराजफूलेसुमनसमाजभयो अमलअकासबहैपव-
नहरैंहरैं॥ लपटेलतानसौंतमालनकेजालमौरे अमितरसा
लतेविसालमनकोंहरैं ॥ कहतकिसोरकिलकोकिलाचकों
रनहीं गनैसँझभौरचारोंओरसोरकोंकरैं ॥ आनदमग
नकैसीलगनलगायेदेव मंदिरनकुंजकुंजअलिपुंजगुंजरैं ॥
१० ॥ मैरेमैरेमौरतरुमंजरीनमोलिआली गंधगुनमई
मंदमारुतझकोरलेत ॥ नवलकिसोरीलोनीकंपजुतलति

कान लपटिलपटिरसआनदअथोरेलेत ॥ गरलकीगोठसेगटेसेगठेसिरकटे फिरतअमानमानगढहटिछोरेलेत ॥ कामकैसेचाररितुराजकेसेसहचर चाँचरकरतचंचरीकचितचोरेलेत ॥ ११ ॥ मंजुमलयाचलकेपौनकेप्रसंग नतें लाललालपल्लवलतानलहकैलगे ॥ फूलैलगेकमल गुलाबआववारेघन संकरपरागभूअकासअहकैलगे ॥ बोलैलगींकोकिलअनंतभौंरडोलैलगे चोपसोंअमोलेमकरंदचहकैलगे ॥ नेकोनाअटकचढ्योकामकोकटकचारु चारौंओरचटकसुगंधमहकैलगे ॥ १२ ॥ गौनहदहोनलगेसुखदसुभौनलागे पौनलागेविपदवियोगिनकेहियरान ॥ सुभगसवादिलेसुभोजनलगनलागे जगनमनोजलागेजोगिनकेजियरान ॥ कहतगुलाबबनफूलनपलास लागे सकलविलासनकेसमयसुनियरान ॥ दिनअधिकानलागेरितुपतिआनलागे भानलागेतपनसुपानलागेपियरान ॥ १३ ॥ मलयगुलाबोहायसुमनपियाछेआले चटकगुलावचाखचाखतविचारोसो ॥ कहैहरिकेसमोदचारौंओरछायोजोर मधुरअलापैंरागतालकूकभरोसो ॥ मुनिमनवसनलयोरेनेहवोरेवलि हेरभ्रकर्कोरेकरैकोरेंविपप्यारोसो ॥ सुरभीकलारकुंजसदनसुछाक्यो याँको मंदमंदआवतमरुतमतवारोसो ॥ १४ ॥ वागनमेंचारुचटकाहटगुलाबनकी तालदेततालियातुलैनतुकतंतकी ॥ गुंजतमलिंदवृन्दतानसीउपजपुंज कलरव गानकोकिलानकिलकंतकी ॥ गोकुलअनेकफूलफूलेहैं

रंगेदुकूल भूमेआमवीरहावभावरसवन्तकी ॥ लहरैंत-
रुनतरुछहरैंसुगंधमंद नाचतनटीसीआवैवैहरवसंतकी
॥ १५ ॥ मलयजगिरितरुकोसतेंकढीहैचढी मंजुमकरंदपुं
जपानिपअपारसी ॥ अलिविपयूडीवलिकहतिकहाहै
जापैं सौरभकीलहरिधरीहैखरधारसी ॥ कहतकिसोर
चारोंओरनविपमवेप प्रवलप्रचंडपेपिक्कारपनझारसी ॥
रहतनरोकीवहैंचाहतिवियोगिनपैं वैहरवसंतकीतिरी-
छीतरवारसी ॥१६॥ सुरहीकेभारसूधेसवदसुकीरनके मं-
दिरनत्यागिकरैंअनतकहूं नगौन ॥ द्विजदेवत्योंहींमधु-
भारनअपारनसों देखुझुकिझुमिरहेमोगरेमरुवदौन ॥
खोलिइननैननिनिहारीतोनिहारींकहा सुखमाअभूतआ-
यरहीप्रतिभौनभौन॥ चाँदनीकेभारनदेखातउनयोसोचं-
द गंधहीकेभारनबहतमंदमंदपौन ॥१७॥ द्रुमडारपलना
विछौनानवपल्लवके कुसुमझिंगूलातेईतनसुखसारीदै ॥
पवनझुलावैंकेकीकीरवतरावैंमिलि कोकिलहिलकझुल-
रावैंकरतारीदै ॥ झरतपरागतेउताखोकरैंराईलोन कुंद
कलीनायिकालतानपुचकारीदै॥ मदनमहीपजूकोयालक
वसन्तताहि प्रातहीजगावतगुलाबचुटकारीदै ॥ १८ ॥
मेल्योउरआनदअपारमैनसोवतही पायसुधिसौरभसमी
रनमिलनकी ॥ नेहकेझकोरनहिळायउरदीन्हो लखीसु
खमालघझलतिकानकेहिलनकी ॥ स्वपनभयोधौंकैधौं
साँचोकरतार इमिसमुझतरीतिलखिअझसिथिलनकी ॥
खिलगयेलोचनहमारेएकयारसुनि आहटगुलाबनकेअ-

खिलखिलनकी ॥ १९ ॥ चहकिचकोरउठेसोरकरिभौंरउठे योलिठौरठौरउठेकोकिलसुहावने ॥ खिलिउठीएकैवार-कलिकाअपार हिलिहिलिउठेमारुतसुगंधसरसावने ॥ पलकनलागीअनुरागीइननैननिमें पलटिगयेधौंकवैतरुमनभावने ॥ उमगिअनंदअँसुवानलौंचहूंघाँलागे फूलिफूलिसुमनमरंदवरसावने ॥ २० ॥ हौरेंहौरेंडोलतीसुगंधसनीढारनतें औरैऔरैफूलनपैंदुगुनफबीहैफाव ॥ चौंधतिचकोरनसोंभूलेमयेभौंरनसों चारोंओरचंपनपैंचौगुनीचढीहैआव ॥ द्विजदेवकीसोंदुतिदेखतमुलानोचित्त दसगुनीदीपनिसोंगहवगुलेगुलाव ॥ सौगुनेसमीरहूं सहसगुनेतीरभये लाखगुनीचांदनीकरोरगुनोमहताव ॥२१॥ गुंजरनलागीभौरभीरकेलिकुंजनमैं क्वैलियाकेमुखतैंकुहूकनकढैलगी ॥ द्विजदेवतैसीकछूगहवगुलावनतें चहकिचहूं घाचटकाहटवढैलगी ॥ लागेसरसावनमनोजनिजओजरति विरहीसतावनकीवतियेगढैलगी ॥ होनलागीप्रीतिरीतिवहुरिनईसीनव नेहउनईसीमतिमोदसोंमढैलगी ॥ २२ ॥ पाँखुरीलैसाजोसेजसेवतीकीवेलिन चमेलिनहूं सरसवितानछविछाईहै ॥ फैल्योचहुंओरनगुलायनकोगंधधूर धुंधुरितसौरभीसमीरसुखदाईहै ॥ चारौंओरकोकिलचकोरमोरसोरनसों ओरछितिछोरनअनंदअधिकाईहै ॥ आजरितुराजकेसमागमकेकाजहोत धामधामवेलिनकेआनंदवधाईहै ॥ २३ ॥ गुंजरनलागे भौंरठौरठौरकुंजनमैं लग्योवेलिपुंजनदवासोकामजुर-

को ॥ बोलनलगेहैंपिकचातकचकोरमोर बँधिगयोसरसस
नाकोएकसुरको ॥ कामयनयानिकयिलोकिइहिभैंतिदी-
ह दुरिदुरिजातदुखकीनकेनउरको ॥ चंदभयोचाहतसु-
रेसकोसमाजआज मंदभयोचाहतअनंदसुरपुरको ॥ २४ ॥
कुंजलागेलसनप्रसूनविकसनलागे रसनसुगंधमकरंदकी-
झरीनके ॥ भौंरनकेपुंजमंजुगुंजरनलागे यनजालनलागेघ-
रनरसालमंजरीनके ॥ छाईछविसेखरयसंतकीअवाईब्र-
ज लागीमोदबढ़नविनोदकीभरीनके ॥ रंगलागेचढ़नउ-
मंगऊबढ़नलागे संगलागेकढ़नसुहायेसुन्दरीनके ॥ २५ ॥
गावनोधमारिकोसुलागतसुखदमहा धावनोसुमारुतको
आनदअनन्तको ॥ चावनोबढ़ावनोभोआलिनकोगन
गुनिहियहुलसावनोभोकोकिलभनन्तको ॥ मणिदेवभन-
तकलेसकोपरावनोभो अङ्गउमगावनोभोदेखेपदकन्तको
छावनोगुलालकोसुहावनोलगतआली भावनोलगतमो-
हिआवनोवसन्तको ॥२६॥ बौरमौरकिंसुकसुकंकनकलि-
तसौंरं भूपनसुफूलकैपरागपटछायोहै ॥ ठाकुरपताकेप-
तालालकञ्जसिंहासन कुञ्जभेदपालकीगयन्दरथछायोहै ॥
पौनहैसुदौरबनेबिरिछबरातीतौर भौंरचोपकादिबोल-
बाजनेबनायोहै ॥ जोहनसेमोहनबहारबनरीहैसङ्ग सो-
हनवसन्तबँदरासोबनिआयोहै ॥ २७ ॥ पीरोफूलचम्पक-
कोसोभियतकर्नफूल तैसोहिदुकूलअतिसरससुहायोहै ॥
[illegible]ठहै॥कुचकंचुकीसुहात [illegible] पीरिहीसरीरमानो-
[illegible] ॥ मोतिनकीमालगरसोहैबनमालपी-

री पीरोपीखराजनगजठितजरायोहै ॥ कञ्चनकीभूमि तामैधरैपगझूमिझूमि देखोब्रजचन्दजूवसन्तवनिआयोहै ॥ २८ ॥ नैनअरविन्दमकरन्दरसभरेसोहैं भूपन विविधिफूलवनछविछाईहै ॥ कोकिलवचनवरअधरसु पल्लवसे कुन्दकलीदन्तदुतिदीपतिसुहाईहै ॥ चम्पकसुमनगातसौरभहँसनवात फौजभौंरभौंरसङ्गसखीसमुदाई है ॥ प्यारेब्रजराजजूसोंउमगिअनङ्गप्यारी खेलनवसन्तकोंवसन्तवनिआइहै ॥२९॥ सरससुधारीराजमन्दिरमैफुलवारी भौंरकरैंसोरगानकोकिलविरावके ॥ सेनापतिसुखदसमीरहैसुगंधमन्द हरतसुरतस्रमसीकरसुभावके ॥ प्यारोअनकूलकहूंकरतकरनफूल कहूंसीसफूलपाँवड़ेऊ मृदुपावके ॥ चैतमेंविभातसाथप्यारीअलसात लालजातमुसुकातफूलचुनतगुलावके ॥ ३० ॥ रङ्गरङ्गफूलीवेलि विटपअनेकसङ्ग देवकीनदनकहैसोभायोंअनन्तकी ॥ त्रिविधिसमीरडोलैंवोलैंपिकप्यारेवोल पुञ्जअलिगुंजगतिमोहैमैनमन्तकी ॥ सखिनसमेतसाजेजेवरजराऊसवै वसनवसन्तीसोभाभारीप्यारीकन्तकी ॥ वेसवङ्गलामेंवैस सुनतवसन्तराग वागवनचनकविलोकतवसन्तकी ॥३१॥ विपहियगारेराचहैवातमलयाचलकी गिलीउगिलीहैवर व्यालनकेजालकी ॥ वाड़वकोसङ्गीविधुसयोहैकुदङ्गीयाते क्योंनकरैचहूंओरचाँदनीजवालकी ॥ कहैंशिवकवि फूलेकुटिलपलासकूर जानैकहावातकाहूदीनप्रतिपालकी ॥ प्यारीविनदेखियेवसन्तमैअचंभेएक सालतहिये

हैंमृदुमञ्जरीरसालकी ॥ ३२ ॥ फूलैंगेंअनारकचनारनहसुतआम फूलैंगेंसिरिसऔचनसफूलसूलैंगे॥ फूलैंगीसुपाँढ़रओमालतीअमिलतास सेमरपलासफूलिआगिरूपतूलैंगो ॥ फूलैंगोंकनैरमाधवीचमेलीरघुनाथ फूलैंगेंगुलाबजिन्हैंदेखिचेतभूलैंगो ॥ बिरहकोविरवालगायोजोनकन्तसखी आवतवसंतकहोवहीअबफूलैंगो ॥३३॥ भूलेभूलेभौंरबनभाँवरेभरैंगेंचहूं फूलिफुलिकिंसुकजकेसेरहिजायहैं ॥ द्विजदेवकीसौंवहकूजनिविसारिकूर कोकिलकलंकीठौरठौरपछितायहै ॥ आवतवसन्तकेनऐहैंजोपैस्यामतोपै बावरीबलायसोंहमारेहूउपायहैं ॥ पीहैंपहिलेहीतेंहलाहलमगाय याकलानिधिकीएकोकलाचलननपायहैं ॥ ३४ ॥ विकसीबसन्तिकासुगन्धजरीशिवकवि औरैढङ्गभयेवनकुञ्जकीथलीनके ॥ कोकिलकेकलकलकलनहिदेतपल चारौंओरसोरसखिसुनियेअलीनके ॥ ऐसीसमैमानप्रानपतिसोंनकीजियेरी मेटिवेकोंमानमाननीकीअवलीनके ॥ देखोरतिराजकाजरितुराजकारीगर गुरुजवनायेहैंगुलाबकीकलीनके ॥ ३५ ॥ कोकिलनखोजिनकौसङ्गलैअनेकफिरैं चारोंओरप्यारीविरहीजनकेखोजकों ॥ यातैंहौंकहतिचलुप्यारेसुखदानपास तजिकैअयानदूरकरीमानसोजकों ॥ मणिदेवजनतरसालनकेबौरनके झौरनयेसोहतधरेहैंमहाओजकों ॥दायकवियारीरितुनायकलियेहैंवर घायकपरमदीवेसायकमनोजकों ॥३६॥ बोलैंलगीं-
ऊँऔके ... ...ओऊँ डोलिडोलिसुखदसमीर-

लाग्योपरसै ॥ फूलेद्रुमपुंजनपैंगुंजनमधुपलागे मंजुफूल
वृन्दलागेमकरंदवरसै ॥ सेखरधमारिनकीधूमसीमचन
लागी मैनलाग्योनचननवेलीनेहमरसै ॥ कंतबिनकैसे
अंतधीरजधरैंगीआली मानगढअंतकवसंतलागोदरसै
॥ ३७ ॥ तारेजहाँसुभटनगारेपिकनादतहाँ पैदलच-
कोरकोरवैंधेयंदवेसकी ॥ गुंजरतभौंरपुंजकुंजरतमोरज-
हाँ पौनझकझोरघोरघमकहमेसकी ॥ भनतकबिन्दसर
फौजहैवसंतआली मिलतंतकंतसोमनोजमानयेसकी ॥
मानवारीगढ़ीपैगुमानढाइबेकोंचढ़ी चढ़ीहैसवारीपानि
साफरनरेसकी ॥ ३८ ॥ मदमतवारेभारेभौंरगजगुंजरत
मुनिजनदेखिगीतगावतउमाहके ॥ कोकिलनकोबबोल
करतकलोलआगे पौनहलकारेआलीछूटेचितचाहके ॥
मोहनसुकबिजीतिसिसिरतगीरकीन्हे बसकरिलीन्हेदेस
रहेनानिबाहके ॥ यहजियजानमानकरनागुमानआली
डेरापरेआगनवसन्तबादसाहके ॥ ३९ ॥ बोलिकैमलिन्द
मन्दकरखासुनावैंसोर दुंदुभीधुकारबोलैंकोकिलाअगा-
हके ॥ बन्दीजनबिरदपपीहाबोलैंबारबार खोलैंसुसबो-
हैतरुसुमनअबाहके ॥ चटकैगुलाबचहुंओरतैंचटाचटकै
मानोजंगजीतबाढ़दागतसिपाहके ॥ परीहैपुकारबिरही-
निनिकेद्वारद्वार डेरेपरेआगनवसन्तबादसाहके ॥ ४० ॥
सूरसहकारसीसबौरनकेतोरकरै मोरनकीबानीबेसबा-
जैरतिनाहकी ॥ परिभूतबंदिजनबेहदबिरदबोलैं झं
झापौनढाढ़ोलखियाढ़ीपौरदाहकी ॥ कहैप्रहलादकबि

हैमृदुमञ्जरीरसालकी ॥ ३२ ॥ फूलैंगेंअनारकचनारनह सुतआम फूलैंगेंसिरिसऔपनसफूलसूलैगी ॥ फूलैंगीसुपी ड़रऔमालतीअमिलतास सेमरपलासफूलिआगिरूपतू- लैगो ॥ फूलैंगींकनैरमाधवीचमेलीरघुनाथ फूलैंगेंगुला- बजिन्हैंदेखिचेतभूलैगो ॥ विरहकोविरवालगायोजोनक न्तसखी आवतबसंतकहौबहोअबफूलैगो ॥ ३३ ॥ भूलेभू- लेभौंरबनभाँवरैभरैंगेंचहू फूलिफुलिकिंसुकजकेसेरहिजा यहैं ॥ द्विजदेवकीसोंवहकूजनिविसारिकूर कोकिलकलं- कीठौरठौरपछितायहै ॥ आवतबसन्तकेनऐहैंजोपैस्या- मतोपैवावरीवलायसोंहमारेहूउपायहै ॥ पीहैंपहिलेहीतें हलाहलमगाय याकलानिधिकीएकोकलाचलननपायहै ॥ ३४ ॥ विकसीवसन्तिकासुगन्धभरीशिवकवि औरैढङ्ग भयेबनकुञ्जकीपलीनके ॥ कोकिलकेकलकलकलनहिंदेत पल चारौंओरसोरसखिसुनियेअलीनके ॥ ऐसीसमैमान प्रानपतिसोंनकीजियेरी मेटिवेकोमानमाननीकीअवली नके ॥ देखोरतिराजकाजरितुराजकारीगर गुरुजवनाये हैंगुलाबकीकलीनके ॥ ३५ ॥ कोकिलनसोजिनकोंचहूलै अनेकफिरैं चारोंओर[illegible]दिवोलैं दरदौलतदराजमहराज रितुराजको ॥ ११ ॥ उसनकुटजवनचंपकपलासवनफू- लीसबसाखाजेहरतिजनचित्तहैं ॥ सेतपीतलालफूलजा- [illegible] आछेअलिअछरजेकाजरकेमित्तहैं ॥ गे [illegible] बैठेद्विजकोकिलकरत [illegible] ॥ कागदरगींनमेंमयीनहूँयसंतलिखे मानो

लाग्योपरसै ॥ फूलेद्रुमपुंजनपैंगुंजनमधुपलागे मंजुफूल
वृन्दलागेमकरंदवरसै ॥ सेखरधमारिनकोधूमसीमचन
लागी मैनलारयोनचननवेलीनेहमरसे ॥ कंतबिनकैसे
अंतधीरजधरैंगीआली मानगढअंतकवसंतलागोदरसै
॥ ३७ ॥ तारेजहाँसुभटनगारेपिकनादतहाँ पैदलच-
कोरकोरबाँधेयंदवेसकी ॥ गुंजरतभौंरपुंजकुंजरतमोरज-
हाँ पौनझाझकोरघोरघमकहमेसकी ॥ मनतकबिन्दसर
फौजहैवसंतआली मिलंतंतकंतमोमनोजमानयेसकी ॥
मानवारीगढीपैगुमानढाइबेकोंवढी चढीहैसवारीयानि
सांकरनरेसकी ॥ ३८ ॥ मदमतवारेभारेभौंरगजगुंजरत
मुनिजनदेखिगीतगावतउमाहके ॥ कोकिलनकावबोल
फरतकलोलआगे पौनहलकारेआलीछूटेचितचाहके ॥
मोहनसुकबिजीतिसिसिरतगीरकीन्हे वसकरिलीन्हेदेस
रहेनानिबाहके ॥ यहजियजानमानकरनागुमानआली
डेरापरेआगनवसन्तबादसाहके ॥ ३९ ॥ बोलिकैमलिन्द
वन्दकरखासुनावैंसोर दुंदुभीधुकारबोलैंकोकिलाअगा-
हके ॥ बन्दीजनबिरदपपीहाबोलैंबारबार खोलैंखुसबो-
नावसालसुनिकोयलकुहुकिदन ... ओरतैंअटाचटकै
जोमफुल्लमल्लीमालतीमतल्लीवल्ली अवलीअलीनकाकली
नकलगीतैगे॥पंडितप्रवीनबिनपीतमबहैगेपौनकौनर-
तिरंगमैअनंगजंगजीतैगे ॥ बीतगयोकैसोंकरिसिसिर
हेमंतआली कंतबिनकैसेंपायसंतरितुबीतैगे ॥ ४१॥ घ-
नवनबीथिनतेंघरघरघेरिरहे लाळपरिलागतनजानिप-

रैंकारेसे ॥ गावतसमाजकेंआवतनवाज राजकरोयेनि-
लजछकेंछाकमतवारेसे ॥ गोकुलवसंतमैंवियोगिनकेजा
रियेकों होरीसीहियेमेंहरपितनिरधारेसे ॥ भीजेमकरंद
सोंपरागलपटानेदेखे। मधुकरडोलतफिरतफगुहारेसे५०॥
मधुकरमाधवनवेलिनकेजालपर कोकिलरसालपरकुहु-
कअमंदकी ॥ मंदपवनसीतलसुवासभईयागन विलास
भईकालिदासरासमकरंदकी ॥ देखियेसयानवैसाखमेंप-
यानकरैं कान्हकोंदयानहोतगोपिनकेवृन्दकी ॥ कैसेंदे-
खिजीहैंचढ़िचाँदनीमहलपर सुधाकीचहलवसुधाकीचा-
रुचंदकी ॥५१॥ आवतिचलीहैयहविपमवयारिदेखु दवे-
दवेपायनकिवैंारनिलरजिदै ॥ कौलियाकलंकीनकोंदेरी
समुझाय मधुमासीमधुपालिनकुचालिनतरजिदै ॥ आ-
जव्रजरानीकेवियोगकोदिवसतातें हरेंहरेंकीरयकवादि-
नहरजिदै ॥ पीपीकैपुकारिवेकोंखोलेंज्योंनजीहन पपी-
हनकेजूहनत्योंयावगीवरजिदै ॥ ५२ ॥ फूललाईफलला-
ईनीकेनीकेदललाई चौरलाईवनितासुआइधनगावैना ॥
हरलालदोऊकरजोरकहौंतोसोंवीर पीरऔरहूकीजानि-
हियोतरसावैना ॥ नेहसरसावैतूंनरंगवरसावैमोसों पं-
चसरपावककीचाँचरमचावैना ॥ चोवाचारुचंदनअत-
रदरसावैजानि कंतविनमालिनवसंतमोहिभावैना ॥५३॥
घसोघसोचंदनउसीरसीरनीरेधरो नीरलावोसीतलस-
मीरलागैगरमै ॥ घेरोघनसाररीगुलाबजलधारनसों
लावोदलनीकेनलनीकेनयेनरमै ॥ देउरीकियरैकोजनि-

फरोनद्वारैं सुनोआवतवसंतयोंपुकारैंघरघरमैं ॥ भूलसी गईहैंसुधिदेखिफूलीधूरिधारा हूलसीमचीहैंबिरहीनके न गरमैं ॥ ५४ ॥ मलयसमीरपीरकरिलैअधीरमोहि नेसु-कसुसीरनीरधीरनउधारिलै ॥ कहैहरिकेसचंदझारिलैघ-रीकतूंहू सैांचीविपकंदचारुचाँदनीपसारिलै ॥ अबही मिलतमोहिनंदकेदुलारेप्यारे तौलौंतूंउतारकारीकोकि-लकहारिलै ॥ गारिलैगरबगरबीलेतूअनंगकिन मेरेइन अंगनअनंगयानझारिलै ॥ ५५ ॥ सैांझहीसोंदरपरदा-नदैहैंदुरिरही एकजियसंकायाकलानिधिकसाईकी ॥ कंतकीकहानीसुनिश्रवनसिहानीरैन रंचकविहानीयाव-संतअंतघाईकी ॥ कलकोननेकोआलीपलकोलगनपाई ट रिकितगईनीदनैननमैआईकी ॥ कुहूकहूकोइलकुमति-मैउघारैहूग जागिकैजोदेखौंज्वालजरतजुन्हाईकी ॥५६॥ प्यारेकेबियोगआलीउठीआगिवृन्दावन जरतींसहेटकुं-जैंसुन्दरीमहामहैं ॥ बौरेकचनारअैांचउठतिपलासम-तें कुसुमकरीलडीठपरतिजहैंाजहैं ॥ मंसारामतिन्हैंभे-टिआवतसमीरवीर तयोजालतनतातीलागतितहैंातहैं॥ मृगअधमारेबिललातहैंभैंवरकारे कोयलहूकीपलैं पुकार तींकहैंाकहैं ॥ ५७ ॥ आवदुरकायदैंगुलावखसकेवराको चंदनचमेलीबेलामाधवीनिवारीमैं ॥ जुहीसोनजुहीजा-हिचंपककदंबमिली सेवतीसमेतअेलामालतीनिकारीमैं॥ रघुनाथइनकोचिलोकियोनभावैहमैं कंतविनआयोवसं-तफूलवारीमैं ॥ भागिचलोभैासरअनारकचनारनतें आ-

गिउठीआवतिगुलालाकीकियारीमै ॥५८॥ कुंजकुंजप्रति-
गुंजरतदेखुअलिपुंज कूकैंकूरकैलियाकहाँलौंधीरधरिबो ॥
त्रिविधिसमीरआनितीरसोलगतहियें उमगैगभीरपीरकै
सेदिनभरिबो ॥ कहैशिवकविहायप्रगट्योवसंतसमैं वि-
नवनमालीआलीभोजरूरमरिबो ॥ सेमरअपारनमैकिंसु-
ककीडारनमैं भयेकचनारनअँगारनकोफरिबो ॥ ५९ ॥
पातबिनकीन्हेऐसीभाँतिगनबेलिनके परतनचीन्हेजेवेल
रजतलुंजहैं ॥ कहैपदमाकरबिसासीयावसंतकेसु ऐसेउ-
तपातगातगोपिनकेभुंजहैं ॥ ऊधोयहसूधोसोसँदेसोक-
हिदीजोभलें हरिसोंहमारोहँयानफूलेवनकुंजहैं ॥ किंसुक
गुलाबकचनारऔअनारनकी डारिनपैंडोलतअँगारनके
पुंजहैं ॥ ६० ॥ मंजुमल्लिकानकेमधुरमकरंदहेत रिन्दवेमि-
लिन्दजिततिततेंपिलैलगे ॥ जोहिजोहिचाँदनीमनायेवि
नमोहिमोहि माननीसमूहप्रानपतिनमिलैलगे ॥ कहैशिव-
कविक्योंवसन्तबिनकन्तबीतै त्रिविधसमीरडोलिदाहन-
दिलैलगे ॥ किंसुकके जाललालऊलालबनबीथिनमैं फूलनके
मिसआलीआगिउगिलैलगे ॥६१॥ लाललालकेंसूफूलिरहे
हैं विसाल संगस्यामरंगभेट्रमानोमसिमैमिलायेहैं ॥ तहाँम
धुकाजआयबैठेमधुकरपुंजमलयपवनउपवनवनधायेहैं ॥
सेनापतिमाधवमहीनामैंपलासतरु देखिदेखिभावकंवि-
साकेमनआयेहैं ॥ आधेअनसुलगिसुलगिरहेआधेमानो
बिरहीदहनकामक्वैलापरचायेहैं ॥६२॥ कंतबिनभावतवस-
न्तलागेअंतकसो तीरऐसेत्रिविधसमीरलागेलहकन ॥ सा

नघरेंसँगमेचँदनघनसारलागे खेदलागेखरँमृगमेदलागे महकन ॥ फाँसीसेफुलेललागेंगाँसीसीगुलाब अरूगाजअ रगजालागेचोत्रालागेचहकन ॥ अंगअंगआगिऐसेकेस-रिकेनीरलागे चीरलागेवरनअत्रीरलागेदहकन ॥ ६३ ॥ वेइदलफूलजिन्हैत्राढ़तत्रिलोकिफूल सूलसमतेभयेसमूल छविसारीसो ॥ सेवकवखानैतेईठौरठौरक्रौरतहैं भौंरन केतौरऔरव्हैगयेमहारीसो ॥ सीतलसमीरसोइपीरकों करतहाय धायधायपरतपरागरागधारीसो ॥ जायनक हन्तकोइकीजैकौनतंतराम कन्तबिनह्वैगयोवसन्तअन्त कारीसो ॥६४॥ किंसुकसमानकेनिसानफहरानलागे वन्दी जनभीरभारीभौंरहूगलाकरैं ॥ पंचसरसाथहाथलीन्हेहै नवीनसर सीतलसुगंधमंदमारुतचलाकरैं ॥ वगरिउठेहैं-रीत्रिलोकिवैरीचहूं ओर हूहेंकरिधावैंभटकूहैकोकिलाक रैं ॥ हायत्रिनकन्तकोसहायकरैमेरीअब आवतवसन्त त्रिरहीनपैहलाकरैं ॥ ६५ ॥ विटपलताकढ़ीहैचाँपढ़ाप-सीवढ़ीहै सेसरचढ़ीहैअलीअवलीसुधरिकै ॥ सुमनसुमन जानेवेइसरऐँचिताने महात्रिपसानेजेपरागरहेभरिकै ॥ आहठयिचाखोचटकाहटकलीनपाखो मास्योयहचाहत मोत्रारकअकरिकै ॥ जैहौंजरिमैनआजुजौहरकैताहीपर पावकसिखापलासपल्लवपकरिकै ॥ ६६ ॥ फूलनलसंतए-ताअनलअनंतराजैं वाढ्योकामतंतसोवसन्तकोवहारमै॥ धूंधुरपरागनधुवाँकीधुधुकारहेरि हारनमैहैनहींअगारन अगारमै ॥ दहरदहरवनदेखिकेकहरत्यागि लागियापहर

दुखसागरकेपारमैं ॥ सासनसोंमैनकेविनासनकोंदेहकरु आसनकोंसेवकपलासनकीडारमैं ॥ ६७ ॥ हारनमेंफूलको बिदारनबिदारनतें धारनकल्योनदुखधारनकोपारपैं ॥ कैलियोकीकूकनिअचूकनिसरनखाय टूकनभयोपैगयो हूकनकीढारपैं ॥ सालकरिसालनरसालनकेसालनकी कीन्हौमीरमालनउतालनसुतारपैं ॥ सासनसोंमैनकेविनासनकोंदेह करुआसनकोंसेवकपलासनकीढारपैं ॥ ६८ ॥ मदनमहीपकोसमंतबलवंत दिसिबिदिसनिबीरालैबसंत उठिधायेहैं ॥ करतनवारनअवारनप्रतापजाको संकर घखानियोंअजयगुनगायेहैं ॥ फिरतदोहाईभौंरझौंरनके व्याजकूर ललकारैंकोकिलकीकूकनिगनायेहैं ॥ फूलेये- पलासकेनफूलकाढ़िकाढ़िमानो नेजेमैंवियोगीकेकरेजेलटकायेहैं ॥ ६९ ॥ उयैंरहेसुजानतिन्हैजातपारदेसकोंन व्हैरहेतेभौंरामिसिकोरतिविहीनके ॥ फूलमिसिमानोडार पानिपरपेखिरहे आनदअतूलहोयसोभउभहीनके ॥ कहैकाणिदेयखरेदेखिकैंपलासनकों जानिकैंमलासनबिलोकियलहीनके ॥ याढ़िकैंसुतेजवानयधिकयसंतयली मानोदीनकाढ़िकैंकरेजेबिरहीनके ॥ ७० ॥

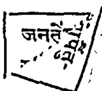
॥ अथ समन्तान्तरगतहोरीवर्णनं ॥

टौरठौरचाँचरचुहुलमचीचंगनकी अंगनकीओरदसाओरैरूपछायोहै ॥ आनदउरनअतिअमितअखंडछायो नागरमिलनदिनदायदरसायोहै ॥ लाजऔरुपाईतिय संगलैयियेरूपति भाउयोंब्रजमैंतैमारयाननदमायोहै ॥

प्रौढीप्रीतजागननवलनेहलागनकों फागुनसनेहिनकेआ गनतेंआयोहै ॥७१॥ आईबरसानेतेंअकेलीकोऊजसुधापै ग्वालनभिजोइडारीखेलवीजव्वैगयो ॥ सुनपुरआनतेंदु- लारीचलीकीरतिकी घूमरचपरीआरीगारीघोषव्वैगये॥ नागरिचमकिरहीचपलासीचहुंओर घेरेघनस्यामशब्द हेहोलोकव्वैगयो ॥ घरुलालतरुलालकेकीसुकपिकलाल घुमड्योगुलालब्रजलालमईव्वैगयो ॥७२॥ लोलचियलो चनअलोलझलकतछवि छलकतद्युतिमनिकिरिनकपोल मै ॥ दीपतिलिलाटतेंछुटतचिघटतपट नटतकिसोरभृकु टीलटकलोलमै ॥ आजनंदलालसोंसुनवलकिसोरीहोरी खेलतलसतविहँसतवरबोलमै ॥ रंगझरझेलतपछेलत अलीनं मुखमीडतगुलालमिलिजातफिरगोलमै ॥ ७३ ॥ अँचराउरोजनतेंखुलिखुलिजातप्यारी फेंकैपिचकारीभा- रीलागीरंगवरसात ॥ कहतवनैनकछुदेखतहीआवैवनि मैनकामिनीसीदामिनीसीदुतिदरसात ॥ कुचउचकोहैं लचकोहैंमध्यदेसवेस बेनीकविआननअनूपछविसरसा- त ॥ छाइजातआनदलजायजातगोरीसुनि चोटकरि कान्हपैंअलीकीओटआइजात ॥ ७४ ॥ खेलिवेकोंफागु देवदारासोंउतरआई दीरघदृगनदेखिलगतनाहिंपाल- कैं ॥ उरसदुकूलदरसतभुजमूलवर उन्नतउरोजहारहीर नकेझलकैं ॥ बेनीकविभूपरधरतमंदमंदपाँवे आननके ऊपरअनूपछविछलकैं ॥ लाललालरंगभरीमदनतरंगभ- री बालभरीआनदगुलालभरीअलकैं ॥ ७५ ॥ अँचरउरो

जनतेंखुलिखुलिजात प्यारीफेंकैंपिचकारीभारीलागीरं-
गबरसात ॥ कहतवनैनकछूदेखतहीआवैवनि मैनका-
मिनीसीदामिनीसीदुतिदरसात ॥ कुचउचकोहैंलचकोहैं
मध्यदेसवेस वेनीकविआननअनूपछविसरसात ॥ छा-
इजातआनदलजाइजातगारीसुनि चोटकरिछैलपैंसखी
कीओटआइजात ॥ ७६॥ नंदकेकुमारकीअपारपिचकारि
नकी धीरनपैंधारतेसँभारनसभौंरगई ॥ गायगायधाय
कैधमारियोंमचाईधूम तासुधीरधारिनसोंधीरतानधारि
गई ॥ मणिदेवभनतगवँारीकहिगारीदैकै ग्वालिनिको
कालिहजोगुमानैनिजगारिगई ॥ वीरकीसोंवीरवलवीरपैं
अवीरसोई भीरमैंअभीरकीअभीरिआजुमारगई ॥ ७७ ॥
होंरीआजचोरीकीकहेंारीकहामोरीदई लाडिलीपठाईभु-
जगहनसहेलीको ॥ भोरेभायभावतोगहायगयोजानवू-
झि आयगयोसंगमैंमचायरंगरेलीको ॥ ललितालचायो-
लंकवाँहदैविसाखागरे डारिहियहारहरिआनदचमेली-
की ॥ प्यारीलैगुलालनन्दलालमुख मीडेजौलौं तौलौंछैल
छैगयोकपोलअलवेलीको ॥७८॥ होरीकेदिवसकहूं गोरी
राधिकाकोंदेखि कान्हजियमाझयोंविचाखोबुद्धिवीछे-
तें ॥ आजुविनरँगेकेहु छाड़िहौंनलाडिलीकों घातनमैंला
ग्योफिरैआनदेकेईछेतें ॥ कहैचिरजीवीत्योंहींलालपिच-
कारीलैकै लपक्योंप्रियापैंप्रियाभागीतकितीछेतें ॥ ओढ़-
नीसरकिचोटीपीठयोंलखातमानो इन्दुभाजयोजातओ
फनिन्दपख्योपीछेतें ॥ ७९ ॥ मचरहीफागुऔरसवसघही

पैंघालैं रंगऔगुलाललालख्यालअवलोकोंमैं ॥ मैंखिन
हीठाकुरलगायैंघातघूमैंघेरि देखौंअबजातकितैइतउतें
रीकोंमैं ॥ गहिलेहौंगाफिलकैछनमैछबीलेछैल छेदिकै
छलीजूनिजनैननिकीनोकोंमैं ॥ ओटैंव्हैकरतपिचकारि
नंकीचोटैंकहा सौंहैंआवसौंवरेसराहौंतवतोकोंमैं ॥८०॥
बावरेनहोउसुनोसांवरेबिहारीतुम छनमाहिंरावरेगरू
रकोंनिकारैगी ॥ राधामहरानीजवऐहैउमगानीतव रा
वरीसुवानीवरवचनविसारैगी ॥ मणिदेवमनतवखान
कीचलैंकीतासु रावरेसखानकीनभोरकोंबिचारैगी ॥ ख
रेहौगुलालकैकिलालमैंतयारपर देखलहोलालतुमैलालव
रिडारैगी ॥८१॥ घूंघरिउमंगसोंमचायहौंअबीरनकी संग
लियेमदनतरंगभरीगोरीमैं ॥ रसवरसायदरसायहायभ
यतिन्है गाफिलकरोंतोअपजानकीकिसोरीमैं ॥ सहिकैअ
पारपिचकारिनकीधारसोहैं गरककरोंगीहनुमानरंगरो
रीमैं ॥ खेलनकोंहोरीचहैंमोतेंअरुझोरी परओरीआज
छैलकोंगहौंगीवरजोरीमैं ॥ ८२ ॥ लालकीललकिललि
दौरिदुरिजातहुती छुवननदेतछवितनदुतिजालकी ॥ ज
लकीदरीचोतेंनिहारिमुरिजातिहुती भांतिहुतीमंदिरमें
दुतिसेंमसालकी ॥ सोलकीनसुधिताकोंआजुमणिदेव
कहै हूं गईवसनवारीमदनमहालकी ॥ हालकीसुनोरीचि
तचोरीकरिदौरी अपजानकोकिसोरीझोरीभरिकैगुलाल
की ॥ ८३ ॥ डरोनाअहीरनतैंअगरअबीरनतैं धारिज
नौधारुधारओरनतैंधायोरी ॥ ऐकहाथओडोपिचकारि



इापओटराखिआँखिनचाओरी ।
ड़खिलवारीताहि खेलकोसवादरंग
ोरतिकुमारीकहनोहेरिकैकुमारी कोउ
वारीबाँधिलावोरी॥८४॥सुनतनिदेसस
असस... मिस चलीएकएकगहेंगरबअकरिकै ॥ क
बरीसमेटिबँधोसवरीसुभगसुचि लहगोंजवरकस्योलंक
मैजकरिकै ॥ गिरधरदासहाथफूलकीछूरीलैधाई छविसों
अतूलहोरीहोरीसोरकरिकै ॥ चपलासीचमकिचहूँघाँसों
चपलचारु चंदमुखीलीन्होब्रजचंदकोंपकरिकै॥८५॥आज
ब्रजराजवृजवधुनसमाजसंग लाजतजखेलैंफागुगोकुल
नगरमैं ॥ उडतगुलालछितिअंबरभयोहैलाल छिरकैंगुला
लछूटैंपिचकैंडगरमैं॥गहीआयअचकैअकेलीहरिहाथधी-
र गोपीभाजिदुरींभौनभीतरबगरमैं ॥ अतरअबीरतरब-
तरसरीरकीन्हे सतरउरोजभीनेचन्दनअगरमैं ॥ ८६ ॥
रङ्गभरीकंचुकीउरोजनपैतँगीकसी लागीभलीभाईसीभु
जानकखियनमैं ॥ कहैपदमाकरजवाहिरसेअङ्गअङ्ग ईंगुर
सेरङ्गकीतरङ्गनखियनमै ॥ फागुकीउमङ्गअनुरागकीतरङ्ग
वैसी तैसीछविप्यारीकीविलोकीसखियनमै ॥ केसरि-
कपोलनिमैमुखमैतमोल भरीभालमैगुलालनन्दलालअँ-
खियनमैं ॥ ८७ ॥ एकैसङ्गहालनन्दलालऔगुलालदोऊ
हगनगयेजोभरिआनदमढ़ैनहीं ॥ धोयधोयहारीपद
माकरतिहारीसौंह अबतोउपायएकोचित्तमैचढ़ैनहीं ॥
कहाकरोंकहँाजाँउँकासोंकहोंकौनसुनै कोऊतोनिकारो

तातेंदरदयदै नहीं ॥ ऐरीमेरीयोरजैसेतैसेंइनआँखिनतैं फढिगोअबीरपैअहीरकोफढै नहीं ॥८८॥ खेलोमिलिहोरी घोरोकेसरकमोरी फेकोभरिभरिझोरीलाजजियमैंयिचा-रोना ॥ डारोयहुरंगसंगचंगडफ्रजायोगायो सयहिरिझा घोसरसाथसंकधारोना ॥ जोरिकरकहतिनिहोरिहारिचं दप्यारे मेरीघिनतीहैएकताहितुमटारोना ॥ नैनहैंचकोर मुखचंद्रसोंपरैगीओट यातेंइनआँखिनगुलाललडारोना ॥ ८९ ॥ आईफागखेलिकेसकेलिसुखसाँवरेसों सुन्दरि सुघरसोसनेहसरसावैहै ॥ केसरिकैरंगभीनीचुनरिसुरंग रंग अंगनअनंगकीतरंगदरसावैहै ॥ राजतअनोखोआ-धोयदनगुलालमढ्यो कहतकिसोरसोअनूपछविछावैहै ॥ अमलअभंगअछोउतसाहसानोमानो अरुनघटातैंससि-निकसतआवैहै ॥९०॥ आईखेलिहोरीकहूं नवलकिसोरी भोरी योरीगईरंगनसुगंधनझकोरैहै ॥ कहैपदमाकरएकं-तचलिचौकीचढ़ि हारनकेयारनकेयन्दफन्दछोरैहै ॥ घा घरेकीघूमनिउरुनदुयोचैंपारि आँगीहूउतारिसुकुमारि-मुखमोरैहै ॥ दन्तनअधरदाबिदंदरिभइसीचौंप चौवर पचौघरकैचूनरिनिचोरैहै ॥९१॥ बागकेयगरअनुरागभ-रीखेलिफाग आईअलबेलीमनमोहनीगोपालकी ॥ का-लिदासललितललोंहोंछविछलकति नथमुकतानकीक-पोलनकीभालकी॥ राजकरोइन्दुअरविन्दसोंनकाज आ-जदेखिवेकोंसोभायाकेयदनरसालकी ॥ बरुनीपलकपर-भृकुटीतिलकपरघूमरीअलकपरझलकगुलालकी ॥ ९२ ॥

फागुखेलस्यामसंगसदनसिधारीप्यारी राजैदुतिदामिनी सीभामिनीभरीअनंग ॥ कविरायरानायैठिरतनसिंघासनपै दर्पभरीदर्पनलैभूपनसँभारैअंग ॥ चंदमुखचंदन तैंचन्दकीकलासीखासी कंचनकीभारिनमैजलभरिलाइ गंग ॥ कोमलकपोलनतैंधोवतीगुलाललाली त्यौंत्यौंहोतिआलीअतिगहवगुलाबीरंग ॥१३॥ साँझहीतेंखेलतरसिकरसभरीफाग भयोअनुरागरागगावैंरीझिपगिपगि॥ केसरगुलालसोलबढिरह्योरघुनाथ रूपकीठगोरीडारिगोरींडारींठगिठगि॥ ओड़रकेकिनकायौंलालकेवदनपर निरखिजुन्हाइयौंचएसेलसैंजगिजगि ॥ मानोफूल्योवारिज विलोकिकलानिधिआली किरनैंचलाइँतेलुनाइरहीलगिलगि ॥ १४ ॥ छाईछबिहीरनकीरविजोतजीरनकी सुखमागँभीरनकीचिलकारीअलकैं ॥ अवलाअहीरनकीपोपीदधिछीरनकी सोनेसेसरीरनकीगारोदेतवलकैं॥ पिचकारीनीरनकीमारैंसमतीरनकी देहुदानचीरनकीमागिबेकोललकैं ॥ सोहैंकरिवीरनकोउड़नअवीरनकी लालीमुखवीरनकीवीरनकीझलकैं ॥१५ ॥ मारकीमरोरवेसुमारसोंफिरैनसहैं मारकुंकुमानकीउरोजनपैंगारीरी॥ लालरंगहूँगयोकिलालकालिंदीकोसब डारैंवहुलालपैंगुलालनकीझोरीरी ॥ मणिदेवभनतकरोरैंकरिभावधाल घोरैंरंगदौरैंचहुंओरैंरंगबोरीरी ॥ आनदसमाजकीहैजामैसुधिलाजकीन आजकीअनूपव्रजराजकीसुहोरीरी ॥१६॥ खेलतहैंहोरीहरिराधेआजवृन्दावन ऐसीजुरीभीरअंग

अंगसोंछिलतहै ॥ बालकोमयंकमुखमंगलसोदरसा जग्रबाकेकरकेगुलालसोंमिलतहै ॥ घूंघुटउघारतकरत बारबारचोट बालमुखस्यामचीरऐसेंसिकलतहै ॥ मानो प्रभुआगेराहुवैरनिजलेनकाज चंदगुनहींकोलैगिलतह गिलतहै ॥ ९७ ॥ मोतीकलगंगनीलसारीकालिंदीके संग डस्योलालरंगरूपभारतीकोभरिगो ॥ सेवकभनतके हियोकोअनुरागजागि उमगिअदागआजऊपरउघरि गो ॥ ललकिललानेमूठियादलाकोमारीतापैं सनखउरो जपरऐसोअनुसरिगो ॥ मानोभानुपूरकलाआपनीकोंसू मानि हूं कैचंद्रचूरचंदचूडपैंबगरिगो ॥ ९८ ॥ किरिनि सीकढिआईअंगनाउघारेगात कविपजनेसछैलछिति छहरिगो ॥ ऊभकिभपाकमुखफेरप्यारेरुखओर हेरह हरखहिंमंचलपैंअरिगो ॥ आधोमुखमलतअधीरतेंमुके ससाथ नखरेखचिन्हितउरोजनपेंझरिगो ॥ मानोअ चंद्रकोप्रकासअद्दु चंद्रिकापे हूं कैचन्द्रचूरचन्द्रचूडपैंबग रिगो ॥ ९९ ॥ फरसजरीकोनगजटितउघटितमनि मं डितवितानब्रजभारीभीरभरिगो ॥ कविपजनेसक्रीटकुं डलकिसोर मुखमंडलकपूरधूरधूंधरधुधरिगो॥गोरीके लालभस्योकुंकुमायोंलाग्योजाग्यो बिथुरिउरोजपैंअदा तेंसोबगरिगो ॥ फोरतममंडलब्रह्मडतेंउमंडमानो अख उदोतहेमगिरिपैंबगरिगो ॥ १०० ॥ उमहीकिसोरीब्रप भानकीहरपहोरी सोहेंसंगगोरीथोरीकेसरमईमई ॥ पि चकीजरावजरीभरीलालरंगनतें मोहनकेमुखदईछबिसे

मेरेजानकाहूरूपभानजगमोचनकों तीसरोत्रिलोचनको लोचनखुलायोहै॥१०४॥जेयेंबिनाजीरनसोजलकोजिकिर जिभ जस्योजातजगतजलाकनकेजोरतें ॥ कूपसरसरिता सुखायसिकतामैभई धाईधूरधौरनधराधरकेओरतें ॥ वेनीकविकहतअनातपचहतसब अगिनसोआतपप्रकास चहुंओरतें ॥ तावासोंतपतधरामगडलअखगडलसो मारतगढमगडलद्वासोहोतभोरतें ॥१०५॥ घुघुरेदिगन्तभये बिगतवसन्तआली ग्रीपमविपमदिनकाहूनासुहातहैं ॥ तैसेंहीप्रचगडमारतगडनवोंखगडतपै बलितववगडरवहत्चारौंयातहैं ॥ सूखेसेलगतद्रुमरूपेभूखेसलिलसे भंजन भयावनमहाबनफ्फुरातहैं ॥ आवासोजगतभयोतावासी तपतिभूमि दावाभरेभूधरपैंजावासेघुवातहैं ॥१०६॥ ग्रीपममैभोपमव्हैतपतसहसकर वापीतारेनारेनदीनदसूखिजातहै ॥ झंझापीनझरपिझरपिझकझोरिझोरि धूरिधारधूसरेदिगन्तनदिखातहै ॥ ग्रीपतिसुकविकहैआलीवनमालीबिन खालीजगमोहिकैसेंवासरबिहातहै ॥ तावासोअजिरपगलावासोतचतघर भयोगिरिआवासो पैंजावासोधुवातहै ॥१०७॥ प्रबलप्रचगडचगडकरकोकिर निदेखो वैहरउदगडनवखगडघुमिलतिहै ॥ औटिकेकराहीरतनाकरकोतेलजैसें नैनकायिजलकीलहरउछिलतिहै॥ ग्रीपमकीकठिनकरालज्वालजागीयह कालब्यालमुखहूकोदेहँपघिलतिहै ॥ लूकाभयोआसमानभूधरभभूकाभयो भभकिभभकिभूमिदावाउगिलतिहै ॥१०८॥ उछरिउ

छरिन्नेपीछपटैंउरगपै उरगपगकेकिनकेलपटैंलहकिहैं॥ केकिनकीसूरतिजियेकीनाकछूहै भयेएकीकरिकेहरिनथो लतबहकिहैं ॥ कहैंकविब्रह्मवारिहेरतहरिनफिरैं वेहर बहतिबड़ेजोरसोंजहकिहैं॥ तरनिकेतावनतवासीभईभू मि रहीदसहू दिसानमैंदवासीयोंदहकिहैं ॥१०९॥ तपेइत जेठजगजातहैजरतजासों तापतेंतरनिमानोभरनिभरत- है ॥ इतहींअसाढ़उठेनूतनसघनघन सीतलसमीरहियै हीतलभरतहै ॥ आधेअंगज्वालनकेजालविकराळआधे सुखदसमोदहियेंधीरजधरतहै ॥ सेनापतिग्रीषमतपत रितुभीपमहै मानोबड़वानलसोंवारिधिवरतहै ॥११०॥ से- नापतितपनितपतउतपतितैसो छायोरतिपतितातेंबिर- हबरतुहैं ॥ लूबनकीलपटैंतेचहू ओरफ्रपटैंयों ओढ़ेस- लिलपटैंनचैनउपजतुहै ॥ गगनगरदधूधिदसोंदिसारही रूंधि मानोनभभारकीभसमवरसतुहै॥ वरनिबताईछि- तिव्योमकीतताई जेठआयोआततांईपुटपाकसोकरतु- है ॥१११॥ सेनापातिउवैदिनकरकेचलतलुवैं नदनदीकू- वैंकोपिछारतसुखायकै ॥ चलतपवनमुरझातउपवनवन लाग्योहैतवनडाखोभूतलौतचायकै ॥ भीपमतपतरितुग्री पमसकुचितातें सीतहैकछूकतहखाननमैंजायकै ॥ मा- नोसीतकालसीतलताकेजमाइबेकों राख्योहैविरंचिबीज धरामैंधरायकै ॥ ११२ ॥ चयड़करम्नारनम्नकोरतसरोप पौन तोरततमालगनमदंदनभारीसो ॥ घमकैधरनिगि- रितमकैपतापजाको देखतमजेजरेजजगतनिहारीसो ॥

तरुछीनछायासरसोखतसमुद्रवन करनविचारदेखोआ-
तपअगारोसो ॥ छावतगगनधूरिधावतधधातआवैचौं-
पचक्योग्रीषमगयंदमतवारोसो ॥ ११३ ॥ ओवरिनदीव-
रिनतहंखानेखसखाने आपनेबचायबेकोंफिरौंमैत रसि-
कै ॥ रघुनाथकीदोहाईपैपतनकहूंकल लागतहीविहुव-
लहीतिहौंअरसिकै ॥ आजकेपवनकीव्यवस्थाकौनकौन
कहौं आवतहैतरनिकिरनिकौगरसिकै ॥ मलयकेसौंप-
नकेविषकोंकरपिकैकौ दवामैंझरसिकैकीवाड़वपरसि-
कै ॥ ११४ ॥ धूपकौतरनितेजसहसौकिरनिकरि ज्वालन-
केजालविकरालबरसतुहै ॥ तचतिधरनिजगजरतझरनि
सीरी छाँहकोंपकरिपंथीपंछीविरमतुहै ॥ सेनापतिनेक
दुपहरीकेढरतहोत घमकाविषमयोंनपातखरकतुहै ॥ मे-
रेजानपौनोसीरीठौरकोपकरिकोनो घरीएकुबैठिकहूं
घामैवितवतुहै ॥ ११५ ॥ घोरिघनसारनतेंसखिनकचूर
चूर लीप्येतहखानेसुखदीवेकोदुदाड़की ॥ तामैंखसखाने
बनेउजरेयितानै सुरसौनकोसमानैजेनिदानैठानैठाड़की
बहतगुलाबकीसुगन्धकैसमीरसने परतफुहैंहैंजलजंत्रनके
लगाड़की ॥ घिसदउसीरनकेफोरपरदानप्यारे तऊआनि
बेधतिमरीचैंमारतगड़की ॥ ११६ ॥ सीनाघोचहूंकरप-
सीनाकीबहतधार जीनाभयोजुलुमननैनहूंसोंवरमी ॥
सेयकअनतपौनपानीतेंकढ़तिआगि दागिजैयेपरसिनहो
तकयौंनरमी ॥ खसखानेरसखानेगयेह्वैअतसखाने क-
सखानेयैठिकहोपूजैहोसहरमी ॥ ईपमसीहूं रहीनहींप-

मपरतिभूरि भीपमभईहैगाढग्रीपमकीगरमी ॥ ११७ ॥
सीरितहखानेतामैखासेखसखानेसींचे अतरगुलाबकीब-
यारदपटतिहै ॥ भूधरसुधारेहौजछूटतफुहाँरेभारे धारे
तापदाननमैंधूपदपटतिहैं॥ अयसेमैंगवनकहोकैसेकैकी-
जियत सुधासीतरंगप्यारीअंगलपटतिहै ॥ चंदनकिम्रा-
रघनसारकेपगारवीच तऊआनिग्रीपमकीझारझपटति
है ॥ ११८ ॥ अंबरअतरतरचन्द्रकचहलतन चंदमुखीचंदन
महलमैनसालासे ॥ खासेखसखानेतहखानेतरतानेतने
ऊजरेथितानिछुथेलागतहैंपालासे ॥ दत्तकहैग्रीपमगरम
कीभरमकौन जिनकेगुलाबआबहौजभरेलालासे ॥ झा-
लासेझरतझरझाँपनसीधारावाँधे धाराधौंधिछूटतफु-
हारामेघमालासे ॥ ११९ ॥ चादरचहूंघाँसिसिरादरमचा-
इगिरै नहरनिरादरलौंजातिकंपसानेमें ॥ केतेजलजंत्र
सीतजंत्रसेमलैकेचलैं बीजनस्वतंत्रकेतुपारमंत्रमानेमें ॥
फरदफुहारनतेंग्रीपमगरदकीन्हो सेयकर्योंसरदसुयास
दैखजानेमें ॥ संगनबलाकेमनमोहनअनंगराचे माचेर-
सरंगकीतरंगखसखानेमें ॥ १२० ॥ दसौंदिसितचीअवली
कियतग्रीपममें जलथलबिकलअवनिसवघहरी ॥ अमृत
केपुंजदोऊऔंचकमिलेहैंकुंज द्रुमवेलीनीकीतकिछाँहछ-
विगहरी ॥ राधेहरिभूलिपटरूपछाकसखीसुख रसकेस-
मुद्रबढ़ीअनुरागलहरी ॥ चंद्रमासोलागोभानुचँदनी
सोलागीधूप सरदकीरातिभईजेठकीदुपहरी ॥ १२१ ॥
छितिजलअंबरदसौंदिसातचीहैंजात नेकुनसुहातसघन-

नवेलिकारसी ॥ सीरीहूउसीरनकीटाटीआवटीहीजात साटीकरनाटीहूननेकजातपरसी ॥ ताछिनहीआयेकुंज-भौनमेकहूतेंस्याम चाँदनीसीलागीघामसूरजलस्योत्त-सी ॥ दीरघनिदाघकोदिवसघटिकासोलाग्यो होतनयि-तीतजानिछनदाछिनकसी ॥ १२२ ॥ चन्दनमहलमध्यच-न्द्रकचहलचारु चाँदनीसीचिकैचंदचाँदनीसुहाईहै ॥ तर अतरनभीरविजनवयारनीर नहरविमलयारिचौगृदच-लाईहै॥ रजनफुंहारनकीपरसफुहिहैतहाँ परमानदगुला-बकीगिलिबिछाईहै ॥ ग्रीपमगरमधर्मपात्रैक्योंप्रवेसतहाँ जहाँमहराजबृजराजकीअथाईहै ॥ १२३ ॥ कमलबिछा-येवरविमलवितानछाये छविभरेछज्जेदरवज्जेमहराव-के ॥ घनेघनसारकेसँवारेसखिहौजतामे छूटतफूहारेभा-रेकेसरिकेआवके ॥ सौंधीसेजसुमनसिंगारअंगरागहोत रागरंगभरिसुरसरसहितावके ॥ चंदनकीखौरयैदीवन्दन घनायवैठे राधिकागोविन्दआजमन्दिरगुलावके॥१२४॥ खासेखासेखुलेखसखानेखुभयोईदार आसपासछुटत-फुहारियडेतावके ॥ गिरधारीफरससँवारीतहाफूलनकी परेदरपरदादरीचिनमैदावके ॥ चन्दनभिगायेसुखसोपे स्पामास्पामतामे ग्रीपममैऊँपमहेरानीआवतावके ॥ ग-हवगलफगुलगुलीगुलसुईवारु गिलिमगलीचेतरअतर गुलावके ॥ १२५ ॥ झरियतगहरेगुलाबहदहौदनसु घ-रियतरजतफुंहारेततयीरके ॥ ढरियतढारनसुढारननहर नीरदरियतघनसारसरदगंभीरके ॥ करियततरङ्तरन-

सोंविछोनाकियि सोभजूउचरियतथातायननीरके ॥ चं-
दनपलँगअरविन्दनकीसेजपर सुन्दरीसिधारीआजुम-
न्दिरउसीरके ॥ १२६ ॥ रावटीउसीरविछोसीतलपटीर
वीर तीरतीरत्रिविधसमीरझपटतजाति ॥ चंदनकपूर
लिपीदहरैंसुगंधभूमि फहरैंदुहू केपटचितचपटतजाति ॥
छूटतगुलावझरेललितफुँहारेझारे परतफुहीकेहीकेरंगर-
पटतजाति ॥ सरकिसुसोचिसकुचायजसवंतअंक सस-
किसलोनीससिमुखीलपटतजाति ॥ १२७ ॥ होदयीचप
लिकापैंराजतरसिकदोउ चहूं ओरछूटैंजलजंत्रत्योंमहम-
हात॥ लागिकैंगुलायनीरफिरनफुहारअंग रंगवैढिवेनमे-
ननैननिढहडहात॥ सगवगेवारछूटिरहीछटैंआननपैं र-
गमगेरागतानधीनामैंगहगहात ॥ रीझिझीजैलपटातजा-
तगातयातलगि प्रेमकेतमालनेहवेलीज्योंलहलहात १२८
सीतलमहलमहासीतलपटीरपंक सीतलकैलीप्यौमीति
छितिछातिदहरैं ॥ सीतलसलीलझरेसीतलविमलकंद
सीतलअमलजलजंत्रधाराछहरैं॥सीनलविछौननिपैंसी-
तलविछाइसेज सीतलदुकूलपेन्हिपौढेहैंदुपहरैं॥ देयदोउ
सीतलआलिंगननिदेतलेत सीतलसुगंधमंदमारुतकीलह-
रैं॥ १२९ ॥ दोउअनुरागभरेआयेरंगभौन भागमघवास-
विकोलखिलागतमहलहै ॥ वैठेएकआसनपैंएकैसंगएकै
रंग चल्योनापरतअंगकोमलकहलहै ॥ एकनलैअतरल-
गायोदेयदुहुँनके छिरकिगुलावकीन्होविजनयहलहै ॥
एकैकरयीनैंपरवीनैंअलिलैंआलापैं मंजुमुरपुंजनवेगुंज-

तमहलहै ॥ १३० ॥ माधोधामतचीभूमितेसीकामधामधूम प्यारेयनवारीजूनजैयेवनवारीमै ॥ उवटिकपुरचारुचर- चिकैचंदनसों छूटतफुंहारेसुखसेजनसँवारीमै ॥ भूधर सुकयिकहू रयिसोनहेखोलाल प्यारीअंगसंगरंगरीझिरी झिवारीमै ॥ यसोदुपहररतिखानेयालाखानेवीच भोर होतभोनमैअथोतफूलवारीमै ॥ १३१ ॥ आईचलिचंदमु- खीचाँदनीमहलसोभ चमकतत्रादलायसनयितरनसों ॥ चाँदीकेफुहारनतेंफैलतफुहीहैंफूल सेजपरदंपतिछकतर- सरनसों ॥ वार्जैवीनयादकलहंसनअत्रादकिये नूपूरनि- नादयेधरनउतरनसों ॥ तरजयेसोतिनकैसतरमनोरयरी तरभयेपंथकेगुलाब्रजतरनसों ॥ १३२ ॥ फहरैंफुंहारेनीरन हरैंनदीसीवहैं छहरैंछविनछामछीटनकीछाटीहैं ॥ कहै पदमाकरज्योंजेठकीजलाकैंजहाँ पावैक्योंप्रयेसवेसयेलि- नकीबाटीहैं ॥ यारहुंदरीनयीचचारहू तरफतैसी वरफ विछाइतापैंसीतलसुपाटीहैं ॥ गजकअंगूरकीअंगूरसेज यौहेकुच आसवअंगूरकीअंगूरहीकीटाटीहैं ॥ १३३ ॥

अथपावस वर्णन ॥

दोहा॰ घनयनयर्पासघनघन चातकदादुरमोर ॥
हरितभूमिआनंदमयपात्रसमदनहलोर ॥ यथा ॥

घेलिनसोलपटेललितलहकारेजये यलिततमालनकेदे खपरैंदरखत ॥ चातकसिखंडीमंदमेडुकरहेहैंनादि झींगु रझनंककरैंजोरसोरहरखत ॥ झंझापोनझूकैऔकुहकैते सोकोकिलाकी अजयेसविरहयधूकेप्रानकरखत ॥ पारा-

वारधारकीधरामैजलधाराभई धारनसौंधाराधरधारि-
धाराधरपत ॥ १३४ ॥ मल्लिकनमंजुलमिलिन्दमतवारेभये
मंदमंदमारुतमुहेममनसाकीहै । कहैपद्माकरतैंनिनदन
दीननित्त नगरनबेलिनकीनजरनसाकीहै ॥ दौरतदरेरी
देतदादुरसेद्वन्दैंदेह दामिनीदमंकतिदिसानमैंदसाकीहै ॥
बद्दलनिवुन्दनिबीलोकियकुलानबाग बङ्गलनिबेलिनब-
हारबरपाकीहै ॥ १३५ ॥ दामिनीदमंकनतैंझिल्लीकोझ-
मंकनतैं दादुरअसंकनतैंउमगउईपरै ॥ बाद्दरतैंबनतैंब-
हारबरहीतैंबेस बेलिनतैंफूलनतैंफहरिफुहीपरै ॥ जलकी
अलूसजेबजोवनजमाजमतैं जुगनूजमकहरियारीतैंहुई
परै ॥ पोहसीपहारनतैंपारावारपारनतैं पौनतैंनबीनारि-
तुपावसचुईपरै ॥१३६ ॥ घुंघुरितघुरघुरवानकीसुछाईनअ
जलधरबारैंधरापरसनलागीरी ॥ द्विजदेवहरीअरीललि-
तकछारेत्यों कदंबनकोडारैंरसवरसनलागीरी ॥ कालिही
तैंदेखिवनबेलिनकोबनक नवेलिनकीमतिअतिअरसन
लागीरी ॥ वेगलिखुपातीयासैंघौंतीमनमोहनको पावस
अवातीयृजदरसनलागीरी ॥ १२७ ॥ घटाघनछतरीपैं
बगपाँतिझालरहैं इन्द्रधनुबेंसरंगबिबिधमढ्योफिरै ॥
दामिनीदमंकसोईझगाकीझमंकमानो बेलिहरीभूमिद-
च्छुतकिपाकढ्योफिरै ॥ बीरकहैसीतलसमीरहीकहारकि-
यै घुरवाखवासरासबिधसौंबढ्योफिरै ॥ प्यारीपहिचान
पतिपत्नीकीपीरिवीरि पंचबानपावसझीपालकीचढ्यो
फिरै ॥१२८॥ उमडिउमडिघनघुमरतआवेपने घोरदेत

निदरिनगारनकीघूमकों ॥ कहतकिसोरचारोंओरनतें जोरावरी जोरदेतजुरबिजुरीनबारीघूमकों॥ झाझमझा पौनतैसीझपटिझकोरैंदेत झोरदेतझालरैंनमालनकी झूमकों ॥ जलजकोंजोरदेतजलदकोंढोरदेत जलधिकों फोरदेतघोरदेतभूमिकों ॥ १३९ ॥ झरपिझरपिझूमिझूमिझरेंजलधर तरफिनरफिउठैंतरिनाघरीघरी ॥ तैसी अभिरामबामकामसोंलपटिघन चिन्तामनिहेरुबेलियन कीहरीहरी ॥ जकिजकिपापीपिकचकिचकिजोरिजोरि तकितकिप्यारीकारीसूरनिडरीडरी ॥ दौरनिगिरतिउझ कतिझुकिझुकिजाति चौंकतिचकतिचकचौंधलिखरीखरी ॥ १४० ॥ झंझाझकझोरनसोंघूकैंचहूं ओरनसों पावसझकोरनसोंअमीसोछन्योपरै ॥ तरुनाइतोरनसोंहियकीहलोरनसों बियासिंधुबोरनसोंननहूं हन्योपरै ॥ बोलतमरोरनसोंदादुरपिकसोरनसों हितमोतीरामकछिकैसेकैभन्योपरै ॥ बादरकीकोरनसोंजलकीचँवोरनसों मोरनकेसोरनसोंमैनउफन्योपरै ॥ १४१ ॥ अमितसिखंडिन कीमंडीधुनिमंडलमैं झींगुरझकोरझिल्लीझारपझारपैंरी॥ चंचलव्हैचपलाचमकैंचहुंबारोंओर चातकचुनौटीपीव पीवहिअलापैंरी ॥ कहैनन्दलालगाढअगमअसाढआयो दादुरदरेरनकीदरतदरापैंरी ॥ एरीउरकापैंप्राननाथकु बुजापैं अबकौनसहैदापैंधुरवानकीधरापैंरी ॥ १४२ ॥ कैसेंधरौंधीरवीरपावसप्रबलआयो छाइंहरिआईछिति तमघनपातीहैं ॥ कोकिलकलापैकेकीचातकचकोरझिल्ली

दादुरहूकीथोकरैंसोरदिनरातीहैं ॥ घासीरामरातीरातील-
तनसुहातीमिलि इन्द्रकीयघूटीचहु ओरदरसातीहैं॥ नट-
केंयटासीछटाविजुरीचमकचारु तड़पिअटासेंघटाघसि
घसिजातीहै ॥ १४३ ॥ लागतअसाढदलसाजिचढ्योमेरे-
पर घेरेलेतमोहिथोलिटेरैंजलसरजे ॥ झिल्लिनकेझुपडय
कझुढतेसुभटसंग बोलतनकीयकेकीकाकेरहैंवरजे ॥ चं-
चलानिसानआसमानफहरानलागे भूधरसुकविकहैये-
हीपंचसरजे ॥ आधेंआधेवैनकहिराघेमेंरहोनचैन मैन
पादसाहकेनगारेआनिगरजे ॥ १४४ ॥ छायछायखसखा-
नेचन्दनलिपायगेह चन्दनवेंधायअरबिन्दनकीक्षापैं-
तो ॥ ग्रीपमकीतीछनतपनतन ओडीअव छोड़ीआसदौ-
ड़ीदैकलापीजोआलापैंतो ॥ वेनीकविकहैआयोआयोरी
असाढअव जीवेकीनआसजियेंदूनीव्हैहैंतापैंतो ॥ अ-
तनतरापैंमनकापैंवारवारवीर आयजैहैंवदरावरायजैहैं
कापैंतो ॥ १४५ ॥ घनघहरानलागेअंगसहरानलागे के-
कीकहरानलागेवनकेविलासीजे ॥ वोलिवोलिदादुरनि-
रादरसोंआठेंजाम ग्रीपमकेदिनलागेविरहविदासीजे ॥
ठाकुरकहतदेखोपावसप्रवलआयो उडतदिखानलागेय-
कुलाउदासीजे ॥ दाबेसेदबेसेचहु ओरनछपेसेवीर घसि
घसिरहनलागेवदराविसासीजे॥ १४६ ॥ आलीरितुग्रीप-
मवितायेदिनपीवविन कठिनकठिनकरिवचीहौंमरीम-
री ॥ अवतोइलाजकोरह्योनकछूकाज लखिउठीयेघटा-
[illegible] ॥ अजहूनआयेहरीझरीजलभ-

रीभूमि चहूं ओरदेखोअनीहोरहीहरीहरी ॥ छूटनलगेरी धीरधुरवानिहारप्रान लूटनलगेरीवोलमोरवाघरीघ-री ॥ १४७ ॥ जलभरेझूमैमनोभूमैपरसतआय दसहूं दि-सानघूमैंदामिनीलयेलये ॥ घूरिधारधूमरेसेधूमसेधूधा-रेकारे धूरवानधारेधावैंछविसोंछयेछये ॥ श्रीपतिसुक-विकहैघेरिघेरिघहराहिं तकतअतनतनतावतेंतपेतये ॥ लालविनकैसेलाजचादररहैगीमोहि कादरकरतआय-धादरनयेनये ॥ १४८ ॥ झंझापौनझूकैलगैंअंगसबहूकै त्योंहीं उठतभभूकैंपंचवानजूकेवानकी ॥ दसोंदिसहूकैंमे-घदौरदेतढूकैंत्योंहीं चातिकउलूकैंभनैदेयनअचानकी ॥ झिल्लीगनमूकैंचुपह्वातजोमरूकैंत्योंहीं जलकीकनूकैंआ-नप्यासीहोतप्रानकी ॥ गयेस्यामजूकैंउपजावैंहियेहूकैं सखी धुरवाकीधूकैंदूजेंकूकैंमोरवानकी ॥ १४९ ॥ कारेज-लधरचहूं घातैंझूरतआवैं दामिनीसोहावैसोजनावैदु-खगाढ़के ॥ झींगुरपपीहाभेपसुकपिकमोरबोलैं डोलत समीरसोकरतआढ़आढ़के ॥ कहैकविरामपीरेअंकुरम-होतेंकढ़ें बकीपीरबनिताकेंदेखेजलबाढ़के ॥ कामकेउ-माहकविरहीअनदाहकये आयेप्रानगाहकबलाहकअसा-ढ़के ॥ १५० ॥ वरूपतमेहनेहसरसतअंगअंग झरसतदेह जैसेजरतजवासोहै ॥ कहैपद्माकरकलिन्दीकेकदम्बनिपैं मधुपनकीन्होआयमहतमवासोहै ॥ ऊधोयहऊधमजना-यदीजोमोहनसों ब्रजसोसुवासभयोअगिनअवासोहै ॥ पातकीपपीहाजलपानकोनप्यासोकाहू विधितवियोगि-

दादुरहूकीथोकरैंसोरदिनरातीहैं ॥ घासीरामरातीरातील-
तनसुहातीमिलि इन्द्रकीवधूटीचहुं ओरदरसातीहैं॥नट-
केथटासीछटाबिजुरीचमकचारु लङ्पिअटासैंघटाघसि
घसिजातीहै ॥ १४३ ॥ लागतअसाढदलसाजिचढ्योमेरे-
पर घेरेलेतमोहिथोलिटैरैंजलसरजे ॥ झिल्लिनकेझुण्डथ
कझुण्डतेसुभटसंग बोलतनकीवकेकीकाकिरहैंचरजे॥ चं-
चलानिसानआसमानफहरानलागे भूधरसुकविकहैपे-
हीपंचसरजे ॥ आधेआधेवैनकहिराधेमेरहैनचैन मैन
पादसाहकेनगारेआनिगरजे ॥ १४४ ॥ छापछायखसखा-
नेचन्दनलिपायगेह बन्दनबँधायअरविन्दनकीझांपैं-
तो ॥ ग्रीषमकीतीछनतपनतनओडीअब छोड़ीआसडी-
डादैकलापोजोआलापैंतो ॥ बेनोकविकहैआयोआयोरी
असाढअब जीवेकीनआसजियैंदूनीव्हैहैंतापैंतो ॥ अ-
तनतरापैंमनकापैंबारबारबीर आयजैहैंबदराबरायजैहैं
कापैंतो ॥ १४५ ॥ घनघहरानलागेअंगसहरानलागे के-
कीकहरानलागेबनकेबिलासीजे ॥ बोलिबोलिदादुरनि-
रादरसोंआठौंजाम ग्रीषमकेदिनलागेबिरहबिदासीजे ॥
ठाकुरकहतदेखोपावसप्रबलआयो उडतदिखानलागेय-
कुलाउदासीजे ॥ दाबेसेदबेसेचहुं ओरनछपेसेवीर बसि
बसिरहनलागेबदराबिसासीजे ॥ १४६ ॥ आलीरितुग्रीष-
मबितायेदिनपीबबिन कठिनकठिनकरिबचीहौंमरीम-
री ॥ अबतोइलाजकोरह्योनकछूकाज लखिउठीयेघटा-
नत्याग्रामदीमरीमरी ॥ अजहं नआयेहरीझरीजलम-

रीभूमि चहूं ओरदेखोमनोहोरहीहरीहरी ॥ छूटनलगेरी धीरधुरवानिहारप्रान लूटनलगेरीवोलमोरवाघरीघरी ॥ १४७ ॥ जलभरेझूमैंमनोभूमैपरसतआय दसहू दिसानघूमैंदामिनीलयेलये ॥ धूरिधारधूमरेसेधूमसेधुधारेकारे धुरवानधारेधावैंछविसोंछयेछये ॥ श्रीपतिसुकविकहैघेरिघेरिघहराहिं तकतअतनतनतावतेंतपेतये ॥ लालविनकैसेंलाजचादररहैगीमोहि कादरकरतआयबादरनयेनये ॥ १४८ ॥ झांझापौनझूकैलगैंअंगसबहूकैं त्योंहीं उठतभभूकैंपंचवानजूकेवानकी ॥ दसोंदिसहूकैंमेघद्योरदेतढूकैंत्योंहीं चातिकउलूकैंभनैदेवनअचानकी ॥ झिल्लीगनमूकैंचुपहोतजोमरूकैंत्योंहीं जलकीकनूकैंआनप्यासीहोलप्रानकी ॥ गयेस्यामजूकैंउपजावैंहियेहूकैं सखीधुरवाकीधूकैंदूजेंकूकैंमोरवानकी ॥ १४९ ॥ कारेजलधरचहूं घातेंभूपरतआवैं दामिनीसोहावैसोजनावैदुखगाढके ॥ झींगुरपपीहामेपसुकपिकमोरबोलैं डोलत समीरसोकरतआढ़आढ़के ॥ कहैकविरामपीरेअंकुरमहीतेंकढे बढ़ीपीरबनितानिकेदेखेजलबाढ़के ॥ कामकेउमाहकविरहीजनदाहकये आयेप्रानगाहकबलाहकअसाढ़के ॥ १५० ॥ बरसतमेहनेहसरसतअंगअंग झरसतदेह जैसेंजरतजवासोहै ॥ कहैपदमाकरकलिन्दीकेकदम्बनिपैं मधुपनकीन्होआयमहतमवासोहै ॥ ऊधोयहऊधमजनायदीजोमोहनसों ब्रजसोसुवासभयोअगिनअवासोहै ॥ पातकीपपीहाजलपानकोनप्यासोकाहू विथितवियोगि-

निकेप्राननकोप्यासोहै ॥१५१॥ स्यामघटानाहींयेतोधूम कीछटाहैंछाई धीजुरीकहाँहैंयेतोझाकैंउठैंधुरमै ॥ गरजकहाँहैघोरफाटैंऐसोथंभनकी जुगनूकहाहैंयेतोचिगैउटैंसुग्मै ॥ मेघबुन्दनाहींयेबुझावतफिरतदेत्र तिनहींकेछींठादेखिआवतअतुरमै ॥ लालचिनदावानलअधकोधच।यंकौन ओरीआगलागीहैपुरंदरकेपुरमै ॥ १५२ ॥ धादरनहोइंदलआयेमैनभूपजूके चंदियानहोयपंचवानफ़रलाइंहै ॥ दादुरनहोइँयेनकीधवोलैंचारोंओर मुरधानहैंाइँहैंकसूरनसुनाइंहै ॥ वगुलानहोइँस्वेतध्वजाभगवंतजूकी चपलानहोयँसमसेरैंचमकाइंहै ॥ धालमाथिदेसयातेंविरहिनजारिवेकों जुगनूनहोयँकामजामकीजगाइंहै ॥ १५३ ॥ अंकुरकुसुमइन्द्रवधूगनचहु ओर करिकैभगोहैंराखेसूखिधेकोपटहै ॥ रूपघनस्यामघटाछटासिरसोहनहै जलहीविभूतिभातिपोनताकेसटहै ॥ हरहरअवाजसुनीजानघरघरजाकी भरिगोतलावबडोखप्परअघटहै ॥ जगकेंविरयोगिनकोंकामनिसदिनदाख्यो सावनहूँ ओगीयोदिखयोमरघटहै ॥ १५४ ॥ राजैरसमैरीतैसीयरपासमैरोचढ़ी चंचलानचैरीचकचौंधाकौंधावारैंरी ॥ पतीव्रतहारैंहियेपरतफुहारैं कछुछारैंकछुधारैंजलधरजलधारैंरी ॥ मनन्कविंदकुंजभौनपोनसौरभसोकौनकोंकँपायकंजपरहथपारैंरी ॥ कामकेतुकासेफूलडोलिडोलिडारैं मनआरैंकियेडारैंयेकदंबनकीडारैंरी॥१५५॥

थानजूकेथानकी॥दसौंदिसिहूकैंदेखिदौरैंमेहहूकैंलगे चातिकउलूकैंमनैदेवनअघानकी ॥ छिन्नोनहिंछूकैंचुपहोयैंजोमहूकैंयोंहीं जलकीकनूकैंआयप्यासीहोतप्रानकी ॥ गयेस्यामजूकैंउपजावैंहियेहूकैं एकधुरवाकीधूकैंदूजेकूकैंमुरवानकी ॥ १५६ ॥ उमड़िघुमड़िघनघेरिकैघमंडकी नो चपलासमेतचहु ओरनतैंझूमरे ॥ निसिदिनजापीतापीयोलतपपीहापापी कूरहैंकलापीऐसेघोरसुनिघूमरे ॥ जियैंगेंवियोगीकैसेंऐसीसमैमहाकवि जोगीतेवैभोगी भयेफोरिफोरितूमरे ॥ देखिमेरीआलीअवमैनकेमत्तंग छूटे धायेआवैंधुरवायेधौरेधौरेघूमरे ॥ १५७॥ उनएते दिनलायेसखीअजहू नआये उनयेतेमेहभारीकाजरपहारसे ॥ कामकेवसीकरनडारैंअन्नसीकरन तातैतेसमीरजेहैंसीतलतुसारसे ॥ सेनापतिस्यामजूकोविरहछहरिरह्यो फूलप्रतिकूलतनडारतप्रजारसे ॥ मोरहरपनलागेघनबरपनलगे बिनुवरपनलागेवरपहजारसे ॥ १५८ ॥ दूरजदुराईसेनापतिसुखदाई रितुपावसकीआईनहिंपाईप्रेमपतियाँ ॥ धीरजलघरकीयोंसुनिधुनिधरकी सोदरकीसोहागिनकीछोहभरीछतियाँ ॥ आईसुधिवरकीहियेमैआनिकरकी कहीओप्रानप्यारेवहप्रेमभरीबतियाँ ॥ बीती औधिआवनकीलालमनभावनकी डगभईवावनकीसावनकीरतियाँ ॥ १५९ ॥ विनघनस्यामधामधामलागतनिकामथाम ओठौंजामदहतअंतनंततनछतियाँ ॥ केकीपिककूकैंहूकैंउठैंएअचूकैंअंग लूकैंदेतदादुरावरहआगतरतियाँ॥

पतियानआईथीरछतियाजरनलागी थतियाँसुहातिना-
हींभूलीगतिमतियाँ ॥ थीतीऔधआवनकोलाठमनभा-
वनकी डगभईग्यावनकीसावनकीरतियाँ ॥ १६० ॥ स-
रदससीतेंअथससीहूँ वचीहौंकयि चिन्तामनितिमिहिमि-
सिसिरऋमकतें ॥ मारतमरूकैंवचीग्रधिकवसन्तहूतें पाव-
कप्रजारवैंचीग्रीपमतमकतें ॥ ऋायोपापीपावसयेप्रान
अकुलानलागे भागेरीअसानघोरघनकीधमकतें ॥ तापतें
तचौंगीजौपैं अमियआँचौंगीआली अवनवचौंगीचपला-
नकीचमकतें ॥ १६१ ॥ गरजिघुमंठिलैसकलमांहिमंडिलैतू
दंडिविरहीनकोंउमंडिकरिऐंठैगो ॥ दादुरपपीहादीहदा-
रुनदिखाईदेत मोरनकोसोरतनतोरकरिपैठैगो ॥ चपला-
ऋपानवृन्दवानसेमथीनवेनी सीतलसमीरप्रानअधिक
अमेठैगो ॥ जारीहोंवसन्तकीलथारीमारीग्रीपमकी पा-
वसकलंकतेरेसोसचढ़िवैठैगो ॥ १६२ ॥ दामिनीदमकसुर
चैंपकीचमकस्याम घटाकीघमकअतिघोरघनघोरतें ॥
कोकिलाकलापीकलकूजतहैंजिततित सीकरतेंसीतलस-
मीरकीझकोरतें ॥ सेनापतिआवनकह्योहोमनभावन सु-
लाग्योतरसावनविरहजुरजोरतें ॥ आयोसखिसावनम-
दनसरसावन सुलाग्योवरसावनसलिलचहुंओरतें ॥ १६३ ॥
कहीदिसिदच्छिनतेंघोरघनघटाचढ़ी बढ़ीविरहीकोंदुख
देनकोंनकमहै ॥ ठाकुरझरोखेह्वैतनकताकीतीय कहैरा
तूगेताकिआलीयाउतहूरङ्गतमहै ॥ कह्योवांहिमेघसौंन
मानेकहैजानेतून गरजतआवैयासुजान्योजोगहमहै ॥

हैनाथिज्जुहैातकिरयारोदाइचमचम जीवसानैआवतज मातजोरजमहै ॥ १६४ ॥ आईरितुपावसपपीहाबोलैंदा दुरये छतियैंदरततापैंविरहमनीकरैं ॥ दौलतकहतहाल सुन्दरसरसथाल लालमणिभूपनविसालनरदीकरैं ॥ चहूं ओरचमकतचपलनचौंधचारु देखिदेखिमृगनैनीनैन ननदीकरैं ॥ विरहिनितियनकेजीयनकेगाहकमे नाहबिन नाहकवलाहकवदीकरैं ॥ १६५ ॥ आवैसेअमलफलाफल ऊकेटोपेसेवे विधिकारीगरनेविचित्रविसतरेहैं ॥ रङ्गत गरूरेलाललहरललामलोने छविकीउमङ्गनसुहायेजलभ रेहैं ॥ ठाकुरकहतपूरेपानिपकेमेरीवीर सुखमाभरेहैंता तेंउपमानकरेहैं ॥ पावसफकीरकेकैमदनअमीरकेये बा सनचिनीकेनीकेठौरठौरधरेहैं॥ १६६ ॥ लाग्योमासावन विदेसोठैंावठैंावनसों आवनलगेहैंकैधौंउन्हेंसुधरीनहीं ॥ कैधौंवहिगावनमैजावनकहतकोऊ कैतोगुनगावनकोरी फअगरीनहीं॥ भनतकविन्दमनभावनतिहारेहम पावन कोंसेवैंतकसीरहूपरीनहीं ॥ द्वतेताहितावनपैतावनलगे होदेह दावनलगेहोकौविदाउनकरीनहीं ॥ १६७ ॥ सीतलसमीरउरतीरसोलगतअरी हरीहरीबेलिनपैंपायकप्रआरदै ॥ दादुरनिदूरकरिपिकनपकरिदैरी बागनकेबाहिरमधुपमोरमारदै ॥ पावसमैपियविनविपतिबढ़ावैं एसु जीवनजिवैवेकोउपायउपचारदै ॥ दामिनीदबायदै तूंयादरविदाकररी बुन्दनथरजिकरियगनविडारदै।१६८॥ पावसप्रथमपियआपनीअवधिसोतो आवतहीअैंवैतौ

सुलावअतिआदरन ॥ नाहींतोनहीलहोनदेरीकीलफा-
यरन ग्रीपमहिंमापिखालीराखिखलखादरन ॥ बीजुरीथ
रजिकहिमचैनगरजि इनगाजमारेमोरमुखमोररीनिरा-
दरन ॥ चोंचनोचचातिकनकंठरोकिकोकिलन दूरिकरि-
दादुरविदाकरीयादरन॥१६९॥ आईरितुपायसनआयेप्रा
नप्यारेयातें मेघनबरजिआलीगरजसुनावेंना ॥ दादुरनि
कहियकियकिजिनफोरैंकान पिकनहटकिमूलिसबदसु-
नावैंना ॥ विरहव्ययामैमैंतोव्याकुलपरीहौंदेव जुगनूच
मकिचितचीनगीलगावैंना ॥ चातिकनगावैंमोरसोरना
मचावैं घनघुमड़िनआवैंजोलौंलालघरआवैंना ॥१७०॥
गरजपुकारसोंवियोगीतनछारभये बून्दैंविषवारिपरैंम-
हाविषधारीके ॥ धुरवाअनेकफनमगडनकींबिज्जुमनि
चमकिचकितचितहोसनरनारीके ॥ योरेफेनफरेंवायुम-
न्नसोंसंचारकरैं देसनमैरोरिपरैसूरतडरारीके ॥ भामिन
मेंडारेविषयामोतैंनिकारेकान्ह फिरैंघनकारेनागपायस
खिलारीके॥१७१॥घेरिघेरिघहरिघहरिघनआयेघोर तापैं
महामारूतफकोरलफरपसो ॥ सुनिसुनिकूकनिमयूरन
कीबीरमैंतो राख्योनिजप्रानजमराजहिअरपसो ॥ भीत
भरीभौनतेंकढ़ीनकमलापतिमैं तऊवेधेड़ारैंहियोतड़ि-
तातरपसो ॥ गावनमलारकोसुहावनलगैनभयो भावन
बिनारीमोहिसावनसरपसो॥१७२॥कारीघटाकामरूपका
मकोदमामोवाज्यो गाजयोकचिग्गालदेतदामिनिदरेरसी॥
छपकिछपकिआयोदादुरमचायोसोर हमैंतोविरहसखि

मदनदेरसी ॥ बालमबिदेसबसैचातिकक्कोजोरलसै ताहीसमैहोतकछूओरैहरबेरसी ॥ वृन्दनकोद्वंदसुनिआँखैं मुदिमुदिजात आयासखीसावनसँवारेसमसेरसी ॥१७३॥ उमडिउमडिनदीनदकूलबोरतहैं जोरजलधारनसोंसूझत कहू नाहे ॥ परमप्रचण्डपौनधावनिरयोंघुरवाकी झिल्लिनकोसोरसुनेहोतकानसूनाहै ॥ गिरधरदासमहाबिज्जुकोप्रकाससोई लागैदीहदुसहदवानलसोंदूनाहै ॥ ऐरीबालजोईस्यामबिनसुखखोई यहपावसनहोयप्रलैकालकीनमूनाहै ॥ १७४ ॥ आईरितुपावसब्रहतपुरवाईपौन कासीरामतैसीयैतडितलागीलपकन॥झूमिआयेबादरेबिहँगबनबोलिउठे चहू ओरकुञ्जनअँध्यारीलागीझपकन॥ झिल्लाझननातहहनातमोरसोरसुनि बिरहअगिनिजरि छातीलागीतपकन ॥ हेरहारहरतनहारदेखोंआठोंजाम पियाकेबियोगमोनिसाहूलागीहूबकन १७५ साँवनकोरैन मनभावनगुविन्दबिन देतदुखझरनमैझिल्लिनकेसोरहैं ॥ कालिदासप्यारीअँबियारीमैचकितहोत उमडिउमडिघन घहरतघोरहैं ॥ सूनेकुञ्जमन्दिरमैसुन्दरीबिसूरैबैठी दादुर बेदहकसोलेतचहु ओरहैं ॥ हियमैबियोगिनकेबिरहकीहूक उठी कूकउठीकोइलकुहुकउठेमोरहैं ॥ १७६ ॥ घूमिकै घहू घाधायआवैंजलधाराधर तडितपताकेथैंबेकेनभमैपसारिगे ॥ द्विजदेवकालिदीसमीपनकेनीपनके पातपातजोगिनजमातिनसोंभरिगे॥ चातकचकोरमोरदादुरसुभटजोर निजनिजदाँवठौरठौरबनमेंअरिगे॥ बिनयदुरायअबकी

जैकहामायहाय पावसमहीपकेचहूंघाँघेरेपरिगे ॥१७७॥ करिकारिघनयेदनारिसेदवनआवैं योलतनकीवकेकीको- किलाप्रमानकी॥दामिनकीदमकचमककिरवाननकी या- ननकीवरपाविरहवुन्दठानकी ॥ घासीरामयाजतनगारे भारेमेघकैधौं कैधौंइन्द्रचाँपकीन्होचढजकमानकी ॥ दा- वनपकरिप्यारीछूकैमनभावनतें सावनसमूहकैधौंआय- नअमानकी ॥ १७८ ॥ साजैसोरवादरसमाजैंजोरचहूं ओर वाजैंरितुराजकेवधाईवे तुतुरया ॥ तैसीतनतीरसीययार वहैसीरीसीरी मन्दमन्दयोलैंमदमातेयनमुरया ॥ गवनं कीतूम्हैपरीआजुईहंसमैहरो हरीहरीभूमिनईदूवकेअं- कुरया ॥ वून्दैवरपावनपियाकिपरसाँवन सनेहसरसाव- नयेसाँवनकेधुरया ॥ १७९ ॥ धुरयाकलिन्दीकूलइन्द्रचाँप यटमूल राजनअतूलअनिआनदकीसालासी ॥ गरजमृ- दङ्गभारीघातिकअलापचारी केकीततकारीपिकदेतहठ- तालासी ॥ यढोवढीवुन्दनयखेरिपुहुपाँजलिकों धीरा पीनउघटिसुघटपेतिआलासी ॥ व्योमराजमण्डलमैनृ- त्यकरैस्यामघन आसपासदामिनीविराजैंव्रजवालासी ॥ १८० ॥ भूमिनाचैनर्तकसेमोरएरीचहूंओर यङ्गला अकासदेयनारिसीनचतिहै ॥ गायकसेगानकरैंयातकयि- पिनघन गन्धर्वगंधैंगीतआँनदरचतिहै ॥ गिरधरदासदे यफूल्यरसायैंजउ सुमनलुटावैंतरुयुद्धियांजचतिहै ॥ पा यसयोजनमनयोरीयाभांसुषमासों अयनिअकासमैंय- धाईसीमचतिहै ॥ १८१ ॥ याजतनगारेघनताल्देतनदी

नारि भ्रींगुरनझ्ंझ्रनभेरीभृङ्गनयजाईहै ॥ कोकिलअलाप धारीनीलकण्ठनृत्यकारी पौनवनधारीचाटीचातिकल-गाईहै ॥ मनिमालजुगनूमधारकतिमिरधार चौमुखचि-राकचारुचपलाजगाईहै ॥ बालमविदेसनयेदुखकोजनम भयो पावसहमारेलायोविरहबधाईहै ॥ १८२ ॥ हरितहरि तहरिलतमनवेलीवन सघनघटानघनघिरिघहरानेहैं ॥ बोलैंचहुं ओरकीरकोकिलपपीहामोर कुञ्जकुञ्जगुंजैंअलि पुञ्जमनमानेहैं ॥ अंकुरविछायहितकीनीमरकतमनि ता मैइन्द्रवधूजाललालनवजानेहैं ॥ दिसिदिसिदेखदुतिया हमनभावनकी सौंावनकीसवजीमैनवजीभुलानेहैं॥१८३ कारिकारियादरसोंवरखतआदरसों दादुरपपीहापिकडर नसमालके ॥ ठौरठौरसरससरोवरअथाहभये गुञ्जरैंमधु-पपुञ्जपातैंजलजातके ॥ हरीहरीदूबछोटीतापरधिराजैं-वृन्द उपमावनीहैंमिश्रनिरखिसिहातके ॥ सावनसनेही मनभावनरिझावनकों मोतिनगुथायेहैंदुलीचासकला-तके ॥१८४॥ मानोएकचोपतन्यूठोढोहैसुरुखस्याम डो-रीमखतूलतामेलागतसुहावने ॥ कहैसिवराईसोरकरत कलापीपापी झिल्लीझनकारतविरहउपजावने ॥ ताही समैप्यारीसखियानतेंकहतबात लालबिनधरीघरीजुग-नबितावनें ॥ कामपातसाहकेहुकुमतैंफरासमानो सब्जु धनातकेबिछायेहैंबिछावने ॥ १८५ ॥ सावनसजलघनव रखैअखण्डधार चहूं ओरनारखारतालझिलिभरिगे ॥ झिल्लीझनकाररवदादुरअपार मोरसोरकुहुकारनउदार

छयिकरिगे ॥ हरीहरीभूमिताएँइन्द्रबधूफैलरहीं उपमा सुताकीरसरासचित्तधरिगे ॥ संबुजबनातपरमानोमैन जौहरीकी गाँठितेंउचटिपुञ्जमानिकाबिखरिगे ॥ १८६ ॥ बादरउतंगअंगडोलतअनंगभरे बगनकतारदंतदीरघसँ वारेहैं ॥ चरखीचमकतरकतऔगरजगुंज बरखैमदननि सिनीरकेपनारेहैं ॥ सोमनाथप्यारेनदनंदकेबिरहजान ब्रजमेउमंगनकरोरहनकारेहैं॥ आयेघनभारेमैंबिचारउर धारेऐरी कारेरंगवारियेमतंगमतवारेहैं ॥ १८७ ॥ पाव-सांबिबसनिसिबासरनिसासेन्नासे भनपजनेसदेसदेसनस-वँरिसे ॥ घूमरंगधीरेधीरेधराधरस्तॄगनपैं धावतअघ-रूरधुन्धगतवारेसे ॥ छुठेबादवाननिबिलन्दज्योंजहां जमानो आयतहिलतनितनेहनदवारेसे ॥ होतीघनी घूमैधराधरनिकीघूमै घेरिघेरिघनघूमैंझूमैगजमतवारेसे ॥ १८८ ॥ नाचतकलापीजूहसंगलैकलापिनिकों झिल्लिन कीभीरझनकारकैजमकरही ॥ दादुरकरतसोरघोरचहु जोरनसों देखुव्रगपाँतिबिरहीनकोंधमकिरही ॥ कहैह-नुमानमानछोडिप्रानप्यारी जायमोहनसोंमिलिदेखुल-तिकालमकिरही ॥ छाइछाइमेहरहेचावनसोंव्योममाहिं धायधायचहूंओरचपलाचमकिरही ॥ १८९ ॥ मेचकक बचसाजिबाहनबयारिबाजि गाढेदलगाजिउठेदीरघब-दनके ॥ भूपनभनतसमसेरसोईदामिनहै हेतनरकामिन केमानकेकदनके ॥ पैदरबलाकेधुरवानकेपताकेदेखि घे रिघेरिजातचहुंओरहिंसदनके ॥ नकरनियादरपियासों

मिलिसादर एआयेयारयादरबहादरमदनके ॥ १९० ॥ कैसीकरोंबीरयहघेरिदिसाविदिसानि फेरनभमंडलघमंडघनछायोरी ॥ पीड़ितवियासपरमातुरपपीहापापी पीउपीउकहितनअतनजगायोरी ॥ कहतकिसोरतैसीपवनझकोरनसों मोरनत्योंमहतमलारसुरगायोरी॥अडेअडेबुन्दनबिलोकिवारिधरबीर अबहींबिरसिगयोफेरिझपिआयोरी ॥ १९१ ॥ मोरनकेसोरसुनिपिककीपुकारतैसी चातकचिकारसुनिसूनीस्यामजामिनी ॥ जुगुनूजमकदेखिझिल्लीकीझनककलेखि भयसोंविसेपसेपडरैगजगामिनी ॥ झरनझरतनीरकंपतसरीरएरी बालमबिदेसधीरधरैकैसेकामिनी॥मारेडारैमदनमरोरेडारैदादुरये दाबेआवैंबादरढायेंआवेदामिनी ॥ १९२ ॥ मानगढघेराहोतगरजअरेराहोत दादुरदरेराहोतजेराहोतजामको ॥ पिकभटभेराहोतचकपकफेराहोत गरबअरेराहोतबेराहोतसामको ॥ पवनसरेराहोतधनुपधरेराहोत बुंदनगुरेराहोतखेराहोतग्रामको॥ बीजुरीउजेराहोतकौंधाचकफेराहोत घननकोघेराहोतडेराहोतकामको ॥१९३॥ बिज्जुकीछटामैं घनघोरकीघटामैं बकपाँतिकीप्रभामैकैधौंनैननिलगायेना ॥ दादुरकलामैजोरसोरसरनामैं पीउपीउपपिहामैंहामैसोरसरसायेना ॥ संकरजूजामैंनीलमनिसीललामैंभूमिसोहैठामठामैतामैकामैतेजतायेना ॥ मोरहरपामैंनदीनदतरखामैं अजहूलौंपरखामैअरखामैहरिआयेना ॥ १९४॥ झरकीझरनझारझरसीझरतअंग झंझाकीझकोरझुकि

झपटझरीनमै॥ छटाकीउछटिछविछपनछपाकरकी छायरहीछनदासुहाईदिनदीनमै ॥ घातकचिकारचकचौंधाचारुचहूंदिसि चकितचकोरचकवानकेवियहीनमै॥ आवसपरेहैंपूपीकावसपरावेदेस पावसमैध्यावसरह्योनयिरहीनमै॥१९५॥कैधौंयहिंदेसघनघुमड़िनवरसत कैधौंमकरंदनदीनदपथझरिगे ॥ कैधौंपिकचातकचकितचक्रवाकवाक मत्तभयेदादुरमधुपमोरमरिगे ॥ मेरेमनआवतनआलीप्यारेआवतहैं कामकुरनिकरमहीतेंधौंनिकरिगे॥ कैधौंपंचसरहरफेरकैभसमकीन्हो कैधौंपंचसरजूकेपाँचोंसरसरिगे ॥ १९६ ॥ कैधौंउपवनघनघेरिनघुमड़िआये कैधौंकीचभूतलमैप्रगटीनहींनई॥कैधौंदविदादुररहेहैंडरव्यालनके कैधौंपापीपपिहापियाकीटेरनारई ॥ घासीरामकैधौंपिकयाजनकोत्रासमान्यो कैधौंयहिदेसधीरपायसहूनहींठई ॥ कैधौंकामस्यामजूकेतनतेंनिकरिगयो कैधौंमिघजूकैकैधौंवीजुरीसतीभई ॥ १९७ ॥ कैधौंमोरसोरतजिगयेरीअनतभजि कैधौंउतदादुरनबोलतहैंएदई ॥ कैधौंपिकचातकमहीपकाहूमारिडारे कैधौंवकपाँतिउतअंतगतिव्हैगई ॥ आलमकहनआलीअजहूंनआयेपिय कैधौंउतरीतविपरीतविधिनेठई ॥ मदनमहीपकीदोहाईफिरिवेतेंरही कैधौंमेघजूकैकैधौंवीजुरीसतीभई॥१९८॥ ओढ़ेनीलसारीघनघटाकारीचिन्तामनि कुचनकिनारीधावचपलासोहाईहै ॥ इन्द्रवधूजुगनूजवाहिरकीजगाजोति वगमुकतानमालकैसीछविछाईहै ॥ नीलपीतसे

तमरबादरयसनतन घोलतसुभ गाधुनिनूपुरयजाईहै ॥ देखिवेकोमोहननवलनटनागरको वरपानवेलीअलवेली वनिआईहै ॥ १९९ ॥ कारिकारिधुरवाचिकुरचारुचमकत चंचलायरंगनासुअतिअलवेलीहै ॥ पचरंगअंवरअडंव-रपटंवरनि मुद्रितवदनचंदसुखदसहेलीहै ॥ जुगनूजमा तिनेनयगुलाकतारहार केकीधुनिनूपुरअनूपरसरेलीहै ॥ कविसियदासदिनदूलहमदनभूप वानकवनकवनीवरपा नवेलीहै ॥ २०० ॥ चंचलासीचौंकतिचहूं चौंआँसुवरप-त फैलेतमकेसकीनसुघउरधारीहै ॥ इन्द्रगोपक्षारीहैअं-गारीविरहागिवारी भूपनजराऊजोतिरिंगनविसारीहै ॥ संकरवखानैंहूँपपीहापीवपीवरटै लाजहंसजामैंगतिदू-रकीनिहारीहै ॥ सोभालखियारीमनआपनेविचारी व रपाहैयहभारीकीवियोगवारीनारीहै ॥ २०१ ॥ चूनरी सुरंगसजिसूहीअंगअंगन उमंगनिअनंगअंगअंगउम-हतहैं ॥ झुकिझुकिझौंकतिझरोखनतेंकारीघटा चौह-रेअटापैविज्जुछटासीजगतहै ॥ द्विजदेवसुनिसुनिसव-दपपीहनके पुनिपुनिआनदपियूपमैपगतहै ॥ पावन घुमीसीमनभावनकेअंक तिन्हैसावनकीवूंदैंयेसुहाव-नीलगतहै ॥ २०२ ॥ रसरंगभरेदोऊउज्जलअटापैंल-रे हरेहरेहेरलसुहेतहियेपटिउठैं ॥ दमकिदमकिजाति दामिनीचहूं घाचारु चमकिचमकिचूनरीमैंअंगठटिउ-ठैं ॥ कहैरिपिनाथमोरदादुरकरतसोर जोरजोरजमकि पपीहापीउरटिउठैं ॥ घुमडिघुमडिघनघिरिघिरिआवैं

मोद उमड़िउमड़िदोऊछतियाँछपटिउठैं ॥ २०३ ॥ च-
नेघनघेरिघेरिउमड़िघुमड़िआये ऐसोतमछायोमानोभू-
ंमपरसतहै ॥ चपलाचमकिचहूं ओरचारुघोरैचित तामै
चकपाँतिनकेपुंजदरसतहैं ॥ इतैझरलागीउतैअनुरागी-
भयेदोऊ कैसेहावभायनमैंमैनसरसतहै ॥ सूरजसुकवि
आजुलखैंपियप्यारीसंग लालचैंगलामेलालरंगबरसतहै॥
२०४ ॥ आवतकदम्बकुसुमनकोपरागपूरि सीरीपौनलह-
लहीललितलतानकी ॥ घोरैंघनघेरिघेरिपावसअँधेरी
पिककेकिनकीटेरगुनिअरिहोतप्रानकी॥ऐसेसमैकुंजभौन
आनदउछाहबाढ़े ठाढ़े ढिगललनामनोरथनिम्रानकी॥
सोंहनसचाईबातकरतरचाईदोऊ छबिसोंअचाईछोटैंओ
टछतमानकी ॥ २०५ ॥ चपलाचमकघनगरजनिसाजसं-
ग सहितअनंगकेतरंगधरिवोकरैं ॥ सीतलसुगंधजुतप-
वनसहायकरि वसुधाअपारजलधारभरिवोकरैं ॥ चा-
तकपुकारेमोरसोरकरिहारे वनझिल्लीझनकारेहरभाँति
अरिवोकरैं ॥ पियकेप्रजङ्कमेनिसंकव्है भरतिअंक अब
घनघोरचहुं ओरकरिवोकरैं ॥ २०६ ॥

॥ अथ हिंडोरा वर्णन ॥

पकरेउराजनकेसकुचनबायग्रीव नाहींनाहींकहिकहि
घातैंअरतीहैंजे ॥ हरीहरीडारनमैंपरेजेहिंडोरातिन्है दे
खिझूलिवेकोंअनखायलरतीहैंजे ॥ कहैहनुमानतेईधन्य
सुन्दरीनमाहिं पेन्हलालसारीहियेमोदभरतीहैंजे।सावन
कीहेरिघटाबैठीरंगराबटीमे भायनकीगोदमेंकलोलकर

तीहिंजे॥२०७॥अथछीअलीनकीअनोखीनवलालेसंग घो-
खीरतिहूतेंराजेआनदअघोरेपे ॥ साजेपिनटूपनकेभूषन
फांअंगनमें औरहीअनूपआयआईमुखगोरेपे ॥ कहैहनु
मानघरहूँइंकेसकोचनतें हेरतिनलालेंभईसोचनकरोरेपे॥
हूलेहियसोतिकेअलूलैछयिधारिफूलै मनसोंपियाकीगो-
दतनसोंहिंडोरेपे॥२०८॥ हेरिकैयहारघरपाकीयलिआरया
र आईवनयागयोचमदनमरोरेपे ॥ आसपासगावैंमंजु-
घोपासीसहेलीसवे मंजुलमलारमनमोहैंयरजोरेपे ॥ क-
हैहनुमानतासमानमेसचोहैकहा जाकेरूपसोंहैंरहेरतिहू-
निहोरेपे ॥ हीरनजटितचारुचोंदीकोतखतहारि थंभी
थालफूलतिहैहेमकेहिंडोरेपे ॥ २०१ ॥ जाकेमुखचंदसोंहैं
लागतहैमंदचंद कुंदनतेंसुंदरसलोनोजासुगातहै ॥ औ-
रेछयिछायरहीअंगनमेअंगनाके अंचलतेंउघरिउरोज-
दरसातहै ॥ कहैहनुमानप्रेमपूरनउघरिपख्यो छपतनकैसे
हू छपायेंसरसातहै ॥ ज्योंज्योंमचकीनकोंमचायचालफू
लतिहै त्योंत्योंखरोमूमैलालफिलफिजातहै ॥ २१० ॥
नाजुकनवेलीअलबेलीलैसहेलीसंग आईघरबागःयोघअ
धिकनिहोरेपे ॥ हरीहरीक्यारिनमैंढोलैगलबाँहींदियै यो
लैबैनमधुरसुभायभायभोरेपे ॥ कहैहनुमानज्योंहींफूलि-
येकोंकीनोमन त्योंहींसानलाइंहैसुहाइंमुखगोरेपे ॥ फू-
लतिहमारेहियेंहूलतिहैसौतिनके फूलतिकलीसीयालघे-
ठोजोहिंडोरेपे ॥ २११ ॥ करतअकासयारियाहकायिलास
तैसें पन्दपरैंयसनकुमुंभीरंगयोरेपे ॥ लनलयिलटा-

तैसीघटाघनघहरात हीरनकेभूपनत्योंसोहैंतनगोरेपै ॥ गिरधरदासलियेगिरधरलालसंग झुकतिझपकिजाति थोरेहूझकोरेपै ॥ हूलतिहैसूलसुखसीतिउनमूलतिहै फूलतिहैंझूलतिहैहेमकेहिंडोरेपै ॥ २१२ ॥ रहसिरहसिहँसिहँसिकैहिंडोरेचढ़ी लेतिखरीपेंगैंछबिछाजैउकसनमैं ॥ उड़तदुकूलउघरतभुजमूल बढ़ीसुखमाअतूलकेसफूलनि खसनमैं ॥ ओझलव्है देखिदेखिभयेअनमेपस्याम रीझत बिसूरिस्रमसीकरलसनमैं ॥ ज्योंज्योंलचिलचिलंकलचकतभाँवतीको त्योंत्योंपियप्यारोगहैआँगुरीदसममै ॥ २१३॥ प्रेममदपागेअनुरागेलालआगेदोऊ लागेभलेलोचनकोंझूलतहिंडोरना॥ लोनीहैचपलदुतिचीरनैचुरायचित चंदमुखीचंचलचखनगुनबोरना॥ ज्योंज्योंप्रानपतिपरिरंभनकरतत्योंत्यों भाँवतीमुरतियहैसोचकेझकोरना॥सिरससुमनहूतेंकोमलकिसोरउर कठिनकठोरकहूँ गड़ै कुचकोरना ॥ २१४ ॥ रागभरीभींजीसीहिंडोरेझूलैंसूहेपट प्यारीमुखचंदपैंचकोरझगरतहैं ॥ भूधरसुकविमीरकंठमाहिंमनिमाल बाजयन्दकिंकिनीकनकनगरतहैं ॥ गहेंकरडोरीजोतिजोतिजीतिलालनसों सौरभमगनभौंरजालडगरतहैं ॥ कहूं फूलेफूलकहूं उड़तदुकूलकहूं उरउघरतकहूं यारवगरतहैं ॥ २१५ ॥ बैठीहैंहिंडोरेबीच तखतसुकंचनके जेवसरदारीकीमजेजनभुलावहीं ॥ दुहूं ओरचँवरडुलावैंसखीचौंरदार सावधानसंगसोझुकायेहींझुलावहीं ॥ खुलेवारहारनजवाहिरहूजगमगात

देखैंसोहैंलालठाढ़े डोठिनडुलावहीं ॥ नागरसुगंधकीझ-
कोरउठैंपैंगसंग झूलैंस्यामासाहिबमुसाहिबझुलावहीं ॥
११६ ॥ फुहूफुहू बुन्दझरैंधीरधारिवाहनतें कुहूकुहूसब्द
होतकीरकोकिलानकी ॥ ताहीसमैस्यामास्यामझूलतहिं
डोरेबैठि धारींछविकोटिनमैंरतिपंचबानकी ॥ कुंडल
लटकसोहैंभृकुटीमटकमोहै अटकचटकपटपीतफहरा-
नकी ॥ झूलनिसमैकीसुधिभूलतिनहूलतिरी उझकनि
झुकनिझकोरनिभुजानकी ॥ २१७ ॥ फूलनकेखंभापाट
पटरीसुफूलनकी फूलनकेफंदमेफंदेहैंलालडोरेमें ॥ कहै
पदमाकरवितानतनेफूलनके फूलनकीझालरयोंझोलति
झकोरेमें ॥ फूलरहीफूलनसुफूलफुलवारीतहाँ फूलईके
फरसफबेहैंकुंजकोरेमें ॥ फूलझरीफूलभरीफूलजरीफूल
निमें फूलईसीफूलतिसुफूलकेहिंडोरेमें ॥ २१८ ॥ जमु-
नाकेतीरभीरभईहैहिंडोरनापै दूरहीतेंगहगहीगतिदरस
तहै ॥ गानधुनिमंदमंदआवतिहैकाननमें बीचबीचबंसी
धुनिप्रानपरसतहै ॥ देखिकारेंद्रुमनलतानमाझदामिनी
सी पटफहरातपीतसोभासरसतहै ॥ हाहाचलिनागरपै
हियतरसतआली आजुयाकदंबतरेंरंगबरसतहै ॥ २१९ ॥
कूकनमयूरनकीधुरवाकेधूकनकी झूकनसमीरनकीखस-
नमसूनकी॥दमकनिदामिनिकीभामिनिकीरमकनि झम-
कनिनेहकीकरोररतिहूनकी ॥ नाथकीसोंमाननकीझाँकें
पादिजाननकी हँसिहेंसिझुकिझुकितानननहूनकी ॥ उ-
झनदुकूलनकीछविभुजमूलनकी काममनहूलनकीझूलन

दुहूनकी ॥ २२० ॥ थरसैंसघनघनसांवनसुहाईयन्दें कुंजमेंपवनचलैलहरझकोरेमें ॥ कुहुकैंपपीह।मोरदादुरकरतसोर गुंजतभैंवेंरथिज्जुनचतसुजोरेमै ॥ आनदकहत सखीचहूंघांचँवरढ।रैं हायनलल।ईमानोलालरंगवोरेमैं लहकिढरकजातींअलकेंकपोलनपैं लचकिलचकिझूलैंमचकिहिंडोरेमैं ॥ २२१ ॥ घाघरेकीघुमडउमडचारुचूनरी की पायनमलूकमखमलथरजोरेकी ॥ भृकुटीविकटछूटी अलकैंकपोलनपैं वडीवडीआँखिनमैछविलालडोरेकी ॥ तरिवनतरलजराऊजरवीलेनोर स्वेदकनललितवलिन मुखमोरेकी॥ भूलतनभामिनीकीगावनगुमानभरी सावनमैश्रीपतिमचावनिहिंडोरेकी ॥ २२२ ॥ चूनरीकीश्हकचमकचारुचोपनकी चुरियाँकीचुहुरिचितौनिचखचो रेकी ॥ कहैपदमाकरमनोजमदमातीमंजु मेहँदीकीमहकमजेजमुखमोरेकी ॥ गोलागरवगँजनगुलाईगोलगालनकी गहगहीगालिवगोराईगातगोरेकी ॥ हरितहरा कीहीरहारकीहमेलडूकी हलनिहियोईहरेझूलनिहिंडोरेकी ॥ २२३ ॥ सघनघटानछविजोतिकीछटानबीच पिक कीरटानजोतिजीगनजुईपरै ॥ हारहियेहरितनदीननदभरित झरीनझरझरितसोघरनिधुईपरे ॥ ऐसेमैकिसोरीगोरीझुलतिहिंडोरेझुकि झुकनिझकोरैंफैलफूलनफूहीपरे ॥ फीजियेदरसनदनन्दब्रजचन्दप्यारे आजुमुखचंदपर चूनरिचुईपरे ॥२२४॥ झूलियेकोरसवसनवलहिंडोरेचढी तासमनकोऊसुरकिन्नरअसुरकी ॥ कहैघनश्यामअभिरा.

महूगचंचलसो अंचलउड़तबरनैकोछयिउरकी ॥ ल्या-
लकेमचतहीलचतउरवारवार मानोविपरीतिरतिसीखवे
कोंढुरकी ॥ उछरिउछरिचोटीपीठपैपरतमोटी खोटीके
परैसेंज्योंत्रमोटीकामगुरकी ॥ २२५ ॥ फूलीफूलवेलीसोन
वेलीअलवेलीवधू झूलतिअकेलीकामकेलीसीवढ़तिहै ॥
कहैपद्माकरझमंककीझकोरनसों चारीओरसोरकिंकि-
नीनकोमढ़तिहै ॥ उरउचकायमचकीनकीमचामचसों लं-
कहिलचापचायचौगुनीचढ़तिहै ॥ रतिविपरीतिकीपु-
नीतपरिपाटीमनो हींसनिहिंडोरेकीसुपाटीमेपढ़तिहै ॥
२२६ ॥ तीरपरतरनितनूजाकेतमालतरें तीजकीतयारी-
ताकिआईतखियानमै ॥ कहैपदमाकरसोउमगिउमङ्गउ-
ठी मेहँदीसुरङ्गकीतरङ्गनखियानमै॥ प्रेमरङ्गयोरीगोरीन-
वलकिसोरीभोरी झूलतिहिंडोरेयोंसोहाईंसखियानमै ॥
कामझूलैउरमैउरोजनमैदामझूलै स्यामझूलैप्यारीकीअ-
न्यारीअँखियानमै ॥ २२७ ॥ सावनसखीरीमनभावनके
सङ्गचलि क्यौंनचलिझूलतिहिंडोरेनवरङ्गपर ॥ कहैपदमा
करसुजोवनतरङ्गनितें उमगिउमङ्गतअनङ्गअङ्गअङ्गपर ॥
चोखीचूनरीकोचारोंतरफतरङ्गतैसी तङ्गअँगियाहैतनीउ-
रजउतङ्गपर ॥ सौतिनकेवदनविलोकेयदरङ्गआज रङ्गहैरी
रङ्गतेरीमेहँदीसुरङ्गपर ॥ २२८ ॥ दोऊरूखमूलझूलझूलम-
खतूलझूला लेतसुखमूलकहितोपमारिवरसात ॥ छूटि
छूटिअलकैंकपोलनपैंछहरात फहरातआंचरउरोजतेउघ
रिजात ॥ रहोरहोनाहींनाहींमयनाभुलाओलाल थया

कीसोंमेरयेजुगलजानुयहरात ॥ ज्योंहींज्योंमचतलचक तलचकीलोलङ्क सङ्कनिमयङ्कमुखोअङ्कनिलपठिजात ॥ २२९ ॥ झूलतहिंडोरेप्रियापीतमजमुनतीर बोलैंपिककी रछबिछाजतलतानकी ॥ बाँधेपागप्रचरङ्गओढ़ेचूनरीसु रंग कंचुकीदुरंगवेंदीकोरिदुतिभानकी॥ ब्रजवधूगावैंझु किझुकिकैंझुलावैं स्यामास्यामकोंरिझावैंहोतयरपासुगा नकी ॥ घोरघनगाजैंवगपाँतिहूबिराजै ताकेबीचबीच याजैवंसीसुन्दरसुजानकी ॥ २३० ॥ झूलतहिंडोरैंउठैंछबि कीझकोरैं मनमाधुरीमैंबोरैंपानखानमुसकानकी ॥ जो- रैंदृगकोरैंहियेसबकेमरोरैं मानोसोभाचौंरढोरैंदुतिपटफ हरानकी ॥ जोबनकेजोरैंझूलाथामतनिहोरेहून चोपदु- हूओरैंछूटैंफुनगलतानकी ॥ बेनीहूहिलोरैंफूलछोरैंहार डोरैंलखि आलीहनतोरैंसुधिभूलीगानतानकी ॥ २३१ ॥

॥ अथ सरद वर्णन ॥

दोहा ॥ बिमलव्योमससिदसदिसा भूपनयसनसुसेत ॥
बरनिसरदउज्जलसबै रासबिलाससमेत ॥

पावसनिकासतानैंपायोअवकास भयोजोन्हकोप्रका ससोभाससिरमनीयकों ॥ बिमलअकासभयेबारिजबि- कास सेनापतिफूलेकासहितूहंसनकेहीयकों ॥ छितिन गरदमानोरँगेहैंहरद सालिसोहतजरदकोमिलावैहरिपी- यकों ॥ मत्तहैंद्विरदमिटयोखंजनदरद रितुआईहैसरदसु- खदाईसबजीवकों ॥ २३२॥ कातिककीरातियोरीयोरीसि यराति सेनापतिकोंसुहातसुखीजीवनकेगनहैं ॥ फूलेहैं

कुमुदफूलीमालतीसघनबन फूलिरहेतारेमानोमोतीअम गनहैं ॥ उदितबिमलचंदचाँदनीछिटिकरही रामकोसो-जसअधउरधगगनहै ॥ तिमिरहरनभयोसेतहैवरनसब मानहु जगतछीरसागरमगनहै ॥२३३॥ बिबिधबरनसुरचाँ-पतेनदेखियत मानोमनिभूषनउतारधरेभेसहैं ॥ उन्नत पयोधरबरसिरसगिरिरहे नीकेनलगतफीकेसोभाकेनलेसहैं ॥ सेनापतिआयेतेसरदरितुफूलिरहे आसपासकास खेतखेतचहु देसहैं ॥ जोबनहरनकुंभजोनिकेउदैतेंभई बरपाबिरधताकेसेतमानोकेसहैं ॥२३४॥ राजीजियकरति रसीलिनकीराजीतैसी राजीमुकुलितमालतीकीदरसाति या॥कुंजकुंजमंदिरनअलिपुंजगुंजरत मंजुमकरंदमंदगति सीधिभातिया ॥ कहतकिसोरकोसबढुकमनीयमहा र-मनीयरमनबिनाहूबनजातिया ॥ सरदसमस्तसोभासचि मयब्योम कामबसमयबिश्वरंगरसमयरातिया॥ २३५ ॥ आसपासपुहुमिप्रकासकेअगारसोहैं बननअगारदीठिव्है रहीनिवरतें ॥ पारावारपारदअपारदसौदिसिबूड़ी चंड ब्रह्मंडउतरातबिधिबरतें ॥ सरदजुन्हाईजनुधाईधारस-हसनु धाईसोभासिंधुनभसुभगिरिवरतें ॥ उमझोपरत जोतिमंडलअखंड सुधामंडलमहीमैंबिधुमंडलबिवरतें ॥ २३६॥ आईरितुसरदगगनबिमलाईछाई खंजनकीराजी कुंजकुंजनबसैलगी ॥ हरितहरितपथपथिकसिधारे कथ अकथमुरारीओएजगबिलसैलगी ॥ सुमनसरासनकेसु-मनसरानतेसु छूटिकेसुमनसरआलीहीगसैलगी ॥ साल

नकमलफूलेकमलबितूलैंअलि अलिपरपीतमापरागको लसैलगी ॥ २३७ ॥ चाँदनीमहलबैठीचाँदनीकेकौतुक कों चाँदनीसीफूलीराधेचाँदनीमहालरैं ॥ चंदकीकला-सीदेवतासीदेवदासीसंग फूलसेदुकूलगरेंफूलनकीमालरैं॥ छूटतफुहरितारेझलकैंअमलजल चमकैंचंदोवामनिमा-निकबिसालरैं ॥ बीचजरतारनकीहीरनकेहरनकी जग मगीजोतिनकीमोतिनकीझालरैं ॥ २३८ ॥ मोतीमंजुम-हलबितानतनेमोतीमई मोतिनकीझालरैंमनोजहिंगनै-नहीं ॥ सेवकभनतबैसेफरसफनूसआज सेजसुखमाकी-छबिउरसोंछनैनहीं ॥ चाँदनीचटकइतचमकचुनीनतैसी अंगधारुतासोंदोऊमोरतमनैनहीं ॥ सरदकोसाजव्रजरा-जराधिकाकोआज चाहतबनैपैत्योंसराहतबनैनहीं२३९॥ छितिपरदेखोमहासौरभसरससुभ सौरभसरसपरसुरस-सरदकी ॥ रसपरकहैस्यामसुन्दरझलकछबि छबिपर मारुतजोजलदसरदकी ॥ मारुतपैंराजतगगनसुगगनप-र चाँदनीबिराजतत्योंसारदसरदकी ॥ चाँदनीपैचंदकी मुसाहिबीदुचंदफबी चंदकीमुसाहिबीपैंसाहिबीसरदकी॥ २४० ॥ गगनगयंदपरचढ्योकरिहंकाडंका बंकापिकना-दआगेहोतमनभायोहै ॥ भनतकबिन्दतारेसुभटअमोर जोर पैदरचकोरमोरसोरसरसायोहै ॥ तीरतमअगखग लैकरउदगवर मदनहरौलमानगढ़परधायोहै ॥ चमूच-न्द्रिकानकेपसारेअलबेस नखतेसआजनयतमनरेसय-निआयोहै ॥ २४१ ॥ कासनकेकुसुमबिकासनलगेहैंअंग

कंजकंजआसनपैचारुताचढ़ैलगी सेवकभनतछबितारनकतारनत्यों सारनपियाकीपुरहारनमढ़ैलगी ॥ अवनिमैंअंबुमैंअकासनिमैंआछीभाँति ठौरठौरदीपनकीदीपतकढ़ैलगी ॥ सेलीकोंसकेलिकैचमेलीकेचलतचाहबेलीसमबनितानबेकीबढ़ैलगी ॥ २४२ ॥ नवोखयद्यमंडितअखंडलउदोतभयो राकाचंद्रमंडलदिसानदरुदरसात ॥ विमलविसालसबैसीतलसरितसर सकलकलितविलोकियतअवदात॥ मोतीरामममंजुलमृदुलमालतीनमिलि मलयजमलयसमीरसीरेसरसात ॥ दरदकरतयेभँवरभीरकुंजकुंज येदरदआलीरीसतावतसरदरात ॥ २४३ ॥ हरतकिसोरजोचकोरनकोतापकिल कुमुदकलापमुकलीकरसुछन्दभो ॥ मानिनीनहूँकेहियदरपदलितकर कंदरपकंदलितफरिजगघंदभो ॥ मुदितकमलअवलीकरतिमिरकवलीकरदिसानधवलीकरअमंदभो ॥ आनदअमितकरलोकप्रमुदितकर कोकअमुदितकरसमुदितचंदभो॥२४४॥ बरन्योंकविनकलाधरकोकलंकतैसो कोसकैबरनितिनहूँकीमतिछीनीहै ॥ सेनापतिवरनीअपूरबजुगुतिताहि कोविदविचारोकौनभाँतिबुधिदीनीहै ॥ मेरेजानिजेतिकसोंसोभाहोतजानपरी तेतिकैकलानिरजनीकीछबिकीनीहै ॥ वढ़तीकेराखेरैनिहूतैंदिनहूहैयाते आगरीमयंकतेकलानिकारिलीनीहै ॥ २४५ ॥ पूरुवहरितवनिताकोमुखपत्रतामै रचनारुचिरवरमृगमदरंगकी ॥ कैधौंनभसरवरफूल्योहैकमलतामै मेचकप्रभाहैओलीअवलीउमंग

की ॥ औरीकयिकीबिदनउपमाअनेककही बदनवखानेएकइहिंविधिअंगकी ॥ बिरहीनिरखियाहिनाखबनिसासयातें दागिलदिखातमानोआरसीअनंगकी ॥२४६॥ सुन्दरसुधाखोसीधसुधासोंसुधारसन्यो कौरजसरससुरभितआसपाससो ॥ बिमलबिछौनेबिछेरजतजरीकेबाद जगमगहीलभोलानाथकेनिवासससो ॥ राकापतिछायोतेसोमध्यमैंसुमध्यबाल बैठीपरजंकपैंबिराजतसुहाससो ॥ अम्बरमैंचंदकीअवनिपरचंदचहूं चाहतचकोरसोरपाखोहैप्रकाससो ॥ २४७ ॥ अतिहीअमंदबंधुचद्रिकासुधाकरकी पुंडरीकपथिकप्रियाकोप्रतिकूलहै ॥ कहतकिसोर निसिनारिकेहियेकीमनि दरसावैकुंवरकिसोरीदिनदूल है ॥ दरदहरनबरपरबकोइन्दुस्वच्छ सरदसुइन्दिराको मुखसुखमूलहै ॥ तारकानकलितमंझारचारुदुतिफूल्यो अंतरिच्छकलपतरोवरसोफूलहै ॥ २४८ ॥ मोदनीकेदेखिपेकुमोदिनीकेहींकेदीह दीपतिदीपतिदीपदुतिउपटानकी ॥ लोकलोकलोकनकेथोकनबिनोदवाढ़ो सोभासरसाईस्वच्छसरिततटानकी ॥ रंगभरीराजतनवीनरसराकारम्य सीतलसुगन्धगन्धरजनीअटानकी ॥ नंदितचकोरैंछबिछाकिसुखछूटैंलेत छूटैंचन्द्रमण्डलतेंछहरछटानकी ॥ २४९ ॥ कढ़तनिसाकरदिवाकरसोंदीठिपखो अन्धकारसोतोएकपलमैंपलायोहै ॥ भोरभयोजानिकैबि- [illegible] अवनीआकसमैंप्रकाससरसायोहै ॥ [illegible] नागरतपतेजअ-

जपरआयोहै ॥ चाँदनीनहोयपहमानिनीकेजीतिवेको
मैनमहारथीग्रह्मअस्त्रहिचलायोहै ॥२५०॥ घामसमचाँ-
दनीनिपेख्योव्रजमण्डलहै तातीचण्डकरसीमयूपनमचाय
लै ॥ आजअबलानिमारिऔरहूकलंकलैके मनकेमनोरथ
निनीकेकैरचायलै ॥ धीरबलधीरकेबियोगीनैननीरभरे
प्रेमरसप्यासेप्रेमतिनकोजचायलै ॥ ऐरेमन्दचन्दसुनि
आवैव्रजचन्दजौलौं तौलौंतनगोपिनकोविरहतचायलै॥
५१ ॥ कासकोविकासनसेकासनकरैगोनाहिं यातेंहि-
आसनसोंमेरोअतिभ्वैरह्यो ॥ खानपानपाकेहेरिहे-
धीरहाकोघरै घाऊँबिरहाकेहायनैननीरच्वैरह्यो ॥ कहै
नुमानफूलेकञ्जनपैंभौंरनको वृन्दसोबिलोकिवेसिमामो
मजूँरहेरा ॥ जाकरिकहैनयींकृपाकरिकेलालनसों सर-
नेसाकरदिवाकरसोव्हैरहेरा ॥२५२॥ याहीतेंनिपटनि-
ारितोहिनीरसके छाह्योसबसुरनसुधारसकोंचाखिचा
॥ देवमनिवेहीकाजयैरविरहीजनसों बाँध्योऐसीबात
ेढूंभयोसाखिसाखि ॥ सरदकीरितुमैउचाटचितव्र-
ाज राधेकोंविरहव्याप्योउठतयोंज्ञापिज्ञापि ॥ कियो
ाचाहतहैरैनचारीचितचोर ऐरेचन्दचाँदनीकोचट-
ाखिराखि ॥ २५३ ॥ ग्रीपमकीघामहैनघामघनस्या-
ते छैगईसुयानस्वेतहूगईजरदकी ॥ यीचनदरीचन
भाहैमरीचनकीकामनेनिकारीकोरतीपनकरदकी॥
हैलगैलननवीनविपफैलभरीदोपतदुखीनदुतिपार-
दकी ॥ गरदकरीहौंदिनदरदमरीहौंसखी सरदपरी

हौंलखिचाँदनीसरदकी ॥ २५४ ॥ वैरहीविसदछीरनदतें सरदरितु सुभ्रसोभितसुसदफैलीफेनकेफरदकी ॥ उनमदमदमैसुगंधकीविहदसैना धाईचहुं हदतेंछपदरुजरद की ॥ तैसोहीविरहवदमारतदैगदवद चूमतकरेजोकारकामकेफरदकी ॥ चीरकीनेरदरीदरददैकरीहौं वेपरदवेदरददैयाचाँदनीसरदकी ॥२५५॥ फूलेआसपासकासविमलविकासवास रहीनानिसानीकहूं महीमैगरदकी ॥ राजतकमलदलऊपरमधुपमैन छापसीदिखाईछविविरहफरदकी ॥ श्रीपतिरसिकलालआलीवनमालीविन कछूनाउपायमेरेजीयकेदरदकी ॥ हरदसमानतनभयोहै जरदअब करदसीलागतिहैचाँदनीसरदकी ॥ २५६ ॥ चन्दनिसिललनावदनलखिआईकैधौं पारदकीखानिफैलिआई आसमानहै ॥ कैधौंसुखकेप्रबोधसुखितसकलसुर लोकनकेकलहंसभासैभासमानहै॥ मेरेजानमदनमहीपसवजीतिछिति ऊरधचढ़ाइकेतयारीकोसमानहै ॥ कैधौंतारागनमुकताहलकेझूमकन चाँदनीनहोयचारुताईकोवितानहै ॥ २५७॥ वादलाकेवोजनावनायवरवादलाके वानिकसहेलीज्योंसुरेसकेसदनकी ॥ मोतिनकेहारओहमेलगुलुवन्द वेंदी पहिरिखराऊखरीकुंजररदनकी॥हीराहीकोचूराबाजूवंदऔतरौनावेना महासुखदानीरानीमोहनमदनकी॥ चाँदनीमैचाँदनीपैचाँदनीविछौनापर चाँदनीसीफैली चारुचाँदनीवदनकी ॥ २५८ ॥ पूरनसरदससिउदितप्रकासमान कैसीछविछाईदेखोविमलजुन्हाईहै॥ अवनि-

अकासगिरिकाननऔजलथल व्यापकभईसोजियलागसुहाईहै ॥ मुकताकपूरचूरपारदरजतआदि उपमायेउज्जलपैनागरनभाईहै ॥ ब्रन्दावनचन्दचारुसगुनबिलोकिवेकों निरगुनजोसिमानोकुञ्जनमैआईहै ॥ २५९ ॥

॥ अथ हेमन्त वर्णन ॥

दोहा । सीतआगमनगरमहित सजतसाजसबकोय ॥
असनबसनतापननपन प्रियसबहीकोंहोय ॥

थरसैतुसारथहैसीतलसमीरनीर कंपमानउरक्योंहू धीरनधरतहै ॥ रातिनसिरातिसरसातिब्यथाबिरहकी मदन अरातिजोरजोबनकरतहै ॥ सेनापतिस्यामहमधनहैंत हारी हमैमिलोयिनमिलेसोतपारनपरतहै ॥ औरकीकहाहैसबिताहूसीतरितुजानि सीतकोसतायोधनरासिमैपरतहै ॥ २६०॥ सीतकोप्रबलसेनापतिकोपिचढ्योदल निबलअनलगयोसूरसियरायकै ॥ हिमकेसमीरतेईबरपैंबिपमतीर रहीहैगरमभौनकोनहीमेजायकै ॥ धूमनैनबहै लोगहीतहैंअचैनतऊ हियसोंलगाइरहैंनेकुसुलगायकै ॥ मानोभोलजानिमहासीततेपसारिपानि छातियाँकीछाँहँराख्योपावकछिपायकै ॥ २६१ ॥ पूसकेमहीनाकामयेदन सहीनाजाय भोगहाकिदौसनहींबिरहअधीनके ॥ भोरहीकेसीतसोंनपावकछुटतरयोंहीं रातिआईजानिहैंदुखितगनदीनके ॥ दिनकीछोटाईसेनापतिबरनीनजाइ रंचकजताईमनआवैपरबीनके ॥ दामिनीजयोंभानुऐसेजातुहैचमकदेखा फूलैनहींपावतसरोजसरसीनके ॥ २६२ ॥

आयोसखिपूसौभूलिकंतसोंनरूसो कंलिहीसोंमनमूसे जीउज्योंसुखलहतुहै ॥ दिनकीघटाईरजनीकीअघटा सीततांईहूकोंसेनापतिबरनिकहतुहै ॥ याहीतेंनिदानप्रा तयेगिउदहोतनाहि द्रौपदीकेचीरकैसोरातिकोमहतुहै मेरेजानसूरजपतालतपैतालैमांफ सीतकोसतायोकह लायकैरहतुहै ॥ २६३ ॥ सूरैतजआजोयातकातिकमैज सुनी हिमकीहिमाचलतेंचमूउतरतिहै ॥ आयेअगहनकं नोगहनदहनहूकों तितहूतेचलीकंहू धीरनधरतिहै ॥ हि ममैपरीहैहूलदौरिगहितजीतूल अर्यानजमूलसेनापति सुमिरतिहै ॥ पूसमैतियाकेउधकुचकनकाघलमैं गढ़घेग रमभईसीतसोंलरतिहै ॥ २६४ ॥ पीयपीयरटतरहतआठ हूंपहर रसनाभईरहतज्योंपपीहायावसी ॥ घरीघरीदहैमै नचित्तकोंनकहूं चैन रह्योनपरतऔनबूडेवैननावसी ॥ तुलसीकहतपियप्यारेकेसमीपबिना भूपनकोकहाभोन भोजननभावसी ॥ पौषदिनपूसमासपेयसनचैनआली बुन्दऐसोदिनहोतरैनिदरियावसी ॥ २६५ ॥ अगरकोधूम मृगमदकोसुगंधघर बसनबिसालजालअंगढांकियतुहै ॥ कहैपदमाकरसुपौनकोनगौनजहां ऐसेभौनउमगउमं गिछाकियतुहै ॥ भोगऔसंजोगहितसुरतुहिमंतहीमें यातेंऔरसुखदसहायबांकियतुहै ॥ तानकीतरंगतरुनापन तरनितेज तेलतूलतरुनीतमोलताकियतुहै ॥२६६॥ भा- सनलगीहैंअंसुपावनप्रभाकरकी छावनलगीहैगतिसीत- कीदिगंतमैं ॥ रातअधिकानीदिनहानीत्योंप्रतच्छभई सु-

छिसियरानीहैगरमसलतंतमै ॥ कहैतोपहरिसजिसूहेरंग
अंगपट चाहतउमंगकंतकामिनीएकंतमै॥सेयैंमागवंतम-
दमादकछकंत सुखस्यामाकोअनन्तछविथन्तयाहिमंत-
मै ॥ २६७ ॥ खासीकोठरीनमैसंवारीसेअसीघेसनी आ-
सपासअगरकपूरथगरेरहैं ॥ दरनसुपरदागलीचनसोंफ़-
पोभूमि धरैंदीपकंचनकेअतरधरेरहैं ॥ ऐसीसमैकंतसंग
जुवतीहिमंतरितु पौढ़िपलिकापैदोऊआनदभरेरहैं॥ सी-
तत्रासदपटैसेकपटेदुकूलदुख लपटेदुसालनसोंछपटेपरेर
हैं ॥ २६८ ॥ छोटदिनह्वैगोदुखओटछुटिवेकोंभयो मोटं
सुखलूटिमैनिसाकोंयहीजोरैना ॥ तैसेतैसतूलनितमोल-
निकेरंगभरे पामरीदूकुलनिओढ़ायमुखमोरैना ॥ सेवक
रसालनमसालनकेमाचेमोद आगिहूकोसालनबिसालन-
कोदीरैना ॥ खायकामतंतकेअनंतमरसंतमोकों पाइपाइ
हरषहिमंतकंतछोरैना ॥ २६९ ॥ नरकहानारीकहापसुक
हापच्छी मनकाहूकेनहोतघरछोड़िनिकरनको ॥ अंगन
अैगोछिकरैंजपतपहेमदान जातिमकहीहैकछूकरनीकर-
नको ॥ कहैमणिदेवजुगुनूदौंकढ़िजातआसु घरघानहो-
तकहूंभानुकेकरनको ॥ घरीघरीयोलैंजनघरीजोनहो-
तीकहूं घरीतीनहोतीसंध्यावन्दनकरनको ॥ २७० ॥

॥ अथ सिसिर वर्णन ॥

दोहा ॥ कंपितसबजगजीवजे बरपतबरफअपार ॥
औरकहारविहूलई लगिनदसानिरधार ॥
चंदछविपागिजागिऔरैचलैभानुभागि सीतजागि·

जागिजगऐसैंगरसतहै॥ रदनसोंधोलैंरदग्रदनघिकासैकौन नदनकीगौनरीनसूधोसरमतहै ॥ लागीजऊझाँपैमची झारकीझगपै तऊसेवकजूर्कोपैनदुराबदरसतहै ॥ हृदयरसालाफोरिसालहूदुसालाफोरि सकलमसालाफोरिपाला परसतहै ॥ २७१ ॥ सीसाकेमहलर्थांचकढलहिमाचलकी पहलतुलाईअर्फयहलकसालामैं ॥ चंदनसोलागतकुरंग सारअंगनमै अगिनअँगोठीजिमिबारीहोजसालामैं॥लागतगलीचाऊनसीतलनिग्रारतूल दीपकनछत्रसेगनेसरतिथालामैं॥ यालाउरग्रोघर्सीतमालासीजुड़ानजात पालासमलागतदुसालासीलकालामैं ॥२७२॥ भानुसीतभानुकीसमानलघुमानभयो वारीग्रसानसोक्रसानहूकीसालामैं ॥ दीपगनवारनभयोहैपौनबारनकै सेवकसितारनसुतारनकीमालामैं ॥ माच्योफूलफूलहू अतूलतूलहूकोतूल तैसोमखतूलभोगलीचनकेजालामैं॥ मदतमसालाकौनबालाबिनघालाहोति पालामलागतदुसालसीतकालामैं ॥ २७३ ॥ पौनप्रविसैनपरेपरदेदियैंहैंपट आतसीअवासआसपासकेभरेरहैं ॥ दिपैंदीपझुंडनदिवालनदिवालगीर फरसीफनूसचहूरोसनधरेरहैं ॥ अगरकीधूपमेज अम्बरअतररूप सेवकमसालेमें.जमनकेकरेरहैं ॥ दपटेमनोजतेऊझपटैंसिसिरसीत छपटेदुसालनमैलपटेपरेरहैं ॥ २७४ ॥ सिसिरतुषारकेवुखारसेउखारतहै पूसबीतेहोतसुनेहायपाँवठरिकै ॥ द्योसकीछोटाईकोबडाईबरनीन सेनापतिगाईकछुसोचिकैसुमिरिकै ॥ सीततेंसहसक

रसहसचरनहूकै ऐसेजालआजितमआवतुहैघिरिकै॥जौ-
लौंकोककोकोकोंमिलततौलौंहोतरात कोकअधयोचहि-
सैंआवतुहैफिरिकै ॥ २७५ ॥ देलहैनकलएकोपलएहोरघु-
नाथ पौनपछिवाँहौंवहैअंगनछिलतसो ॥ पानीकोकहा-
नीसेतिजातिनयखानीकछू नेकपरसतपानिपायपधि-
लतसो ॥ कैसेकैंहिमंतअंतसिसिरकाहू है पलपटकेटरत
पेटपीठिसोंमिलतसो ॥ जयसोंउयोहैआजतवसोंहेदेखि
सखी तरनिकोतेजसीतआवतगिलतसो ॥ २७६ ॥ सिसिर
मैंससिकोसरूपपावैसवितहू घामहूमैंचांदनीकीदुतिद-
मकतिहै ॥ सेनापतिहोतसीतलताहैसहसगुनी रजनीकी
झाँईबासरमैंझमकतिहै ॥ चाहतचकोरसूरओरहगछो-
रकरि चकवाकीछातीतजिधीरघसकतिहै ॥ चंदकेभरम
होतमोदहैकुमोदिनिको ससिसंकपंकजनीफूलिनासकति
है ॥२७७॥ धायोहिमदलहिमभूधरतेसेनापति अंगअंग
जगथिरजंगमठिरतहै ॥ पैयेनायताईआजिगईहैतताई
सीतआयोआततांइंछितिअंबरघिरतहै ॥ करतहैंत्यारी
भेपकरिकैउजारीहौकी घामआरयःरवैरीवैरमूमिरतहै ॥
उत्तरतेआजिसूरससिकोसरूपकरि दच्छिनकेछोरछिन
आधकफिरतहै ॥ २७८ ॥ थिरचरसकलप्रथलभयभीत-
हू कै जगतजुराफासमगतिदरसतहै ॥ ठौरठौरखरपाथ्यों
घरपैयरफपुंज आलयहिमालयकेचहू घासरतहै ॥ उदित
प्रभाकरकीमुदितमयूखैपुर पुहुमीपीयूषघरकैसीपसरल-
है ॥ सोचितसरोजनकोपोचितवदनपेखि रोचिनकुमो-

दिनकेमोदयरसतहै ॥२७९॥ अथआयेमाहप्यारोलाग-
तहैनाहिरवि करतनदाहजैसोअथरेखियतुहै ॥ जानियेन
जातयातकहतयिलातदिन छिनसोनतातेतनकोयिसेखि-
यतुहै ॥ कलपसोरातसोतोसोयेनासिरातकेहूं सोइसोइ
जागेपैनप्रातपेखियतुहै ॥ सेनापतिमेरेजानदिनहूंतेंरात
भई दिनमेरेजानसपनेमैंदेखियतुहै ॥ २८० ॥ गिलगि-
लीगिलमैगलीचाहैंगुनीजनहैं चाँदनीहैंचिकैंहैंचिरागन
कीमालाहैं ॥ कहैपदमाकरत्योंगजकगिजाहैंसजी सेजहैं
सुराहीहैंसुराहैंअरुप्यालाहैं ॥ सिसरकेपालाकोनव्यापत
कसालातिन्हैं जिनकेअधीनएतेउदितमसालाहैं ॥ तान-
तुकतालाहैंविनोदकेरसालाहैंसुबालाहैंदुसालाहैंविसाला
चित्रसालाहैं ॥ २८१ ॥ सोनेकीअँगीठिनमेअगिनअधूम
होय होयधूमधारहूतोमृगमदआलाकी ॥ पौनकोनगौन
होयभरयोसुभौनहोय मैयनकेलौनहोयडियेंमसा-
लाकी ॥ ग्वालकविकहैहूरपरीसोसुरंगवारी नाचतीउमं-
गसोंतरंगताननालाकी ॥ यालाकीयहारओदुसालाकी
यहार आईपालाकीयहारमेयहारयहीप्यालाकी ॥२८२॥
यरुजातिरुचिरयिचित्रचित्रसालाचीत्र आनदयिसाला-
सोंदुसालाएहलैसहूं ॥ दीपनकीवस्तुजेउदीपनकीदिव्य
दिव्य लीजियेमगायकेसजायसेजऐसहूं ॥ कहैस्वामगु
न्दरसुजानमुनोशवतऊ फीकेहिलगैंगेपागकरपमुकं-
सहूं ॥ उरजकसोसीयाएनाकीरतिसोंमीधिना सिसिरके
सीतकोनसीसीमिटैकैसहूं ॥ २८३ ॥ झरझरझाँपिमढ़ेदर

दरदैं।पैंतऊ थरथरकाँपैंमुखआजतघतीसीजात ॥ फेरप-
समीननकेचौहरेगलीचातापैं सेजमखमलीबिछौसे।ऊस-
रदीसीजात ॥ थ्यांलकथितेसेमृगमदसोंधुकायेभोन ओ-
ढ़िओढ़िहारभारआगिहूछपीसीजात ॥ छाकेसुरासी-
सीलौलौंसीसीनामिटैगीजौलौं उरउकसीसीछातीछाती
मेंनमीसीजात ॥ २८४ ॥ जायोकन्यकाकोधायेआये।
हैहिमालयतें संगमेसहाईलैसुरभिभयकारीके ॥ कहैसिव
रामयाकृपायेहैंसुतीनोलोक ओकओकआपनेप्रतापजो-
रजारीके ॥ तेलतूलतपनसुऊनहूनजेरकीने येईदोऊधीर
रहेजगकीजियारीके ॥ सुन्दरसुव्रतऊँचेआदेयेअचलसूर
जाढ़ेकोसुआढ़ेगाढ़ेठाढ़ेकुचप्यारीके ॥ २८५ ॥ बेरबेर
ढांकैंयडेडरडरकाँकैतऊ कड़कड़दांतबाजयाजजुरिजुरि
जात ॥ नेकहेतप्यारेतेपैंथरथरकाँपैप्यारे ओढ़ओढ़
सालमालहूतेंलुरिलुरिजात ॥ सोभनभनतभागभागआ-
गआगेजात लखिछारभारपुनिपुनिमुरिमुरिजात ॥ सि-
सिरकेसीतमैअनीतसीतमानभीत सेजमैपुनीतभीतदोऊ
दुरिदुरिजात ॥२८६॥ खंभेदाररावटीबनातोलालछैरनमैं
अगरअँगीठीकरीसीतकोभजाईहै॥कहैसिवरामपसमीने-
कीबिछाइतपै तखतकेरूपसेजसरससजाईहै ॥ मोरछली
अलकैंअनूपसीसफूलछत्र संजितकोसोरकाममौघतघ-
जाईहै ॥ प्यारेकोमिलापप्यारीपातसाहीपाई रीझिसो-
तिनकोसालैंदईसखिनरजाईहै ॥ २८७ ॥ इति श्रीसृङ्गार
सुधाकरे द्विजकविकृते उद्दीपनविभावान्तरगतपट्ऋतु

वर्णनोनाम द्वादसमयूषः ॥ १२ ॥

॥ अथ रसनिरूपनम् ॥

दोहा । व्यापकनित्यविकारविनु ब्रह्मरूपरसजानि ॥
सोमैंवरननकरतहीं लच्छनसहितवखानि ॥

॥ अथ रस लच्छन ॥

दोहा । औरभावमनकोजहाँ होतप्रगटभयेंजाहि ॥
सुखदुखतेंपहिचानिये सुकविकहतरसताहि ॥
सोविभावअनुभावधर स्याईमिलिकैहोत ॥
शृङ्गारादिकनवकहे करताग्रंथउदोत ॥
मिलिविभावअनुभावधर प्रगटहोतहैजौन ॥
सोथाईनवरसनमैं सुकविकहतहैंतौन ॥
कारनकहतविभावकों सोद्वैविधिकोजान ॥
आलंबनएकदूसरो उद्दीपनपहिचान ॥
आलंबनसोजाहिलखि मनकेहोतविकार ॥
उद्दीपनतासोंकहत अधिकावैविस्तार ॥

॥ अथ अनुभाव लच्छन ॥

दोहा । जिनतेंचितरतिभावको अनुभवप्रगटैआय ॥
तेअनुभावहिजानिहैं जेरसज्ञकबिराय ॥यथा ॥

गोरसकोलूटिबोनछूटिबोछराकोगनै टूटिबोगनैनक-छूमोतिनकीमालको ॥ कहैपदमाकरगुवालिनिगुनीली हेरि हरपैहैंसैयोंकरैभूठैफूठख्यालको ॥ हौंकरतिनाक-रतिनेहकीनिसाकरति साँकरीगलीमेंरंगराखतिरसाल-को ॥ दीबोदधिदानकोसुकैसेताहिभावतहै जाहिमनभा-योभ्कारभ्कगरोगोपालको ॥ १ ॥

दोहा । अनुभावहिमैजानिये आठौंसात्विकभाव ॥
हौंग्रंथनमतपेखिकै बरनतहौंकविराव ॥
स्तंभकंपस्वरभंगअरु बिबरनअश्रूस्वेद ॥
जानिलेहुरोमांचजुत प्रलयआठयोंभेद ॥

॥ अथ स्तंभ लच्छन ॥

दोहा । भयतेंहर्षविषादतें थिरताजितैलखाय ॥
स्तंभकहततासौंसुकवि प्रगटतपायउपाय॥यथा॥
उततैंछबीलोछैलकढ्योआनबाहीगैल इतैगोरीग्वालिरँगजोबनकेपागीहै ॥ भनतकबिंदभेटव्हैगईअचानकही बानिकमिलापकीदुहू केउरजागीहै ॥ सिमिटिसकोचनिसोंदोऊमुरिमुसुकाने औरगतिमतिकीसुरतिहीतैंभागीहैं ॥ दोऊछकिरहेजकिरहेदोऊथकिरहे खोरिसैंकरीमैखोरिदुहुँ नकोंलागीहै ॥२॥ देखादेखीभईछूटि तबतेंसकुचगई मिटीकुलकानकैसोघूंघुटकोकरिबो ॥लागीटकटकीउरमिटीधकधकी गतिथकीमतिछकीऐसोनेहकोउघरिबो ॥ चित्रकैसेलिखेदोऊठाढ़े रहेकासीराम नाहींपरवाहलोगलाखकरोलरिबो ॥ बंसीकोबजैयोनटनागरबिसरिगयो नागरिबिसरिगयोगागरिकोभरिबो ॥३॥

॥ अथ कंप लच्छन ॥

दोहा । भयेंकामबसकोपबस भयेंसीतभयजान ॥
अंगकंपतासोंहरखि सबकबिकरतबखान ॥यथा॥
गोरीभोरीबैसथोरीथिरकोंहैंनैननिसों चकतचकोंहै उचकोंहैंमनबरबरात ॥ सोनेतेंसलोनीहोनीचारुजोतिजो

थनकी चंचलाईपरमसुहाईतनतरतरात ॥नवलानवेलीप रीवियसअकेलीआइ केलीकेअगारसुकुमारछयिछरछ रात ॥ सारीजलवीचप्यारीपीतमकेअंकलागी चंद्रमाके चारुप्रतिविम्बऐसोथरथरात ॥ ४ ॥ प्रेमकेप्रकासआसपा सकीपरोसिनिहू पूछिपूछिजातींपछतातींसवैअलिका ॥ कैसेहैंकुवंरिकासोंकहियेकहाथींभयो काहूकछुकीन्होथीं कुबोलबोल्योवलिका ॥ सोवैनात्रिजामाभरिस्यानासु मिरतिकाहि बोलतिविलोकतिनपोढ़तिहैपलिका ॥ झाँ पिझाँपिखोलैझपकारेदृगभारेदेव काँपिकाँपिउठैकुच कौंलकैसीकलिका ॥ ५ ॥

॥ अथ स्वरभंग लक्षण ॥

दोहा । होतजहाँरसवसभयें बोलपातरोसंग ॥
गदगदगरोभरोपरे तहाँकहतसुरभंग ॥ यथा ॥

घरिवैठीध्यानकरियैठीगूढ़यान जानिजानिजिय जानमोहमोहियमढ़तहैं ॥ मूंदिमूंदिलोचनखिलीतिनीद मोचनके मोचतसकोचसोचसवर्कंघ्रतहैं॥ भूलीभखप्या सवासहासतेंउदासदेव देखिदासीदासआसपासतेंरढ़त हैं ॥ कौनजानैमौनधरिकाकोंअवराधेअध राधेमुखआ धेआधेआखरकढ़तहैं ॥ ६ ॥

॥ अथ विवरण लक्षण ॥

दोहा । रतिसोंभयसेरिससों होतजहाँरंगऔर ॥
कहतसवैवैवर्न्यकवि देखिसकलतेहिंठौर ॥यथा॥

मोहनकीमूरतिमेंमोहीजगमोहिनीसु मोहिमोहिम

हामोहमोहियमढ़ाइयत ॥ आलिनकीआनउरआनतिन आनआन करतिनकानहिंसयानहिंपढ़ाइयत ॥ भोरभयें भीतरसरोजफरकतऐसो अधखुलीअँखियनउपमाग्रढ़ाइ यत ॥ लीनोमुखमण्डलपैपटुलप्रकासप्यारी जैसेंचन्द्रम- गडलमैचन्द्नचढ़ाइयत ॥७॥ सोईंघाललालसहसौरभस- मोईहाल रजनीमैसजनीसमेटयोसुखकेलीको ॥ लपटि लपेटिपटअङ्कभरिभेटरीप्यारी मैनकोमसूसोमेटेरासिख योसहेलीको ॥ आनिकैअचानकहीमुरगसुनायोनाद सा- पकेविषादसूव्योचौंसरचमेलीको ॥ सौंझकोसरोजकैधौं भोरकोकलानिधियों सुखमाविमुखमुखहैगयोनवेलीको॥

॥ अथ अश्रु लक्षन ॥

दोहा । आनदसोंदुखधूमसों जयभरिआवतनैन ॥
सासोंअश्रूकहतहैं औरछकेमदमैन ॥ यथा ॥

आयेपरदेसतेंसलोनेस्यामसुनिग्राम श्रवनअघानेल- खिलोचनविमोहेहैं ॥ यालहूनिहारेलालहेरतहीहारे दु- खतारैभरिआयेनीरधारेअवरोहेहैं ॥ भनतकविन्दआस पासफलेपल्लनके ढरकेनयाहिरकोंऐसोभौंतिसोहेहैं ॥ आ नदकेऔंसुवाउकतिएनीउपमाके पैनोचरुनीनमैमुकुतमा- नोपोहेहैं ॥ ९ ॥ राधिकानिकुंजमाहिंसंगलैसहेलिनकों देखतिफिरतिछोभाद्रुमनलतानकी ॥ आयगयोलहौंमन मोहनजूनटवर भेषकियेलियेसंगमण्डलीसखानकी ॥ पागिअनुरागमैनिहारतिमयङ्कमुखी धरचितचोपकरै- ओटसुखदानकी ॥ आनदकेजैसुवाउमगिढरकनलागे

लोचनकरनलागेभेटमुकतानकी ॥ १० ॥

॥ अथ स्वेद लक्षन ॥

दोहा ॥ भयतेंमगतेंखेदतें प्रियमिलिवेकेभेद ॥
उपजतजलकनदेहमें तासोंकहियतस्वेद ॥यथा॥

कामकलाकूकमाचीसीतिहियेहूकमाची बाजीनूपुरावलीकीऐसीछविलहीहै ॥ जोवनमहीपतिकीनौबतनिनादीकैधौं त्रिभुवनजीतिताकीसादीकरीसहीहै ॥ सुरतिकेश्रमगोरीग्वालिनिकीदेहपर स्वेदविन्दुपाँतियोंदिखातनेहगहीहै ॥ केलिअंतनिरखीनवेलीकीवनकमानो कनककीवेलीमेंचमेलीफूलिरहीहै ॥ ११ ॥

॥ अथ रोमांच लक्षन ॥

दोहा । उठतरोमविनसीतजहँ रसवसभयेंसरीर ॥
सोसात्विकरोमांचहै वरनतवुद्धिगँभीर ॥ यथा ॥

रोममेरेअंगकेनजानेजातरंगदेखु मानविनमानकोप्रसंगएकपायेरी ॥ वोलैंनविलोकैंनहँसावैंहँसैंहायहाय जड़सेसुभायकौनभायकरिछायेरी ॥ गुनगतिज्ञानविनजानपहिचानविन सेवकसुमानविनयाविधिलखायेरी ॥ सिसिरहिमंतनमलैकोपौनतंत काहेंकन्तमुखनिरखितुरंतउठिआयेरी ॥ १२ ॥ हरपिहरपिहियमंदविहँसतितिय घरपिघरपिरसराचैचितचोजहैं ॥ फरकिफरकियामवाहुफुरफुरीलेति खरकिखरकिखुलेमैनसरखोजहैं॥छलकिछलकिछविछलकनिपलकनि ललकिललकिमूंदेलोचनसरोजहैं ॥ मुलकिमुलकिस्यामस्यामसुमरतिदेव पुलकिपु-

लकिरोमउठतउरोजहैं ॥ १३ ॥ सखीछलबलकरिलाईके लिमन्दिरमै प्यारेसंकभरीअंकभरीत्योंसितायकी ॥ उर-तेंसमिटिकैसकोचनसोंरंच भयेनिरखिरमांघभईअंगन-योंआयकी ॥ लटकैसीचटकैसीलोटीसीलचीसीजानि उ-पमाकविन्द्रभनीउकतिजयायकी ॥ डौंडीतैंकैंटीलीपाँखु-रीसींमिलिअधखुली अलीकलीखैंचिमानोखोललगुला-वकी ॥ १४ ॥

॥ अथ प्रलय लच्छन ॥

दोहा । प्रेमप्रीतभयआदितें जिततितरहैजुहेरि ॥
सुनैगुनैतासोंकहैं प्रलयनामकविटेरि ॥ यथा ॥
डोलैनहिंगातजलजातनैनखोलैनहिं बोलैनहिंबातकैं सेजानैकोऊजानकी ॥ धीरोभयोसाँसलखिसेवकचहत आँस लीनोकोनगौंसकरिकूरताजहानको ॥ देखीमहा-छामदिनद्वैकीनविपतिराम ह्वैगोविधिवामएकाएकीसौं-हप्रानकी ॥ अतरलपेटीकालिकुंजनमेमेटी आजुधूरन धुरेटीलेटीवेटीव्रपभानकी ॥ १५ ॥

॥ अथ जृंभा लच्छन ॥

दोहा ॥ काहूकाहूकेमते जृम्भासात्विकमाहिं ॥
तातेहौंहू लिखतहौं यामैकछुसकनाहिं ॥
आलसआदिकतेंजहाँ करिविकासमुखदेत ॥
ताकोंजृम्भाकहतहैं कविकोविदकरिचेत॥यथा॥
केलिकैसकलरातिप्रातउठीअलसाति नींदभरेलोचन जुगुलयिलसतहैं ॥ लाजनितेंअंगनदुरावतिहैंवारवार खैं-

चिकरिवसनबिहारीबिहँसतहैं ॥ कविमतिरामआयेंआ-
लसजँभातमुख ऐसोमनभाँवतीकोछविसरसतहै ॥ अरु
नउदोतमानोसोभाकेसरोवरमैं सोभाबानसोभाकोसरो-
जबिकसतहै ॥ १६ ॥ इति श्रीसृङ्गारसुधाकरे द्विजकवि-
कृते भावअनुभाव सात्विकादि रसनिरूपणोनाम त्रयो
दश मयूषः ॥ १३ ॥

॥ अथ संचारी भाव ॥

दोहा ॥ सोसंचारीभावहैं जाहिलेतमनमानि ॥
जैसोजहाँसुचाहिये तैसोतहाँबखानि ॥

॥ अथ संचारी नामकथन ॥

निर्वेदग्लानिसंकाहरप मदश्रमआलसमोह ॥
औरसुमृतिधृतिदीनता चिन्ताजड़तासोह ॥
व्रीड़ाआँलनचपलता कहतअसूयाओंर ॥
औआवेगविषादऔ कहिऔत्सुकइहिंठौर ॥
अप्रबोधअमरषगरब अवहित्थापहिचान ॥
कहौउग्रताव्याधिमति औउन्मादबखान ॥
अपस्मारनिद्रामरन हैबितर्कऔत्रास ॥
येसंचारीभावहैं जानिलेहुबिनह्रास ॥

॥ अथ स्थाईभाव लक्षण ॥

रसहीकेअनुकूलजहँ उपजतहियेंबिकार ॥
ताकोंथाईभावकवि कोविदकियोसकार ॥

॥ अथ स्थाई नामकथनं ॥

रतिहाँसोउत्साहअरु क्रोधसोकभयआनि ॥

बिस्मयकहिफिरिजुगुप्सा येथाईपहिचान ॥
स्थाईसंचारीनके उदाहरननहिंदीन ॥
नवहू रसकेअंगहैं जानतसकलप्रवीन ॥
मैंकेवलशृङ्गारको कीन्होग्रन्थबिसाल ॥
ग्रन्थबृहदभयमानिकै लिखेनइनकेहाल ॥

॥ अथ केवल रतिथाई यथा ॥

माथेमोरमुकुटलकुटबनमालगरें अंगनमेंमृगमदरंग कोंभरतिहै ॥ काछेकटिकाछनीअधरमधुमईमंद बाँसुरी बजायसुखसिन्धुमैंतिरतिहै ॥ जादिनतेंगोकुलबिलोकि गईरावरेकों तादिनतेंऐसीपेखिप्रकृतिपरतिहै ॥ नटवर भेषधरेंआरसोमहलजाय व्हैकरित्रिभंगतुमैंदेखिबोकरतिहै ॥ १ ॥ जहाँजहाँसुनैंनहाँतहाँकोंपठावैमोहि पेखि आइअबधौंसरूपकैसोधरेहैं ॥ देखिआईजहाँतहाँफूलि फूलिमूलिभूलि वृक्षतिबनकऐसेनितनेमकरेहैं ॥ कह्राक-होंतोहिकहिआईजोतूं हरिकथा रघुनाथमोहियेअनेसेआ निपरेहैं ॥ आँखिनपरेंगेंआनिजोतोकौनदसाव्है है कान परेप्रानराखिबेकेलालेपरेहैं ॥ २ ॥

॥ अथ श्रृंगार रस लच्छन ॥

दोहा । दंपतिजोलोपरसपर कविजनकहैंबिभाव ॥
रतिथाईआनंदचर नैनबैनअनुभाव ॥
सोद्वैबिधिबरनमकरों एहोमतिबरलोग ॥
एकभाँतिसंजोगहै अरुएकभाँतिबियोग ॥
मिलेहोतसंजोगसो बरनतहैंकबिलोग ॥

बिछुरंतेंसबकहतहैं देखोभयोवियोग ॥
मिलिदंपतिबहुभाँतिकी क्रीड़ाकरतअछेद्द ॥
ताहिसँजोगसिंगारबुध बरनतसहितसनेह ॥

॥ अथ संजोगशृङ्गार यथा ॥

कूजिकूजिउठतमनोरथनिपूजिपूजि दूजीगतिअंगन अनंगबितरतहै ॥ रसनाबजतदाबैरसनादसनकहै बसना हमारोपरबसक्योंपरतहै ॥ अधरमधुरपानकरियोपरस-पर भरियोभुजनकुचकुंभनठरतहै ॥ रसकीझकोरबीच कसकीकरेजेआनि मसकीमयंकमुखीससकीभरतहै ॥ ३ ॥ जननीकेअंकपरजंकतेंनिसंकधाय देखवामयंकमुखचख-निचकोरही ॥ भटकीगलीनहूनअटकीअलीनचितै चट-कीकलीनचंचरीकचितचोरही ॥ नंदजूकोनीदिनीदखो-इनंदनंदनकी बरजोनमानैकरजोरैबरजोरही ॥ धोबन दैबदनबिलोवनदैदधिराधे सोवनदैस्यामहिंजगावैजनि भोरही ॥ ४ ॥

दोहा । प्रगटतितियजोप्रकृतिहै निजसिंगारकेहेत ॥
सोसँजोगसिंगारमैं हावसबैकहिदेत ॥
लीलाऔरविलासपुनि बिच्छितविभ्रमहोय ॥
किलकिंचितपुनिललितहू मोट्टाइतजियजोय ॥
बहुरिकुट्टमितजानिये अरुबिब्बोकहुमान ॥
बिहितसहितदसहावये कबिबरकियेबखान ॥

॥ अथ लीलाहाव लच्छन ॥

दोहा । तियपियकेपियतीयके भूषनबसनबनाव ॥
ताहीबिधिबोलनिहँसनि सोहैलीलाहाव ॥यथा॥

हाथमेलकुटधरेंमोरकोमुकुटमाथे कैंधेपीतपटधरि करिरुचियावरी ॥ स्यामताकोरंगमृगमदअंगरागकरें डरैनाहिंकाहूजोकहैगोमोहिबावरी ॥ चिन्तामनिगरेंगुञ्जमालवनमालऔ तिलकभालऐसेंहैवितावतविभावरी॥ तुम्हें बिनमिलेलालनवलनवेलीबाल पावसनकलसोनक लकरैरावरी॥५॥वैठीसीसमंदिरमैसुन्दरिसँवारहीकी मूंदि कैकिवारदेवछायिसोंछकतिहै॥पीतपटलकुटैमकुटवनमा- लधरि भेपकरिपीकोप्रतिविंबमैतकतिहै ॥ होतिनानिसंक उरअंकभरिभेटियेकों भुजनिपसारतिसमेटतिजकतिहैं ॥ चौंकतित्रकतिउचकतिचितवतिचहूं झूमिलचकतिमुख चूमिनासकतिहै॥६॥राजपौरियाकोरूपराघेकोंवनायलाई गोपीमथुरातेंमधुवनकीलतानमैं ॥ टेरिकह्योकान्हसोंच- लोजूकंसबोलैंतुम्हें काकेकहेंलूटतसुनेहौदधिदानमैं ॥ सं- गकेनजानेगयेडगरिडिरानेदेव स्यामसरमानेसेपकरिकरे पानिमैं ॥ छूटिगयोछलसोंछबीलीकीविलोकनिमैं ढीली भईभौंहैंवालजीलीमुसुकानिमैं॥७॥करमैलकुटगहीमुकुट सँभारसही कटिपटकसेरहीलोकछबिलुनिकै ॥ उरपरव- नमालचंदनकीखौरभाल करतिनिहालब्रजबीसुरीकीधु- निकै॥हेरनरसीलीसोभचलनरँगीली मुसुकानजरवीली होछकितगुनगुनिकै ॥ केसीकेमथनदेखोकैसीहैधहारया- स कसयाँध्योसीसपैमुकेसीचीराचुनिकै॥ ८ ॥

॥ अथ विलासहाव लच्छन ॥

दोहा । चलनिविलोकनिमृदुहँसनि सुरसमाधुरेघोल ॥

द्विजकवितार्कोकहतहै हावविलासअमोल॥यथा॥

झाँकीआनिउझकिझरोखेहेरेऊखमके कानतानपरी जयकान्हसुखदानकी ॥ मतिरामअद्भुतहूँरह्योकलानिधिसो ललितलसततामैलालीअधरानकी ॥ कौनकौनवरनोनिकाईमुखमंडलकी डोलतिनमनतैंदुलनिमुकतानकी ॥ चौंकाकीचखनकोचकौंडाकीरुचिरचारु चिबुकफीचोजकीचितौनिमुसकानकी ॥ ९ ॥ किंकनीकलितकलनूपुरललितरव गौनतेरोदेखिकैसकतकरिगौनको ॥ मृदुमुसुकानमुखचंदचारुचाँदनीसों राख्योकैउजारोअभिरामहारजौनको ॥ सहजसुभायनिसोंभौंहनिकेभावनिसों हरतिहैमानोमतिराममनरौनको ॥ रूपमदछाकीअतिछबिसोंछबीलीदेति तिरछीचितौनमैनबरछीसीकौनको ॥ १० ॥ गोरेतनजाकेयोंसुहाईहरीसारी हरीसारीसुधिबुधिजिननंदकेकुमारकी ॥ घाघरेसुरंगीकीवाघूमनिछवानिछ्वै छ्वै छोरनितैंछूटीसीपरतिजरतारकी ॥ बिहँसतिचलीरतिमंदिरकोंचंदमुखी मोतिनकीजोतितैंसीअंगनिबिहारकी ॥ फूलीबनीजातिजापैंवारियतबनीजाति ऐसीबनीजातिमानोमनिहैसिंगारकी ॥ ११ ॥

॥ अथ बिच्छित लच्छन ॥

दोहा ॥ थोरेईसृङ्गारमह सोभाअधिकलखाय ॥

ताकोंबिच्छितहावकहि बरनतहैंकविराय॥यथा॥

पायलजरावजरीजेहरसुढारढरी घूघुरूनघरीघरीपेंन्हैधुनिसदकी ॥ किंकिनीनिकटकाममोतीमालउरधाम

हीरामनिअभिरामकीमतीबरदकी॥बेनाबीचबेंदियाकरनफूलसीसफूल परतकबूलनालुनाईलोकरदकी॥सौतिनदरदकरैरूपसरहदकरै प्यारीतेरेभालबीचबेंदीमृगमदकी ॥ १२ ॥ देखिदेखिलहरिलहरिउठैलालमन छविकीछहरिलेंछपाकउठेभरफैं ॥ भूपनभौरईहिंभूपनकीभूखनहै सबकेसिंगारनपैंडारतिहैबरफैं ॥ कोगनैनगीनपन्नगीन कौनथीनदुति कियेदेतिसुरसुंदरीनकौंअदरफैं ॥ तेरीएकधारीडोरियाकीसेतसारीहीसों सेतमुखसौतैंहैंअचेतपरीतरफैं ॥ १३ ॥एहिनमैतेरेअरुनाईयोंलसैरीजापैं वारियतबंदनसदाहींसौतिभालको ॥ सुमनगुलाबकैसेसुन्दर गुलुफतेरे कुलुफकैराखतिचितैबोब्रजपालको ॥ नैनकजरारेबैनसुधासेसँवारेएनी कहाँलौंयखानैतनरूपजोतिजालको ॥ कहाकियोचाहैतूसिंगारकैनिगोडी तेरीठोड़ीहीकेविन्दुनैहस्योहैमनलालको ॥ १४ ॥

॥ अथ विभ्रम लच्छन ॥

दोहा । भूपनऔरैअंगके सजिऔरैअँगलेत ॥
ताकोंकविकोविदकहैं बिभ्रमहावसहेत ॥ यथा ॥

रंगहीरँगाईअंगअंगउमगाईदेव जामिनीजगाईमृदुभावनिभ्रनकपे ॥ उठीभहरातथहरातभहरातभुज औरतिजम्हाततिततुतोरततनकपे ॥ अँचरुउचाकिचन्द्रहारसीसबाँध्यो नीलपटलैलपेटयोकटिकिंकिनीभ्रनकपे ॥ लालकीजीवनिप्रपमानकीलड़ाइती यिलोकियलिगईयलिथालकीबनकपै॥१५॥ बाँसुरीबजाईआनिकुंवरकन्हाई

सहौं तानलागेतनुकंटकितभोकरंजसो ॥ नेवरकरनियैं।धे
जेवरगरेकैपास देवरिकोडरुसोतोखैंचिकियोखंजसो॥धा-
रीजिमिदोरीयालभनतकविंदहाल लालकोंबिलोकिली-
न्होंसुखनिकोगंजसो ॥ अंजनअनंजनसोतासमैसोहायो
वाको एकदृगखंजनसोएकदृगकंजसो ॥ १६ ॥

॥ अथ किलकिंचितहाव लक्षण ॥

दोहा। हरषहासअभिलाषश्रम भीतएकहींबार ॥
होतजहाँतामोंकहैं किलकिंचितनिरधार ॥

छायैमदमोदमैंविनोदपलँगपैछन आयैगोदप्रबल-
प्रमोदहीकीनेतिहै ॥ उछलैविछलिछलिपिछलैपियासों
चलि चलिहांसपाटीलौंडरतैकीउतचेतिहै ॥ होंकरतिसेयक
हहाकैद्दयिनाकरनि नाकरतिरतिमैंहियेकोंहरिलेतिहै ॥
जोइदेनजुरतिजुड़ानिजकिजानिगहैं रोइदेतिफिरिलिरि-
कालिहेंसिदेतिहै ॥ १७ ॥ दंपतिअनूपथैरसुरतिअरंभसमै
सुन्दरीमैकोऊरमरागमरगानिहै ॥ सकनोंघनुपरयोरी
फूटिमाकरिकर मनमनडारियोंकोछुवनिगुहानिहै ॥
हियरासगावमन्थवहिलगीआवनिहै चिन्तामानिभूषन
करनिनालजानिहै ॥ नहियाँकरनिनीथीमोमनिथैली-
दाल रोवनिरिगनिअम्पानिमुनकानिहै॥ १८ ॥ चन्दपर
बैठेह्वैचकोरीनिरधारिकैधौं भमरीनअनुकंअपैगुरीटि-
हारीहैं ॥ मनककापिन्दहैंअनोखीअनियारी गंसैगम
गेहैंआपबिहारीहैं ॥ जागीमीनिजनकांस्रुगोक-
कागैमापहियेहामकीनूकका गैहै॥ हैंमवारी

प्रावारीऔसूर्खेदपासयारी रोसरासवारीप्यारीऔंखै योंनिहारीहैं ॥ १९ ॥

॥ अथ ललितहाव लच्छन ॥

दोहा ॥ मनप्रसन्नपियवसकरन चितचौगुनोसुचाय ॥
प्रतिअंगनरचनाललित वरनतललितसुहाव॥यथा॥

जगमगमाघीजरीअंबरविभूषनसों पानिपसोंपूषनप्रकासथकियकिजात ॥ सिंहमृगमोरचोरकरिकारिजानें और सोरविछुवाकेहंसढोरतकितकिजात ॥ दोरिपुरअंगनासराहैंकरजोरिजोरि गोरिगुनगोरिकोगरूरढकिढकिजात॥ सौरभकेजोरसोंभरेहैंभौरभौर जाहिचाहिचाहिसेवकचकोरचकिचकिजात ॥ २० ॥ निरखतसाजअपभानकीसुताकोआज छाकेव्रजराजकाजछूटेसेपरतहैं॥हृगचकचौंधेदिनकौंधेसेमचतआवैं सौंधेसेपवनपुरजूटेसेपरतहैं ॥ आरतीउतारनसमेतभूरिभारनके वारनकेनगमगजूटेसेपरतहैं ॥ मानोदुतिपुंजकीसमासेआइसेवकजमासेजोतिरिंगनकेटूटेसेपरतहैं ॥ २१ ॥ प्यारीपामधैठी आनिरूपरासिप्रानप्यारी चाँदनीकेदेखिवेकोचायचितभरिगो ॥ हीरनकेमोतिनकेआभूषनसंगसखी अंगतेंउदोतभारीजोतिकोपसरिगो ॥ उपमानव्है वेकीचर्चाहिकहारघुनाथ तारनसमेतउपमेयतासोंटरिगो ॥ प्राचीतेंउगगनप्रतीचीतकसवराति छविछपाकरिछपाकरछपाकरिगो ॥ २२ ॥

॥ अथ मोहायत लच्छन ॥

दोहा । सकुचहिपैंगुरुलोगकी दरसनचाहतचित्त ॥

प्रीतिभीतिसँगब्ररानिये हावसुमोट्टाइत्त ॥ यथा॥

झूंठेमनरंजनअनूठेमुखमंजनओ अंजननिअँ।जिद्द-गखंजनसेकरिकै ॥ संगसंगडोलैअंगअंगअनबोलै मन खोलैनकुरंगनैनिदेवरंगढरिकै ॥ वसनसुगंधहाररसनय-नायेकहा भूपनसुहागबिनदूपनसेधरिकै ॥ मनकेनमे-टेदुखसुखक्योंसमेटेजाहि मदनझपेटेजोनमेटेभुजभरि-कै ॥ २३ ॥ केसरिकेरँग्योरंगकेसरियाबागोअंग अतरत-रंगनिउमंगसुखमूलहै ॥ तैसीलालकरनतैंगहरीगुलाल-की उतालछूटैंमूठैंसोभफैलरहीफूलहै॥ एरीलाजलटजाइ घूंघटपलटजाइ लागीचितचाहजागीसुरतिअभूलहै॥लो-चनलहेकीफललेखनदैआजु मोहिंदेखनदैआलीब्रजचंद दिनदूलहै ॥ २४ ॥ चाहअरबिन्दकीनचाहचंदचन्दनकी नाहींचाहसीतमन्दपौनकेपरसकी ॥ रागकीनचाहबारी-बागकीनचाह मेरेनाहींचाहएरीतेरीबतियाँसरसकी ॥ ब्रन्दकबिकहैमेरीलगनलगीहैवासों वाहिबिनघरीमोहिं बीततबरसकी ॥ कहौंकरजोरिकोरिबातनकीएकैबात मेरेचितचाहप्रानप्यारेकेदरसकी ॥ २५ ॥

॥ अथ कुट्टमित लच्छन ॥

दोहा॥ सुखमेंदुखचेष्टाजहाँ कपटरीतिसोंहोय ॥
नखरदछतकचग्रहनतें कुट्टमितकहियेसोय॥यथा ॥

छतियाँछुवतिछयिऔरैहोतिआननकी चंदनमिला-यमानोकेसरढरतिहै ॥ मुखकीरुखाईपैंकखाईकछूनैन-नकी नैननिकाईचिकनाईपैधरतिहै ॥ नासिकामरोरि

मुरिकैसेनीकेनाहींकरि चाहौचितप्रीतमकीवाँहीँपकर-
तिहै ॥ देवसुखसागरमैंबूड़तिसीतातेंतिया उससिसुजा-
नहिंभुजानमैंभरतिहै ॥ २६ ॥ सीकरिकैंधीकरिकैकुहुक-
बिगारिकैंठ ओपैकामकलाकैधौंचोपैचितचाहकै ॥ भन-
तकबिन्ददाविदन्तनअधर मधुपीवतसुघरसीखैकोककी
सलाहकै ॥ ससकतलंककसकतवाकेगोरेगात नसकतछो-
ड़िससकतउरआहकै ॥ नाहींनाहींकरिज्योंदिखावैदुख
राहप्यारी त्योंत्योंरतिरंगमैंउछाहवाढ़ैनाहकै ॥ २७ ॥

॥ अथ बिब्बोक लच्छन ॥

दोहा ॥ कपटनिरादरकरतिजहँ निपटनेहतेंतीय ॥
ताहिकहतबिब्बोकहैं कबिकोबिदगुनिजीय ॥

आपहुत्रिभंगीगातभलीबनिआईबात जोगैजोगमि-
लेबाढ़ैभोगअधिकारेहैं ॥ कारेतनकुण्डलीहैंत्योंहीनैन
ताननिहै ताननकीधुनिसोईफुंकरनिधारेहैं ॥ धारेहैंमुकु-
टवहैमाथेमेंबिराजैमनि वाँकीचितवनिबिषपन्नजमैंबगारे
हैं ॥ गारेहैंगुरनिउन्हैलाजौनलगति कूरकूबरीकेहूँकेहा-
नचाहतहमारेहैं ॥ २८ ॥

॥ अथ बिहित लच्छन ॥

दोहा ॥ पियमिलिवेहूपैंतिया लाजनिवचनकहैन ॥
बिहितहावतासोंकहत कबिकोबिदबुधिऐन॥यथा॥

नैनभरिमूठिअनुरागकीगुलालघोर भरीरूपकेसरि
सुरंगपिचकारीहै ॥ सरससनेहलैसिंगारओफुलेलचोवा
पीतकुमकुमाभावकुंभनपैढारीहै ॥ आजख्यालखेलिवे

कोंसाजसजिग्रानिकसें आईग्रलिनागरिनग्रलरंगनारि है ॥ रतिरतिराजछाइलाजकेसमाजछाइ रहीतकियकि तचकितचोपयारीहै॥ २९ ॥ सकलसहेलिनकेपीछेपीछेडो लतिहै मंदमंदगोनउपहारहिकरतहै ॥ सनमुखहोतसुख होतमतिरामजग्र पीनलागेघूंघुटकोपटउघरतहै ॥जमु नाकेतटवंसीग्रटकेनिकट नंदलालकोंसकोचनतेंचाह्योना परतहै॥ तनतोतियाकोघरभौंग्ररैभरत मनसांवरेग्रदनप रभांवरैभरतहै ॥ ३० ॥ इति श्रीसृङ्गारसुधाकरे द्विजक विकृते संजोगसृङ्गारान्तरगत हावग्रर्णनोनाम चतुर्दस मयूषः ॥ १४ ॥

॥ ग्रथ वियोगसृङ्गार लच्छन ॥

दोहा ॥ बिछुरतदोउनकेजहां होतपरस्परखेद ॥
सोसृङ्गारवियोगहै जानिलेहुसबभेद ॥
सोहैतीनप्रकारको इकपूरबानुराग ॥
दूजोमानप्रवासये तीनोभेदग्रदाग ॥

॥ तत्र पूर्वानुराग लच्छन ॥

दोहा ॥ देखेसुनेजुप्रेमतें होतमिलनकोचाव ॥
सोपूरुबग्रनुरागहै बरनतसबकबिराव॥ यथा ॥
दीठिपरोजौतेंतौतेंनाछिनटरतिछवि आँखिनछयो रीछिनछिनछालिछालिउठै ॥ बाजिग्राजिउठतमिठोंहै सुरवंसीग्रोर ठौरठौरढीलीगरबीलीचालचालिउठै ॥ फ रकिफरकिउठैंपीरेपटुकाकेछोर सांवरेकीतिरछीचितौनि

सालिसालिउठै ॥ डोलिडोलिकुंडलउठतवेईंबारबार एरी
वहमुकुटहियेमेहालिहालिउठै ॥१॥ कालिंदीकेकूलकालिह
कौनबेरकढ़ीआली कहाँतेंहौंगईदईदेहैंथहरतिहै ॥ कासों
कहौंकसककरेजेकीकठिन कोऊहितूनाहमारोहियेहूकह-
हरतिहै ॥ घरीघरीघूंघुटमेघूंटिघूंटिघटमेरो घटतिन
नैननेहनदीछहरतिहै ॥ लकुटसोंसंतनपितंबरलपेटेवहै
फेरनिहमारेउरअजौंफहरतिहै ॥ २ ॥ कछुनसोहायबिन
देखेतेंरह्योनजाय हियोअकुलायहायचेटकसोकरिगो ॥
नीलकंठरुचिरसुहातोचितवनवाकी थातीसीहँसनिमेरी
छातीपरधरिगो ॥ पौनहूंमैपानिहूंमैचन्दहूमैचांदनीमै
फूलनिदुकूलनिद्वागिनसोभरिगो ॥ कहाँतेंहौंआईदुख
हाईपनघटमाई कहाँतेंकन्हाईमेरीआँखिनमेपरिगो ॥
३ ॥ भेदबिनजानेएतीवेदनाबिसाहियेकों आजहौंगईती
यारबंसीबटवारेकी ॥ कहैपदमाकरछटूहै लोटपोटभ
ई चित्तमैचुभीजोचारुचोपचटकारेकी ॥ बावरीलौंबूझ-
तिघिलोकतिकहातूं बीर जानैकहाकोऊपीरप्रेमहठवारे-
की ॥ उमड़िउमड़िवहैबरसैसुआँखिनहूं घटमैबसीजो
घटापीतपटवारेकी ॥ ४ ॥ मंजुलमुकुटकेनिकटघरोए-
करहेरा उततेंउचटिलोनीलटनिमैलटिगो ॥ कहैबलिभ-
द्रलोनीलटतैंउलटि फिरिग्रीवाकलकंठकीनिकाईमैसिमि
टिगो ॥ भूलोभूलोफिरोफेरग्रीवाकलकंठहूतें नाभीसर-
सीदिनपैंपहुंचतरपटिगो ॥ अटिगोनमेरोमनहटिगोत-
हाँईआली कटिकेनिकटपीतपटमेलपटिगो ॥ ५ ॥ आ-

ईसाँ।फधेनुवाकेमहलपिछोंहिंकढि दौरद्वारआईकहिय-
च्छाचोंखपारैना॥ लकुटकँधोंहिंधरेमुकुटकोंहिंसीस ढा-
रेयहुअंचलचहूंघाँहगटारैना॥ धूरमेधुरेटेदोऊरीफारहे
घेनीकवि महलअटारीलोगकाँकतनिहारैना॥ खरीको-
रचौंतराकेटरतनचंदमुखी साँकरीगलीतैंलालगायनबि-
डारैना॥ ६॥ आवतहोकुंजनतैंआँसुरीबजावत पियू-
पघरसात्रतसघनघनकारोहे॥ पीतपटवनमालगुंजनको
हारहियें कुंडलमकरमुखसुधासिंधुभारोहे॥ द्विजजूबिलो-
कतहीधीरजधस्योसोजात हँसोसोपरतकामकेतिकविचा-
रोहे॥ सखनकेसंगउतमंगमोरपखनको कौनकोदुलारो
यहजुलफनवारोहे॥ ७॥ अटपटीचाललटपटीलालपा-
गठटी पटीपीतखासीखौरकेसरकेगारेकी॥ मनिमयभू-
पनअखिलअवतंसआदि पहिरेयजावैयंसीसबदपियारे-
की॥ देवकीनदनसिंहबड़ीवडीआँखिनकी फलकतरंग
मईअंगरंगकारेकी॥ तकिरहीकान्हमगथकिरहीछकिर-
ही जकिरहीजेबजोहिजुलफनवारेकी॥ ८॥ अंगरंगसा-
रपरसोभाकीबहारपर छूटेछूटेवारपरचितउरझागयो॥
गोरेभुजगोलपरसुन्दरकपोलपर अधरअमोलपरचितल-
लचागयो॥ मृदुसुकानपरदृगनिमिलानपर ललितलजा-
नपरसुमतिसुभागयो॥ कटिअतिछीनपरनागरप्रवीनप-
र जोबननवीनपरमोमनबिकागयो॥ ९॥ स्यामलग-
हीलोगातपटचटकीलोपीलो छैलअरबीलोइहिंगैलव्हैनि
करिगो॥ टरिगोहमारोबीरधीरजहियेसोंहाय लाजको

दियालोहगद्वारहूँनिकरिगो ॥ मंचितकहतचितवितको
बिचारेकौन रूपकेझलाझलसोंघूंघटउघरिगो ॥ सारी-
सिरस्यामस्यामपूतरीनवसिगोरी हेरिवोहमारोसोहमारें
गरेंपरिगो ॥ १० ॥ आलीआजपहपहेगईहुतीजललेन
आइगयोजदुनाथयमुनातटाऊकों ॥ सुकबिनरोतमनि-
हारिमैनमूरतिकों ह्वै रहीचकितखोलिघूंघुटपटाऊकों ॥
भूलिगयोगेहतेहदेहँकोसम्हारछूल्यो छूटिलाग्योमेहनेह-
नैननिलटाऊकों ॥ ऐसेंमिलिमोहनसेंबेच्योमोहिमेरेमन
जैसेंठगठगहाथबेचतबटाऊकों ॥ ११ ॥ देखेअनदेखेदु-
खदाईभयेसुखदान सूखतनआँसूसुखसोइवोहरेंपस्यो ॥
पानीपानभोजनसुजनगुरजनभूले देवदुरजनलोगलर-
तखरेंपस्यो ॥ लाग्योकौनपापपलएकोनपरतकल दूरि-
भयोगेहनयोनेहनियरेंपस्यो ॥ होतोजौअजानतौनजा-
नतोइतेकव्यथा एरेजियजानतेंरोजानिबेगरेंपस्यो ॥१२॥
जिनवलबीरहिबिलेक्योहैनबीर तेचहैंसोकहैंवालकुटि-
ठाईमनमाखैंना ॥ ठाकुरवकैनकुलकाजबाजिआई व्रज
राजसाजमोहीकाजलाजहूतेंराखैंना ॥ पीतपटकुंडलल-
कुटवनमालधरें यौंसुरीवजावनिवनकवरनाखैंना ॥ भा-
वैंसौंचसंगमनराखैंआँखैंमेरी स्यामरंगरसचाखैंआनअ-
मअभिलापैंना ॥ १३ ॥ बड़ेबड़े लोचनसकोचनमदनमो-
न रोचनतिलकअरवदननिहारेना ॥ कुंडललसनिबनमा
लबिलसनि पीतबसनसमेतस्यामरूपउरधारेना ॥ घ-
नीरामदूसरेकीपीरवहजानैकहा भूलिजाकेपगनिबिवा-

इंविधिपारैना ॥ वारवारबोलतीहौबैनविपयारे घु
बाँसुरीकीपरीआलीश्रवनतिहारेना ॥ १४ ॥ इन्दीः
आभाअवलोकतींअवनिवीच सजलघटाकोछटागग
मैछाइगै ॥ सलिलजहाँलौंलखोंतहाँलौंकलिन्दीरूप अ
तसीकुसुमदुतिसुमनमैआइगै ॥ रघुराजचेतनअचेतनज
गतवस्तु नीलमनिसोभातजिहूजीनादिखाइगै ॥ फिरतन
फेरेलखिपरतनहेरेओरी मेरीदीठिस्यामरंगसिन्धुमैसमा
इगै ॥१५॥ कुलकेकसाईकहूं कदुननदेतनेक सासुरेकेसुर-
तिकैकवहूं बुलावैना ॥ घोखेहीझरोखेएकवारहांनिहा-
खोलाल तादिनतेंमेरोमनमूरतिभुलावैना ॥ कहाँजाँऊंकै
सीकरौंकासेंकहौंरघुराज कैसेंदिनभरोंकोईमोहिलैमि-
लावैना ॥ जैसेंतैसेंवाकीपदरेनुमेरेहीमैलाय प्रानदान
दैरीओरचरचाचलावैना ॥ १६ ॥ कहतिकहातूं सुनिप-
रतनमेकोंकरू बाँसुरीसवदकलकाननमैभरिगो ॥ आँ-
खिनमैसाँवरोसरूपवनमालवंसी पीतपटकुंडलमुकुटध-
रेंधरिगो ॥ देवकीनदनसिंहओरअवलोकोंकैसें एरीआ
जलाजगेहकाजनेहटरिगो ॥ चाहैसखिसोनाअबहोनार-
ह्योभोना वासलोनामोपैंनन्दकोढुटौनाटोनाकरिगो १७
मृगहूतेंसरसविराजतविसालदृग देखियेनयरदुतिकौलहू
केदलमै ॥ गंगघनद्विजसेठसततनआतपन ठाढेद्रुमछो
हैंदेखिहूं गईविकलमैं ॥ घनचितचाहपरैसोभाकेसमुद-
महैं रहीनासम्हारदसाओरैभईपलमै ॥ मनमेरागरुयो
गयोरीयूहिमैंनपायो नैनमेरेहरुयेतरतरूपजलमै ॥१८॥

मोहितजिमोहनैमिल्योहैमनमेरोदौरि नैनहू मिलेहैंदेखिदेखिसाँवरीसरीर ॥ कहैपदमाकरत्योंतानमयकानभये हौंतौरहीजकिथकिभूलीसीभ्रमीसीवीर ॥ एतोनिरदईदईइनकोंदयानदई ऐसीदसाभईमेरीकैसेंधरौंतनधीर ॥ होतोमनहू केमननैननकेनैनजे।ता कानननकेकानतौयेजानतेपराईपीर ॥ १९ ॥ खेलनिहँसनिबिहँसनिहूबिसरिरही परिरहीजरदनिसरिरहीपाँसुरी ॥ साँसनभरतिहहरतिसी हरिननैनी नैननतेंबहतरहतनितआँसुरी ॥ ध्यानकीन्हे काननप्रबीनबेनीकाननव्है ताननकीउरमैंरहीहैगरिगाँसुरी ॥ साँवरीगईहैपरिबावरीसीहोनचहै जबतेंसुनीहैअलिसाँवरेकीबाँसुरी ॥ २० ॥ इतउतहेरतहँसतहुलसतबीर बाँसुरीबजावतकढ्योसोआनिमेरीगैल ॥ जाकीलखेंलोयनलुनाईललकति रतिपतिहूललामजाकेतनकोलगसमैल ॥ कहैहनुमानब्रजयालनिकोप्रानमंजु सुघरसदाहींकुंजकुंजनकरतसैल ॥ वारोकुलकानिकलकानिहूरहीरोजौन जोपैमिलैआनिआलीपीतपटवारोछैल ॥ २१ ॥ सखिनसमाजहूमैंसोचतिसकानीरहौं तबहू सुहावनोासनेहमोउघरिगो ॥ घरघरलागीघरहाँईनैकरनघेर ननदजिठानिनसेबैरहूबगरिगो ॥ नाइनतूमेरीहनुमानकाछपाऊंतोसों चायनसमेतगृहकाजऊबिसरिगो ॥ तौयरोसो आवैरीमहावरोदिवावैकौन सेंायरोसलोनोामनथायरो सोकरिगो ॥ २२ ॥

॥ अथ मान लच्छन ॥

दोहा ॥ सूचकपियअपराधकी चेष्टाकहियतमान ॥
भानुदत्तमतयूक्तिकै द्विजकविकरतबखान ॥
सोहैतीनप्रकारको लघुमध्यमगुरुजान ॥
मतिरामादिकसुकविहू इहिंबिधिकियोवखान॥

॥ अथ लघुमान लच्छन ॥

दोहा ॥ परतियदेखतकंतकों मानकरैतियरूसि ॥
ताहिकहतलघुमानहैं कविकोविदरसचूसि ॥
वचननकीरचनानितें मिटतजहाँहैमान ॥
लघुकहिताहिबखानहीं सकलसुकविबुधिवान॥यथा

देखततमासोहरिओरैमृगनैनिनिके निरख्योहरिननैनीरोगरसभीनीहैं ॥ ताहीसमैआइगयोरसिकरसोलोलाछ लखतसलोनीकोंविरसमतिचीन्हीहै ॥ मानविनतिहमराखततिहारोमान विनअपमानकहामानरीतिकीन्हीहै ॥ सुनिकेप्रवीनबैनमैनकीकमानसम चढ़ीतिरछौंहींभौंहैंसौंहैंकरिदीन्हीहै ॥२३॥

॥ अथ मध्यममान लच्छन ॥

दोहा ॥ पियमुखतें जबकढ़नकहुँ औरतीयकोनाम ॥
यढ़ैसुमध्यममानयों होतसुनैतनछाम॥यथा॥

फैलरहीचाँदनीरुचिरचंदचेतकीत्यों केतकीसुवासमोह्योमहलअटारीको ॥ बैनीकबिंद्रपतिरमतरतिरंगनमें पलिकेबदनकढ्योनामऔरनारीको ॥ भौंहैंसतरायतिरछौंहैंमुखनाय जलभींहैंयड़ोचूंघुटाकुकायोनीलसा-

रीको ॥ मानीएकबारगीअँध्यारीकोपसारभयो मूदिग-
योचंदद्वंदछायोघटाकारीको ॥ २४ ॥

॥ अथ गुरुमान लच्छन ॥

दोहा ॥ करैजुकछुपरिहासपिय औरतीयकेसंग ॥
तासोंउपजैरोसजो सोगुरुमानउतंग ॥ यथा ॥

आजतुम्हैंदेख्योकहूं पौरिमेपरोसिनिसों दीन्हेगलबाँ-
हींरहेजानिजियमेअनेति ॥ ताछिनतेंतेहसौंचढ़ीहैतनता-
पमहा फरकतअधरउसासभरिभरिलेति ॥ कान्हजूउपा-
यकरौचलोपरोपैंइनपैं नाइनहींरावरेकीकहतिस्वभाव-
चेति ॥ मोतिनकीमालसीगिरतिघनेघूंघटमे बड़ीबड़ी
आँखिनतेंआँसूढारिढारिदेति ॥ २५ ॥

॥ अथ प्रवासविरह लच्छन ॥

दोहा ॥ पियकोबसबोबिदेसमैं कहियततहिप्रवास ॥
जातेंहोतबधूनके तनमेबिरहनिवास ॥ यथा ॥

रैनदिननैननितेंबहतोननीर कहाकरतोअनंगकोउ-
मंगसरचाँपतो ॥ कहैपदमाकरपरागबागबनकेसो तैसो
तनताइताइतारापतितापतो ॥ कीबेजोबियोगनोसँजो-
गहूनदेतोदई देतोजोसँजोगतोबियोगहीनथापतो ॥ हो-
तोजोनप्रथमसँजोगसुखवैसो वहऐसोअबर्यानतोबियो-
गदुखव्यापतो॥२६॥इति श्रीसृङ्गारसुधाकरे द्विजकविकृते
पूर्वानुरागमानप्रवास वर्णनोनाम पंचदशनयूपः ॥१५॥

॥ अथ दशा वर्णन ॥

दोहा ॥ प्रथमकहतअभिलापपुनि चिन्तादूजीजानि ॥

सुमिरनअरुउद्वेगपुनि कहतप्रलापवखानि ॥
गुनवरननउन्मादज औरव्याधिउरआनि ॥
जड़तानवईंविरहमे लेहुदसापहिचानि ॥
दसमदसासृङ्गारमे वरननकरीनजाय ॥
मरनअवस्थाकेकहें रसाभासह्वैजाय ॥

॥ अथ अभिलाप लच्छन ॥

दोहा ॥ जहँापरसपरदुहुनकी मिलनचाहअभिलाप ॥
छकिमनमथकेमोदमें करतमनोरथलाख ॥ यथा ॥
अंजनहू देखियेरँगीलेहगखंजनको कंजकलिकाह्वैकरकंजनकोंगहिये ॥ केसरहू अंगरागअंगमेअँगैयैआली घंसीवनवसिकैअधररसलहिये ॥ ऐसीजियआवतनिरंतरनवीननित केलिकथासुनिसुनिवीतीव्यथाकहिये ॥ हारह्वैकैकीजियेविहाररीविहारीउर संकछोड़िअंकसोंलगायेअंकरहिये ॥१॥ अतिरसऊखहूतेंमधुरमयूपहूतें अधरपियूषवाहिपीजैऔरप्याइये ॥ जीवीउरमेटकरिहियोभरिभेटकरि भुजनसमेटगाढ़ेग्रीवसोंलगाइये॥ कहतमुकुन्दलाललाजगुरुजनकीसो जियहूकेसाटेदाटेकाहूनत्रसाइये॥ हैकोउउपावरीवापीतमकेपासलगि पौनहू कैजैयेऔपरेवाहू कैआइये ॥ २॥ जीयवेकोकहाचलीकहैंप्रपभानलली लालनकोगलीहौंतोलाखवारजाऊँगो ॥ कोऊकरोमैलोमनमेरेतोयहीहैपन लालहिमिलैकैजवतवपानखोंऊँगी ॥ कासीरामईठीहौंतोपठऊंगीचीठी कोऊकरोनाथसीठीताहिनेकनडेराऊँगी ॥ कुयजाकुरैलकहाक-

रैगीझुरैल हौंतोमरेहूचुरैलव्हैकैस्यामैलपटाऊँगी ॥ ३ ॥

॥ अथ चिन्ता लच्छन ॥

दोहा ॥ कबमिलिहैमनभाँवतो योंमनकरैविचार ॥
चिन्तातासोंकहतहैं जेकविबुद्धिअगार ॥ यथा ॥
प्यारेकेदरसबिनअदरसभरीआँखें दरसअँध्यारीसी निहारैधरैझिखिकै ॥ चिंताकेउदधिमैंमगनव्है रह्योहैप्रान आँसूत्योंउमंगनतरंगरंगसिखिकै ॥ भनतकविंदरातौंदिनऐसीरीतिदेखैं प्रेमकेपरेखेंकीसरेखैंअनमिषकै ॥ अरेतैंचितेरेमोपैकृपाकैचितैरे मोहिदैरेऐसीसूरतिहितैरे एकलिखिकै ॥ ४ ॥ भावैनासिंगारबासहासकोनआवै पास बोरीतैंउदासबीरलागैनहींरुद्रमैं ॥ ज्योंज्योंसमताकीसीखदीजैनपतीजैहाथ छीजैछाइआतुरविरहछलछुद्रमैं ॥ पूजिपूजिहारीगिरजारीओगनेसतऊ मिलैना बिहारीमैप्रतीतयौंधीउद्रमैं ॥ भारीभईअकहसकोचके समाजभरी मनकीजहाजबूडीसोचकेसमुद्रमैं ॥ ५ ॥ गैललागीलाजहूचुरैलसीनछोरैसाथ फैलनितनूतनपरोसिनदुखारीको ॥ साससरकैनारहैनाहनिरखतनैना मैनाकैसोबयनाननदबजमारीको ॥ पारमैंअपाईतामैंछाइरहैंगोपबधू खोलननपैयेपटझपटअटारीको ॥ पीजेविषघूंटसोपतीजैमनकाहूकोन कीजैकौनभाँतिआछीदरसबिहारीको ॥ ६ ॥

॥ अथ सुमिरन लच्छन ॥

दोहा ॥ मनभावनकीबातको घिछुरिकरैजबयाद ॥

सुमिरनअरुउद्वेगपुनि कहतप्रलापबखानि
गुनबरननउन्मादऊ औरव्याधिउरआनि ॥
जड़तानबईंबिरहमे लेहुदसापहिचानि ॥
दसमदसासृङ्गारमें बरननकरीनजाय ॥
मरनअवस्थाकेकहें रसाभासह्वैजाय ॥

॥ अथ अभिलाष लच्छन ॥

दोहा ॥ जहँापरसपरदुहुनकी मिलनचाहअभिलाष ।
छकिमनमथकेमोदमें करतमनोरथलाख ॥ यथा॥
अंजनहू देखियेरँगीलेहगखंजनको कंजकलिकाह्वैक-
रकंजनकोंगहिये ॥ केसरहू अंगरागअंगमेंसँगैयेआली
बंसीबनबसिकैअधररसलहिये ॥ ऐसीजियआवतनिरं-
तरनबीननित केलिकथासुनिसुनिब्रीतीव्यथाकहिये ॥
हारह्वैकैकीजियेबिहाररीबिहारीउर संकछोड़िअंकसोंल-
गायेअंकरहिये ॥१॥ अतिरसऊखहूतेंमधुरमयूषहूतें अध-
रपियूषवाहिपीजैऔरप्याइये ॥ जीबीउरमेठकरिहियोग्र
रिभेटकरि भुजनसमेटगाढ़ेग्रीवसोंलगाइये॥ कहतमुकु-
न्दलाललाजगुरुजनकीसो जियहूकेसाटेदाटेकाहूनत्र-
साइये॥ हैकोउउपावरीवापीतमकेपासलगि पौनहूकैजै-
येऔपरेवाहूकैआइये ॥ २॥ जीयवेकीकहाचलीकहैंत्र-
पभानलली लालनकीगलीहौंतोलाखबारजाऊँगी ॥ कौ-
ऊकरोमैलोमनमेरेतोयहीहैपन लालहिमिलैकैजबतयपा-
नखाँऊँगी ॥ कासीरामईठीहौंतोपठऊँगीचीठी कोऊक-
रोनाबसीठीताहिनेकनडेराऊँगी ॥ कुबजाकुरैलकहाक-

रैगीक्रुरैल हौंतोमरेहूचुरैलव्हैकैस्यामैलपटाऊँगी ॥ ३ ॥

॥ अथ चिन्ता लच्छन ॥

दोहा ॥ कबमिलिहैमनभौंवतो यैांमनकरैविचार ॥
चिन्तातासोंकहतहैं जेकबिबुद्धिअगार ॥ यथा ॥
प्यारेकेदरसबिनअदरसभरीआँखैं दरसअँध्यारीसी निहारैथरैक्रिखिकै ॥ चिंताकेउदधिमैंमगनव्हैरह्योहैप्रान आँसूत्यैांउमंगनतरंगरंगसिखिकै ॥ भनतकबिंदराताैंदिनऐसीरीतिदेखैं प्रेमकेपरेखेंकीसरेखैंअनमिपकै ॥ अरेतैंचितेरेमोपैक्रपाकैचितैरे मोहिदैरेऐसीसूरतिहितैरै एकलिखिकै ॥ ४ ॥ भावैनासिंगारचाउहासकोनआवै पास बोरीतैंउदासबीरलागैनहीरुद्रमैं ॥ ज्यैांज्यैांसमताकीसीखदीजैनपतीजैहाय छीजैछाइआतुरबिरहछलछुद्रमैं ॥ पूजिपूजिहारीगिरजारीआैगनेसतऊ मिलैना बिहारीमैंप्रतीतबैंधीउद्रमैं ॥ भारीभईअकहसकोचके समाजभरी मनकीजहाजबूड़ीसोचकेसमुद्रमैं ॥ ५ ॥ गैललागीलाजहूचुरैलसीनछोरैसाथ फैलनितनूतनपरोसिनदुखारीको ॥ सासरकैनारहैनाहनिरखतनैना मैनाकैसोबयनाननदभ्रजमारीको ॥ पारमैअपाईताभैछा-

ताकोंसुमिरनकहतहैं रसग्रन्थनिअविवाद ॥यथा॥
निरखतमालसुधिआवैस्यामसुन्दरकी तबतवसूखैम-
नहीमैअभिलापिकै ॥ लाजतेंसुनावैनासखीनहूकोंजोही
बीच मोहीसीरहतिहैबिरहबिपचाखिकै ॥ भनतकविन्द
जितैवसैपरदेसीलाल तितैउठैचैठैबालमनसिजसाखिकै॥
उरजकरैनदुखदसैवानवेलीकसै सूरजमुखीलोंमुखवाही-
रुखराखिकै ॥ ७ ॥ मोरकोमुकुटकटिपीतपटकाछे करमु-
रलीलकुटमन्दगौनज्योंगयंदको॥वृन्दारकवंद्यपदवृन्दा-
वनबासिनको देवसुखकरनहरनदुखदंदको ॥ वारियैगो-
विन्दपरपूरनसरदइन्दु सुन्दरवदनरूपमदनअमंदको ॥
गोपीवृन्दलोचनारविंदनिमलिन्दमोहि भूलतनआनद-
निधाननन्दनन्दको ॥ ८ ॥ आवतहीजमुनासोंराहमैंचि-
तेरेचित्र पसास्योसोलखिवेकोंठाढ़ीसंगकीभई ॥ तिनही
केसंगगुजरेटीआपठाढ़ीभई जाकेउरबिरहकीउलहीनई
जई ॥ रघुनाथमित्रअनुहारिकोविलोक्योचित्र सुधिआ-
येंविकलतातनमनमैछई ॥ प्रथमहींलीन्हेभरिआँसूदेखि
लोगनकों जीमेडरुराखेफेरिआपुआँखैंपीगई ॥ ९ ॥

॥ अथ गुनबर्णन लच्छन ॥

दोहा ॥ मनभावनकोरूपगुन बरनैतियकरिप्रीति ॥
गुनबरननतासोंकहैं लैसुकविनकीरीति ॥ यथा ॥
आजगुनउनकेकहतिहौंबिदेसगये मेरेलोभघरसोंन-
घरियौटरतहे ॥ मोहिराजीराखिवेकोंदिनदिनछिनछिन
मेरेहीमनोरथकेढरनिढरतहे ॥ जेठकीदुपहरीमेसीतलउ-

पायछोड़ि रघुनाथमेकोंदेखिसीरेहू ठरतहे ॥ एरीमटू
औरासुनुरीतिअलबेली मैसहेलीसोंरिसाउंतावेआपकों
ररतहे ॥१०॥ ओझलहू आइझुकिझौंझकाझरोखे रूपझ
सीझमकगईझलकनझाँईकी ॥पैनेअनियारेसेसहजक-
रारेहग चोटसीचलाईचितवनचंचलाईकी ॥ कौनजा-
कोहीउड़िलागैदीठमाही उररहीअवरोहीवेदनिधिकी
काईकी ॥ अचलगिआँखिनकीपूतरीकसौटिनमै ला-
रहैलीकवाकीसोनेसीनिकाईकी ॥ ११ ॥ वाहीभामिनी
भावैतनकोविलासमोहि तनकोनभावैतन्योआनघ-
तानको॥मिलिवोसुहातमोहिवाहीकेहियेको हियेआ-
मिलनजैसंपरसपखानको ॥ भनतकविन्दवाकीक-
हैंचखानेखूबी मूदीदेहवाकीपेखिपोखपावैप्रानको ॥
वहनेमजोमनैवोवाहीमाननीको प्रेमथाकेसानकोप-
वाहीमानको ॥ १२ ॥

॥ अथ उद्वेग लच्छन ॥

। ॥ विनमिलापपियकेजहाँ मनथिरतानलखाय ॥
सुखदवस्तुलागैंदुखद सोउद्वेगकहाय ॥ यथा ॥
सिमईविषविसवासीमएवैरीनाह कालमयोकाला
रैनिभईराकसी ॥ अंगकेसिंगारतेअँगारसेमयेहैंसैन
भुजंगमयेचोकीमईचाकसी॥चोछीमयेविछुआयि-
नागछौनाभये प्रथमविछोहेछोहमूलीछकछाकसी॥
पलँगमयोपरदापहारभये अँगनअँगोठीमयोमो-
भाकसी ॥ १३ ॥ हूलसमलागैफूलसूलसीसुवासलागै

बागलागैबाघसोतड़ागलागैडागसो ॥ भनतकविन्दमृगमदलागैकरदसो खानपानबानसोदुकूलदेहदागसो ॥प्यारेकेवियोगतेंविहालयोंनिहारीबाल बोलतमरालसोऊलागैकूरकागसो ॥ चंदलागैचितासोअँगारसोअगरलागै घरलागैगरसोनगरलागैनागसो ॥ १४ ॥ ऐसोकोसनेहीहौंताहारीहौंहहारीहेर जसलैजियावैऔरप्यारेकोंमिलावैफेर॥ छतियाँछटूकहूमैछोहतेंपरैदेरर. दरसदवादंकौनघावहिभरावैफेर ॥ चंदब्रजचंदकेविछोहतेंसुनैयेटेर दोखीदुखियाँनकाहेअबतूदुखावैफेर ॥कान्हहीकोकिरिनग्रसेतेंहोतप्रानढेर टरजाकलंकीजिनमुखहिदिखावैफेर ॥ १५ ॥

॥ अथ प्रलाप लच्छन ॥

दोहा ॥ थिरताहोइनचित्तमैं विरहव्यथाअकुलाय ॥
जोचाहैसोइबकिउठै वहैप्रलापकहाय ॥ यथा॥

चलचलमोसोंकहैचलचलहोतकित थिचलविचलपरपरतउचकिचकि ॥हँसिहँसिरूसिरूसिरीझिरिझिआवैसरी खीजिखीजिजायछबिछूटिछूटिछकिछकि ॥ काहिताकित।किचितकितहींपठायोआज देवकहैरहीकौनव्यथातेंथिथकिथकि ॥ बिनहींबिचारकेबचनबिनबूझेथोर चहकिबहकिबिनकाजउठैबकिबकि ॥ १६ ॥ आमकोंकहतिअमलीहैअमलीकेंआम आकहीअनारनकोंआँकिबोकरतिहै ॥ कहैपद्माकरतमालनकोंतालकहै तालनितमालकहिताकिबोकरतिहै ॥ कान्हैकान्हकाहूकहिकद- ंबन ँ भेटिपरिरंभनमैछाकिबोकरतिहै ॥ सौंब-

रेजूरात्रेरयेंबिरहबिकानीबाल बनबनबावरीलौंताकि-
बोकरतिहै ॥ १७ ॥ माननकेप्यारेतनतापकेहरनहारे नं-
दकेदुलारेब्रजबारेउमहतहैं ॥ कहैपदमाकरअरूकौउरअ-
न्तरयों अंतरचहेहू जोनअंतरचहतहैं ॥ नैननिबसेहैंअंग
अंगहुलसेहैं रोमरोमनिरसेहैंनिकसेहैंकोकहतहैं . ऊधोवे
गोविन्दकोऊऔरैमथुरामेंइहाँ मेरेतोगोविन्दमोहिमो-
हीमेंरहतहैं ॥ १८ ॥

॥ अथ उन्माद लक्षन ॥

दोहा ॥ तरकिउठैगावैहँसै पुनिरोवैसुधिजाय ॥
भाजिचलैचितबतिरहै सोउन्मादकहाय ॥ यथा ॥

रीझिरीझिरहसिरहसिऔरहँसिहँसि स्वांसभरैआँसू
ढरैकरतदईदई ॥ चकिचकिचौंकिचौंकिऔचकउचकिंद-
व तकितकियकिथकिपरतधईधई ॥ दोउनकोरूपगुनदो-
ऊबरनतफिरैं थिरनथिरातरीतनेहकीनईनई ॥ मोहिमोहि
मोहनकोमनभयोराधामय राधामनमोहिमोहिमोहनमई
भई ॥ १९ ॥ जबतेंकुंअरकान्हरावरीकलानिधान कान
परीवाकेकहू सुजसकहानीसो ॥ तबहीतें देखो देवदेवता-
सीहँसतिहै रीझतसीखीझनसीरूमतिरिसानीसो ॥ छो-
हीसीछलीसीछीनलीनीसीछकीसीछीन जकीसीचकीसी
लागीथकीथहरानीसो ॥ बाँधीसीबिधीसीबिषबूड़तबि-
मोहितसी बैठीबालबकतबिलोकतबिकानीसो ॥ २० ॥ सु-
लेभुजमूलनडगमगडोलनसों बनबनभूलनचोंघूमतफिर-
तिहै ॥ छोड़िसखिजालनकोंभेटततमालनकों उझकिन-

थीनभ्रुकिभ्रूमतफिरतिहै ॥ रीभ्रैमनमाहिंखीभ्रैखिनमै पसीजैतन भीजैअँसुवानसारीलूमतफिरतिहै ॥ मैनकी मरोरमातीमोरनमिलतडोलै चातकचकोरनकोंचूमतफिरतिहै ॥ २१ ॥ नाहींवनपाँतितनकौंलिस्यामसुन्दरकी नाहींवकसेतमुकताहलहैंमालके॥भनतकविन्दमुसुकानिसोहैसाँवरेकी कौंधतनकौंधाचीजुरीकीजोतिजालके ॥ चाहि रहैचकीसीचकोरनैनीचारोंओर गाहिरूपमोहवसमोहन गोपालके॥चंदनाहिंआलीनन्दनन्दनकोमुखहैरी हैंनअरविन्दयेतोलोयनहैंलालके ॥ २२ ॥ छिनमैहँसतिछिनरोवतिरिसातिछिन छिनमैखिसातरूपरंगनरितैगयो ॥ आपहीतैंमानमानभौनमुरिवैठैकोन आपुहीमनावैऐसेंवासरवितैगयो ॥ थंभनसोंडोलैपरिरंभनकरतछिन छपासों डरतचाहिचितदुचितैगयो ॥ देखिघनस्यामैदौरैभेटिवेकों स्यामै उठैलैलैपियनामैतासयानपकितैगयो ॥ २३ ॥

॥ अथ व्याधि लच्छन ॥

दोहा । तचैतापवैवरणंव्है दीरघलेयउसासु ॥
भूखप्याससुधिवुधिघटै व्याधिकहतहैंतासु ॥यथा॥

भ्रापतनजीकेअभिलापलाखपीके पवनप्रचंडसुरसाखसीलुरीपरै ॥ चिन्ताहीअचेतसुखसुमिरैसकेतहित गुननिनिकेतनितनेहहीघुरीपरै ॥ देवजूसुखदसुखदायकभयेही सनमुखमुखवोलैडोलैमोहमैमुरीपरै ॥ फूलकीसीमालव्यालसिथिलदुकूल भुजमूलनथिथोरैंवीथींवीथी विथुरीपरै ॥ २४ ॥ वेदनएजानैकोनिवेदनयेमानैकौन वे-

दनउदोतहोतछेदनयेछातीहै ॥ पीकीवलियाँसुनिकैती
फोअतिओंसुनकी उमड़ोनदीसीवढ़ोनदीसीसुहातीहै ॥
सोकहैसुहातजाहिसोकहैविपमवात विपुविपुमेखकील-
हरछहरातीहै ॥ घूमिघूमिगिरतिभुजनिभरैंझूमिझूमि
सखीमुखचन्दचूमिचूमिविलखातीहै ॥ २५ ॥

॥ अथ जड़ता लच्छन ॥

दोहा । सुखदुखहोइसमानजहँ सुधिवुधिकोनहिंलेस ॥
तासोंजड़ताकहतहैं जेकविवुद्धिविसेस ॥ यथा ॥

बैठीवीरवैरीविरहागिकीविसेपदेखि औररङ्गढङ्गकि-
येपीरतनदाधेकी ॥ जकीसीथकीसीचकीसकीसीटकी
सीलायं छकीसीपियाकेसुखआसवअगाधेकी ॥ पल-
सीलगैनपलपूतरीअचलऐन चित्रकीसीचीतीगतिजीती
हैसमाधेकी ॥ पूरतिहैप्रेमसोंविसूरतिहूनाहिंदैया मूर-
तिलोंसूरतिभईहैअवराधेकी ॥ २६ ॥ आईसुधिदेनतो-
हिलेनअलिगईचलि एरीभटूतेरेवुद्धिवयपहिचानकी ॥
जोहैकैनजोहैदेखुधकधकोहीमेमेरे प्यारीपियकीहैआपु
तियसूधेवानकी ॥ रघुनाथकीदोहाईकीन्हेतोसोंकह-
तिहौं आनकीतोकहाहैनसुधिपानोपानकी ॥ बिरहव्य-
थासेंऐसीजड़ताबसीहैआनि भईसुखदानमानोपूतरीप-
खानकी ॥ २७ ॥ डोलतिनडोठिनीठिवोलतिसुईठिन
सों गुपतबसीठीपीठिवैठीमुखसेवोसी ॥ रलिगईरलक
झलकजलकननकी अलकअरालछूटीनागिननिपेवीसी॥
सूलसुनिएवाकेपरेवाओंपरतप्यारो टूटिपरिवेकोपैनपे-

घीनझुकिझूमतफिरतिहै ॥ रीझैमनमाहिंखीझैखिनमै पसीजैतन भीजैअँसुवानसारीलूमतफिरतिहै ॥ मैनकी मरोरमातीमोरनमिलतडोलै चातकचकोरनकोंचूमतफिरतिहै ॥ २१ ॥ नाहींघनपाँतितनकाँतिस्यामसुन्दरकी नाहींबकसेतमुकताहलहैंमालके॥मनतकथिन्दमुसुकानिसोहैसाँवरेकी कौंधनकौंधाघीजुरीकीजोतिजालके ॥ चाहि रहैचकीसीचकोरनैनीचारोंओर गाहिरूपमोहबसमोहन गोपालके॥चंदनाहिंआलीनन्दनन्दनकोमुखहैरी हैंनअरबिन्दयेतोलोयनहैंलालके ॥ २२ ॥ छिनमैहँसतिछिनरोवतिरिसातिछिन छिनमैखिसातरूपरंगनरितैगयो ॥ आपहीतैंमानमानभौनमुरिबैठैकोन आपुहीमनावैएसैंबासरबितैगयो ॥ थंभनसोंडोलैपरिरंभनकरतछिन छपासों डरतचाहिचितदुचितैगयो ॥ देखिघनस्यामदौरिभेटिवेकों स्यामै उठैलैलैपियनामैतासयानपकितैगयो ॥ २३ ॥

॥ अथ व्याधि लक्षण ॥

दोहा । तचैतापवैवरणंव्है दीरघलेयउसासु ॥
भूखप्याससुधिबुधिघटै व्याधिकहतहैंतासु ॥यथा ॥

झापतनजीकेअभिलापलाखपीके पवनप्रचंडसुरसाखसीलुरीपरै ॥ चिन्ताहीअचेतसुखसुमिरैसकेतहित गुननिनिकेतनितनेहहीघुरीपरै ॥ देयजूगुखदसुखदापफभयेही सनमुखमुखयोठैडोलैमोहमैमुरीपरै ॥ फूलकीसीमालज्यालसिथिलदुकूल भुजमूलनथिथोरैंथीथीथीथी थिपुरीपरै ॥ २४ ॥ वेदनएजानैकोनिवेदनयेमानैकोन बं-

दनउदोतहोतछेदनयेछातीहै ॥ पीकीबतियाँसुनिकैती कीअतिआँसुनकी उमड़ोनदीसीबढ़ीनदीसीसुहातीहै ॥ सोकहैसुहातजाहिसोकहैविषमयात विपुविपुमेखकील-हरछहरातीहै ॥ घूमिघूमिगिरतिभुजनिभरैंफूमिफूमि सखीमुखचन्दचूमिचूमिबिलखातीहै ॥ २५ ॥

॥ अथ जड़ता लच्छन ॥

दोहा । सुखदुखहोइसमानजहँ सुधिबुधिकोनहिंलेस ॥
तासोंजड़ताकहतहैं जेकबिबुद्धिविसेस ॥ यथा ॥

बैठीबीरबैरीबिरहागिकोबिसेषदेखि औररङ्गढङ्गकि-येपीरतनदाधेकी ॥ जकीसीथकीसीचकीसकीसीटकी सीलायें छकीसीपियाकेसुखआसवअगाधेकी ॥ पल-सीलगैनपलपूतरीअचलऐन चित्रकीसीचीतीगतिजीती हैसमाधेकी ॥ पूरतिहैप्रेमसोंबिसूरतिहूनाहिंदैया मूर-तिलौंसूरतिभईहैअबराधेकी ॥ २६ ॥ आईसुधिदेनतो-हिलेनअलिगईचलि एरीभटूतेरेबुद्धिबयपहिचानकी ॥ जोहैकैनजीहैंदेखुधकधकीहीमैंमेरे प्यारीपियकीहैआपु तियसूधेबानकी ॥ रघुनाथकीदोहाईकीन्हेतोसोंकह-तिहौं आनकीतोकहाहैनसुधिपानीपानकी ॥ बिरहब्य-थासोंऐसीजड़ताबसीहैआनि भईसुखदानमानोपूतरीप-खानकी ॥ २७ ॥ डोलतिनडीठिनीठियोलतिसुईठिन सों गुपतवसीठीपीठिवैठीमुखसेयोसी ॥ रलिगईरलक फलकजलकननकी अलकअरालछूटीनागिननिपेयीसी॥ सूलसुनिएयाकेपरेवालौंपरतप्यारी ...

हास्यपंचरत्न। इस मे अनेक देशभाषाओं के कवित्त हैं और भंडौवा व: ह: के अनेकन प्रकार हैं ।/)

हास्यार्णव नाटक। इस के पढ़ने से हंसते हंसते पेट मे बल पड़ जाता ऐसा अपूर्व ग्रंथ है कि अगर मनहूस भी हो तो वह भी सुन के मुसकुरादे।

पद्याष्टक। इस में चुनन्दे पांच अष्टक हैं, विंध्यवासिनी, गंगा, जमु राधा श्री वेदान्त के ६)

कालचरित्र। २ हैं श्री कवि श्री नंदलाल कवि कृत दोनों ग्रंथ ब लतीफे के हैं ६)

जुगुलकिशारविलास। राधा कृष्ण के रसीले पद यह गोकुलनाथ की का बनाया है, बस पढ़ने से ही इस का मज़ा मिलैगा।/)

जुगुलरसमाधुरी। राधा कृष्ण का महली सृङ्गार बरणन अद्भुत है /)

सुजनाविनाद। इस में १०८ किस्से बीरबल, अकबर श्री पोस्ती अफीमची इत्यादि के हैं जिसके पढ़ने पर सिंहासन श्री बैतालपचीसी वगैरह सब की कौड़ी जान पड़ैगी ॥)

सृङ्गारतिलक श्री सृङ्गारविन्दु। ये दोनों ग्रंथ भाषा टीका सहित महाकवि कालिदास कृत हैं ।/)

वेदान्तत्रयी। तीन ग्रंथ शंकराचार्य कृत हैं जिस पर भाषा टीका ऐसी उत्तम है कि बिना किसी के पूछे हुये आप ही लगा लीजिये श्री वेदान्त का तत्व जान लीजिये॥)

मानसमुक्तावली। गोसांई तुलसीदास के सातों काण्ड रामायण के शंकाओं की टीका, जिस में एक २ चोपाइयों के दस २ बारह २ अर्थ श्री अपूर्व भाव श्री बन्दन पाठक जी ने लिखे हैं १)

भाषाभूषण श्री रसिकमोहन। ये दोनों ग्रंथ एक मे हैं, श्री १५० वर्ष के प्रचीन जसवंतसिंह कृत भाषाभूषन श्री रघुनाथ कवि कृत रसिकमोहन यह सच मुच रसिकमोहनहीं है जिस के कवित्तों को पढ़ते हुये आठ आठ रहिये निस्संदेह ऐसे रसीले ग्रंथ हैं कि बिना इन ग्रंथों के पढ़े अलंकार नहीं आनता श्रार अलंकार बिना जाने कविता बनाना श्री मज़ा उठाना कभी नहीं हो सक्ता इस लिये इसे अवश्य देखना चाहिये ॥)

रामाश्वमेध। यह दोहा चौपाई छन्द युक्त तुलसीदासजी ही की रामायण का उत्तरार्द्ध है जो उनहीं की गादी के महात्मा का रचित है, ऐसा अनूठा ग्रंथ है कि जिसे हाथ से रखने का मन नहीं चाहता युद्ध प्रकर्ण जिसका देखिये तो महाभारत से कम नहीं, इसी भांति अनेक लव कुश इत्यादि की कथा देखनेही जाग्य है, मोटे अक्षर पुष्ट कागज़ पक्की जिल्द है २।)

ये सब ग्रंथ बनारस त्रिपुरभैरवी पं० मन्नालाल के पास डाक महसूल स- हित मूल्य भेजने से मिलैंगे।